This is a digital copy of a book that was preserved for generations on library shelves before it was carefully scanned by Google as part of a project to make the world's books discoverable online.

It has survived long enough for the copyright to expire and the book to enter the public domain. A public domain book is one that was never subject to copyright or whose legal copyright term has expired. Whether a book is in the public domain may vary country to country. Public domain books are our gateways to the past, representing a wealth of history, culture and knowledge that's often difficult to discover.

Marks, notations and other marginalia present in the original volume will appear in this file - a reminder of this book's long journey from the publisher to a library and finally to you.

Usage guidelines

Google is proud to partner with libraries to digitize public domain materials and make them widely accessible. Public domain books belong to the public and we are merely their custodians. Nevertheless, this work is expensive, so in order to keep providing this resource, we have taken steps to prevent abuse by commercial parties, including placing technical restrictions on automated querying.

We also ask that you:

+ *Make non-commercial use of the files* We designed Google Book Search for use by individuals, and we request that you use these files for personal, non-commercial purposes.

+ *Refrain from automated querying* Do not send automated queries of any sort to Google's system: If you are conducting research on machine translation, optical character recognition or other areas where access to a large amount of text is helpful, please contact us. We encourage the use of public domain materials for these purposes and may be able to help.

+ *Maintain attribution* The Google "watermark" you see on each file is essential for informing people about this project and helping them find additional materials through Google Book Search. Please do not remove it.

+ *Keep it legal* Whatever your use, remember that you are responsible for ensuring that what you are doing is legal. Do not assume that just because we believe a book is in the public domain for users in the United States, that the work is also in the public domain for users in other countries. Whether a book is still in copyright varies from country to country, and we can't offer guidance on whether any specific use of any specific book is allowed. Please do not assume that a book's appearance in Google Book Search means it can be used in any manner anywhere in the world. Copyright infringement liability can be quite severe.

About Google Book Search

Google's mission is to organize the world's information and to make it universally accessible and useful. Google Book Search helps readers discover the world's books while helping authors and publishers reach new audiences. You can search through the full text of this book on the web at http://books.google.com/

Hindi.

13 B 73.

Hindi Bible 3

~~40. B. 4~~

Indian Institute, Oxford.

THE MALAN LIBRARY

PRESENTED

BY THE REV. S. C. MALAN, D.D.,

VICAR OF BROADWINDSOR,

January, 1885.

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

THE

HOLY BIBLE,

CONTAINING

THE OLD AND NEW TESTAMENTS,

TRANSLATED

FROM THE ORIGINALS

INTO

THE VIKANERA LANGUAGE.

BY THE SERAMPORE MISSIONARIES.

VOL. V.

Containing the New Testament.

Serampore:

PRINTED AT THE MISSION PRESS,

1820.

Digitized by Google

REV. S. C. MALAN
Digitized by Google

ईश्वरको अगलो कथा।

अबै आदम्यांकै उबारबेई और पलनबेई चाहैं कहोछै।

उ

धर्म पुस्तक।

उंको छेहलो विराड।

या म्हांकै तारणवाला भगवान यिसुख्रीष्टका फायदाकी

मंगलीक वार्ता।

इब्री बोलीसूं बीकानेरकी बोलीमें परगत उतरी।

श्रीरामपुरमें छापो हुवो।

संवत् १८७७। अंगरेजी सन १८२०।

Digitized by Google

Digitized by Google

टोपको घांनो।

मंगलीक कथा मात्तिउकी बखायोडी।
मंगलीक कथा मार्ककी बखायोडी।
मंगलीक कथा लूक्की बखायोडी।
मंगलीक कथा योहन्की बखायोडी।

यिसुखीष्टके जन्म ओर दिखलाइबा का कठेरा कांम का मरबो फेरउपडबो बाधारो योपडोमें कोई लिख्योडे।

भेल्बेलाको कथा।

यिसु खीष्टका चेला मंगलीक कथा ओर तरे बोईकबो का घरलोका चार बिराडमें टोबो करी इंबोपठोमें इंको बयाब लिख्योडे।

पाउल् रूमबाराको कागद रूम्यांकने।
पाउल्को पैलडो कागद करिंथीयांकने।
पाउल्को दूजो कागद करिंथीयांकने।
पाउल्को कागद गलातियांकने।
पाउल्को कागद इफेसियांकने।
पाउल्को कागद फिलिपीयांकने।
पाउल्को कागद कलस्सीयांकने।
पाउल्को पैलडो कागद थेसलोनीकी मायांकने।

पाउलको दूजो कागद तेसलोनीकवें वास्यांकनें।
पाउलको पेंलडो कागद तिमोतियांकनें।
पाउलको दूजो कागद तिमोतियांकनें।
पाउलको कागद तीतसकनें।
पाउलको कागद फिलिमनकनें।
पाउलको कागद एब्रीयांकनें।
यआकूबको कागद सगलांकनें।
पितरको पेंलडो कागद सगलांकनें।
पितरको दूजो कागद सगलांकनें।
योहनको पेंलडो कागद सगलांकनें।
योहनको दूजो कागद।
योहनको तीजो कागद।
यिऊदाहको कागद सगलांकनें।

लोगांवें प्रतीत वा आसा वा सगली दया सिखवा करवो वा यावेंभी आदमोको करवो दिखावयवेई ये ऋतीस पोंबा टाल्यांनें लिख्या गया छा।

मंगलीक कथांवेंलवाला योहनकनें अकेर चोडे छा।

मोहको अकेर आग्या पासियाकी सात टाल्यांकनें छी उ इंधी ठेडली चोपडीका पेंवड़ा विराडमें वा वरवोका ठेवातांई टाल्यांको अकोर असी उ उंके ठेडवा विराडमें छे।

बांबी वोखवा आमरांवो विचार।

कोई घर आमरवें नीचें घर मिळी वें तो उं आमरमें घर

मो ८ सरीखो चोख्यो जाणी।

घू कखावें नीचें घर काई मीठी वें तो ८ चोख्यो जाणी।

म्र खसावें नीचें घर वें तो ७ सरीखो।

कखावें नीचें घर काई मीठी वें तो ३ सरीखो।

१ मींजाणा पुरुखी विवठिकावें ई वरें बेंनांव सामीमें अवो

कोई बेंनांव वें उ ढीवामें सामी आणावेई उ देंवो पड

वो।

Digitized by Google

Digitized by Google

मंगलीक समाचार मातिउरचित।

१ पैंहडो पांवो।

आवरहामको डावडो दाउद उंको डावडो यिसुखीष्ट
का वडेरांकी पोथडी आ।
२ आवरहाम् यिसहाक्नें जनायो ओर यिसहाक् यआकुब्नें
३ जनायो ओर यआकुब् यिहुदानें ओर उंका भाईनें जना
यो ओर यहोदा फारेस् ओर जारह्नें तामारसूं जनायो
ओर फारेस् हेस्रोम्नें जनायो ओर हेस्रोम् राम्नें
जनायो ओर राम् आमिनादब्नें जनायो ओर आमिनादब्
४ नहसोन्नें जनायो ओर नहसोन् सलमनें जनायो ओर
५ सलमोन् बोअज्नें राहाबसूं जनायो ओर बोअज् ओबेद्नें
रुतसूं जनायो ओर ओबेद् यिशिनें जनायो उंके पछे यिशि
६ नें दाउदराजानें जनायो ओर पिछ दाउद राजा सलमन्नें
७ उंसूं जनायो जे पहला आउरियकी वऊ थी। ओर सलमन्
रहबआम्नें जनायो ओर रहबआम् आबियाहनें जनायो
८ ओर आबियाह आसानें जनायो ओर आसा यिहोसाफाट्
नें जनायो ओर यिहोसाफाट् योराम्नें जनायो ओर यो
९ राम् उजियाहनें जनायो ओर उजियाह योताम्नें जनायो
ओर योताम् आहाज्नें जनायो ओर आहाज् यिहिजकियाह
१० नें जनायो ओर यिहिजकियाह मनसेहनें जनायो। ओर मन्
सेह आमोन्नें जनायो ओर आमोन् योसियाहनें जनायो

Digitized by Google

११ और योशियाह याकोमनें और उंका भाईनें जणायो और
पिछ बाबेलमें लेजांबको बेळा याकोम् यिकोनियाहनें जणा
१२ यो । बांको बाबेलपोंतायछें यिकोनियाह सलातियलनें
१३ जणायो और सलातियल जेरुबाबेलनें जणायो। और जेरु
बाबेल् आबिउदनें जणायो और आबिउद् एलियाकिमनें
१४ जणायो और एलियाकिम् आजुरनें जणायो। और आजुर
१५ सादोकनें जणायो और सादोक् आकिमनें जणायो और
आकिम् एलिउदनें जणायो उंके पछें एलिउद् एलियजरनें
१६ जणायो और एलियजर मतननें जणायो और मतन् यअा
कुबनें जणायो और यआकुब् युसफ्नें जणायो उ मारिया
को धणी वें जींसूं यिशुको जन्म हवो कें जको खीष्ट नामोक
हवो।

१७ इंकेर्इ आवराहामसूं दाउदतोंडी सगळी समेत चोदें
पीढी और दाउदसूं बाबेलमें लेजाबबोतो चोदे पीढी और
बाबेलमें लेजाबसूं खीष्टतोडी चोदें पीढी।

१८ यिशु खीष्टको जन्म हवो गे उंको माउ मारिया युसफ
कनें करार कयोडोजयर वां दोवांकें मिलबकें पेंहडां वा
१९ धर्मात्मासूं गरभवती जांणीगी। उंको धणी युसफ् संमेती
जयर और लोकांमें उंनें कालो लगावबनें न मरजी करर
२० उंनें छानोबरें गेरबकी मनमें करी। और उ उंकेउपर
चिंता करतो देखो भगवानकें दबकारें सुपनामें उंनें दिखाडो
दीनो और कयो कें हे दाउदका डावडा युसफ् आपकी बउ
मारियानें लेबनें मती डीरे क्योंस जिबमें जको जणीजें उ
२१ धर्मात्मासूं जें। औरपिछ वा डावडो जणसी और उंको नांव
तूं यिशु देसी क्योंस उ आपका लोगांनें वांका पापसूं उद्धार
करसी।

२२ यो सगळो हवो कें भगवानकी या कथा परवारें कें जका
निमित्तवासूं कयोडीगी कें देख एक डावडी पेटसूं जणी

२३ और डावडो जणसी और वें उंको नांव इमानुएल् देसी अथवा प्रभु म्हांकें भेळो ।
२४ इंपछें जागबांपछें वर उंनें जिसो आग्या दीनी छी युसफ्
२५ नींदसूं जागर जिसो करड़ काम को वचनें कीनो । और उंको पैंथडो डावडो जणबें तामाडी उंको वउग्यांन नहीं कयो उंपछें उं आवडाको नांव यिसु दीनो ।

२ दूजो पोथी ।—हेरोद राजाका कामें यिसु यहूदाह देसकें बेत्लेहेम्में जण्यो जद देखो पंडित पूरब
२ देससूं यिरूशालेम्में आया और वां कयो कें जको यिहूदींको राजा जनम्योछें उ कठेंछें क्योंके पूरब दिसामें उंका तारा वें देखर म्हे उंकी पूजा करबनें आयांछां ।
३ हेरोद राजा आ कथा सुणर मोकळो बिराजो हुवो और
४ उंकें भेळा समळा यिरूशालेम्वासीपिण । इंपछें समळां ठावोडाचारजांनें और लोगांकें भणवाळानें भेळा करर
५ उं वांनें पूछ्यो कें ख्रीष्ट कठें जणसी । वां कयो कें यिहूदाह देसका बेत्लेहेम्में क्योंके भविष्यवादीसूं उयो लिख्योछें कें
६ हे यिहूदाह देसका बेत्लेहेम् तूं यिहूदाहकें सिरदारांकें बिचमें मोकळो नांनो नहें क्योंके तेंसूं एक इसो सिरदार
७ उपजसी कें जको म्हांका यिस्राएल् लोगांनें पाळसी । तद हेरोद पंडितांनें एकंतमें बुलावर ताराका उदयकी बाबतें
८ ठीकतरें पूछ्यो । इंकेंपछें वांनें बेत्लेहेम्में भेजर बोल्यो कें जावर डावडानें आछी सोधो और जद उंनें पावो तद
९ म्हनें ठीक करो कें मेंपिण आयर उंकी भजना करूं । वें राजाकी कथा सुणर चाल्या गया और देखो जीं तारानें वां पूरब दिसामें देख्यो छो उवारो जायर डावडाकी जागा
१० कें उपर पोंहचताडी वांकें अगाडीर गयो । वें तारानें
११ देखर मोटो राजीसूं राजी हुवा तद वां झूंपामें वडर उंकी

माड मारिवावें भेजो उ डावडानें देख्यो ओर बंदगी करर
उंको भजन कर्यो इंवेंपठें आपको मवची गांठां खोलर
१२ उंवें सोनो ओर लोबान ओर बोलारस भेट दीधा। इंपठें
फेर हेरोदकें कंनां मजावकें सुपनामें भगवानसूं उपदेश
करीडा अवर वें दुजामारगसूं आपका देशमें गया।
१३ वें मार्गपठें देखो भगवानकें दूत आरें सुपनमें युसफवें
दर्शन दीया कयो कें उठर डावडावें ओर उंकी
माउवें लेर मिसरमें भाग ओर जठातोडी कुं तनें न कहुं
वठेताडी उठै रें क्योंक डावडानें जोया मारबर्ने हेरोद उंनें
१४ सोधसी। उंपठें उ रातका उठर डावडानें ओर उंकी
१५ माउनें लेर मिसरमें गयो। ओर हेरोदके मरबताडी
उठें रयो कें निबियासूं भगवान कहा कथा कही जो कें
मिसरसूं में आपका डावडानें बुलायोठें सु परवारीजाय।
१६ जद हेरोद जद देख्यो कें आप पंडतांसूं ठगारी करी
डाडि वद मोकलो सिरारो जबे ओर बीतलेहेममें ओर
उंकी सगली सींवमें जद मेंवर जोवेका मावतसूं पंडितां
में पूछ्योछो वदसूं दोयसालका ओर उंसूं मोना सगलां
१७ डावडानें मारनाख्या। तद यिरमियाह निबियासूं
१८ कयोडो कथा पेटें कई वें रामामें एक साद सुण्यो गयो
अथवा हाहाकार ओर रोवणो वा मोकला झूरवा राखेला
आपका डावडावेई रोवें बातरी मन:नेठें क्योंक वें डावडा
नहीं।
१९ हेरोदकें मरबाकें पठें देखो भगवानकें दूतकाराने मिसर
२० में सुपनामें युसफूनें दिखाले दीयो वा कयो कें उठर
डावडावें वा उंकी माउनें ले ओर यिस्राएल् देशमें जा
क्योंक डावडाकें जोया मारबर्नें च्यां सो ज्यो वें मर गया।
२१ इंपठें उ उठर डावडानें ओर उंकी माउनें लीनी ओर
२२ यिस्राएलमें आया। फेर जद सुण्यो कें यिहुदाह देशमें

आर्खेलाउस् आपका बाबा हेरोदका ठिकाणामें बैठर
राज करेछे तद उठे जांवने डर्‍यो और सुपनांमें भगवान
सूं उपदेस कर्‍योडो व्हयर मुडर गालिलो देसमें गयो।
२३ और नासरत् नांवके एक नगरमें बस्यो के निमित्तियांसूं
कह्योडी कथा परवाणें के उ नासरेय् नांवसूं विख्यात व्हेसी।

३ तीजो पांनो।—उंवेळा योहन् डुबोदिरावणवाळो
ढंढेरो देवार ओर सरगको राज नेडो छे इसूं मनमोड ला
२ के ओर यहूदाके जोडमें आयो कोस यो उछे के जोका
३ कावदामें यिसाईयाह निमित्तियासूं कह्योडो छे के जोडमें
चिलकीमारबैवाला एक लोगको यो साद छे के यिहवको
४ मारग त्यार करो उंका मारग पधरा करो। उ योहन्
उंठका पशमका गाभासूं बणाव कर्‍योडो छे ओर उंकी कडमें
चामडाको कमरबंधो पिण बंध्योडो छे ओर उंको खाणो टिडी
५ ओर जोडको सैत। तद यिरूसालम् ओर यिहूदाह देस
का सगळा लोग ओर यरदन्के नेडाईंबवाला लोग उंवें
६ कनें जायर आपका पाप स्वीकार उंसूं यरदन्में डुबी
७ खायोडा व्हयर उंवी डुबोदिरावणमें फारिसियांके ओर
सादुकियांका मोकळा लोग आवता देखर उं वांनें कयो के हे
सांपकापरवार थांबाहाररीससूं भागबेंकी थांनें उपदेस
८ कयो। इंवेई मन मोडबाको उचित फळ फळाव ओर
९ या मनमें कैबनें मती ठेराय के आबरहाम् म्हांको बाबो छे
क्योंक हूं थांनें कउंछु के भगवान यां भाठांसूं आबरहाम्
१० के टावरांनें उपजाय सकेछे। ओरपिण इबें कुवाडो रूंखांकी
जडमें लगायो जावछे इसूं फावेंसो रूंख चोखा फळ न फळाव
११ सूं काट्या जायछे ओर बास्तेमें नांख्या जायछे। मन मोडबा
के वास्ते थांनें पांणीमें डुबो दिरावूंछु सही लेर जको म्हारे
पिछाडी आवेछे उ मेंसूं बळियोछे के जींको जोडो उपाडने

Digitized by Google

जिण कं साबण म्हूं ज धर्म्मात्मा ओर वासदेमें घांनें हुबी
१२ दिरासी। जीवें गमको आपका हाथमें ठें ओर उ आप
का खाटांमें खाठा साफ करसी ओर आपको कोठीमें गोऊं
भेळा करसी फिर भांवको वासदेमें वाळसी कें जको कदेई
न बुझसी।
१३ तद जिसु गालिलिसूं वरदनमें योहनकें नेडो उंसूं हुबो
१४ डा होवनें आयो फेर योहन उंनें मा फेर करबो कें म्हारा
हाथसूं हुबीदिरायोडोहोबो मनें वाजिबी ठें ओर कांई तूं
१५ म्हारें नेडो आवेठें। जिसु उथको देर उंनें कयो के अबें ईंयां
होब देबो क्योंके समळा धरम इयां परवारबो म्हांनें वाजि
१६ बीठें तद उ उंनें करब दीनो। जिसु हुबीदिरायोडो जबर
उंबी बेगा पांणीसूं कडो ओर देख उंकेबनें सर्ग खुलो ठें
ओर पारेवाइको उतरतो ओर उंकेंउपर आवोतोको उं
१७ भगवांन आत्मानें देख्यो। ओर देखो सर्गसूं आ केंवतोको
एक साद आयो कें उ म्हारो मोठोवालो डावडो कें जीसूं
मं मोकळो राजीहूं।

४ चोथो पांनो।—तद जिसु मोडासूं फोमत होबनें जोड
२ में धर्म्मासूं लाख्यो गया। ओर चाळीस दिनरात
३ पोवस करर उंपेठें भूखा हुवा। फोमतकरबवाळानें उंकें
नेंडो आयर कयो कें जर तूं भगवांनको डावडो ठें तो
४ आग्या कर कें ऐ समळा भाठा बाठ्यां वें। उ फेर उथको
देर बोल्यो यो लिख्योठें कें आदमी फाको वाटीसूं न जबर
५ सी जेर भगवांनका मुंडासूं कढोडो पावेंसो कथांसूं। तद
६ मोडो उंनें निर्मळ नगरमें लेजायर भगवांनकें देवरानें एक
कळसउपर बेंठायो ओर उंनें कयो कें जर तूं भगवांनको
डावडो ठें तो आपनें नवें पटक क्योंके यो लिख्योठें कें उ
आपका फरांनें थारेंवेंई आग्य करसी ओर वें आपका

Digitized by Google

हाथमें तनें उपडसी आजाड़ा कहिजा तूं आपको पग
७ भठाऊपर लगावे। यिसु उंनें कयो फेर यो लिख्योडो के तूं
८ आपका भगवांन यिजवको परख मती करें। फेर मोडो उंनें
मोटो ऊंचा एक परवतऊपर ले गयो ओर संसारको सग
९ लो राज वा उंको माया उंनें देखाओ। ओर उंनें कयो के
ये सगला कं तनें देयूं जद तूं ढबका करर मनें पूजसी।
१० जद यिसु उंनें कयो के हे मोडा अलगो हें क्योंक यो लिख्योड़
डो के तूं आपका भगवांन यिजवनें पूज ओर वाको उंनें सेव।
११ तद मोडें उंनें छोड्यो ओर देखो दूतां आयर उंकी सेवा
करी।
१२ यिसु जद सुण्यो योहन् भागसीमें राख्यो गयोडो जद गालि
लिनें गयो ओर नाजरेतनें छोडर आयर दरियावके किना
रेके जेबूलन् ओर नफ्ताळीमके सीवमें कफरनहूममें रयो
१३ के जका कथा यिसाईयाह निमितियें कईगी वा परवारी कै
१४ के जिबूलन् वा नफ्ताळीम् देस ओर दरियावके मारगमें
१५ यरदनके उं किनारे दूजादेसवालांके गालिलि अथवा जके
१६ लोग अंधारामें बेठा हा वां मोटो चांनणो देख्यो ओर मोत
वा देस वा छायामें बेठवाळां ऊगी चानणो चोडे हुयो।
१७ जदसूं यिसु ढंढेरो करणनें ओर कैवणे लाग्यो के मन
मोड क्योंक सरगको राज नेडो हें। यिसु गालिलिके दरिया
१८ वके नेडो फिरतो दरियावके मांस नांखतो दोन्या भा
यांनें देख्यो अथवा पितर बाजसूं सीमोन् ओर
१९ उंका भाई आंन्द्रेनें क्योंके वें पारधी हा। उं वांनें कयो के
म्हारे पिछाडी आवो ओर थांनें आदमीपकडवावाळा
२० पारधी करसूं। वां झट जाळ नांखर उंके पिछाडीर गया।
२१ उं उठासूं आगेर आपका बाबा जबदिके भेळो नावमें
जाळसो सांतर करता दूजा दोन्यां भायांनें देख्या अथवा
जेबद्दिका डावडा याकूब् वा उंका भाई योहननें ओर

२२ वांनें बुलाया और वे झट नाव और आपका बापनें छो
ड़र उंकें पीछाड़ी गया ।
२३ इंकेंपछें यिसु सारें गिलगलमें उपदेस करतोर और
राजकी मंगलीकवर्था ढंढेरो करतोर और लोगांकें बिचा
लें सगला रोग और दुबलाईकी चोअगमावतर गालिलिकें
सारो आगो भटक्यो उंसूं उंको यस सिरियाकी सगली
२४ जागामें गयो । और सारें भीतरेंको रोग वा पीडेसूं
भालेड़ा और भूतबालोड़ा और मिरगीवाला और सर्व
गी रोगवाला सगला रोगवालोगावें उंकें नेडा लियाया ।
२५ और उं वांनें आराम कया इंकारब गालिलि और देका
पोलिस् और यिरुसालम् और यिहुदय और यरदन्कें
उंकिराडासूं मोटी भाड़ उंकें पिछाड़ी गई ।

५ पांचमो पांनो ।—उ उं भाड़नें देखर परबतऊपर
१ चढ्यो और बैठापछें उंका चेला उंकें नेडा आया । और
उं आपको मुंडो उघाडर आ कयो कैर वांनें भखायो कें
२ मनमें आखया अके लोग वें धन्य क्योंस सर्गको राज बांको
४ छें । सोग करवावाला धन्य क्योंस वें ठंडा जासी । गोला
५ लोग धन्य क्योंस वें धरतीको कोठार करसी । अके बघावें
६ वें भेई भुवा भर तिसाया वें धन्य क्योंस वें धाप्योडा जासी ।
७ कृपालु लोग धन्य क्योंस वें दया बावसी । साफमन
८ वाला धन्य क्योंस वें ईश्वरनें देखसी । सखा करववाला
९ धन्य क्योंस वें भगवांनका बावडा प्रतायकि जासी । ठीकबेई
१० वास्ते सहववाला लोग धन्य क्योंस सर्गको राज वांको छें ।
११ जद लोग थांकी मोई करें वा सतावें और म्हारेवेई थांका
फायदामें सगलोभरेंको बीठोकथा कुडी वें तद थे धन्य ।
१२ उंबेला राजीहुवाल वा मोकला राजी मन वो क्योंस सर्गमें

थांको मोटो फळछै थांकै पैंलड़ा निबियांनैं इणांविध वी
सालयाकरीगी ।
१३ थे धरतीका लूण छो पर लूण बेस्वाद व्है तो कुण
चरसूं स्वाद करयो जासी तदसूं बारनैं नखायो जावसूं और
आदम्यांकै पगांनीचैं खुंदयो जांवसिवाय उंको ओर कुछि
१४ कांम नहीं । थे संसारका चांनणा छो परबतऊपर बसो
१५ नगर बसायो छयोठं उ लुकसें न सकसी । लोग दीवो
बाळर पायलीनीचैं न मेलैंछै पेर दीवटऊपर जिंसूं उ भूंया
१६ में सगळा रैंवावाळांनैं चांनणो करैंछै । थांकोभिव चांन
णो सगळांकै सांमे इसो व्है कै वे थांका चोखाकरतूत
देखैं और सर्गमें रैंवावाळो थांका बापको महिमा चोखें
१७ करैं । थे ओ सोच मती करो कै जं तौरेत वा निबियां
की कथी लोपबनैं आयो छुं जं लोपबानैं न आयोछुं पेर
१८ परवाणकरबै । क्योंस जं थांनें साच कहूं कै जठाताँई
आकास और धरतीको नकथ्य न जासी जबतैताँई सबको न
परवाणसूं तौरेतसूं एक मातो या एक टीपभिव लोप न
१९ जासी । इबैहूं जको कोई इं आग्यामें एक छोटी आग्याभिव
मेटसी और आदम्यांनें उसोई सीखवसी उ सर्गका
राजमें सगळांसूं छोटो मांन्यो जासी और जको उसो पाळ
सी और सीखवसी उ सर्गका राजमें मोटो मांन्यो
२० जासी । क्योंस जं थांनें कहूंछुं पण थांको धर्म उपाध्या
यांकैं और फारिसियांकैं धर्मसूं बढि बधें तद सर्गका
राजमें न बड़स्यो ।
२१ थे सुण चुकाछो कै आगलां लोकांनें यो कयो गयो छो
कै खून मती करो और जको खूनकरैंछै उ मंडीमें सामीदार
२२ छै पेर जं थांनें कहूंछुं कै जको कोई आपका भायांऊपर
बिगरबेम रीस करैंछै उ मंडीसूं सामीदार व्हसी और जको

आपका भाईनें राका कहेंगे उ सभाकें दंडजोग और
जको कहें के हे मूर्खा उ नरककी आगकें दंडजोग छे।
२३ इसवास्ते जद तूं आपको दान वेदीकन लेजाय चीतरीजे
कि थारे और उ आपका भाईके थारें भाईको थारे बेरमें
२४ कुछि छे। तद वेदिसाम्हने आपको दान धरकरी
चलाजे राय और पा पैला आपका भाईसूं मिल पछे
२५ आयकर आपको दान धर। तूं विरधीके भेलो वेगो मिल
जद मारगमें उबे भेलो रै कदाचित विरधी थोंनकरक
वावणाँ तनें सउवे और थोंनकरणवाला उकड़ेबणाकी
२६ तने तनें भनावें। और तूं बंदीखानेमें राख्यो जाय जो तनें
साच कहूं कें जठातोड़ी तूं दमड़ा चुकाय नदेसी तबतोड़ी
उठैसूं बारनें न जाय पासी।
२७ सुणीछे कें आगला लोगांनें कह्यो गयोछे के पारकी लुगा
२८ ईसें भाग मती कर लेर जो थांनें कहूं कें जको कोई बाईंनें
मेरदवकेईं उनें देखेंछे उ आपका मनसूं बदई उंसूं कुसील
२९ कर्यो। जेकेई थारो जीवणो आंख तनें अटकावे तो उनें
उपाड़ कर आपसूं बगाय घाल क्युंके तेरा डील नरकीमें
डलावो जायसूं थारा अंगामें एक अंगको नाश जायलो पण
३० भोगवो चोखो। जद थारो जीवणो हाथ तनें अटकावें तो
उनें वाढ़ और आपसूं बगाय नाँख थारे। सगलो डील
नरकीमें नाँखणसूं थारा अंगामें एक अंगको नाशजायो
थारे पण भोगलो चोखो।
३१ कह्योछोछे के जको कोई आपकी बहुनें छोडे तो उ उनें
३२ तलाक नामो देवै लेर जो थांनें कहूं कें जको कोई कुसील
सेवाबिगर आपकी बहूनें छोडे उ उनें कुसील करावें और
जको कोई उ छोडीकी रांडनें भेला थाय करेंछे उ कुसील
करेंछै।
३३ फेरपिन आगला लोगांनें कह्यो गयोछे कें कूड़ीकुंस

२४ [illegible] वेर [illegible] सूंकनें भागीनमवें वकुवार वेर
उं पानें कडंगु वें वेनोंपिय संक मती [illegible] मती
२५ वर [illegible] व अन्योनके [illegible] । [illegible] मती वर
[illegible] व उंवें नगरंडो [illegible] मती । [illegible] वर
२६ [illegible] मती । [illegible] सूंलगी पाउ
२७ [illegible] वेंमनें [illegible] वा [illegible] व [illegible] वेर पांनी
[illegible] सुन [illegible] ।
२८ सुक्षोर्वें वें कवेत्मवोछें [illegible] पाव, बोर दाखावेई
२९ दोष। वेर उं पाके कडंगु वें [illegible] मती [illegible] वेर
मवो कोई थारा मीवका गावकार तवें मारें उंवें वांपी
३० [illegible] मोड । वर [illegible] मंडोनें प्रारें उपर कुवें बोर
३१ थारो कुपटो लेवें तो उंनें दोवडमिव लेबडे बोर जर कोई
बोरावरीसूं वनें [illegible] लेजाय वद उंवें मेवो दोवकोम
३२ जा। तेंसूं मांगवावालांनें दे तेंसूं मवो उधारो लीयो चावे
उंसूं मुंडो मवो मोड ।
३३ सुक्षोर्वें वें कयो गयोछें के आपका वेंडावालांसूं प्यारकर
३४ बोर आपका वेरयांनें निभंछ्नावर वेर थांनें उं कडंगु वें
थे आपका वेरयांसूं प्यार करो बोर मवे थांवें फिटकार
देवें वांनें आसीस दो बोर मवो थांनें निभंछें वांको बोवा
करो बोर थांकें [illegible] वा [illegible]
३५ [illegible] मनातो वें थे सर्गवस्ती बापका छावडा वो
[illegible] उ आपवें सूरजनें वोंदा वा वेसाउपर उगावेंछें
३६ बोर बोवावोंठा उपर वरसावेंछें । [illegible] वर आपासूं
प्यार करवावांवासूं थारो करोगे तो थांको कांई फलवेंछें
३७ [illegible] कांई इसो न करें छें । वर आपका पांबी भाईनें
बंनवा करो तो वत्तो कांई करो छो [illegible] कांई इसो न
३८ करेंछें । इवेंई थे परवारो जिसा सर्गवासी थांको बाप
पूरोछें ।

Digitized by Google

६ छठो पर्ब ।—चितेवान आदम्यांके साम्हा वांसूं दे
खा जावणेके वास्ते दान मती करज्यो नहीं तो
थांको बाप जो स्वर्गमें छै उणकेकनासूं थांनै कुछ फल
२ नहीं । जद आपको दान करो तो आपके साम्हे बाजो
मती बजाव जैसा कपटी लोग आदम्यांसूं भडाई
लेईं सिनागगमें और बजारमें करैछै थांनै मैं साच कहुं
३ छूं के वे आपका फल पावें छै । लेर थारें दान करणमें थारो
जीवणो हाथ जको करैछै उ थारो डावो हाथ न जाणें
४ थारो दान छानामें व्हे जो छानामें देखणवाळा थारो बाप
चोडेमें तनें फल देसी ।
५ और जद याचना करैछै तद कपटी जस्या मती हो
क्योंके वें सिनगगमें वा राजमारगका कुंणामें ऊभा व्हेर
याचना करैछै के आदम्यांसूं देख्या जाय थांनै साच कं
६ कहुं के वें आपका फल पावैछै । लेर जद तूं याचना
करें तद आपकी कोटडीके विचमें बड और बारणानें ढकर
आपके बापके जको छानामें छै उणकी याचना कर और
छानामें देखणवाळा थारो बाप चोडामें तनें फल देसी ।
७ याचना करता देवपूजणवाळां जस्या निकमा बोलका मती
बको क्योंके वें समझैछै के वांके मोकळो बोलणसूं सुण्या जासी ।
८ इणवास्ते वांकै जस्या मती व्हो क्योंके थांको बाप निश्चे
९ उ थांनें याचनाके पैलडा थांको बाप जाणेछै । इसूं इसी
याचना करो के हे स्वर्गमें रैणवाळा म्हांका बाप थारो
१० नांव निर्मल व्हे थारो राज आवें थारो मनमाफक स्वर्गमें
११ जिसो तिसो संसारमें करया जाय । म्हांकें जीवणजोग
खुराक आज म्हांनें देवो और म्हांको कसूर म्हांनें माफ करो
१२ जिसो म्हे आपका वैरायतांनें माफ करांछां । और
१३ परखमें म्हांनें मती न्हाखो लेर बीठाईसूं छुडावो क्योंके राज और
बळ और महातम हमेसां थांका छै । आमिन् ।

Digitized by Google

१४ कोईक थर थे आदम्याँके ऊपर वाँको थाँमी माफ करो तो
१५ थाँको बाबो थाँकी माफ करसी। पर थे आदम्याँ उपर
वाँकी थाँमी माफ न करो तो थाँको बाबो थाँकी थाँमी
माफ न करसी।
१६ जद पोषध करो जद कपटयाँ ज्यू मुंडो मतो
करो क्योंके वे मुंडाने रोतो राखेंछे के आदम्यांसू पोसावाळा
देख्या जावेंछे साचांई थाँने कहुंछुं के वे आपका फळ पाय
१७ चुका। पेर थे जद पोषध करो जद आपका माथामें तेल लगाओ और
१८ मुंडाने धोवो। ज्यों आदम्यांसूं पोसावाळा न देख्या जाव
पेर थारा बाबाके जको गुप्तमें रेवेछे और थारो बाबो
जे जको गुप्तमें देखेंछे उ परगटमें थने फळ देसी।
१९ आपकेवेई धरतीमें माया भेळी मत करो के जठे काठ
अर मकोड़ा बिगाड़ेंछे और जठे चोर सेंद देवे और चोरी
२० करेंछे। पेर थे आपकेवेई सरगमें माया भेळी करो के जठे
काठ और मकोड़ा बिगाड़ न सकेंछे अर जठे चोरपिण सेंद
२१ न देवेंछे और चोरी करावेंछे क्योंके जठे थाँकी माया
२२ छे जठेंपिण थाँको मन लगसी। देहको दीवो आंख्याँछे
इवेई जद थारी आंख्यां एक निजरछे तो थारो सगळो
२३ डील चानणो लगसी। पेर जद थारी आंख्यां खोटीछे तद
थारो सगळो डील अंधारो लगसी इवेई थारेमें जको चानणो
२४ छे उ जद अंधारोछे तो उ अंधारो कितोक बडोछे।
कोई दोय धण्यांकी सेवा न सकेंछे क्योंके उ एक धणीने निभं
ठर दूजासूं प्यार करसी अथवा एकने सरासी वा दूजाने
बिसरासी थे भगवानकी और मायाकी सेवा कर न सको
२५ छो। इसूं हूं थाँने कहुंछुं के आपका जीववेई चिंता मतो
करो के काँई खासां काँई पीसां और आपका डीलवेईपिण
काँई पेरसां कांई जीव खावासूं मोटो नहीं वा डील कपड़ा
२६ भासूं मोटो नहीं। आकासका पंख्याने देखो क्योंके वे बावें

[illegible] ना आडिं वरी न कोठलांमें [illegible] थांरो
[illegible] बाप [illegible] छै [illegible] थांसूं [illegible]।
२७ [illegible] चिंता करके [illegible] बाप
२८ में [illegible] हाथ बधाय सके छै। [illegible]
[illegible] चिंता [illegible] किस तरे बधे
२९ छै [illegible] नहीं [illegible] कांतें छै
[illegible] थांसूं [illegible] ईं [illegible] एक
३० के [illegible] सोभा [illegible]। [illegible]
[illegible] चिंता [illegible]
[illegible] सोभा [illegible] थांनें
३१ [illegible] नहीं [illegible]। [illegible] चिंता मती
[illegible]
३२ [illegible]
३३ [illegible]
[illegible]
३४ [illegible] दिन [illegible] चिंत [illegible]
[illegible] आपकी [illegible] दिनको
[illegible]।

७ सातमो पर्व — [illegible] मती [illegible]
२ [illegible]
[illegible]
३ [illegible] थांको [illegible]। तूं आपणा भाई
की आंखमें [illegible] देखे छै [illegible] आंखमें
४ [illegible] नहीं देखे छै। [illegible]
[illegible] आंखसूं [illegible] का
५ [illegible] छै। [illegible]
[illegible] आंखसूं [illegible] तो [illegible]

६ [illegible] कांकचूं नाखजो [illegible] कोईतरै देवसी। निमेष
वच [illegible] मती दे [illegible] मेली सुरांनें [illegible]
[illegible] पाछांका [illegible] उ कुंदे ओर सुकर
थांनें [illegible]।
७ [illegible] घांनें [illegible] [illegible] पाछो [illegible]
८ दें [illegible] घांनें [illegible] जाली [illegible] मांगें सो पावें
[illegible] [illegible] वार्ने [illegible] कुंवेजेरे खुल्यो
९ जासी। [illegible] घांमें किसनें [illegible] छे के [illegible] अव
कों [illegible] रोटी मांगें तो उर्ने भाठा देसी। वा [illegible] मच्छो
१० मांगें तो उनें [illegible] देसो। इसूं [illegible] गीच [illegible]
११ [illegible] [illegible] जांगे छो तो [illegible]
के [illegible] [illegible] छे उ [illegible] [illegible] उसूं [illegible]
१२ [illegible] न देसी। [illegible] [illegible] के [illegible] घांनें करै
उ उंनें [illegible] [illegible] [illegible] ओर [illegible]
[illegible] छे।
१३ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
जावछे सु [illegible] ओर [illegible] [illegible] ओर [illegible] [illegible]
१४ [illegible]। ओर [illegible] [illegible] [illegible] जावछे उ [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] ओर उनें [illegible] [illegible]।
१५ [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible] [illegible]
१६ घांवें [illegible] आवेछे। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] छे
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] गूलर [illegible] [illegible] पावेंसो
१७ [illegible] [illegible] फलेछे ओर [illegible] [illegible] फलेछे।
१८ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
१९ [illegible] न [illegible]। [illegible] न [illegible] [illegible] सो [illegible]
२० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]।

Digitized by Google

२१ जको मानेंसो सोम मनें कहेंगे के हे भगवान हे भगवान
ऊ सर्गके राजमें न जवसी लेर मको बाप्ले कामो वें जको
२२ सर्गमें है उंकी इच्छा जको करेंगे ऊ जवसी। वा दिनासें मोत
वा मनें कैसो के हे भगवान हे भगवान म्हें थांरा पदा नांव
सूं निभितियांवी वयी कहो नही वा थांरे थारा नांवसूं
भूतानें कुडाया नही और थारा नांवसूं बाई मोवका मछेरा
२३ कर्म कया नही। तद वांनें जं वेसुं के कदेई में थांनें जाण्या
२४ नही हे खोटाकामकरवावाला मेंसूं परमा जो। इंसूं जकोर
म्हारी आ कथा सुणेंगे और ऊ करेंगे उंनें जं दिवो बुध
वंत भेजा ओपमा देसुं के जीनें भाठाकी चावउपर आप
२५ को भूंपो उपाओठे। उंपछे मे बायो वा देक आयो वा
आंधी बाजी और उं भूंपामें लागो तोभिब ऊ नपडो कोंग
२६ चावउपर उपाओ गयोठो। और जका म्हारी आ कथा
सुणेंगे और नई करेंगे ऊ डोफाभेजा ओपमा दीनो जासी
२७ के जों आपको भूंपो वेकलुउपर उपाओ। और मे बरसो
वा वेग आयो वा आंधीजायी और उं भूंपाउपर लागी
इंसूं ऊ पडो और उंको पडको मोटो हुवो।
२८ इसो जवो के जद यिसु ये कथा परवालोगे तद अ
२९ मात उंकी सीखावनमें चमत्कार पामी, कोंक उं आग्या
करवावालाके इसो वांनें भलावत और उपाध्यायांके इसो
नही।

८ आठमो पांनो।—ऊ परवतसूं उतरयापठे मोकलो
जमात उंके पिछाडी गई और देखो एक कोढीआयर
२ उंकी पूजा करी और कयो के हे प्रभु जर थारो मन वे तो
३ मनें निर्मल कर सकोठे। यिसु हाथ पसारर उंनें भींतो
और कयो के म्हारो मनठे के तूं निर्मल के उंईवेला उंको
४ कोढ पोपो जवो। और यिसु उंनूं कयो देख किनेंई मतो

Digitized by Google

कैजे केर आ आप पीहितकनें देखाव ओर उ दांन कर
कें जको मोसह वांकें नेडो साखदी होवबेई निकें कयोछे।
५ जिसु कफरनह्रममें वड्या पछें सो सिर्वेदारांकें जमा
६ दार उंकेकनें आयर वीनती करर कयो कें हे प्रभु म्हारो
चडसो घरधंगमें मोकको कष्टवंत जयर भूंपामें सूतोरेंछें।
७ जिसु उंसूं कयो कें कं आयर उंनें ताजो करसुं। ओर
८ सिर्वेदारकें ठाकुर उथको देर कयो कें हे प्रभु कं लायक
नछुं कें तुं म्हारो छान नीछें वडे लेर थाको कयां कें उंसूं
९ म्हारो चडसो ताजो जसी। क्यांस कं पिस आग्याकें नीचें
आदमो छुं म्हारें आधीन छीडवाळ्याछें कं इनें कछुं कें
जा ओर उ जायछें ओर उंनें आवनें कयासुं उ आवेंछें
१० ओर म्हारें चडसानें आ कर कयासुं उ सुई करेंछें। जिसु
सुनर विस्मय जवो ओ पिछाडो आववावाळांनें कयो कें कं
साच थांनें कउंछुं कें जिस्राएलमेंपिख में इसो प्रतीत न
११ लाद्यो लेर कं थांनें कउंछुं कें मोकको लोग पूरब ओर
पछिमसूं आसी ओर आबराहाम् वा जिसहाक् वा यकूर
१२ कुव्कें भेला सर्गकें राजमें वडसी। लेर राजका डावडा
बारलें अंधारामें नांख्याजासी उठें रोववो वा दांतांको
१३ पीसवो जसी। जिसु सो छीडवाळ्याकें सिर्वेदारांनें कयो कें
जा ओर थें जिसो प्रतीत करीछें जिसो तनें वें उंसूं उंको
चडसो उंई घडीमें ताजो जवो।
१४ ओर जिसु पितरका भूंपामें वडर उंकी सासूनें सूती
१५ वा तावसूं पडी देखी वा उंको हाथ झींव्यो उंसूं ताव उंनें
छोडो पछें वा उठी ओर वांकी सेवा करी।
१६ सिंज्या होवसूं वो उंकें नेंडा मोकका भूतळागोडांनें
ल्याया ओर उ कथासूं भूतांनें छुडाया ओर सगळा रोग
१७ वाळांनें ताजा कया। कें उ परवार्तें थें जको जिसाईयाह्

तिमितियांसूं कवेतोगे कें उं म्हांकी मांदगीनें लीनी वा
१८ म्हांकें पोडनें बुहाई। उंपछें यिसु आपकें आपलोपावती
१९ मोकली जमातनें देखी वा पेलेंतीर जाणेंनें आग्याकरी उंपछें
एक उपाध्याय आयर उंनें कयो कें हे उपदेस करणवाला
२० तूं जठें जासी उठें म्हं थारें पिछाडी आसूं। यिसु उंसूं
कयो कें फावडीका बिल ओर आकासका पंख्याका मालागें
२१ ओर आपको माथो राखणनें आदमीकें डावडाकी जागा
नगे। उंकें चेलांमें त्रिपमें ओर दूजेंएक चेला उंनें कयो
२२ कें हे प्रभु आप आभानें तूरणवेई पैलडा जांणनें मनें दे।
ओर यिसु उंनें कयो कें म्हारें पिछाडो आ ओर मुरदा
आपका मुरदांनें गाडें।
२३ वें नांवउपर चढ्यांपछें उंका चेला उंकें पिछाडी गया
२४ ओर देखे मोटी आंधी दरियावमें जाई। इंवेई किलोलांसूं
२५ नांव छकोणी ओर उ सुतोगे। ओर उंकें चेला नेंडा
आया ओर आ केंर उंनें जगायो कें हे प्रभु म्हांकी रुखाली
२६ कर म्हे नास जवा जावांगा। उं वांनें कयो कें हे थोडी
प्रतीत करणवाला थांकेई बीहो गे तद उं उपडर वायरा
२७ ओर दरियावनें डरायो तद मोटो थिमरवायरो जवो।
ओर वी अचंभे जयर कयो कें ओ किसो आदमी कोस
वायरो ओर दरियावपिण उंकी आग्या मानेंगे।
२८ वें पेलेंतीर जयर गर्गसेनांकें देसमें पोंतापछें भूतलागो
डा दोय आदमी कोरसूं कढर उंसूं मिल्या वे इस्या मोटा
२९ डाराववा कें उं मारगसूं कोईपिण जाय न सकतो। ओर
देखो वें आ केंता पोकली मारी कें हे यिसु भगवानका
डावडा थारें भेलो म्हांको कांई कांम वेळाकें पैलडा तूं
३० कांई म्हांनें कष्ट देंणनें अठें आयोगें। तद वांसूं आजगा
३१ मोकलोसूरांको टोलो चरतो गे। उंवेई भूतां उंनें आ केंर
आपना करी कें अर म्हांनें कुढावें तो सूरांका टोलामें म्हांनें

३२ जोंबदे उंवांनें कयो कें जावो उंसूं वे बारनें कढर सूरांका
टोलामें बड्या ओर देखो सूरांको सगलो टोलो किराड़ा
उपरसूं झट दरियावमें मोकलो दोड्यो ओर पांणीमें मर
३३ गयो । उंनेंई वांका रखाल्या भागर नगरमें आयर सगली
३४ विरतंत ओर भूतांकोः बणाव कयो । ओर देखो सगलो
नगर यिसुसूं मिलबनें चाल्यो ओर वां उंनें देखर आपकी
सीवसूं जांबकी बीनती करी ।

९ नवमो पानो ।—उ नावउपर चढर पेंलेंतीर गयो
२ ओर आपका नगरमें आयो ओर देखो वां उंकेकनें मांचा
उपर सूतो एक अधंगो रोगवानें ल्याया यिसु वांको प्रतीत
देखर अधंगोनें कयो कें हे डावड़ा जमाखातर राख थारा
पाप छुटकारोजवो ओर देख उपाध्याकें कितांकें कोर आप
३ का मनमें कयो कें यो उसठाई करेंछे । ओर यिसु वांकी
४ चिंता जाणर कयो क्यांवेई थे आपका मनमें खोटी भावना
५ भावोछो । क्योंस थारा पाप छुटोछे।जबो ओर उपडर चाल
६ का केंबसूं आसान छुबछें । ओर थे जांणो कें धरतीउपर
पाप छुडावबनें आदमीका डावड़ाकी पोपछें इंबेई उं अधंगो
७ रोगानें कयो कें उपडर बिछायणा उपाड ओर आपकें भूंपें
८ जा । ओर उ उपाड्यो का आपकें भूंपामें चल्यो गयो ।
जमात या देखर अचेंरें भई ओर भगवांनकी प्रसंसा करी
कें जीं इसो बल आदम्यांनें दीनो ।
९ ओर यिसु उठासूं चालतां मातिउ नावें एक जगा कानु
गाकी मंडीमें बेंठतो देख्यो ओर उं कयो कें म्हारें पिछाडी
१० आ उंसूं उ उपडर उंकें पिछाडी गयो । यिसु भूंपामें
जीमणनें बेठांपछें इसो जवो कें देख भोकला कानुगार
ओर पापी आयर यिसुकें ओर उंका चेलांकें भेला बेंठा ।
११ ओर फारिसियां देखर उंकें चेलानें कयो कें थांको गुरां कानु

१२ गाव्वें वा पापिवांकें भेळा क्यों खायछै। यिशु सुणर वांनें
१३ कयो कें ताजावें वेदको गरज नहीं बेर रोगवांनें। बेर
थे जायर सीखो इंको शारद कांई कें जं कया छांउंद धीम
नहीं बोस यथार्थीयांनें मनमोडवावे ईं बुलावबनें कं न आवो
बेर पापीयांनें।
१४ तद उंकें नेडा योहन्का चेला आयर कयो कें म्हे बोर
फारिशि क्योंकर फेर२ उपवास करांगां बेर थारा चेला
१५ उपवास न करेंछें। यिशु वांनें कयो कें मठावेडी बींद बारें
रैंछें तद तांडी कांई पोवधो सोग ओप करस सकेंछे बेर वें
दिन आसी जद बींद वांसूं न्यारो करयो जासी बोर तद
१६ वें उपवास करसी। करगा कोई नवा गाभाकी कारी
बोदाकपडावमें न लगावेंछें क्योंस कारीको कपडो फाट जाय
१७ छें वा फाटेयिब घणो बींदो छेंछें। बोरयिब बोदाकूडा
में नवीदाखांको रस कोई न राखेंछें बार राखें तो कूडा फूट
जासी बोर दाखको रस कूडासूं बेंछें बोर कूडायिब बींठा
बेंछें बेर नवाकूडामें वें नवो दाखांको रस राखेंछे इंसूं दोनुं
बोबोवरें रेंछे।
१८ वें वांने या कहेछे इंके बिचाले देखो एक सिरेंदार
आयर उंने पूजर कयो के म्हारी डावडी अबार मर गई
बेर थें आयर आपको हाथ उंकेउपर मेलो उंसूं वा
१९ बचसी। तद यिशु उठ्यो बोर उंके चेलायिब उंके लारें
२० गया बोर देखो एक लुगाई के जींके बारे बरसांसूं लोई
अरतो छो वा उंकें पिछाडी आयर उंकी पांगरखाको पुबो
२१ भींट्यो क्योंस उं आपका मनमें कयो कें म्हे जं थाको उंको
२२ गाभो भींटुं तो ताजी जब्बांसुं। बोर यिशु मुडर उंनें
देखर कयो कें हे डावडा सुसताय घारें प्रतीत थनें ताजी
२३ करी वा लुगाई उंई घडीसूं ताजी जई। फेर यिशु उं
सिरेंदारका झूंपामें आयर बांसल्यांनें बोर घूमा करत

२४ पाछो फाडनें देखो ओर वांनें कयो कें ठेवडें को भरोस डावडी
२५ भमरी ओर मोदमें छे उंसूं वा उंकी आरी करी ओर जद
२६ अमाव बारवें करी गई तद उं भडर उंको हाथ पकडो
उंसूं डावडी उपडी। ओर वांकामकी चोबीनाव वां सगला
देसामें गई।

२७ जद यिसु उठासूं गयो तद दोय आंधा चीसकी मारता
उंकें पिछाडी गई ओर कयो कें हे दाउदका डावडा
२८ मांपें उपर दया कर। उ भूंपामें आयापछे आंधा उंकें
नेडा आया ओर यिसु वांनें कयो कांई थे प्रतीत करो
छो कें उं ओ कांम करवें सकुंछुं वां उंनें कयो कें हां
२९ प्रभु। तद उं आंधांकी आंख भीटर कयो कें जिसी थांकी
३० प्रतीत जिसी वें उंसूं वांकी आंख्यां खुल गई ओर यिसु वा
कडा वेर वांनें कायो आग्या दीनी कें जिवेंवीन कोई लोग
३१ जा न जांवें। ओर वांनें बारवें मयां पछे उंकी सुख्याती
उं सगला देसमें पसरी।

३२ वांनें बारवें जांबतोवेका देखो लोग उंकेवनें भूतवाला
३३ डा एक गुंगावें ल्याया ओर भूत कुटांपछे गुंगो बोल्यो ओर
अमाव आर्चभे आई वा बोल्या कें कदेई यिसरायलमें इसो
३४ देखबमें नहीं आयो। ओर फारिसियां कयो कें भूतांका
राजासूं उ भूतांनें कुडावेंछे।

३५ ओर यिसु वांकें सिनगमामें भवातो ओर राजकी मंग
लीक कथा ढंढेरो देतो ओर लोगांवें विचली पावें सो
मोड वा पावेंसो रोग अलगो करतो सगला नगरांमें ओर
३६ गेंडांमें भटको। ओर अमावनें देखर उ वांकें उपर कृपालु
क्यो कीं वें मांदा छे वा रखाल्याविगर गाडरांइम्रा
३७ भभमाद वेंछे। तद उं आपका चेलांनें कयो कें साख
निर्वें मोटीछे वेर मजूर थोडाछें इवेंई साखका धणीसूं
विनती करो कें उ आपकी साखामें मजूरांनें भेज दे।

Digitized by Google

१० दसमो पांनो ।—ओर यिसु आपका बारैं चेलांनैं
बुलायर भिष्ट भूतांउपर बांनैं छुडावणनैं ओर चावेंजो
तरेंका आजार ओर चावेंसो रोग अच्छा करणनैं बांनैं
२ पोंच दीनो । बारैं चलकारांका नांव येछै पैंलडो सीमन्
जैं बेको पितर नांवसूं विख्यातछै ओर उंको भाई आंद्रु
ओर जेबदिको डावडो यकूबुब् ओर उंको भाई योहन्
३ ओर फिलिप् वा बार्तोलमी ओर तमा वा मात्तिउ चानुंगो
ओर आल्फिको डावडो यकूकुब् ओर तदि कि जांको बिज्या
४ ब नाव लबी ओर सीमन् कनआनी ओर यहूदाह स्कारि
५ ओटा जों उंनैं उपर लेल करयो । यिसु यां बारैं चेलांनैं भेज
दीया बा बांनैं या आग्या दीनी कें थे दूजादेसवाल्यांकै देसकै
६ मारगमें मती जावो ओर समरोनीयांकैं नगरमें मती
बडो ओर यिस्राएलकै कुलकै गमेयोडा गाडरांकैं नैंडा
७ जावो । जातांर ढंढेरो देवो कें स्वर्गको राज नैंडो छै ।
८ मांदानैं नाजा करया ओर कोढीयांनैं निर्मल करो ओर मरयांनैं
जीवता करो ओर भूतांनैं छुडावो अनुग्रहसूं थे लाधोछै
९ अनुग्रहसूं देवो । कडतंगमें सोनो वा रुपो वा पैसा राखो
१० मती ओर मारगमें खांवनैं झोघलो अथवा दोय गाभा
अथवा जूती अथवा लकडी मती ल्यो कोंस मजूर आपकी
११ खुराकलायकछै । ओर जों नगरमें वा गांवमें थे जावो
उंमें सोजो कें लायक कुणछै ओर जठातोडी उठासूं नीकलो
१२ तबतोडी उंकैकनैं रहो । ओर थे कोंकाई झूंपामें जावसूं
१३ उंनैं आसीस देवो । अर उ झूंपो लायक छै तो थांकी कुसल
उंकै उपर आसी फेर अर उ नालायक छै तो थांकी कुसल
१४ थांकै कनैं मुडआसी । अर कोई थांकी मनवार न करैं ओर
थांकी कथा न सुणैं तो थे उ घरसूं अथवा उ नगरसूं जावर
१५ आपका पगांकी पेंमडकांवो । मं साच थांनैं कउंछुं कें उ
नगरकी दसासूं सदम ओर अमरा देसकी दसा ओवकैं

१६ हिवमें छोरी जसी। देखो जिसा भाडरा ल्याळांवें विचमें
विया जं थांनें मेलुं इंवेई सापकैं स्या अकलबंत वो ओर
१७ पारेवा इसा अहिंसक वो। ओर मादम्यांसूं निघ्यांत रहो
क्योंस वे पंचायतांमें थांनें भळासी ओर आपवें सिनगांमें
१८ थांनें मारसी। ओर ये थांनें मा दुआदेस्यांळ्यांवें सायदी
होववेई हाकमांवें ओर राजांवें सामे म्हारेंवेई लेगया
१९ जासो। ओर वें जद थांनें भळावें वद चिंता मनी करो
वें कीकरे अथवा काई केसो क्योंस उंई घडी जेकजावक
२० कया थांनें दोवो जासी। क्योंस अवो केणो थे वहो
२१ ओर थांवें बाभाको आत्मा वें अवा थांनें विचमें केंछे। भाई
भाईनें मोतवेईभळासी ओर बाभो ळावडांनें ओर ळावडा
माळ्यवार मा बाभाके वेरमें उपकसी ओर वांको हवा
२२ करसी। ओर म्हारें नांववेंवेई थांनें सगळा लोगांसूं निम्न
ल्योडा जसो ओर अवें छेवड तांई डीसी उ उवार नांवसी।
२३ ओर जद वें थांनें इ नगरमें संतावें तो दूजानगरमें भागो
क्योंस कं थांनें साच कउंहुं के जठ तांई मादम्यांका लावडा
नईं आवें वदतांई थे सगळा यिसराइलवें नगरमें जांवो
२४ परवारसो नहीं। चेलागुरीउपर नहीं ओर चाकर धणी
२५ वें उपर नहीं गुर चेला इसो ओर चाकर धणी इसो घर
वें वा उवो मोकळो छे घर वें वाअलजबब नांवसूं भूंपाका
धणीनें कहें तो भूंपाकें मांबसांनें किवो नहीं वेसी।
२६ इनेई थांसूं मनी बीहो क्योंस इसो कुंइ लुकोडो नछे वें
नको चावें वजसी ओर इसो कुंइ लुकेडो नहीं वें नहीं
२७ जाणो जासी। में अंधारामें नको थांनें कउंहुं थे उनें
चांनणामें कहो ओर थे नवा कुंहो कांनमें सुणोछो सु घर
२८ उपर बोलो। ओर थांसूं मनी बीहो वें अवे डीलनें
मारें ओर जीववें मार न सकें ओर अवो डील वा आत्मा
बां दोवांनें नारकोनें विगाडनें सामर्थवानछे पग उंसूं

२९ बोहो। कोई एक दमडीमें दोय मुनीया नई विकेंगे और
थारें बाभाविना वां दोयांकें विचावें एकपिख धरतीउपर
३० न पडेंगे। ओर थांका माथाका केसपिख सगळा गिण्या
३१ गयागे। इविई मतो बोधो मोकळी मुनीयासूं थे चोखा
३२ मोख गे। इसूं अको कोई मनें आदम्यांकें सांमो मारे करेंगे
उनें ऊं आपका बाभावें सांमो मारे करसुं कें अको सर्गमें
३३ गें। ओर अको कोई आदम्यांकें सांमो मनें फिटकार करेंगे
उनें ऊंपिख आपका बाभावें सांमो फिटकार करसुं कें
३४ अको सर्गमेंगे। ध्यांन मतो करो कें ऊं संसारमें सला देव
वेई आयोगुं ऊं सला देवने आयो नही ओर घातोनें।
३५ क्योंस आपका बाभाको दुसमणीमें आदमीनें वा आपवें
माउवें दुसमणीमें डावडीनें वा आपकी सासूका वेरमें बउनें
३६ रापवावेई ऊं आयोगुं। वा आदमीका वेरी उंका आपका
३७ कबीलाका लोग असी। अको कोई बाभो वा माउनें मेंसूं
घणो प्यार करेंगे सु म्हारें लायक न गे ओर अको कोई
डावडो वा डावडीनें मेंसूं घणो प्यार करेंगे सु म्हारें लायक
३८ नही। ओर अको लोग आपको क्रुसपांको न लेवें ओर
३९ म्हारें पिछाडी न आवें सु म्हारें लायक नही। अको
आदमी आपको जीव राखेंगे सु उनें गमासी ओर अको
कोई म्हारेंवेई आपको जीव गमावेंगे सु उनें राखसी।
४० अको थांको संविभाग करेंगे सु म्हानें संविभाग करेंगे
ओर अको मनें संविभाग करेंगे सु वो मनें मेल्योगें उनें
४१ संविभाग करेंगे। अको कोई निबियांनें निबियांका
नांवसूं संविभाग करेंगे सु निबियांको फल पावसी ओर
अको कोई यथार्थिक आदम्यांनें यथार्थिक आदम्यांका नांव
सूं संविभाग करेंगे सु यथार्थिक आदम्यांका फल पावसी।
४२ ओर अको कोई यें नांनका मेंसूं एकनें सेवकाका नांवसूं
पांणी एक बाटको ठंडो पांणी पावो पाय ऊं पावें कउंटूं
कें उ आपको फल गमसी नही।

Digitized by Google

११ इग्यारमो पानो।—इसो जवो कै जद यिसु चाप
का बारे चेलाँने चाग्या देवनेंपरवारयोछो तद उ उंजागासूं
नाँवा नगरांमें सिवाबनें वा ढंढेरो करवबेई गयो।
१ जद योहन् कटकमें खीस्टका कांमाकी कथा सुणी छी तद
२ उं चापका दोय चेलानें मेल्या। चोर वांनें कयो कै जके
लोग चाववबाला छे तूं काई उईछे चयवा म्हे काई चोर
३ नाँवोई बाट जोसां। यिसु उथलो देर वांनें कयो कै जावो
४ थे जकोर सुणोछो वा देखोछो सु योहननें गुदरावो। आंधा
देखबें बागेंछे वा लोडा चालेंछे कोढी निर्मलपणों बागेंछे
५ बोला सुणबें बागेंछे मुड़दा उभाडा जावई चोर भ्यासावबें
६ संगलोड कथा ढंढेरो करी जायछै। वा जका कोई माहि
बेई चटकें नहीं सु धन्यछै।
७ वांनें गयांपछै यिसु योहन्को बाबतीमें मनावकनें केब
लागो कै थे काई देखवबेई जाडमें बारबें गयाछो काई बाय
८ रासूं बावलोडो एक सरकनो। चेर थे काई देखबेई
बारबें गयाछो काई मीणाभा पेरियोडा एक चादमोनें देखो
जके लोग मीणाभा पेरेंछे वे राजाकी मेंलायतमें रेछे।
९ चेर थे काई देखवबेई बारबें गयाछो काई निमितियानें साच
१० मं थानें कउंहु चोर निमितियासूं पिण मोढो। क्योंच चोर
उछे के नीवा कायदामें यो लिख्यो गयोछे देखो कं चाप
को चर थारै चगाडी मेलुंहु वै जको थारो मारग चारै
११ चगाडी त्यार करसी। मं साच थांनें कउंहु कै जके
लुगाईवूं उपज्या छै वांकें विचमें योहन् हुबीदरावबवाला
सूं मोटो कोई उपजे नहीं चेर बागैला राजमें जको न्हानो
१२ छै सु उंसूं मोटोछे। चौर योहन् डुबीदरावबनावाको
वखासूं चबलोडी सर्गको राज जोरावरी सांबेंछे चोर जको
१३ जोरावरीसूं उ लेवेंछे। कोस समस्त निमितिया वा लोदेव

योहनबीजी पेगम्बर वया कहेंछे योर थे मनो उ मारे
१४ कवां मावेछे तो यो मावनवालो एलीयाछें । जुयव
१५ मेहँ जीवे मांवछे उ सुर्वे । केर जं कींच भेवा यां कोड़ाकी
१६ कीयमा देखुं वें डावडाइया छे वें मर्दे पोठामें बैठेछे का
आयना संगेत्यां भेवा हेला करेछे वा केंछे वे म्हे थांकेवर्वे
१७ बजायेछे वा थे व नाचीा छे म्हे थांकेवनें रोयाछा वा थे
भूरया करणा नही क्योंस योहन् खावोर वा पितोर व
१८ आयो योर वे कवेंछे वें उंको एक भूवछे । केर आदमी
१९ को डावडो खावोर पिवोर आयो योर वे कवेंछे वें देखो
खुराको वा मवांवां वांनुगां वा पायका संगेत्या छे योर
ग्यांन आयका डावडासूं सिद्ध कयो जायछे ।
२० कद उ वां नगरांनें मवामत् करवनें लागो वें ज्यांमें उंरा
घणा अछेरा कांम कयो गयाछे क्योंस वां खामया न कयो ।
२१ कें हे खुराजीन् अपसोच वनेंछे हे बेतसिदा अपसोच थनें
छे क्योंस जको अछेरा कांम थारें विचमें कयागयाछा वें सूर
योर वा सीदनमें कयो जाता तो वें मोकवा दिनसूं सिवाय
२२ टो वा भसममें खामया करता । केर जं थानें कउंछु वें न्यां
तकें दिनमें सूर वा सीदनको ह्वाल थारा ह्वालसूं सोरो
२३ व्हसी । योर हे कफरनहम् वें मनो सर्गेताडी उपाड़ो गयो
तू नारकीमें उताखो जासी क्योंस जको अछेरा कांम तेमें
कयो गया सु जर सदममें कया जाता तो उं आजवोडी
२४ रेवा । केर जं थानें कउंछु वें न्यावकें दिनमें सदमनगर
को ह्वाल थारा ह्वालसूं सोरो व्हसी ।
२५ उं वेवा यिसु जथबी देर कयो वें हे बाभा सर्गका वा
धरतीका धनी जं थारो गुन गाउंछुं क्योंस वें थें बातां
समजदारांसूं वा सावधानांसूं छुपायेछें वा डावरांनवें
२६ बतावें कयेछें हे बाभा थें इसा वें क्योंस इसो थारो मन
२७ छे । सगली वस्त म्हारा बाबासूं मनें भलाई गईछे योर

कोई आदमी डावडानें जाणे नही बापबिगर और कोई
आदमी बापनें न जाणे डावडाबिगर वा जीं लोगनें जांण
कर उंनें बोले वणी चावेछें उंबेबिगर पिण।
२८ हे थे समला कें जका मेंनगी करोछो वा मोटो भार उचबो
२९ छो म्हारे कनें आवो और मं थानें चेन देसुं। आपके उपर
म्हारो जावो लेवो वा मेंसूं भणो क्योंके मं गोलो वा मनमें
निमरगुणीवो छुं और थे आपका जीवके चेन पावसो।
३० क्योंके म्हारो जावो सोरो छे वा म्हारो बोझ हलको छे।

१२ बारमो पांनो।—उं बेला यिसु अदीतवारकें दांन
का खेतसूं गयो और उंका चेला भूखा हुवा और दांनका सिठां
२ कें तोरबा वा खावबा लागा। और जद फारिसियां देखो तद
वां उंनें कयो कें देखो थारा चेला वें कांम करेंछे कें करबो
३ अदीतवारनें करबो नही। और उं वांनें कयो कें दाउद जी
बेला भूखो छो तद उं वा उंका संगीयां लोगां जदे कांम
४ करया थे कांई वें भण्या नछो। कें उ जीतरें भगवांनकें
भूंपामें गयो वा देखावबेकी जका रोटी छी सु खाई कें जका
उंनें वा उंकें संगीयांनें खाबी ठीक नही और खाली प्रोहितां
५ कें चावोछें। अथवा थे कांई तौरेतमें न भण्याछो कें दिन
वारमें प्रोहित देवरामें जिमा अदीतवारनें भट करेंछे
६ वा निरदोसीछें। और मं थांनें आ कउंछुं कें ई जागा
७ में देवरासूं मोठो एक लोगछें। और जद थे आंवता कें
इंको अर्थ कांई कें मं कृपा चाउंछुं वा बलिदांन नही तो
८ थे निरदोसीवालानें दोसीदार न करता। क्योंके आदमी
को डावडो अदीतवारकोपिण धणीछें।
९ और जद वें उं जागासूं गयाछा तद उ वांकें सिनगोगी
१० में गयो और देखो उंमें एक लोग छो कें जींको हाथ सूक
गयोछो और वां उंनें ठंडो करबवेकै आ कयो और पूंछ्या
११ कें अदीतवारकें चेन करबो कांई ठीक छे। उ वांनें कयो

Digitized by Google

कै सबदि दिनाकै कोई लोग देहै वै नीचो हव गाडरोछै
कोर उ अंको अदीतवारवें गोडामें पडे जे उ काढे उंवैन
१२ कपडसी वा उपाडसी। तो आदमी गाडरासूं कितो चोखो
१३ छै इंवेईं अदितवारमें चोखाकाम करबो ठीक छै। जंपछै उं
उ आदमीनें कयो कै थारो हाथ लांबो कर उंपछै उंवै लांबि
कयो कोर उ दूजाहाथसरीखो चोखो होयो।
१४ जद फारिसियां बारवें जायर उंका बेरमें सला करी
१५ कै वे उंको नास कींकरें करासो। कीर यिसु मालमकरो उं
जागासूं गयो कोर मोटी जमात उंकै पिछाडी गई कोर
१६ उं वा सगलांनें साजा कया। कोर वांनें जाग्या दीनी
१७ कै वै उनें चोडै नकरें यिसाईयाह निबियासूं जको कयो
१८ कहे गयो वा पूरोवारबोवेई कै मे जींनें सरायोछै उ म्हारा
चंडशानें जींनें उपर म्हारो मेन मोटो राजीछै उं म्हारा
पावानें देयो जं आपकी आत्मा उंकैउपरदेसुं कोर उ दूजा
१९ देसवाल्यानें साचो बतासी। उ भिगडर न करसी कोर
हेला न करसी कोर कोई लोग उंको हेलो मारगमें न
२० सुणसी। उ जठालोडी न्यावनें फतेवोडी न मेलें तबलोंकी
पिचट्यो सरकंडो न भांजसी कोर धुंवावाळी चंमावाडो न
२१ बुझासी। कोर उंका नांवसूं दूजादेसवाळा भरोसो करसी।
२२ जद भूत वाळोडा आंधा कर गुंगा एक लोग उंकेकनें
ल्यायोगयो कोर उं उंकें इसो आराम कयो कै आंधें कर
२३ गुंगें कयो वा देख्यो। उंसूं जमात सगळी मोटो अचेरो करें
२४ वा बोल्या कै यो कांई दाउदको डावडो नहीं। कोर फारि
सियां सुणर कयो कै बिलजबुलकें भूतांका राजासूं फिर
२५ भूतानें कडाछै नहीं। कोर यिसु वांकी चिन्ता जांणर वांनें
कयो कै जाणेंसो राज आपका बेरमें न्यारा जयर उजड जाय
छै कोर जाणेंसो नगर वा भूंपम आपका बेरमें न्यारा जयर
२६ न रेंसी। कोर सेतो पर सेतानें कडावें तो उ आप

का वैरमें थारो जवेरो इविड़ उंको राज कीतरें रैसी।
२७ ओर जं मैं बालजबूबसूं भूतांनें कुडावुं तो थांकै डाव
डा कींसूं वांनें कुडावेंछै इं कारण वैं थांका बिचार करण
२८ वाला व्हैसी। ओर जर मैं भगवांनकी आत्मासूं भूतांनें
२९ कुडावुं तो भगवांनको राज थांकनें आयोछै। ओर
फिर कोई जोग कीतरें बलिया आदमीका भूंपामें बडर्ने
उंका मालवालानें बिगाडर सकेछै पैलडा उं बलियाने
बांधनें मुंथाभिना उ बरर उ उंको भूंपो बिगाडसी।
३० जको म्हारो साथी नहीं सु म्हारो बैरीछै वा जको लोग
३१ म्हारै सारें भेला करेंछै नहीं सु बिंडावेछै। इंसूं मैं थांनें
कउंहुं वै समला पाप वा उबांठपणो आदम्यांकनें माफ करयो
जासी ओर धर्मात्मावें वैरमें जको उबांठपणो वै आदम्यांकनें
३२ छुडाया न जासी। ओर जको कोई आदमीके डावडा
वें वैरमें कुछि कथा कैसी उ उंकनें माफ करयो जासी
ओर जको कोई धर्मात्माकें वैरमें कथा कहेंछै वा बांनी उंनें
कनें माफ करी जासी नही इं संसारमें वा परभवमें।
३३ रूंखनें वा उंका फलांनें चोखा करो नहीं तो रूंखनें बिगाडो
वा उंके फलांनेंबि मीठा करो क्योंके रूंख आपका फलांसूं
३४ ओळख्यो जायछै। हे सांपका कुल थे मीठा जघर कीतरें चोखी
कथा कैं सकोगे क्योंके मनका परवाहणसूं मुंडो कह्या करेंछै।
३५ चोखो आदमी मनका चोखा कोठारसूं चोखी वस्तु काडेंछै वा
३६ भूंडा आदमी भूंडाकोठारसूं भूंडीवस्तु काडेंछै। ओर मैं
थांनें कउंहुं कें जकावा वैसा फोकटी कथा लोग कैंहो वैं
३७ उंको उथलो न्यांवकें दिनमें देसी क्योंके थारी कथासूं तूं
निर्दोख जाणो वा थारी कथासूं तूं दोसीसजोग जं जासी।
३८ तद उपध्यायाकें वा फारिसियांकें किया लोक उथलो
देर या कथा कही कें हे मांसटर थांका हे सैंसूं कर
३९ सेनाण देख्यो चावांछां। ओर उ उथलो देर वांनें कयो

कें बींठा वा भारी छवाढका लोग एक सैनाख सोभेंछे बोर
योना निभितियकें सैनाखबिगर कोई सैनाख वांनें दोवो न
४० जासी । क्योंस योना जिछो मोठी मच्छीका पेटमें तीन दिन
वा तिन रात छो तिसो आदजीको डावडो तीनदीन वा तीन
४१ रात धरतीका पेटविचालें रैसी । निनिविका लोग ध्योंव
का दिनमें आवर्डका लोगां भेला उभा जसी वा उवें वामी
दार करसी क्योंस वां योनाकें छडेरासूं वामना कया ओर
४२ देखो योनासूं मोठो एक लोग घठें छे । दखिनदेसकी रांवी
अमाईका लोगांवें भेवी ध्योंतके दिन उभी जसी वा उंवी
वामीदार करसी क्योंस उ संसारकी मोटी बरमी मावासूं
अवसमवको ग्यांन सुणवेई आई ओर देख अवसमवसूं मोठा
४३ एक लोग घठें छे । जद भड आत्मा आदम्यांसूं नीवें तद उ
४४ सूनो जागामें चेन सोभतार फिरेंछे वा कांहि नवावर होंछे
कें उं आपवें भी मूंपासूं आयोहुं उं भूंपामें फेर जासु
ओर आवर उ उंवें खाली वा बवाचो वां सोभित लाधेंछे ।
४५ तद उ जायछें ओर आपसूं भींठो दुजीसात आत्मांनें आपवें
सारें लेवेंछे वा वें भडर उंमें रेंछे ओर उं आदमीको छेवडो
उंका पेंलडा हवालसूं वोठो होंछे इं माफकपिण इं बोठा
गेलकीवो हवाल जसी ।
४६ . उ लोगांछें कहेंछे इंकें विचालें देख उंकी माउ वा उंका
४७ भाई उंकें भेवा कयां बायर बारवें उभाछा । तद एकलोग
उंनें कयो कें देख थारी माउ वा भाई थारें भेवा बोल्यां
४८ बायर बारवें उभाछे । वेर उ उयवो देर जीं लोग उंनें
कयो छो उंनें कयो कें देख म्हारी माउ कुण वा म्हारो भाई
४९ कुण । ओर उं आपको हाथ आपका चेलांकानी बांवो
५० करर कयो कें देखो म्हारी माउ वा म्हारा भाई । क्योंस जको
कोई म्हारा बाभाको मन राखेंछे कें जको सरगमें छे उ म्हारो
भाई वा बेन वा माउछे ।

Digitized by Google

१३ तेरमो पानो ।—उं दिन यिशु भूंयस्सूं बायर दरि
२ यावके कोर बैठो । बा मोटो समाज उंकेंकने भेळो हुई
उंसूं उ नावमें चढ़ी बा बैठो ओर सगळो समाज किनारें
३ उपर ऊभो रह्यो । ओर उं वांकेंकनें अनेकबातां विषयमें परथा
कयो ओर बोल्यो कें देखो एक बावणवालो बीज बावणनें
४ गयो । ओर जद उं बावतो हो कईंयक मारगकें
५ कनें पड्या ओर चिड़ियां आयर वांनें चुग गई । कईंयक
भाटांकी जागामें पड्या जठें मोकळी माटी न ही ओर वें
६ वेगा ऊगया क्योंके वां मांयकी माटी ऊंडी नहीं । ओर
जद सूरज ऊगो तद वें सूख गया वा वांकी जड़ न ही
७ इं कारण वें सूख गया । ओर कईंयक कांटामें पड्या ओर
८ कांटा बध्या वा वांनें दाबलिया । ओर ओर कईंयक चोखी
९ माटीमें पड्या वा फळ लाग्या कईंयक सौ गुणा कईंयक साठ
गुणा कईंयकतीसगुणा । सुणबाकें कांन हें उ सुणें ।
१० इं पछें चेला आयर उंनें कयो कें तूं वांनें क्यांमिष पर
११ थासूं कहेंछे । उं उथलो दिर वांनें कयो इं कारण कें
थांनें स्वर्गके राजको भेद जाणनें दीनो गयोछे वेर वांनें
१२ दीनो न गयो । क्योंके जींकनेंछे उंनें दीनो जासी वा
उंको मोकळो बणो जासी ओर जींकनेंनहीं नहीं उंको जको
१३ कईंयक छे उपिण उंसूं लीनो जासी । इवेंईं दृष्टान्तांसूं
वांनें कहुं क्योंस वें देखेंपिण देखें नहीं वा सुणेंपिण सुणें
१४ नहीं वा समझेंपिण नहीं । ओर वांमें ईसाइयाह नबि
पिबाको वचन पूरो होवेंछे जको केंछे कें सुणबसूं थे
सुणसो ओर न समझसो ओर देखणसूं थे देखसो वा जाण
१५ सो नहीं क्योंके ई लोगांको मन मोटो होगयोछे वा वांका
कांन सुणबेंमें भारी होगयाछे वा वां आपकी आंख्यां मींचे
नाख्यां क वांख्यांसूं देखें वा कानांसूं सुणें वा मनसूं सम
१६ झें वा फिरायोजा जाय वा हूं वांनें चोखा करूं । ओर थारी

Digitized by Google

आंख्यां धन्यछैं क्योंस वें देखेंछैं वा थांका कान क्योंस वें सुणें
१७ छैं। क्योंस साच कहुं थानें कतरा ही ही अबो देखबें पावेछे उ
मोकबो भिमितिबां वा सिद्ध आदम्यां देखबें चाये वा न देख्या;
ओर थे अबो सुणोछो उ सुण्यांचिव चावे पण न सुण्या।
१८ इसूं थे बावणवाळाको परचो सुणो। जद कोई राज
१९ को कथा सुणेंछे ओर न समझेंछे तद उ पापीपुरुष आवें
छें वा अबो उंकें मनमें बायो गयोछे उ उभांटो मारर ले
२० जायछे उ यो ओ मारगकें छेवडे बीज बोया। ओर ओ
भाठांको आगामें बीज बाया उ यो छे वें अबो कथा सुणेंछे
२१ वा थोडायछे हर्षसूं लेवेंछे। इंवेई आपकें मिवमें उंकें
कुंहि जड नही लेर थेडीवेळा रेंछे क्योंस जद कथांकें
कारण कष्ट अथवा सेसोस उठेंछे थोडायछे उ अटक जाय
२२ छें। ओ भींठेरांकें बिचमें बीज बाया उयिव यो छें वें
अबो कथा सुणेंछें वा इ संसारको चिंता वा मायाको कपट
२३ कथांमें पाममायेंछे ओर उ सफल अजायछे। ओर ओ
चोखीधरतोमें बीज बोया उ यो छे वें अबो कथा सुणेंछे वा
समझेंछें ओरथिव फल फलेंछे वा कुंइक सो गुणा वा कुंइक
साठ गुणा वा कुंइक तीस गुणा उपजावेंछें।
२४ उं दूजो एक परचो वांकेंनें काह्यो वा कह्यो कें सरगको
राज एक लोगसूं ओपमा कयोस जको कें ओ आपका खेतमें
२५ चोखाबीज बाया। ओर ओ बेळा आदमी सूताछा उंको वेरी
आयो वा गोवांकें बिचमें ओड बाई ओर चाल्यो गयो। उंछे
२६ जद संव वारवें ऊवाछा ओर फंब मरयाछा तद ओडथिव
२७ देख्यो गयोछो। इंवेई घरधणीका चाकरां आकर उंनें कयो
कें हे धणी तें कांई आपका खेतमें चोखा बीज न बाया तद
२८ कठसूं उंमें ओड छे। उंवांनें कयो कें किसी वेरी यो कयो
छै घडस्यां उंनें कयो वो यो कांई थारो मनछे कें वे जावर
२९ उंनें उपाडां। ओर उं कयो कें उ नही क्यांमांका बीनेबा के

Digitized by Google

३० जोडनें उपाडो तद थें गोहांनेंपिण उपाडो। दोन्युं साथकी
भेळा तोडि वधें ओर साथकी भेळा हुं वाढणवाळांनें कैंसुं
कें थे पेंलडाजोड हंव भेळा करो ओर बाळणवेंई वांनें
भारोमें बांधो पेर गोहुं म्हारें कोठोमें भेळा करो।
३१ दूजोएक परचो उ वांकेंकनें काढो वा कयो कें सर्गको
राज एक दांणां राइसरीपो कें जनें किणी आदमी लीयो
३२ वा आपका खेतमें वायो। उ सबी सगळा बीजांसूं नांनो
साच पेर उ जद वध्यो तद उ सगळा सागोंमें मोटोहै वा
रुंखो हंवपिण जुगायहै कें आकासकी चिड्यां आवेंहै वा
उंका डाळांउपर रेंहे।
३३ उ दूजोएक परचो वांनें कयो कें सर्गको राज खाटाकें
रुंखो कें जकों किणी रांड लीनो वा तीन पायली आटामें
राख्यो जदतांई सगळो खाटो न हुवो हो।
३४ यिसु यें सबको कथा जमातनें परचांसूं कई ओर बिगर
३५ परचांसूं उ वांनें न कयो। निमितियांसूं जको कथा कयोडी
है वा परचारी आय कें हुं परचांसूं आपको मुंडो पोलसुं
संसारकी नीव करवारीवेळासूं जको कथा लुकायोडी राखी
३६ गईहै वें कथा हुं चोडें करसुं। तद यिसु जमातनें विदा
करी ओर भूंपामें गयो उंपहे उंका चेला उंकनें आयर
३७ कयो कें म्हांनें खेतका जोडकाहंवको परचो चोडें करो। उ
उथलो दीनो वा वांनें कयो जो चोखाबीज वाया उ आदमी
३८ को डावडोहै। खेत संसारहै चोखाबीज राजका डावडाहै
३९ ओर जोडका हंव पापपुरषका डावडा है। जो वेरी वांनें
वाया उ मेंसोहै साचकोवेळा संसारको छेवडोहै ओर काट
४० णवाळा हलकाराहै। हंवेंई जिसा जोडका हंव भेळा कया
जायहै वा बाळदेंमें काट्या जायहै तिसो-ज संसारकें छेवडा
४१ में हुसी। आदमीका डावडा आपका हलकारांनें बारयें
भेज देसी वा जके सगळी नस चटकेंहै वा जके सगळी

अधर्म करेंछे वां सगळांनें वे भेळा करर उंका राजसूं
४२ बारवें नगाय देसी। और वांनें बासदेका ढाबामें नांख
४३ देसी उं आठा रोवणो और दांतांको पीसबो व्हसी। जद
सिध आपका बापका राजमें सूरयसरीषा चमकेगा जीको
सुणबानें कांन होवें उ सुणें।
४४ फेर सर्गको राज खेतमें लुकायोडा मायासरीषो छे जें वें
अबो सगळा आदमी पावेंछे वद उ लुकावेंछे और उंनूं
अबो आनंद उं आनंदसूं जावछे और आपको सगळो संप
दा बेचेंछे वा उं खेतनें मोल लेवेंछे।
४५ फेर सर्गको राज एक बोपारी सरीषो छे वें अबो चोखा
४६ मोती सोधेंछे। जीं जद ब्रोधीमरत एक मोतीनें पायो वद
गयो वा आपको सगळी माया बेची वा उंनें मोल लेनी।
४७ फेर सर्गको राज एक जाळसरीषो छे वें अबो दरियावमें
४८ नगायो गयो और सगळी तरेंको भेळो करयो। अबो जद
भरयायो वद वां उंनें किनारें खांचर बेठा वा चोखांनें
४९ ढांवमें भेळा करया बेर खोटांनें नगाय दीना। इंतरें संसार
कें छेवडामें व्हसी दूतवारा बारवें आसी और सिधांनें बिचा
५० बासूं दुष्टांनें न्यारा करसी। और वांनें बासदेका ढाबामें
नगाय देसी उं आठा रोवणो वा दांतको पीसबो व्हसी।
५१ यिसु वांनें कयो कें ये बांतें थें सगळा समजग्या
५२ वांनें कयो कें हां प्रभु। तद उ वांनें कयो कें इंबेंई अबो यावें
सो उपाध्याय सर्गका राजबेई भणायोडा छे उ कोसी लोग
घरधारीवेंसरीषो छे कें अबो आपका भोरासूं नवो वा बोटो
५३ पदार्थ काढेंछे। और इंतरें छे जद यिसु ये परचा कर
चाक्यो छे वद उ उं मायासूं गयो।
५४ और जद उ आपका देसमें आयो छे वद उ वांनें तिन
सभामें उपदेश करयो के वींसूं वे विस्मय छा और बोल्या कें जो
कोम थें सगळा ग्यांन और थें सगळा अचंभा कांम कठासूं

५५ खाती को कांई पालीको डावडो नथी उंकी माउको नांव
कांई मारिया नथी ओर उंका भाई कांई याकुब वा युसफ
५६ वा सीमन् वा यिहुदाह् नथी । ओर उंकी बेंन समली कांई
५७ आपांकनें नथे तो इंको ओ सगळो कठासुं हे । ओर वे
उंमें ठक्या लेर यिसु वांनें कयो के निबिविया बिगर आपका
५८ देसमें ओर आपका भूंयामें आदर बिगर न हे ओर वांकें
बिगर इमानवेई उ मोकळा अचेरा काम उठें कर्या नथी ।

१४ चवदमो पानो ।—उं वेळा चौथाईको धणी हेरोद
२ यिसुकी प्रसंसा सुणी । वा आपका चाकरांनें कयो के ओ
योहन् डुबीदिरावणवाळो हे उ मोवसुं उपओठे ह्वेई अठे
३ रा काम आपांमें उंसें घोडे करे हे । ओस हेरोद आप
का भाई फिलिपकी बउ हेरोदियाके कारण योहन्नें पक
४ ड बंद दीनो हो वा बेलखानामें रोको हो । ओस योहन्
५ उंनें कयो हो के उंनें वींको तनें ठीक नथी । ओर अह
उं वांनें मारबें चावो तद लोगांसुं बीहो ओस वा उंनें
६ निबिविया रखो जाणे । ओर जद हेरोदकी बरसगांठ
आरी भई हेरोदियाकी डावडी वांकें सांमी नाची वा हेरोद
७ नें राजी करो । उं कारण वा अेका चावी सु उंनें देबकें उं
८ सुगवाडर सोंग कयो । ओर वा आगाळी आपकी माउसुं
सोखीडी अबर कयो के अठाइं डब ठावमें योहन् डुबो
९ दिरावणवाळाको माथो मनें अठे दे । ओर राजा दुखि
१० वो पिर सुंसकेई वा जवें उंनें भेजा ओमबमें वेठा वांकें
वेईयिस उं उक्रासो देबनें आग्या दीनी ओर उं आदमी
११ भेबर बेलखानामें योहन्को माथो बाढो ओर उंको माथो
ठावमें ल्याया गया वा डावडीनें दीनो गयो । ओर वा आपकी
माउकनें उ ल्याई ।
१२ ओर उंका चेला आवर लोथनें लेगो वा गेर लोनी
१३ ओर गया वा यिसुनें कयो । यिसु सुणर उठासुं नाव

Digitized by Google

ऊपर जोडमें एकलो गयो और लोगां जद सुण्यो तद वे
१४ नगरसूं उंके पिछाडी पैदल गया । और यिशु बारनें
आयर मोटी जमात देखी और वांके ऊपर दयालु हवे वा
वांकी मांदग्यां चोखी करी ।
१५ जद सिंझ्या पडी उंके चेला उंकेकनें आयर कयो कें आ
जोडकी जागा छे वा दिन अबें पूरो हवे गांवामें जायनें
वा आपवेंर वेई खाणो मोल लेवनें जमातनें विदा कर ।
१६ और यिशु वांनें कयो कें वांनें जावको गरज नही छे थांनें
१७ खावनें देवो । और वां उंनें कयो कें म्हांके अठें वासी पांच
१८ बाटी वा दोय मछ्ळीरे । उं कयो कें उंनें अठे म्हारेकनें
१९ ल्यावो । और उं दूबऊपर बैठवाकी जमातनें आग्या दीनी
और वें पांच बाटी वा दोय मछ्ळी लेर सर्गकनी देखर
आसीस करी वा भांगी वा बाटी चेलांनें दीनी और चेलां
२० जमातनें दीनी । और वें सगळा खाई वा धाप्या उंपछे
बच्या भूकाभतो कयो उंसूं वां बारे थाळीयां भरी भेळी
२१ करी । और खावणवाळा वें पांचहजार आदमी
लोग्यांर वा बिगर टाबर वा डावडा ।
२२ और जोबेळा उ जमातनें विदा करतो हो उंबेळा ब्याज
२३ उपर आवनें वा उंके अगाडी दूजे किनारे जावनें यिशु आप
का चेलांनें आग्या करी और जद उ जमातनें विदा करीगी
तद उ प्रार्थना करवानें एक परबतऊपर एकलो गयो और
२४ जद सिंझ्यापडी उ एकलो उठें हो । जेर नाव उंबेळा किनो
कांसूं लहरांसी दरियावमें ही क्योंके बायरो सामनो हो ।
२५ और रातका चोथा पोरको यिशु पाणीऊपर चालतो थको
२६ वांकेकनें आयो । और जद चेलां उंनें दरियाकऊपर चालतो
देख्यो तद वें डरियायाहा वा कयो कें ओ भूत हे और वां डोरू
२७ सूं रोवा लग्या । जेर उंबेळा यिशु वांनें कयो कें जमाखातर
२८ राखो मैं हूं मती डरो । और पितर उंनें उथलो दे'र

कयो के हे प्रभु जो जर तूं है तो मनें पांणीपर
२९ उणरसूं आंवणकी आग्या देर। ओर उ कयो के आव
उंपछे जद पितर नावसूं उतर्यो तद उ यिसुकनें जावें
३० पांणीउपर चाल्यो। पेर जद उ वायरो भारी देख्यो
तद बीयो ओर डुबण लागर हेला करया वा बोल्यो के हे
३१ प्रभु मनें उबार। तद उं वेगो यिसु हाथ पसारणो वा
३२ उंनें पकडो ओर उंनें कयो के हे थोड़ा प्रतीती तें किंयो
बेसास करयो ओर जद वें नावउपर चढ्या तद वायरो
३३ थम्यो। उंपछे जके नावउपर हा वें आया वा उंको भजन
करयो वा कयो के नुचर तूं भगवांनको बावेटो है।
३४ उंपछे वें पेलेतीर जावर गनसरत देसमें पोंचा। ओर
३५ जद उं जागाका आदम्यां उंनें पायछाने जांण्यो तद वां
चार'कानी उं सगला देसमें भेज्यो वा सगला रोगला
३६ लोगांनें उंकनें ल्याया। ओर बीनती करी के वें फगत
उंनें वस्त्रको पूंछो छीठवें पावें ओर जित्ता लोगां छीयो
वित्ता चोखा करया गया।

१५ पनरमो पांनो।—उंवेळा यिरुसालमम्में रेंणवाळा
२ उपाध्याय वा फारिसि यिसुकनें आया वा बोल्या के थारे
चेला वडेरांकी रीत क्यों उलंघेछे क्योंके वें बाटी जीमणकी
३ वेळा हाथ धोवें नही। पेर उं उणने उत्तर देर वांनें कयो के थे
पिण आपकी रीतसूं क्यों भगवांनकी आग्या उलंघोछो।
४ क्योंके भगवांन आग्या देर कयो के आपके माउ बापकी
मर्यादा कर ओर जको लोग बापनें अथवा माउनें फिट
५ कार देवेंछे उ निस्चें मारयो पड़सी। पेर थे कहोछो के कोई
आपके माउनें अथवा बापनें के सकेंछे के जींक्रियो वस्त
६ सूं तनें मेंसूं नफो व्हेतो उ भगवानमें दीनो गयो। ओर
उ आपके बापकी अथवा माउकी मर्यादा न करेंछे इंतरें थे
७ आपकी रीतसूं भगवांनकी आग्या निफळी करी। हे कप

Digitized by Google

रचट ईसाईय ने था कथा वोर घंका कायदामें गेवी
८ वरें निमिविया की कथा कहो के ये लोग आपका मुंडासूं
म्हारे नेडा आवेंछे वो ओपका होठसूं मनें मर्यादा करेंछे
९ वेर वांको मन मेसूं अलगो रेंछे। वोरे दूं गीतवेई आदम्यांनें
१० आग्या भणायर निकमो म्हारो भजन करेंछे। वोर उं जमात
११ नें बुलाई वा वांनें कयो के सुवो वा समझो। जका वख
मुंडासूं नीकलें वा वख आदमीनें भिसट करें नहीं वेर मुंडा
१२ सूं नीको कढेंछे वा आदम्यांनें भिसट करेंछे। तद उंका चेला
आयर उवें कयो के तूं कांई जांणें छे के फारिसि था कथा
१३ सुणर घटेया। वेर उं उपतो देर कयो के पावेंसो वच
१४ म्हारें सर्गी बाभें नोंखा नहीं वें उपाड्या जासी। वांनें
छोल दे वें सूर्यांनें सूणा मारग बतावबवालाछे वोर
सूणो सूर्यांनें मारग बतावें तो दोयु खाडामें पडसी।
१५ तद पितर उपतो देर उंनें कयो के ये परवा म्हांनें
१६ चोडें कर। वोर यिसु कयो के कांई थेंपिण अबारतांई
१७ अग्यानछो। थे कांई अबारतांई न समझोछो के जको कुछ
मुंडासूं बडेछे उ पेटमें जायछे वोर ठचामें नगायो जायछे।
१८ वेर मुंडासूं नीकर कढेछे वें मनसूं आवेंछे वोर आदमी
१९ नें भिसट करेंछे। क्योंके मनमें बींठोफिकर वा खून वा
जारी वा कुसील वा चोरी वा कूडीसायदी वा उकंठपणो
२० कढेछे। ये वें छे जके आदम्यांनें भिसट करेंछे वेर बिगर
धोयां हाथांसूं जीमणो आदम्यांनें भिसट नहीं करेंछे।
२१ तद यिसु उं जागासूं गयो वोर सोर वा सीदनको सींव
२२ में चाल्यो। वोर देखो कनआनी एक रंड उं सींवसूं बारनें
आई वा हेला करर उंनें बोली के हे प्रभु दाउदका डावडा
मेंसूं कृपा कर म्हारी डावडी एक भूतसूं मोटो कष्ट पावेंछे।
२३ वेर उं एक बचाविन उंनें उपतो न दोवो वोर उंका चेला
उंकेकनें आयर था कथा वेर बीनती करी के उंनें विदा दे
२४ क्योंके वा म्हांकें पिछाडी हेला करेंछे। वोर उं उपतो देर

Digitized by Google

कयो कें ऊं इसराइलकें कुलकें गमीयोडा गाडरकें सिवाय
२५ दूजा कोंवनें मेल्योडो नहीं। तद ऊं आयर उंको भजन करयो
२६ ओर कयो कें हे प्रभू म्हारो उपगार कर। ऊं उथलो देर
कयो कें टाबरांकी बाटी लेंर वा कुतरांनें देणी चोखी नहीं।
२७ उ कयो कें साच धणी लेर भी कुतरा भी धणीकी बाजोट
२८ ठसूं पडेछे कणका उ खायछे। तद यिसु उथलो देर उंनें
कयो कें हे रंड थारी प्रतीत मोटी छे सूं जिसो चावेंछे
तिसो तनें व्हें ओर उंकी डावडी उंही वेळा ताजी व्हई।
२९ ओर यिसु उं जागासूं आयर गालिलीकें दरियावकें नेडो
३० आयो ओर परबतउपर चडर उठें बेठो। ओर मोटी
जमात पांगळा वा आंधा वा गूंगा वा टूंटा वा दूजामांदगीवाळा
नें आपकें सात लेर उंकें नेडा आया ओर वानें यिसुकें पगां
३१ उपर नाख्या ओर उं वानें ताजा करया। इंसूं जमात गूंगानें
बोलतें वा टूंटानें चोखाहोत वा पांगळानें चालतें वा आंधा
नें देखता देखर विसमय करयो ओर इसराइलकें भगवान
३२ की स्तुती करी। उंपछे यिसु आपका चेलानें बुलायर कयो
कें म्हं जमातउपर दयाळु हूं क्योंके वें तीन दिनसूं
म्हारेंकनें रेंछे ओर वांकें खावनें कुंइ नहीं वानें भूखा
में बिदा करणो नचाउंहूं क्याजाणा वें मारगमें थाकजावें।
३३ ओर उंकें चेलां उंनें कयो कें इत्ती जमातनें धपावणनें जोग
३४ में ये वीडमें इत्ती बाटयां कांसूं आवसी। ओर यिसु वानें कयो
कें थांकेंकनें कित्तिबाटी छे वां कयो कें सात ओर थोडीसी नानी
३५ मच्छीयांहि छे। ओर उं जमातनें माटीउपर बेठणकी
३६ आग्या दीनी। ओर वां सात बाटी वा मच्छी लेर सुकर करर
भांजी वा आपका चेलानें दीनी ओर चेला जमातनें दीनी।
३७ ओर सगळा खाई वा धाप्या ओर वां उबर्योडा भूखाभाखा
३८ नें सात टोकरी भरर भेळा करया। अनें जीम्या वें च्यार
३९ हजार मोट्यार सिवाय रंड वा टावडा। ओर उ जमातनें
बिदा करर नावउपर चडो वा मागदलाकी सीवमें गयो।

[illegible] बांगो ।—फेर फारिसियाँ साद्‌कियाँ
[illegible] आवर [illegible] उसू विनती करी के वे वांकेकूँ
२ [illegible] एक [illegible] दिखावे। उसू उ उथेवो देर वाने कयो
के [illegible] में साफ [illegible] राखो
३ [illegible] ज्यांसू थे कहोगे के आज झिरमिराट
[illegible] आकाश रातो वा गेरो छै थे लबरपटां थे
आकाशकी मुडो चोत कररे जांणोगे केर कालका सैनाणी
४ नें [illegible] न जांण सकोगे। दुष्ट वा कूभिल्यो एक गोती सैनाणी
[illegible] थोण कोना [illegible] सैनाणविगर कोई
सैनाण [illegible] दीनों न जासी [illegible] उ वांने छोडर गयो।
५ फेर उंका चेला [illegible] पार आयर बाटीऊँकी भुलग्या। उ
६ वेंजा यिसु वांनें कयो के [illegible] फारिसियांका वा सादुकियां
७ का खाटासूं [illegible] फेर वा आपकेर [illegible]
[illegible] वा [illegible] के [illegible] कोनी [illegible] ।
८ फेर यिसु जाणपरें कयो के हे थोडाप्रतीतो बाटी न [illegible]
९ सूं [illegible] आपकें [illegible] करोगे। थे कांई
समझोगे वा [illegible] वें पांचहजार लोग में पांचबाटी
वा [illegible] टोकरा भेळा कर्‌या कांई वें [illegible] नगे।
१०. [illegible] च्यारहजारकें सात बाटी वा [illegible] टोकरा भेळा कर्‌या
११. कांई [illegible] । थे क्यूंस न समझोगे के मैं बाटीउपर
फारिसियांकें वा सादुकियांकें खाटासूं [illegible]
१२ थांनें [illegible] । तद वें समज्या के उं बाटीका खाटासूं
[illegible] नई कयो फेर फारिसियांकें वा सादुकियां
कें [illegible] कयो।
१३ [illegible] यिसु [illegible] फिलिपिकें [illegible] आपका
चेलांनें पूछ्यो वा कयो के आदमी कांई कहेछे के मैं [illegible]
१४ को [illegible] पूछु। [illegible] कयो कोईक कैछे के योहन [illegible]

जिनकबरयाबो पीरर पीर्ड बैठे में ककीराक्र पीक भोड़े वे
१५ ते में पिरमियार बयारा मिलिपियांबो मब पीत। ते चांबें
१६ बबो पेर के बारे करीडी में अं बुबटू। पीमन पिबुर
उथबो देर बबो वें तूं भीमगा मजरानबो डाबो बोव ते।
१७ मेरि यिसु उयबो देर उने मबो जे बीमत् बारबोबा बूं
बय ते बोव मांव बा बोवी बारेंबनें बें पीता बया नवी
१८ पेर म्हारो बाभो वें बबो बामेनें ते। पीरर बं बने बवंटु
बें बू पिवर ते पीरर अं मरबनडपर बं माक्कीरकोबोनें
बांव मस्सुं पीर बारबीबा बरबा उने मारे न मब्बी।
१९ पीरर अं बनें बामेंबें राबनी बुंबी देसुं पीरर तूं मरबीउयर
बबी बुंधबी उ बामेंमें बुंधबी पीरर बूं बरबीउयर ब्रमीब्रोव
२० बो उ बामें पेदबी बाबो। तब उ बापबा चेबांनें बाग्या
बरी बे वें बीबी बीगमें म बहें बें उ यिसु मबीबांर ते।
२१ उ बेबानूं यिसु बापबा बेबांनें मबावन बाबी वें उवें
बिरमबरलें बाबि म बोदीडामूं बा मबेलाबे़शमियासूं
बा बांमुबाबूं नोबबी बब बांबी बा मारबी बाबे बा
२२ बीबें दिन बेरउनबबो विबो ते। उबू पिवर उने बेर
बबबबाबी बा बयो कें पे मभु बापके उयर बबी बर बें
२३ बबें बबें। उ मुडर पिवरनें बयां पें पे मेरा बबगो
अधब म्हारें पोडाडो जा तूं म्हारे बडब कें ते मबोंब मबें
बरनेबी मबाबमूं ते बें बनें ब हबिंक पेर ब्राबीमामबोस्यांसूं
२४ ते। तब यिसु बापबा बेबांनें बयोम्बार बीई बीग म्हारें
बोडाबी बाबा बबें तो उ बापबे बाटबें पीरर बापबी
२५ बबबोबी बेमें बा म्हारे पीडाडो बाबें बोबब बबो बोई पाप
बे बोब राबी बाबेंते उ उबो बेबबबबी पीरर बबो बोई
२६ बाबबे बोब म्हारे बेरे बे मबबबें ते उ उबें बाबबी। बोबब
बें बादमीबेर बां है बबो ते बर बबबबबबबर बिबें बा बाब
बा बीबबें बिनाम पीरर बादमी बाबबें बोबबें बदबें बाबे

Digitized by Google

२७ देसी। क्योंके आदमीको डावडो आपका दुतकांनैं साथलेर
आपका बाभाका प्रतापसुं आसी और वद चावैं ज्यो आदमी
२८ नैं आपका कांमहरका फल देसी। मैं थांनैं साच कउंहुं के
जिताक लोग अठै उभा हैं वां मेंको आदमीको डावडानैं
आपकैं राजमें आतो देखबतोडो मोतनैं न चाखसी।

१७ सतरमो पांनो।—और छदनांपछै यिसु पितरनैं
१ वा याकूबनैं वा उंका भाई योहन्नैं सारैं लेकिन्या एक
२ उंचा परबतउपर न्यारो चडायो। वा वांकैं सांमोरूपनैं
बदल्यो और उंको मुंडो सुरजजुंज्यो चिलकन लागो
३ वा उंका वस्तर चानणकिसो धोळो छगो। और देखो
मोसेह वा एलीयाह उंसें मेळा कथा [illegible]
४ दीख्या गया। पितर उथलो देर यिसुनें कयो के हे प्रभु
आपणैं अठै रैवो चोखो है [illegible] मन वैं तो मैं अठै तीन
डेरा बणायां एक थारैं वैं एक मोसेह वेंरै वा एक एली
५ याहवेंरै। उ वा कथा करै हैं उंवें बिचमें देखो एक भावां
[illegible] वांउपर छांयाकीयो और देखो मेघसुं एक सबद
हवो के यो म्हारो वालो डावडो छै के मैं [illegible] राजी
६ छुं उंको कयोसुणो। और चेला सुणर आपका मुंडा परती
७ उंधा पड्या वा मोकळा [illegible]। और यिसु नैंडो
आयर वांनैं अडिया वा कयोके उठो मती डरो। वां
८ आपकी आंख्यां उंचीकर यिसुबिना और किंनैं न
९ देख्या। जें परबतसूं उतरता यिसु वांसु कयो के [illegible]
[illegible] आदमीको डावडो मुवासुं न उ
ठै [illegible] देख्यो [illegible] मती कहो। और उंका
१० चेला उंनैं पूछ्यो वा [illegible] पेहलां
[illegible]। यिसु [illegible] वांनैं कयो
११ [illegible] ठीक करसी।
१२ पण मैं थांनैं कउंहुं के एलीयाह आयोछै वा वां उंनैं न

आवो वेर आप जिसो चाये तिसो उंने करो आदमीका
१३ डावड़ाभि थांसूं उसो कष्ट पावसी। तद चेला समज्या के
उ योहन डुबोदिराविवावाकै फायदामें वांनें कयो।
१४ ओर जद उ जमातकनें आयो तद एक लोग उंकनें
१५ आयो वा गुडाल्यां ऊपर बैठा वा कयो के हे धणी म्हारे
डावड़ाने दया कर क्योंके उ गेलो छै वा मोटा कष्ट पावेछे
१६ क्योंके उ वारंवार बास्तेमें पड़ेछे वा वारंवार पांणीमें। ओर
म्हारे चेलांकनें मैं उंनें ल्यायो ओर वे उनें चाेखो कर न
१७ सक्या। जिसु उत्तर देर कयो के हे अविश्वासी वा कुमारग
लोको मैं किता दिन थांके भेलो रेंसूं मैं किता दिन
१८ थांकी सेंसुं उंनें अठे म्हारेकनें ल्यावो। ओर जिसु भूतनें
धमकायो ओर उ भूत उंमेंसूं नकलो वा उ डावड़ो उंईं घड़ी
१९ चोखो हुवो। तद चेला न्यारा ऊपर जिसुके कनेंआ आयर
२० कयो के म्हे उंनें क्यों काढ न सक्या। जिसु वांनें कयो के थांके
अविश्वासके क्योंकि मैं थांनें साच कऊंहुं के अगर राईका एक
बीजजसो थांको प्रतीत हुतो तो इं परवतनें बोलता के इं आ
जागासूं वं जागा जा ओर उ जातो ओर थांके अनहुंण कांइ
२१ न हुतो। ओर बिना प्रार्थना वा उपवास इंजातको कढे नहीं।
२२ वे गलीलमें रेंतो उंवेला जिसु वांनें कयो के आदमीका
२३ डावड़ो लोकांके हाथांमें झलायो जासी। ओर
वे उंनें मारनांखसी ओर तीजेदिन उ फेर जीवसी जासी
उंसूं वे मोटा गमगीन हुवा।
२४ वे कफरनहूममें पोंछया तद उगावणवाळा पिंतरकनें
२५ आया वा बोल्या के थांको गुरू कांई महसूल न देवेछे। उं
कयो के हां। ओर जद उ घरमें आयो तद जिसु उंनें
पेलां ऊपर कयो के हे शिमोन तूं कांई समजेछे संसारका
राजा कीनसूं महसूल लेवेछे आपका डावड़ासूं अथ
२६ वा दूजादेसवाळ्यांसूं। पितर उंसूं कयो के दूजादेसवाळा

२५ तू यिनु उंनूं कयो वद डावडा मुसरफनें वेर ने वर्ति व
भटकवसेहै तू दरियावकर्ने आवर सर बमाय पीर मेर्त
मटी यैलडा उपडे उंनें बपड वा उंनो मुंडो फाडर बांधी
बायसी वैं वेर मारें वा मारवेहै वांनें दे ।

१८ अठारमो पांनो ।—उंनेका थेका यिनुवनें आयर
२ योका वें सर्मनें दाजनें कुच मोटो छें । यिनु दव डावडा
३ में कुबायर वांवें पिछाडें दाख्यो वा पेक्यो । वें जे साय
फंडें तू वैं मार जे व मुंड वा डावडावें दया न यो तो समीका
४ दाजमें न वडयो । जयो केई आपनें इंडावडाइयो जिये
५ करेंछें उ उनेका दाजमें मोतबेस मेठो जसी । पीर जयो
कोई मारा वांवनूं यो डावडावर्या वद कोमर्ने मनवार
६ करेंछें उ मनें मनवार करेंछें । पीर मनें मनोतकरवेवाना
मैं बांवा डावडावें दव केमनें भट कोई चटेवें छे वो कई
सूं वेवो यव उंनेर बा जमी वैं बरटी उंनी गायवनें बांधी
जाय वा उ दरियावना उंडानें मनायेजाय ।
७ अठकवेई संसारनें उडेवछें कोम अठव निर्जी पांची
८ वेद जरूर उ ओमनें हैं पीसूं अठव भवेछें । पीर नर
थारो हाय अथवा पग वनें अठरों वो बांनें काढ नांख वा
आपकूं बगायदे मोडो वा ठुंठो जयर जीवतमें वडयो
होय हाथ वा दोय पगांवालो जयर अनंतीवासदेमें वमाधे
९ जावसूं योको छें । पीरपन थारी आंख्यां वनें भटवें तो
उंनें काढ वा आपसूं बगाय हट आंखवालो जयर जीवतम
में बसयो होय पांवाला जयर नारको वासदेमें नांखिज
१० जावसूं योमाछें । चिंतवीन ई नांनामें दवा डावडावें तिर
स्कार मती करो क्योंव के थांवें कईवुं कें सर्गमें यांका दूत
करऱ्ह मारा बापको मुंडो दरपीवा देखेछें । क्योंव भरवर्ने
११ छें । क्योंव बालकोवा उनडो संमांकनें उमाइ मरवमें

१२ [illegible] । थे वांई समभोठो ब्यर कोयो [illegible]
गाड [illegible] वासू इक गामग्योठे वो उ वांई [illegible]
[illegible] परबतउपर बायर उ [illegible] वांई [illegible]
१३ नठे । और ब्यर उमें वांई [illegible] बहुतु [illegible]
नीनाखवें गमगया [illegible] वांकि उपर अयो इमे उसू [illegible]
१४ उ उंकें उपर करेंठे । उ [illegible]
१५ [illegible] आ [illegible] इक [illegible] । [illegible] ब्यर
[illegible] उपर पाय [illegible]
उपर उमें [illegible]
१६ [illegible] । [illegible]
[illegible]
१७ [illegible] । [illegible]
[illegible]
१८ [illegible] । [illegible] संसार
उपर [illegible] संसारमें
१९ [illegible] । [illegible]
[illegible] पाय [illegible]
[illegible]
२० [illegible] । [illegible]
[illegible] ।
२१ [illegible] भई
[illegible] उपर पाय [illegible] वा उमें [illegible]
२२ वांई [illegible] । [illegible] उमें [illegible]
२३ [illegible] नही [illegible] । [illegible]
[illegible]
२४ वा [illegible] । [illegible]
[illegible]
२५ [illegible] । [illegible]

Digitized by Google

उणनी उंनें वा उंकी पत्नी व टाबरां वें वा उंको सबोहीं उ
२६ तरकोपिस बेचवां वा उधार मकी चुकाया होची । तद उं
चाकर उंके पगांऊपर पड़र वीववो करी क प्रभु हुं वे
२७ सारी थारें ऊपर सुलताव करुं ऊ समवो उधार चुं । तद उं
चाकरांवें धणी उंवेंऊपर दया करर उंनें छोड दीयो वा उं करजो
२८ माफ करयो । जंजठें उं चाकर बाहरे चाकर भायांमें उं थी
एक चाकरनें पायो वें जको उं की दरवो पजकी देंणो ग्यो,
२९ और उं गावडता उंनें पकड्यो वा कयो । वें मको देंबो । जें उंनें
उधार उंनें भेलपी चाकर उंना पगांनिचेंपड़र वीववी करी वें
३० थारें उपर सुलताव मेर वें समवो उधार दियुं । मेर उं
मनाकें मेर मांयवरें उं भकलोको समबो देबो न चुकावो
३१ वठातोको उंनें जेलखानमें राख्यो । जदी बनीबाली उंवा
भेलपी चाकरां उ देखकरी मोटा दुखी थयाका आवर
[illegible] आ सगकी बनीकी कथा आपणा धणीनें सुनाई । तद उं
धणी उंनें आपकनें बुलायर उंनें कयो वें हे दुष्ट चाकर
में तनें उं समबो देवो गिलदोयो क्यों वें मेंसूं वीववो
३३ करी । में थोंकी वेंकुं दया करी थाई आपका भेलपी
३४ चाकराऊपर उसी दया करवी थनें ठीक नहीं । और उंनें
धणी उंकेऊपर रोस करयो उ उंनें मको देबो ग उ
समबो उतारणीतोईं उंनें दंडदेवावाळानें सपदा
३५ थी । तैसोपिव म्हारो बाबो वें जको सरगमें छे थांनें करसी
जद थे कुणकोई लोग आपका मनसूं आपका भाईकी उंका
पाप न छुडास्यो ।

१९ उगणीसमो पाँडो ।—और इसो हुवो वें तद
यिशु ये कथा पर चुकायो तद उ गालिलीसूं गयो वा यरदन्
१ वें उं दूजा वेरांवे यिहूदाहकी सीवसूं आयो । और मोटो
२ समाज उंकें पिछाडी आई वा उं उठें वांनें चंगा करया ।

६ और कारीगिया उनें परखवनें उंके मैंका भीचर उंवे
कर्यो कि कुज कोई कारणसूं आदमीनें आपकी बउ छोडणी
ठीक छै। और उं उथबी दिए उवे कोई
भरतार वे जो पेवनें उनें उपजाके उ वांनें मैंयार
लुगाई केरपरि उपजाया। वा कयो कें इबेई कारस आपका
मांउ बापनें छोडस्यो वा आपकी बउकनें रैस्यो वा वे दोनु
एक वांडो जसी। इंसूं वे उं किरिकासूं दोनु न छै बेट
एक यांडे छै तो भगवान जको एक जोडो कयो आदमी उंनें
७ न्यारो न करें। वा उंनें कयो सो मोसब उंनें त्यागपत्र
८ देके वा वांनें छोडवाकी आग्या क्यों करी।। उं वांनें कयो कें
मोसब थांके मनकी कठरनाईके थांने आपआपकी बउ छोडण
९ दीनी पेर सेवडासूं इस्यो नहीं। और मै थांने कउंनुं के
व्यारोविभर जको कोई मरण्ये दूजा कारणसूं आपकी
बउनें छोडेंवा दूजी परणें उ ब्याभीचारी करे छे और जको
१० बीग उं छोडीनें परणें छे उ जारी करे छे। चेला उंनें कयो
कें जर बउके सेंगा मौजारको इसाक छै तो परणबो जको
११ नहीं छै। उं वांनें कयो कें सगळा आदमी या कथा ग्रंथ
१२ नहीं सकें छे और ज्यांनें उ दियो गयो छे उ सकें छे। कोई
नपुंसक छै के जको माजका पेटसूं इस्या उपज्या छै वा
नपुंसक छै के जकी आदमीसूं नपुंसक कया गया छै
और नपुंसक छा कें ज्यां सरगका राजके वास्ते नपुंसक
बण्या जको कोई उ लेय सकें सो लेवें।

१३ तद बालक उंकनें ल्याया गया कें उ वांके ऊपर हाथ
धरें वा प्रार्थना करें और चेला उंनें धोकाया। पेर यिसु
१४ कयो कें बालकांनें म्हारे कनें आवा दो और वांनें बरजो मती
क्योंकि सरगको राज इस्यांको छै। और उ वांके उपर
१५ हाथ धरर उठासूं गयो।
१६ और देखो एक जणा उंकनें आयर कयो कें हे भला

१७ भुषाखीव कं अनन्त आउखामें जायवों कुण पुन्य करसुं । उ
उंनें कयो क्यों मनें चोखो केंठे कोई चोखो नहीं एकजिणई
के अकेलो भगुवान ठे पिण जद तूं आउखामें जबो चावे तो
१८ आग्यांकारी थयो कर। उ उंनें कयो के कुणर जिसु कयो के
घेर खून मतो कर चोरी मतो कर चोरी मतो कर कूडी
१९ साखदी मतो दे। आपण बाबा माउकी मर्योदा कर ओर
२० आपके नेडाके अवाजवे आपकेजरांपे प्यार कर। जुंआन्यार
कयो के अं हुकमादेसुं मा दनपांणी मानता करी म्हारो
२१ हसुं कांई पाछी ठे। जिसु उंने कयो के जद तूं परचायो
चावे तो जा थारे सरंजामवें वेचना गुनरांनें दे जुंघठे
२२ तूं सरगमें माया पामी ओर म्हारे पिछाडीआव। उ आन्यार
या कथा सुणयरी दिलगीर जवर चाल्यो क्योंके उणी
२३ मोलकी माया ठो। जदू जिसु आपके चेलांवे कयो के
थांने साच कउंहुं के मायावाले को दं के राजमें जाणको बडो
२४ करडो ठे। ओर ओपिण थांने कउंहुं के मायावाला आदमी
ईसरके राजमें जावाव सुंईका नाकामें से ऊंटको जावो
२५ सोरोठे। उंकाचेला सुणकरा मोटा अचेरो करवा ला कहो
२६ के तो कुण उघार पायसके ठे। पिर जिसु देखयरी ऊनें
के कयो आदम्यांमें या बात कठे पिर भगवानमें सब बा
२७ काम हुयसके। जद पिटर उथरी देर उंनें कयो के देख
म्हे सगळांनें छोडवा का थारे पिछाडी चाल्या छां म्हांको कांई
२८ हुसी। जिसु वांनें कयो के साच कउं थांनें कउंहुं के जद
आदम्याका डाकरा आपके तेजुवीं तखतउपर बेठसी जद
थे के म्हांने सबा जनममें म्हारे पिछाडी चालवाला को
ईसराएलके बारे पीढिनें न्याव करता बारे तखतउपर
२९ बेठसी। ओर कुण कोई माणस के भी मूँके वा भाईनें
वा बेहनें वा बापनें वा माउनें वा बउने वा छोकरानें वा
धरती म्हारे नांमके लेखावे उ सोगुणा पावसी ओर अनंत

३० घोवडो उबराव बरसी । जेर मोवडा कें अबे पेंवडा
ठे वें सारांसूं पिछाडो असी वा पिछाडो ववे ठे वे वें
वेंडा असी ।

२० बीसमो पाँवो — सर्गको राज एक बाग भूंपावर
धणी ईसा ठे के अबो आपवा दंगोरवें वेलवा मुजरीनिं र
१ भारो फजरमें प्रभात ई बारे गयो । जेर उ मुजरी भेळो
एक पावलो दिनको मुकायर आपवा दंगोरवा वेलमें बाँमें
२ मेल्या । जेर दिन एकपोर चावरेंवी वेळा उ बारवें
जाय परो दूजाबेंगामें बैठामें बिगरकाम ऊभा देखा ।
४ जेर बाँने कयो के थेवि दंगोरवा वेलमें जावो जेर मबो
५ ठीक ठे उ थाँने देसुं जेर वे गया । जंपछे दोपोर वा तिजा
पोर चावरेंकोवेळा उ फेर बारवें जायपरो उंइबरें
६ कयो । पछी पाँरफोरकीवेळापिछ उ बारवें जायर
दूजाभांतवाँने बिगरकाम लाधा वा बाँने कयो के कुं
७ सगळे दिन इथे बिगरकाम रोउरे । बा उनें कयो इवा
एव के कोई आदमी म्हाँने मजूरी दियो नही उ बाँने
कयो के थेपिड दंगोरवा वेलमें जावो जेर मबो ठीक उ
८ मे पावेर । सिंज्या भयांपछे वेलवे धणी पावका दिवानें
कयो के मजूरांनें बुलाय वा छेलडावालासूं मांडर पेंबडी
९ वावालांडो बाँमें रोजीको दे । जेर पुंछोलाफेरकी
वेळा व्हावालवा कुल कोई जावनी एक पावली पाई ।
१० पेंवडावाळा आयर समझ्या के वे मत्ते पाजी जेर वें कुछ
११ बेई भावनविय एकर पावली पाई । जेर पायर
भूंपावा धणीसूं थथब करि वा कयो के वाँ पिछाडि
वावां वाजो दोय घडी काम कीमो जेर तुं बाँनें म्हाँने
१२ बराबर कयो के म्हाँ दिनभार का बावळा सयो । उ

१३ उथलो देर वांनें रब लोगांमें कयो कै हे संगोत्यां थें थांरै
उपर बिगरठोक न करूं थें काई म्हारे भेळो रब पुरा
१४ को पुकाव लीयो नहीं थारो थापको ले ना जा। जिसो
१५ थनें थुं दियो के ठेकडा रावांनें पिम कं देसुं। कं जिसो
चांउं जिसो थापनी वसतुं करबो चाह ठीक नहीं काई कं
१६ दातार होवसुं थांस्ले थांग्यां विंठोहर कैठैं। इवरें नवें
संगवासूं पाछलवाला वै दैवडावाला जलो वा पैलडाल
वा भवे सो संगवासूं पछवाळा जसो कोइ भेपका कुकड
था बाबडे केर चोका भरावा केठै।
१७ कोर यिरुसालममें जावती विरियां जिसु मारगसुं
१८ आपका बारें चेलांनें ब्यारा लीया वा वांनें कयो कै देखो म्हे
यिरुसालममें जावां छां कोर मनखीया डावडा कणपेरा
तांके वा पुढलांके हाथमें झपडाया जासी वा वे उंनें मारबा
१९ नें थ ग्या देसी। वा निंदा करबानें वा कांमडे मारबानें
वा कुसउपर मोरबांधबनें दुजादेसीवांनें सपडासी कोर
तीजै दिन उ फेर उठसी।
२० तद जेबदीवे डावडांकी मा उ आपका डावडां भेळी करर
उंनेंबनें आइ वा उंकी पूजा करर रब मांगबेको चाइ।
२१ उ उंनें कयो कै तूं काई चावै छै उ उंनें कयो आग्या कर कै
म्हारा ये दोनुं डावडा रब कोम थारे जीवणां हाथ वा
२२ दुजो थारा डावांहाथ थारे राजमें बैठबा पावो। फिर यिसु
उथलो देर कयो कै थे नहीं जांणो छो के थे कांई मांगो
छो जौ बाटकासूं पीणुं छे काई उ बाटकासूं पीय सकोगे
कोर मने जौ डुबोसुं डुबी दियोहि जसो थे काई उ डुबोसुं
डुबोदीयोडो रेसा सकरो वां उंनें कयो कै रे सकां।
२३ कोर उ उंनें कयो कै साच थे म्हारा बाटकासुं पीसो कोर जौ
डुबोसूं कं डुबो दियोडो जसुं उ डुबोसूं थे डुबी दियोडा जसो
फेर म्हारे जीमणें वा डावे बैठबो म्हारे देबमें छै बिगर

२४ वोदिये आदिवेदै बारे भाभासुं धार करणामपाछे । वोर
२५ ईस बेवा सुखपरी दोन्यां भायांउपर जिराजी होे। वोर
यिसु वांनें बुलायर कयो के थे जाणोछो के दूनीयांका
बाजाकें जुलमवेंथवाला वांवें उपर माग्या करेछे वोर
२६ वांसूं मोटा आदमी वांनें उपर जोर करेछे । वोर थांवें
विचाले इस्या नहो कली वेर थांवें विचालें जको आदमी
२७ मोटो ह्वा चावेछे सो थांको चडयो बवें । वोर जको कोई
२८ थांवें विचाले में वडो ह्वा चावेंछे सो थांको मोलो वें । जिसो
आदमीका डावडा चाको वेवनें नहीं आयो वेर चाको कर
बनें वा मे बखा आदमांवें दुखयचेंमें हीमत उचिवाले माथ
को जीव देवनेई आयो ।
२९ वोर वांके यिरिहुसूं आयवेवेला मोकलो जमाव उंवें
३० पिछाडि आई । वोर देखो मारगवें भेडे बेठ्याडा दोय सूरि
वा आदमी सुणी के यिसु उं मारगसूं आयछे वेर सुखपरी
वेवा कयो वा कयो के हे भगवान दाउदका डावडा मांवें
३१ उपर दया कर । वोर जमाव वांवें डराया के वे बोल्या रे
वेर वो वत्ता बेजा कयो वा कयो के हे प्रभु दाउदका
३२ डावडा मांउपर दया कर । वोर यिसु उभो जायर वांनें
३३ बुलाया वा कयो थे कांई चावोछो के मैं थांनें करुं । वा उंनें
३४ कयो के हे भगवान ने देख सका । वोर यिसु दयालीव
जावर वांकी आंख्यां भींटी वोर उंहींवेला वांकी आंख्यां
खुल गयी वे वे उंके पिछाडी गया ।

२१ इकीसमों पानो ।—वोर जद वे यिरसालमके
नेडा आया वा जेतान्के परबतकें बेडा वेतफागेमें पोंचा
२ तद यिसु आपका दोन्यां चेलांनें भेज्या । वा वांनें कयो
के थांके सांव धांकें सांमी छे उनें जावो वेर बेगा थे सब
बांधेडी गधी वा उंकें भेलो बच्चो गधियेंपिया बाधेयो वांवें

Digitized by Google

३ खोलर म्हारैकनै ल्यावो । और जर कोई थांनै कुछि
कहै तो उंनै कहो कै भगवांनकै वांकी चाहचै उंमै उ वेगा वां
४ नै भेजसी । यै सगळा कराणगयाछै कै दा कथा पूरी अव्वै
५ कै जका निबितियासूं कयोछो । कै वै सीयोंनकी डाऊजी
देख थारो पातसा थारैकनै चावैछै उ गरीब मनछै वां
६ गधाउपर वा गधियाउपर चढियोछै । तद चेला गया
वा जिसो यिसु कयोछै तिसो करपरे। गधानै वा गधियनै
७ ल्यायर आपरका गाभा वांकै उपर दिया वा वांकै उपर
८ वांनै बैठाया । और मोटो जमात आपरका गाभा मार
गमै बिछाया और दूजां रुंखासूं डाळी बाढी वा मारगमै
९ बिछायो । और अगाडीजावणवाळो वा पिछाडी आवणवाळो
जमात हेला करर कयो कै दाऊदका डावडांनै प्रभु
का नांवसूं आवणवाळा धन्यछै सगळांसूं उंचामै होसांना ।
१० और वो यिरुशालममें पोंताछै सगळा नगर वै कुणछै
११ कैतो खळबळ मच्यो । और जमात कयो कै उ गा
लिलीकै नासरेतको नबियो यिसुछै ।
१२ और यिसु भगवांनका देवरामें गयो वा देवरासूं वेचण
वाळा वा मोल लेणवाळा सगळा आदम्यांनै काढ्या वा मुद्रा
की सर्राफां वा कबुतरवेचणवाळांका बाजोट उंधा करया ।
१३ वा वांनै कयो कै उ लिख्योछै कै म्हारो भुंगो प्रार्थनाको भुंगो
१४ कवेला ओर थे उंनै चोरांको कोथरो करयो । और
लुला वा कुला उंकनै देवरामें आया वा उं वांनै चाखा
१५ करया । उं जके अचरज काम करया उ और देवरामें डावडा
हेला करता वा बोलता कै होसांना दाऊदका डावडानै कै
चिव देखर बडाप्रोहित वा उपाध्याया मोटा रीसमें आ ।
१६ वा उंनै बोल्या कै थे सुणो छै कै यूं कांई उ सुबै छै और
यिसु वांनै कयो कै हां थे कांई कदी कै बाळकां वा
१७ दुधपीवणवाळा डावडांकै मुंडासूं तै स्तुति पूरी करी । और

वाँमें [illegible] उ बमरके बारबें [illegible] [illegible] और
उसें रयो ।
१७ अपने बगरमें आवबवोबेका उ भुयो [illegible] । और इब
१८ [illegible] बंच मारमयें देबर उ उंकवें [illegible] [illegible]
किया [illegible] बड़े [illegible] और उं उंमें [illegible] [illegible] पब
कदे न [illegible] बीर उंबीबेका उ [illegible] बंच [illegible] ।
२० [illegible] उंतें देवर [illegible] [illegible] बा बयो में [illegible] बंच
२१ [illegible] [illegible] [illegible] । बिनु उबके [illegible] बांमें बयो [illegible]
[illegible] कजंलु में अभी [illegible] [illegible] में बा [illegible] बर बबरें
[illegible] [illegible] बंचमें [illegible] [illegible] उ [illegible] [illegible]
और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
२२ में [illegible] [illegible] तो उ [illegible] [illegible] और [illegible] [illegible]
में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।
२३ और [illegible] [illegible] उ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
२४ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] । बिनु उब
[illegible] [illegible] [illegible] बयो में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] और
बर [illegible] उ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ बिब
२५ [illegible] [illegible] । [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मन
[illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] तो उ [illegible] [illegible]
२६ [illegible] [illegible] [illegible] न [illegible] । और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] तो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
२७ में [illegible] [illegible] । और [illegible] उबको [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ
२८ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] । और [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] और उं [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Digitized by Google

१९ [illegible] करे। [illegible] उपको देह [illegible] और
२० पछैं कूश करर गयो। और [illegible] उ [illegible]
[illegible] उ उपको देह [illegible] बाप्यु [illegible] न गयो।
२१ [illegible] आपका [illegible] में उंबें [illegible]
[illegible] सिकु बांनें [illegible] बांनें [illegible]
२२ [illegible] बांनें भगव [illegible] रामनें [illegible]
[illegible] मारबमें [illegible] और थी उंकी [illegible]
[illegible] करी और [illegible] उं उपर [illegible] करी और
उ [illegible] पिताओ उं उपर [illegible] कूश न कयो।
२३ दूजो [illegible] पछो [illegible] भूंथाको [illegible]
[illegible] होयो। [illegible] करि या उंनें
[illegible] करि या [illegible]
२४ [illegible] वा [illegible] ! और [illegible]
[illegible] उं [illegible] आपनें [illegible]
२५ [illegible]। और [illegible] उंका [illegible] और [illegible] वा उंनि
२६ मारनाख्यो वा [illegible] माथासु मारो। और उ
[illegible] बच्या दूजा [illegible] मेल्या और वो [illegible]
२७ [illegible] करार। फिर [illegible] पिताओ उं आपना
[illegible] मेल्या और [illegible] करा
२८ आदर करतो। और [illegible] देखर आपरनें [illegible]
[illegible] उ [illegible] आपो उनें मारनाख्या और उंको
२९ [illegible] लेसा। और वां उंनें और [illegible]
३० [illegible] मारनाख्यो। उंनें [illegible]
[illegible] बाको तद उं [illegible] बरसो।
३१ वा उंनें कयो के उं [illegible] वा [illegible] काम कर
[illegible] दूजीरें [illegible] देसी कें [illegible]
३२ [illegible] रिवसें उंनें [illegible]। [illegible] बांनें कयो [illegible]
[illegible] करेहे [illegible] आठ [illegible]

Digitized by Google

[illegible] भूखो [illegible] भगवानसूं [illegible] वां
[illegible] रिट में मीठो [illegible] । इंसूं [illegible] थांनें [illegible] कें
[illegible] राज थांसूं [illegible] बी [illegible] में दियो
[illegible] [illegible] वाला [illegible] । और [illegible] इं
[illegible] ऊपर [illegible] और [illegible] ऊपर [illegible]
[illegible] । और [illegible] वां [illegible]
[illegible] वें [illegible] कायदामें [illegible] ।
[illegible] और [illegible] में [illegible] सूं [illegible] वीरो [illegible] वां
[illegible] निमित्त [illegible] मांग्यो ।

२२ [illegible] ।—और [illegible] और [illegible] देर
१ [illegible] वांनें [illegible] राज [illegible] राजा
२ [illegible] । वा [illegible]
[illegible] भूं [illegible] में [illegible] मेल्या और
३ [illegible] । और [illegible] भेज्यो [illegible]
में [illegible] में [illegible] मारवो [illegible]
[illegible] जिवा [illegible]
४ [illegible] । और वां [illegible] राजा [illegible]
६ [illegible] । और [illegible]
[illegible] मार
७ [illegible] । और राजा [illegible] वां [illegible] वें
[illegible] वां [illegible] वाला [illegible] ।
८ [illegible] सामग्री [illegible]
९ [illegible] और [illegible] । इंसूं [illegible] में [illegible]
१० [illegible] । और [illegible]
[illegible] वां [illegible] में [illegible]
११ [illegible] और [illegible] सूं [illegible] । राजा
[illegible] एक [illegible]

१२ देखो वें बीचें उपर आमीगामा कवी ग। और वें
उसें कयो वें हे कामिव्या तू आमीगामा न पैरा बीवरें
१३ कठें कावै और ड मिगार जपको छा। तद राजा
आपका चड्याणें कयो वें उंका हाथपग बांधर उंनें लेजा
थर बारवें अंधारामें न्हाख वें अठें रोवको वा दांतावो पी
१४ सबोगे। कोंस मेतवा बुल या पावहें बेर थोडा सराइंमें
१५ छे। तब फारिसियां जाथर सला करी वें कोवरें उंनें उंकी
१६ बातमें अपडणो। और वा उंकी आपका चेलावें हिरो
दियांवें मेलो वा वेंवमें मेलो थो वे कवी वे आवाजा वें तूं
साचो छें वा साचवासूं मगवानको मारग भणावें छें और
तूं कीं आदमीकी गरज नहीं राखें छें क्योंक तूं आदमीको
१७ मोर न करें छे। तद म्हानें कं वें तूं काई समजें छें काई
१८ सरामें थाव देवो ठीक छे क नहीं। बिशु उंको मिवे
बाई आयर कयो वें हे कपटयां थे मनें कीं परखोगे।
१९ मनें मावको दमामालो देखाय उंसूं वें उंनें एक दमाथी
२० ल्याया। और उं उंनें कयो वें य मोहेर वा दमामाहो
२१ कींको छें। वा उंनें कयो वें कायसरको तद उं वांनें कयो
वें जको कायसरको छें वें कायसरानें देवो वा जको ईस्वरको
२२ छें वें ईस्वरनें थो। और वा सुणकरी विसमय करया वा
उंनें छोडर चाल्या।
२३ उंसी दिन सादुकी वें कहें छें वें पुनरुथान नईं उ
२४ बवें आवा वा उंनें आ बवा बैर पूछ्यो। वें हे वको मोसह
कयो वें जको कोई अपुत्रो मरें तो उंका भाई उंकी वउ
२५ में परणीजसी वा आपणा भाईवेई पुत्र उपजासो। म्हां
कनें सात भाई छा और पेंडलो परणीजर मरग्यो वा
२६ अपुत्रो उवर आपकी वउ आपका भाईवेई राखी। उंसीतरे
२७ दूजोभिव वा तीजो सातमातांई। सबकासूं पछें राव
भिव मरी ईवेई पुनरुथानमें वा सातांमें किनमें वा कींकी

१७ केउ जसो चोवल समकाँ उवें परजी गे। किनु कपका
१८ देर वानिं कयो वें थे कसेमासव पवका भजवांमको पोचवें
१९ कईआवर भुखोगा। कोव फेरउवममें वे परजोंमें बडें
वा वें प्रसनाकें मडें फेर वाडेंमें कवे भमवांमका पकाररा
२१ वालिंवका डें। वेर मुकवांवें फिरकठवडें कायदामें भग
२२ कंवकुं कवा कपा पांचवें कईमडंगी। वे जं पावरपामुकें
ईवर जा किसलाकुवो ईवरू वा कवापुजो ईवर ठु वे
पाईवें भपवा वईं भमवाव मुकवांवो भमवान वडें वेर वोलू
२३ वाकि। वोर भमावं कुवपरा उंजी मांवामें कडेरो ग।
२४ वोर उ माकुमिजावें कमेका रवावा कारिवि पा सुवर
२५ मेका कवार। वोर वाकें किवावें वक वोम वैरेंव मोवव
२६ कवेर उजी परवजवें वा वेपरो उवें मुठे। वेवे पवी
२७ वेरेंवमें मारवांकु नवी वावा वाईं। किनु उवें ववेर
वें पारा कमवा मवकुं वा पारा सबवा मोवकुं वा पारी
सववीं समभकुं पिवव पारा मयवाकुं पार वर वर
२८ जागवी वा मेठी वागाठें। दुमेसिव उंसिवरें ठें वे
२९ वु वाय इंगी आववा पावोवीवांकुं पार वर। सववी
३० वेरेंव वा निमिनिवाको वया यां देन्वी वामाउपर
हैदागा।

३१ फारिसिवाकें भेका वाववको किरिको थ्रिनु वावें वा वेर
३२ पुगी। वें वे वोडवें कायदामें वाईं समभोगे उ
३३ वोंवि डावडी ठे। वा उवें मवी वें दाउदवा उं वाकें कवा
३४ वें तद दाउद वा वेपरि वीवईं वावामुं उवें भमवाव वेठें वे
विकव वारा भमवानवें कवो वें वं मकावाईं पारा वेंरि
वाकें वरिं पगां न वमाउ सठावाईं वारें वोक्वो वेठ।
३५ इंमें मको दाउद उवें भमवान वेठें तो उ वीवरें उंवीर
३६ डावडा ठे। वोर वोई उवें हक वपापिव उपको देव ममका

ओर उ किमसूंपिब किसी ओल उनें बूओंका गुरबी विमत्ब न करो।

२३ तेईसमो पाठो।—बदं यिशु अमावनें वा आपवा
२ चेलाँ वा कथा कहै। वे उपाध्याय वा फारिसि मोसबी
३ गादीउपर बैठेंडे। इसूं बडे लगबा वे थाने बरवाें देडे
वा मानो अ करो ओर वाबें वाचासरिया नवि करो। क्योंस वे
४ वैडे वा न बरेंडे। क्योंस वे बोझवा विवेंब भार वांघे
डे वा आदमाबें कांधाउपर मेलेंडे ओर आपवी हक आंगु
५ लोकुंपिब बांभाबावें भीडावि न सकेडे। ओर आदमा
सूं देखायावें वे आपवा सबका काम करेडे वें आपवा
विवाहरियावें चेडि करेडे वा आपवा अग्रांनी कावो
६ मोटो करेंडे। वा भोजारामें सिर्मेदार बैठकबी बावा
७ वा सिनगगामें सिर्मेदारि आवेक वा बेजामें जुहार वा
८ लोगांसूं रबि गुलामआवबवें प्यार करेंडे। ओर वे रबि
मोसी गुलावोडे के क्योंस एक थारो धणीडें उ खीस्त ओर
९ थे सगला भाई डो। ओर संसारमें कोनेई आपको बाभा
बेर मती गुलावो क्योंस एक थारो बाभेडें वें सर्गे
१० बागेमें डें। बलीपिब मबो गुलायोडो को क्योंस एक थारो
११ धणीडे वें उ खीस्त। क्योंस थांके बिचमें जको सागबासूं मो
१२ टो उ थांके चडबो बसी। वा जको कोई आपनें मोटो
करेंडे उ नीचो करेस जासी वा जको कोई आपनें नीचो
१३ करेंडे उ मोटो करेस जासी। हे उपाध्याय वा फारिसि
बवरबटो थांनें अफसोस बसी क्योंस थे आदमांवें सामें
सर्गेबो राज अडोडो थे नहीं बडोडो वा जके बडेंडे वांनें
१४ थे जबनें न दो डो। हे उपाध्याय वा फारिसि बवरबटो
थांनें अफसोस बसी क्योंस थे बेवावा भूपडांनें खाजावो
डो वा उबेई संबीजु मांगणा करोडो इसूं थे बसी वोकोस
१५ पावो। हे उपाध्याय वा फारिसि बवरबट थांनें अफसोस

Digitized by Google

जको ओस रच लोगनें धर्मावाळो करबकेई ते दरियाव
वा धरतीऊपर फिरोगे ओर जद वें कला मळाळा तद
१६ जांहू वें दुवा नारकीया अबका उंनें करोगे। हे सुवा
मारगबताबवाळा वें जको केगे वें जको कोई देवरा भी
टर सूंसकाढें तो उ कुंचि नही लेर जको कोई देवराके
१७ सोनो भींटर सूंस काढे तो उ बंधी जयोगें। धांवें अन्ध
लोस जको हे मेंबा वा सुवा कुव मोटागें सोवो वा सोना
१८ विमेळकरवावाळो देवरो। ओर जको कोई होमवेदीरी
भींटर सूंसकाढें उ कुंचि नइ लेर जको कोई उंवें ऊपर
१९ दोवोडी वस्तांमें भींटर सूंस काढें उ बंधो जयोगें। हे
मेंबा वा सुवा कुव मोटोगें दिवोडीवस्तु वा दोवोडीवस्तु
२० मैं विमेळकरववाळी होमवेदरी। ओर जको होमवेदरी
भींटर सूंसकाढेंगे उ उंवें भींटर सूंसकाढेंगे वा उंवें
२१ उपरकी सगळी वस्तांमें भींटरदिव। ओर जको देवरामें
भींटर सूंसकाढेंगे उ उंमें भींटर सूंसकाढेंगे वा उंमें
२२ बैठबवाळाको नांव लेरयिव। ओर सर्गको नांव लेर जको
सूंसकाढेंगे सो भगवांनको तखत वा उंकेऊपर बैठबवाळा
२३ के भींटरयिव सूंसकाढेंगे। हे उपाध्याय वा फारिसि
कबरपटो थांनें अपसोस जको सौंव वे पुदिना वा जिंदु
सोवा वा जिराको दसमोपांती देगे ओर वीरेंसको मोटो
ववरकांम अर्थात् यथार्थ वा दया वा प्रतीतनें गेरोगे
यांको करणो वा दूजाको न करणो राखणो थानें नोचें।
२४ हे सुवा मारगबताबवाळा वें जको माछरनें गोळजावोगे
२५ वा उंठनें गिटजावोगे। हे उपाध्याय वा फारिसि कबर
पटो थांनें अपसोस जको कोंस वे बाटका वा थालिके
बाहरले उजळो करोगे लेर मांय ठगाई वा उवांठाई पर्यासूं
२६ भोळा गे। हे सुवा फारिसि पेंलका बाटको वा थालीके
२७ मांय उजळा कर के बाहरलेपिव उजळा अध्याय। हे उपा
ध्याय वा फारिसि कबरपटो थांनें अपसोस जको कोंस

थे पुणी बेरोको बारकरोबा छो कें मभी बारबांकूं चीमी
दीसेछें पचो बेर भिचकेमें मुडदांका हाडांकूं बे सगका
२८ मेबकूं भरीछें। इंउबिचारे थेपिब बादम्यांकनें बार
बाकूं बाची देखोमेछे बेर बिचमें बबरचटपबासूं बा
२९ बेरबाबबोंकूं भरा बोछो । हे उपाध्याय वा फारिसि बबर
बटा थांनें बपसोस बसी बोच थे निमितियांबि बेर बां
३० ढांछो बोर ठोबबरवबाबांको बेर सिबगारोछो बा कहो
छो कें घर म्हे बापका बाभांबें दिरियांमें छता तो मिम
३१ तियांबें बूनबरबामें म्हे वांका भेषपी नछता। इसूं थे
३२ बापकंर बायदामे सायदो बोछो कें थे निमितियांबे कुट
बबाबांका बबडाछो थेपिब बापका बाभांको सोब पुरो
३३ बरो छो। हे सांप वा मोबरा बांपका कुब थे ब.रकोको
बेजबाबकूं कीबरें भाम भाब सकसो ।
३४ इसूं देखो जं थांकनें निमितियांमें वा बकबदारांनें वा
उपाध्यायांनें मेकसूं बोर थांकें कीमेंई थे मारमाबसो वा
बप्रमाबीऊपर मारबाबसो वा थांकें कीमेंरपिब बापका
३५ सिबमगांमें मारबबासो वा थे नगरश्में बठ देसो। कें
बादबियाबकें ठाबका जाखरियाब जीमें दवरा वा होमबी
बरिके बिचमें मारबाबोछो उंका बूनताई बाबिबबाबेलका
बूनसूं जो सगबा बिमरबासिबाबाको बोई धरतीऊपर
३६ पटको गबोछो उ सगबो थांकेऊपर बासी। जं थांकें
साच कऊंहूं कें वें सगबा या बादम्यांऊपर पडसी ।
३७ हे यिरूसालम् हे यिरूसालम् थें जका निमितियांको मार
बबाको वा जका थांकनें मेबो,बायछें भाठांसूं वांनें मार
बाबबबाबि छै कुकडी जिसा बापका बच्चानें बापका पांबी
निचें भेबा करेछें तिसा जं कीत्तीबार थारा डाबडांनें भेबा
३८ करां बाबा बेर थे म चाया। देखो थानें छेव्योडा भूंपा
३९ थांकेबेई जाड दें छें क्योंस जं थांनें कऊंहूं कें थे जठाबिको ब-

Digitized by Google

कहो कै भगवानका नांवमें जवै आवणवाळा छै उ धन्य छै हठा तेअी छै जवारसूं मनें नदेखस्यो ।

२४ चौबीसमो पाठो ।—और यिसु मिंदरमेंसूं देवरा सूं गयो और उंका चेला उंनें देवराकी सोभ दिखाववा
२ कैई आया । और यिसु वानें कह्यो कै थे कांई उ सगळो न देखोछो कां थांनें साच कहुं कै भाठो भाठाउपर न
३ रैस्यो कै जको नहीं पाड्यो जासी । उवै जैतूनके परबत उपर बैठ्योथको चेला उंकनें एकांत आयर बोल्या वा
कह्यो कै म्हानें कैदे कै यें सगळा कद होसी वा थारै आवण
४ को वा दुनियाके छेवडाको सैनाण कांई होसी । और यिसु उत्तर देर वानें कह्यो कै चोकस कै कोई थांनें नहीं
५ भुलावें । के घणा म्हारे नांवसूं मोकळा आ केवा आसी कै मैं
६ खीष्ट हुं और मोकळांनें भुलासी । फेर थे लडायांकी बात वा लडायांकी कथावार्ता कद सुणस्यो तद देखस्यो कै थे घब रावो मत क्योंके यें सगळी होणी जरूर छै पण छेवडो अजै
७ नहीं छै । क्योंके जात जातकै बैरमें उठसी वा राज
८ राजकै बैरमें और मुंगाई वा मरी वा धरतीकंपको जागा र
९ जागा होसी यें सगळा दुखांको पहलु छै । तद थांनें कष्टमें पकडासी वा थांनें मारनांखसी और म्हारा नांवसूं थे
१० सगळा लोगांसूं घिनायोडा होस्यो । और तद मोकळा अटक सी वा तोतसूं एक लोग दूजानें पकडासी वा एक लोग
११ दूजासूं घिन्न करसी और मोकळा कूडा नबिया उठसी वा मोकळांनें भुलासी वा बिगरसाचाई मोकळ होवसूं
१२ मोकळांको प्यार घटजासी । पेर जको छेवडांवाई मैंसी उ
१३ तिर जासी । और सारा लोगांकनें साखदेवाकेवासतै राज
१४ कौ यें मंगळीक बातां सगळा संसारमें छंडेरो फेला जासी
१५ और तद छेवडो आसी । तद थे भाडकरपवाळा घिनायोडी

जद परमात्मामें उभोड़ा देखसो के जीके फायदामें दानि
१६ एलनिमितियांसूं कयोगयोछे जद भजेछे सो समझे। जद
१७ जको जहुदाहमें रेछे उ परबतउपर भाग जाय और जके
१८ मूंडाउपरछे के आपका भूंपासूं कांइ लेवाने नई उतरे
और जको खेतामें छे उ आपका गाभा लेवाने फेर नई
१९ जाय। और उं दिनां जका पेटसूं छे वा जको दूध प्यावेछे वांने
२० अफसोस जसी। और आपका करो के थांको भागणो
२१ सीयालाको दिनां वा अदीतवारने न होवे। क्युं के उ तद मोटो
कष्ट जसी के जिसो संसारके पेलोसूं अबारतांई नई होयो
२२ और फिर कदे न जसी। और जके वे दिन घटता न
कया जाते तो कोयी मानखको उबार नई होतो और सदा
२३ जेकवेंपेई उ दिन घटता कया जासी। जद जको कोइ
२४ थांने कहे के देखो जठे मसीह छे वा उठेछे तो परतीत मती
२५ करो। क्योंके कूडा मसीह वा कूडानिमितिया उठसी वा
मोटा चमत्कार वा अचेरा काम दिखावसी जीसूं जद होसकेतो
२६ तो सराखाने भुलासी। देखो मैं थांने पेलां दिखायोछे
और जको कोइ थांने कहे के देख उ बरडमेंछे तो बारने मती जा
२७ देख उ कोटेसी मायने छे तो परतीत मती करो। क्योंके
जिसो बीजली पूरबसूं आवेछे वा पश्चिमतांई चमको करेछे
२८ जिसो ही मिनखके डावडाको आवणो जसी। क्योंके जठे मुरदा
छे उठे ही गीध भेला जसी।
२९ वां दिनांपछे झट सूरज अंधारो जसी वा चांदो आप
को चानणो न देसी वा तारा आकाससूं पडसी वा आकास
३० की शक्त हिलाइ जासी। और जद आदमीका डावडा
का लखण आकाससूं दीसे जसी और जद संसारका
सगला कुल सोग करसी वा पेंपसूं का मोटासेजसूं
आकासके मेंघमें आवतां आदम्यांके डावडाने आता
३१ देखसी। और उ आपके दूतांने नरसिंगाका बडा सुबदसूं

भेजसी वा आपका सराफ्यांमें चोपावांसूं बजेवें सब थोंव सूं दुजोसीवबाहं भेजा करसी।

१८ इंसूं पंचीरयो सब परथी भलो यद उंका आपा गोंवा डेंबा मनि पाछेडें तद ये मांडीडेर वें गरमी मेंडो चार्द

१९ डें हंजविपारेंपिय यद वें पगमवा देखोडेर तद आवजीं

२० वें उ मेंडोडें चिवाडांपनेंपिय। जं थांनें सच कउं कें वें समका पूरा बंठातांहं न वें वठातांहं वी बोगाीं

२१ डेंबडो नजसी। आपे वा यदकी मारो पेर म्हारी बाप

२२ बगावसी। बेर उ दिन वा उ घडीकी जिपबा पेहं मांबें नें

२३ वगांवा बचबसरपिय मतो। बेर बाबी म्हारो बाबे बांबेंडें बोर नूपुवें दिनांमें मिलीडें लियो बाइयांवें

२४ आवरांको बालको मडसी बोंस पापीपा मवायवें पेंडी जबे दिन वां दिनामें जिसा आवसी बमता वा पोता वें यदवा बा वा मरबारवबात्रा बा वीं दिन नूह आमजे यडो ना मखात

२५ बाबो चा वी सबवायें बुमाया उं दिनपनें वी मिळो बभायेव चिबापिय चादमबें बावबाकि बावबो बसो।

२६ तद दोय बाग बेतमें रेंसी एक बताबोमासी बा दुजो

२७ डेंबायासी। दोयो घरयांसूं पीसवो रेंसी एक बीं

२८ आवी वा दुजोदबी बाजी। इंसूं पेबी बो बोंस ये र

२९ मावोडेर वें वीं बडी थांनें बबी आही। बेर आ आबो वें बर भूंबाको वबो मालको वें बीपेर बोर आसी बेर उ

३० पेबी देतो वा आपमें भूंपी भांबो मावो न देतो। इंसूं थे बिव आर बो बोंस ये औंघडी आपबाज न रखेडे

३१ आपरमालका डावडा आसी। तद वें मालिको बा भ्यावी दिवाय बुव डें कुं बोनें उंको बबो आपका समका भूंपर

३२ ऊपर ठीप मुकामें वानें बांपब देवावेहं रावसी। उ बुडको

३३ बवाडें वें बीनें बबी आपर हसा बरता पांबी। साच जं थांनें बाउंहूं वें उ आपका समको मावाडेपर उंनें रावसी।

३४ पिर मार उ मोडोचवडो आपका मनमें वें म्हारो बबी

४९ आँखकी ठोल करेंछ। वा आपका भेजयो घडयाँनें मारचावें
५० वा मक्खाँना भेळो खाबयिव जागो। वो वाँ दिन उ घड़ो
बाड देवेंछे वा बीचको उ माबेंगछे उंचोवेका उ घडस्ये
५१ बो सबो आलो वा उंनें काठमांबलो बोर ऊंको पाँवो
बबरचटी भेवी करसी उठें रावबो वा बणोवोवो पीसबो
जसी ।

२५ पचोसमो पाँनो ।—बर्‌इ बर्मेबो राज दुन बर्‌वांखो
हवो जसो वें थ्याँ आयको दीवो बोर बींद भेवी मिलब
१ में मर्‌इ। बोर वांमें पांच सांबी गी वा पांच बिबाफूळी
२ गी। बिबाफूव्यां आपका दीवा बोर आपवें साथै बेव
३ न बीबो। बोर सांखी आपका ठीवमें आपका दीवा भेवो
४ बेव बोबो। बींदको ढील होवसूं सगबी उंघबाथि वा
५ सुती। दोपोरी रातको कुकि जबो वें देखो बींद आवेछे
६ उंनें भेवी मिलबवें चाबो। तो वें सगबी कुवाँखा उठी
७ वा आपकार दीवा सच्चा। बोर बिबाफुव्यां सांख्यांवें कयो
८ वें थांका बेवसूं म्हांवें थोडो थो बीस म्हांका दीवा बंदग्या।
९ सांख्यां बा बैर उचबो दीनो वें हबो बर्‌इ क्वाजाखी म्हांको
वा थांको बस बर्‌इ वें बोर उंसूं मोबो वें वे बडबाख्यांवमें बावे।
१० वा आपरवेर्‌इ मोल बबो। वें मोबबेंबमें गयांपछे बींद आयो
बोर जवे त्यारछी वें उंके भेवी बंबरोभूंपामें मांय बडो
११ वा फाबसो मडो। उंपछे दूबी बबांखांपिब आर्‌इ वा
१२ बोबो वें हि धबी हे धबी म्हांवेंवेर्‌इ फाबसो उघाड। उं
उबबो देर बबो वें वं थांनें साच कउंछु वें वं थांनें नबो
१३ बुवु। ईसूं चोखी राखो बोब जों दिन वा बीं घडो
बादमीको डावडो आसी उ थें न जांबो छो।
१४ ब्‍याव स्वर्गको राज परदेसजांखवाला किसी बोग हबो
वें वें जों आपका घडस्यांनें बुबाव वा आपकी माया वःवें

१५ भगायो। वा एक जणमें पांच तालंत् दीनी वा दूजावें
दोय वा दूजा हरकनें एक कुजबोह आदम्यांनें उंकी पोंच
१६ माफक दोनी वा भठ चाल्योगयो। उंपछै जी पांच तालंत्
पाया उं उंसूं बिजगको करो वा दूजीपांच तालंत् नफेंको
१७ जी। जिया जी दोय पायो ऐ उं दूजी दोय नफेंकोनी।
१८ पेर जी एक पायो उं भावर धुड खोदी वा आपका धकी
१९ की माया लुकाई। मोकला दिना पछै उ चाकरांको धकी
२० आयो वा वांके भेळो लेखो कयो। पेर जी पांच तालंत् पाई
ऐ उ पेर पांच तालंत् ल्यायो वा कयो के हे धकी तें मनें
पांच तालंत् भळाई देख में वामें दूजीपांच तालंत् नफेंकी
२१ जी। उंके धकी उंनें कयो के चोखा हे आछा वा भरोसो चाकरा
तें थोडांउपर विश्वासी जचो उं मोकळाउपर तनें निर्मे
२२ करसुं आपका धकीके हरकमें धस। पेर जी दोय तालंत्
पाईऐी उं आवर कयो के हे धकी तें मनें दोय तालंत्
२३ भळाई देख वामें मैं दूजोदोय तालंत् नफेंकोनी। उंके
धकी उंनें कयो के चोखो हे आछा वा विश्वासी चाकरा तें
थोडाउपर विश्वासी ऐ उं मोकळाउपर तनें निर्मे करसुं
२४ आपका धकीके हरकमें धस। पेर जी एक तालंत् पायो
ऐ उंपिण आवर कयो के हे धकी में जाणो के तूं करडो
जीव ऐ जठें नहीं बायो उठें काटेंऐ वा जठें नहीं विखेरा
२५ उठें सूं भेळा करेंऐ। इंभूं उं डरो वा जावर थारो ता
२६ लंत् धुडमें लुकाई उठे देख थारो लागीऐ। उंके धकी उप
को देर उंनें कयो के हे मोठा वा ससुलचकरा तें जाणो के
जठेंमें नहीं बायो उठें काटुंऐं वा जठें नहीं विंडाया उठें भेळो
२७ करुंऐं। तद म्हारो माया सोरामें धरणी तनें ठीक ऐो वा
२८ आवर उं आपको लागो ब्याजसुधी लावतो। इंकारण उंसूं
२९ उ तालंत् ले वा जीकी दस तालंत् ऐ उनें दे। जीका जी पावें

जीको छै उंनें देवो आवसी वा उंको मेलको जासी केर
जीको नछै उंको जको छै उंपिण उंसूं लेवा पड़सी। ओर
३० निकंमा चाकरानें बारलाका अंधारामें पटको वें अठें रोवणो
वा दांतांको पीसणो व्हसी।
३१ जद आदमीका डावड़ा आपका प्रतापमें आसी वा सगळा
धर्मी हलकारा उंकें भेळा जद उ आपका प्रतापका तखत
३२ उपर बेठसी। वा सगळा ग्रोत्यानें उंकें सामे भेळा करसी
जासी ओर जिसो रखवाळो मिढ़ानें वा बकरीयानें न्यारा
३३ करेंछै तिसो एक दूजासूं न्यारा करसी। ओर गाडरा
३४ नें जीवणा राखसी वा बकरियानें डावी। तद राजा आप
का जीवणावाळानें केसी कें हे म्हारा बापसूं धन्य जको
राज दुनीयाकी विसायतकरणसूं थाकेंवेह त्यार कारयोछै
३५ उं राजका कोठारीपणा करो। क्योंके जद भूखोछो वा थें
खावणनें दीयो जद तिसायोछो वा थें मनें पायो जद परदेसी
३६ छो। वा म्हारी मनवार करी जद नागोछो वा थें गाभा
पैराया जद मांदोछो वा थें मनें देखणनें आया वा जद भाक
३७ सीमेंछो वा थे म्हरेंकनें आया। तद लोक वा केर उथलो
३८ देसी कें हे भगवान म्हे तनें कद भूखो देख्यो वा मनवार करे
अथवा तिसायो वा पायो अथवा कद तनें परदेसी देख्यो वा
३९ मनवार करी अथवा नागो वा कपड़ा पेराया। अथवा कद
तनें मांदो अथवा भाकसीमें देख्यो वा थारे नेड़ा आया।
४० ओर राजा उनें उथलो देर केसी कें जद थांनें साच कहूं
कें थें म्हारा सगळासूं नान्हा भाईकें एक लोगनें जो करयो
४१ इंसूं थे म्हारे फायदामें करयो। तद पिण डावावाळानें केसी
कें हे फिटकारी थे म्हारा कनासूं अनंती बासदेमें जावो कें
४२ जको मोडो वा उंके हलकारावेई त्यार करयागयोछै। क्योंके
जद भूखोछो वा थे खावणनें नइं दीनो जद तिसायोछो वा थे
४३ पीवणनें नइंदिनो। जद परदेसीछो वा थे म्हारी मिजवानि

Digitized by Google

नहीं करी नागडो हो वा थे मनें गाभा न पेरायो मांदो वा
४४ भाकसीमें हो वा थे मनें देखणनें नहीं आया। तद वांपिण वा
कथा कपरी उनें उथवो देसी के हे भगवान म्हे तनें भूखो
अथवा तिसायो अथवा परदेसी अथवा नागडो अथवा मांदो
४५ अथवा भाकसीमें कद देखपरो थारी चाकरी नहीं करी।
तद उवांनें उथलो देर कसी के हूं थ नें साच कहूं के थे
४६ आ नांनाका एक छेटानें या चाकरी इंकारण मनेंपिण न
करी। और ये अनंत दंडमें जासी और सिध अनंत
जीवनमें जासी।

२६ छाईसमो पानों।—और इसी हो के जद यिशु
२ ये सगळी कथा परवारयो तद आपका चेलांनें कयो थे जाणो
छो के दोय दिनपछै पेसाख हुसी और आदम्याका डावडा
३ क्रूसउपर मारनाखबेई तांतसूं पकडाया जासी। तद बडा
प्रोहित वा उपाध्याय वा लोगांकें पुराणा कायाफा नांववाळा
४ बडाप्रोहितकें विवारामें भेळा हुवा। और मनसोबो कयो
५ के यिशुनें छेसूं पकडो वा उनें मारनाखा। और वां
कयो के तिंवारकें दिन नहीं कदाचीत आदम्यांमें बिघन
हेघो छै।
६ यिशु बितानियामें सीमन कोढीका भूंपामें रेतांसूं एक
७ रंड कआंकी बत्तो कीमत तेलसूं भरी एक धोळाभाठाकी
डबी ली उंकनें आई और बेठणकी बिरियां उंका माथा
८ उपर ढोळी। और उंका चेला देखर रीसमें हुयर कयो
९ के क्यों बिगाड कावेई छै। क्योंके उ तेल मोकळो कीमत
१० में बिकतो वा भालख नें दीनो जातो। और यिशु जांण
परो वांनें कयो के रंडनें क्यु दुख घो छो क्योंके उ मारे
११ उपर चोखोकाम कयो। क्योंके भालखा रोजीना थांकनें छै
१२ पेर हूं रोजीना थांकनें नहूं। क्योंके उ पी तेल म्हारा डील

१३ ऊपर कुहर मनें घोरसें दंबकी विरियांवेंहे कांमो। झं थानें
साच कहूं वें यें मंगलीकवाणां सारा संसारमें कठें छंडे-
रो कसीं भासी उठें इं दंक जवो कयो अवि उंका याह
मैंहं कयो जास्वी।
१४ तद बारांकें विचमें हब लोग कें जींको नाम यिहूदाह
१५ स्कारियोठा बडापोहिसांकेंकवें आयर कयो वें मनें काईं
दियां जायोगे स्रोर झं उनें थांकें हाथमें पकडासूं स्रोर
१६ वां उंकें भेला तीस रुपिया चुकाय लीना। स्रोर उ विरियां
सूं उ उनें वांतसूं पकडवाकोठावणो ढोंतव करी।
१७ स्रोर विगरघाटाको बाठोकें पेंवडें दिन चेलां यिसुकवें
आयर उनें कयो वें थूं कठें चावें छें वें म्हे पेसाक जीमवा
१८ मेंहे थारेंवेहे त्यार करां। उ कयो वें नगरमें फलाणावें
कनें जा उनें कयो वें गुरुजी कयो वें म्हारो
समो नेंडो छें झं आपवा चेलांभेलो थारा भूंपामें पेसाख
१९ करसूं स्रोर चीलरें यिसु वांनें कयोगे जिसो चेलां
२० कयो स्रोर पेसाख त्यार करी। संझ्या पडांपछें उ बाष
२१ वा चेलांभेलो बेंठा वा उवें वांवकी विरियांमें उ कयो
वें साच झं थानें कहूं वें थांकें हब लोग मनें वांतसूं पक
२२ डासी। स्रोर वां मोकलो दुखीऊपर कुणकोई लोग उनें
२३ केंवलागो वें हे भगवान उ कांई झं। उ उथलो देर कयो
जवो म्हारें भेलो ठांवमें हाथ डूबोवें उ वांतसूं मनें सूंप
२४ सी। आदमीवें डावडांवें कायदामें जिसो लिख्यो गयो
जिसो उ जावेंछें सही पेर वीं लोगांसूं आदमीका
डावडा पकडाया जासी उनें संताप जासी पर उ आदमी
२५ उपजतो नहीं तोपण उंवो चोखो जतो। स्रोर पकडावू
वालावें उथलो देर उनें कयो वें हे गुरां उ कांईं में उ
उनें कयो वें थूं कयेछें।
२६ वांवें भेलो जीमवेकी विरियां यिसु रोटी लेर वा

थुति करर तोडी वा चेलांनें दीनी वा कयो कें ल्यो खावो
२३ यो म्हारो डील छे। और बाटको लेर वा थुति कररो वा
२४ लेर वांनें दीनो वें वे सगळा इंसूं पीयो। क्योंस नवा सर
तको म्हारो लोई यो छे कें जको पाप छोडणवेई मोकळां
२५ वें कारण दीयोस्यो आवछे। और जं थांनें कउंछुं जको
अंकोरसूं पेदावेंछे उंकें कुंदी जं कवारसूं और नवीयुं कें
जों दिनताई जद जं थांवें भेळो आपका बाभाका राजमें
२६ उंनें नवो नई पीसूं। और भजन गायापछे वें जैतूनके पर
२७ बतउपर निकळ गया। तद यिशु वांनें कयो कें ईरात थे
सगळा म्हारें फायदामें घटस्या क्योंस लिख्योछे कें जं
रुखाळांनें मारसूं वा पाळाका गाडरा विखरबिखर जस्या
२८ सो येर जं फेरउठ्यांपछें थांकें अगाडी गालिलीमें जासूं।
२९ पितर उणको देर कयो कें जके सगळा थारें फायदामें
३० घटकें तोपिण जं कदेई नई घटकणूं। यिशु उंनें कयो कें
जं थनें साच कउंछुं कें ई रातका कुकडा दोय देबावें अगा
३१ डो तूं तीनवार म्हारे फायदामें फिटकार करसी। पितर
उंनें कयो कें जको थारेंभेळो मनें मरणो पडें तोपिण थारें
फायदामें नई फिटकार करणूं उसोई सगळा चेला कयो।
३२ तद यिशु वांकेंभेळो एक जागा गयो कें जींको नांव गद्
सिमानी और उ आपका चेलांनें कयो कें जींबिरियां जं
३३ आयर उठें याचना करूं तदताई अठें बैठो। और पितर
नें वा जेम्सनें वा जोहननें आपकेंभेळा लेयरा उ दुखी वा दल
३४ गीर होवणलागो। तद उ वांनें कयो कें म्हारो आत्मा मरण
सरीखो मोकळो दुखीछे अठें रो वा म्हारें भेळा चोकी द्यो।
३५ और थोडो आगो जायर उ धूळउपर माथो नटकायो वा
या कैर याचना करी कै हे म्हारा बाभा अर वें सकें तो ओ
बाटको म्हारेसूं जाय तोपिण जं जिसो चाउंछुं उ नहीं
३६ कैर तूं जिसो चावेंछे। और उ चेलाकनें आयो वा वांनें

Digitized by Google

सूता देख्या वा पितरनें कयो कें थे कांई एकघडी पिण म्हारें
४१ भेला पोरो देण न सक्या। पोरो दे वा याचना करो कें थे कों
४२ मतमें न पडो मन त्यारछे सही पेर डील दुबलो। दूजी
वार उं जायर या फेर याचना करी कें हे म्हारा बाप मनें
उन पिवणाविगर जको उ बाटको मेसूं जाण न सके तो
४३ थारो मन है ओर उं आयपर वानें दूजिवार सूता देख्या
४४ क्योंस वांको आंख्यां नींदमें भरी ओर वानें छोडर दूजीवार
४५ जायर उ तीजीवार वाई कथा फेर याचना करी। जंपछे
उं आपका चेलाकनें आयर वनें कयो के वाकी नींद पुरी
करो वा चैन करो देखो वा सायत आवेछे ओर लोगांका
४६ डाकडा पाप्यांके हाथमें तोतसूं पकडाया जावें। उठो
जाल्यां देखो जको मोतसूं मनें पकडासी उ नेडेछे।
४७ उ केतोछो इतने विचमें देखो बारांको एक लोग यहूदाह
आयो वा उंक भेला मोटो जमात पालो ना डांग हाथमें ले
परो बडाप्रेहितांकनासूं ना लोगांके वडेरांकनासूं आयो।
४८ ओर उनें मोतसूं पकडाणवाला आ केर वानें सानो बताई
४९ के जं जीनें चूमसूं सो उ उनें काठोकरर पकडो। ओर
झट उ यिसुके नेडे आयर कयो के हे गुरो वनणो वा उनें
५० चूम्यो। ओर यिसु उनें कयो कें हे संगात्या तूं क्यों आयो
छे तद वां नेडा आयर यिसुउपरें हाथ चलायो वा उनें
५१ पकड्यो। ओर देखो यिसुके भेलाकें एक लोग हाथ
पसारर आपकी पाती काढी वा बडाप्रेहितांकें एक लोग
५२ उपर चलाई वा उंको कान काटनाख्यो। तद यिसु
उनें कयो के आपकी पाती उंकी जागामें फेर राखो क्योंके
५३ पातीलेणवाला सगला पातीसूं मार्या जासी। तूं कांई समझे
छे के जं आबाका बापका बाभकनें याचना करूं तो मनकु
ओर उ स्वर्गदूतांके बारें दलबलसूं वत्ता म्हारेंकनें मेल
५४ सी। फेर तद धर्मशास्त्र जोसीतरें पुरो कयो जासो के इसडो

५५ चाहो तिम्ने ठे। उंइ बिरियां यिसु जमातनें कयो कें
जिस्यो चोर पकडबनेंई तिको पालीसूं हा डांगसूं मनें
काईं थे पकडबनें आया ठो जं सदा थांकनें देवरामें भणा
५६ तो बैठो ठो वा थे मनें न पकड्यो। पेर यो सगलो कर्‍यो गयो
के निमितियांका शास्त्र पूरा करया जासी तद चेला सगला
उंनें छोडर भागो।
५७ तद यिसुकें पकडबवाला उंनें कायाफा नांमे बडोपोहित
५८ कनें ल्याया कें जठें उपाध्याय वा बडेरा भेलाठा। लेर
पितर अलगो रैर वांके पिछाडी बडापोहितके आंगण
ताईं गयो वा मांयबडर ठेवडो देखबनें प्यादाभेलो बैठो।
५९ ओर बडापोहितां वा बडेरां वा सगलि पंचायति यिसुनें
मारनांखबनें उंके बेरमें कुडासायदी सोज्या, पण नलाधी।
६० जोकला कुडासायदी आया तोपिण नईं लाधी सेछो ठेवडे
६१ दो कुडासायद्यां आयर कयो कें इ कयो ठे कें जं भगवानको
देवरो तोडबनें ओर तीन दिनमें उंनें फेर बणाय सकुंछु।
६२ ओर बडापोहितां उठर उंनें कयो कें तूं काईं जुबाब
को नदेवठें ये थारा बेरमें काईं सायदी देवेठें पेर यिसु
६३ चपोच्यो रयो। ओर बडापोहित उथलो देर उंनें कयो कें
जं जीवतो ईश्वरको नांव लेर तनें सूंस कढाउंछू कें म्हांनें
६४ कें के तूं भगवानको डावडो खीष्टठें अथवा नईं। यिसु उंनें
कयो कें तूं केंठे ओर जं थानें कउंछु कें इंपठें थे आदम्यांके
डावडानें पोंचकें जीवणा बैठो वा आकासका मेहऊपर आवतो
६५ देखसो तब बडापोहित आपका सिणगार फाडर कयो कें
उं उंधठाई करी सायदीयांको ओर काईं मतलब ठे देखो
६६ अबें थे उंकी उंधठाई सुणी। थे काईं समझो ठो वां उण
६७ बो बेर कयो कें यो मारबजोग्यठे। तद वां उंके मुंडा
६८ उपर थुक्यो वा कुट्यो वा या केयरी थपेडा मारया कें हे
खीष्ट निमिजियांकी नाईं म्हांनें बता कें थनें मारयो उ कुण ठे।

Digitized by Google

६९ और पिवर बारसाथीमें बारवें बैठो ते वा एक मोवी
उंकनें आई वा कही कें तूंपिण गालिलीके यिसु भेळो ते ।
७० और उं या कथा कैयरो सगळांवें सामी फिटकारयो कें जं
७१ नई मांलुं कें तूं जका कैवे । उंपछें भारेमामें गयांपछें
दूजीएक उंनें देख्यो वा उठै रैंसवाळांनें कयो कें उपोळ
७२ यिसु नाजरेतूवें भेळो ते । और दूजीवार उं सूंसखाकर
७३ फिटकारयो कें जं उं आदमीनें नजांणुं थोडीपछें उठै
रैंसवाळा नेडा आयर पितरनें कयो कें साच तूं वांको इन
७४ लोग है वा थारी बोली तनें योडें करे है । तद उ सराफ
देंणनें वा सूंसखाणा लागो कें जं उं आदमीनें नजाणुं
७५ और उंहिविरियां कुकडे बांग दिनी । और पितर
यिसुकी कथा यादकरी कें जी उंनें कयो थो कुकडाका
बांगदेंवांतूं म्हारे फायदामें तीनवार फिटकार करसी
और उ बारवें आंवर मोकळो रे.यो ।

२७ सत्ताईसमो पाठो ।—प्रभात जदांपछें सगळा
महायोहोता वा लोगांकें मडेरा यिसुनें मारवांकवांई
२ उंकें फायदामें कानांबाती करी । वा उंनें बांधर लेगया
३ वा पन्तीयस् पीलात् मनसोबीयनें सपतायो । उंनें
मारनें फायया जका दिनी गई यजदाह दगाबीर तद या
देखपरी कुआ करपरा वें तीस दसमासा महायोहितांनें
४ वा मडेरांवनें पाछा दीना । वा कयो कें म्हारें बोगरयांमी
लोई सूंमखसूं माप करयो लेर वां कयो कें उ म्हाकें कांइ तूं
५ उ देख । और उ उरयो देवरामें नगायर नीकळ्यो वा
६ जावर आपनें फांसी दीनी । और महायोहोता उ रुपेर
लेर कयो कें उ कुरवानयकेबीचमें देणो ठीक नहीं कीमत उ
७ लोईको मोलछे । और वां कानांबाती करर परदेसीयांनें
८ और देखवेईं उंसूं कुंभारको खेत मोल लीनो । ईसूं उंखेतको

९ [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible]
१० [illegible] [illegible] [illegible] कुमार[illegible]
[illegible] ।
११ [illegible] बिजु [illegible] वा [illegible]
वा [illegible] [illegible] में कुं [illegible] [illegible] ।
१२ बिजु उर्वे [illegible] कें कुं [illegible] । [illegible]
१३ [illegible] [illegible] अवर उं [illegible] [illegible] । [illegible]
[illegible] उर्वे [illegible] कें कुं [illegible] [illegible] [illegible]
१४ [illegible] [illegible] [illegible] । [illegible] [illegible] उर्वे
[illegible] जाबा रे ।
१५ उं [illegible] [illegible] [illegible]
१६ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
१७ [illegible] । [illegible] [illegible] उर्वे [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
१८ [illegible] [illegible] [illegible] उर्वे
[illegible] ।
१९ उ [illegible] [illegible] उर्वे [illegible]
वा [illegible] कें कुं उं [illegible] [illegible]
में [illegible] [illegible] पाई ।
२० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कें
२१ [illegible] [illegible] । [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
२२ [illegible] [illegible] [illegible]
बिजु [illegible] [illegible] [illegible]

Digitized by Google

२३ उणीं कयो कें उ रूखवांळीउपर मारयो जाय। ओर जब
सेवो कयो कें उं काई दोस कयोर्छे ओर वां बत्त वेशर
२४ कयो कें उ रूखवांळीउपर मारयो जाय। जद पीलात् देख्योर
कें आप कांइ करवें न सके पण वेंसो वें तद पाणी
लेर जमात सामें आपको हाथ धोवर कयो कें मैं उ
२५ धीरजवान मनखका लोहूसूं निरदोस छुं थे देखो। ओर
सबलोगां उत्तर दे'र कयो कें उंको लोहू म्हांऊपर वा
म्हांका छावडांउपर वें।
२६ तद उं बाकनें वारब्बावें छोड्यो ओर यिसुनें कामडी
२७ मारर रूखवांळीउपर मारवांवरनें सूंपदीयो। तद
हाकमका सिपाईरा यिसुनें वारलाबीमें लेर सबकी फौज
२८ नें उंकनें भेळी करी। ओर उंका गाभा खोलर रातो
२९ बगाव पेरायो ओर भांटिरांको एक टोपो बणायर उंका
माथाउपर मेल्यो ओर उंके जीवणाहाथमें एक भुंगळी
दीवी ओर उंके सांमा गुडोयां टेकर या केर उंकी मसकरी
३० करी करी कें हे यिहूदियांका राजा वंदना। ओर उंके
३१ ऊपर थूकर वा भुंगळीनें लेर उंका माथामें दीनो। ओर
उंकी मसकरर व बगाव उंसूं खोल्यो वा उंका आपका गाभा
३२ पेराया वा रूखवांळीउपर मारवावेर उंनें ले गया। वां
निकळर शीमव् किरेनीनें पायो वा उंनें वेगार पकडो
३३ कें उ उंकी रूखवांळी उठवें। ओर वीं जागाको नांव
३४ गलगता छे वा खपरेवाळी जागा उं जागा पोंचर वां
पीवावेई पित्तसूं मिलियोसिरको उंनें दीनो ओर उं चाखर
३५ पीयों नहायो। वां उंनें रूखवांळीउपर टेरर गोळीपाड
करर उंका गाभांकी पांती करी कें निबियांको वो कयो
पूरोकरी जाय कें वां म्हारा गाभावा आपसें बिचमें पांटी
३६ वा म्हारा गाभावेई गोळीपाड करी। ओर उठे बेठर वां
३७ उंकी चोकी दीनो। ओर उंके माथाके उपरकी लकडीउपर

वा उंबें देखावको बोल्यो थेयो कें उ यिजदियांको राजा
३८ यिसु छें। तद उंकें भेळा दोय चोर छ्ळवावोऊपरं मारया
३९ गया रकबको जीवणो वा दूजो डावों। और उ जाता
आवतवाळा आपको माथो धूणता वा कथा कर उंकी निंदै
४० करी। कें हे देवराने भांजववाळा वा तीनदिनमें उंने
उठावववाळा आपनें उबार कर तूं जर भगवानको
४१ डावडो छें तो छ्ळवावोसूं उतर। उंईतरें बडा याजिया
वा शास्त्रिया वडेरा भेळा गोई करर कयो कें उ औरां
४२ लोगांको उबार कयो आपको उबारकरवें न सकें। उ
जर यिस्रायेलको राजा कें तो अबार छ्ळवावोसूं उतरें
४३ वा मे उंसूं प्रतीत करसां। उ भगवानऊपर यावतार कयो
उ जर उंनें चावें तो अबें उंनें छोडें क्योंके उ कयो कें मूं
४४ ईश्वरको डावडो छूं। और अबो चोर उंके भेळा छ्ळवानो
४५ उपर मारया जाताला वा उंकी मोई करी। और दोपैरासूं
४६ तीजापोहरताईं सगळा देशमें अंधारो छो। और तीन
पोहरकोपका यिसु मोटा हेलासूं जा कर पुकायो कें एलिर
एली लमा सबाख्तनी उंको अर्थ यो छे कें हे म्हारा भगवान हे
४७ म्हारा भगवान क्यों मनें छोड्यो। उठें रेववाळामें कोई
४८ आदमी सुणकर कयो कें उ एलियाहनें बुलावें छें। और
वांमांयसूं एकजणो दोडर वा सिरकासूं भरर एक स्पंज
लेर एक भुंगळीकें माथाऊपर बांधर उंनें पीवानें दीनो।
४९ दूजा कयो कें रें देखसां कें एलियाह उंनें उबार करवानै
आवे कां नई।
५० और यिसु दूजीवार मोटी कूकी करर जीवायर जीव
५१ दीयो। और देखो देवराको पडदो ऊपरासूं नीचाताई
५२ फाट गयो वा धरती धुजी वा पत्थर फाटा। वा कबरां
खुलगई और सुववाळा पुन्यवंतांका मोकळा डील उठ
५३ या। वा उंकें फेर उठबकेपछें कांय कबरांसूं नीकळ्या वा
५४ पवित्रनगरमें गया वा मोकळांसूं देखीज्या। तद जो

[illegible]आ[illegible] सिर्कीदर्र वा उंमें भेवा विसुजपर पोटो दे[illegible]
वा[illegible] [illegible] चूगवी वा अके [illegible] [illegible] देकर [illegible]
५५ [illegible] [illegible] वें उ ठौव भगवानको [illegible]। [illegible] मो[illegible]
[illegible] [illegible] देव[illegible] उभोगी वे [illegible] [illegible]
५६ वें [illegible] गरे वा उंको [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible]
मारियां मान्दविणी वा [illegible] वा [illegible] माउ मा[illegible]
यां मेंवरीवें [illegible] माउ।
५७ संजा [illegible] पटें [illegible] [illegible] [illegible]
५८ वें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] गा। उ [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ[illegible]
५९ [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] उ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
६० [illegible] वा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] वें [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] वा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
६१ मारियांमान्दविणी वा दूजीमारीया [illegible] [illegible] [illegible]।
६२ दूजेदिन वें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
६३ [illegible] [illegible] [illegible] वो वें [illegible] [illegible] [illegible]
वें उ [illegible] [illegible] [illegible] वें [illegible] [illegible] वं
६४ [illegible] उठसूं। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] उंवा [illegible] [illegible] उंमें [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] वा [illegible] वें उ-मुंडदांसूं उठिये। वा
६५ [illegible] [illegible] [illegible] बौठा वें। [illegible] [illegible] [illegible] वें
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।
६६ [illegible] वें [illegible] [illegible] [illegible] दे[illegible] वा [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]।

२८ [illegible] पांनो।—[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] दिन [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मारियां
१ मान्दविणी वा दूजीमारिया [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible]

देखो मेडले पहलेसुरूपोंकाले पोंरु ईश्वरका [illegible] पानें
सूं उतर आयकर [illegible] भाठो पेलें का उंसें अपर बैठा।
३ उंको आकार बीजलसार जिसो या उंसें कपड़ा पालाजेसी
४ थे ओके डे। उंका डोरसूं पेरहाया धूजर या मुडदा
५ जीसा हु मया। ओरु दूतवाला उपको देरे लीडामें कयो
कें मनोकीये ओस डें मालुम कें पे हुशीसोइपर मारयो
६ गो पिसुने डोसें गे। उ पठे नठे ओस उठियो जे कें उ
७ जिसो कयो पावो वींपाता प्रभु सुवेगे लो देषो। ओर
बेगा आवर उंका चेलांसें कयो कें उ मुडदासूं उठियोठे
देषो उ थांसें अगाठी गालिलिमें जावठे उठें उंनें देषओ
८ देषो में थांनें कयो। ओर वे भयसूं वा मोठो रावोसूं बोर
९ कें बाहांसूं बेगा गयां वा उंनें चेलांनें खबर देवबेई दोड्या।
मैं उंका चेलांनें खबरदेवबेई जावाठा हबें यिसे देषो यिसु
वांसें भेट्यो मिलर कयो कें वंबा वा नेडो आवर उंका पग
१० पकड्या वा उंकी पूजा करी। तब यिसु वांनें कयो कें मती
डो डो जावो म्हारें भायांनें खबर घेर कें वे गालिलिमें जाव
उठें मनें देषसी।
११ वांनें जावतोबेका देषो कोईएक पेराबी नगरमें आयर
१२ मजोर कयो उ पडामीरियतांनें कयो। ओर वा भेलो
होयर पुरानीयों सला करर मोपका हकमाशो सिवें
१३ हाराजें देर कयो। केंघे कयो कें रातका जीकेजा में सूता
१४ जा उंबेका उंका चेला आवर उंनें चोरर ले गया। ओर
जर या बधा अबतोपालनें सुयाले आज तो में उंनें सुनायो
१५ वा थानें चोमीतईं रापसी। ओर वां हकमाया घेर जिसा
सिपायाभया तोख्या कया ओर बातबोठो या कया सिज
दिवानें विचनें बई जावठे।
१६ ओर इग्यारें चेला गालिलिमें इस परबतउपर गया कें
१७ कयो यिसु जिवाबोत बंवायेठगे। ओर वां उंनें देषपरी

१८ भजन कयो अर कीयोक उतबाल कयो। और यिशु अठे
आयर वा वधा कर वांनें कयो के सर्गमें वा संसारमें सगली
१९ थोंप म्हनें अजाई गई छें। इसूं आयपरा बाभी वा डावडा
वा धर्मात्मा नांवसूं सगला लोगांनें डुबो दिरायपरो वा
जो अबे थांनें आग्या करी वें सगली पालबानें भखाबर
२० पेज्ञा करो। और देखो जो रोजीना दुनियाकें छेवडातांई
थांकें भेलो हूं। आमिन्।

१ पैलो पानो

भगवांनको डावडो यिसुखीष्ट जींकि मंगलिक वार्ताको
२ पैलडो यो। कैजीमयो नीर्मितयांकि पोथिमें लोषयोडें के
देषो ऊं आपका हलकारानें थारें आगे मेलुंहुं के ऊंको
३ थारे आगे थारो मारग त्यार करसि। ओडमें हेला
करववाला एक लोगको बोल यौडें के भगवानको मारग
४ त्यार करो उंका मारगनें सुधो करो। जोडमें योहननें
डुबि दिराइडि और पाप छुडावववेइ मनधेरवांकि डुबि
५ प्रगट करि। तद उंकेकने यिहुदा देसका अगला लोग
और यिरुसालमका पिण वास्तें गया और आपका पाप
६ मानि करवाकरता यरदन् नदिमें योहनता डुबि दिराइ
गइ। योहन ऊंटकें केसांका कपडा पेंर्या थका और
उंकें कडमें चिंबा भायजाको कमरबंध बंधोगयो और ऊं
७ टोडियानें और जोडकि मेत षांई। और ऊं ढंढेरो
करर कयो कें म्हारें पीछाडी म्हारासुं योमवालो एक लोग
आवेंछे के जींका मोजाडिको कुंटो ऊं नीचो ऊपर खो
८ ववयोग्यनहुं। ऊं थानें पांणिमें डुबिदिराउंहुं ममि
वेर उथानें धर्मीआमासुं डुबि दोरासि।
९ उंदीरोयां दमोडे कें यिसु गालिलिके नासरेतसुं
१० आयो और योहनसुं यरदनमें डुबि दिराइ जई। तद
ऊं पांणिसुं उपर आयर सरग षुलि और भगवानकें
११ आत्मा आपकें उपर वनुतरजीसो उतरतो देषयो। तद

एक बोल आकासमुं सुण्यो गयो के तूं म्हारो बालो डाव
१२ डो है के जींके उपर म्हारो मोटो राजिपणो छै। और
उं वेला आत्मा उंनें ओडमें लेगयो और उ चालिस दिन
१३ उठै ओडमें मोडासुं अजमायो और ओडकै जिनावरांके भेलो
छै और हलकारां उंकि सेवा करि।
१४ योहननें रोककरीयां पछै यिसु ईस्वरका राजका मंगलिक
१५ वार्ता छंढेरो फेरताफेरता और वीरोयां पुरि ऊई वा
भगवानको राज नेडो है इं वेई मनमोड वा मंगलिक वार्तामें
इतबार करो आ कथा कैताकैता गालिलमें आया।
१६ उंके पीछें गालिलके दरीयावके नेडे यिसु आवतांआतां
सिमन् और उंका भाई आंद्रुनें दरियावमें फासनाखमो
१७ देखो क्यांके वे सिकार हा। और यिसु वांनें कयो के
म्हारे पीछाडि आव और उं तनें मानखांको अपडबावालो
१८ करसुं। तब वे भट आपको फास छोडपरो उंका
१९ पीछाडि गया और उं आगासुं थोडा अलगा जावर जेब
दिको डावडो याकुब और उंका भाई योहनने देख वे
२० पिण जालकि आंतर नावउपर करता हा। तद यिसु
भट वांनें बुलाया और वें आपको बापो जेबदीका चडसां
भेलो नावमें छोडर उंका पीछाडि गया।
२१ और वें कफरनहुममें गया तद यिसु आवता दीनमें
२२ सिनगगकें वीचमें भट जायर भणायो और लोग उंके
भणावणमुं वीसमय ऊआ क्यांके उं पोथवालें सरि था वां
२३ आदम्यांनें भणाया वा, कातविजिसा नहिं उंवीरियां वांके
सिनगगमें भुतलागोडो एक आदमि हो और उं मोकला
२४ ईलाकर कयो के जाणदे ले नाजरेतके यिसु थारे म्हासुं
कांई कामछै कांइ तुं म्हांको नासकरवावर्नें आयोहै उं
तनें जाणुंहुं के तूं कुणछै तूं भगवांनको धरमभूरत है।
२५ तद यिसु उंने बिढ़ायर कयो के बोल्यो रै और उंमुं

२६ वारसुं आथ्या ओर भूत उनें फाडर मोटा हेलाकर उंमे
२७ काळो ओर सारा लोगांनें अचेरो ज्ञवो ओर आपके आपके
बीचालें पूछर बोल्या के उ कांई छै उ कुण नवो विधानीकछै
क्योंक पेंचमु उ भूतांनें आग्या देवेछै ओर वें उनें मानेछै ।
२८ तद वेगो उंको नांव गालिलिके चारांकानि बीचीयाल ज्ञवो ।
२९ उं बीरीयां वें सिनगगमुं नोकलर याकुब ओर योहन्के
३० भेला सिमन् ओर आन्द्रके भूंपामें गया । लर सिमन्कि
सासु तावमुं मांदि ज्ञयर सूति हि उंकें पछे वां उंकेबात उनें
३१ कहि ओर उ उंकने आयर उंको हाथ पकड उंने उठाई
तद ताव उंनें भाट छोडो ओर उं वांकि सेवा करि ।
३२ उं पछे सिंझियाकिबोरीयां सूरज आथमवे वां सगला
३३ रोगलांनें ओर भूतलागोडांनें उंकनें लाया ओर नगरका
सगला लोग बारणाकनें भेला ज्ञवा । ओर उं मोकला
३४ रोगांमुं मांदांनें ताजा करिया ओर मोकला भूतांनें कुडा
या ओर भूतांनें कैवा न दिनो क्योंक वां उंनें ओलखीयो ।
३५ ओर दिन न उगांमुं वेंहि परभात उठर उ बारणें जायर
३६ ओडजागामें गयो वा उठे जाचना करि ओर सिमन् वा जके
३७ उंके भेलाग वें उंके पीछाडि गया ओर उंनें लाधर
३८ कयो सगला लोग तनें ओलखें । तद उं वांनें कयो कें
३९ म्हे नेडाका गांवांमें जावां कें ज्ञां उठेंपोण छंछेरो फेरां
क्योंक हुं वेईं ज्ञं आयोलुं ओर उं सगलि गालिलिमें वांकें
सिनगगांमें छंछेरो फेरोयो ओर भूतांनें कुडाया ।
४० तद एक कोढियें विनति करपरि उंके नेंडा आयर वा
गोडांगुडालीयां बैठर बोलीया कें सार थारो मन ह्वें
तो मनें नीरमलो कर सकेंछै तद यिसु दयाकर हाथ
४१ पसार । ओर उंनें भिंटर कयो कें म्हारो मनछै तुं
४२ नीरमलो ह्वें ओर उंकें कयांमुं भाट उंको कोढ गयो
४३ ओर नीरमलो ज्ञवो । तद यिसु उंनें आग्य दि वेगो

Digitized by Google

४४ विदा कीयो और उंनें कयो कें बोवम कोंनें कंदो मति-
कें बेर जा पुरोहितकनें आपनें दीखाय और मोसन्
वांकनें आयदिवेई जके आगिया करि ओ ताजो होवाको
४५ दान कर। और उं बारखें अखर बोबोयान करयनें
और वा कथा घोडेंकरख लागो हमु यिसु प्रगटमुं नगरकें
बीचमकुं और आय नमकियो बेर बारखें ओडमें रयो
और मगवि कांनिमुं लोग उंकनें आया।

२ दूजो पानो।—और कितांकदिनां पछें यिसु कपा-
रनयमकें बीचमें गयो और घोडें जवो कें उ भुंयाजे छे।
२ तद वेगा मोकला लोग भेला जवा कें ओंमुं फालमाकें
पिण नेडा आवसकि जागा नहि और उं वांकनें भगवां-
३ नकि कथा घोडें करि। तद वां उंकनें एक अरधंगि
४ लोगनें लाया कें जको चार मायसांमुं उपाडो जवो।
और जद अमातवेई उंकेनेडा आंस न सकिया तद ओं
भुंयानें उ छे उं भुंयाको डागलो भांगो और उ मांचर उ
मांचो उतारीयो कें ओंउपर उ अरधंगि सुतो छे।
५ तद यिसु वांको भरोसो देखर अरधंगिनें कयो कें बे
६ डावडा थारो पाप छुटो। उंवेला कीतांक कातबि
बैठाहा और मनमें बीचारता हा कें ओ क्युं उबांठाई कया
७ कंछे भगवानविगर कुण पाप छेड सकेंछे। तद वे
८ आपकें बीचमें इसो बीचारता हा यिसु मनमें वा जांख
९ पर वांनें भट कयो कुं को अगला आपकें मनमें बीच-
१० रो हो। अरधंगिनें आ केंणि कें थारा पाप तेंमुं छुटा
वा उठ आपको मांचो उपाड और चाल यो दोयांमें कुण
११ ओरोछे। बेर आदमिकें डावडानें धरति उपर पाप
छेडवकि मोच जको छे थे आ जाणवेई यिसु अरधंगिनें
कयो कें तनें कं कउं छुं कें उठ आपको मांचो उठाय वा

१२ आपवें भुंपडामें जा। तद उ भट उठो ओर मांचो
उपाडर सगलांकें आगें बारवें गयो इंसुं सगला लो
गांवें अचेरो जवो ओर भगवांनकि सरावणिकर कयो कें
म्हें इंतरें कदेईयिसा न देखो।
१३ ओर यिसु फेर दरीयावकें नेडो नीकलर गयो ओर
सगलिजमात उंकें नेडि आई वा उं उंनें भणाया।
१४ जातांर उ अल्फिकें लावडें लेवीने मंढिमें बेंठोथको देखो
ओर उंनें कयो कें म्हारे पिछाडि आ ओर उ उठर उंकें
१५ पिछाडि गयो। ओर इसो जवो कें जद यिसु उंकें भुंपामें
बेंठो तद मोकला जगाति ओर पापिलोग यिसुकें भेला ओर
उंकें चेलाकनें बेंठा कुंस वें मोकला हा ओर उंकें पीछाडि
१६ गया। तद उपाध्याय वा फारसि उंनें जगाति वा पापि
यांभेलो जिमतो देखर उंकें चेलानें कयो कें कुं जगाति
१७ ओर पापियांकिभेलो जिमेंछें ओर पिवेंछें। तद यिसु सुणर
वांनें कयो कें जके ताजा हें वांनें वेदकि कांइ गरज नहिं
पण जके मांदा हें मनमोडणा वेई कुं आदक आदमियांनें
१८ बुलावणनें न आयोछुं पीण पापियांनें। ओर योहनकें
ओर फारसीयांकें चेला पीण पोषध करता हा उंवेइ वां
आयर उंनें कयो के योहनकें ओर फारसीयांकें चेला कुं
१९ पोषध करेंछें लेर थारा चेला नकरेंछें। तद यिसु वांनें
कयो के जठातोडि वींद वांकेंसंग रेंछें तठातांडि वींदकें
२० भेलापि कांइ पोषध कर सकेंछें। पेर दीन आवेंछें कें
यांमें वींद वांकें भेलांसुं लेगयो जासि तद वां दीनांमें वें
२१ पोषध करसि। ओर हरगा कोई नवा गाभाकि
कारि बोदावसावमें नदेवेंछें अर देवे तो कारि बोदागाभानें
२२ फाडेंछें ओर उ वतो वींठि हैछें। कोई बोदाकुडामें
नवि दाषको रस नई रावेंछें जको राखें तो नवोरस कुडानें
फाडेंछें ओर रसपीण पडसि ओर कुडावि वींठा जयासि

Digitized by Google

लेर नवि दाषको रस नवाकुडामें रखणो जरुरजे ।
२२ ओर उ जवो कें उ आवता दिनमें धानके षेतमें गयो
२३ ओर उंका चेला आता जाता धान ते डण लागा । लेर
फारसीयां उनें कयो कें देष अको काम आवता दिनमें नइ
२४ ठिक उ कांम थारा चेला कु करेजे । उ वांनें कयो कें
थे कांई नई भणाजे कें दाउद कांई करियो जद उनें गरज
२५ हि ओर उ वा उंका भेलपि पीण भुकाजा । वें भीतरें
घाबीयातार वडाप्रोहीतांके वीरीयामें भगवांनकें भुंपामें
गयो वा दीषालगाकि बाटि षाई कें जो प्रोहीतांकि षावणें
वोगर ओर किनेंई ठिक नई ओर आपका भेलपियांनें पी
२७ ण षवाई । ओर यिसु वांनें कयो कें आवतो दिन आद
२८ मीयांवेई करीयोजे लेर आदमि आवता दिनवेई नई
इंसु आदमिका डावडा आवता दिनका धणीजे ।

३ तिजो पांनो । ओर यिसु फिरमागमें फेर गयो ओर
२ उठें एक लोग जो कें जिंको हाथ सुक गयो हो । ओर
यिसुनें टंटो देणवेइ उंकि तलासमें रया कें उ उनें आवता
३ दिनमें ताजो करमि वा नहिं । तद यिसु सुकाहाथवालानें
कयो कें बीचालें उभोरें ओर पीण उं कयो कें आवता दिनमें
४ चोषोकाम करणो ठिक वा वंठो काम करणो जिवनें राषणो
५ वा गमावणो ठिक जे लेर वें अबोला रया । ओर वांकें
मनकि करडाइसु दुषी व्हयर उ रिससु वां उपर चारांकां
नि दीअट रालर उं आदमिनें कयो कें आपको हाथ पसार
तद उं उ पसारियो ओ उंको हाथ दुजाहाथजीसो ताजो
६ व्हवो । ओर फारसी बारणें जायपरा हेरोदियां भेलि उंकें
७ वेंरमें कानाबाति करि कें कीतरें उंकाे खोज गमावां । लेर
यिसु आपका चेलां भेलो दरीयावके केराडें गया ओर गालि
८ लिसुं ओर यहुदासुं ओर यिरुसालमसुं ओर इदुमीयांसुं

श्रोर यर्दनकें उंकोर डाम्नु मोकलि जमात उंकें पीछाडि
पीछाडि गयी श्रोर मोदन् वा श्रोरकें पारांकानिनु
मोटि जमात उ जको मोठा कांम करिया वे सुणर उंकनें
९ आया। श्रोर उ श्रापका चेलानें कयो कें एक नाव उंनें
वेई तयार रहे कें जमात उंनें नचिपें क्यांम उ मोकलानें
१० ताजा करीया। इविई जीता लोग मांदा छा वां कगलां उंनें
११ भींटणवेई गोतागोव करपरि उंनें नेंडा धाडकरि। श्रोर
भिसटश्रात्मा जद उंनें देखा तद उंनें नेंडा परीया श्रोर
१२ कूकमार कयो कें सूं भगवंनको डावडोछें। तद उंनें
घोडें नइ करणवेई उ वांनें करडि श्रागिया दिनि।
१३ श्रोर उ परवतउपर गयो फेर उं ज्यांनें चायो वांनें
१४ बुलाया श्रोर वें उंकनें आया। श्रोर उं बारेनें ठिक करा
१५ कें वें उंकें भेला रें श्रोर उं वांनें ढंढेरा देंणनें श्रोर मांदगि
१६ अलगिकरणनें श्रोर भूतकुडावणनें पांच दिन वा वांनें
१७ मेलिया। श्रोर सिमनको नांव उं पीतर दिनो श्रोर
जेबदिको डावडो याश्रकुबनें श्रोर याश्रकुबकें भाई योहननें
ठिक करियो श्रोर वांको नांव बोश्रानर्गिस दिनो अथवा
१८ वादलागाजणका डावडा। श्रोर श्रंद्रिउ वा फिलिफ् वा
वर्तोलमि वा मात्तिउ वा तमा वा खल्फीश्राको डावडो
१९ याश्रकुब वा तादि वा सिमन्कनश्रानी वा यहूदाइस्खारीयो
श्रोटा कें जीं उंनें श्रपडायो श्रोर वें एक भूंपा में श्राया।
२० तद फेर जमात इकिभेलि जुई कें वें बाटि पांवा नइसकीया
२१ श्रोर उंका संगिटीयां सुणर उंनें श्रपडणवें बारनें गया
क्योंकि वां कयो कें वें डोफाछें।
२२ यिरुशालमसुं उपाध्याया श्रायर कयो कें उ बालजबबमें
राखेछे श्रोर भूतांकें इंदरसुं भूतांनें छुडावेछे तद उं उंनें
२३ बुलायर परचासुं कयो कें कींतरें मोडो मोडानें बारणें
२४ काढ सकेंछें। श्रोर जको राज श्रापका वेंरमें जदा देवें

२५ तो वें राज न रें सकेंगें । ओर जको भुंपा आपका
२६ वेंरमें जुदाजुदा हुवेंगें तो वें भुंपा नरेंसकेगे । ओर
सोडा जको आपकें वेंरमें उपडें ओर वारोठीयो हुवे तो
२७ उ रेंसकें नई लेर उ गेवडो हुवेगें । पेंलि बलीयाआदमिनें
बुंदीयाविगर बलीयाआदमिकें भुंपामें कोई जायर उंकि
वसतनें वीगाड करस सकेगें करियासु उंको भुंपो वीगाड
२८ कर सकेगें । हुं थानें साच कउंगु कें सबे सगला पाप
ओर उलंठाईपणासु आदमिका डावडा उलंठाई करें उ
२९ वांकें उपर गेडोयो जासि । लेर जको आदमि धर्मा
त्माकें वेंरमें उलंठाई करें उ उंकें उपर कदे छुटसि नहिं
३० लेर अनंतिसिक्षा लायकगें क्यों वां कयो कें उंको भीतट
आत्माहे इंकें वेई सा कयी ।
३१ उंवेला उंको भाई ओर उंकी माउ आई वा बारसें
३२ उभारें उंनें बुलावणनें उंकनें मेली । ओर जमात उंकें
चारांकांनीसु बेंठीही वद लोगां उंनें कयो कें देष थारी
३३ माउ वा थारा भाई बारणासु तनें जोमें हें । लेर उं
३४ उंनें उथलोदेर कयो कें म्हारी माउ वा म्हारा भाई कुणगें
ओर जके लोग उंकें चारांकांनी बेंठा हा वां कांनी उं
३५ देषर कयो कें देषो म्हारी मा वा म्हारा भाई क्योंकि जको
कोई भगवांनकी रजा करेंगें उ म्हारो भाई वा म्हारी बेंन
वा म्हारी माउ ।

४ चोथो पांनो ।—ओर यिसु दरियावकें नेंडो फेर
सिषावण लागो वा मोटी जमात उंकें नेंडो भेली हुई इंवेई
उ नावउपर जायर दरियावउपर बेंठो ओर सगली
२ जमात दरियावकें नेंडो धरतीउपर रई । ओर दर
षांसु उं वांनें सोकला सिषाया ओर आपके सिखावणमें
३ वांनें कयो कें सुणो देषो एक वावणवाला वावणनें बारनें
४ गयो ओर जद उं वायो तद कुं.. मारगकनें दडी तद

Digitized by Google

५ आकाशका पंखीयां आयर उंने खाया। लेर ओर कितायक
बीज भाठांको जागा पडीया कें जठें वां मोवली माटी
६ नयाई ओर मोवली माटी न होवासुं उ भाट उगो
ओर जद सूरज उगो तद वें सूकगया वा वांकी जड न जई
७ जी ईसुं वें सूक गया। ओर कुंईक भोंटोरांमें पडिया
ओर कांटां वधर उंनें खायगया ईसुं वें फल न फलीया।
८ लेर ओर कितायक चोखो माटीमें पडिया ओर गहर
फल फल्या कुंईक तीस गुणा ओर कुंईक साठ गुणा
९ ओर पिण कुंईक सौ गुणा। ओर उ वांनें कयो कें
सुणनें जींकें कान है वें सुणें।
१० लेर जद उ एकलो हो तद बारें चेला भेलो उंकें चारों
११ कांनी रेंवणवाला उंनें परचाको अरथ पूछियो। तद उं
वांनें कयो कें भगवानका राजको छांनीवातां थांनें जांणनें
दोनीचें लेर ?.णजके बारवेंचें वांनें सगली वातां पर
१२ चासुं कही जायछें कें वें देखतादेखता देखें ओर न जांनें
ओर सुणतासुणता सुणें ओर नहीं समझें कांईजांणा वें
१३ किणीविरियां मन मोडें ओर वांका पाप छुटें। ईंपछे उं
वांनें कयो थे कांई उ परचो नजांणोछो तो सगला परचा
१४ किसीतरें जांणसो। बीज वांवणवालो भगवांनकी वातां
१५ वावेंछें जके बीज मारगकें पसवाडें वायाछा वें ऐ लोग छें कें
वें जद सुणेंछें उंईविरियां सोडो आवेंछें ओर जका कथा
१६ वांकें मनमें वायीगयीछी वा लेजायछें। ओर ऐसेजके
भाठा उपर वायाछा वें ऐं लोगछें कें जकी सुणर वेगा रा
१७ जीसुं लेंछें ओर आपांकें विचमें जड नछें लेर थोडीविरियां
रेंछें ओाज जद वातवेई कष्ट ओर वजराव उपडेंछें तद
१८ उंईविरियां वें अटकेंछें। ओर कांटांकें विचमें जके
१९ वाया गयाछा वें पिण लोगछें कें जका वात सुणीयां पछें

Digitized by Google

ई संसारकी चिंता ओर धनको भरम ओर दूजीवस्तकी
लघ धसर कथानें चाबजायछै इंवेई वें कुछि नफलेंछै।
२० ओर अके बीज चोखीधूड उपर वायाछा वें अें लोग छै वें
अका कथा सुणर मनमें राषेंछै ओर फल फलेंछै कुंछिक
२१ तीसगुणा कुंछिक साठगुणा कुंछिक सौगुणा। ओर
उ उनें कयो कें दीवो पायली नीचे वा मांचानीचे मेलो
जावनें कांई ल्यायोजायछै ओर दिवटउपर मेल्यो जांणवेई
२२ कांई नहीं। क्योंस कांई वस्त पालोकड नहीं कें अका
चोडें नकरी जासी ओर क्युंछि छकी नहीं कें अका चौडा
२३ में नआसी। जींकें सुणनें कानछें वें सुणें ओर उं वांनें
२४ कयो कें चोकस कें अको सुणोछो जीं पायलीसुं थेमा
पोछो उंसुं थांकनें मापा जासी ओर सुणनेंवाला थांनें
२५ वत्ता दीयाजासी। क्योंस जींकाछें उंनें दियाजासी
ओर जींको नहीं उंकनें अको क्युंछि छै उंपिण उंसुं लेंयो
पडसी।
२६ पछें उं कयो भगवांनको राज इसो छै कें जिसो कोई
२७ आदमी धूडमें बीज वायर दिनरात सुतो वा उठेंछै ओर
बीज चुंठ काढेंछै ओर वधेंछै वेर किंतरें आ उं नहीं
२८ जानेंछै। क्योंस धूड आपेंइ फल फलतीछै पेंली पांन पछै
२९ डाली पछें सिरमें पाकाफल। वेर जद फल फलेंछै तद
साठ दांतली लगावेंछै क्योंस काटणकीवेला आई।
३० ओर उं कयो कें अं भगवांनकें राजनें कींकें बरोबर
३१ करसुं वा कुण वांनगीसुं उंकी वांनगी देसुं। उ राईका
बीजकें बरोबरछै कें अके धूडकें वावणेंकी वेला धरतीका
३२ सगला बीजांसुं छोटोछै वेर जद वायाजायछै तद वधेंछै वा
सगला सागांसुं मोटो व्हवैछै वा मोटी मोटीडाल्यां मेलेछै
कें जींसें आकासकी चिडियां उंकी छायानीचे रेंसकेंछै।
३३ ओर जिसो वें सुणसकें तिसा मोकला इसीतरें परचांसुं

Digitized by Google

३४ उंनें कथा कही. वा परथा विगर उं वांनें नकयो ओर जद
उ एकलो हुं तद आपका चेलांनें अगली वातां अमभाई ।
३५ ओर उंदिन अंभिाया होयमुं उं वांनें कयो कें न्हे
३६ उंपार आवां तद जमातनें विदा करपरी उ जींतरें हेवें
उओतरें उंनें नावउपर ल्याया ओर दुजी नांनी२ नावां
३७ पिण उंक भेलीही । तद मोटी आंधी जई ओर
हिलोलांमुं नाव इमो छकीजी कें पांणीमुं तदी बोढीजी ।
३८ ओर पिमु नावकें पिछाडी उओमा उपर माथो देर मुतो
हो तद वां उंनें जगायो। ओर उंनें कयो कें हे वधांणीक
३९ तनें कांई चिंतानहीं कें म्हांको नाम जवेछे। तद उठर उं
वायरेंनें डरायो ओर दरियावनें कयो कें अबोल्योरें
धीरो रो तद वायरो थोमो जवो ओर दरियावपिण
४० थोमो जवो । ओर उं उंनें कयो कें क्युं ईमा डरोछो क्युं
४१ वहीं भरोमो राखोछो। लेर वें मोकला बीहा ओर
आपवमें कॅण लागा कें उ किंतरेंको आदमी छे कें वायरो
ओर दरियाव उंकी आगिया मानेंछे ।

५ पांचमो पांनो ।—ओर उ दरियावकें पार गदरि
२ नियोंकें कांकडमें पोंतो । ओर उ जद नावमुं उतर्यो
उंही वेळा भूतलागोडो एक लोग कें अको घोरमुं निकलतो
३ उंकें भेंटो मिल्यो । उं आदमोको रैंणकोजागा
घोरठिकाणोंछे ओर कोई उंनें आंकलमुं बांध न
४ सकियो क्योंक उ बेडीमुं ओर सांकलमुं जकडियो गयो
छे ओर सांकल उं तोडो ओर बेडी कटकाकटका जई
५ ओर कोइ उंनें वस कर नमकियो । ओर उ कूका कर
ओर आपनें भाटामुं काटर रोजीना रातदिन परबतमें
६ ओर घोरठिकाणें रेंतोछो । उंपछें उं जद पिमुनें
७ अळगामुं देख्यो वद भागो ओर उंकी पूजा करी ओर

Digitized by Google

पिअलीमार कयो कें-हे यिसु सगलासुं मोटा डावडा मेंसुं
थारें कांइ कांमछें तनें भगवांनको नांव लेर झं सुंअ कढाउं
८ हुं कें मनें मतो अदाय। क्योंअ यिसु उंनें कयोछो कें हे
९ भिअट आत्मा उं आदमीअसुं निकल। फेर उं उंनें पूछो
थारो कांइ नांवछें उं उथलोदेर कयो कें म्हारो नांव लेजि
१० ओन् हें क्योंअ म्हें मोकलाछां। ओर उं उंकी मोकली
११ वीनती करी कें वांनें इंदेअसुं अलगो मकरें। ओर उठें
१२ परबतकें नेंडा सूरांको एक मोकलो टोलो चरतोहो। ओर
सगला भूतां उंकी विनती करर कयो कें सूरांकें टोलामें
१३ म्हांनें मेल कें म्हे वांमें धसां ओर यिसु उंछिवेला वांनें
धमल दीना ओर वें भिअट आत्मा उंसुं काढ सूरामें धस्यां
पछें उ टोलो कडवामें होयर भूर दरियावमें पडिया वें
दोय हजारकें आसरेंछा ओर दरियावमें बुडर मरगया।
१४ ओर सूरांकें चरांवणवाला दोडा ओर नगरमें वा चारां
कांनी ठीक दीनो ओर जके करियाछा वें देखणवेइ लोग
१५ निकला। ओर वें यिसुकनें आया ओर भूतलागोडा
लेजिओन् रायोडा उं आदमीनें बेंठो वा पेर्यां हवो वा
१६ होअमें देखो ओर वें डर्या। ओर जियां देखोछो वां भूत
१७ लागोडांकी ठीक वा सूरांको बखांण कयो तद उंकनें वें
१८ गुदरांण लागा कें उ आपकी सिंवमें जावे ओर जद उ
नाव उपर गयो तद उं भूतलागोडा आदमिनें उंनें गुद
१९ राइकें उंकें भेला रेंजि। लेर यिसु उंनें रेंण नदिनो लेर
उंनें कयो कें भूपें जा आपकें लंगुटियांकनें जा वा भगवान;
थारेवेइ जके मोटा काम किया ओर किरपा थारें उपर
२० करि वांनें ठीक दें। ओर उ चलोगयो ओर जके मोटा
काम यिसु उंकेंवेइ कीयाछा उंकी ठीक देकापोलिअमें
ढंढेरो देंणलागो ओर सगला अचेरे हया।
२१ ओर जद यिसु नावसुं फेर पार आयो तद मोकला लोग

Digitized by Google

२२ उंकेकनें भेलाहुआ ओर उ दरियावकें नेडो छो ओर देखो
जिनगग्को धणी एक लोग कें जींको नांव यायरअ्छो उ
२३ उंकनें आयो ओर उंनें देखर पगां उपर पडियो ओर
उंकी मोकली बीनती करयो कें म्हारी नानीडावडी मरवा
उपरछें लेर आवर आपको हाथ उंकें उपर राख तद
२४ वा ताजी हुओ ओर जीओ। तद उ उंकें भेलो गयो
ओर मोकला लोग उंकें भेला हुआ ओर उं उपर भुका।
२५ तद एकरांड कें जोंकें बारें बरसांसुं लोहि भारतोछो ओर
२६ जीं मोकला बेदांसुं मोकलो दुख पायोछो। ओर जीं
२७ आपकी मगलीमाया खरच कीनीथी लेर कुंहि आराम नई
२८ पावतीछी ओर वींठोतरें हुईगी उं यिसुको ठीक सुणर
जमातमें उंकें पिछाडी आयर उंका गाभांनें भींटोयो क्योंक
उं कयो अर साली उंका गाभा भींटसुं तो हुं चोखी हुसुं।
२९ ओर भट उंको लोहिभारतो थम्गयो ओर उं आपका
३० डीलमें जांणो कें इंरोगसुं हुं चोखी हुई ओर आपसुं बल
नीकलो यिसु भट आपमें जा जांणर जमातकानी फिरर
३१ कयो कें कीं म्हारा गाभा भींटीया तद उंकें चेला उंनें
कयो कें तु देखेंछें कें जमात थारें उपर भीर करेंछें
३२ फेर तुं कैंछें कें मनें कीण भींटो तद जीं ओकाम् कयोछो
३३ उंनें देखणवेई उं आपतीपांपती देखो। ओर ईं रंड
आपकें विषमें जको कयो गयोछो जा जांणर बीहती ओर
३४ धूजती आई ओर उंकें आगाडी पडी ओर सगलो साच
उंनें कयो ओर उं उंनें कयो कें हे डावडी थारी प्रतीत
थनें ताजी करी रागोसुं जा ओर आपकी मांदगीसुं
ताजी हो।
३५ जा जद केंताछो इंकें विचालें सिनगग्कें धणीकें भुंपा
का किताक लोग आयर बोल्या कें थारी डावडी मरगई
३६ अबे तुं वधांछीकनें ओर तोसीस क्युं देवेंछें। यिसुआ

Digitized by Google

कथा सुणर सिनगग्कें कोठारीनें कयो कें मती बीह कोरी
३७ प्रतीत राख। ओर उं पितर ओर यक्माकूब् ओर यक्मा
कूब्कें भाई योहन् विगर किनेंई आपकें भेलो जांण नदीनों
३८ ओर उं सिनगग्कें कोठारीकें घरमें आयां पछें भोडनें
३९ वा रोवावालानें वा भूरणवालानें देखिया। ओर उं
बिचमें आयर कयो कें क्युं गेलाई करोछो ओर रोवोछो
४० डावडी मरी नहीं बेर सूतीहें। ओर उं उंसुं मशकरी
करी बेर उं सगलानें बारणें काढर डावडीकें माउ बाभानें
ओर सकें उंकें भेलाछा वांनें ल्याया ओर अठें वा डावडी
४१ पडीछी उठें थग्यो। ओर उं उं डावडीको हाथ पकडर
कयो तालीता कुमी अथवा डावडी र्भ तनें कउंछुं कें उठ।
४२ ओर वा डावडी वेगी उठी ओर चालण लागी क्योंक वा
४३ बारेंवरसांकीछी उंसुं वें मोटे अछेरे हुया। फेर उं
वांनें करडि आग्या करी कें कोई वा नई जाणें ओर उं
डावडीनें क्युंही खांवणनें देणनें कयो।

६ छठो पांनो — इंकें पछें उ आपकें चेलाभेलो उं
आगासुं आपका देशमें आयो ओर उंका चेला उंकें पिछा
२ डी पिछाडी गया। आवतो दिन आणसुं उ सिनगग्में
सीखकरावणलागो ओर मोकला लोग सुणर अछेरो हुवा
ओर वां कयो कें उंनें आ सगली कथा कठासुं हुई ओर
३ ओ कांई ग्यांनछे कें सको उंनें दीनोहें कें इसा अछेरा काम
उंका हाथसुं कया जायछें कें कांइ मारियाका डावडा
ओर यक्माकूब् वा योसी वा यहूदाह् वा सीमन्को भाई
खाती नहीं उंकी बेन्यिंण कांइ म्हांकें उठें नहीं ओर वें
४ उंसुं अटक्याहा। बेर यिसु वांनें कयो कें आपका देश
में ओर आपका भायांकें बिचमें ओर आपकें भुंपाविगर
५ नबी गेरआबरु नहीं। इंसुं उं थोडा मांद आदमियां

Digitized by Google

उपर हाथदेर ताजाकरणविगर उंजागामें ओर कुंछि
६ अछेरो काम करनसकियो। ओर उ वांकि गेरप्रतीतसुं
विस्मय ज्ञवा उंपछे गाया केंतेकेंते गांवारमें भटक्यो।
७ उंपछें उं बारें चेलानें बुलायर दोयदोय मेलण लागो
८ ओर वानें भूतां उपर पेंच दिनी। ओर लाकडीविगर
मारगवेई ओर कुंछि नलेखनें आग्या दीनी अथवा झोरा
९ वस्त्र वा थांखकी वस्त्र वा कोथळोमें पइसा। ओर पावडी
पेंरखकी आग्या दीनी ओर दोय बगतरी नपेंरणकी आग्या
१० दीनी। ओर उं उंनें आ पिण कही थे जका कींजागाकें
११ कोई भुंपामें जाओ वा आगा छोडणतोडी उठें रहो। ओर
जको कोई थानें संविभाग कीयां नईचावें वा थांकी कथा
सुणीयां नचावें उं जगासुं जांणकीवेळा वांकें उपर आयद
वेई आपका पगकी घेभाडर वगावो. जं थानें साच कउंछुं
के विचारकें दिनमें उंनगरको तोमीमसुं अदम्‌को ओर
१२ अमरको तोमीम झोरी ज्ञवी। उं पछे वां जायर छंढेरो
१३ फेरियो कें आदमी मनघेरे आ ठीक छे। ओर वां मोकला
छुडाया ओर मोकला मांदानें तेल चोपडर ताजा भूतां
नें करिया।

१४ उंको नाव में कळी दूरविख्यात ज्ञवो ईवेई
हेरोद् राजा उंकी ठीक सुणर कयो कें योहन् डुबी
देंणवाळो मोवसुं उपडियो ईंसुं अछेरा काम उंमें देखा
१५ आयछें। ओर किसीकिसी कयो कें उ एलीयाह्‌हें
ओर किसीकिसी कयो कें उ कोइ निमित्तियो वा कोणी निमि
१६ तियामरोयो ज्ञवो। ओर हेरोद् वा सुणर कयो कें उ
योहन्‌हें कें जींको माथो में काटनांखियो छे उ मुडदासुं
१७ उठियोछें। कोंस सागी हेरोद आपका भाई फिलप्‌की
वउ हेरोदियानें परणाई ईंसुं इस्रेंवेई आदमी मेलर यो
१८ हन्‌नें अपडियोछो ओर अटकमें बांधर मेल्योछो। कोंस
योहन् हेरोद्‌नें कयोछो कें अपका भाईकी वउनें तनें

Digitized by Google

१९ परखोजणी ठोक नहीं ।   इंवेई हेरोदियाको उंके भेळो
२० झगड़ो ऊवो ओर उनें मारनाचतो लेर मार नसको कोंम
योहन् सिध ओर पादरी आदमीळो हेरोद् आ जांणपरी
उंसुं बीयो ओर उनें मांन्यो ओर उंकी कथा सुणर
मोकळो कोरिया करी ओर मनकीराजीसुं उंकी कथा
२१ सुणी इंपळे जद ठोकविरियां जई हेरोद आपकें जनम
दिनमें मोटा आदमियांवेई ओर लसकरका सिलेदार
२२ वेई वा गालिलिका मोटांभोमियांवेईं मनवार करी ओर
जद हेरोदियाकी डावडी विचमें आयर नाची वा हेरो
दनें ओर अके उंकेंभेळा बैंठाथा वांनेंपिण राजी कया उ
वेळा राजा उं डावडीनें कयो अको थारो मन ऊवे उ म्हारें
२३ कनें मांग तो ऊं तनें देसुं ।   ओर उं उंकनें सुंसखाळी
कें तूं अको मांवें उ म्हारें आधाराजलोडी ऊं तनें देसुं ।
२४ उं इंवेईं बारखें जायर आपकी माउनें कयो कें ऊं कांइ
मांगुं उं उथलो देर कयो कें योहन बुबोदिरावणवाळावो
२५ माथो मांग ।   तद उं वेगो राजाकनें आयर कयो कें ऊं
मांउंतुं कें तूं अबार मनें योहन् बुबोदिरावणवाळाको
२६ माथो ठांवमें मेलर दे ।   तद राजा मोकळो दुखी ऊवो
लेर आपको सुंसवेइ वा उंकें भेळा अके बैंठागा वांवेइपिण
२७ उं उंकनें तिरसकार करणनें नई चायो ।   इं वेई उंवेळा
राजा चोरीनें बुलायर उंको माथो ल्यावणकी आग्या दीनी
तद उ जायर भाखमीमें उंको माथो काटर ठांवमें मेलर
२८ वा ल्यायर डावडीनें दीनो ओर उं आपकी माउनें उ
२९ दीनो ।   तद उंका चेला आ सुणर आया वा उंको
डील लेर बोरमें राखियो ।
३०   उंपळे मेल्योडा यिसुकनें भेळा ऊआ वा आपांनें अके
करीयाळा वा भणाया हा उ सगळो उंनें कयो तद उं वांनें
३१ कयो कें थे जोळनागामें न्यारा ऊयर आवो वा थोड़ीक

वेला घेंनकरो क्योंक उं आगा मोकला आदमी आता जाताहा
३२ उंसुं वांनें खांवकीपिण ठावणो नइंग्गी। इंवेंई वें
३३ ब्यारा ऊयर नावसुं ओडमें गया और जमात वांनें जावता
देखिया वा मोकला उंनें ओलखिया और सगला नगरसुं
पगां उंजाग्यामें वांकें अगाडी भागा और भेला ऊयर उंकें
३४ नेंडा आया। उंबग्गें यिशु नीकल मोकली जमातनें देख
वांकें उपर दयावानग्गो क्योंके वें विगरग्वालीकागाडरा
जेसाग्गा इंवेंई उ वांनें मोकली कथा सिखावण लागो।
३५ मोकली वेला जांवसुं चेला उंकें नेंडा आयर कयो कें आ
३६ ओडकी जागाग्गें अबें मोकली वेला गइं और चारूंकांनीको
देस और गांवमें जायर खावणनें कुंछि मोल लेंववेइ लोगांनें
३७ बिदा करो क्योंके वांकें खांवणनें कुंछि नहींग्गें। उं उथलो देर
वांनें कयो कें थे वांनें खावणनें देवो और वां उंनें कयो काइं
म्हे जायर दोयसेंपावलांकी बाटी खरीद करर वांनें खावणनें
३८ देवां। उं वांनें कयो कें थांकनें किती बाटीहें जायर देखो
३९ वां जांणर कयो कें पांच बाटी वा दोय मग्गी। तद उं
४० आदम्यांनें पांतपांत लिलाघासऊपर बेठणकी वांनें आग्या
दीनी तद वें पांतकीपांत बेंठा सोसो और पचास
४१ पचास। इंपग्गें उं वा पांचबाटीनें वा दोमग्गेनें लेर
आकासकांनी दिसट करी और आसीस करी वा बाटी
तोडी और आपका चेलांनें वांकें आगें मेलणवेइ दीनी
४२ और वा दोय मग्गेपिण विराडकर सगलांनें दीनी और सगला
४३ लोग खायर धापिया। उंपग्गें वा बाटीका फिरका और
४४ मग्गेका भूकाभाको बारें खोडीभर भेलो कियो और खा वें
४५ बाटीयां खाइग्गी वें पांचहजार आसरें आदमी ग्गा। उं
वेला जठातांई आप उं जमातनें बिदा करतो हो तठातांई
नावमें पार जायर बेतसेदामें उं आवनें आपका चेलांनें

Digitized by Google

४६ आग्या दीनी तद उ वांनें विदाकर परबतउपर प्राथना
करबानें गयो ।
४७ ओर झिंझियावेला नाव दरियावकें विचमें छी ओर
४८ उ धरतीउपर एकलोछो । उंवेला सामावायराकुं
वेवबानें निबला वांनें उं देषिया ओर तीजीपोर रातका उ
दरियावउपर पालो वांकनें आयो ओर वांनें छोडर
४९ आंबको वेंत कीयो । ओर वां उंनें दरीयावउपर आतो
देषर मनमें जांणियो कें उ भूतछें ओर वां चीसकी मारि ।
५० कयांकें सगलां उंनें देषियो वा डरियाया ओर उंवेला उं
वांकें भेली कथा कही ओर वांनें कयो कें धातरजमा राषो
५१ उ हूं छुं मतीबीहो । उ उंकेंपछें वांकनें नावमें गयो
वा वायरो रयो उंसुं आपआपका मनमें वे मोकला अछेरें
५२ छा ओर वां भावना कीयो कयांकें वांका मन करडो हुवो
कयांकें उ बाटीका अचंभोकांम वां याद राषियो नहीं
५३ ओर वें पार हुयर गनसरत् देसमें गया वा पेंाचर कडवें
५४ लागा । उंकें पछें वें नांवसुं उतरता लोगां उंनें जांणियो
५५ ओर जीं जागामें छा उंका ठिकाणो जांणर उं सगला देसमुं
भाजताभागता आजारी लोगांनें विछावणामें मेलर
५६ उं जागामें लेआवे लागा । ओर गांवमें वा नगरमें वा
देसमें जींकी जागामें वें गया उं जागामें वां आजारीयांनें
मारगमें राषिया ओर उंका गाभा भींटबकी प्राथना
करी ओर जितालोगां उंनें भींटीयो तितालोग चोषा
हुवा ।

७ सातमो पांनो ।—तद फारसि वा कितीक उपाध्याय
यिरूसलमसुं आयर उंकें नेडा भेला हुवा ओर वांकें चे
लाकें कितीक लोगांनें भिसट वा बिगरधोयाहाथसुं
२ जीमता देषर षामिदार किये । कयांकें फारसि वा सगला

Digitized by Google

मजदो पुराणालोगांकि रीत राखर बिनाधोयाहाथसु
३ खावें नहीं। वा चोटासु आयर बिगरसिनांन कियासु
४ खावें नहि और वें जका मानेंछें इसि और मोकलि रीत छें
कें वें करबनें मानेछें यथवा वाटका वा लोटा वा पीतलका
५ ठांव वा बाजोट धोवणो। इंवेई फारसियां और
उपाध्यायां उंनें पुछियो कें थांका चेला पुरांणा लोगांकी
चाल क्यों करें नहीं लेर बिगरहाथधोया खायछें। उं
६ उथलो देर वांनें कयो कें यिसाइयाह्नें थां खबरचटांकें
कायदामें चोखीतरें कयोहो कें जिसियो लिषियो छें कें ये
लोग मुंडासुं म्हारो आदर करेंछें लेर वांको मन म्हारासुं
७ अलगोछें। लेर वें तालीमके बदले आदम्यांनें आग्या
८ सिखावता निकंमी म्हारि पूजा करेंछें। क्योंके भगवानकी
आग्या छोडर थे आदमीयांकी चाल करोछो वा लोटा
वा वाटका धोवणा और इसाइसा थे मोकला करोछो।
९ इंपछें उं वांनें कयो कें थे आपकी रकांवा पालणनें चोखें
१० उणीहारें भगवानकी आग्या कंबोछो। क्योंके मोसाए
कयो कें आपकेंआपकें माउवाभानें आदर करो और
जको कोई माउवाभानें फिटकार करेंछें उंनें मुकर मारणो
११ पडसी। लेर थे कोछो कें कोई लोग आपका माउ
वाभानें कें कछेंछें कें जींसु थांकें अवारथ मेंसु आवें उ अगलो
१२ कुर्वांण करियोछें अथवा दोनो मयोछो उंपछें आपका
१३ माउवाभाको उपगार और उंनें करण नदेवोछो थे जका
रीत ठीक करीछो उंसुं भगवानकी कथा विकंमी करोछो
और थे इसाइ मोकला काम करोछो।
१४ तद उ अगली जमातनें बुलायर कयो कें म्हारी कथा
१५ सुणो और समझो आदमीकें बारसें इसी कुंछि अवत नहेंकें
जका मांय वडर उंनें भिसट करें लेर जका उंमुं नीकलेंछें
१६ वा आदमीयांनें भिसट करेंछें। जींकें सुणनें कांनहें

१७ उ सुर्यो। उं वेला जद जमातमांसु उ भूपामें आयो
१८ तद चेला उंनें आ हिलमिलिया पुछो। और उं उंनें कयो
कें थे पिण काई इस्या डोफा हो थे काइ समझो नहीं कें
जको बरखें ठे उ आदमीकें मांय वडर आदमीनें भिस्ट
१९ कर नसकेंठें। कोंस वें उंकें मनकें मांय वडें नहीं वेर
पेटमें आयठें वा ठवामें नीकलेंठें कें जीं सगली खावणकी
२० वस्तनें पावक करेंठें। और उ बोल्यो आदमीसुं
२१ जको नोकलेंठें उ आदमीनें भिस्ट करेंठें कोंस मांय
२२ अथवा आदमीका मनसुं वींठोचिंता पारकोबस्या मारी
खुन चोरी लोभ वींठाई कपट ओवत इसद उवंठाइपणो
२३ मांन मैंलाइपणो नीकलेंठें ये सगली वींठाई मांयसुं नीक
लेंठें वा आदम्यानें भिस्ट करेंठें।
२४ इंपठें उ वा जागा छेडर सोर और सिदनकें सींवमें
गयो और भुंगामेंजायर चायो कें कोई आदमि वा नजांणे
२५ वेर पाछोकड रेंनें नसकीया। कोंस एक रंड उंकी
२६ कथा सुणर उंकनें आई और उंकें पगांउपर पडी। उं
रंडकी डावडी भूतलागोडी ही वा रंड युनांनी वा सिरोफि
निकोंछी और उं यिसुनें बिनती करी कें उ भूतनें आपकी
२७ डावडीसुं छुडावें। वेर यिसु उंनें कयो कें पेंलडा
डावडांका पेट बोछण देवो कोंस डावडांकी बाटी लेंबी वा
२८ कुत्यांनें देंणी ठीक नहीं। वेर वा उथलो दीनो और
कयो कें आप प्रभु वेर डावडांसुं पडगयोडी बाजोटको
२९ चोवलो भुखोभायो कुत्रीया खायठें। और उं उंनें
कयो कें इं कथावेइ जा थारी डावडीसुं भूत निकलियो।
३० और उं आपका भुंपामें आयर देखी कें भूत निकलियो
और आपकी डावडी मांचा उपर सुतीठें।
३१ उ सोर वा सिदनकी सींवसुं फेर निकलर दकापोलिसकें
३२ सींवकें नेंडो गालिलकें दरियावकें नेंडो गयो। और वा

Digitized by Google

एक बोलो वा तोतला आदमीनें उंकनें लाया ओर उंसुं
३३ बिनती करी कें उ उंकें उपर हाथ मेलें। ओर उं जमा
तकें बिचमांसुं उंनें एकलकांनी एकलो लायर उंका कांनमें
३४ आंगली दीनी वा थूकर उंकी जीभ झींटी ओर आकासकें
कांनी देखर उं हाय मारी ओर उंनें कयो अफ्‌ता वा
३५ खुलजा। ओर झट उंका कांन खुलिया ओर जीभका
३६ बंद खुला ओर उं उं ही वेला चोखरकथा कही। ओर
उं वांनें आगिया दीनी कें वें किनेंई नहीं कहें ओर जीतो
३७ उं आगिया दीनी तीता वां उ घणें करिया। ओर वां
मोकला अचंभा होयर कयो कें उं सगला चोखीतरें
करियाछें उ बोलानें सुणनें वा गुंगानें कथा कंबो देवेंछें।

८ आठमो पांनो।—उं दिन मोकला लोग भेलाहोवासुं
वा कुंहि खाबेनें न मिलवासुं यिसु आपका चेलानें बुलायर
२ वांनें कयो कें जमातउपर म्हारी किरपाहें क्योंकें वें म्हारें
भेळा तिनदिनसुं रेंछे ओर खावंबें कुंहि नहीं मिलियोछें।
३ ओर अर जं वांनें भूंखें भुखा मेलुं तो वें मोकला कायला
हुमी क्योंके वां वीचमांसु केतेक लोग मोकला अलगांसु
४ आयाछें। ओर उंकें चेलां उंनें कयो कें इमा ओडमें इता
५ लोगांको पेट भरवाको बाटी कठासुं मिलमी। तब उं
वांनें पुछियो कें थांकनें किती बाटीछें वां कयो कें सातछें।
६ तद उं जमातनें धरतीउपर बेंठवाकी आगिया दीनी ओर
वें सातबाटी लेर आसीस कर तोडी वा आपका चेलांनें
जमातआगी राखवेई दीनी ओर वां जमातकें आगी मेली।
७ ओर वांकनें थोडी नांनीमछीयिषछी ओर उं आसीसकर वा
८ पिण जमातआगी मेलनें कई वें जीमर धापिया ओर उं पछें
९ वां आत बारी भुगीभायो भेळो कीयो। ओर जके जीमाया
वें चार हजारकें आसरें छा ओर उं वांनें विदा करिया।

Digitized by Google

१० ओर झट आपका चेलांभेळो नाव उपर आयर दल्म
११ नुताकें देसमें पोंतो। ओर फारसि बारयें आया ओर
उंसो परखकरबवेई पुछण लागा ओर आकासमुं एक
१२ अचेरो देषबें चाया। तद उं मनमें हाय करर कयो के उ
मोतो क्या अचेरोकांम चावें छे थांनें ऊं साच कउंउं के ई
१३ गोतीनें कुहि अचेरो देषाबो न पडसी। ओर वांनें छोडर
१४ उ नावउपर फेर आयर उं किराडें पोंतो। ओर वें वाटो
लेबो भुलाग्या ओर नावमें वांकें भेळि बिगर एक वाटी कुहि
१५ नहीं छो। ओर उं वांनें आगिया करर कयो के देखो फारसि
१६ ओर हेरोदियांकें षाटासुं निघेवान हो। ओर
वां आपकें चिपमें मनसोबो करर कयो के ओ बाटो नलीनी
१७ ईवेई केंछे। ओर यिसु आ जांणर कयो के बाटी नहीं
लेबसुं क्यों आपांकें विचाळे मनसोबो करोछो आजतोडी
कांई न समझोहो आजतोडी कांई थांको मन करडोछें।
१८ थांकी आंखरेंतांसुं पिण कांई नदेखोछो वा कांनरेंतांसुं पिण
१९ कांई नसुणोछो। थे कांई आ याद नकरोछो जद में पांच
बाटी पांच हजार लोगांवेई भांजी तद भुखाभाषा कितो
२० षारी भेळी करियो वां कयो के बारें। ओर जद चार
हजारवेई में सात बाटी भांजी तद कति षारी भुखाभाषो
२१ भेळो कियो वां कयो के सात। ओर उं वांनें कयो
के थे कांई न समझोहो।

२२ ओर वें बेतसैदामें आया ओर लोग उंकनें एक मूरि
२३ यांनें लाया ओर उंसुं बिनतीकरी के उ उंनें भीटें। ओर उं
आंधाको हाथ पकडर उंनें गांवकें बारनें लेगया ओर उंकें
आंषउपर थूकर हाथ उंकें उपर मेलियो ओर पुछियो
२४ के तुं कांइ कुहि देषेंछे। तद उं आपकी आंखिया उंचाकर
२५ कयो के ऊं आदमियांनें रुंषजिसिया फिरता देखुंउं। तद
उं उंको आंषउपर हाथ फेर मेलियो ओर उंनें फेर आंष

Digitized by Google

उठावबनें कयो तद उ साजो ज्यो ओर अगला आदमियांनें
२६ ठीक देषिया। ओर यिसु उंनें आपचें भुंये मेलर उंनें
कयो कें बेंडामें मतीजा ओर बेंडामें किनेंई मती कयें।
२७ तद यिसु ओर उंका चेला बारयें ज्यर काइसारियां
फिलिपिकें गांवांमें गयो ओर मारगमें आपकें चेलांकनें पुछर
वांनें कयो कें आदमी म्हारा फायदामें कांई कें छें कें ज्ञं
२८ कुण हुं। वां उथलो, दोनो कें योहन् डुबीदिरावण
वालो ओर दुजा कोई कें छें कें एलियाह् लेर ओर कोई
कें छें कें नबियांमेंसुं एक ले तद उं वांनें कयो कें ये
म्हारे फायदामें कांई बोलो कें ज्ञं कुण हुं पितर उथलो
२९ देर उंनें कयो कें तुं ख्रीस्ट छें। तद उं वांनें आगिया
दोनी कें वें उंकी फायदामें कुंहि मड कयें।
३० ओर वांनें भणाण लागो कें आदमोका डावडानें गोणको
३१ कमठ पावणो ओर पुरांखोडासुं वा बडाप्रोहितांसुं वा शास्त्
रियांसुं रद् होणो वा मारो जाणो वा तीजें दिन फेर उम
३२ डणो जिमें हें। ओर उं आ कथा चोडेंसुं कही तद पितर
३३ उंनें लेर डाटण लागो। लेर उ फिरर आपका चेलांनें देखर
पितरनें डरायो ओर कयो कें हे मोडा म्हारें पिछाडी
जा अबोजको भगवांनसुं छें वें तनें नई भावेंछें ओर अबे
३४ आदमियांसुं छें। ओर आपका चेलाभेलो जमातनें बुला
यर उं वांनें कयो कें अबो कोई म्हारें पिछाडी आयां चावें
३५ छें उ आपनें भटकेवा आपको क्रूसबांधो लेर म्हारें पाछें
चालें क्योंक अबोकोई आपको जीव राखवो चावें उ उंको गोम
गमासी ओर अबोकोई आपको जीव म्हारें वा मंगळीकवा
३६ तांवेंई गोमगमावेंछें उ उंनें लाधसी। क्योंक आदमीनें
कांई फायदोछें घर सगळो संसार मिळें वा आपका
जीवनें गमावेंछें ओर आदमी आपका जीववेंई कांई देसी
३७ क्यों अबोकोई म्हारें वा म्हारी कथाकेंवेंई इंसारी म

Digitized by Google

३८ पापी गोतमें लाजां मरेंछे उंमु आदमीको डावडापिण
लाजां मरसी जद आपके वाभाकी ओभामें धरम दूत
वारांके भेला आसी ।

९ नवमो पानो ।—ओर उं वानें कयो के जं थानें आप
काउंमु के घठें उभारैववालाका कितांक लोगछें के जके
अठावोडी भगवानको राज पोपमुं आवतो नदेखें तठातोडी
मोतनें न चाखसी ।
२ ओर ७ दिन पछें यिसु पितर वा यकाकुब् वा योहन्नें
भेलो लीया वा वानें न्यारा कर मोठा परवतउपरै चढाया
३ ओर वांके आंमो दुजेंउवियारें जगयो । ओर
उंको वलाव पालामरोपो भलाभोल मोटाघोलो होगयो
कें ओतरें धरतीउपरलो कोई गोपो धोलो कर नमकें।
४ ओर मोभाइभेलो एलियाह् वांकनें देषो गयो ओर वें यिसु
५ भेला कथा केंवांगा । तद पितरनें उपेला देर यिसुनें
कयो कें हे गुरां घठें रेंबो म्हांको चोखोछे ओर म्हे तिन डेरा
वणावां एक थांरेवेई एक मोभाह्वेई वा एक एलियाह्
६ वेई क्योंक उं नजांणो के आपसें जको कयो क्योंक वें
७ मोटा बोहा । ओर एक मे आयर वांनें ढाया ओर
मेमुं वांणी निकलर कयो कें उ म्हारो वालोडावडोछे उंकी
८ कथा सुणो । ओर भट जद वां चारांकानी देखियो
तद किणेंइ न देखपायो वाको यिसुविगर आपां भेलो।
९ वें परवतमुं उतरिया पछें उ वांनें आगिया दीनो कें
किणेंइ आ देखालाकी कथा नकेंहें अठातोडी आदमियांका
१० डावडा मरियांमुं न उपडें । ओर मरियांमुं उपडवको
तंत कांई आ आपतमें व्योंत करर वां आकथा आपांमें
११ राखी। ओर वां आ कर उनें पुछियो कें कातबो कितरें केंछे
१२ कें एलियाह्को आंणो पेंलडो निमे छें । उ उणको

Digitized by Google

देर वांनें कयो कें एलीयाह् पेंलडा आयर अगलांनें ठीक
करणो आप और ओंतरें आदमिकें डावडाकें फायदामें
लिखियोडें कें उ मोकळो कमट पाणी वा नानो करियो
१३ जाणो। लेर हूं थांनें कउंहुं कें एलीयाह् आयोडें और
वां अकें चाया उ उनें करियो कें जिणो उंका फायदामें लिखि
योडो।
१४ और उं आपका चेलाभेळो पोंतर वांकें पाखांकानि
मोटी जमातनें और उपाध्यायांनें वांकें भेळी अदलेबदले
१५ करता देख्या। और भट सगळी जमात उंनें देखर अचेरो
१६ करियो वा उंके कनें भागर वंनणा करी। और उं
उपाध्यायांनें कयो कें थे उंकें भेळा अदलोबदली करणमुं
१७ कांई करोडो। और जमातमुं एक लोग उथलो देर
कयो कें हे धणी हूं म्हारा डावडानें थारेंकनें लायो कें ज्योंकें
१८ उपर एक गुंगीआत्मा डें। और जठें उंनें लेजायडें
उठें उंनें फाडेंडें और उ भाग काढेंडें वा बतीसी पीसर
मांदो हुयजायडें और में थारा चेलांनें कयो कें उंनें छुडावे
१९ लेर वें नसकिया। उं उथलो देर वांनें कयो कें हे अभ
रोसीलोग कठातांई हूं थारेंकनें रेंमुं कठातांई थांकी सेंमुं
२० उंनें म्हारेंकनें लियावो। और वें उंनें उंकनें लाया
और उंनें देखर आत्मा भट उंनें फाडियो वा उ धरती
२१ उपर पडर भाग काढर गुडियो। और उं उंका बाभानें
पूछियो कें उंकें ओ कितायक दिनांमुं हुवोडें उं कयो कें
२२ डावडाईमुंडें। और मोकळीवार उं उंनें मोजगमावणनें
बासदेमें वा पाणीमें नगायो लेर अर म्हांकी भोर कुंछि कर
२३ सकेंडें तो म्हांकें उपर किरपा कर वा उपकार कर। और
यिसु उनें कयो कें अर तूं भरोसो करनें सकेंडें तो भरो
२४ सो करणवाळां उपर सगळो हुय सकेंडें। और भट उं
डावडाकें बाभानें आंसुं पटकर हेला करर कयो कें हे धणी

Digitized by Google

ऊं भरोसो करुं म्हारें भरोसा उपर उपकार कर।
२५ जेर यिसु देषियो कें जमात भेळी भागोहैं तद उं भिसट
आत्मानें ओ केर डरायो कें हे गुंगा वा बोलाआत्मा
जं तनें आगिया करुं कें उंसुं काढ वा ओर उंमें मती
२६ घस। ओर उ हेला करर वा उंनें मोकळो फाडर
काढियो ओर उ मुडदासरीषाळो कें घीं मोकला कयो
२७ कें उ मरियो ओर यिसु उंनें हाथसुं पकडर उंचायो ओर
२८ उ उभो ह्वेो। तद उ भूंपामें आयांपछे उंकें चेला
नियारा जयर उंनें पूछियो कें म्हे उंनें छुडाय क्यों नसकिया।
२९ उं वांनें कयो कें बिगर यात्मना वा पोषधसुं इं उळखा
रावा भूत छुडाया जाय नसकेंछें।
३० ओर उठासुं जायर उ गालिलि जयर गयो वा नचायो
३१ कें कोइ जांणें। क्योंस उं आपका चेलानें भणाया वा
वांनें कयो के आदमी ।।। डावडा लोतसुं आदमीकें हाथमे
पकडाया जासी ओर वें उंनें मारनांषसी वा मारनांषियो
३२ पछे तीजेंदिन उ फेर उपडिसी। ओर वें वा कथा नइ
३३ समभिया वा वें उंनें पूछणें बीहा। उंपछे वें कफरन
समर्में आया वा भूंपामें वडर उं वांनें पूछियो कें मारगमें
३४ थांकें आप आपकें विचालें कांइ अदलीबदली करीयो। ओर
वें सनेखिया रयाछा क्योंस मारगमें अदलीबदली करीछा
३५ कें कुण सगलांसुं मोटो ह्वसी। ओर उं बेंठर बारें चेलानें
बुलाया वा वांनें कयों कें जकोकोइ पेंलडो ह्वणां चावें तो
३६ उ सगलांको छेवडे वा सगलांका चाकरीयो ह्वसी। ओर
एक डावडानें लेर उं उंनें विचालें बेंठायो ओर उंनें षोलामें
३७ लेर वांनें कयो कें जकोकोइ इं डावडाकें विचालें एक लोगनें
म्हारा नांवसुं संबिभाग करेंछें उ म्हारो संबिभाग करे
छे ओर जकोकोइ म्हारो संबिभाग करेंछें उ कोरो मनें नइ
३८ संबिभाग करेंछें लेर म्हारें मेंलणवालानें लियो। योहन्

Digitized by Google

उंनें उथको देर कयो कें हेथखो म्हे थारा नावसुं भूतानें
कुडावणवाला एक आदमीनें देषियो कें अको म्हाके पिछा
३९ डो मइ आयो ओर म्हे उंनें वरजियो क्योंम उ म्हाके पिछा
डो न आयो। ओर यिसु कयो कें उंनें मती बरजो क्योंम
कोइ नछे कें अको म्हारा नांवसुं अछेरोकाम करेंछे वा म्हारें
४० फायदामें वेगी षोटीकथा कें अकेंछे क्योंम अको म्हांको बेंर
४१ नहीं उ म्हारें कांनीछें। क्योंम अको थांनें एक वाटको
पांणी म्हारा नांवसुं पाअी क्योंम थे षीस्टका छो जं थांनें साच
४२ कउंछुं कें उ आपको फल न गमाअी। ओर म्हारें उपर
प्रतीत करणवालाकें विचाले एक नांना आदमीनें अको अट
केंछें घरटी उंकी गावडमें बांधी जाअी वा उ दरियावमें
४३ वगायो जाअी लेर उ उंकों चोषोछें। ओर अर थारो
हाथ तनें अटकें तो उंनें काटनाष हाथकटियो ऊयर जी
वतामें जांणो दोय हाथवाला ऊयर नारकीमें वा अनंत
४४ बाअदेमें जांणसुं लेर थारो चोषोछें कें जठें उंकी लटां
४५ न मरेंछें वा बाअदे नइं बुझेंछे। ओर अर थारे पग तनें
अटकें तो उंनें काटनाष पांगो ऊयर जीवतामें धणखो
दोयपगांवालो ऊयर नारकीमें वा अनंत बाअदेमें
४६ वगायो जांणसुं लेर थारो चोषोछे कें जठें वांकें लटां
४७ नइं मरेंछें वा बाअदे नइं बुझेंछें। ओर अको थारी
आंष तनें अटकें तो उंनें काढ एकआंषवालो ऊयर भग
वानकें राजमें धणखो दोन्युंआंषवालो ऊयर नारकीकी बाअ
४८ देमें वगायो जांणसुं लेर थारो चोषोछें कें जठें वांकी लटां
४९ न मरेंछें वा बाअदे नबुझेंछें। वा बाअदेसुं अगलि
सलूंणो करी जाअी वा अगला होम लूंणसुं सलूंणा
५० करिया जाअी। लूंण चोषोछें लेर अको लूंण विगर
लूणऊवें तो किंसुं सलूंणो करियो जाअी आपरेंआपकें
बिचमें लूण राषो वा आपकें आपकेंबिचमें मेल राषो।

Digitized by Google

१० दसमो पांनो।—उंपछें उठासुं उठर यरदनकें उं
किराडासुं यिऊदाह्को सींवमें आयो और जमात उंकें
नेंडी फेर भेली जाई और जिम्मियो उंको रुकांनो तिम्मि
यो उं वांनें सिघायो।
२ और फारिसियां उंनें परषता नेंडा आयर उंनें पूछि
यो कें जका आपकी लुगाइनें छेडणी आदमीनें ठीकजवें।
३ उं उथलो देर वांनें कयो कें मोसह् काइ थांनें आगिया
४ दिनी और वां कयो कें मोसह् तलाकलो लिषणनें वा उंनें
५ छेडणनें आगिया दीनी। यिसु उथलो देर वांनें कयो कें
थांकें मनकी करडाइसुं उं आ आगिया थांकेंवेई लिषी लेर
६ संसारकें पेंलडाता भगवांन वांनें मोटियार वा लुगाई
७ करर उपजाया। इंसुं मोटियार आपका बाभा माउ
८ नें छेडसी वा आपकें लुगाई भेलो रेंसी। और वें दोन्युं
लोग एकडील जमी इवेई वें उंहीवेलासुं दोय नहीं
९ पेर एकडील् छे। इंसुं भगवान जींनै भेलीया आदमी
१० उंनै नीयारा नई करें। और झूंपामें चेलां दुजीवेला
११ इंकें फायदामें उंनें पूछियो और उं वांनै कयो कें जर
कोई लोग आपकी बउनें छेडें वा दूजी परणें तो उ उंका
१२ वेंरमें जारी करेंछे। और जर लुगाई आपकी धणी
नै छेडें वा दूजानें परणें तो वा जारी करेंछें।
१३ और वें उंकनै डावडावै लाया कै उ वानै भींटे और चेलां
१४ ल्यावणवालानै डरायो। लेर यिसु उंनें देषर मोकलो
विराजो छे वा वांनै कयो कें डावडानें म्हारेंकनें आवें
दो वा वांनें मती बरजो क्यींस कें भगवानको राज यांइ
१५ उणिहारो छें। जं थांनै आप कउं कें जकोकोई
लोग नांनाडावडासरीषो भगवंनका राजनै नइ लेंसि उ
१६ उंमें नइ धसमी। और उं षोलामें लेर यांकें उपर
हाथ धरर वांनें असीस करी।

Digitized by Google

१७ ओर उ मारगमुं आवेहो उंके विचमें एक अर्ध भागर
वा दोन्युं गुडोलियां बेठर उंनें पूछियो कें हे भलाधणी कं
१८ अनंतजीवनयको कोठारीयणो करणनें कांई करमुं। ओर
यिमु उंनें कयो कें मनें क्युं भलो कैछे एक भगवांनविगर
१९ कोई भलो नछे। तुं आगिया जांणेछे कें जारी मती
करो खुन मतो करो चोरी मती करो कुडीआयदी मतो दवो
ठगाई मती करो आपका बाभा वा माउको आदर करो।
२० उं उथलो देर उंनें कयो के हे धणी यां भगवांनै मै डावडा
२१ पणामुं पालियाछे। ओर यिमु उंके उपर दिसट करर
उंमुं प्यार करियो वा उंनें कयो तनै एक कांम करणो
बाकीछे आ थारें अकेजकेछे वें वेंच वा भ्यारियांनें दे ओर
स्वर्गमें माया मिलगी ओर आ थारि हलवाली ओर म्हांरे
२२ पिछाडी आव। ओर उ उंकथा उपर दोरोछो वा गल
गलो ऊपर चालियो. क्योंम उंको भोकली मायाछी।
२३ ओर यिमु चारांकांनी देखर आपका चेलांनै. कयो कै
भगवांनकै राजमें धमणो मायावालानै किसो करडो छें।
२४ ओर चेला उंकी कथा उपर अछेरो करियो लेर यिमु दुजी
वेळा उथलो देर वांनें कयो कें हे डावडा माया उपर प्रतीत
राखणवालांनें भगवांनकें राजमें धमणो किसो करडोछें।
२५ सुईका नाकामुं टोडियाको धमणो भगवांनका राजमें माया
२६ वालासुं धमणो ओरोछे। ओर वां वता अछेरो करर
२७ एक आदमी दुजानें कयो कें तो कुण उधार पाजी। लेर
यिमु वांनें उपर दिसट करर कयो कें आदमियांकनें ओ
विगरमुंछेछें लेर भगवांनकनें नइ क्योंम भगवांनकनें अग
२८ लो मुंछेछें। ओर पितर उंनें केंण लागो कें देख म्हे अग
२९ लांनें छेडीया वा थारें पिछाडी आया। ओर यिमु
उथलो देर कयो कें कं थांनें आप कउंछुं कें म्हारें वा मंगळीक
बातांवेईं जीं भूंपो वा भाई वा बेंन वा बाभो वा माउ वा बउ

Digitized by Google

३० वा डावडानें वा धरती गेडोगें इसो कोई आदमी नहो कै
जको हूं वेला एकसोगुणा भूंपानें वा भाइनें वा बैननें वा
माउनें वा डावडानें वा धरतीनें षेदभेलो न मिलसी ओर
३१ आवणवाला संसारमें अनंत जीवनथयिस। लेर मोकला
पैलडावाला पाछला जसी वा पाछलावाला पैलडा जसी।
३२ वें मारगमें यिरुसलम्में आवताहा ओर यिसु वांकै
अगाडी आवतोगो ओर वां अचेरो करियो वा पिगाडी
३३ आताआता बीहा ओर उं बारेंनें दूजीवेला लेर आपकें
उपर जकोजको पेंापतोगो वें अगला वांनें केंण लागो वै
देषो म्हे यिरुसलम्मै जांवांगां ओर आदमियांका डावडा
वडा प्रोहितांकै वा उपाध्यायांकैकनें भलावणो पडसी वा वै
उंकैं मारणवेइ मनसोवो करसी वा उंनें दूजामुलकवालां
३४ कनें भलासी। ओर वें उंकी गोई करसी वा कामडी
मारसी वा उंके उपर थुकनाषसी वा उंनें मारनाषसी ओर
तीजे दिन उ फेर उठसी।
३५ ओर जेबदिका दोय डावडा याकूब वा योहन् उंकेंकनें
आया वा आ कया कहो कै हे धणी म्हे चावांगां कैं म्हे जका
३६ बीनती करां म्हांकेंवेइ तूं उंनें करसी। उं वांनें कयो
३७ कें कांई चावोगो कें ऊं थांकेंवेई करुं वां उंनें कयो म्हांनें
देवो कें म्हांकें एक लोग थारें जीवणें वा दूजा थारें डावामें
३८ थारो परतापमें वैठां। ओर यिसु वांनें कयो कें थे नजां
णोगो कें जको चावोगो ऊं जों वाटकासुं पीउं थे कांई उंसुं
पीण सकोगो वा ऊं जों डुबोसुं डुबी दिरावोजांउंगु थे कांई
३९ उं डुबोसुं डुबी दिराई जासकसो। वां उंनें कयो कें म्हे सकां
गां ओर यिसु वांनें कयो कें ऊं जों वाटकासुं पीउंगु उं वाट
कासुं पीणो पडसी वा ऊं जों डुबोसुं डुबी दिरायो जांउंगु
४० उं डुबोसुं डुबी दिराया जासो पडसी लेर म्हारें जीवणें डावें
४१ बैठणो म्हारें देणमें नहीं पाछो ज्यांकेंवेई त्यारगें। ओर

Digitized by Google

दस चेलां आ सुनर याकुब् वा योहन् उपर मोकलो
४२ रिस करण लागा। लेर यिसु वांनें बुलायर कयो थें जांणोंछो
कें अकां दुनादेसवालीयां उपर आग्या करणनें निजेछे वें
वांकै उपर मनमोबाई करेंछे ओर मोटा मांणस वांकै उपर
४३ तेज करेंछे। थांकें बिचालें इसो नई होसी लेर थांकें
बिचालें अकोकोई मोटो हवां चावेंछें उ थांको चडक्यो
४४ होसी। ओर अको पैलडो हवां चावैछें उ सगलांको
४५ चडक्यो होसी। क्योंस आदमीका डावडा चोंघा लेणनें
आयो नहीं लेर चोंघो करावणनें ओर मोकलांवेई आप
को जीवछुडावणकामोल देणनें आयो।
४६ ओर वें यिरिखुकें नेंडा पोंता ओर उ वा उंका चेला वा
मोटो समातपिण जद यिरिखुसे गयो तद तिमाईयका
डावडा सूरियो बारतिमाई गोपरी करतो मारगकें छेवडें
४७ बेंठोछो। ओर उ यिसुनासरेनछे उं आ सुंणरी हेला
करण वा आ केण लागो कें हे दाउदका डावडा यिसु म्हारे
४८ उपर किरपा कर। ओर मोकला उंनें डरायो कें वे
चबोल्या रये लेर उं मोकलां बता हेला करियां कें हे दा
४९ उदका डावडा म्हारें उपर किरपा कर। ओर यिसु
ऊसतायर उंनें बुलावणनें कयो ओर वां सूरियानें आ कया
५० कैर बुलायो कें समाधानर राख उठ उ तनें बुलावेंछे ओर
५१ उ आपको लबाव वगायर उठर यिसुकनें आयो। ओर
यिसु उथलो देर उंनें कयो कें तूं कांई चावेंछे जूं तनें करूं
५२ सूरियें उंनें कयो कें हे धणी जूं देख सकुं। ओर यिसु उंनें
कयो कें चाल थारी मतीत तनें ताजो करियो ओर झट उ
देखण लग्यो वा मारगमें यिसुकें पिछाडीपिछाडी गयो।

११ इग्यारमो पानो।—वें यिरूसलमकें नेंडा जेतान्
परबतकें तलेंटी बीतफ़ज् वा बीतानीयामें आयापछै

Digitized by Google

२ उं आपका चेलामें दोय मांखयांनु मेलिया वा वांनें कयो
कें थे सामला गेडामें जावो ओर भट उंमें बडर बडोंथे
एक बचियो लाधसो कें जींके उपर कोई आदमी कदेई
३ नई चढियोळे उंनें खोलर ल्यावो। ओर जोकोई थांनें
कें कें क्यु उ कांम करोळो तो कहो कें प्रभूनें उंको गरज
४ छें ओर उंश्विवेला उ उंनें अठें मेलसी। ओर वें गया
वा अठें दुबाटो मिल्यो उठें बारणाकनें बारसें बांध्योडो
५ बचियो लाधो वा उंनें खोलियो। ओर अठें लोग उभा
ळा वाकें विचालें किणीकिणी लोगां कयो कें थे बचियानें
६ खोलर कांई करोळो। जमो यिशु आगिया करीळो
७ तिसो वां वांनें कयो ओर वां उंनें छोड दीनो ओर वां बचि
यांनें यिशुकने लाया वा आपका गाभानें उंके उपर नांखियो
८ ओर उ उंके उपर चढियो। मोकला लोगांयिण
आपआपका गाभा मारगमें बिछाया वा दूजानें रुंखांकी
९ डाली वाढी वा मारगमें बिछाई। ओर अगाडी जा
णवालां वा पिछाडीआंणवालांनें हेला करर कयो कें होसा
१० ना भगवानका नांवसु आंणवाला धन्य। भगवानकें
नांवसु आवणवाला म्हांकें बाबा दाउदको राज धन्य सग
११ लांसु उंचामें होसाना। ओर यिशु यिरूशलम्में
देवरामें गयो ओर सगलां उपर चारांवानी देखर उ
संभिया पडणसु बारें चेलां भेलो बीतानीयांमें गयो।
१२ उंकें दूजें दिन बीतानीयांमें आवणकी वेला उ भूकोळो
१३ ओर अलगासु दूआ पांनभरियो एक अंजीर रुंखनें देखर
उ गयो के कांईजांणा उंमें कांई लाधै लेर उंकेंकनें पोचर
बाकी पांनडा कांई नई लाधो क्योंस अंजीरकी रित
१४ नईळो। ओर यिशु उथलो देर उंनें कयो कें ई रितसु कोई
लोग कदेई तेसुं फल नखासी ओर उंकें चेलां सुणीयो।
१५ ओर वे यिरूशलम्में आया ओर यिशु देवरामें आयर

मोल लेणवाला वा वेचणवालानें देवरासुं अलगा करण
लागो। ओर सिराफांकी बाजोट वा पाठावेचणवालाका
१६ पाटा उंधा करदिया ओर नई दीवो के कोई लोग कुंही
१७ ठांव देवरामें उचलें। ओर उं आ कथा केर वानें सिखायो
के आ काई लिषीयो नहें के सगला गोतीरेई म्हारो भुंणो
याचनाको भुंणो मांवजादीक जसी लेर थे उंनें चोरांको
१८ षोलरो करियो। ओर पटैलां वा बडा प्रोहितां सुणियो
वा उंको नास गमावणको पैंत कीयो लेर उंसुं डरिया
क्योंके सगली जमात उंके सिषावणसुं अचंभो करियो।
१९ ओर संभिया पडियांसुं उ नगरकै बारणे गयो ओर
२० प्रभाते उंमारगसुं आयर वां उं अंजीर रुंषनें जडसुं सुक
२१ गयो देषीयो। ओर पितर चितार उंनें कयो के हे
धणी देख तें जीं अंजीर रुंषनें फिटकार दीनी उ सुक गयो।
२२ ओर यिशु उथलो देर वानें कयो के भगवांन उपर भरोसो
२३ राषो, क्योंके जं थानें साच कउंहुं के जकोकोई इं
परबतनें कैसी तुं रिगस वा दरियावमें वगाय्यो जा वा
मनमें सोचसी नहीं लेर भरोसो करसी के जको कैहे उ
२४ जसी तो उ जको कैहे होइ जसी। इंसुं जं थानें
कउंहुं के थांके याचना करणसुं जको थासो भरोसो करो
२५ के लाधसो ओर थांने वे जसी। ओर जद थांकें याचना
करणकी वेला उभा जवो तद जको कींकें वैरमें कुंइ जवें तो
उ माफ करो ओर थांके बाभो जको स्वरगमेंहे उ थांकें
२६ षामीनें छोडदेसी लेर जको थे मइ छोडो तो थांको
बाभोकें जको स्वरगमेंहे उपिण थांकी षामीनें नछोडसी।
२७ ओर उ दुजीवेला यिरुशलममें आयो ओर देवरामें
उंकी फुडणकीवेला बडाप्रोहित वा कायदी वा बोदामाणस
२८ उंकेकनें आया वा उंनें कयो के तुं की पेंचसुं ऐ

कांम करैंछै ओर तनैं ओ सगळोकांम करबको पैच कीं
२९ दीनो। यिसु उथळो देर वांनैं कयो कै झंपिस थांनैं
एक वथा पूछुं ओर मनैं उथळो देवो तद थांनैं कैसुं कै
३० कीं पैचसुं मैं कांम करूंछुं। योहन्की डुबो दिरावणो
कांईं सरगसुं कांईं आदमियांसुं छो मनैं उथळो देवो।
३१ ओर वां आ कैंपरी आपकें बिचाळें सोचियो कै अर म्हे कहां
३२ सरगसुं तो उ कैसी क्यां उंउपर भरोसो न करियो ओर
अर कहां कै आदमियांसुं तो लोग बीचे क्योंस सगळालोग
३३ योहननें मांनेंछें कै उ ठीक निमियो छै ओर वां
उथळो देर यिसुनें कयो कै म्हे जांणा नछा ओर यिसु उथळो
देर वांनैं कयो कै झंपिस थांनैं कई कउंछुं कै कीं पैचसुं
मैं कांम करूंछुं।

१२ बारमो पांनो।— ओर उ वांनैं परचासुं कैबलागो
कै एक आदमी अंगीरको खेत बायो वा उंकें च्यारांकानी
बाड करी वा कुंड खोदियो वा बाडियो बंधो वा परजानैं
२ इजारो दीनो वा परदेश गयो। ओर रितकीबेळां
उं परजाकनें बडसियानैं मेलिया कै परजासुं अंगीरकें
३ बगीचाकुंचो माल मिलें ओर वां उंनैं कपडर ठोकियो
४ वा खालीहाथां पाछो मेलियो। दुजीवार उं वांकनें
दुजा बडसीयानैं मेलियो ओर वां उंकें उपर भाठा बायर
उंको माथो फोड नांखियो वा गैरआबरुसुं पाछो मेलियो।
५ ओर उंपछें उं दुजानैं मेलियो ओर वां उंनैं मार नांखियो
ओरओर मोकळानैंयिण किनैंई मारपरो वा किनैंई मार
६ नांखर पछें उंकें वालो एक डावडो रैयसुं उं सगळां पाछें
उंनैंयिण मेलियो ओर कयो कै वें म्हारा डावडाकी भगत
७ करसी। ओर उं परजा आपकेंआपकें बिचाळें कयो
कै आ धणीछै आवो उंनैं मारनाखां ओर बाळाटोपो म्हांको

Digitized by Google

८ अजासी और वां उंनें पकड़र मारनांखियो वा
९ अंगोरका खेतसुं बगायो। तद अंगीरके खेतको
धणी काई करसी उ आसी वा उं परजाको नास गमासी
१० वा अंगीरको खेत दूजांनें देसी। थे काई आ पोथी म
११ भखिया कें सिलावठां मीं भाठानें निकमो करियो उ पुणाका
१२ सीस जमयो आ थिकहूंसु करियो गयो वा म्हाकी
आंखियांमें अछेरोछै। और वां उनें पकड़बें चायो
बेर लोगांसुं डीहा क्योंक वां जांखियो कें उं वांकें बैरमें
इमा परता कयाछ और उंनें छोड़र चालिया।
१३ उंपछें वां फारिखियां वा हेरोदियांकेकोई आदमीयांनें
१४ भेखिया कें उंकी कथासुं उंनें पकड़ां। वां आयर उंनें
कयो कें हे धणी मे जांणांछां कें तूं सांचोछें वा किंसुई
नहीं डीहेंछें क्योंक आदमीकी जाणदारी तूं नकरेंछें बेर
सांचसुं भगवांनको मारग सिखावेंछें कईसरियांनें मस
१५ देणी ठीक वा नहीं म्हे देस्यां वा नदेस्यां। बेर उं
वांको उलंठपणो देखर वांनें कयो कें कीं मनें परखोछो एक
१६ राद म्हारेंकनें लावो कें जं उंनें देखुं। और वै उंनें
लाया तद उं वांनें कयो कें यो चितरांम वा उंकै उपर लिखो
१७ कींको छै वां उंनें कयो कै कईसरको। और यिसु
उथलो देर वांनें कयो कें जकेंजकें कईसरकाछें वें कई
सरियांनें देवो वा जकेंयकें भगवांनकाछै वै भगवांनमें देवो
१८ और वां उंसुं अछेरो करियो। उंपछै सादुकी कें
जके कैंछै कें फेरउपजणो नहीं उंकैकनै आया और वां उंनै
१९ आ कथा पूछि कें हे धणी मोसह म्हाकैवेई लिखियो छै कें
जर कींकोई भाई अपुत्यो जयर मरे वा बउनै छोडे तो
उंकोभाई उं बउनै लेवै वा आपका भाईको कुल उपंजावे।
२० सात भाईछा और पैलको परणियो वा अपुत्यो जयर
२१ मरगयो। उंपछै दुजो उंनै परणियो वा मरगयो

Digitized by Google

उंकापिछ डावडा नईंगा हुआ तीजेपिछ । और सावां
२२ उंनें परणी वा कुल नराषियो अगलांसुं पछै रंडपिछ
२३ मुंई । इंसुं फेरउठननें जद उठसी तद वामें वा
२४ कांकी बउ ह्मसी क्योंक सावां उंनै परणिही । यिसु
उथलो देर वांनै कयो कै थांकै धरमपोथी वा भगवानकी
२५ पोचनें नजाणर कांई न भालोछो । क्योंक जद मोतसुं
उपडसी तद वें परणसी नहीं च्यलेरा नदेसी लेर सरगमें
२६ मलकारा सरीषा ह्मसी । लेर मुडदांकै फायदामै कै
वे उपडसी थे मोसहकी पोथीमै नईं भणिया कै जीतरै
झाडमै भगवांन उंनै आ कथा लेर कयो कै हुं आवरहामको
भगवान वा यिसाककी भगवान वा याकूबको भगवांन
२७ हुं भगवांन मुडदांको भगवान नछै लेर जीवतांको भगवान
छै इंसुं थे मोकला भूलोछो ।
२८ वा उपाध्ययांकै एक लोग आयो वा वांनै कथावारता
करता सुणर वा उं ह्मका वांनै चोषोउथलो दीनो आ देषर
२९ उंनै पूछियो कै अगली आगियामें पैलडी किसी । और
यिसु उंनें उथलो दीनो कै अगली आगियामें आ पैलडीछै
कै हे यिसराएली तूं सुण कै म्हांको भगवान यिकहा एक
३० प्रभूछै । और थारै अगला मनसुं वा थारै अगला
जीवसुं वा थारी अगली समभासुं वा थारा अगला बलसुं
आपका भगवांन यिकहासुं पियार कर आ पैलडी आगिया
३१ छै वा दूजी उंकैजिसीयेछै कें आपका नेंडारैण
वालानै आपसरीषो पियार कर यां आगियासुं मोटी और
३२ कांई आगिया नछैं । और उ उपाध्यायां उंनं कयो कें
मोकलो चोषो हे गाथा कैणवाला तें साच कयो क्योंक भग
३३ वांन एकछैं वा उंकें विगर कोई नछैं । और अगला
मनसुं वा समभासुं वा अंगला जीवांसुं वा अगला बलसुं
उंसुं पियार करणो वा आपकेंइसा आपकं नंडारैवा

Digitized by Google

वानें पियारकरणो सगला होमांसुं वा बारणांसुं मोटोछै ।
३४ ओर उं कांइ गियांनसुं उथलो दीनो यिसु आ देषर उंनें कयो
के तूं भगवानका राजसुं अलगो नछै . वा उं वेलासुं किणी
३५ लोग उंनें ओर कुंइ पुछणकी हिमत न करी । ओर
यिसु देवरामें सिषावणकी वेला उथलो देर कयो कें उपाध्याय
३६ किसोतरे कें छै के मसीह दाउदको डावडो छै । क्योंक दाउद
आगो धर्मात्मासुं कयो कें यिहवे म्हारें भगवानने कयो
कें अठालाई जं थारें वेरियानें थारें पगां न लगाउं तठालाई
३७ तूं म्हारें जीवणें हाथ बैठ । इंवास्ते दाउद आगो अर
उंनें भगवान कें तो उ कीतरें उंको डावडो छै । ओर
नाना आदमीयां राजीसुं उंनें सुणियो ।
३८ ओर उं आपके सिषावणमें वानें कयो कें उपाध्यायांसुं
सिचेतान कें अर्के लांबागाभा पेरर फिरीयां चावेंछै वा
३९ चोटामें मुजरानें वा सिनगग्में मोटी मायोटानें वा जीमणमें
४० सिरायत बाजोटपिण चावेंछै कें अके वेवांका भूंपा
चाब जायछै वा मिसकेंवेई लंबीसु याचना करेंछै वें बती
४१ ताकीद पासी । ओर यिसु कोठारके भूंपाकें सामो बैठर
देंषियो कें लोगां जीतरें बानकके भूंपामें पईसा वगाया
४२ ओर मोकलांसुं मायावाला मोकला व गया । ओर
एक भियारणीवेवो दोय नाना पईसा वगाया कें जीसुं
४३ एक पईसाकी पावली जवेंछै । ओर उं आपका
चेलानें बुलायर वानें कयो कें जं थानें साच कउंछुं कें ई
भियारणीवेवा वा सगलांसुं बती उंमें वगायो कें जी
४४ बानका भूंपामें वगायोछै । क्योंक वां सगला आपकार
मोकलासुं उंमें वगायो लेर ई आपका भियार पणासुं
आपकी सगली मायानें वा आपका सगला निभाव नें उंमें
वगायो ।

Digitized by Google

१३ तेरमो पानो ।—ओर उ देवरामुं निकळियो पछें
उंका चेलांमांयलो एक उणें उंनें कयो कें हे मयावकरण
२ वाला देख कें ओ कांई भाठा वा कांई मंठछें । ओर यिशु
उथलो देर उंनें कयो कें तूं कांई यां अगली मोटी मांठ'नें
देखेछे भाठा उपर भाठो न रैसी कें अको भांगो न जासी ।
३ ओर वें जैतूनकें परवत उपर देवराकें सामा बैठतो पितरनें
वा याअकूबनें वा योहन्नें वा आन्दुनें नियारां उपर वांनें
४ पूछिया कें म्हानें कें ओ अगला कद असी वा कांई
५ अेंनाणछे कें ओ अगला अद पूरा असासी । ओर यिशु
वांनें उथलो देर कैण लागो निर्बंबान कें कोई थांनें भई
६ चुकावें । क्योंक अनेक म्हारा आ कया केर मोकळा म्हारा
७ नांवमुं आसी ओर यिश मोकळा चुकासी । ओर थे
अद काराको कथा वा काराचेलको कथावारता सुणो
तद मती हरदियावो क्योंक इसी होणको गरज हें लेर छेवडो
८ अबे नछे । क्योंक गोतियांकें बछमें गोती वा राजकै
वेरमें राज उठसी वा ठोडठोड धरती धूजसी ओर काल
९ वा बेधा असी ओ कसटांका मरछे । लेर थे निर्बं
वांनधो क्योंक वें थांनें पंचायतीमें भलासी वा सिब
गगमें थे मारखासो वा म्हारें फायदामें वांकेंवेंई सायदी
होवानें हाकमकें वा पातसीयाकें सांमो लेजायाजासी ।
१० ओर पेंली अगला गोतीयांकें बिचालें मंगलीकवातां ढंढेरो
११ करियो जासी । ओर अद वें थांनें भलावणनें लेजासी तद
कांई केंसी आगें आ मती विचारो वा मती फिकर करो
लेर उंछिवेला अको थांनें दियो जासी उ कें क्योंक अवो
१२ केंणें ओ थांकें नछे लेर धर्मांतमा । भाईयिश भाईनें
मोतमें भलासी वा बाभो डावडानें वा डावडा माउ
१३ बाभाकें बेरमें उपडसी वा वांनें मार नांखसी । ओर
म्हारा नांवमुं थे अगलांमुं घिनाया जासी लेर सबें छेवका

Digitized by Google

१४ तोडी जेंमी जो उचार माओ। और थे जद वेरान
करखवालो घिनायोडो वसतनें विगरविवेज ठाहमें देषो
कें जीकेंफास्यदामें दानियल् निर्मातियांसुं कयोगे जको भयो
ढें सो समभें तद जको यिऊदाह् देसमेंढें वें परबत उपर
१५ दौडिया वां जको भूंफा उपर ढें उ भूंपामें न उतरें
१६ वा आपका भूंपासुं कुंई लेवणेइ न घसें और जको
१७ षेतमेंढें उ आपकें गाभा लेवनें न भटकें। लेर संताप वानें
जे जका उं वेला पेटमुंढें वा जका दूध पावेंढें और याचना
१८ करो कें थांको दोडनो सीयालामें मतीऊवो। क्योंक भग
१९ वान जका सिसट करी उंदें पेंलडाला अवारतोडी जिसी
तोसीक कदेइ नढी वा कदेइ वइ ऊसी तोसीतोसोक वा
२० दिनांमें ऊसी। और अर भगवान वें दिन ढोटा न किया
ऊवा तो कोंसीवबालाको उद्धार नऊतो लेर अरावछ
बालविंई कें जियांनें उं सरायाढा उं वेंदिनानें ढोटा
२१ करिया। उं वेला अर कोई थानें कें देषो अठें
२२ सीषढे वा देष उठेंढे तो भरोसो मतो करो क्योंक कूडा
सीष वा कूडानिमतिया उपडसी वा अढेराकांम वा बिसं
मयकरणवाला कांमांनें देषासी कें अर होणहार ऊवे
२३ तो अरावणियांनें भुलासी लेर थे निर्षेवान देषो में
२४ पेंलडो थानें अगलो कयो। लेर वां दिनामें उं
तोसीक पढें सूरज अंधारो ऊजासी वा चंद्रमा आपकी
२५ चांनणी नदेसी वा आकासका तारा पडसी वा सरग
२६ गको बल हिलायो जासी। वा तद आदमीको डावडो
आकासका मेंमें मोटो बल वा तेज भेलो करियो आवतोडो
२७ देषियो जासी। और तद उ आपकें हलकारानें मेलसी
वा चोवायो वायरो वा धरतीकी सींवसुं सरगकी सींव
२८ तोडी सरावणीयांनें भेला करसी। अबें अंजीरका रंषसुं
यक परषो सीषो जद उंको डाकी गींली ऊवेंढे वा पुंट

२९ काठेगें तद जांणें कें उनाळाको रित नेडीगें। येपिण जद
वांको होवो देषो तद जांणो कें उ नेडो बारणाकनेंपिण गें ।
३० जं थांनें साच कउंहुं कें इं बेळाकं लोग वें नजासी जठा
३१ तोडीं आं सगळो नजवेगे । आकाश वा धरती वें जासी
लेर म्हारी कथा वें नजासी लेर उंदिन वा उं बेळाकी
३२ कोइं नजांणेंगें सरगका हलकारा वा डावडापिण नजांणेंगें
३३ लेर थालो भभो जांणेंगें। निर्धवांन थेरो राषो वा
याचना करो क्योंस थे नजांणोगें कें वा बेला कद ळसी ।
३४ जिसो परदेश जाणवालोआदमी आपको भूंपो छेडेगें
वा कोठा आपकें घडसियांकनें भलावेंगें वा कुणकोई लोगांनें
आपकोआपको कांम देवेंगें वा पोळियानें थेरो देणनें आगि
३५ या देवेंगे उ रीतीना तिसो । इंवेइं थेरो राषो क्योंस थे
नजांणोगे कें जीं बेळा भूंपाको धणी आसी कांइ सांभियानें
वा दोयपोरांरातनें वा कुकडाकी बोलणकीबेला वा
३६ परभात कांइं जांणें कें अकस्मात् आयर थांनें सूता
३७ लाधे । जको जं थांनें कउंहुं सो सगळानें कउंहुं कें
थेरो राषो ।

१४ चौदमो पांनो ।—दोयदिन पछें पेशाख् वा बिगर
षाटाकी बाटीकी बेला छी वा बडाप्रोहितांसुं वा कानुगांसुं
सोभना करी कें जींवरें तोलसुं उनें अपर मार नांषा ।
२ लेर वां कयो कें तिंवारकं दिन नहीं कांइंजांणा लोगांकें
विचाळें वेंदो ळसी ।
३ अेर वें बेतांनीयामें शीमनकोढीकें भूंपामें रेता वा
षावणनें बेंठता एक रंड आइं कें जीकेंकनें धोळाभाठाकी
एक डबी षोषोपरषकी सियारावाळीका तेलसुं बोळीगो
थार उं उंधोळाभाठाकी डबी भांजर उंकें माथाउपर
४ कुढी । अेर किणी लोगां आपकेंआपकें विचमें

Digitized by Google

रीस करी वा आ कथा बोलीया कें लेखको ओ नुकसान कुं है
५ कोंस ओ तेल तीन सें पावबासें बेचियो वा भियारियांनें
दीनो जाय सकतो ओर वां उंनें कायदामें चकर करी।
६ लेर यिसु कयो कें उंनें आंबदो कों उंनें वासीस देवो
७ गे उं म्हारें उपर साउकांम करियो। कोंस भिया
रिया रोजीना थांकें भेलाहें वा जद चावो जद बांको भलो
८ कर सकशो लेर ऊं थांकें भेलो रोजीना नहुं। उं जको
अकियो सो करियो उ घोरमें देंबवेई म्हारें डोलमें मसलव
९ नें अगाडि आई। ऊं थांनें साच कउंहुं कें सगला संसार
में जठेंजठें भें मंगलिकवातां ढंढेरो फेरियो जासि ई जको
करिया वें उंकें यादवेई कया जासी।
१० ओर यिहुदाह् स्कारियोटा बारें चेलामें एक लोग
११ उंनें वोतसुं भलावबवेई बडाप्रोहितांकनें गयो। वें
सुबर राजीगा वा उंनें रुपया देंबनें कुबाल कोनो ओर
उं उंनें तोतसुं भलावबवेई ठावपी सोभी।
१२ ओर बिगरखाटीबाटिके पैलडें दिन पेमाख्के मारबकी
वेला चेलां उंनें कयो कें तूं कांई चावेहें कें म्हे जायर थारें
१३ खांब वेई पेसाख् तयार करां। ओर उं आपका दोय चेला
न मेलिया वा वांनें कयो कें नगरमें चालो ओर पांनीको
मंघलोयो उचबवालो एक आदमी थांकें भेलो मिलसी
१४ उंकें पिछाडिर जा। ओर उ जठें घसें भुंपाकें धणीनें
कहो कें वधांलोक कैहें कें जीमबको घर कठे कें जठें ऊं
१५ आपका चेलांभेलो पेसाख् खासुं। ओर उं थांनें
धुंटियोडो वा तयारकरयोडो एक मोटो मालियो देखासी
१६ उठे म्हांकें वेई तयारी करो। ओर उंका चेला गया वा
नगरमें पोंता वा उं जिसिदो वांनें कयोहो तिसो पायो
१७ वा पेसाख् तयार करी।

१८ ओर संभिया होबसुं ड बारें चेला भेलो आयो। ओर वें
बेठता वा जीमता यिसु कयो कें ज्ञं थांनें साच कउंछु कें म्हारें
भेलो जीमबवालो यक लोग मनें वेरसुं पयडासी।
१९ ओर वें दुःखी होवा लागा वा आपसमें उनें केंनलागा कें उ
२० कांई ज्ञं वा दूजानें कयो कें उ कांई ज्ञं उ उथलो देर वांनें
कयो कें बारें जनामे विचाले जके म्हारें भेला थालमें हाथ
२१ घालेंछें उ आदमी। आदमीका डावडा जिसो उंबें
फायदामें लिखियोछें तिसो जावछें सही लेर संताप उ
मानखनें कें जीसुं आदमीका डावडा भलाया जायछें उ
आदमीको पेदो ज्ञलो कें अर उ जनम नलेतो।
२२ ओर वांकें जिमनेसुं यिसु बाटी लेर सुत करर भांगी
२३ वा वांनें दीनो वा कयो कें लेवो खावो ओ म्हारो डीलछें।
२४ ओर बाटको लेर उं सुतकरर वांनें दीनो ओर वा सगला
उंसुं पीयो ओर उं वांनें कयो कें ओ नवोसरवंत ठिकाणे
करनें म्हारो लोईछे कें अर मोकलांविई कुछियो जायछें।
२५ ज्ञं थांनें साच कउंछुं कें ईं बेलासुं जठातोडि भगवांन
कें राजमें उनें नवो नपीयुं उं दिनतोडीं ज्ञं अंजीरसु
२६ उपजेडि किसीवसतनें न पीसु। उं पछें वें स्तव गायर
जैतानकें परबत उपर गया।
२७ ओर यिसु वांनें कयो कें ईं रातमें थे सगला म्हारें
फायदामें अटकसो क्योंक लिखियोछे कें ज्ञं गोरालियाः
२८ मारसुं वा गाडरा बिखरबिखर जञ्जासी। लेर म्हारें
फेरउठबवें पछें ज्ञं थांकें अगाडी गालिलिमें चालसुं।
२९ ओर पितर उंनें कयो कें अर सगला अटकै तोपिण ज्ञं न
३० अटकसुं। ओर यिसु उंनें कयो कें ज्ञं तनें साच कउंछुं
कें आज ईं रातका कुकडाकें दोबेला बोलबवें अगाडी तुं
३१ म्हारें फायदामें तीनवार फिटकार करस्री। लेर
उं ओरपिण करडो जयर कयो कें अर थारें भेली मारी

मोत क्यै बोपिस थारैं कायदामें कदेई नहीं फिटकार
करसुं ईसो सगळांपिस कयो ।
३२ ओर उ एक जागामें पोंचा कें जींको नांव गेतसेमनी
ओर आपका चेलांनें कयो कें ऊं याचना करुं जठातांई
३३ अठें बैठो । ओर उं आपकें भेळो पितर वा याकुब वा
योहन्नें लीनो ओर अन्देआकरब वा मोकळो दुःखि होब
३४ लागो । वा वांनें कयो कें म्हारो मन मरबवाळो मोकळो
३५ दोरीछे अठें रहो वा पोरो देवो । ओर थोडा अळगा
जायर उ माटीउपर पडियो वा याचना करि कें कर जब
३६ सकें तो इघडी उंसुं आवें । ओर उं कयो कें हे आबा
अर्थात हे बाप सगळा तनें होसकें छे यो बाटको म्हारें
सुं लेजावो लेर ऊं अवो चाउंछु सो नहीं लेर तुं अवो चावें
३७ छे सो होवे । ओर उ आयो वा उंनें नीदमें लाधो वा पित
रनें कयो कें हे शीमन् तुं कांई नीदजावेछे कांई एक
३८ घडीपिस पोरो देय न सकियो । पोरो दे वा याचना
कर कें तुं किसतमें नधसें मन त्यार छे साच लेर डील दुब
३९ ळो । ओर उं दुजीवेळा जायर वें ईबातां केर याचना
करी उं पछे उं मोडर वांनें फेर नीदमें सुतो लाधो
४० क्योंस वांकी आंखिया घुटरइछी ओर वां नजांणियो कें उंनें
कांई उथळो देवां ओर उ तीजीवार आयो वा वांनें कयो कें
४१ बाकीनींद पूरी करो वा चेन गुजारो बस सगळा मोकळाछे
वा वेळा आइ छे देखो आदमीका डावडा पापियांकें हाथमें
४२ पकडाया जायछें । उठो म्हे जावां देखो लेतवाळा नेडाछें ।
४३ उंहि वेळा उंकें केयनें बारै चेलांको एक होम यहूदाह
आयो ओर तरवार वा लाकडी भेळी लेर बडाप्रेहितां
सुं वा कानुगांसुं वा वडेरांसुं मोटी जमातपिस उंके भेळी
४४ आई । ओर उंनें झलावणवाळा आंकेर वांनें गांधी
करी कें ऊं जींनें चुमुं वो उ छे उंनें पकडो ओ मिळे

Digitized by Google

४५ पानीसु बेजावो। चोर चायर उ वेगो उंकेकनें आयर
४६ उंनें कयो के हे गुरां हे गुरां वा उंनें चुसो। चोर वां
४७ उंके उपर आपको हाथ दीनो वा उंनें कपडो। चोर वेंडा
रखवाला एक आदमी पावी वोवर बडाप्रोहितांके एक
४८ चाकरनें मारियो वा उंको कांन काटनांखियो। चोर
यिसु उथलो देर वांने कयो के जिसो चोर उपर विसा
थांके काई पातीसु वा लाकडोसु मनें चपडखनें आया
४९ छो। जं सदाई थांकें नेंडो देवरामें भखातो हो जेर
५० थे मनें न चपडो छो जेर चो जवोछें के धरमसास्त्र पुरो
५१ होजावे चोर सगला उंनें छोडर दोडा। चोर एक
मोटियार लोग उंके पिछाडीर चायो के जींका नागा
डीलउपर एक गाभो पछेटियो छो वा मोटियारां उंनें
५२ चपडियो। चोर छ गाभा छोडर उ वांसु नागो
दोडियो।

५३ चोर वां यिसुनें बडाप्रोहितकनें लाया चोर सगला
बडाप्रोहित वा बडेरा वा कांनुगा उंके भेला जमाछां।
५४ चोर पितर चलगासु बडाप्रोहितांके भुंपालोडी वांकें
पिछाडिर गयो वा वासदेके नेंडो घडसियां भेलो बेंठर वा
५५ सदे सेकख लागो। चोर बडाप्रोहितां वा सगला पांचिया
५६ यिसु उपर मारखवेर तोभियो जेर किथोनें नलाधो। मोक
चानें उंके वेरमें कुडी आयदी दीनी सही जेर वांकी आयदी
५७ एक सरखी नछो। चोर कितीर उभा जयर चाकेर
५८ उंकें उपर कुडीआयदी दीनी के म्हे उंनें चा केतो
सुखियो के जं यां हातांका बखायोडा देवरानें भांजसु वा
तिन्‌दिनमें बिगरहातसुंबखायोडो दूजोदेवरो बखाअकसु।
५९ जेर तोपिख वांकें आयदी एक सरीखी नछो। चोर
६० बडाप्रोहित विचालें उभा जयर चा कथा केर यिसुनें
पुछियो के तूं काई क्युंहि उथलो नदेवेंछें वे थारें उपर

Digitized by Google

६१ कांई आग्रदी देवैंछै। ओर उ अबोलो रयो वा क्युंहि
उथलो नदिनो दुजीवेला बडाप्रोहितां उंनें पुछियो वा
उंनें कयो कें तु कांई धन्यको डावडो खीष्टछै ओर यिसु
६२ कयो कें हं हुं ओर थे आदमीका डावडानें बलकें जीवणी
६३ बैठता वा आकासकें मेमें आता देषसो। ओर बडा
प्रोहित आपको सिणगार फाडर कयो कें म्हानें आयदीयांकी
६४ ओर कांई गरजछै थे उंको उलंठपणो सुणियो थे कांई
बिचार करोछो ओर वां सगलां उंनें कयो कें उ मरबे
६५ लायकछै। ओर कोईर उंकें उपर थुक नांखणें वा उंको
मुडो ढकणें वा थपेड मारणें वा आ कथा केंण लागो कें
भिमितियांकी कथा कें फेरपिण बडसियां उंनें थपेडा
मारियो।

६६ ओर पितर हेठे बारमालीमें रेणसु बडाप्रोहितांकी
बडारणमांसु एक आई वा पितरनें वासदेकनें सेकतो
६७ देषर उंके उपर दिसट करी वा उंनें कयो कें तुंपिण यिसु
६८ नासरेतके भेलोछो। ओर उं आ केंर फिटकार करियो कें
जींकें फायदामें तुं केंछै उंनें हुं नजांणु हुं ओर उ गोवामें
६९ बारणें गयो वा कुकडें बांग दीनी। ओर दुजीवेला
एक बडारण उंनें देषर नेंडारैंणवालानें केंण लागी
कें ओ वांको एक लोगछै उं दुजीवेला फिटकार
७० करियो। थोडावेला पछै दुजीवेला नेंडारैंणवालां
पितरनें कयो कें ठीक तुं वांको एक लोग छै क्योंके
तुं गालिलिको लोगछै वा थारी कथापिण डसीछै।
७१ ओर उ फिटकार देण वा सुंस काढण लागो कें थे जीं
७२ लोगकी कथा कोछो उंसुं हुं जांणकार न हुं। ओर
दुजीवेला कुकडें बांग दीनी ओर यिसु पितरनें जको कयो
छै कें कुकडाकें दोयबार बांगदेणकें पेलडा तुं मनें तीनवार

Digitized by Google

फिटकारओ उंको आवथा मिलर चिताए ओर उ उंवें चितारर रोयो ।

१५ पनरमो पांनो ।—ओर भट प्रभाते बडाप्रोहितां
का बडेरां वा कावुंगा वा सगला पांचियाके भेलो सला
करी ओर यिसुनें जडर लेगया वा पीलातकनें भला
२ दीयो । ओर पीलात उंनें पुछियो कें तूं कांई यिहूदि
३ यांको राजा छे उ उथलो देर कयो कें तूं केंछे । ओर बडा
प्रोहितां उंको चाडि करी ओर उ कुंहि उथलो नदी
४ नो । पीलात दूजीबेला आ कयर उंनें कयो कें तूं
कांई कुंहि उथलो नदेवेंछे देख वें कित्ती आयदो थारा वैरमें
५ देवेंछें । लेर यिसु तोपिण कुंहि उथलो नदीनो कें जींसु
पीलात अचेरो करियो ।
६ उं तिवारसुं उ वांकनें एक बंदीवाननें छोडवाकि रीत छे
७ कें वें जीं किनेंई चावें ओर बारव्वा नांमे एक लोग छें कें
जियां उंके भेलो बेधो करियो छे वा बेंधामें खुन कीयोछे
८ वांकें कनें केदछे । ओर जमात हेलाकरर विनति
९ करण लागा कें उं रकाना माफिक वांकें कनें करें । ओर
पीलात वानें आ कर उथलो दीनो कें थे कांई चावोछे
१० कें ऊं थांकें कनें यिहूदियांकें पातसाहनें छोडुं । क्योंके
उ जांणगयो कें बडाप्रोहितां खोटें सुभावसुं उंनें भलायो
११ छे लेर बडाप्रोहितां लोगांनें सिखायो कें उ वांकें कनें
१२ बारव्वानें छुडावें । लेर पीलात दूजीबेला उथलो
देर वानें कयो तो कांई चावो छे कें ऊं उंनें करूं कें जींनें
१३ थे यिहूदियांको पातसाह कवोछे । वां फेर हेला करिया
१४ कें उंनें हलवांणी उपर मारनांख । ओर पीलात वांनें
कयो कें क्यों उंनें कांई खांमी करी लेर वां फेर हेला
१५ करिया कें उंनें हलवांणी उपर मारनांख । ओर पीलात

Digitized by Google

लोगानें राजी करणनें चायर वांकें कवें बारव्वानें छोडियो
वा यिसुनें मार सुवायर रूखवाली उपर मारनवेइ
भलायो।
१६ श्रोर डीहवाखिया उंनें बारआलोकें चिपाल लेमयर
कें जींको नांव प्रेतोरियम् श्रोर सगलो लसकर वां भेळो
१७ बुलायो। श्रोर वां बेंगणियां रंगका गाभा उंनें पैराया
वा भिंटोरस्की टोपी बणायर उंकें माथा उपर मेली
१८ वा उंकें कनें वंनणा करण लागा कें हे यिहोदियांका
१९ पातसाह् वंनणा। श्रोर वां उंकें माथा उपर कामडी
मारी वा उंकें उपर थुकियो वा दानुं गुडोलीयां ऊपर
२० उंनें पूजीयो। श्रोर जद वां उंनें गोई कीयो तब उंसुं
वें वैंगणियां रंगका गाभा खोलिया वा उंको पोतावें वणाव
उंनें पेंरायो श्रोर उंने लेगया कें उंने रूलवाली उपर मार
२१ नांखां। श्रोर आलेक्सान्दर वा रूफस्का बाबा शीमन्
किरिनी एक लोग चोडासुं आयर उं मारगसुं जायछे
वां उंको रूलवाली उठावणवेई उंने बेगार कपडियो।
२२ श्रोर वें उंने गल्गता नांमें जागामें लाया कें जींको तंब
२३ माथाकी खोपरीकी जागा। श्रोर वां गन्धरस आमेज
दाखको रस पीवणवेई उंनें दानो लेर उं उंनें नपीयो।
२४ श्रोर वां उंनें रूलवाली उपर टेरर उंकें गाभावेई गोली
२५ वांटोकर बिराड कीयो कें कुण आदमी कांनें लेसी। श्रोर
तीजीबेला ऊई तद वां उंनें रूलवाली उपर टेरियो
२६ श्रोर उंको श्रो नांमीनांमो उपर लिख दांनो कें श्रो यिह
२७ दियांको राजा। श्रोर उंकें भेळा दोय चोरयिण टेरीयर
२८ गया एक उंकें जीमणो वा दूजो डावो। श्रोर जको
गिरथमें श्रो लिखियो छो कें बिगरश्रैनभेळो उ गिणीयो
२९ छो उ परवारियो। श्रोर उं मारगसुं जाणवाळा
आपकोर माथो धुणर श्रो कैर उंकी नींद करी कें हे

Digitized by Google

देवराका बिगाडकरणवाला वा तीनदिनमें उंनें फेर
३० उपावणवाला तूं आपको उधार कर वा हलवांणीसुं
३१ उतर। उंइतरें बडाप्रोहितांपिण कानुंगा भेला आपकें
बिचालें गोइ करर कयो कें उं ओरांलोगांनें उधार
३२ करियो आपको उधार नकर सकियो छै। यिस्रराएलको
पातसाह खीष्ट आबार हलवाणीसुं उतर कें म्हे देखां वा
प्रतीत करां ओर अको उंकें भेला हलवाणी उपर टेरिया
३३ छा वांपिण उंकी गोइ करी।
छठो घडी होणसुं नो घडीतोडी सारादेसमें अंधारो
३४ ह्वो। नो घडीकेबेलामे यिसु आ केर मोकला हेला करर
कयो कें हेएलाहीर लाम्मा साबाख्तनि अर्थात हे म्हारा भग
३५ वांन हे म्हारा भगवांन तें मनें क्युं छोडियो। ओर मेंडा
रैणवाला किसी लोगां सुणर कयो कें देख उ एलीयाहनें
३६ बुलावेंछै। ओर एक अणो भागर सिरकासुं संझ गडोयो
वा भुंगली उपर देर उंनें पायो आकेंर कें रैणदे म्हे देखां
३७ कें एलियाह उंनें उतारणवेइ आसी क नहीं।
३८ ओर यिसु मोटी चिसली मार जीवदोनो। ओर
देवराको सिखर निचासुं उपरतोडी फाटर दोय टुकडा
३९ ह्वो। उं इसा हेला करर जीव दीनो एक सोसिबेंदारां
को धनी कें अको उंकें अगाडी रयो उं आ देखर कयो
४० कें साच ओ आदमी भगवांनके डावडो छै। अबलामासुं
देखणनें कोइर रंडपिण उभोही वांमें मारिया माग्दालेनी
वा नांना यअकुब् वा योसीकी मा मारिया वा सलोमी
४१ कें जद उ गालिलिमें छा तद उंकें पिछाडी गइ वा उंकी
चाकरी करी ओर मोकली रंडपिण कें अके उंके भेलि
यिरोसलम्में आइ।
४२ ओर त्यारीकरणको दिन ह्वो कें अंको अदीतवा
रकै अगाडी इंसुं संझिया होणसुं आरिमातियाका युसफ

४२ आवहवाळा मथान कें औं भगवानकें राजकी वाटजोवतो
ऊ आयर निडरसुं पिलातकनें मयो वा यिसुको डील मां
४४ ग्यो। ओर पिलात् अचेरो करियो कें ऊ तवो मरीयोग्गो
ओर एकसोसिपेंदारांका मधोनें आपकें मेंडो बुलायर
४५ पुछियो कें ऊ कितीवारसुं मरियोग्गें। ओर एकसोसि
पेंदारांका मधोसुं वा मावयरो युसफ्नें ऊ डील दिवो।
४६ ओर ऊं मोंगाभा मोललीया वा उंनें उतार गाभासुं पले
टियो वा भाठामें षोदियोडो एक घोरमें उंनें राख्यो वा
४७ घोरका मुंडाऊपर एक भाठो घेपियो। ओर मारिवा
माग्दलीनी वा योसिकी माउ मारिया देख्यो कें कठें ऊ रा
ख्योग्गो।

१६ सोलमो पांनो। ओर अदीतवार होवासुं
मारिया माग्दलीनिनें वा यकूबकी माउ मारिया वा
सलोमी मसाला मोल लीना कें आयर उंनें लगावां।
२ ओर मोटेंप्रभात अदीतवारके पैलडा वें सुरजउगवाकी
३ वेला घोरकेनें आई। ओर वां मांयोमांय केवा लागी कें
४ घोरका मुंडासुं भाठानें म्हांकेवेई कुण गुडासी। ओर
दिसट करर वां देख्यो कें भाठो घोरका मुंडासुं गुडावोडो
५ हें ऊ भाठो मोवडो मोटोग्गो। ओर घोरमें उतरर
वें जीमणीकांनी बेंठो वा धोलोसिणगार पैरोडो
६ एक मोटियारनें देख्यो वा डोदी। ऊं वांनें कयो कें
मतीबीहो थे क्रुसवालोऊपर मार्योगयो यिसु नाजरेन
नें सोधोहो ऊ उपडियोग्गें ऊ अठें नग्गें औं जागा वां ऊं
७ नें राख्योग्गो उठें देषो। ओर जावो उंका चेलानें वा
पितरनें कहो कें ऊ गालिलिमें थांकें अगाडी जावेंग्गे ऊं

Digitized by Google

८ जिसो थानें कयो ग उसो उंनें देवशो। ओर वें
भाट बारवें आई वा बोरसु दोडी कोस वे बुशी वा
चलेरो करियो वा किकिनें कुंइ नहीं कयो कोस वे
बिहीगी।

९ अठवाडाके पैलडा प्रभातकी बेला यिसु उपडव
पछें पैलडा मारिया माग्दलिनिकेंकनें देखाइदियोगे वे
१० जींसु सात भूतानें कडायाग्रा ओर अके उंकेंभेला
११ रोताग वा भुरताग वानें उं जबायो। ओर
वां अद सुबर के उ जीववो छें वा उंसु देखोगे तद प्रतीव
नकरी।

१२ इं पछें उ दुजाउषिशारासु वाबें बिजा दोय आदमियां
१३ कनें देखोगे कें अके देशमें जावता ग। वा वां जायर
१४ दुजानें जबायो बेर वां वांकी कथायिब न प्रतीतकरी। उं
पछें इग्यारें चेला जीमणनें बेठसु उ देख्योगे वा वांके
गेरप्रतीत वा करडाईवेइ वानें बोहायों कोस उंके उ
१५ ठश पछें उंनें जीयां देख्योगे वां वांनें प्रतीत नकरी। ओर
उं वांनें कयो कें सगलासंसारमें जायर मंगलीकवातां
१६ सारोषजकनमें ढंढेरो फेरो अको प्रतीत करें वा कुबी
दिरायोडा ऊसि सो उधार पासी ओर अको ने प्रतीत
१७ करसि सो नारकीमें तासोस पासी। ओर प्रतीत
करणवालांकें पिछाडि अे लचण आसी वें म्हारा नांवसुं
१८ भूतानें कडासी वें नवीबोली बोलसी। वें सांपानें
उपाडसी वा जको मरणकी किशी वसतकों पीसी तो
वा वांको कुशेखवाल नकरसी वें मांदा उपर हाथमेलसुं
वा वें ताजा ऊसी।

१९ ओर प्रभु अो सगलो वांनें कयां पछें सर्गमें लेग
२० योडा ऊसो वा भगवांनकें जीमणा बेठो। ओर प्रभु

Digitized by Google

थांकें भेलो कांमकरर वा पाछे थावणवाला वमयांसुं कथा निश्चयं करर वां निकवर साराेजागा ढंढेरो फेरियो। आमिन।

Digitized by Google

मंगलसमाचार लुकरचित।

१ पैहलो पांनो।

१ पहलो पांनो।—म्हांकें बिचाले मेंटीप्रतीतकियोड़ी
जका कथा वा कथा जिसी म्हांकेंकनै वांसुं भलायोड़ी छै
कें जका पैलड़ासुं कथामें आंपतोसायदी वा हुकेरो फेरय
२ वाळाहा वोंसा रितकें लायक मोकळालोग लिखण लागा
३ इंमें मैं तेयोफिलस् महाराज जंपिय पैलड़ासुं यांसगळांमें
चोखी जांचकर जयें तनें रीतसुं लिखणो ठीक जांण्यो कें
४ तुं जीं कथामें सिखायोड़ोछै उंकी हारद जांणे।
५ यिहुदाह् देसमें हेरोद पातस्याकें दिनामें आबीयाह्कें
वारिकें जाखरियाह् नांवआदीक एक पारख छो और उंकी
वउ हारूनकी डावड़ियांमें छी उंको नांव एलीसबाथा।
६ वे दोन्युं भगवानकी सगळी आग्या वा नीवकें बिगरघांमी
७ सुं रायर भगवानकें सांमा सिध छा। और वांकें
कोई डावड़ो नछो क्योंके एलीसबथा बांझछी वा दोन्युं
८ मोकळा दिनाका होगछा। और आपकी वारीयामें
भगवानकें सांमो पारखका कांम करणसुं पारखकें कांम
९ करीयो यिहुदका देवरामें बड़र उंकें धुप खेवणको कांम
१० छो। और लोगांकी सगळी जमात धुपकीबेळा
११ याचना करता थका बारणें छा। यिहुदको एक
हलकारो उंकनें दीखियो छो कें जको धुपकें चवरीकी
१२ जीवणीकांनी ऊभोछो। और जाखरियाह् देखर बीहो

Digitized by Google

१३ वा रिग्या उंकें उपर पडियो । लेर हलकारें उंनें कयो
कें हे जाखरियाह् मती बीह क्योंम थारी याचना सुणीजी
वा थारी बउ एलीसबत्रा डावडो जणसी वा उंको नांव
१४ तु योहन् देजी । ओरपिण तनें राजो वा आनंद ज्जी
१५ वा उंकें जणणसुं मोकला लोग राजो ज्जी । क्योंम उ
यिज्ञहकें सांमी मे.टो ज्जी वा दायको मोद वा दारू
नपीजी वा आपकी माउका पेटमें रैणकोवेलासुं धर्म्मात्मा
१६ सुं पुरो ज्जी । वा यिस्रायल्का डावडाकें मोकलांकें
१७ उ वांकें भगवान यिज्ञहकांनी मुडासी । ओर बाभाका
मननें डावडाकांनी वा नईमांनणवालानें सिधांकें ग्यान
कांनी मुडावणबेई वा त्यारकयोडालोगांनें भगवांनबेई
त्यारकरणबेई उ एलीयाहकी आत्मा वा पोंचमें उंकें आगें
१८ चालसी । ओर जाखरीयाह् हलकारानें कयो कें ऊं
कोंतरें आ जांणसुं क्योंम ऊं डोकरो छुं वा म्हाकी बउ मोकला
१९ दिनांकी ज्ईछै । ओर हलकारा उंनें कयो कें ऊं भगवान
कें सांमी उभणवालो गाब्रिएल् छुं वा तनें कैणनें वा ये
२० मंगलिकबातां तनें देननें मेल्योडो छुं । ओर देख जठा
तोडी यें कांम पूरा नई ज्वें वठा तोडी तूं गुंगो वा नबोल
सकणवालो ज्जी क्योंम तें म्हारी कथा उपर प्रतित नकरी
२१ कें जका आपका वेलामें परवारी जसी । ओर लोग
जाखरियाह्कि बाडजोताछा वै वा उंकें इति वेला देवरामें
२२ रैणकी अचेरो करियो । ओर उं निकलर वानें कया
कैण न सकियो ओर वें जांण गया कें उंनें देवरामें दरसन
२३ दीठो छो ओर उं वांकनें सांनी करी वा गुंगो रयो । ओर
उंकें पूजाका दिन पूराज्वा पछें उ आपकें झूंपें गयो ।
२४ इंपछें उंकी बउ एलिसबत्रा आधानसुं ज्ई वा आ कया
२५ केर आपनें पांडब मास छिपि । कें भगवान आंदिनां म्हारी
निंदंछना लोगांकें विचाखें उपाडणबेई म्हारें उपर द्रस्टी

Digitized by Google

२६ इछवरी। छठें मास गाब्रिएल् हलकारो भगवानसुं
नासरेत नांवआदीक गालिलिकें एक नगरमें दाउदको
२७ घरवार युसफ नांवआदीक भेलो सगाई कयोडो एक
डावडीकनें मेलियोडो छे उं डावडीको नांव मारियां।
२८ ओर हलकारें उंकनें आयर कयो कें हे मोकलीकृपा
मिळणवाली जुहार भगवान थारे भेलो छें तूं लुगायोंकें वि
२९ चालें धन्य। वा उंनें देषर उंकी कथासुं मोकळी बीही वा
३० चींत करी कें उ कींतरेंको जुहार। ओर हलकारें
उंनें कयो कें हे मारिया तूं मती बीह क्योंस तें भगवान
३१ कनें कृपा लाधी वा देष तूं आधानसुं झमी वा डावडो
३२ जणसी वा उंको नांव यिशु देसी। उ मोटो झसी वा
सगळांसुं मोटाकें डावडानांवसुं प्रतापीक झसी वा यिऊव
३३ भगवान उंका बाभा दाउदको तषत उंनें देसी। वा
उ याकुबकें कुलमें रोजीना राज करसी वा उंकें राज
३४ को पार नझसी। ओर मारिया हलकारानें कयो कें ओ
३५ कींवरें झसो क्योंस ऊं मोट्यारनें न जाणुं। ओर
हलकारें उथलो देर उंनें कयो कें धर्म्मात्मा थारें उपर
आसी वा सगळांसुं मोटाकें पोंच थारें उपर छाया करसी
इंसुंपिण जको पवित्र पुरुष थारेंमुं उपजसी उ भगवां
३६ नको डावडो प्रतापीक झसी। ओर देष थारी गुतणी एलि
षबआपिण डोकरीपणामें डावडो पेटमें राष्योछें वा
३७ जका बांझ केंताछा उंकें छठोमास ओछे क्योंस भगवान
३८ कनें काईं कथा न सकणवाळो नछें। ओर मारिया
कयो कें देष ऊं भगवानकी बडारणछुं थारी कथा
सरीषो म्हारें उपर वो ओर हलकारा उंकनासुं गया।
३९ ओर उंदनसुं मारिया उठी वा परबतीदेसमें बेगीं
४० यऊदाइका एक नगरमें गईं। वा जाखरियाइकें झूंपामें
४१ वडी वा एलिसबआनें जुहार कयो। ओर झसोछे कें जद

Digitized by Google

एलीशबबा मारियाको मुजरो सुणियो तद डावडो उंका
पेटमें कुदियो वा एलीशबबा धर्मात्मासुं परवारी गई।
४२ वा मोटा सादसुं ऐसा कररं बोली के लुगायांकें बिचमें
४३ तूं धन्य छै वा थारा पेटको गर्भपिण धन्य छै। और
मनें ओ कठासुं व्हेवो के म्हारें प्रभुकी माउ म्हारेंकनें आई
४४ छै। क्योंस देष जद थारें जुहारकी बोली म्हारें कांनमें
४५ भींव्यो तद म्हारें पेटमें डावडो राजीसुं कुद्यो। वा प्रतीत
करणवालीपिण धन्य क्योंस विजहसुं कयोडीबातां सगली
व्हेसी।

४६ और मारिया कयो म्हारो जीव भगवांननें मोटो जाणे छै।
४७ वा म्हारी आत्मा म्हारें उधारकरणवाला भगवानमें
४८ चैन गुजारें छै। क्योंस उं आपकी बडारकवें गरि-
बाई उपर देखियो क्योंस देष इंवेलासुं सारी पीढि मनें
४९ धन्य कैसी। क्योंस जको पोंचवान छै उं मनें मोटो काम
५० करियो वा उंको नांव निरमल छै। वा जके उंनें बीहें
५१ छै वांकेंउपर उंकीदया पीढीदरपीढी छै। उं आपका
हाथसुं जोर देषायो उं गुमानीआदम्यानें वांका मनका
५२ मनसोबासुं विषरविषर कया। वांकें पाटसुं उं पोंचवालानें
५३ नमाया और म्यारियाजोगांने उंचा करिया। उं भुषानें
चोषीवस्तांसुं धपाया ओर मायावालानें षालीहाथां छोडि
५४ या उं जीसियो म्हाकें पितरलोगांकेकनें अथवा आबराहम्
५५ वा उंकें कुलनें कयो छो तीसी आपकी दया रेजीना
चितारणवेई आपका चडणिया यिसराएलनें उपगार
करियो।

५६ और मारिया तीनमासकें आसरें उंकें भेली रई उंपछें
५७ आपकें भूंपें आई। और एलीशबआकें व्यावणको बेला पूरी
५८ व्हई और उं डावडो उपजायो। और उंकें पाडंसांनो रैण

Digitized by Google

धाळी वा कदिखी सुखियो कें यिऊह उंवें उपर आपकी
५९ किरपा मोटो करी वा वां उंकें भेळी राजी करी । और
हुसी गे वें वें आठवें दिन डावडाकी सुनतकरवनें आयर
उंवें बाभाकें नांवहसे उंको नांव जाखरियाह् दीनो ।
६० और उंकी माउ उथसी देर कयो कें श्रो नहीं बेर उ
६१ योहन् प्रतायीक हसी । वां उंनें कयो कें थारें कनी
६२ जामें कोई आदमी श्रो नांव नरावेगे । और वां उंकें
बाभानें साती करी कें उ उंको कांई नांव राख्यो चावेगे ।
६३ और उ एक पाटी मांगर आ कथा लीखी कें उंको नांव
६४ योहन् गे उंसु सगळा अचेरो करियो । और उंवीं
भेळा उंको मुंडो वा जीभ खुलगई वां उ कथा कई वा भग
६५ वांनकी बीनती करी । वा आरांकांनीरैयवाळा सगळा
ऊपर भय पडियो वां आ सगळी कथा यिहुदाहकें पर
६६ बतीदेसमें कही गई । और उ बीतरैको डावडो हसी
सुणवाळा सगळा श्रो कैंर आपकेर मनमें आ कथा
राखी और यिऊहको हाथ उंकें भेळोगे ।
६७ उंको बाभे जाखरियाह् धर्मात्मासु पूरोगे वां आ बैर
६८ निनितियांकी कथा कही कें यिसराइल्का धणी यिऊह्
धन्य कींसःउं आपका लोगां उपर दिसठ करी वा वांनें
६९ उद्धार कीयो । संसारकें उपजणकी बेळांसु आपके अबे
७० सुधनिनितिया गा वांकें मुंडासु भगवान जिसो आपको
घड सेवग दाउदकें कुलसु उं म्हांकें कारण उधारको सींग
७१ डो उपाडियोगे तिसो कयो कें म्हे आपका बैरियांसु वा
७२ अके म्हांकी गाई करेंगे वांकें हाथसु हमाती उबें वा म्हांकें
७३ पितरलोगांकनें छ्पा करें वा आपको धरमसरतंत्र चितारें
७४ अथवा म्हांकें बाभा आवरहाम्कनें उं अके सुंस खाछिगे कें बे

म्हांनें देस्रो कें म्हे आपका वैरियांसु छुडायर म्हे सगळोवयस
७५ तोडो उंकें अगाडी पविव्रतासु वा सिधतासु उंकी सेवा
७६ निडर जयर करां। और हे डावडा तूं समळांसु
मोटाका निमितियो प्रतापीक जसी क्योंस उंधो मारग
७७ त्यार करसवेई और भगवानकें अको मोठोअपासु
अांधारामें वा मोतकीछायामें बेंठसवालांनें चांनणो देव
७८ वेई वा म्हाकें पगांनें सळाकेंमारग बतावनवेई प्रभात म्हांकें
७९ उपरसुं देखो उं प्यारसुं आपणा लोगांकें पापोंके माफसुं
वांनें उधारकोग्यांन देसवेई तूं पिळछकें अगाडी जासी।
८० और डोवडो बध्यो वा आत्मासुं बळवंत ज्यो वा बिसरा
रळकनें आप धोडे होसतोडो ओळने रयो।

२ दूजो पांनो।—वां दिनांमें इसो ळो के सगळा
देसमें सगळांने पटोलिखसकी आग्या काईसरआगस्तसकें
२ पाठसुं निकल्यो। किरिनिया जींबेला सिरियाको हाकम
३ ळो उंवेळा आ पैंअला समस्वांनें पटोलिखनोळो। वा पटो
४ लिख्योजांसवेई समळा लोग आपकाऱनगरमें गया। और
युसफपिण सगाई करयोडी आपकी आधानवाळी बऊ
मारियाकें भेळो पठामें लिख्योजासवेई गालिलिसुं नाज
५ रेत नगरमें यहूदाह देसमें बेतलेहेम् प्रतापीक दाउदकें
नगरमें गयो क्योंस उ दाउदकें कुळ वा परवारसु ळो।
६ और वांकें उठें रैंसासुं इसो ळो के उंकें जणवेका दिन पूरा
७ ज्वा। वा उ आपका पैलडाडावडानें जणी वा उंनें
गाभासुं पलेट्यो वा उंनें कुंडामें मेल्यो क्योंस रांधसकें वां
वेई जागा नळी।
८ और उंदेसमें रुपाळा खेतमें रैंताळा वा रातका आपकें
९ माळामें पोरो देताळा। और देखो भिजळको दव

कारो वांकेकनें आयो वा यिजबूकें तेज वांकें घारा
१० कानी मानयो करयो और वें मोकला ओवा। और इस
कारें वांनें कयो कें सती होवो। क्योंस देखो अं मोटा घेस
देववालो मंगलिकवातां थांकेंकवें ल्याउंलु वें अबो सगला
११ लोगांवेई पिया आसो। क्योंस आब दाउदकें नगरमें थांको
१२ उधारकरयवालो ख्रीष्ट प्रभु उत्पन्न क्रवो ले। और
ओ थांकें कारया सेंनाया ले थे उं डावडानें गाभामें पलेट्यो
१३ वा कुंडामें सूतो आधस्यो। और भाट इलकारा भेलो
सरगका बजूरका मोत्तवालोग भगवांनकी वीनती
१४ करता वा ओ कथा कें नाला कें सगधांसु उपर भग
वांनकं खुसी वा धरतीउपर सला वा आदम्यांवानी
१५ प्यार वे। और इंसोलो कें जीवेला इलकारा वांकें
कनासु सरगमें गयाला पोराल्यां मांहोमांय कयो कें
अब चालो ने बीतलेहेम्में जावां वा अबो कवो अथवा
१६ यिजबू अबे म्हांनें जणाया वें कांम देखां। और वें
वेगा आया वा मारियानें वा युसफ्नें वा कुंडामें सुवोडो
१७ डावडो पायो। और देखर अबा कथा उं डावडाकें
१८ फायदामें वांनें कहेलो वाई कथा वा जोडें करी। और
अबा कथा पोराल्यां वांकेकनें कइलो उं कथाकें फायदानें
१९ सगला सुनेवाला अचरे कयो वेर मारिया आपका
२० मनमें आ सगली कथा राखी वा मनसोचो कर्यो। और
पोराल्यांनें जिसो कयो लो तिसो वां पोराल्यां अबो सगलो
सुनो वा देख्यो उंसु भगवांनको गुन बरतार वा थगर
करतार मुडगया।
२१ और डावडाको सुनतकरयानें अद आठवाडो पूरो कवो
अद पेटमें उत्पन्नहोयकें पेली जीसो इलकारासु कयोलो
२२ तिसो उंको नांव यिसु दीनो गवो। और अद मोसहूकी
तोरेत माफिक उंकें सुतको दिन पूरा क्रया जिदो यिजबू

२३ को तैरैतम लिखियोछै कें श्रबें कुजकोई लोग आधारनको
२४ मारग पोलैछे उ यिज्ञहकनें पवित्र ढसी तिसो उंनें
यिज्ञहकें सांमा देणवेई वा जिसो यिज्ञहकी तैरैतमें
श्रागन्या करीछी कें रालकाराजाकें जोडानें वा दोय कबुतरका
बचानें तिसो वाकजा देणवेई पें उंनें यिरुसलेम्में ल्याया।
२५ श्रोर देख यिरुसलम्में शीमीश्रोन्नांम आदोक श्रक लोम
छो उ आदमी सिध वां धर्मवालोछो वा यिस्रराएल्कें जमा
२६ धातरीकी वाडजोई वा धर्मात्मा उंकें उपर रयो। वा
धर्मात्मासु उंकेंकनें चोडें कयोछो कें उ यिज्ञहकें बीरनें
२७ देख्यां बिगर नमरसी। उ आत्मासु देवरामें आयो
वा यिषु डावडाकें माउ बाभा उंकेंपेई तैरैतकें रकांना
माफिक करणवेंकारण उंनें देवरामे ल्यांवणसु उ उंनें
२८ खोलामें लीनो वा भगवानकी स्तुती करी वा कयो कें हे
२९ धणी श्रबें आपकी कथासरिषो तुं आपका गोलांनें वार
३० सांसें विदा करैछे क्योंस थारेंमु कथोडा उधारनें म्हारी
३१ आंख्यां देख्यो कें जको तें सगलालोगांकें अगाडी त्यार कयो
३२ अथवा दूजादेशवालाफेंकनें चोडें करणको चांनणो वा
३३ आपका यिस्रराएल् लोगांकी स्तुती। श्रोर जका कथा
उंकें फायदामें कहिछी वांसु युसफ् वा उंकी माउ अचंरेरि
३४ कयो। श्रोर शिमीश्रोन् वांनें दवा दीनो वा उंकी
माउ मारियानें कयो कें देख यिस्रराएल्कें घणालें मोक
सानें पटकणवेई वा फेरउठावणवेई वा बैरमें कयो जाव
वाणासेंनाख होणवेई श्रो डावडो निश्चय कियोछें। श्रक
३५ पाली धारी आपकी मनांयस उरेंमहे जणी कणी कैं
मोकला मनाको सोच खोडें पें।
३६ श्रोर शिव आशरको परवार फानुएलकी बेटी आना
नवी छी वा मोकला वरसांकी छी वा कुंवारीपणासुं पवीनें
३७ भेली सातवरस रईछी। वा चोरासी वरसकें अटकली

हैंसीगी ओर देवरो मन्देहती ओर पीवष वा यावनासु
३८ रातरदिन भजन करती। ओर उं उंईबेळा आर भग
वांनकी स्तुतिकरी वा यिरूशलम्में जिता बेंगा उद्धारकी
३९ बाट जोई वांकनें उंकें फायदामें कयो। ओर यिहूदकी
तोरेत माफिक जद वां सगकी कांम परवाचा गा तद
वें गालिलिमें आपका नगर नासरेतमें मुडगया।
४० ओर डावडो म्यांनसुं पूरो जयर बध्यो वा मनमें सबळो
जगयो ओर भगवांनकी क्रपा उंकें उपर गी।
४१ बरसावरस पेसाम्में तिंवारमें उंका माउ बाभा यिरूश
४२ लम्में जाताग। ओर जद उ बारेंवरसांको गे तद
४३ वें तिंवारकें रकना माफिक यिरूशलम्में गया। ओर
दिन पूरा कयासुं वांकें मुडजांणकीबेळा यिसु डावडो यिरू
४४ शलम्मे रयो ओर युसफ् वा उंकी माउ नजांन्यो। ओर
उ संगोळ्यांभेळो रयो वा सलभार आपका कबीलांके
वा गोतीयांके बिचाले उंनें सोभवार एक दिनको मारग
४५ गया वा उंनें नलाधर उंनें सोभतार यिरूशलम्में मुड
गया ओर हैंसोगे कें तीनदिनकें पछें वां पंडितांकें
४६ बिचावें बैठर वा वांकी कथा सुणतो वा वांनें बुझतो देव
४७ रामें उंनें लाधो। ओर सगळासुणवाळा उंको
४८ समभसुं वा उथलासुं अचंभो कयो उंनें देखर अचंभो
कयो ओर उंको माउ उंनें कयो बेटे हे डावडा तें म्हानें क्युं
ऐसा कया देख थारें बाभे वा में दुःख पायर तनें सोभियो
४९ उं वांनें कयो के क्युं थे मनें सोभियो आपका बाभाको कांम
५० करबो कें मनें बिसेगे थे कांई उ न जाणियो। ओर उं
५१ जका कया वांनें कई वा वें नसुभिया। ओर उ वांकें भेळो
५२ गयो वा नासरेतमें पोंतो वा वांकें वस रयो ओर उंकी माउ
बै सगळोकथानें आपका मनमें राखी ओर यिसु ग्यानमें
वा उंचापमें वा भगवान वा आदम्यांकें क्रपामें बध्यो।

१ तीजो पांडो ।—तिबेरियस् काईसरको पातस्याई
करबके पंदरवरसमें पंतियस् पिलात् यिहूदाह्को
हाकम हुतो वा हेरोद गालिलिके चौथाईको हाकम वा उंको
भाई फिलिप् यितुराईया वा त्राखोनितिस् देसको चौथा
२ ईको धणी वा लुसानियस् आबिलेनिके चौथाईको धणी
वा हान्ना वा कायफा महापोहित हुता भगवानकी कथा
३ जाखरियाहके डावडा योहन्कने जंगलमें आया । और
उ पांमी माफबेई मनमोडवकी डुबी ढंढेरो फेरतो यर
४ दन्कै च्यारांकानी सगला देसमें आया । यिसाईयाह्
नबि तियाके पोथामें जिसी आ कथा लिखीछै के ओडमें
हेलाकरवा एक लोगको आ बोलबो के यिहूदको मारग
५ त्यार करो उंको गडारां पाधरी करो समली नीची
जागा पूरभरीजासी वा सगला परवत वा धोरा नीचा
कया जासी वा वांकीजागा पाधरी करी जासी वा उंची
६ नीची जागा चौकुणी करी जासी वा सगला लोग भगवान
७ को उधार देषसी । तद उंसुं डुबोदिराई जांबेई
निकल्योडी जमातनें उ कयो के हे सांपका कुल आवब
वालारीसनुं भागवाको सला कीं थांनें दीवी । तद
८ मनमोडवको लायक फल फलो वा आपके पिताके रैबने
मती टिको के आवरहाम् म्हाको वापछै क्योंके मैं थांनें
कउंछुं के भगवान यां भाठासुं आवरहामका डावडा उप
९ जाय सकैछै । और अबार कुवाडो रुंखको जडामें मेल्यो
जायछै ईसुं चोषाफल नफलववाला हरअेक रुंख काट ना
१० ख्याजासी वा वास्तेमें वगाया जासी । और जमात उनें
पुछियो के तद म्हे काई करस्यां उ उथलो देर वांनें कयो के
११ जींको दोयअंगरखीछै उ उंनें देवो के जींके नछै वा जींकै
१२ भोजनको वसछै उयिज असोई करो । और पटेलपिण
डुबोदिराईबाने आया वा उनें कयो के हे वषांणोकने

Digitized by Google

१३ काई करषो उं वांनें कयो कें थांकेवई जको ठीक कयोछै
१४ उंनुं वतो वधकर क्युंहि मती लेवो। और डीडवाल्यो
भी और उंनें पुछियो कें म्हे काई करषां उं वांनें कयो कें
जोरावरी मती करो वा कूडोडंडो मती देवो वा आपका
महीनामें राजी रो।
१५ लोग वाटवोजवाला वा समला लोग आपकेर मनमें
योहनका फायदामें व्योंत करताजा कें उ खीष्ट वा नहीं
१६ इंदें विचालें योहन उथलो देर सगलानें कयो कें जं साच
थांनें पांणीमें डुबी दिराउंछुं और म्हारेंसुं जोरवालो एक
लोग आवेछै कें जींकी मोजडीको कुंदो खोलवालायक
जं नहुं उ धर्मात्मामें वा वासदेमें थांनें डुबी दिरासी कें
१७ जींको छाजलो वांकें हाथमेंछै और उ आपका खलानें चोखो
चोखो करसी वा गोहं आपका कोठलियामें भेला करसी
१८ और ब बुझबवाली वासदेमें पारो बालसी। और उं
लोगांकनें दुजि मोकली बधा उपदेश कियो।
१९ और चोथाईको धणी हेरोद आपका भाई फिलिपकी बउ
हेरोदीयाके फायदामें वा हेरोद जका हुआ खोटा कांम
२० जीणाजा उंकें फायदामें पिछ डरायो जयर उ सगलां-वधे
कोपिछ कयो कें योहन्नें अटकमें राख्यो।
२१ और सगला लोग डुबी दिराई जबा पछे ईसोछै कें
यिसुपिछ डुबी दिराईजोवासुं वा याचना करनसुं स्वर्ग खुल
२२ गई। वा उ धर्मात्मानें उतरतो थको रातरागा
सरीखो पिवाम देख्यो वा आकाससुं एक वांणी जई कें जों
कयो कें तूं म्हारो वालोडाडो छै थारें उपर जं मोकलो
राजीमनछुं।
२३ और यिसु आप तीसबरसकें आसरें होवबागो जिको
२४ समझिवोकोछो युसफ्को डावडोछो उ हेलिको उ मात्ता
२५ को उ लिवीको उ मेलकीको उ यन्नेको उ युसफ्को उ

Digitized by Google

मातलीयको उ आमोस्को उ नाउम्को उ एस्लिको उ नागा
२६ यको उ माथ्‌तको उ मातलीयको उ सिमईको उ युसफ्को
२७ उ यिऊदाह्को उ योहन्नाको उ हेसाको उ जरबबेल्को
२८ उ सलातीएल्को उ नेरिको उ मल्किको उ आद्दिको
२९ उ कोसम्को उ आलमोदम्को उ एरको उ योसीको उ
एलीएजरको उ योरिम्को उ मातात्को उ लेविको उ सम
३० आउनको उ यिऊदाह्को उ युसफ्को उ योनन्को उ
३१ एलियाकिम्को उ मेलेयको उ माईनन्को उ मातातको उ
३२ नतन्को उ दाउदको उ यिसिको उ ओबेदको उ बोआज्
३३ को उ सलमन्को उ नह्‌सन्को उ अमनदाब्को उ
आरम्को उ हेस्रोम्को उ फारस्को उ यिऊदाह्को ।
३४ उ याकुब्को उ यिसहाक्को उ आबरहाम्को उ तेराख्
३५ को उ नाखोरको उ सारुगको उ रागआको उ फालेक्को
उ एबरको उ सालाको उ काईनन्को उ आरफाक्सद्को उ
३६ सेम्को उ नूह्को उ लामेक्को उ मतुसलाह्को उ खनोक्
३७ को उ यारदको उ मालालीएल्को उ काईनन्को उ एनोस्
३८ को उ सेतको उ आदम्को उ भगवानको डावडो ।

४ चेथो प्रानो।—और यिसु धर्मआत्मासु परवार यरदन
२ सु फेर गयो और आत्मासु जुसरामें ल्यायोजावणसु
चालीसदिन सैतानसु अजमाइस करीयोडोग और वां दिना
३ में उं क्युंहि न खायो वेंदिन पछे उ भूखो हुओ और
सैतान उंनें कयो कें अर तु भगवानको डावडोछें तो कें यें
४ भाठा बाटीयां हुजाय। और यिसु उंनें उथलो देर कयो
कें ओ लिख्योछें आदमी खाली बाटीसु न उबरसी अर
५ भगवानकी सगली बातासु उबरसी। और सैतान
उंनें एक उंचापरबतउपर लेजायर एक खिनमें संसार
६ की सगलो राज उंनें देखायो। और सैतान उंनें कयो

ई कं या समलीयोच या वाको प्रताप मनें देसुं क्योंके
७ मनें दीयोडो छै या जीनें कं देसचाउं उनें देवुं हुं इस
८ अको तूं म्हारी पूजा करली तो सगलो थारो छै। ओर
यिसु उथलो देर उनें कयो के हे शैतान म्हारैसुं अलगो
हे क्योंके लिखियोडो छै यिजड् थारें भगवाननें सलाम वा
९ वाली उंकी सेवा कर। ओर उ उनें यिरोसलाम्में लेगयो
वा देवराका एक कलस उपर बैठायो वा उनें कयो कै अठै सुं
१० भगवानको डावडो छै तो आपरूप निचे पड क्योंके ओ लि
खियोडो छै उनें बचावीकरबनें उ थारा कायदामें आपका
११ दूतकारनें आग्या देसी ओर वे आपका हाथसुं थनें
उपाडलो के तूं कीं वेळा आपका पग भाठा उपर न लगावें।
१२ ओर यिसु उथलो देर उनें कयो कै ओ कयोडो छै आपका
१३ भगवान यिहूनें मती अजमाय। उं पछै जींद सगली
अजमाय पूरीकरर थोडी वेळावेई उनें छोडी।
१४ ओर यिसु आत्माकी जोरसुं गालिलिमें फेर गयो वा
उंकें मोटो यश उं सगला च्यारांकानीका देसमें गयो।
१५ ओर उ सगलासुं मोटो नामवालाथर वांकें सिनगगामें सि
खायो।
१६ उं पछै उ नाजरेतमें पोतो के अठै पल्योछो वा आपका
रकाना माफक अदीतवारनें सिनगगमें गयो वा भणबनें
१७ उभो जवो। वा इसाईयाह् निमितियाबि पोथी उनें
१८ दीनी गी ओर पोथी खोलर उं उंजागां लाधी के अठै लिखि
योडो छै यिजड्को आत्मा म्हारैं उपर छै क्योंके उं गूंगरी
कनें मंगलीकवाता हुंडेरो फेरबनें मनें भेजाया दिनि छै
उं भागामनवालानें थडबनें वा केदीयानें छुटको वा सूर्या
की आंखां खोलबो हुंडेरो फेरबनें वा दियर्योड़ानें छुडावब
१९ नें वा यिजड्के कयवायकरवानें हुंडेरो फेरबनें मनें

Digitized by Google

२० मेल्यो। उ पछे उंयांथी नजर वां सेवाकरणवाळाने फेर
देर बैठो और सिनगगमें जिका लोगछा वां समबांकी
२१ आंख्यां उंकेउपर देखनवालोछे। और उ वांने केण लागो के
२२ आज ओ लिखोडो थांके कांनांमें पूरो हुवो। और सग
ळा उंकै फायदामें सायदी दीनी वा उंका मुंडासुं निकल्या
डो किरपाकी कथासुं अचंभो करियो वा कयो के ओ कांई
२३ युसफको डावडो नछे। और उं वांने कयो के थे ओ पर
चो मनें निसें कैशो के हे वैद आपाने ताजा करो कफरन
खममें कयोडा ज्यां कांमांकी कथा म्हें सुणी वांने अठे आप
२४ का देसमें कर। और उं कयो के हुं थांने साच कउंछुं
के कोई निमितियो आपका देसमें आगतभाव करयो न जा
२५ यछे। हुं थांने साच कउंछुं के एलीयाहुकी वेलामें
जद आकास तीनबरस वा छमहिना जड्यो छो वा मोटी
मुंगाई सगला देसमेंछी तब मोकळी लुगायां यिस्रराएलमें
२६ छी लेर सीदनको एकनगर सारेपामें एकलोग लुगाई
कनें विगर एलीयाहु वांके ओरकिणीकनें मेल्योडो न
२७ छो। और एलीसवका निमितियाकी वेला मोकळा
कोढी यिस्रराएलमें छा और नआमन आरामीविगर
२८ वांका ओरकोईमोखब ताजो कयो गयो नहीं। और
सिनगगमें जके मगळाछा वें आ कथा सांभळर रीससु
२९ भरगया वा उठर उंनें नगरसु काढियो वा जको परबत
उपर वांको नगर वसायो छो तके वगाददेणकेई उं
३० परबतके किनारे उंनें ल्याया लेर उ वांके विचालेसु
३१ चालेगयो और उ गालिलके एक नगर कफरनखममें
३२ आयो वा अदीतवारनें वांनें भणाया और वां उंके भणा
वणसुं अचंभो कयो क्योंके उंकी कथा पोंचसुं छी।
३३ और सिनगगमें भिसट जींदसुं लागोडो एक लोग छो।
३४ वा उंनें मोटा हेलाकरर कयो के हे यिसु नाजरेन रेंण दे

Digitized by Google

३५ वनें म्हासुं काई काम तूं काई म्हांको नाश करवानें आयो
छै हुं जाणुं हुं कें तूं कुण छै तूं भगवानको धरमरूप छै
और यिसु वाकथा कैर उनें डरायो कें बोल्यो रें वा उंसुं
काढ और जीद उनें विचाकेंवगायर उंसुं कढियो वा उंको
३६ क्युंहि बिगाडो नकर्यो। वा सगला अचेंरा कीयो वा
आपसमें व्हा कैर कयो कें या कीसरैकी कथा कोंस उंपेंच
वा हुकमसुं भिसटआत्मांनें आग्या देवेछें वा वें कढेछें।
३७ और उंकें फायदामें मोटोसाद च्यारांकानोका सगला
३८ देसमें फेलें ग्यो। और उ सिनगगसुं उठर शीमनका
भूपामें वसो वा शीमनकी सासु मोटाताबसुं मांदीछी
३९ वा वां उनें उंकी कथा कही वा उंकें सामो उभो व्हयर
तावनें डरायो वा उ उंवें छोडियो वा उ माट उठर
वांकी सेवा करी।
४० सूरज अस्त होणसुं जकें सगला मोकला रोगणांसुं मा
दा व्हा वें वानें उंकनें ल्याया वा उ सगला आदम्यां उपर
४१ हाथ दीनो वा वांनें ताजा कर्या। और पिण तूं भगवान
को डावडो खीष्ट छै या मोटासादसुं कैर भींद मोकलांसु
कढिया वा उ वांनें डरायर कैव नदीनो कोंस वा उंनें
४२ खीष्ट जांणता। दिन रैता उ कठर ओडको जागां गयो
वा जमात उंनें सोधियो वा उंकें नेडा आया वा उनें अट
४३ को कें उ वांकें कनासुं नजाय। और उ वांनें कयो कें
दूजादेसमेंपिण भगवानकें राजकी मंगलीककथा ढिंढेरो
४४ फेरवणो निसेंछै कोंस कें हुं ई वेई मेल्योडो हुं। वा उ
गालिलिकी धिमरागमें कथा प्रगट करी।

५ पांचमो पांनो।—जमात भगवानको कथा सुणवेंई
उंकें उपर मोटागोलागोल करणसुं उ गनेसरतकें दरियावकें
२ तीर उभो व्हयो। और दरियावकें तीर वागोंको देख

Digitized by Google

नावां देखी ओर धीवर वांसुं नाग र वा जाल धोवताजा।
३ वांमें एक नावमें जका सीमनकीजी उं उंके उपर चढर
तीरसुं कुंछि अलगो लाजनें उंसुं वीनती करी उं पछें वे
४ ठर नावउपरासुं लोगानें भणायो। ओर जद केवणुं
पूरो कयो तद सीमनजे कयो कें तुं उंडामें नाव ले जा ला
५ वेपवेई फास बगाय। ओर सीमन उथलो देर उंनें कयो
कें हे धणी मे समजोरात मेंनत करर कुंछि पिण न
६ पकडो लेर थारी कयाबेई फास बगासुं। ओर उं वा
कियो पछें वां मोकली रूजीयां पकडी वा वांकी फास फाटबा
७ लागो। वा आपका जके सिराडी दूजी नाव उपर ग
वांबवें आयको उपर करवावेई आवबनें वां सांनी करी वा
८ वां आयर दोय नाव भेरी कें वें डुबण लागा। सीमन
पिटर वा देवर यिमुकनें दोनूं पगां उपर पडर कयो कें हे
भगवांन मारेंकनासुं जा क्योंके ऊं पांपीदार आदमी छुं।
९ क्योंके उं वा उंका सेवापोसगलां वे रुजी पकडीडी वेप
१० सुं अचेरो कयो। उंहितरेंपिण जेवदिका दोय डावडा
याकुब वा योहनने कयो कें जके सीमनका सिराडीजा।
ओर यिसु सीमननें कयो कें मती बीव इं पछें तुं लोगा
११ नें पकडसी। उं पछें वें नावनें धरती उपर लगायर
सगलो छोडर उंकें पिछाडी गया।
१२ ओर वें एक नगरमें जवांसुं इसीजो कें देव कोढ भरो
डो एक लोग जो उं यिसुनें देखर आप उंधो पडर उंकेकनें
या केर वीनती करी कें हे भगवांन जर तुं चावें तो मनें
१३ पवित्तर करसकेंछे। ओर उं हाथ पसार उनें भीटर कयो
कें ऊं चांऊंछुं तुं पवित्तर हो ओर भट उंको कोढ उंसुं
१४ गयो। ओर किंनेंई न केवानें उं उंनें आग्या करी
पिर कयो पारयांकनें मिल वा वांकनें सायदी होवानेंई
मोजज जिसी आग्या करी तिसो आपके पवित्तरहोवाकेई

Digitized by Google

१५ वाफला घर। और उंकी फायदामें वत्ति घणा घोडे
जई और सुणवनें वा आपकी मांदगीसुं ताजा होवनें
१६ मोटोगमाव भेली जई। और उ ओडमें गयेर वा
यायना करो ।
१७ और उं दिनवें एक दिन उ सिखावेछे वा गालिलिका
सबला गांवांसुं वा यहूदाहसुं वा यिरूसलमसुं आयोडा
फारिसि वा सिवाली बेठागा वा वांनें ताजाकरवकेई
१८ भगवांनकी पींवछो। और देखो आदम्यां आधासीसीवाला
एक लोगनें बिछांवणामें उचवर वा उंनें यिसुके सामे
१९ मेलवनें सोभ्यो वा उंनें भीतरें वाडांवा अमातसुं वा नवा
घर भूंपाउपर चढिया वा डागलासुं उंनें संघारा
२० समेत यिसुके सामे वांके विचें उतार्यो। उं वांकी
प्रतीत देखर उंनें कयो के हे आदमी थारा पाप छूटा।
२१ और उपाध्याया वा फारिसियां वांकेर अदलबदल करर
कयो के यो उकंठपमी क्यों करेछे कोरो भगवांनबिगर
२२ कुण मांमी छुडावल सकेछे। यिसु वांकी अदली
बदली जांणर वांनें कयेर के थे आपका मनमें क्यों
२३ अदलीबदली करोछो। थारा पाप छूटा वा उपर
२४ चाल वां दोयां कयांकें विचालें कैसो सोरो किसो छें। और
थे जांणो के धरती उपर मांमी माफकरणनें आदमीका
छावडाकी पोचहें उं आधासीसीवालानें कयो कें हुं कउंछुं
२५ कें उपड थारो संथारो लेजा आपके भूंपें जा। वा
झट वांकें अगाडी उभो जयर वा आपको संथारो लेर
२६ भगवांनको नांव करतोर आपकें भूंपें गयो। और
सगलांनें मोटो अचेरो जवो वा वा भगवांनकी स्तुति
करी वा मोकला बीहर कयेर कें म्हे आज अचेरो देख्योछे।
२७ उं पछें उ नीकल्यो वा मंढीमें लेवि नांम एक एटेवनें
२८ दिख्यो वा उंनें कयो के म्हारें पिछाडी आ और उ सगलांवें

Digitized by Google

२९ लेवि उपडर उंके पिछाडो गयो । ओर लेवि आपणा
भुयामें उंकेंबेई मोटीजोमण कर्‌यो वा वांके भेळा मांकणा
३० पटैल वा दूजालोग बैठागा । वा उपाध्यायां वा
फारिस्यां उंके चेलाभेळी कचकच करर कयो कें थे
पटेलां भेळो वा पापीदारां भेळो क्युं खावोगे वा पीवोगे ।
३१ ओर यिसु उथलो देर वांनें कयो कें वाजाजोगानें बैदको
३२ कांइ गरज नहें लेर मांदानें गरजहें । मैं सिद्धानें
३३ मनमुडावननें बलावणें न आयो लेर पापीयांनें । ओर वो
उंनें कयो कें योहनका चेला क्यों बारर पोषध करांगा वा
याचना करांगा वा फारिस्यांपिण उंहिवरें लेर थारा
३४ चेला खावहें वा पीवहें । ओर उं वांनें कयो कें बींद
मठालोडो वांकनें रेहे तठावोडी कांइ पेरपधी पोषध
३५ करण सकेंहे । लेर वें दिन आवेंहें कें ज्यामें बींद
३६ वांसु लेगयो जासी तद वां दिनामें वें पोषध करसी । ओर
वो वांकनें एक परचो कयो कें कोइ लोग बोदागाभामें नवि
कारो न लगावेंहे अर लागावें तो नवो बोदनें फाटेहें
ओर नवो कारो नवांसु लीनोहें सो बोदाभेळो न मिलें
३७ हें । ओर कोई आदमो नवोदारु बोदाकुडामें नरावेंहे
अर रावें तो नवोदारु कुडामें फाडेहें वा वेहें वा कुडा
३८ नेंपिण बिगाडेंहें । लेर नवादारुनें नवाकुडामें राखणो
३९ पडसी वा दोन्यांको रुखालो करेहें । कोई आदमी
पिण बोदोदारुपोयर नवांनें तद नचावेंहें क्योंस उ केंहे
कें बोदो नवासुं चोखोहें ।

६ छठो पांनो ।— ओर दूजा अदीतवेंउ धांनका खेत
में गयो वा उंका चेला सिटा तोड्या वा आपका हाथांसु
२ मसलर खाया । फारिस्यांके किणी आदमी वांनें कयो
कें अदीतदिननें जको करयो ठीक नहीं वें क्युं छो कांम

३ करेंछे। यिसु उथको देर वांनें कयो कें दाऊद
जद भूखोछो वा उंका भेळपिळोनपिण जद् भूखाछा
४ तद उं जके कयो थे कांई उ नभण्या छो। कें उ
भगवानका देवरामें जायर देपावणकी बाटी लीनी वा
खायो कें जके पारखांके सांबिगर औरकींकेंई खाणी
५ जोग नहीं और आपका भेळवांनेंपिण दीनी। और
उं वांनें कयो कें आदमीका डावडा अदीतवारका धणीछें।
६ दूजा अदीतवारनें उं सिनगगमें बडर भणाया और एक
७ लोग उठें छो कें जींको जीवणोहाथ सूक गयोछो। और
कातबी वा फारिसि उंको खोटीकरणवेई उंकें उपर
दिसट करी कें उ अदीतवारनें उंनें ताजो करें कें नहीं।
८ और उं उंकी चिंता जांणी वा सूकाहाथवालानें कयो कें उठ
९ बिचालें उभो हे और उ उठर उभो ज्वो। तब् यिसु वांनें
१० कयो कें जं थानें पूछूंछूं कें अदीतवारनें चोखो कांम करणो
कें खोटोकांम करणो जीवराखणो के मारणो इमें किणो ठीक
११ छें। और वो समळां उपर देखर उं उंलोगांनें कयो कें थारो
हाथ पसार और उं पसार्यो उंसुं उंको हाथ दूजाहाथ
१२ सरीखो ताजो ज्वो। लेर वें चिंठीचित्तासुं भरया वा
आपसमें मनसोबो कयो कें यिसुको कांई करां।
१३ वां दिनां इसोछो कें उ याचना करणनें एक परबत
उपर गयो वा सगळी रात भगवानकनें याचना करतो
१४ रयो। और दिन उगां पछें आपका चेलांनें बुलाया
वा वांसुं बारेंनें सराया कें ज्यांको नांव हलकारा दीनो।
१५ सीमन कें जींको नांव पितर दीनो वा उंका भाई आंद्रुनें वा
१६ याकूबनें वा योहननें वा फिलिपनें वा बार्तोलमीनें वा मा
तिउनें वा तमानें वा खलफीका डावडा याकूबनें वा सीमन्
कें जींको नांव जिलोत दीनोछो याकूबका भाई यिहूदा
हनें वा यहूदाह इसकरियोटानें के जको तोलवालो ज्वो।

Digitized by Google

१७ उंकैं पछैं वें वांकैं भेला उतरर चोकमें उभा अया ओर
उंका चेलाकोबव वा समला यिहूदाह वा यिरूसलमसुं
ओर सोर वा सीदनकें दरियाकैं किराडासुं उंकी कथा
सुणबेई वा आपका रोगसुं चंगा होबबेई आयोडो मोटी
१८ जमातयिव उभी अई। ओर भूतआगोडा लोगयिव
१९ आया ओर वें ताजा कया परा ओर सगली जमाव उंनें
भींटबाको लोभना करी कें पोच उंसुं कढे वा सगलानें
ताजा करैं।
२० ओर उं आपका चेलां उपर दिसटकरर कयो कें थें
२१ म्हारा धन्य हो क्योंस भगवानको राज थांकोछै। थे
धन्यछो कें अबे अबें भुखाछें क्योंस थे धपायजासो थे
२२ धन्य छो कें अबे अबें रोवोछो क्योंस थे हससो। थे
धन्यछो जद आदमी थांको गोई करेंगे वा छेकडें करेंगे
वा निन्दाकरेंगे वा आदमोका डावडाकैरं कुजस उबिचारैं
२३ थांकें नांव वगाया देवेंगे उंहि दिन राजी हो वा आनंद
गुजारो क्योंस देखो स्वर्गमें थांको सोभाग मोटोछें क्योंस
२४ उं उबिचारैं वांकें बाभा निमसियानें कोया। ओर थां धन
२५ वालानें संताप जसो क्योंस थे आपको चैन पायो। थां
धापीयोडानें संताप जसो क्योंस थे भूखाजसो कें हे अबा
रचा हसबावाला थांनें संताप जसो क्योंस थे सोग करसो
२६ वा रोसो। जद समला आदमी थांकें फायदामें चोखा
बोलें तद थांनें संताप जसो क्योंस वांकें बाभा कुडानिम
सियानें इसो कयो।
२७ ओर थां सुणबवालानें उं कउंछु कें आपका वैरीयांसुं प्यार
२८ करो आपका निर्वैरबवालानें चोखा काम करो। आपका
फिटकारदेबवालानें आसीस देवो वा आपका हिंसाकरब
२९ वालांकेवेई याचना करो। वा थारें एक गाल उपर
थपेडमारबवालाकनें दूजोयिव ओर वा थारो बगतरी

Digitized by Google

वेंसु कोई लेवेंतो उंनें थारि खोसपिण लेंयो मती बरज।
३० थारें कनें मांगणवाळांनें सगळां दे वा अको थारो वस्त
३१ वांनें लेवेंगें उंनेंकानी फेर मती देव । ओर जिसो
चावोगे कें आदमी थांकेकनें करें थे वांकें कनें तिसो
३२ करो । ओरपिण अके थांसुं प्यार करेंगें वांसुं अको
थे प्यार करोगा वो थांको कांई फायदो जसो क्योंक वांमी
३३ दार वांसुं प्यार करेंगें कें अके वांसुं प्यार करेंगें । ओर
अको थे वांको भलो करोगे कें अके थांको भलो करेंगें
तो थांको कांई फायदो वेगे क्योंस वांमोदार पिण इसो
३४ करें । ओर ओर ज्यांकनें मिलणको भरोसो राखोगे
वांकेकनें अको थे उधारो देवोगे तो थांको कांई फायदो
गें क्योंसें पापी पिण पापियांनें उधारो देवेंगें कें इतो फेर
३५ लाधे । ओर आपका वेरांसुं प्यार करो वा आदम्यां
को चोखो करो वा फेर मिलणको भरोसो बराबर उधारो
देवो ओर थांनें मोटो फळ मिलसी वा थे सगळांसुं
मोटावा डावडा जसो क्योंस उ विगरखुसिवाळां उपर वा
३६ वांमीदार उपर कपारावेगें इंसुं थांको बाभो जिसि
३७ कपा रावेगें थेभी उसीतरें कपारावो । ओर
वामोवेइं क्योंत मकरो तो थे क्योंककयोडा न जसो
दूजानें वांमोदार मतो कहो तो थेपिण वांमीदार कयोडा
३८ न जसो । माफी करसो तो थे माफी पास्यां थो वा थांनें
दोनो जासी पूरोतोल वा दाथो वा भवोल्यो वा फूल्योडो
थांको खोळोमें आदमी फिर देसी क्योंस थे जीं तोलसुं
३९ तोल करोगे उंसुं थांकनें फेर तोल्यो जासी । ओर उं
यक परचो वांनें कयो कें कांई आंधो आंधानें मारग बताय
४० सकेंगें कांई दोन्युं खाडामें न पडसी । चेला आपका
गुरुसुं मोटो नहीं ओर अके हरअके सीक पूरणकरस

Digitized by Google

४१ कैहैं उ गुरु जिसोछै। और आपकी भाईकी आं
खमें जका नांनीरकमछै उ काई देखेंछै वा जको बलो
४२ आपकी आंखमेंछै उंनें न देखैंछै। और आपको आं
खमें जको बलोछै उंनें नदेखर आपका भाईनें कीतरें कै
सकेंछे कै हे भाई रे कै जका नांनी रकम थारी आंखमेंछै
उंनें हूं काढणुं छूं लबरचट पैलडा आपकी आंखको
बलो काढ तद आपका भाईकी आंखसुं नांनीरकम
४३ काढबानें तूं चोखीतरें देख सकसी। क्यांक्र चोखोरुंख बींठो
४४ फल न फलेंछैं और बींठोरुंख चोखोफल न फलैंछै। हर
जके रुंख आपका फलांसुं जांण्या जायछै क्योंस भींटोरांसुं
आदमी अंजीर न तोडेंछैं वा कांटसुं अंजीर न तोडेंछै।
४५ चोखोआदमी आपकी मनकी चोखीभांडारसुं चोखीवस्त काढै
छै वा खोटोआदमी आपका मनकें बिंठाकेठारसुं बींठी
वस्त काढेंछैं क्योंस मनकी चोखाईसुं मूंडो कथा बोलेंछै।
४६ और मनें हे धणी हे धणी क्यों कोछो वा जुं जको
४७ कउंछुं उ नकरो छो। जको कुणकोई लोग म्हारें
कनें आवेंछै वा म्हारी कथा सुणेंछै वा उंहीतरें करेंछै
४८ जुं थानें दिखासुं कें उ जीं सरीखोछै। उ कोई आदमी
सरीखो छै कै जीं भूंपो उपाडो वा मोकलो नीचें खोदो
वा भाटाकी जागामें उंकी नीव दोनी और बेल आयो वा
प्रवाह उं भूंपाउपर मोटो लागो वा उनें हिलाय नसक्यो
४९ क्योंस उंकीनीव भाटाकी जागाउपर करीछी। और
जको सुणेंछै वा नकरें छै उ कोई लोग सरीखोछै कें जीं
बिगरनीव माटि उपर भूंपो उपाडो और बेल उकें उपर
मोटो लागो वा उ झट पड्यो वा उं भूंपाको बिगाडो
मोकलो हुवो।

७ सातमो पांनो।—और उ लोगांकें सुणबामें यां सग
२ ली कथानें पूरीकरर कफरनखममें गयो। और एकको

Digitized by Google

सिलेंदारांका धणीको धडसियो मांदो वा मरबको हवाल
३ हो उ आयका धणीनें मोटो वालो हो। उं यिसुकी
कथा सुणर वीनती करबवेई उंकेकनें यिहूदीयांके बडे
रांनें भेल्या कें उ आयर उंका धडसियानें ताजो करें।
४ ओर वो यिसुकें नेडा आयर वा कैर मोटी वीनती करी
५ कें ओकेंवेई ओ काम करनो ठीकहें उ योगहें। क्योंस उ
६ म्हांकें गोतनें प्यार करेंहें वा म्हे एक सिनगग उपाओ। ओर
यिसु वांकें भेलो गयो ओर उंका भूंपामें पोंचबमें मोकलो
मारग न रयांसु सो सिलेंदारांकें धणी वंगोट्यांनें उंकें
कनें मेलर कयो कें हे प्रभु आपनें दुःख मतिदे क्योंस हुं
७ इंलायक नहुं कें तूं म्हारी हाननीचें आवें। इंसुं
हुं आपनेंपिण थारें नेंडो आंबलायक मनमें न ल्यायो वेर
८ एक कथा कें वा म्हारो धडसो ताजो हुजासी। क्योंस
हुंपिण आग्यांकें निचें राख्योडो एक लोगहुं वा म्हारें
नीचे सिलैदारहें वा हुं इनें कउंहुं कें तूं जा तो उ जाय
हें ओर उंनें कउंहुं तूं आव तो उ आवेंहें ओर म्हारा
९ धडसानें कउंहुं कें तूं उ कर तो उ उइ करेंहें। यिसु
आ कथा सुणर अहेरो कयो वा मुडर आपकें पीछाडी
आंबवालो धाडनें कयो कें हुं थांनें साच कउंहुं कें में यिस
१० राएलमेंपिण इसीमोटी प्रतीत नलाधी। ओर मेल्योडा
डा भूंपै घिर आयर उं मांदाधडसियानें आरांम देख्यो।
११ ओर दूजेंदिन ओ हुवो कें उ नाईन् नांवआदोक एक नग
रमें गयो वा उंका मोकला चेला वा मोटी जमाअपिण उंकें
१२ भेली गई। जद उ नगरकें प्रोलकें नेंडो पोंतो तद
देखो एक मुडदो उघणर बारबें ले गयाहो कें ओ आप
की माउको एक डावडो हो वापिण केवाही वा नगरका
१३ मोटा लोग उंकें भेला गया। ओर प्रभु उंनें देखर
१४ उं उपर कृपालू हुवो वा उंनें कयो कें मती रोय। ओर

Digitized by Google

आयर उ मांचो भीट्यो ओर कांध्या उभरया वा उ
१५ कयो कें हे मोट्यार तनें हूं कउंहुं कें उठ। ओर मुड
दो उठ बैठो वा कथा कैबा लागो वा उ उनें आपकी मा
१६ उनें दीनो। ओर सगळा बीहता अपडा गया वा आ
कैर भगवानको नांव कीनो वा कयो कै मोटो निस्मिसियो
म्हाकै विचमै उपज्यो वा भगवान आपका लोगांउपर दि
१७ सट करी। ओर उंका फायदामैं आ कथा यिहूदा
हाका सगळा देसमै वा च्यारांकांनीकी सगळी जागामै
गई।

१८ ओर योहन्का चेला उनें इं सगळी कांमांकी कथा
१९ जणाई। उंपछें योहन् आपका चेलांकै दोय आदम्यांनें
बुलायर आ कैर यिसुकें कनें मेल्या कें आंवणवाळो कांई
२० तूं छै अथवा ओर कींकोई बाट जोसां। उंकेंकनें मे
ल्योडा आदम्यानें कयो के योहन् डुबिदिरावणवाळो आ
कैर म्हांनें थारैं नेडा मेल्या कै आवणवाळो कांई तूं छै
२१ अथवा ओर कींकोई बाट जोसां। उंबेळा उ मोकळा मांदा
नै वा कुबलानें ताजा कया वा भिसटआत्मा छुडाया वा
२२ मोकळा सुयानें आंख्यां दीनी। उं पछें यिसु उथलो
देर वांनें कयो कें थे जाओ जको देखोछो वा सुणोछो उ
योहन्नें को कें सूधा देखण पावैछैं बोडा चालैछैं कोढी
निर्मळ कया जायछै बोळा सुणैछें मुडदा उपाडा जायछै
२३ गुनहांकनें मंगळीक कथा ढंढेरो फेरो जायछै। ओर
उ धन्यछै कें जको म्हारैं फायदामें न अटकैछै।

२४ योहनका हलकारा गयांपछें उ जमावनें योहन्कें
फायदामें कैण लागो कें थे ओडमें कांई देखणनें नीकल्या
२५ कांई वायरासुं हालता एक सरकनांनें। ओर कांई
देखणनें बारवें गया कांई मींगाभा पैयां एक आदमीनें
देखो जके चोखागाभा पैरै छै वा चोखोजीमण जीमैछै वें

Digitized by Google

२६ पातसाका भंपामें रेंछे । वेर थे काई देषणनें
नीकल्याछो काई निमितियानें हं थानें साच कउंछुं सो
२७ सधी वा निमितियासुं बतोधिक । क्योंस बो उ कें
जींकें फायदामें ओ लिषीयो छें कें देष हं आपका दूत
थारानें थारे वनें मेलुं छुं वें अवे थारे सांमा थारो मारग
२८ त्यार करली । क्योंस हं थानें कउंछुं वें लुगाईसुं
उपजोडाकें विचाकैसुं योहन् डुबीदिरावणवालासुं मोटो
निमितियो कोई नछे वेर भगवानका राजमें अवो मोकवो
२९ नांनो उ उसुं बडोछें । ओर सगला लोग वा पटवारी
सुंबर योहन्की डुबीसुं डुबोदिरायोडा ऊपर भगवान
३० की स्तुति करी । वेर फारिसियां वा नीतजांणण
वालानें उंसुं डुबीदिराई न ऊपर आपका बेरमें भगवान
की सलानें निभछो ।
३१ ओर प्रभु कयो कें हं किंकें भेला यां मोतीलोगानें
उपमा देणुं वा वे कीं सरिषाछें वें डावडा सरिषा छें
३२ अवे चोटामें बैठेछें वा आपसमें बोलेछें वा कैछें कें म्हे
थाकेंकनें सुरणाई बजाई लेर थे न नाचोछो वा म्हे थांकें
३३ कनें रोया वा थे सोग कियो नहो । क्योंस योहन्
डुबीदिरावणवालो बाटी नषाय वा दारु नपीयर आयो
३४ ओर थे कहोछो कें उ भूतसुं अपड्यो छे । आदमीका
डावडा षावता वा पीवता आया ओर थे कहोछो कें देषो
एक लोग मोकवो षांवणवालो वा मतवालो ओर पटैलांको
३५ वा पापीयांको संगैल्योछे । वेर ग्यांन आपका समला
डावडांसुं सिवकर्यो जायछें ।
३६ फारिसियांमें एक लोग आपकें भेलो जीमणनें उंनें नोतो
दोनो ओर उ फारिसिका भूंपामें जायर जीमणनें वैठो ।
३७ ओर देषो कें उं नगरकी एक रांड कें अवो पापणी छी
वद जांण्यो कें उ फारिसिका भूंपामें जीमणनें वैठोछें वद

Digitized by Google

३८ अतरसु बोछी मकरागाको एक डबो लायर उंकें पींगडी
उंकें पगांकै मैडो रोतो उभी ज़यर उंका पग आंसुसु
धोवण लागो वा आपका माथाका केस्रांसुं पूंछण लागी
३९ वा उंका पग चुम्या वा अतर लगायो । जीं फारिस्यि
उंको नोतो कीयोछो उनें देषर आपमें आ कथा कही कें
ओ जको तिमितोयो ज्ञतो तो जांणतो कै आ रंड कुणछै वा
४० कीतरैकी कै जीं उंनें भींटोयोछै क्योंस वा पापणीछै। ओर
यिसु उथलो देर उंनें कयो कें हे सीमन् थारें मनें क्युंही
४१ कैणोछें उं कयो कै हे धणी कें। उं कयो कें एक किरा
डकें दोय देणदारछा एक जणो पांचसै पावला धारतोछो
४२ दूजो पचास। वांनें उतारणनें क्युंही नरैणसुं उं दोन्यां
नें माफ कयो उंसुं वांमें कुण उंसुं बतो प्यार करसी।
४३ सीमन् उथलो देर कयो जं जांणुंछुं कै जींनें बतो माफ
४४ कयोछो उं उनें कयो कें तैं ठीक विचार्यो। उं पछें उं
रंडकांनी मुडर सीमन्नें कयो कें तूं कांई इं रंडनें देखेंछें
जं थारा झूंपामें बडणसुं तैं मनें पग धोवणबेई पांणी न दी
नो लेर उं म्हारा पग आंसुवांसुं धोया वा आपका माथा
४५ का केस्रांसुं वानें पूंछ्यो। तैं मनें चूम्यो नही लेर इं रंड
४६ म्हारै आणपछै म्हारै पगांको चूसणो न छोड्यो। तैं
तेलसुं म्हारो मथो नमसल्यो लेर उं म्हारा पग अतरसुं
४७ मसल्या। इं कारण ज़ं तनें कउंछुं कें उंका पापकै
जकै मोकलाछें वे माफ कया गयाछें इंसुं उ मोटो प्यार
करैछै लेर जींनें थोडो माफ कीयोछें वा थोडो प्यार करै
४८ छैं ओर उं उंनें कयो कें थारी पांमो माफ करोछें। ओर
४९ उंकै भेला बैठणवाळा आपनमें कैण लागा कै ओ कुण
५० छें कें जको पांमी माफ करैछें। ओर उं रंडनें कयो
कें थारी प्रतीत थारो उद्धार कयो सलामतीसुं जा।

८ आठमो पानो।—उंपछें हुसोछो कें वे छेटेरो
फेरतार वा भगवानके राजको मंगलीकवातां घोडे केर
तार नगरर वा घेडेर भटक्या वा बारै चेला उंकै भेलाछा।
२ ओर काई रंडपिख कें जका भिसटआमासुं वा मांदगीसुं
ताजी करीछी माग्दलीनी नांवजादीक मारिया कें जीसुं सात
३ जीं नीकल्या वा हेरोदको दीवान खुजाको लुगाई योहा
ना वा सुसाना वा ओर मोकलां कै ज्यां आपकैर मायासुं
उंकी सेवा करी।
४ मोकला लोग भेला होणसुं वा चावेजके नगरसुं उंकें
५ कनें आवणसुं उं परचासुं कयो कें एक लोग वावणवालो
बीज बांवणवेंई गयो वा उंकै बातांर कुंछिक मारगकें
छेवडे पड्या वा खुंद्या गया वा आकासकी चिडिया वांनें चुग
६ गई। ओर दूजा भाठाकी पानमें पडिया वा घुंट निकल
७ तांई सूक गया क्योंस धरतीमें सरदी थोडी छी। ओर
दूजा कांटांकै विचालै पडिया वा कांटर वै भेला वध्या
८ वा वै घबीज्या। ओर दूजा चोखीधरती उपर पडिया
वा नीकल्या वा सोगुणा फल फल्या आ कयांपछे उं हेला
९ सुं कयो कें जींकै सुणणने कांनहै वें सुणों। उंके चेला
१० आकैर उंनें पूछ्यो कै ओ परचा कांईछै उं कयो कें भगवान
कें राजको भेद जांणनें थानें दीनोछै लेर दूजाका परचा
११ सुं कै वै देषतार नदेषे वा सुणतार न समझे। पर
१२ चाको तंत ओ बीज भगवानको कथाछै जके मारगकें छेव
डे वै सुणणवालाछै तद मोडा आवैछे वा वांकें मनको कथा
तांषर लेवेछें कें वें अभरोसो जयर उद्धार नपावैछै।
१३ ओर जके रोडांको पाखा उपर वे छैछै के जद सुणैछैं तद
राजिसुं कथा लेवेछें ओर वांकि जड नछें इसलिये चिनसि
१४ बेला प्रतित करेंछें वा कीमतांकि बेलामें पडें छें। ओर
छिरांकें विचालें जके पडिया वे छेंछें कें जके सुणेंछें वा

Digitized by Google

जायर दुनियाका चिंतासुं वा धनसुं वा सुखसुं मारा
१५ हक्योडैछे वा फल न पकावें छे । ओर जके चोखी
धरती उपर पडिया वें वे छे कें जके सुधर सूधा वा चोखा
मनसुं कथा राखैछे वा सेबसुं फल देवेंछे ।
१६ कोई लोग नछे के दीवो लगाय ठांवमे ढाक राखैछे वा
माचा नीचे राखैछें ओर दोवटउपर मेलेंछे कें चडखवाला
१७ दीयो देखें । क्योंस छिपियोडो क्युंहि नछे कें जके
चोडे नजसो वा गोलोकड कें जके जांण्यो नजाय वा चोडेमे
१८ न आसी । इंसुं चोकस कें थे जींतरें सुणोछो
क्योंस जींकोछें उंनें दीयो जासी वा जींको क्युंहि नछें
उंनें जको छांणो देख्यो जायछे उपिण उंसु लीयो जासी ।
१९ तब उंको माउ वा भाई उंकेनमें आया वा जमातसुं
२० उंकनें आय न सक्या । ओर कोइ लोगांसुं उंनें कयो
छे कें थारी माउ वा थारा भाई तने देखणनें बायर बारखे
२१ उभारैछें । उं उथलो देर उंनें कयो कें म्हारी माउ
वा म्हारा भाई वे छें के जके भगवानकी कथा सुणैछे वा
करैछें ।
२२ ओर वां दिनांमे एक दिन उ आपका चेलांभेलो नाव
उपर चढियो वा वांनें कयो कें म्हे दरियावकें दूजैकड
२३ वें जावां ओर वे चाल्या । वांके जांतांसुं उ उंध्यो ओर
बायराको मोटो उतपात दरियावमें हुवो ओर वें पांणीमें
२४ बोछिज्या वा टंटामें पडिया । ओर वे नेडा आयर बा
कैर उंनें जगायो कें हे धणीर म्हे मार्या जावांछां उं उठर
बायरानें वा पांणीका किलोलांनें बोहाया ओर उ रयो
२५ वा निवांत हुवो । ओर उं वांनें कयो कें थांकी प्रतीत
कठें वा डरर आपसमें अचंभैर अछेरो कयो के ओ कींवरे
को मांणसछे क्योंस बायरानें वा पांणीनें आग्या करैछे अ
२६ उंनें वें मानेंछें । ओर वें गादरिनांके देसमें पोंहचे वें

Digitized by Google

२७ जको गालिलिको सामो उं पारछै। उ धरती उपर
उतरवासुं एक लोग नगरसुं नीकल उंकें भेळो मिलाप करि
यो कें जोंकै मोकळा दिनांसुं भूतछा वा छिणगार न पैंथो
२८ वा भूंपामें न रवो लेर घोरमें रवो। उं यिसुनें
देषर कूका कोया वा उंकै पगां उपर पडियो वा मोटा छे
बांसुं कयो वें हे यिसु सगळांसुं मोटा भगवांनका डावडा
तनें म्हारो कांई कामछै जं वेसुं वीनती करंउं कें मनें
२९ वसोयो मती दे क्योंस उं भिसटआत्मानें उं लोगसुं निकळ
जकी आग्या करीछी क्योंस उं मोकळी वार उंनें अपडियोछेर
ओर उंनें राषणवेईं ज सांकळांसुं वा वेडियांसुं जडीजयो
छ ओर उं बंदण भांज्या ओर उ उं भूतसुं जोडमें हटायो
३० गयो। यिसु आकैर पूछियो कै थारो नांव कांईं उं
कयो कै लेगीओन क्योंस मोकळा भूत उंमै वडियाछा।
३१ ओर उंडामें उंमै नमेलणनें वां उंसुं वीनती करी। ओर
३२ उं परबत उपर मोकळा सूराको एक टोळो चरतोछो ओर
वां वीनती करी कें उ वांनें वामें वडण देवै ओर उं वांनें
३३ वडण दीना उंपछै भूत मांणसांसुं निकळर वा सूरामें वड्याई
ओर टोळो एक उंची जागामें वेगाभागर दरियावमें पड्या
३४ वा वांको श्वास अटक गयो। ओर चराणवाळा वे कांम
३५ देषर दोडा वा जायर नगरमें वा देसमें ठीक दीनि। वे
उ कचोडा कांम देषणनें नीकळ्या वा यिसुकनें आयर जीं
लोगसुं भूत निकळ्या छा उंनें गाभा पैर्यां वा सचेत जयो
३६ यिसुकै पगां उपर पडतो देख्यो वा वे डोळा। ज्यां
देख्यो वां कयो कें भूत लागोडो जींतरै चोषो ऊ गयो।
३७ तद गादरियोंकै च्यारांकांनीका देसवाळ्यां सगळां उंनें
वांकै नेंडासुं जावणकी वीनती करि क्योंस वे मोटा
भयसुं कांपण्या छ ओर उ नाव उपर चढर मुड गया।

Digitized by Google

२८ ओर औंश्रादमसुं भुत काढ़ागा ऊ उंकैकनें रैवावेई उंसुं
२९ वीनती करी लेर यिसु श्रा केर उंनै विदा कयो कै श्रापरै
भूंपै मुड ज्या वा भगवांन तनें श्रडै मोटाकांम कया वै चोडै
कर ओर यिसु उंवैवेई जडै कयोगो उ ढंढेरो फेरतार
वैसगलै नगरमें गया।
४० यिसुकै फेरश्रावशसुं इसो होे के सगली जमात उंनें
मोकलाराजीसुं श्रारे कयो क्योंस सगला उंवेवेई वाट
४१ जोताग। ओर देखो याइरस् नांव आदीके एक लोग
श्रायो उ सिनगगको धणी ओर यिसुकें पगां उपर पडर
४२ आपकें भूंपै आवणकी उंकी वीनती करी। क्योंस उंकी
बारै वरसांकी एक डावडीगो ओर वा मरवेसरीखी
सुतीगो उं जावणमें आतांर लोगां उंकै उपर मोकलो धका
४३ धुमकरो। ओर एक रांड कै जींकैं बारै वरसांसुं लोही
वैतेगो ताजीं आपको सगलो धन वैदाउपर खरच किमोगो
४४ लेर कीं सुं ई ताजी जय नसकि। उ उंकै पिछाडी आवर
उंकें चोलाको खुणो भीटियो वा झठ उंको लाहीभरतो
४५ बंध व्हगयो। ओर यिसु कयो कै कीं मनें भींटीयो
सगलांनें झिटकारणपछै पितर वा उंकै लेवणियां कयो कै
हे धणी जमात थारै उपर पडैछै वा धकाधूम करैछै वा
४६ तूं कांई कैछै कै कीं मनें भींट्यो। लेर यिसु कयो
कै कुण मनें भींट्यो क्योंस म्हं जांणुं कें पोंच म्हारैसुं
४७ कढो। ओर आप लुक नसकी रंड श्रा देखर
धुजतीर श्राई वा उंकै सांमी पडपरी सगलां लोगांकै
सांमे श्रारे करियो कें जींकैवेई उंनें भींट्यो वा झीं तरें
४८ उंझीवेला ताजी व्हई गो। उ उंनें कयो कै हे डावडी
जमावावर राख थारी प्रतीत तनै ताजी करी जीवती श्रा।
४९ वा उंनें कैणसुं किणी लोगां सिनगगकै धणीका भूंपासुं

आयर उंनें कयो कै थारी डावडी मरी गयीनें ओर कसट
५० मती दे। ओर यिसु सुणर आ कैर उथलो दीनो
कें मती बीह फकत परतीत कर वा वा ताजी करी जासी।
५१ ओर मुंपामें पीतर पितर ओ याकूब वा योहन वा
डावडीके माउ बाभाके बिगर ओर कीनेंई उं धसबा
५२ नदीनो। ओर सगला उंकेवेई रोता वा भूरता कर
लाग ओर उं कयो कै मती रोवो वा मरी नई लेर सूती
५३ है ओर वा जका मरी वै आ जाणर उंके उपर हस्या।
५४ ओर उं वां सगळांनें काडा वर उंका हाथ झपडो वा आ
५५ कैर कूका कोया कें हे डावडी उठ। ओर उंको जीव फेर
आयो ओर वा भट उठी ओर उं उंनें कुछ खावणको आ
५६ ग्या दीनी। ओर उंके माउ बाभे मोटो अचेरो कयो
ओर उं वां कयोडा कांमाकी कथा कोनेंई नई वैणको आग्या
दीनि।

९ नवमो पांनो।—ओर उं आपका बारें चेलानें बुला
यर सगळा भूतां उपर वा मांदानें ताजा करणको पोच
२ वा आग्या दीनी ओर भगवानके राजको ढंढेरो फेर
३ णनें वा मांदानें ताजा करणनें वांनें मेल्या। ओर उं
वांनें कयो कै मारगमेंई कुछि मतीस्यो डांडो नहीं वा को
थली नही वा बाटी नही वा रुपीया नही वा सकर
४ दोयर अंगरखीयां नही। ओर जीकाई भांपामें
५ वडो उठें रो वा उठासु जावो। ओर जको कोई थां
को संविभाग नकरें तो उं नगरसु निकळ वांके उपर साख
६ दो होवणेनें आपका पगांकी रंगी भडकावो। ओर वे नी
कल्या मंगळीकवार्ता देतार वा चावें जींठोउठोकमे ताजा कर
७ तार फैडेर फिया। ओर चोथाईको धणी हेरोद उंसु कयो
ड्या सगळां कांमांकी कथा सुणी वा हुंदियायो क्योंक कीसुंई

Digitized by Google

८ कयोडोगे कें योहन् डुबोदेणवाळो मोतसुं उपज्योछे। वा कीसुंई कयोडोगे कें एलीयाह् फेड़े ऋवोछे वा दूजासुं वे
९ कोई बोदा निमितिया उपज्याछे। ओर हेरोद् कयो कें मैं योहनको माथो वाड़ नांख्यो लेर ओ आदमी कुणछे कें जींके कायदामें हुं इंतरें कथा सुंणुंछुं ओर उं उंने देखण चायो।
१० ओर हलकारा फेर आयर उंनें जणायो कें आपां जको कयोछो उंपछे वांने लेर उ बीतसोदाको नगरकें आमिवाकें
११ एक ओडमें एकलो चाल्यो वा जमात जांणर उंकें पिछाडी गई वा उं वांनें लेर भगवांनकें राजको कथा कयी वा ज्यांकें गरजछे वांनें ताजा कया। ओर दिन पूरो होवासुं
१२ पछे बारें चेला उंकें नेडा आयर उंनें कयो कें जमातनें दा विकर् कें वें च्यारांकांनीका वेडामें वा झूंपामें जायर डेरो करें वा खांवणकि सुंपडि मोल लेवें क्योंस म्हे अठें ओडकि
१३ जागामें छां। उं वांनें कयो कें वांनें खांवणें देवो वा वां कयो कें म्हेर म्हे जायर यां सगळां लोगांवेंई खांवणकि सुंपडी न मोल लेवां तो म्हाकें कनें पांच बाटी वा दोय माछसुं
१४ बत्तो कांई नछे क्योंस पांच हजारकें आसरें लोगछा ओर उं आपका चेलांनें कयो कें वांनें पचास२की पांत कररबैठावो ओर वां तिसो कयो वा सारांनें बैठाया।
१५ उंकें पछे उं वे पांच बाटी वा दोय मछो लेर आकासकांनी
१६ देखर आसीष करी वा बटका कया वा जमातकें सामी राखणवेंई आपका चेलांनें दीनो। ओर वें जीम्या वा
१७ सगळा धाप्या ओर वां बारें ओडी भूंखोभायो भेळो कयो कें जको वांकनें रयो।
१८ ओर ईसोछे कें उ न्यारो ऊपर याचना करता चेला उंकें भेळा छा वा उं वां वेर वांनें पूछयो कें जमात वांई
१९ कैवेंछे कें हुं कुणछुं। वां उथळो देर कयो कें योहन् डुबो

दिखावणवालो लेर ओर कोई२ कैवें कें एलीयाह् वा ओर
२० कोई कोई के भोदोनिनिमितियो उठ्योहें । उं वांनें कयो
कें थे कांई केवो कें कं कुंणहुं पितर उथलो देर कयो कें
२१ तूं भगवानको खीष्टहें । ओर उं वांनें आ कर करडी
२२ आग्यादीनी कें कीनेंई वा कथा न कहे ओर कयो कें आद
मीका डावडानें मोकलो कसट पांवणो वा बोडोडांसुं वा
बडापोहितांसुं वा कानुगांसुं बिगारसरायो होणो वा
२३ मार्यो जाणो वा तीजेंदिन उपाड्यो जाणो जिसेहें । उं पिण
समलांनें कयो के अर कोई म्हारें पुठे आवणो चावेहें तो उ
आपनें फिटकारें वा सदाई२ आपकी खलवांणी उपाडें वा
२४ म्हारें पाछें आवें । क्योंस अको कोई आपको जीव राख्यो
चावेंहें उ उंनें गमासी ओर अको कोई म्हारें कारण आपको
२५ जीव गमावेंहें उ उंनें राखसी । क्योंस आदमी सगली
२६ दुनियाको मुनाफो करर वा आपनें गमायर वा बिगाडो
करर उंनें कांई मुनाफो क्योंस अकोकोई म्हारें कायदामें
वा म्हारी कथाकें कायदामें लाजांमरसी उंकें कायदामें
आदमीका डावडा लाजांमरसी अद आपकें वा आपका
२७ बापकें वा धरमदूतकारांकें प्रतापमें आसी । मैं
थांनें साच कहुंहुं कें अठें उभा रैणवालांमें कितराक लोग
है कें अबे मठातोडो भगवानका राजनें न देखें तबतोडो
मोतनें न चाखसी ।

२८ अठकवाकें आठ दिन यां कथा पछें ईसो जवो कें उ
पितरनें वा योहन्नें वा याकूबनें लेर याचना करणनें
२९ एक परबत उपर चाल्यो । ओर ईसो जवो के याच
ना करता उंकें मूंडाको डोल दूजोतरें जगयो वा उंका
३० गाभा धोला वा झलाबोल जू गया । ओर देखो
मोसाह वा एलीयाह् यां दोन्युं आदम्यां उंकें भेली कथा
३१ कई यां तपतेजमें देख्यो आयर उंकी मोतकी कथा कही कें

Digitized by Google

३१ जीनें उ यिरुसलममें पूरो करसी । ओर पितर वा उ
का भेलपी नींदमें उंघता हा वा वां जागर उंका प्रतापनें
३२ वा उंका भेलपी दोय मर्दानें पिण देख्या । ओर इसो
हो के वे उंकनें कनासुं गयां पछें पितर आपको कथा नजो
३३ सार यिसुनें कयो के हे धणी म्हांनें अठें रैबो चोखोहै वा म्है
तीन डेरा बनावां एक थारैवेई एक मोसाहवेई एक एली
३४ याहवेई । आ कथा कैवार एक मेघ आयर वांकै उपर
३५ छायो ओर वे मेघमें वडतार डरिया । ओर वांणी मेंसुं
आवैर नीकली कें ओ म्हारो बालो डावडो है उंकी कथा
३६ सुणो । वा वांणी गयां पछें यिसु एकलो लाधे परो
वा वां वाकथा लुकाई वा वांदिनांमें कोनेंई नकयो के
जीनें देख्यो ।

३७ दुजेदिन वे परबतसुं उतरता मोटी जमात उंकनें
३८ भेली हुई । ओर देखो जमावमांसुं एक लोग हेलो
करर कयो कें हे गुरां हुं तेंसुं याचना करहुं कें म्हारा डाव
३९ डा उपर देख क्योंके उ म्हारै एकोज डावडो है । ओर
देख एक भूत उंनें लागोहै वा उ भट हेला करैहै वा उंनें
उ इसो फाडेहै कें उ मुंडासुं भाग काढेहै वा उंनें किचरर
४० पिण मुसकलसुं छोडै नहो । ओर मे थारा चेलांसुं याच
४१ ना करी कें उंनें छुडावें पिर वें न सकिया । यिसु वांनें
उथलो देर कयो के हे अभरोसी वा खोटेमारग गोती हुं
कितांक दिन थांकें नैडो रैसुं वा थांको सैंसुं थारें डावडानें
४२ अठें ल्याव । उ नैडो आतां भूत उंनें नगाय दीनोवा
फाड्यो पेर यिसु उं भिसटआत्मानें डरायरर डावडानें
साजो कर्यो वा उंकें बाबा कनें भलायो ।

४३ ओर वां सगला भगवांनकी मोटी पोपसुं अचरज कयो
पेर जके सगला कांम यिसु कर्याहा वांमें वे सगला अचर
४४ ज करता उं आपका चेलांनें कयो कें आ कथा थांकें

Digitized by Google

गांवमें दडे क्योंस आदमोका डावडा तोतंसु आदम्यांकें
४५ हाथमे भलाया जासी। लेर वें वा कथा नसमभ्या ला
वांसु वा लुकी गो हैं वेई वां वा न जांणी ओर उं कथावें
कायदामें उंनें पूछणनें बीहा ।
४६ वांकें बिचमें अदलीबदली पिण गो कें वांमें कुण सगलां
४७ सुं मोटोजसी । ओर यिसु वांकै मनको सुभाव जांणर
४८ एक डावडानें लेर आपकें नेंडो राख्यो । वा वांनें कयो
कें जको कोई लोग हं डावडानें म्हारें नांवसु संबिभाग
करेंगे सो मनें संबिभाग करेंगे ओर जको म्हारो संबि
भाग करेंगें सो म्हारें मेलोडानेंपिण संबिभाग करेंगें क्योंस
थांकें बिचमें जको सगलांसु नांनोहै उ सगलांसु मोटो
४९ जसी। ओर योहन उथलो देर कयो कें हे धणी म्हे एक
लोग देख्यो कें जको थारा नांवसु भूतांनें छुडातोगो वा म्हे
५० उंनें वरज्यो क्यंस उ म्हांकें भेळो नआयगो। ओर यिसु
वांनें कयो कें उंनें वरजो मति क्योंस जको म्हारा दुसमन
नहें उ म्हारें कानीहैं ।
५१ ओर हंबोगो कें उंकें उपर लेगया जांणकीनेला पूरी
होणसुं उं यिरुसलमुमें जांवणनें आपको मूंडो उंकांनी
५२ ठीक कयो। वा आपकें हलकारानें मेल्यो ओर वें
जायर उंकेवेई त्यार करणनें समरोनियांसुं एक येडा
५३ में बड्या। ओर वा उंको संबिभाग न कयो क्योंस उं
५४ को मूंडो यिरुसलमकें कांनी जांवण हयोगो। उंकें
चेलां यकाकुबनें वा योहन्नें देखर कयो कें हे प्रभु ओर
काई थारो मनहै कें म्हांकी वासदेनें आकासंसु उतर
वानें वा वांको भोजगमावणनें आग्या दे कें जिसो एलीयाह
५५ कयो। लेर उं मुडर वांनें धीचाया वा कयो कें थे
५६ नजांणो हो कें थे कींतरेंका लोगहो। क्योंस आदमोका

Digitized by Google

डावडा आदमीको जीवगमावणवेंई न आया लेर उद्धार
करणवेंई आया ओर वें दूजें पेडें गया ।
५७ वां जातां रसोगे कें मारगमें कोनी लोग उंनें कयो
कें हे प्रभु तूं जठे जायगो उठें ऊं थारें पिछाडी
५८ जासुं । ओर यिसु वांनें कयो कें लोंकडियांका
बिलगे वा आकासका पंखियाका मालागे लेर आदमीका
५९ डावडानें माथो मेलणकी जागा नगें । ओर एक लोगनें
उं कयो कें म्हारें पिछाडी आवो लेर उं कयो कें हे प्रभु
६० ऊं पैलडा जायर आपका बाभानें घोर सुं । यिसु
उंनें कयो कें मुडदा आपका मुडदानें घोर दे लेर तूं
६१ जायर भगवानको राज चोडे कर । दूजें एक लोग
पिण कयो कें हे प्रभु ऊं थारें पिछाडी जासुं लेर पुरला
६२ जाकर आपका भूंपाका लोगांसुं विदा लेऊं । यिसु
उनें कयो कें कोई लोग हल उपर हाथ देर वा आपकै
पिछाडी देषर भगवानका राज लायक न गें ।

१० दसमो पांनो ।—वां पछें प्रभु दूजा सित्तरानें
निसै कीना वा वानें दोयर करर आपकै आगें पांवेंजो
२ जागा वा नगरमें मेल्या कें जठें आप गयां चायो । ओर
उं वांनें कयो कै साख मोटी सही लेर नूनर थोडागें
इंवेंई थे साखका धणीसुं याचना करो कै उ आपकी
३ साख वाढणनें नूनरांनें मेलें । थे चालो देषो कै जिसो
गाडराको बचो लोवडियांकै बिचाले जायगें तिसो ऊं थांनें
४ मेलूं । झोलो वा कोथळो वा मोजडी मतो लेवो
५ वा मारगमें किनेंई जुहार करो मतो । वा जीकोई
भूंपामे थे बडो पैलो को कै ई भूंपाको सिलामती
६ फे । ओर जके सलामती लायक आदमी उठै रैगें
तो थांकी सलामती उं भूंपाउपर रैसी लेर नहींतो

७ वा थांकेकनें मुड आसी। ओर थे आपके सांमी दियोडो
वस्तां पालए वा पीता उं भूपामें रहो क्योंस मूंनर आपके
८ मूंनराई योगछें भूंपैर मतो भटको। ओर थे अर
किणी नगरमें पोंचो वा वै थांनें आरे करे तो थांके सांमो
९ मेल्योडो वस्त षावो। उंमें दूबला लोगांनें ताजा करो वा
१० वांनें कहो के भगवांनको राज थांके नेडो आयोछें। ओर
थे जीकी नगरमें पेडो ओर वे थांनें अर आरे नकरसी
११ तो थे उं नगरका मारगमें जायर कहो के थांकें नगरकी
धका थे म्हांके पगां उपर लगेछें वा पिण थे थांकें वैरमें
बुयनांषस्यां ओर आ थांको यरो के भूगवांनको राज थांकें
१२ नेंडोआयोछें। अं थांनें कउंछुं के उं दिन सदमीयांको
हवाल उं नगरसुं बत्तो सोरो क्षसी।
१३ हे षोराजिन् तनें संताप क्षसी हे बेत्सीदा तनें
संताप क्षसी क्योंस जके अछेरा कांम तैसुं कयोडाछें वै
अर होर वा सीदन्में कीया जाता तो वें मोकला दिनां
१४ सुं सिवयटी वा भसममे वैठर मनमोडता। ओर मन
सेजाकें दिन होर वा सीदन्को हवाल थारा हवालसूं
होरो क्षसी। ओर हे कफारनहुम् के अर्कें सर्गतांडी
१५ उपाडाछा सूं नारकीतांडी उतार्यो जासी। अको
थांकी कथा सुणेछें उ म्हारी कथा सुणेछें वा अको थांनें
१६ गोद्दकरेछे उ मनेंपिण गोद्दकरेछे ओर ओ मनें गोद्दकरेछें
उ मनें मेल्योडानेंपिण गोद्दकरेछें।
१७ ओर वा सित्तर लोगां राजीसुं फेर आयेर यो कयो
१८ के हे प्रभू भूतपिण थारा नांवसुं म्हांकें वस छेछें। जं
वांनें कयो के में सोडानें बीजलीसरीषो आकासमुं
१९ पडतो देख्यो। देषो अं थांनें सर्पां उपर वा बीछुयां

उपर पग धरणको पोंच देउंगु वा वैरीवें सगली पोंच
के उपर थानें पोंच देउंगु वा काई वस्त थांको विगाडो
२० नकरसी। लेर इमें राजी मती हो कै आत्मा थांवें
वस हेवें लेर उंसु राजी करो के थांको नांव सर्गमें लिखी
येडे।
२१ उ घडी यिसु मनमें राजी हवेर कुयो के हे भाजी
सर्ग वा संसारको धणी हूं तनें सुति मेलंगु के व
बडेरासु वा जानकारसें यां सगवानें लुकायाहे वा डावडा
कनें वानें खोडे कया हें हे बाभा इसे.वो के ओ थारो
२२ मनहें। म्हारे बाभासु म्हारें कनें सगला भालाबाहें
ओर डावडा कुणहे बाभाविगर कोई लोग आे नई जांखें
हे ओर डावडा वा जोंकैकनें डावडा उंनें खोडें कथो
चावेहें उं विगरचिस कोई लोग बाभानें न जांनेंहे।
२३ ओर उं आपका चेलां कांनी मुडर वानें डोफा कया के
थे ज्यां कांमांनें देखोहो वां कांमांनें भके आंख्या देखेंहे वे
२४ आंख्यां धन्यहे क्योंस हूं थानें कउंगु के थे ज्यां कांमांनें देखर
हो वां कांमांनें देखणनें वा थे जके कथा सुणोहो वा कथाकें
सुणनें मोकला निमितियां वा पातस्या चायो लेर देखण
सुणण न पाया।
२५ ओर देखो नीवमें बडेरो एक लोग उंको परख करर
वा आ कैर उभो हवो के हे वपालोक हूं काई करर अनं
२६ तो जीव पास्नु। उं उंनें कयो के तोरैतमें काई लिखी
२७ योहे तु कांई भणेहे। उं उथलो देर कयो के थारा
भगवांन यिहाहूनें आपका सगला मनसु वा आपका
सगला जीवसु वा आपका सगला जोरसु वा आपका
सगली समभसु प्यार कर वा आपके इसे। आपकें नेडा
२८ रैणवालानें प्यार करो। उं उंनें कयो के तूं ठीक उथलो
२९ दीनो थो कर तो बचसी। उं आानें सिद्ध कर्यो
३० चायर यिसुनें पूछ्‌यो के म्हारें नेडारैणवाला कुणहे। यिसु

Digitized by Google

वा कथा कयडर कयो कें कोई लोग यिरूसलमसुं यिरि
खुमें गयो वा डाकूआंक्यांकें हाथे आयो कें अवे उंका गाभा
खोलर वा उंनें मारर वा उंनें अदमरयो छोडर चाल्या।
३१ देवगत कोई याजक उं मारगसुं जातोछो वा उंनें देखर
३२ दूजीकानीसुं चाल्यो उसोई एक लेवि उं जागासुं आयर
३३ वा उंनें देखर दूजी कानीसुं चाल्यो। येर कोई
समरोनी मारगसुं जातार उंकें नेडो आयो वा उंनें
३४ देखर दया करि। वा उं कनें जायर उंका घावांऊपर
तेल वा दारू कुछर वां घावांनें गाभांसुं पलेट्या वा आपकी
असवारीमें उंनें बेठायर ढाणीमें लेगयो वा उंकी निगें
३५ राखी। येर दिन उगणकीबेला उं दोय पावली
काढर रांधणनें दीनी वा कयो कें उंकी निगेंवानी राखजो
वा येर जको खरच लागसी सो पाछो आवणकी बेला तनें
३६ देसुं। वां तीनांकें बिचमें उंकें नेडोरैणवालो कुण
जणे कें जको डाकूआंकें हाथे पड्योछो तूं इंकें काय
दामें कांई ठेरावेंछे उं कयो कें वो उंकें उपर दया करी
यिसु उंनें कयो कें तूं जा वा उंसतरें कर।
३७ वें उठासुं आवताछा उं बेला इसो जणे कें उ किसी
३८ गांवमें गयो वा एक रंड कें जींको नांव मारता उंनें आपका
३९ भूपामें ल्यायो। वा उंकी एक बेनछी कें जींको नांव
मारिया जीं यिसुकें पगांकें नेडा बेठर उंकी कथा सुणी।
४० येर मारता मोकला कांम करणसुं दिक जणेर इं बेरें
उं उभी जयर कयो कें हे प्रभु तूं कांई न फिकर करें
छें कें म्हारी बेन मनें एकली कांम करणनें छोडी उंनें
४१ कें कें वा म्हारो उपर करें। यिसु उथलो देर कयो कें
हे मारता हे मारता कें तूं मोकला कांममें फिकरबंद वा
४२ दिक छेऔ येर एक कांमकी गरजछे येर मारिया
ए चोखोविराट सरायो कें जको उसूं लेजायो नजासी।

Digitized by Google

११ इग्यारमो पानो।—ओर इसो हुवो के उ किसी
जागामें याचना करतो हो इके पिछे पूरोहोयांके चेला उंके
चेलांमे किसी जीम उंनें कयो के हे प्रभु योहन् जिसो
आपका चेलांनें याचना करबनें भणाया तिसा म्हांनेंपिण
२ भणाय। उं वांनें कयो के थे जद याचना करो तद
कहो के हे म्हांका बाभा जो जको सरगमें रेंहें थारो नांव नि
रमलो हो थारो राज आवो थारो मन जिसो सरगमें कियो
३ जायहे तिसो धरती उपर करी जाय। म्हांनें रोजीना
४ बाटो म्हांनें सदाइ दे। ओर म्हांको खांमी माफ कर।
क्योंस म्हेंपिण सगला लेणायतांनें छोडांगां ओर म्हांनें कि
मतमें मती लेजा लेर बुराइसुं म्हांनें काढ।
५ ओर उं वांनें कयो के थांको कुणहे के जींको एक लंगो
ट्योहे ओर उ दोपेर रातका उंकें कने जको आवें वा
६ उंनें कें के हे लंगोट्या मनें तीन रोटी उधारी दे क्योंस
म्हारो एक लंगोट्यो मारगसुं आयहें के जको म्हारें कनें
आयो वा उंकें सांमो मेलबनें क्युंहिपिण म्हारेंकनें नहें।
७ उ मांयसुं उथलो देर बोल्यो के मनें तोसीस मती दे
अबाइ बारणो जड्योहे वा म्हारा डावडा म्हारें भेला सूता
८ हें जो तनें देणबेई उठ न सकुंहुं। जो थांनें कउंहुं
कि उ लंगोट्यो होयसुं ओर उंनें देणबेई न उपडसी तो
पिण उंको मोकला मांगणसुं उ उठसी ओर उ जितो चावेंहें
९ तितो उंनें देसी। जंपिण तनें कउंहुं के मांगो तद
थांनें दीना जासी सोधो तद मिलसी ठोकर मारो वा थांकें
१० बेई खोल्यो जासी। क्योंस जको मांगेंहें उ पावेंहें ओर
जको उद्यम् करेंहें उपिण पावेंहें ओर जको कूटेंहें उंकेंबेई
११ खोल्यो जासी। क्योंस थांके विचालें बाभाकनें जको डाव
डो बाटी मांगें तो उ कांई उंनें भाठो देसी अथवा मछी
१२ मांगसी तो मछीकीठोड सांप देसी अथवा जर इंडा मांगे

Digitized by Google

१३ तो विछु देसी । इसुं थे अके बींठाजयेर घर आयर
का डावडानें चोखी वस्त दे जांणोछो तो थांको बाभो कें अको
सरगमेंछें उ आपकनें याचनाकरबवाळांनें उंसुं बतो कांई
धर्म्मआत्मा न देसी ।
१४ ओर उ एक भूतनें कुडावतोछो ओर उ गूंगोछो ओर
इसोछो कें भूत कड्यांपछें गूंगें कथा कही वा जमात विस्मब
१५ जई । लेर वांमें किणीर कयो कें भूतांको पातस्या बाअल्
१६ जबबसुं उ भूत कुडावेंछें । दूजें पिख कोमत करतां
१७ उं बनांसुं आकाशसूं कोई सैनाण देखनें मांग्यो । लेर
उं वांको चिंता जांणर वांनें कयो कें पावेंअके राज आ
पका वैरमें न्यारार जयर भोड जायछै वा भूंपा आ
१८ पका वैर जबर पडेंछें । ओर मोडो घर आपका
वैरमें न्यारो केतो उंको राज किसीतरें रैसी कोंस थे
१९ कयो कें जं बाअल्जबबसुं भूत कुडावुंछुं । लेर अको जं
बाअल्जबबसूं भूत कुडावुंछुं तो थांकें डावडा किंसूं कुडा
२० वेंछें इंसुं वे थांका मनसोभी करबवाळा जस्ती । लेर अर
जं ईश्वरकी आंगळीसू भूतकुडावुंछुं तो मुकर ईश्वरको
२१ राज थांकें कनें आयोछें । जद सरतंतवांध्योडो बळीयो
लोग आपका भूंपानें राषेंछें तद उंकी चीज वस्त चोखीतरें
२२ सुं रैछें लेर उसुं बलियो कोई लोग अर उ कनें आयर
उनें फते करेंछें तो उ जीं हतियार उपर भरोसा करीछो
उ आपड लेवेंछें वा लूंटकी विराड करेंछें । अको म्हारें
२३ भेळो नछें सो म्हारा वैरमेंछें वा अको म्हारो भेळो जोड न
२४ करेंछें सो विषेरेछें । जद भिसटआत्मा माणसुं गयो
छें तद उ चैन सोधार सूकी ठैाडांमें फिरावेंछें वा नलाधर
कैछें कें जं आपका जीं भूंपासुं नकर उंमें फेर जासुं ।
२५ वा आयर उंको बुहाय्यो वा सज्यांडो लाधेंछें तद उ जायछें
२६ वा आपसूं बींठा ओर सात आत्मानें आपकें कनें लेवेंछें

Digitized by Google

वा वे बडर उठें देंछें वा उ आदमोको छेवडो पैलडाता बींठेछें ।

२७ इलोछे वें वें या कथा वेबसुं एक रांड अमावकें विचां वें हेला करर उनें कयो के धीं पेट तनें कपडी वा वें थीं

२८ बोबा पोयो उ धन्य । लेर उ कयो के अबे भगवानकी कथा सुणेंछें वा पालेंछें पिक्ष वें धन्यछें ।

२९ अमाव भारी होवासुं उ केब लागो के ओ बोभोगोत छें उ लखब सोभेछें वा योना निमितिवाकें लखबिगर

३० ओर लखब उनें दोना नजासी । क्योंस जिसो योनानि निमितियां ओ लोगां कवें लखबछा तिसो आदमोका डाव

३१ डा ई गोतवनें जसी । दक्षिन देशको रांणी मनसोबामें यां गोती लोगां भेली उठसी वा वांनें धामीदार कर सी क्योंस वा मलमनकें ग्यांन सुखबेई संसारकी सींव सूं आई ओर देखे मलमनसुं मोटो एक लोग पठें छे ।

३२ निंविवीके लोग मनसोबामें इंगोत भेला उठसी ओर वांने धामीदार करसी क्योंस वां योनाका ढंढेरासुं मनमुडो ओर देखे योनासुं मोटो लोग एक

३३ पठेंछें । किनि लोग दीवो बालर पालोकडठोड वा मायली नीचे न राखेछें लेर दीवट उपर राखेछें कें

३४ मांयमें वडबवाला चांनणो देखे । डोलको दीवो आंख्यांछें उंसुं अर थारी आंख्यां एक नजरछें तो थारो

३५ सगलो डोल चांनणासुं भरी जासी । लेर अर थारी आंख्यां बींठीछें तो थारो सगलो डोल अंधारासुं भरी जासी इसुं निवेवाब रो पछे थांमे वियमें अबो चांनणो

३६ छें उ अंधारो नहोवें । इसुं अबो थारो सगलो डील चांनणासुं भयोछें वा कोनी जागा अंधारो नहीं बो जिसो चांनणोकरणवालोदोवो तनें चांनणो देछें तिसोर सगलो डोल चांनणासुं भयोडो जसी ।

Digitized by Google

३७ उ कथा वार्त्ता करतो हंकै विचै एक कोम फारिसी उंनैं
याचना करी कें उ उंकें भेलो जीमणनें आवैं ओर उ
३८ आयर बैठो। फारिसी देखर अचंभेरो कयो कें उ पेलडा
३९ जीमणकै अगाडी खांन कयो नहीं। लेर प्रभू उंनै
कयो के अबे थे फारिसि लोग बाटको वा थाली बारलासुं
४० मांजोगे लेर थाकें मांय छल वा मांगराईसुं भयागे। हे
४१ डोफा बारलैं बणावणवालैं कांइ मांय नई बणायो। लेर
थांके जको थुंकिंछैं उंसुं लेर भोषदेवो ओर देखो सगला
४२ थारे कनें निरमलछै। लेर थां फारिसियांने संताप
छै क्योंस थे पोदीनो वा मेथी वा सगली तरेका सागका
दसमो विराड देवोंछो वा न्याव वा भगवानमें मोवत
करणो वांनें नकरोछो यांको करणो वा दूजांको न छोड
४३ णो थांनें ठीक छै। लेर थां फारिसियांनें संताप
जसो क्योंस थांकें सिनगगांमें वडो बाजोट वा चोटामें
४४ मुजरो मोवत करो छो। हे कानुगा वा फारिसी
लबरचट थांनें संताप जसी क्योंस थे अदेषघोरां सरीषा
छो जके लोग वांके उपर फिरेंछैं वे नजांणेछै।
४५ ओर नीत जांणणवालां एक लोग उथलो देर उंनै
कयो कें हे वषांणीक आ केणसुं तूं म्हांकी पिण नंदा करैं
४६ छै। उं कयो कें थां नीतजांणण वालांनें पिण संताप
जसो क्योंस थे उठाणवेंई मोटा भारसुं आदम्यांने लादो
छो वा थे आपको एक आंगुलीसुं भारनें न भींटो छो।
४७ थांनें संताप जसी क्योंस निबियंको घोरां सांठोछो
४८ ओर थांके बापां वांने मारनांख्या। आ साचछै कें
थे साहदी देवोंछो कें थे आपका बाभांका कांमनें प्यार
करोछो क्योंस वां वांनें मारनाख्या सही ओर थे वांकी
४९ घोरां सांठोछो। इंसुं भगवांनको ग्यांन कैछैं कें हावलका
लोकसुं निबियांनें जेरीयाहूनें लोईछोडो के जको हामकोतरी

Digitized by Google

५० वा देवराकें विषमें माघो गयो दुनियाकी नीव वधावसुं
मारनांख्योडा सगला निमितियांको लोई यां गोतासूं
५१ समझोलेवोई में वांकेकने निमितियानें वा इलकारानें
मेलस्यों वा वामें विचमांसुं कितोक लोगानें वे मार नांषसी
५२ वा तोसिसदेंसी कं साच कउंछुं के उ ई गोतसुं समझियो
५२ जासी। थे नीतआखवालांने पण थानें संताप ऊसी
क्योंस थे ग्यांनको कुंचि लेगया थे सागीन पैठाछो वा वडता
५४ वालांने थे वरज्या। ओर उ वांनें आ कथा केतो कानूंगा
वा फारिसी छिप परा वा उकें उपर टंटो देखवेई उंको
काई कथा अपडणनें सांभना करता थका मोकला कांमां
में पासपेलीमे फेणवेई उंकें उपर मोटो वल करण लागे वा
उघतांण लागा।

१२ वारमो पांनो।—इसी मोकली अमात भेली ऊई
कें एक लोग दुजा उपर पडियो उ आयका चेलांनें केण
लागो कें पेलडा थे फारिसियांका पाटासुं निचेवान
२ रहो कें अके लबरचटपणोछें। क्योंस कुंछ लुक्यो
डो नछें कें अको चोडे न ऊसी वा पाल्योडो कें नजांणो
३ जासी। इसूं थे अको अंधारमे कोछो सो चांनणामें
सुनियो जासी वा थे पालोकडोमे अका कथा कांनमें
कोछो सो भूंपाकें डागलाउपर ढंढेरो फेरयो जासी।
४ ओर म्हारा लंगोट्या कं थांने कउंछुं कें अकें सबें मार
नांषणसकेछें लेर उंकें उपर ओर कुंछ्हि कर नसकेंछें
५ वांसूं मति बीहो। लेर भेंमिको डरणो जिसेंछें उवें
ऊं देखासुं जो मारनपछें मारकोमें वाय सकेछे उंसुं
६ डरो ऊं थानें साच कउंछुं कें उंसुं डरो। पांच
गोरों कांई दोय पैसांमे बेची नजायछे ओर वांके बिषमें
७ एकपिण भगवांनके सांमो भूल नजायछें। लेर थांका

Digitized by Google

माथाका केसपिण सगळा गिणोडा हैं इसु मती डरो थे
८ मोकळी गोरीसु बेसी किमत गो। और हुं थांने
कहुं के जको कोई लोग लोगांकि सामी मनें मानें बरें
आदमीका डावडा उनें भगवानका दुतकारांकि सामी
९ पिण माने करसी। और जको लोग आदम्यां सामी
मनें नांटे नटवसी उ भगवानके दुतकारां सामी नांटे
१० कयीजमासी। और धावेंमके लोग आदमीका डावडाका
बैरमें कथा वैठे उ उंकेकनें माफ कयो जासी बैर जको
कोई लोग परमातमा उपर उलंठाई करें उ माफ कयो न
११ जासी। और जद वे थांनें सिनगग वा मजसेथां वा
१२ हाकमांकनें लेजाय तद मती फिकरकरो के कीं वा कांई
उतरो दैसो वा कांई कैसो क्योंस थांनें जको कैणो जरुर
पड्सी उ उंस घडी परमातमा भणासी।
१३ और जमातसु एक लोग कयो के हे वपाबोध म्हारा
१४ भाईनें के कें उ म्हारें भेळो बारसि विराद करें। उं उनें
कयो के हे आदमी किण थांकेउपर मनें हाकम वा विराड
१५ परखवाळो कयो। और उं वांनें कयो के खबरदारी वा
लोभसु आपांनें बचगाराखो क्योंस किणी लोगकी माया
१६ मोकळी जवासु उनें उंको जीवणो नहें। उं वा
कथापिण बैर वांकेकनें एक परचो कयो के एक माया
१७ वाळाकै खेत मोटेर धान उपजायो। और उं वा
बैर आपमें मनसोबो करो के हुं कांई करणु के म्हारी
१८ हाःच राखवें मनें जागा नहें। और उं कयो के हुं यो
करसु के हुं आपकी भखारांवें भांगसु बाठसुं बाड बणा
सु और उठे म्हारी सगळी धान वा म्हारी सगळी माया
१९ राखसुं। और हुं आपके जीवनें कैसु के हे जीव मोकळा
बरसवेई थारी मोकळी माया राखीडोडें चैन मुजार वा खा

Digitized by Google

२० यो आनन्द कर। ओर भगवांन उनें कयो के हे होया
सून इं रातका थारो जीव तेसु लीयो जासी तद तें जके
२१ भेला कया वें कींका जसी। जको आदमी आपकेवेइ
माया भेली करेछे ओर भगवानकनें मायावान नछे उ
२२ इंतरेको छे ओर उं आपका चेलानें कयो के इस जं थानें
२३ कउंछु कें आपका जीववेई फिकर मती करो कें काइ
खासो वा डिलकेवेइ काइ पेरसो जीव खांणकी वस
२४ सुं मोटोछे वा डील गाभासुं मोटोछे। कागलां का
नी देखो कें वें न बावेंछे वा लाव न वाढेछे वाकें ढिगलां वा
कोठला नछे ओर भगवांन उनें पालनें देवेंछे थे पंखियां
२५ सुं कितराइ चोखाछो। ओर थांकें बिचमें कुण फिकर
करवसुं आपकी लांबायवानें एक हाथ बदो कर सकेंछे इसु
२६ जके थे नांना काम कर न सकोछो तो क्योंस दुजा कांम
२७ वेइ फिकर करोछो। सुदवन बीचमें वधैछे जो तंत जाणो
वें कांम न करेंछे वां सूत न कातेंछे ओर जं थानें कउंछु कें
सलेमन् आपका सगला मायामेंपिन वामें एककें सरीखा
२८ सोभावाला नछे। ओर जको घास आज खेतमें छैछे वा काल
चूलेमें बलायो जायछे उं घासनें जद भगवांन सोभादेवेंछे तो
हे थोडापतितकरवावाला भगवान काइ उंसु बतो थांने
२९ गाभा नदेसी। ओर थे सोभना मती करो कें काइ खासो
३० वा काइ पीवो वा संदेह करो मती क्योंस संसारको गात
का सगला सोभेंछे ओर थांको बाभो जाणेछे कें थांनें
३१ यां समबांकी दरकारछे पण भगवांनका राजनें सोभो
३२ जो सगला थांनें होना जासी। हे नांना टोला मती
बीह क्योंस थांनें राजदेवानें थांका बाभाकी मोटो राजी
३३ छें। थे आपकी माया वेचो वा दांन देवो आपवें
वेइ बोदानहोयवालीकोथल्यां अथवा अघटमाया सरग
में भेली करो कें जठें चोर नेडा नआयछे वा कीडा

२४ बिगाड न सकेंछे जीस जठें थांकी मायाछे उठें थांको मन
२५ पिण रैसी।
२६ थांकी कमरबंधी वा थांको दीवा चांनणोंवें वा थे वां आ
दम्यां ईसा हो वें जके आपका धणीकी बाट जोवेंछे के ऊ
परणरसुं कोंबेला आसी आताईमें कूटर मारता वे ऊंनें
बेई तरी खोलसो ऊ चडखो बन्यछे के ज्यांनें धणी आयर
२७ पोंहो देता पावे। जं थानें साच कऊंहुं के वें आपकी कड
बांधसी वा वानें जीमणबेई ठिकासी वा आयर वांकी सेवा
२८ करसी। और ऊ जर दूजें वा तीजें पोर आवें वा वांनें
२९ ईसा लाधें ऊ चडखा धन्यछे। और या जाणो के जो,
भूंपाको धणी जांणतो के कींघडी चोर आसी तो ऊ पोरो
३० देतो वा आपका भूंपानें भांगण न देतो। और थेपिण
त्यार रो कोस थे जींघडी आसकमें रोगे कंदी घडी
आदमीका डावडा आसी।
३१ और पितर उनें कयो के हे प्रभु तूं अे परचा कांई
३२ म्हानें कैछे के सगलांनें। और प्रभु कयो के वो जो
परतीती वा स्याणो दीवान कुणछे के धणि बेलामाफिक फव
वांनें कावणनें देणबेई धणी आपका सगली माया ऊपर
३३ ठीक करसी। धणी आयर जीं चडखानें ईसो करतो
३४ लाधे ऊ चडखा धन्यछे। जं थानें साच कऊंहुं के ऊ आप
३५ की सगली माया ऊपर उंनें मालक करसी। और जर
ऊ चडखा आपका मनमें विचारें के म्हारो धणी आवण
की ढील करेंछे वः गोलांनें वा कांगानें मारणनें वा आप
३६ खावण पीवण वा मतवालोहोवण लागो तो जींदीन ऊ चड
खा बाट नजोवेंछे वा जींघडी मनमें न जांणेंछे उंदीघडी
उं चडखाको धणी आसी वा उंनें वाडसी वा बेम
३७ रोयां भेलो उंका बिराड देसी। और जको चडखा
आपका धणीकी मनसा जांणर आपनें त्यार न रावें वा

उंका मनमाफिक काम नहीं करी तो मोकळो कूटो जासी।
४८ और जो न जाणकर मारखाव लायक काम करयो तो थोडो
मारखासी क्योंके जींनें मोकळो दीयो जायगो उंसुं मोकळो
समझ लेवो पडसी ना जींनें घणो मोकळो सूंपदीयोगो
उसूं घणो लेसी।
४९ मं संसारमें लापदे लगावाने ही आयो ना कांई चाहूंछु
५० जिकर हंवे। में तो बपतीसा लेणे छेर सुणी दिराईजावगी है
मनें एक सुणीदिरावणीछै और उंके पूराहोवणताई मं
५१ किसोक तंगीमें पावूंछु। थे कांई समझोछो कै मं सं
सारमें मिलाप देवाने आयोछु मं थानें कहूंछुं कें तो नहीं
५२ और बैरता देवाने आयोछुं। क्योंके अबाहुंसुं एक
घरमें पांच आदमी न्यारा रहसी तीन दोयका बैरमें दोय
५३ तीनका बैरमें। बाप डावडाका बैरमें न्यारो रहसी या
डावडो बापका बैरमें मांउ डावडीका बैरमें या डावडी मांउ
को बैरमें सासु बउका बैरमें बउ सासूका बैरमें न्यारी रहसी।
५४ और उं जमातनें कह्यो कें जद थे पछिममें एक मेंह उमड
५५ तो देखोगे तद वेगो बोलोगे कें भाडी आसी ना या होवेछे। या
जद दखणाउ वायरो चालनें देखोगे तद बोलोगे कें गरमी
५६ आसी या वा होवेछे। हे कपटयो थे धरतीको आ
काशको मुंडो जाण सकोगो और इं वेलानें क्यों नहीं
५७ जाणो और आपेइ ठीक कांई ठीक न्याव नकरोछो।
५८ जद तूं आपका बैरी भेळो हाकमरे कनें जावछै तद
मारगमें उंसुं छुटवाकी सला कर कोईजोबी उ तनें
न्याउवने भळावें या न्याउ तनें मुसरफनें भळावें या
५९ उ तनें केदमें घालें। मं तनें कहूंछु कें तूं उंठु बारनें
न नीकळसी कें जदतांई पाई पाई भरसी।

१३ तेरमो पाँथी।—और उं मोकाका किसाक लोक

बैका उभाउ थे बां उनें उ मांबिबियावें कायदामें जबाये
२ के म्यानें कोई पौबावनें वा बलियां भेळा मिळायो। और
यिसु उथको देर वानें कयो के थे कांई समभोगे के वें
माबिबिवाबा उनिरबें बसट पावामें और लगबा मावि
३ बियांसु बांमीदारगा। उं थानें कउंउ कें उ बही वेर
४ घर थे बांमबा मबरो तो थे समबा मैरा जमी। बयबा
भी मठारें बोमउपर सिबोबा तुकी कोट पयो वा बानें मार
नाका थे कांई समभोगे के वें यिरसबसमें रैवाबा
५ सगबासु बबा बांमीदारगा। उं थानें कउंउ के वेंमबी
वेर घर थे बांमबा नई करो तो थे सगबा पिब गैरा जसी।
६ और उ मरचासु वानें कयो के कीको बादमोकी बाडी
में एक बंगीर दंव उगोगे और उ उनें फाब सोभ
७ वी बायो और कुंहि मबाबा। उं पछे उ बापबा
बामबाबनें कयो कें देख उं तीन वरसांतोकी इंबयबा
फब सोभबनें बायो और कुंहि ववाबा उनें बाडनाव
८ उ धरतीनें क्युं भार मारेंगे। उं उयबो देर उनें
कयो कें वैयवी उनें, इं सांबयिब ईयदि कें मठातोकी कं
९ उनें चारांकीनी पोदु वा सवाद। तद घर फबें तो
धीवो बेर अबे मफबें तो उनें बाडनांव।
१० दीत्रवारनें उ वांके एक सिबमगमें भवातोगे। और
११ देखो एक रंडगी कें बींकें उपर अठारें बरसांसु दूबको
बाबागो और कूबडो जई गी वा कोबबरें बाव उभी
१२ जंय मबबती। यिसु उनें देवर उनें बुबायर कयो
१३ कें थे रंउ तु बापका दूमबायबासु छूटी। उं मठें
उं उनें उपर हाथ दोलों और भट वा पाघरी जई वा
१४ भगवांनको खुसि करो। और यिसुकें उनें दीव
बारनें बाबी करबदेवर सिनगगको बबी रीससुं उथको
हेदू नमायनें कयो कें कांमकरब बायब ढदिन हैं वांमें

१५ आयर ताजा ढो वा दीतवारमें नई। थिसु उथलो देर
उंनें कथो के कबरघठ थाँवें विपाँबें पावेंमके आदमो कांई
दीतवारमें आपका बळध वा गधानें थोळको ठागासुं
१६ खोलर पांबो पोवबनें न लेजायछे। और ई रांड के ओबिं
मोडासुं ई आठारा बरस अकडीगी वा आबंरहामकी
डावडीगी वा कांई दीतवारनें यां बंदखासुं खोलब लायक
१७ नछे। उं आ सगली कथा कयांसुं उंका सगला वैरी
लाजां मया वा सगली जमात उंसुं कयोडा सगला
अछेराकामां उपर मोकळा राजी व्हा।
१८ और उं कयो कें भगवानको राज कीसरीखोछे वा अं कीं
१९ उपमासुं उंनें उपमा देसुं। उ राईका दाणा सरि
खोछे कें जीनें किसी लोग लेर आपका खेतमें वगायो और
उ वधर मोटोरुंख व गयो वा आकासका पंख्या आयर
उंकें उपर माळा कया।
२० फेर उं कयो कें अं कीसुं भगवानका राजनें उपमा
२१ देसुं। उ खाटा सरिखोछे कें जीनें किसी रांड लेर
तीन पाथकी आटामें मेल्यो कें अठालोडो सगलो खाटो व
२२ ग्यो। और वें भणावता वा यिरुसलमके कांनी जा
ता नगर२ वा खेडे२ गया।
२३ किसी लोग उंनें कयो कें हे धणी उद्धारपावबाला कांई
२४ थोडा व्हसी। उं वांनें कयो कें सांकडा बारणामें वड
बाको जावबो करो क्येंस अं थांनें कउंछु कें मोकळा वडब
२५ कें जावतो करसी वा न सकसी। जींबेळा भुंयाको
धणी उठवें वा बारणो ढकें वा थें बारवें उभाईबो वा बा
कणो केर बारबो खुल्ण लागो कें हे धणी२ म्हांकें वई बार
खोलबाज वा उ उथलो देर कवें कें थें कठासुं आयागा वा
२६ कं न जाणुंछु तो थें कें न लागसो कें में थारें सामा जीम्या

२७ वा पीया वा तें म्हांके मारगमें भणाया।   पिर उ कैसी कें
हुं थांनें कउंहुं कें थे कठासुं आयाछो आ हुं न जांणुहुं
२८ हे सगळा पोटाकांम करणवाळा मेंसुं अळगा हो।   थे
जद भगवांनका राजमें आबरहाम्नें वा यिसहाकनें वा
यहाकूबनें वा सगळा निबियांनें देषसो वा आप बारणें
बगाया जासो तद उठें रोवो वा दांत पीसबो पडसी।
२९ ओर वें पूरबसुं वा पछिमसुं वा उत्तरसुं वा दछिणसुं
३० आसी वा भगवांनका राजमें बइसी।   ओर देषो छेड
ला कोईक पेहला हसी वा पेहला कोईक छेडला हसी।
३१   उं दिन कितराक फारिसियां उंदें नेडा आयर उंनें कयो
कें उठ ईं जागासुं जा क्योंकि हेरोद तनें मारनाख्यो चावेछे।
३२ उं वांनें कयो कें जायर ईं ल्यांळीनें कें कें देष हुं भूतांनें छु
डावुंहुं वा आज वा काल रोगांनें ताजा करुंहुं वा तीजें
३३ दिन पूरो हसुं।   ओरपिण आ जरूर कें हुं आज वा
काल वा पिरुं फिरुं क्योंकि यिरुसलेमके बारणें निबियां
३४ को मोतगमाणो होस कैसी नहीं।   हे यिरुसलेम२ कें
जके निबियांनें मारनांषेछे जिसी कूकडी आपका बचां
आपकी पांषांनीचें भेळा करेंछे तिसो में कितिवार थारा
३५ छावडांनें भेळा करणा चावो पेर थे न चाया।   देषो था
का घर उजाड हुयर थं कैवैईं छोड दीनाछे ओरपिण हुं
थांनें साच कउंहुं कें जठातांई थे नकैसो कें भगवांनका
नांमसुं आवणवाळा धन्य जठातांई मनें ओर न देषसो।

१४ चवदमो पांनो।—दीतवारकें दिन उ फारिसियांके
बडेरांकें एक लोगकें भूषानें रोटी षावण वैई आवणसुं लो
२ कवे। कें वां उंदें सामी दिसट राषो ओर देषो जलोदरसुं
३ मांदो एकआदमी उंदें सांमोछे।   ओर यिसु उथलो
देर पोथीजांणणवाळांनें वा फारिसियांनें आ कयो कयो

४ वे दीतवारनें ताबीतरसी ठीकठें वा नही। ओर वे
५ बोल्या रया ओर उ उनें जेर ताजो कयो वा गेथ्यो। उ
पछें उ उबको देर वानें कयो कै थांका कीवाईको गधो वा
बळध कोडमें पडें ओर उ उदिबेला दीतवारनें काई न
६ उपाडसी ओर वे उनें फेर इं बातको उथलो दे न
सक्या।
७ न्योत्योडा चोखीचोख्यानें सराइ क उनें देषर आ
८ कथा केर उनोंच्योंडानें एक परचो कयो कै जबकेई
जद थानें किसु न्योतोडा को गे तद सारांसु चोखा
तखत उपर मती बेठो काईनबा के थासु बडेरा आदमी
९ फिब उनें नोत्योडा हो वा औ थनें वा उनें नेतो
दीनो उ आयर तनें कहें के ई आदमीनें आगा देवो वा
१० तद तुं लाजसुं नांनीजागा जावे लागो। ओर थे जद
नोत्योडा हो तद आयर सगळांसुं नांनीजागामें बेठ के जो
आदमी तनें नोत्यो उ जद आसी तद तनें कें के हे
यार ओर चोखीजागामें आ तद जीमबनें जके बेठें वां
११ तनें थारी आबरु जसी। क्योंस जको चाहें आपनें
आपनें मोटा करेंगे उ नांनां कयो जासी वा जकोकोई
१२ आपनें नांना करेंगे उ मोटो कयो जासी। तद जी
उनें नोत्यो गे उ उनें कयो कें तुं जद दिनको वा रातको
जीमण करें तद आपका यारांनें अथवा भायांनें अथवा
गोतांनें अथवा थारा मायावाळापडोस्यांनें मती बुलाय
काईजाणा वे तनें फेर बुलासी वा तुं बदलो पासी
१३ ओर जद जीमणनें करें तद म्याच्यांनें वा टुंटानें वा पांगळानें
१४ वा सुंयांनें बुलाय ओर तुं धन्य जसी क्योंस वे तनें
फेर दे नसकसी क्योंस सिद्धांनें फेरउपजबकीवेळा तनें
फेरदीनो जासी।
१५ ओर वांकें भेळोबैठबवाळो एक जोग आ कथा सुणर

Digitized by Google

उनें कयो कें उ धन्य है कें जको भगवांनका राजमें भाटी
१६ खासी। उ उनें कयो कें एक कोग मोटो यांधो कयो
१७ वा मोकळां नें बुलाया। और यांणवकी वेळा उं सन्
बाघांनें गोलां नें भेजर कयो कें आवो चीस सगळी
१८ त्यार हैं। और सगळा एक उणिहार उजरास करवा
लागा पैलड़े उनें कयो कें में धरती मोल लीनी है वा निसै
हैं कें उनें देखवनें जाउं, जं प्रा बीनती करुं कें मनें छोडो।
१९ और दूजे कयो कें जं पांच जोडी बळद मोल लियाहै
वा बांनें परखवनें जाउं जं या बीनती करुं कें मनें
२० छोडो। और एक कोग कयो कें मैं याव कयो है उंहि
२१ वेई जं आय न सकुं। उं पछे उ गोलो फेर आ
यर आपका धणीनें आ ठीक दीनी तद उ भूपाळ धणी
रीस करर गोलानें कयो कें नगरकें मारगमें वा गळियांमें
वेगो जा और भाखरां आ टुंटानें वा पांगळां नें वा लूलांनें अठे
२२ लुयांनें पठें ल्याव। और गोलो कयो कें हे धणी तें
जिसी आग्या दीनी तिसी करी है और जगाह भागा है।
२३ उ पछे धणी गोलानें कयो कें मारगमें वा बाड़ांमे जा वा
बांनें मांय आवणकी आग्या दे कें म्हारो भूंपो परवा जो
२४ जाय। क्योंस जं तनें कउंकुं कें जके आदमी बुलाया है
वांमें कोई आदमी मिश म्हारें जीमणनें न चाखसी।
२५ और मोटी कमात उंके भेळी होवसु उ फिरर बांनें कयो
२६ कें जकोकोई कोग म्हारें पिछाडी आवें वा आपकें बाभानें वा
आपकी माउनें वा बउनें वा डावडानें वा भाईनें वा बैनंनें
और आपकें जीवनें नही निसे है उ म्हारो चेलो होय सक
२७ सी नही। और जकोकोई आपकी हलवांणी न उ
पाडै वा म्हारें पिछाडी न आवें उ म्हारो चेलो होय सकसी
२८ नही क्योंस थांकें बिचमें कोई कोग मढ बणावणनें चावर

Digitized by Google

पैलंडा घरचको लेखो करणवेई नबेठेगो के उंकें पूरोकरण
२९ लायक मायछे अथवा नहीं क्यांमांसां नीवदेर वा पूरो
कर न सकणसु सगला देखणवाला मा केर उंकी मस
कूवरी करण लागा के इंवोमा सांठ्यो सरु कयो वा पूरो
३० कर न सक्यो । ओर कुण पातसा दूजा पातसाभेलो
३१ वारो करणवेई जातो पैलडा मक्सोवो करणनें न बेठेगे के
आप दसहजार फोज लारें लेघरो आपका बेरी बिस
हजार लारेंलेघरा आवणवाला भेलो बरोबरी कर सकसी ।
३२ वा आन करणसूं वें दूजा मोकला आघमा रेता उ उकीलां
मेलर सलाकीकथा पावेंगे इंतरें पिण थाकोर कोई लोग
अको आपका सगलाने न छोडे तो उ म्हारेर चेलो जब न सकें
३३ छें । लूण चोखोछेओर जको लूण वीठो कै वो कोसूं सलूणो
३४ कयो जासी । उ धरतीवेई वा खारको लोकसोवेई
३५ चोखो नहीं ओर लोग उनें बारनें नाख देवेंगे । जींनें
सुणणनें कानहें उ सुणों ।

१५ पनरमो पानो ।—ओर उंकी कथा सुणण
वेई सगला पटेल वा पापीदार लोग उंकें नेडा आया ।
२ ओर फारिसियां वा उपाध्यायां मा केर पतकर करो क
उ पापियांनें लेवेंछे वा वांके भेलो जीमेछे ।
३ उं मा केर वांनें ओ परचो कयो के थांकें बिचमें
४ किसो आदमी एक सो गाडरां केवा वांमांसु एक गमणसुं
५ उ आदमी कांई वो बिनाणवेनें जाडमें न छोडसी वा
गमावोडी वनांधें तठातोडी उंगमेयोडानें सोधसी नहीं ।
६ वा लाधर राजीसूं आपकें खवेंउपर ले छे वा मूंघे पोचर
आपका संगोत्यांनें वा पाडोसियांनें भेला करर केछे के
म्हारें भेला खुसी करो क्योंसें में गमियोडा गाडरो लाधो
७ छे । मं थांनें कउंछु के इसीहि पापमण करणवे

Digitized by Google

ज्योंहीं तिसे नहीं इसा जिनाकेवें सीढ़कोगांसु एक
८ पापकरवावालापणी उपर सरगमें खुसी हसो। ओर
भी रेकडा दस रुपियाछै वा अकी एक रुपियो गमावै
तो कांई दीवा न बालसी वा झूपो नहीं वारसी वा जठा
तांई तलाईं वठागोड़ी कांई चौकीतरेसु सोधसी नहीं।
९ ओर लाधर आपका संगीत्यांने वा नेडारैवावालांनें भेळा
करर कैछे कें म्हारै भेळा खुसी करो क्योंके मैं गमो रुपियो
१० लाधोछो उनें लाधो। उं ओपिक तवें कउंछु कें भगि
वानका दूतकारांकें सांमीपिक एक पापवाकरवावाला सांमी
हारो उपर खुसीछें।
११ उं ओर पिक कयो कें एक आदमीका दोय डावडा
१२ छा। ओर वामेंसु नांनो आपका बाबासें कयो कें
हे बाबा मायाको जकोविराड म्हारा भागमें आवेछै उ
मनें दे उंठेपछै उ वांकें कारच मायाको विराड करर वांने
१३ दीदो। उं पछै थोडा दिन न हुवतां नानोडावडो आपका
सगळांकें भेळा करर आबादेसमें गयो वा उठें खोटै
१४ मारगमें आपका माया सगळी खरच करी। ओर
सगळी खरच कर्यांपछै मोटो मुंगाई उं देसमें हुई ओर
१५ उ कंगुंसीमें पडवा लागो। उवें पछै उ जायर उंदेस
की एक रैतकनें रयो ओर उं सूरचरावाबेईं उनें
१६ खेतमें मेल्यो। ओर उं सूरांकें खावणका छोतरांसूं
आपको पेट भरणौं चायो ओर कोई बोगन उंनें नदीवा।
१७ लावचेत हुयर उं कयो कें म्हारा बाबाकें कित्ता मजूरा
१८ कांछे रोटीयांक पावेंछै ओर उं भूका मरंछु। उं
उठकर आपका बाबाकनें जासु वा उंनें केसुं कें हे बाबा
१९ में सरगका बैरमें वा थारे सांमी पापी करो वा
अबारसुं थारो डावडो नामे कुवापिक होबालायक नहु
२० मनें थारा एक मजूरासरीको कर। ओर उ

उठर आपका बाभाकनें आयो और उ मोकलो अलगो
रैतां उंकें बाभें उंनें देख्यो वा कृपा करी वा दौडर उंको
२१ गावड भपडी वा उंनें चुम्यो । और डावडे उंनें कयो कें हे
बाभा में स्वर्गका बेरमें वा थारें सामी पाभो करी वा आवाहं
२२ सुं थारो अवडो बाभे मतापोक होवावायक नहुं । और
बाभें गोलानें कयो कें सगबांसुं आछोवस्राव ल्यायर उंनें
पेरावो वा उंकें हाथमें मोंटी वा उंकें पगांमें जूतो पेरावो
२३ वा बछड मतोल और मारो वा म्हे जीमर राजी व्हां ।
२४ क्योंस यो म्हारो डावडो मरर बचोठें उ गम्योडोगे वा
२५ फेरलाधोठें और वे राजी वरब लागा । और उंको
मोटो डावडो बेतमें ठो और आतांर उ झूंपाकें नेंडो
२६ पोंचर बाजा वा नाचको अवद सुण्यो। और उं एक गोलानें
२७ बुलायर पूछ्यो कें यो काई ठें । उं उंनें कयो कें थारो
भाई आयो वा थारें बाभें मोटोमतोल मार्यो क्योंस उंनें
२८ चोखोववावमें लाधो । और उ रीसायो वा मांय जावा न
२९ चायो उंसूं उंकें बाभे नीकलर उंको बीनती करी उं उथलो
देर आपका बाभानें कयो कें देख में थारी इत्ता दिन चाकरी
करी वा थारी आग्या कदें न लोपी और तें मनें कदे एक
बकरीयिब न दीनी कें उं आपका संगात्यां भेलो खुसी
३० करं । और थारें यो डावडें पातरां भेलो रैर थारी
सगली माया उडाय दीनी तें उंकें अवताई उंकेबेई मो
३१ टामतोलनें मार्यो । उं उंनें कयो कें हे डावडा तूं रो
जीना म्हारो नेंडो रठें वा म्हारी सगली वस्तां थारीठें।
३२ म्हानें खुसी वरबी वा राजी होबो विसेंठें क्योंस थारो भाई
मर्योठो लेर जीवतो व्होठें उ गम्योडोगो लेर लाधोठें ।

१६ सोलमो पाठो ।—और उं आपका चेलानें कयो
एक मायापात्र आदमीगे उंको एक दीवानठो जींकें

Digitized by Google

२ उपर.रतो अवो कें उंउंको माल.बिगाड्यो। ओर उं उंनें बुलायर कयो कें ओ कांई छे कें अं थारा कायदा में आ सुंणूं. थारी दिवांणीका कांमको सुलझाडो कर
३ क्योंस तूं इं बेखासुं दिवांन अब न सकेंछे। तद उं दीवांन आपका मनमें कयो कें अं कांई करसुं क्योंस म्हारो धणी दीवांणी म्हारेंसुं छुडावेंछे अं खुद खोदबा न सकसुं
४ वा भीख मांगतोथिको लाजां मरंछुं। अं जांणुंछुं कें अं अस्यो करसुं कें जद दीवांणीसुं अलग तद वें मनें आप
५ का झूंपामें लेसी। तद उं आपका धणींका समला लेवा
६ यतांनें आपकेंकनें बुलायर पेलाडाकें कयो कें म्हारा
७ धणीको तनें कीतो देणो छे उं कयो कें सो मान तेल उं उंनें
८ कयोर कें आपकी कागद ले वा बेठर बेगा पचास लिख। ओर उं दूजानें कयो कें तनें कितो देणोछे उं कयो कें सो कोर गेंहों ओर उं उंनें कयो कें थारो कागद ले वा अस्सी लिख ओर उं धरांमधणीर दीवांन ग्यानको कांम कीनो ओहुं उंकें धणी उंनें सरायो क्योंस इं संसारका डावडा आपकी जात
९ कें बिचालें चांदणाकाडावडासरीखा अकलवंद छे। इंवेई अं आपिया थांनें कउंछूं कें आपकेंमेरे अयोगमायासुं प्यार करो क्योंस जद थे निबला होछो तद वें थांनें अनंता बासेमें
१० लेसी। अको लोग थोडामें बिस्वासी उ मोकलामेंभि बिस्वासी छे ओर अको लोग थोडामे बेबिस्वासी उ मोकलामें
११ पिण बेबिसवासी इंसुं अको अयथार्थ मायामें थे बिस्वासी न
१२ हो तो थांकें कनें साचमाया कुण भलासी। ओर दूजा आदमीकी मायामें थर बिस्वासी नछा तो थांकी सागी
१३ माया थांनें कुण देसी। कोई चाकर दोय धणीको सेवा कर न सकेंछे क्योंस उ एकको गोई करसी वा दूजासुं प्यार करसी अथवा एकको सेवा करसो वा दूजानें निधंछसी थे भगवांनका वा मायाको सेवा कर न सकोगे।

Digitized by Google

१४ और मायापात्र फारिसियां भी सगळो सुणीर वा
१५ उंकी निन्दा करी। और उं वांनें कयो कें थे वें छो
कें जको आदम्यांकें सांमें आपांनें सिद्ध करर देखावेंछो
लेर भगवांन थांको मन जांणेंछे क्योंस जको आदम्यांके
विचारमें मांवजादीक छेंछे उ भगवांनकें सांमें समदा
१६ योग्यछें। तौरेंत वा नबी योहनतांईछा उं वेलासुं
भगवांनको राज ढंढेरो फेयो जायछे वा सगळा लोग
१७ उंमें उद्यमसुं जायछें। और तौरेंतको एक मिंडि मिटबा
सुं सर्ग वा धरतीको वे जांणो सोरोछें। चावेंसो लोग
१८ आपकी बउनें छोडर वा दूजीनें परणर जारी करेंछे वा
चावेंसो लोग धणीछोडोडीरंडानें परणेंतो जारी करेंछे।
१९ एक मायापात्र आदमीछो कें जको वेंगण्यां रंगका
गाभा वा मीं बखाव पैर्यां छो वा हरवकें दिन मोटें
२० चैनमें दिनकाट्या। और लाजार नांवजादीक एक
भ्याचीछो कें जको घावांसुं भर्यो उंकें बारणावें मेंडो
२१ राख्योछो। और मायापात्रका बाजोटसुं जको भूखा
भ्रेवे पडें उसुं पेट भरबा चायो लेर जपयां आयर उंको
२२ घावां चाटी। और भ्याचीको मरबो हुओ वा
हलकारा उंनें आबरहामकी गोदीउपर लेगया मायापा
२३ त्र भि मर्यो वा घोरमें दीनो गयो। और दूजा भवमें
कष्टमें रेंकर उं आपकी आंख्यां उंची करर अलगासुं
आबरहामनें देख्यो वा उंकी गोदीउपर लाजारनें भि
२४ देख्यो। और उं हेला करर कयो कें हे बाबा आबरहाम
म्हारी दया कर वा लाजारनें भेज कें आपकी आंगळीकी
नोक पांणीमें डुबोयर म्हारी जीभनें ठंडी करें क्योंस कं हुं
२५ आंचमें कष्ट पांउंछुं। लेर आबरहाम उंनें कयो कें हे
डावडा चितार कं तें आपका जीवतबमें आपकी चोखीवस्तां
पाई वा लाजारको उंईतरें भि बीठानें लेर अबें उ चैन

Digitized by Google

२६ पावेंछें वा तूं तोसिसपावेछें। श्रो सगळो बिगर पिण म्हांकें
वा थांकें बिचालें मोटो एक गेटो राख्योगयोछें जसूं अठो
अठासुं थांकेंकनें जायां चायछें वें न सकेंछें उसाई वें
२७ उठासुं म्हांकेंकनें आय न सकेंछें। उपछे उ कयो कें हे
बाभा इसूं ऊं वीनवी करूंलु कें तूं उंनें म्हारें बाभाकें
२८ मूंपामें मेलो क्यांकि म्हारें पांच भाईछें वें उंकेंकनें
साखदो देवें कें वें पिण ई तोसिसकि ठोडमें न आवें।
२९ आबरहाम उंनें कयो कें वांकें मोसह वा बिनिबियां छें
३० वांनें वांकी कथा सुणणदे। उ कयो कें हे बाभा आबरहाम
इसो नई पेर कोई लोग मोतसुं वांकेंकनें जाय तो वें
३१ मांमणा करसी। उ वांनें कयो कें अर मोसहनें वा
निबियांनें न सुणें तो कोई लोग मोतसूं उपडणसूं
पिण वें समभाया न जासी।

१७ सतरमो पांनो।—श्रोर उ आपका चेलांनें कयो
कें न सकणवालाछिं कें अटक न आवें पेर संताप उंनें
२ कें जींसूं आवें श्रो नांनाकें बिचालें एक लोगकें अट
करनेंसूं पण उंकें गाळडमें घरटी बांधी जाती वा उंनें दरि
३ यावमें वगायो जातो उंको चोखो कतो। निर्धवान अर
थारो भाई थारा बेरमें पामों करें तो उंनें डराय वा
४ अको पांमणा करें तो उंनें छोडदे। श्रोर अर सात विरियां
रोजीना थारा बेरमें पांमो करें वा सात विरियां ऊं पांमणा
कराउंलुं पेर थारंकनें फेरआवें तोपिण उंनें छोडदे।
५ श्रोर हलकारां प्रभूनें कयो कें म्हांको प्रतीत बधाय
६ श्रोर प्रभू कयो कें अर थांकें एक दांणा राईका बीज
सरिषो प्रतीतहुं वो उ सुकामीन रूंपनें कहसो कें उपड वा
७ दरियावमें लायो जा श्रोर उ थांको कथा सुणसी। श्रोर
पिण थांकें बिचमें कों कोई चडश्रोछें कें अको फाल्यो देवेछें

Digitized by Google

वा जिनावर चरावेंछे वा उ चडयो खेतसूं आवां पछें उंनें
८ झट केंसो कें आ जीमवें टिक। वा पण उंनें न केंसो
कें म्हारें जीमणनें त्यारी कर वा कड बांध वा में जठातोडी
पावोछें तठातोडी म्हारी सेवा कर वा उं पछें तूं खासो वा
९ पीसो। उं चडसावें दा आग्या कयोडो कांम करणसूं
१० उं कांई उंकी स्तुति करसी कं समभूं हुं कें नही। इसोई
अद थांकेंकनें आग्या कयोडा सगळां कांम घे कपाळा तद
पिण कयो कें म्हे निकम्मो चडसा छां म्हे खामि आपणा
करणयोग कांम कियोछें।
११ ओर उ यिरोसलम्में गवां इसो हवो कें उ समरोन वा
१२ गलिलिकें बिचालेंसु गयो। ओर उ एक गांवमें पेंसपर दस
१३ कोढीलोग उंकें भेला मिल्या वा अळगांसुं उभा ज्या। ओर
वां हेला करर कयो कें हे यिशु स्वामी म्हाकें उपर दयाकर।
१४ ओर उं वांनें देखर कयो कें जायर आपांनें याजकांकनें
देखाव ओर जातांर इसो हवो कें वें निरमळा हगया।
१५ वांकें एक लोग देख्यो कें सागी ताजा हवा इसुं मोटा हेले
१६ तांसूं भगवांनकी स्तुती करर फेर गया। वा उंकी
स्तुति करर उंकें पगां उपर माथो मेल्यो उ समरोनी छो।
१७ ओर यिशु उथलो देर कयो कें कांई दस लोग निर्मळा
१८ कया न गया तो ओर नव लोग कठें। भगवांनकी स्तुति
मेलणवेंई ओ ओरगोतीआदम्यांविगर ओर कोई लोग
१९ लाधो न गयो। ओर उं उंनें कयो कें उपड जा थारी
प्रतीत तनें ताजो कयो।
२० ओर भगवांनको राज कद आसो फारिसांसुं आ कथा
पूछ्योडा जब सूं उं उंनें उथलो दीनो वा कयो कें भग
२१ वांनको राज लखणांसूं नई आवेंछे। ओर वें नही
केंसो कें देख यठेंछे वा देख उठेंछे क्योंके देख भगवांनको

२२ राज थांकें विचमेंळें । उं आपका चेलांनें कयो कें दिन
आसी कें जद थे आदमीका डावडाका दिनांकें एक दिन
२३ दख्यांचासो लेर न देखसो । ओर वें थांनें केंसी कें अठें
देख अथवा उठें देख तद बारखें मती जावो वा वांकें पिछा
२४ डी मती जावो । क्योंस जिसी बीजळी आकासकें नीचासूं
एकआंनी चिंवेंळें वा आकासकें नीचें दूजीआंनीतांडी जायळें
२५ तिसो आदमीको डावडो आपका दिनांमें व्हसी । लेर
पैलडा उंनें मोकळो कसट पांबो वा इंभेलाका लेगांसुं
२६ नकारो कयो आंबो निसेळें । ओर नुवूकी वेळामें जिसो
२७ ळो तिसो आदमीकें डावडांकी वेळामें व्हसी । नुवू
अठातोडी ज्याजमें गयो वा डैबाबी आई वा वां सगळां
को घोजगमायो अठातोडी वै खातापीता परखता वा परखा
२८ बताळा । इसोईं लोट्कें दिनांमें जीतरें ळो वा खायो
२९ पीयो मोल लीनो बेच्यो वा गाड्यो वा झूंपा उपाड्यो । लेर
लोट् जीं दिन सदमसुं गयो. उं दिन बासदे वा गंधक आ
३० कासमूं पड्यो वा सगळांको घोजगमायो । जीं दिन
३१ आदमीका डावडा घोडें व्हसी उं दिन इसो व्हसी । उं
दिन जको लोग झूंपाका डागळाउपर कें वा उंको वखवांको
झूंपामें रेंउ उंनें लेबनें न उतरें वा जको लोग खेतमें कें
३२ उपिछ तिसा नही मुडे लोट्की बउनें चितारो । जको
३३ लोग आपका जीवनें उबार कयां चावेंळें उ उंनें गमास्सी
३४ वा जको लोग उंनें गमावेंळें उ उंनें राखसी । हुं थांनें
कउंहुं उं रातमें दोय लोग एक बिछावेंमें व्हसी एक कपड्या
३५ जासी वा एक ळोड्यो जासी । दोय रंड घरट्यां फेरती रेंसी
३६ एक कपडा जासी वा दूजी ळोडी जासी । दोय लोग खेतमें
३७ रेंसी एक कपड्यो जासी वा एक ळोड्यो जासी । वां उथलो

Digitized by Google

देर कयो कें है धको काठें उं वांनें कयो कें जठें मडांका
रैवें उठें गीध भेळा व्हैसी।

१८ अठारमो पांनो।—आदम्यांनें रोजीना याचना
करणी वा नहीं छोडणी जिसें छे आ दिखावणनेई उं आ
२ कैता एक परबो वांकेंकनें कयो कें अमुकडा नगरमें
एक काजी छो कें जको भगवानसुं न डयो वा आदम्यांनें
३ नमांन्या। और उं नगरमें एक रंडगी कें जका उंकें
कनें आंयर बोली कें म्हारा बेरीका वासवेलोमें म्हारो
४ न्याव कर। और कितांक दिन उंनें फिटकारी केर
उंकें पछें उं आपका मनमें कयो कें जं भगवानसुं न डरतो
५ वा आदम्यांनें न मांनूंछुं तोपिण ईरंड मनें
तोसीस देवसुं जं उंको न्याव करसुं कें वा रोजीना
६ आयसुं मनें कष्ट नदेवें। प्रभू कयो कें बेअदलकाजी
७ जको केवें छे सुणो। और भगवांन निज आपकें
सरावणाकें न्यायदामें मोकला दिन सेर कांई वांको न्याव
न करसी कें जकें रातर दिन उंकेंकनें अरज करें छें जं थानें
८ कउंछुं कें वांको न्याव छे बेगो करसो केर आदम्याका
डावडा जर आवें तो कांई संसारमें प्रतित पासो।
९ और उं किणेंहे ओ परबो कयो कें ज्यां आपांनें सिव
१० कर जांणता वा दूजानें निपंमा मान्या। कें दोय
आदमी देवरामें याचना करवानें गया एक लोग फारिस्त्रि
११ वा दूजो पठवारो। फारिस्त्रि उभो ऊयर आपसुं इसो
याचना करो कें हे भगवांन जं थारी स्तुती करूंछुं कें बन
रापसुं लेववाला वा विगरसिजाईं वा जार जको ओरर
लोग वांकें इसो जं नछुं वाईं पटेल सरीखोपिण जं नछुं।
१२ जं अठवाडामें दोय पोषधकरूंछुं जं आपकी सगळि माया
१३ को दसमो विराड देवुंछुं। और पटेल अलग सूं उभें

जबर आपकी आंख्यांपर आकासकांनी उंचायां न चाहो
केर आपकी छाती कूटर कयो कें भगवान में पापीदार
१४ कें उपर दया करें। उं थांनें कउंछु कें यो लोग दूजा
सूं सिद्धकयोड़ो आपकें घरें गयो क्योंकि आपनें मोटो
मांनबवालो चावेंलो लोग नीचो कयो जासी वा आपनें
नीचो मांनबवालो बधायो जासी।
१५ वें उंकनें नांना टावरांनें ल्याया कें उ वांनें भींटें फेर
१६ उंनें चेला देखर उंनें डरायो। फेर ईसु वांनें बुला
कर कयो कें नांना टावरांनें म्हारेंकनें आवबो द्यो वांनें मती
१७ बरजो क्योंक वां जिसारां भगवानको राजछे। उं
थांनें साच कउंछु कें जको कोई लोग टावरकीसी भग
वानका राजनें न लेछे उ उंनें न बड़सी।
१८ फेर सिरदारांकां एक लोग उंनें पूछो कें हे उत्तम
गुरां उं अनंती जीवतपको उवारास होबछुं काई कर
१९ सुं। ईसु उंनें कयो कें मनें क्युं उत्तम केछे एक राम
२० सांवरियार केंई उत्तम नछे तूं आग्यायां जांणेंछे कें बारी
मतोकर चोरी मती कर खून मती कर कूड़ीसाखदो मतीदे
२१ आपकें बाप माआको आदर कर। उं कयो कें यां बात
२२ वांनें में बालपणां लेल्यारपणासुं पाल्या। ईसु या सुणर
उंनें कयो कें तनें एक काम करबो बाकीछे थारे जको
सबछेड़ें उनें बेचर गरीबांनें दे फेर सरगमें माया मिलसी
२३ वा म्हारा पिछे चाल। उ यां सुणर मोकलेर दुख भयो
२४ क्योंक उंकी मोकली मायाछी। ईसु उंनें मोकळो दुखी
देखर कयो कें ज्यांकी मायाछें वांनें भगवानकें राजमें बड़
२५ बो किसो करड़ोछे। भगवानकें राजमें मायावालाका
२६ बड़बसुं सूईका नाकासुं उंटको आंबो सोरोछे। ज्यां
२७ सुंणो वां कयो कें तो कुण तारब सकेंछे। उं कयो कें
आदम्यांकनें जको न सकबवालो छे वें भगवानकेंकनें सकब
२८ वालाछें। पिथर कयो कें देख म्हे सगळांनें छोड्या वा

Digitized by Google

२९ थारें पिछाडी आया। उं वाँनें कयो कें मुं थाँनें साच
कउंछुं कें कोई लोग नहें कें जीं मुंपो वा माउ बाभानें वा
३० भाईनें वा बउनें वा डावडानें भगवानकें राजवेई छोड्या कें
अबे मोकला गुणा बतो इंवेलामें न मिलसी ओर आंश्या
वाला संसारमें अनंती जीवतव्य पासी।
३१ ओर उं बारें चेलाँनें बुलायर वाँनें कयो कें देखो म्हे यिरू-
सलम्में जावाँगा ओर आदमीकें डावडाकें फायदामें निमित
३२ यासुं अबे लिख्योडाछे वें सगला पूरा कर्‍या जासी। क्योंके
उ लोगसुं दूआदेसवालाँनें भलाया जासी वा निन्दा
करी जासी वा गैरआबरू कया जासी वा उंकें उपर थूक
३३ नमायो जासी। ओर वें उंनें कोरडा मारसी वा मार नाँ
३४ खसी ओर तीजेंदिन उ दूजीवेला उपडसी। ओर
वें ओ न समज्यो ओर आ कथा वासुं पाछोकछगी वा वाँ
कयोडी कथा न समज्यो।
३५ ओर उ यिरीचुकें नेंडो आवतामें कोई लोग आंधो मार
३६ गकें छेवडें भीख मांगतो बेंठोछो उं जमातनें उं मा
३७ रगसुं आवता सुणर पूछे कें ओ कांईछे। वाँ उंनें कया
३८ यो कें यिसु नासरेत ई मारगसुं जायछे। ओर उं
आ बेर हेला कया कें हे दाउदका डावडा यिसु म्हारें
३९ उपर दया कर। ओर अगाडीजाणवाला उंनें डरायो
कें उ बोल्योरें ओर उं ओरपिण बत्ता हेला कया कें हे
४० दाउदका डावडा म्हारें उपर दया कर। ओर यिसु
उभो ऊयर उंनें आंपकेंकनें ल्यावणनें कयो उ नेंडो आतां
४१ उं आवेंर उंनें पूछ्यो कें तूं कांई चावेंछे कें मुं तनें
४२ कर उं कयो कें हे धणी कें मुं देष सकुं। ओर यिसु
उंनें कयो कें देख सक थारी प्रतीत थारो उद्धार कयो।
४३ ओर उ झट देषसक्यो वा भगवानकी स्तुती करतोर उंकें

पिछगडी चाल्यो ओर सगळा लोगां देखर भगवानकी मोटी स्तुती करी ।

१९ उगणीसमो पानो ।—ओर उ आयर यिरीखुसुं
२ गयो ओर देखो जाकाया नांमआदीक एक लोग छो
३ उ पटेलांको अधीछो ओरपिण उ मायापात्रछो। उं
यिशुनें देखवाको उद्यम कर्यो के उ कवछे लेर जमात
४ वेई न सक्यो क्योंस उ माटरो आदमी छो । ओर आग
डी भागर उंनें देखवेंकारण एक सकमोरका रुंख उपर
५ चढ्या क्योंक उंनें उंमारगसुं जांणो निसे छो। ओर उंआगा
भीतर यिशु उं उपर दिसटकर उंनें देख्यो वा उंनें कयो
कें हे जाकाया वेगो उतर क्योंस आज थारा झूंपामें रेणो
६ मनें निसेछे। ओर उ भट उतर्यो वा उंनें राजीसुं लीयो।
७ ओर देखवावाळा सगळा आ केंर चकचकि करी कें उ पापी
८ दारआदम्यांकनें मनवारो होवनें गयो। ओर जाकाया उभोर
अयर प्रभूनें कयो कें हे प्रभू देख म्हारी मायाको आध
ऊं म्हारानें धंनुं ओर झुटाठंटासुं अर कोसूंई कुंछि
९ लीनो वो ऊं चोगुणो फेरदेवुंछुं । यिशु उंनें कयो
कें आज ई झूंपामें उधार आयोछे क्योंस उ पिण आबर
१० हामको डावडोछे। क्योंस आदमीका डावडा गम्योडा
नें सोधवानें वा उधार करवानें आयोछे।
११ वें आ सुण्यां पछे वांकें यिरुसलमकें नेडा होवसुं वा भग
वानको राज वेगो चोडें जसी वांकें आ समभवसुं उं
१२ ओरकथापिण केंर यो परचो कयो। उं कयो कें
कोई मनसोबी आपकेंनेई राज लेवें वा फेरआवणवेई मोटा
१३ आवमा देसमें गयो। ओर आपका दस चाकरांनें बुला
यर वांनें दसमिना दीना वा वांनें कयो कें म्हारें आवणलोडी

Digitized by Google

१४ बिरअणी करै। और उंकी प्रजा उंको गोड़ करि
वा उंकं पिछाडीर ठौक भेजर कयो कै म्हांकै उपर राज
१५ करणबेई ईनें न चावांगा। और राज मिल्यांपछै
उंकं औरआवणसूं इसो हौ कै यणीआंनें माया दीनीछी
वांकं चारैजीं आदम्यां बिणजणीकरणसुं कांई कमी कैवा
१६ उ आंयणबेई उं वांनें बुलावणनें आग्या दीनी। और
पैलडें आयर कयो कै हे प्रभु थारैं मिनासुं दस मिना
१७ बर्णे ज्या। उंउंनें कयो कै हे चोखाचकरा तूं घणौंकै तूं मो
कलोथोडामें बिस्वासी ज्यो तूं दस नगरां उंपर चौघ बाथ।
१८ और दूजोपिण आं कैर आयो कै हे प्रभु थारा मिना
१९ सूं पांच मिना मिल्या उं कयो कै तूं पांच नगरां उपर
२० छै। और तीजोपिण आ कैर आयो कै हे प्रभु थारा
२१ मिनानें देख कै जीनें में पैईमें मढर राख्यो। क्योंस कं
सेंसु डयो क्योंस तें जीनें न राख्यो उंनें उपाडणवालो वा
२२ जीनें नबायर उंनें वाढणवालो करडो लोगछै। उं उंनें
कयो कै हे के मोचडणा थारा मुंडासुं जं तनें बामोदार
करसुं तें आंण्यो कै में जीनें न राख्यो उंनें उपाडणवालो
२३ वा जीनें नबाया उंनें वाढणवालो करडो जाणछुं। तो
तें कोठारमें म्हारी माया क्यों नहीं भेजीकरी और
२४ जं आयर ब्याज सुधो आपको लागो लाधतो। और
उं नेंडारेणवालानें कयो कै उ मिनानें उंसूं लेर और
२५ दसमिनावालानें दे। वां उंनें कयो कै हे प्रभु उंकां
२६ दसमिनाछै। क्योंस जं थानें कउंछुं कै चावेसो लोग
कां छै उंनें दैणा आसी और जीको नछै उंको नकोछै
२७ उंसूं लेयव लेलेसो पडसी। और म्हारा बकें बेरी
आपकेंउपर राज करणबेई मनें नहीं चावें वांनें अठै
२८ ल्यावो म्हारैं सामा मारनांखो। और आ कैतार उ
यिरोसलम जातो वांकें अगाडी गयो।

Digitized by Google

२९ और इसोंबि वें उ मट बीतफाग् रा बीतानीयाकें नेंडो
जैतान् नांवजादोम परबतके वेंडो पोंतो घट आ केंर आप
३० का दोय चेला येलांमें मेल्या । कें थे सांमणा वेडामें
जावो और उंमें बडर थें बांधोडो एक बचो गाधरो कें
जींवें उपर कोई लोग कदे नचढ्या उवें खोलर ल्यावो ।
३१ और जर कोई लोग थांनें पूछें कें उनें क्यों खोलोगा बो
३२ उंनें कै जे कें प्रभूनें उंकी गरजछें । और वां मेल्योडा
३३ लोगां जायर जिसो यिशु कयो जिसो पायो । वें बचानें
३४ खोलता उंकें धणी उंनें कयो कें बचानें क्यां खोलोगा वां
३५ कयो कें प्रभूनें उंकी गरजछें और वें उंनें यिशुकनें
ल्याया और आपका गाभा बचाउपर नांखर यिशुनें उंकें
३६ उपर चढायो । और उंकें जगाडीजांवतां आंप
३७ का गाभा मारगमें बिछाया । और वें जैतांनके परबत
सुं उतरणेंकी जगा नेंडा पोंचणसूं वां सबके सगळा चेला
कांम देख्या वांसूं बेकांकी सगळो जमात मोटा चेला करर
३८ मोकला राजीसूं भगवांनकी स्तुती करणलागा । यो कयो
कें प्रभुका नांवमें आवणवालाराजा धन्यछें सरगमें सलामत
३९ या सबवांसूं उंचामें स्तुति । और जमातमांसूं फारिश्यि
मांहें कोई एक लोग उंनें कयो कें हे धणी आपका चेलांनें
४० डराय । और उं उथलो देर वानें कयो कें कं कउंछुं
कें अर यें बोलणारें तो भाठा भाठ हेला करसो ।
४१ और नेंडो आवणसूं उं नगरनें देख्या वा आंकेंर
४२ उंकें उपर रोयो कें तूं आप इसीवामें यिब आंपको
सलामतीकें वास्तेली जको जाणतो वेर पण हं वें
४३ थारो आंख्यांसूं लुकोडाछें । क्योंस वें दिन थारें उपर
आसी वा थारा वैरी थारें चारांकांनी डांडी करसी वा
४४ तनें घेर लेसी वा चावें ओंकांनी तनें बुंद करसी । वा
तनें बरोबर करसी कै थारें बिचालें जको थारा छावडाछें

वांनें पिण ओर थारेंमें भाठाउपर भाठानें न छोडसी क्योंक
तें आपको देखीजानि वेळानें नजांणी।
४५ ओर उ देवरामें बडर मोललेणवाळांनें बारखें नीकळण
४६ लागा। वा वांनें कयो कें ओ लिख्योछें कें म्हारो भूंपो याच
नाको भूंपो गांवजींदोक जसी बेर थे उंनें चोरांको थोतरो
४७ कयो। ओर उ सदाईर देवरामें भणातो छो वा बडेरा
प्रोहित वा सासत्री वा लोगांकें बडेरा उंनें मारणनें चायो
४८ वा वें कर न सक्या क्योंस लोगां उंकी कथा सणणको मोटो
उघम कयो।

२० वीसमो पांनो।—ओर वां दिनांकें एक दिन इसोछो
कें उ देवरामें लोगानें भणावतो वा मंगळीकवातां छंदेरो
फेरतोर वेदोडालोगां भेळा बडाप्रोहित वा उपाध्याय उंकें
२ कनें आया। वा उंनें आ कथा कही कें तूं कुण पोंचसूं ओ
सगळो करेंछें वा किण तनें आ पोंच दीनीछें आ म्हानें कें।
३ उं उथळो देर वांनें कयो कें जं पिण थानें एक कथा पूछसुं
४ मनें कें कें योहनको डूबोंदेरावणो कांई सरगसूं अथवा
५ आदम्यांसूं छई। ओर वां आ कैर आपसमें सळा करी कें
जर म्हे कहां कें सरगसूं छई तो उ कैसो कें तो थे क्युं
६ उंकी प्रतीत नकरी। ओर जर कहें कें आदम्यांसूं छवे
तो सगळा लोग म्हांनें भाठासूं मारनांखसी क्योंस वें जांणेंछे
७ कें योहन निमिवियो छें। ओर वां उथळो दीनो कें कैय न
८ सक्या कें कठासूंछें। ओर यिसु वांनें कयो कें जं भीं पोंचसूं
ओ करहूं उधिण थांनें न कैंसुं।
९ ओर उ लोगांनें ये परचा कैण लागो कें किणी लोग ज
ओरको रंग बायो वा मजानें मुकातें दीनो वा मोकळा दिनां
१० लेई परदेस गयो। ओर रित उपर मजाकनें एक
गोलानें मेल्यो कें वें उंनें अंगोरका खेतको क्युंहि फळ देसी

Digitized by Google

११ ओर ऐतां उनें मारर यावीहाथ पाछो मेल्यो। दूजो
चेला उं धडयांनें मेल्यो ओर वां उनें पिण मार्यो वा गैर
१२ आवरु कर्यो वा यावीहाथ पाछो मेल्यो। ओर पिण
उं तीजानें मेल्यो ओर वां उनें घावल्यो करर बारणे
१३ नगायो। ओर बंगीरचे खेतकें धणी कयो कें मं
कांई करसुं मं आपका बाल्हाबेटानें मेलसुं कांई
१४ जांणां वें उनें देखर आदर करसी। ओर उं प्रजा
उनें देखर मांहोमांय आ कथा कई कें औ उकरासीरो
धणी आयो उनें मारनांखां कें अधिकार आपांको व्हें।
१५ ओर वां उनें बंगीरका खेतकें बारणें बगायर मारनांख्यो
१६ इंसूं बंगीरका खेतको धणी वांकि कांई करसी उ
आसी वा उं प्रजानें बिनागमासी वा बंगीरचो खेत दूजा
१७ नें देसी वां सुणर कयो कें उ न व्हे। उं वांकें उपर
देखर कयो कें वो औ कांईरो कें जको लिख्योरो शिलावटां
१८ जको भाटो निकंमो कयो उ कूणाको माथो व्हसी। जकोर
कोग ई भाटाउपर पडसी उ चूरो व्ह जासी ओर उ
जीकें उपर पडसी उनें पीससी।
१९ ओर उंवीवेला बडाप्रोहितां वा उपाध्यायां उंकें
उपर हाथ घालणो चायो ओर प्रजासूं डरबा कोंकें वें
२० जांणकार समया कें उं वांकें वेरमें इं मरचावें कयो। ओर
वां उंकें उपर पोहरो दीनो वा उंकी बातसूं उनें पकडन
केई वां उकनें ठगावणवालांनें मेल्या कें जको आपांनें
निकआदम्यांवें इसा देखावें कें वें उनें हाकमकी पोतमें
२१ वा हाकमकें भलावें ओर वां उनें यो कथा कयो कें हे गुरु
म्हे जांणांगां कें तूं साचमें केवे वा भलावे वा
आदमीकी भेर नकरें ओर साचसूं भगवांनको मारग
२२ सिखावे। कायसरनें दाण देणो म्हांनें ठीक व्हे वा नहीं।

२३ पेर उं वांकी तोल जांणपरा वांनें कयो के मनुं म्हारी
२४ परीक्षा करोगो मनें एक दीनार देखाव। उंकें उपर
कींको चित्राम वा उपर कींको लिख्योगो वा उणवा दोनो कै
२५ काईसरको। उंवांनें कयो कें काईसरका काईसरनें
२६ द्यो वा भगवानका भगवानवें द्यो। पोर वें लोगांकें
सांमा उंकि कथा आपड न सक्या वा उंका उथवासूं अचेरो
करर अबोल्या रया।
२७ फेरउठणो नट्याको कैवावाला सिद्वां कितीक लोगां
२८ उंकें नेडा आयर उंनें या केर पूछ्यो कें हे बधावाव
मोसए म्हावेकारें लिख दीना कें कोईकेई भाईको बउ दें उ
घर अपूत्यो अयर मरें तो उंको भाई उंकी बउनें लेवें वा
२९ आपका भाईको कुल उपजावें। सात भाई हा पोर पेल
३० डो बउनें परणर अपूत्यो अयर मयो। दूजें उं लुग
३१ इनें लीनी पोर उ अपूत्यो अयर मयो। उंकें पछें ती
जेंपिण उंनें लीनी वा उंईतरें सातांकें डावडा न हो
३२ वा मरगया सगलां पछें लुगाईपिण मरी। इंसूं
फेरउपडणमें वा वांमे कींकी बउ अंसी क्योंके वा सातांकी
३३ बउहो। यिसु वांनें उथलो देर कयो इं संसारका
३४ डावडा परणें हें वा यांव दोवें आपलें पोर अंको उं
३५ दुनिया वा मोतसुं फेरउपडवलायक गिण्याजासी वें परणें
३६ नही वा वें ब्याव कया न जायलें पोर वें दुजीविरियां
मर न सकेंलें पोर फरस्तांसरीखालें वा फेरउपडणका
३७ डावडा अयर भगवानका डावडालें। पोर मर्यां मर्ने
उपडेंलें यो मोसए पोरबाकेकनें अद यिजहनें आवरहांम
को भगवान वा यिस्हाकको भगवान वा याकुबको भगवान
३८ कयो जद उ दिखायो। भगवान मुडदांको भगवान
३९ नहे पोर जीवतांकोलें कींस सगला उंकेंनेई बचेंलें। पोर
कांनुंगांकें कितीक लोगां कयो कें हे बधावाव तें चोखी

४० करे। उंनें पढें वा उंनें स्तुति पूजवाकी हिमत न करी।
४१ उं वानें कयो कें वें जाविंई केंड़ें कें सोग दाउदको हाथ
४२ होड़ें कोंस सिमायांकी पोथीमें दाउद सागो कयो
४३ हें कें थिकण म्हारें भगवानें कयो कें जो म्हातोडो थारें बै
थानें थारें पगां नजगंउं तठातोडी म्हारें जीवणा बैठ।
४४ इंसूं पर दाउद उंनें भगवान कें तो उ कींवरें उंको हात
होड़ें।
४५ और समका सोग सुववां उं आपका चेलानें कयो कें
४६ शास्त्रगसूं चिंचेतीन रो कें जको लांबासू वनावसूं पाड़ीं वा
चौठामें जुहार लेयां वा सिनगगमें बडोवाओट वा मनवा
४७ थानें मोटीजागां चांवेंड़ें वा रंडकां भूपा खाय जायडें
वा कपटाईवेदं कोंनीसूं याचना करेंड़ें वे जोरमोटी
बजराय पावो।

२१ इकीसमो पानो।—उं दिसट करर मायावानमें
देख्या कें जकां आपकोर दान कोठारमें भूपामें वनाय देवेंड़ें।
२ उं एक आरणी रंडोगरिब देखी कें वीं परसांका दोय पाव
३ वो उंमें; नगारें और उं कयो कें जो साच थांनें कउंसुं कें
४ इं गरीबरंड वां समकासूं वत्तो नगायो। क्योंस यां
समकां आपओर निजनासूं भगवानकी देयोडीवस्तमें
कुंछिर नगायो ओर उं आपका आरांमणासूं आपकी
जीवरायणकी जको जो उं सगलानें नगायो।
५ और कितार सोग देवराका कायदामें कैवाला कें
उ भींतरें चोखीपरमभाठांसूं वा भगवानकी छिवोडी
६ वस्तासूं सोभावाला जवी। उं कयो कें ये जकोर देखोछो
इत्यादिन जसो कें ज्यामें भाठो भाठाउपर नेल्यो नजासी
७ कें नचो भांगीा नजासीं। वां फेर उंनें पुछ्यो कें हे

बरांबीक असगळा कद जसी वा यांकें होवणरो सैनांण कांई
८ छें। उ बोलो कें निचेंतांन मतो भूलो क्योंस मोकळा लोग
म्हारा नांवसुं आसी वा कैसी कें उं खोष्टहुं वेळावी नेडो
९ आ रीछें इंसुं वांकें पिछाडी मतो जावो। और जद थे
लाराकी कथा वा चालोकी कथा सुणसो तद मतो डरि
जावो क्योंस यांको पैलडा होणो जिरूरें छे पेण अवार
१० न छेडो छें। तद उं वांनें कयो कें गोतो गोतका बैरमें
११ वा राज राजका बैरमें उपडसी। और ठांडर बरती
धूजसी वा मुआई वा मरी जसी और अकासवाकैं देखांणो
१२ वा मोटा सेनांण बाकासमसूं आसी। यां सगळांके अगाडी
वें थांकें उपर हाथ देसी वा थानें सताईस देसी और थे
सिनगागमें वी आगळाकें भळाय देसी जासौं वा म्हारा नांवसूं
१३ थे पातस्यांकें वा हाकमाकें अगाडी ल्याया जासो। और
१४ आ थांकें वेई सायदी जसी। इंसुं कांई उथलो देसो
अगाडी सुं चिंता न करो ईसमसकैवो आंपकार मनमें
१५ ठेराबाय ल्यो। क्योंस उं थांनें इसो मुखे वा ग्यांन देसुं कें
जीसूं थांकें सगळा बैरी उथळो देवा अथवा अटकावें
१६ न सकसी। और मांउ बाभासूं वा भाईसुं वा
आपरका गोतसुं वा हेल्योवांसूं थे भळाया जासो
१७ वा वांकि किसोक लोगांनें मारनाकसी और म्हारा
१८ नांवसुं थे सगळांसुं नंघा कया जसो और थांकें
१९ माथाको एक कैस पिण नास न जसी। इंधु आपकैर
२० धीरपमें आपकार जीवनें राखो। और थे जद
यिरुसलमनें लसकरसुं घेर्यो देखो तद जांणजो कें
२१ उंकी उजाड होणो नेडो छें। तद जके लोग यिहूदीय
देसमें रैछें वें परबतउपर भागे और जके लोग
उंके बिचमें छें वें उठसुं जावें और जके लोग गांवमें
२२ रैछें वें उमें नवडे क्योंस लिख्योडा सगळा पूरा

Digitized by Google

२२ पोलबेई तासीस देनका दिन वे छै। और वाधिवामें
ज्याकें पेटछै वा जको दूध पावेंछै वांनें संताय जसी कोंस
संसारमें मोठोबिसोस जसो वा इं लोग उपर मोटो
२४ कंजराय जसी। और वें पानीको धारासुं पड़सी
वा सगलागोत्यांकें बिचमें गोलाइमें लेगका जासी दुजा
देसवाल्यांको वेला मठातोडो परवारी नजाय मठातोडो
२५ यिरसलम दूजादेसवालासुं लेसेस जसी। और
सूरजमेंवा चंद्रमामें वा तारांमें सेनाय जसी वा धरती
उपर मांनको तासीसमेंसे गोत्यांकि मनको कष्ट जसी
२६ अथवा दरिया वा उंका विलेल गाजसी। कोंससुं वा
संसार उपर आवनवालाकामको बाटसुं आदम्यांका मन
२७ गलजासो कोंस सरगकी सेंच बलाई जासी। और
तद मोटोपोचसुं वा प्रताप साथे करर आदम्यांका लबडा
२८ मेनें आता देख्या जासी। और होवेर लग्यां उपर
सिरूढ करो वा आपको माथो उपाडो कोंस थांको छुटका
२९ रो नेंडो आवेंछै। और उं यांनें यो परचो कयो कें
३० अंजीरको रुंख वा और सगला रुंख देखो। वें जद पानका
निकालेंछै तद थे देखोछो वा आपमें जांणोछो कें उनालो
३१ को दिन नेंडाछै। इसाई जद थे यां सगलांको आसेर
३२ देखोछो जद जांण ज्यावो कें भगवानको राज नेंडोछै। जं
मांनें साच कउंछुं कें जो न होवसुं इं बेलाकालोग न
३३ जासी सर्ग वा धरती जासी और म्हारी कथा न
३४ जासी। और आपमें चितवांन को कें थांको मन उर्
ठाई वा मतवालपणासुं वा संसारका चिंतासुं भारी न हो
३५ वा उ दिन अचानचकरो थांकें उपर आसी। कोंस
धरतीउपर जितना लोग रेंछै वा सगलांकेउपर उ फांस
३६ सरीको आसी। उंसुं थे चेतरो रेवो वा रोजीना
अरजकरो कें थांनें वां सगली आफतावालीबातांसुं

भागजांबो वा आदम्यांका डाकडावें सामा उभाहोवबाबक
२७ भाव्यां बाशे। दिनमेंउं देवरामें भणाबा वा रातवें
उ बारबें गयो वा जेतान बांवआदीक परबतउपर रयो।
३८ और प्रभाते सगबाळोग उंको कथा सुणबाबे उंबेंकनें
देवरामें आया।

२२ बाईसमो पांबो।—और बिगरबाळाकी तिंवार
२ मैंडो बाबो कें जींको नांव पेसायचें। और बडाथेमि
तां वा बानुमां होजो कें उंनें किंतरें मारनांबा बीस वें
३ लोगांसुं बीहा। अब मे.डो यिहुदाबमें बसो कें जींका
४ नांव स्कारियोटा उ वां बारेंचेलांको एक लोग। और
उं जायर बडामेंमृत कें वा डिकवान्याको सिवैदारांबें
भेळो कथावार्ता करी कें कींतरें उंनें वांकनें भळांबो और
५ वें राबी हुवा वा उनें रूपीया देंबाबे बाटे कथा। उं
६ पछें उं वचन कबो और लोगांकें न रैयतु भळावबकी
बेळा सोझो।
७ और बिगरबाळाकी बाटीबा दिन आया कें ज्यांमें
८ पेसायबें रोबोबो पडतो। और उं पितरबें वा
योहनबें या केंर मेल्यो कें जावो पेसाव त्यार करो कें म्हे
९ खावां। उं वांनें कयो तु कठै चावेंछें कें म्हे त्यारकरां।
१० उं वांनें कयो कें देख ये नगरमें बडांयछें एक आदमो
थांकें भेळो मिलसी कें जको पांबोको मबको उबवेंछें उ
११ जीं भूयामें बडें उंमें उंकें पिछाडी जा। और भूयाका
धणीनें कहो कें बताबोक तनें कैछे कें संचिभागको भूंयो
कठें कें जींमें उं आपका चेलांमेंबो पेसाव खासुं।
१२ और उ थांनें त्यार वा सजेओ एक दिवानखांबो
१३ दिखाबसी उठें त्यारी करो। वा जायर उं जिसो
वांनें कबोछो तिसो बांबेर उं पछें वा पेसाव त्यार कयो।

Digitized by Google

१४ और उठि वहाँ आयर उ बैठो वा मारे घेला उदे
भेला बेला उं वांनें कयो के अं मोटाइयसुं आपको
१५ मोतको मेलो वांकिमेलो ई पेमायनें वोमखें चायो।
१६ कोंस अं थानें वा कउंहुं के भगवानका राजमें परवारख
१७ तोडो अं ई बेलासुं ओर उ मवासुं। ओर उं गटको
लेर सुकर करर कयो के इनें लेवो वा आपांकें विचाळें
१८ बिराड करो। क्योंस अं थानें कउंहुं के भगवानको राज
अठावोडी न आसी वठावोडी अं अंगोरसुं उपज्योडो
१९ किं वकानें नपीसुं। ओर उं बाटी लेर सुकर करर तोडी
वा था केर वानें दोवी के था म्हारो डोलछें के मको थांनें
२० वेई दीवेछें यो म्हारें चितारवेई करो। ओर
रावका वावापछें उ प्यालो लेर कयो के म्हारो अको लोई
थांकेने पयो उंसुं अिवकावचेडो नवासरतंको यो
२१ प्यालोछें। ओर देखो अवें तोतसुं भंजावणवालाको
२२ हाथ आमोडउपर म्हारें भेलोछें। ओर जिसो
निवडायोडो तिसी आदमीको डावडो जावछें सखी ओर
वी आदमीसुं उ भजावो जायछें उनें संताप अस्सी।
२३ ओर वे आपकेर विचाळें पूछण लागा के अको कौ
२४ कांम करसी उ कुणछें। ओर वांकें विचाळें अदली
२५ वदली अई के वांकें विचमें कुण मोटो छें। उं वांनें
कयो के दुनादेमवाळो पातसा वांकें उपर चलिया पकरेंछें
ओर वांकें उपर अके लोग हाकमी करेंछें वे मंगलीकवेंथ
२६ वाला नांवसुं कया जायछें। केर थांमें इसो न अस्सी
केर थांकें विचमें अको मोटोछें उ नांनासरीखो अस्सी वा
२७ अवी भोलासरीखो के। क्योंस अको थांवलनें बेठेछें
अथवा अको चाकरी करेंछें यां दोवांमें कुण मोटोछें कांई
जीमणमें बेठणवाळो नहीं केर अं थांकें विचमें चाकर
२८ सरीखो हुं। थे वें छो के अको म्हारी कोमतमें म्हारेंभेला

२९ रखोगे ओर म्हारें बाभें म्हारेंबेई जिसो निसें कयोछे
३० जिसोई जं थानेंबेई राज निसें करंछु । कें थे म्हारा
राजमें म्हारा बाजोटउपर जीमों वा पींवो वा बिजरा
३१ इसकें बारेंगोत्यांवें न्यांत करता तपत उपर बेठो । ओर
प्रभू कयो कें हे सीमवर कें देख मोडें तनें गोवांसरांसो
३२ गावनें चायो लेर में थारा फायदामें याचना
करी कें थारी प्रतीत घटनी नछें ओर तूं मोडाममयांसुं
३३ आपका भायांवें जोरावर कर। उंउनें कयोकें हे प्रभू
जं थारेंभेलो जेलासरमें वा मोतमेंपिण जावबनें त्यार
३४ छुं । उं कयो कें हे पितर जं तनें कउंछुं कें आज
तूं मनें जांणवा फायदामें अठावीडो तीनबार फिटकार
३५ सी नहीं बठातोडो कूकडो बांग न देसी । ओर उं वांनें
कयो कें जद में थांनें कोथली वा गांठ वा मोजडोंबिगर
मेल्या तद थांनें कांई किसी बस्तकी कमी जई वां कयो कें
३६ कोंबीपिण नहीं । उं वांनें कयो कें अबें जीकें कोथ्र
लीछें उ उंनें लेवें वा गांठबिण तिसी वा जीकें तरवार
३७ नछें उ आपकी बछाव बेंचर तरवार मोल लेवें । क्योंस
जं थांनें कउंछुं कें म्हारा फायदामें जो लखां कयो लिखो
होछें म्हारेंमें वांको पूरो होवो निसेंछे कें उ कोमीदारां
भेलो गिणो गयोछे क्योंस म्हारें फायदामें जको छे वांको
३८ छेवडोछे। वा कयो कें हे प्रभू देख अठें दोय तरवी छे
उं वांनें कयो कें घणा।

३९ ओर उ बारखें गयो वा आपका रवांबा सरीसो जेतां
नकें परवत उपर गयो वा उंका चेला उंकें पिछाडी गया।
४० उं उंजागा पोंचर वांनें कयो कें याचना करो कें थे फर
४१ थमें मती पडो। उंपछें भाठो जितो अलगा बगायो जाय
उं तितो अलगो वांसुं आयर टेसनुं गुडाल्यांबेठर याचना
४२ करी वा कयो कें हे बाभा अर थारो मन छै तो को

बाठवो म्हारेंमनांसूं नाव लेर म्हारी इंच्छा नहीं थारी
४३ इंच्छा वें। और उंनें बळदेता थका सर्गसुं एक दूतआई
४४ आवर उंनें वर्वे घोड्डें जवो। और उं परीसामें जयर
मोकळी याचना करी वा उंको पसेव भूंउपर पडताथको
४५ लोईका मोटा टोपा सरीको हो। उं पछें याचनासूं उठर
उ आपका चेलावें कनें आयो वा वांनें सोगमें सूता पाया।
४६ और उं वांनें कयो कीं नींदमें सूतागा उठो याचना करो
४७ जाजाना थे कीमतमें पडो। उ वांनें कैतो देवर जमात वा
यिहूदाइसकारियत बारेंमेंवांको एक लोग वांकें अगाडी
४८ चढेर वा यिसुनें चूमवांरे उंकें कनें आयो। लेर
यिसु उंनें कयो कें के यिहूदा वें तूं काई चूमासुं
४९ आदमीका डावडानें भकावेगें। उंकें च्यारांकानीरैव
वाळा होववाळाकाम देवर उंनें कयो कें के प्रभू म्हे काई
५० याविसुं मारां। और वांमें एक लोग बडाप्रोहितां
कें एक गोलानें मार्यो वा उंको जीवणोकांन बाडनांख्यो।
५१ लेर यिसु उथबो देर कयो कें छठातेकी रें वा उंका कांन
५२ नें भींटर उंनें ताजो कयो। तद यिसु आपकैकनें आयोडा
बडाप्रोहितांनें वा देवराका सेवेंदारांनें वा बोरेंडानें कयो
कें जिसो चोरांका वेरमें तिसो काई तरवार वा गेडी
५३ लारें लेपरी बारखें आयागें। जद थांकेंजी दिन
देवरामें थांकेंभेलो रेंतो थे म्हारेंउपर हाथ न राख्यो लेर
आ थांकी घडी वा अंधाराको पीच।
५४ वें उंनें लेगया वा आयर वां बडाप्रोहितांकें भूयामें
५५ उंनें लेगया लेर पितर अळगो आतोगो। जब वांर
सालीमें बासदे बाळो वा भेळाबेठ्यागा तद पितरपिण
५६ वांकें बिचमें बैंठो। और एक बडारण उंनें बासदेकें
नेंडो बैंठतो देख्यो वा उंकें उपर एक दिसट करर कयो

Digitized by Google

५७ कें भी उंकें भेलो छो । ओर उं आकेंर फिटकार करी
५८ कें हे रंड में ऊं उंनें नजाणुं । ओर थुड़िक पछें
दूजेंलोग उंनें देखर कयो कें तूं पिण वांकें बिचमांको
५९ छें ओर पितर कयो कें हेलोग मैं नहुं । ओर एक
घड़ीकें आसरें उंकें पछें दूजोएक लोग आ केंर काठा
करर कयो कें ठीक ओ उंकें भेलोछो क्योंक उ गालि
६० लिछें । पितर कयो कें हे आदमी तूं जको कें छें उ
ऊं जाणुं नहुं ओर भठ उं आ कें वांई कूकड़ें बांग दीनी ।
६१ ओर प्रभू मुड़र पितरउपर देख्यो वा प्रभू अबा उंनें
कया कहे छो कें कूकड़ो बोलबकें अगाडी तूं म्हारें न्याव
दामें तीनबार फिटकार करसी पितर वा कथा चितारी ।
ओर पितर बारणें आयर मोकलो रोयो ।
६२ ओर वी आदम्यां जिणुनें पकड्यो वो उंनें मारर नन्हो
६३ करी । वा उंकी आंख्यांउपर माभी बांधर उंकें मुडा
६४ उपर मारी वा आ केंर उंनें पूछ्यो कें निमित्तियाकी कथा
६५ कें तनें थीं मार्यो उ कुणछें । वा उथंठपणो करर वांबे
ओर मोकली कथा उंनें कही ।
६६ ओर दिनहोयांसुं लोगांकें बडेरा वा बडापोहित वा
कातिबी भेला आया वा आ केंर उंनें पंचायतोमें ल्याया ।
६७ कें तूं कांई ख्रीष्ट म्हानें कें उ वांनें कयो कें अर ऊं थांनें
६८ कउं तो थे प्रतीत नकरस्यो । वा अर ऊं पूछुं तो पिण
६९ थे मनें उथलो नदेस्यो अथवा नछोडस्यो । पछें आदमीका
डावडा भगवानकी पोंचसुं जीवणेंमें बैठणवाला हुस्यो ।
७० ओर सगळां कयो तो तूं कांई भगवानको डावड़ोछें उ वांनें
७१ कयो कें थे कहो छो कें ऊं हुं । ओर वां कयो कें म्हांनें
साखदोको ओर कांई गरजछें क्योंक म्हे आपी उंका मुडासुं
सुण्यो ।

Digitized by Google

२३ तेईसमों पानो ।—ओर वांकी सगली जमात
२ उठर उंनें पीलातकनें लेगया वा आ ओर उंनें टंटो देबा
लागा कें म्हे ईं लोगांनें बोटामारगमें लेजाता वा आप सीष्ट
राजाछे आ केर काईसरानें गावदेजनें वरजतो ईनें
३ लाधो । ओर पीलात आ केर उंनें पूछ्यो कें तू कांई
यिहूदियांको पातसाछे सं उथबो देर कयो कें तू केछे ।
४ ओर पीलात बडाप्रोहितांकें वा जमातनें कयो कें ईं ईं
५ आदमीकी कुंहि खामी नदेखुं । ओर वां बत्तो बेवा
करबनाला ऊपर कयो कें उ गालिलिसुं मांडर अठातांई
६ सगलें यिहूदादेसमें भणावतो लोगांनें बटावेछे । पीलात
गालिलिकी कथा सुणर पूछ्यो कें यो आदमी कांई गालिल
७ छे । ओर जद जांणगी कें उ हेरोदकी आग्यामेंछे तद उंनें
हेरोदकनें मेल्यो कें जको आप वां दिनां यिरूसलममें छो ।
८ ओर हेरोद यिसुनें देषर मोटाराजी कयो कोंस उ
उंनें कायबामें मोकलो सुंणबसुं उंनें मोकलादिनांसुं देषबें
चायो ओर उं उंसुं कयोडा कोई सेंनाण देषबनें भरोसो
९ राख्यो । ओर उं उंनें मोकली कथा पूछी केर उं उंनें
१० कुंहि उथबो नदीनो । ओर बडाप्रोहितां वा कांनूगां
११ उभा ऊपर उंकी मोटोटंटो दीनो । ओर हेरोद आपका
सिडबान्यां भेलो उंनें नाकारो कयो वा नंदा करी वा उंनें
मोटो चोषोकीमतका गाभा पेराया वा उंनें पीलातकनें
१२ मोडाय मेल्यो । ओर उं दिन पीलात वा हेरोद आपसमें
लंगोट्या ऊगया क्योंस उंनें अगाडी वें आपसमें बिचमें दुस
१३ मणछा । ओर पीलात बडाप्रोहितांनें वा सिरेंदारानें वा
१४ लोगांनें भेला बुलायर वानें कयो कें थे ईं आदमीनें म्हारेकनें
आदम्यांकें बोटामारगमें लेजाणवाला कीधी एक लोग
सरीषो ल्यायो ओर देखो थांकें सांमो उंनें जांच करर थे

उंनें अको टंटो वेवोगे उं वासमेंबोमें ई आदमीको कुंछि
१५ पामी नदेखुं। और हेरोदपिण नहीं कीस में
थानें उंनें इमें भेज्या वा देखो मारनलायक उंको कुछपिण
१६ नकियो गयो उंसुं अं उंनें तासीस देर छोडसुं कीस उं
१७ तिंवारमें वार्किंवें एक कैदीनें छोडबो उंनें निर्ते पडै। और
१८ वां एकीवार हेला करर केयो के इंनें अलगो कर वा
१९ म्हांकेंतनें बाराब्बाीनें छोडदे के अको नगरके बिचमें कयोगयो
२० दंगासुं वा खूनसुं भाषसीमें मेल्योडो। और पीलात
२१ यिशुनें बचावणनें चायर दूजीवेळा वांकें कनें कयो। और
२२ वां बरा बेंर हेला करया के उंनें क्रूसपरमारो उंनें
२२ क्रूसपरमारो। उं तीजीवेळा वानें कयो के
उं कांई खोटोकाम कयो अं उंमें मरवलायक कांईं
२३ पामी नदेखुं अं तासीस देर उंनें छोडसुं। और
वां मोटोहेलों करर उंनें क्रूसपरमारनांवासतें
वोनती करी और वांको वा बडापंडितांको हेला
२४ जीत्या और पीलात आग्या दीनी के वांकी अरज सरी
२५ होवें। और उं उंनें वांकेंकनें छोडदोनो के अको
दंगा वा खूनसुं भाषसीमें राख्यो गयोछो जीनें वां चावेंा
२६ और यिशुनें वां इच्छासुं भलायो। और उंनें
लेजांवतसुं वां कोवी किरेनी शीमोननें वेगार पकड्या
के अको देससुं आवतोछो और यिशुके पिछाडी उपवाड
२७ देई वा उंकेंउपर क्रूसपाछो मेलो। और लोगांको
वा अके रांडां उंकेंउपर रोई वा झूरयो कयो वांको
२८ पिण मोटीजमात उंकें पीछाडीर गई। और यिशु
वार्केंकांनी मुडर कयो के हे यिरुसलमकी डावडी म्हांरे
फायदामें मती रोय बेर आपरवेई वा आपकेंर डावडां
२९ वेई रोवो। कीस देखो के दिन आवेंगे के ज्यांमें

Digitized by Google

बेंळो वे व भा वा ज्यां पेटांमें डावका नगा वे पेठ वा ज्यांकें
३० बोवां कट्टे दूध नदीना वे वेसांपिण धन। तब वें पर
बतांनें केंव लागा के म्हांरें उपर पडो वा रिडकांनें
३१ कंसी के ये म्हांनें ढको क्योंके वें जर कांचारूंखमें यो करें
३२ तो सूकारूंखमें कांई कधो जासी। ओर खोटा काम
करणवाला दूजा दोयजणा उंकें भेला मान्याजांवणेंई लेगिया।
३३ ओर जी जागाको नांव ठडा वोलेंडें उं जागा पोंचव
वां उंनें क्रूसपर टेंग्यो वा वां दोन्यो खोटाकामकरण
वालांनें वें एकनें जोंमणो वा दूजानें डावो टेंग्यो।
३४ ओर यिसु कयो के हे बाभा वांनें माफकर क्योंके वें न
जांणेंडें के अवो कांम करेंडें ओर वां ओलीवांटो करर
३५ उंको लबाव विडार कयो। ओर लोग दिकट करर
उभा रें ओर सिलेंदारांपिण वांवें भेळा आ केंर लंघा
करी के उं दूजानें उद्धार कयो उ जवो भगवांनको सरा
३६ क्यो चोव जसी तो उ आपको उद्धार करें। ओडवाळ्यां
पिण उंकें नेंडा आयर वा उंनें सिरको देंवो चावर वा
३७ आ केंर उंकी लंघा करी कें तूं जर यिऊदियांको पातस्या
३८ डें तो आपांको उद्धार कर। ओर योनानी वा रूमी
वा इबरी बोलीसुं लिख्योडो एक कोस्यो उंकें उपर राख्यो
३९ गयोडो कें यो यिऊदियांको राजाडें। ओर ज्यां
टेंरोडा खोटाकामकरणवालांमें एक बोल आ केंर उंकी
लंघा करी कें जर तूं कीसडें तो आपनें वा म्हांनें उद्धार
४० कर। बेर दूजें उपको देर वा आ केंर उंनें डाट्यो
कें तूं कांई ईसंरसुं न डरेंडें क्योंस उंहि तासीरमें तूं
४१ पिण डें ओर म्हेंपिण न्यावसूं क्योंके म्हे आपका कांम
लायक फळ पावांगा बेर ईं आदमी कुंहि खांमी नकरी।
४२ उंमडें उं यिसुनें कयो कें हे प्रभू तूं जद आपका राजमें

Digitized by Google

४३ पेंचिं तद मनें चितार। ओर यिसु उंनें कयो कें अं तनें
साच कउंहुं कें आज तूं म्हारं भेलो फारस्रोमें रेंमो।
४४ तद अटकला दोयपोरबेग्राजो ओर समला देसमें तीन
४५ पोरतोडी अंधारो रयो। वा सूरज आथम्यो वादेवराको
४६ सिपद बिचमासु फाट गयो। ओर यिसु मोठा सादसूं
बेलो कार कयो कें हे बाभा अं थारा हाथमें आपको जीव
४७ सूंपाउंहुं वा आ कैर जीव दीनो। ओर सो डिडनायकें
थयो ओ कांम देखर आ कैर भगवांनकी स्तुति करी कें ठीक
४८ ओ एक सिद्ध लोगछो। ओर उ दिखाळो देखबेई जका
जमात भेळी व्हई वें वा कणाडावांमनें देखर आपकी छाती
४९ कूटर मुड गई। ओर ज्यां उंनें जांणो वा जके रंडा
गालिलोसूं उंकें पिछाडी आईछी वें आ देखर अळगी
रई।
५० ओर देखो युसफ् नांवअरीमथोक यिहूदियांकें आर
५१ मातेया नगरको मंत्री भलो वा सिद्ध एक लोग छो उं वांको
मनसोबो वां कांम आरें नकयो ओरपिण उं भगवांनका
५२ राजकी वाट जोता छ उं पीलातकनें आयर यिसुको
५३ डील मांग्यो। ओर उंनें उतारर कपडासुं सांठो
वा भाठामें खेदोडी एक बोरमें दीनो कें जोमें कदे कोई
५४ लोग सठातोडी मेल्यो नगयोछो उ दिन त्यारी करबे
५५ को दिन छो ओर हीतवारपिण नेडो छो। ओर जके रंड
उंकें भेळी गालिलोसूं आईछी वेंपिण पीछाडी गई वा
बोरनें वा उंको डील जोंतरें राख्योछो उंनें पिण देख्यो।
५६ ओर मुडआयर सुगंधि वां तेल त्यारी कयो वा आग्या
सरीपो हीतवारनें पाळ्यो।

२४ चोवीसमो पानो।—ओर हीतवारकें पेंलका मोर्के

प्रभात वी जका सुगंधी त्यार करोगी ऊं सुगंधीनें लेर
घोरकनें आई वा वांकें भेला ओर कितराक लोग थिया गा वा
२ घोरसुं मुंडायोडो ऊ भाठो देख्यो वा मांय बडर प्रभु
३ यिसुको डील न पायो। ओर वें ऊंका फायदामें मोकला
४ चिंतावान होवसुं देखो दोय लोग भाभावोला गाभावसुं वांकें
५ कनें उभागा। ओर वें मोटा चिंताकरवसुं वा धरती ऊपर
आपका मुंडाकरवसुं ऊं वांनें कयो मडामें जीवतानें कांई
६ जोभोगो। ऊ अठें नहीं ऊ ऊपथ्योहै थांकें भेलो गालिलमें
७ रेंतां ऊं जका कथा थांनें कई वा कथा चितारो कें आंमी
दार लोगांकें हाथमें आदमीका डावडानें भलायो जासी
वा क्रूसवाळीऊपर मारणोगांखो वा तीजेदिन फेरउठ
८ बो जिसैंहै ओर वां ऊंकी कथा चितारी। ओर वां
९ घोरसुं फेरआयर इग्यारें चेलानें वा ओर सगलानें ऊ
१० सगली जणायो। मारिया माग्दलेनी वा योहना
वा याकुबकी माऊ मारिया वा वांकें भेली ओरपोथ
११ गी कें आं हलकारानें यो कयो। ओर वांकनें वांकी
कथा निकमी जारा सरीषीगी वा वां वांनें प्रतीत न करी।
१२ ओर पितर उठर घोरकनें दोडर वा झुकर गाभानें
न्यारा राख्योडा देख्या ऊं पछें ऊ ऊंका हुयोडाकामऊपर
१३ अचंभो करर गयो। ओर देखो वांकें दोय लोग ऊंहि
दिन यिरुसलमसुं साठमल परो एक गांवमें गया वें
१४ जींको नांव इमाऊस। ओर जके सगला कांम हुयाहा
१५ वांकी कथा वां आपसमें करे वा वें कथावार्ता करता
वा मनसोबो करता यिसु आप वांकें नेडो आयो वा वांकें
१६ भेलो गयो पेर वांकें आंख्यां मीचिज गईही कें वां
१७ ऊंनें न ओलख्यो। ऊं वांनें कयो कें आ कांई कथा कें
१८ थे चालता वा गदगदा हुता आपसमें केवो। वांकें
लिवसामेंको एक लोग कें जींको नांव क्लेयोपास् जणो देर

Digitized by Google

बोल्यो कें यिहुमसममें वाली तूं कांई परदेसीछें वा यी
१९ दिनामें जकोर उठें ऊवो सो कांई न जांणेछें उं वांनें
कयो कें कांईर ऊवो वा उंनें कयो कें यिसु नाजरेवकें माय
दामें कें जको भगवांनकें वा समला लोगांकें सांमो कथासुं
२० वा कांमसुं मोटो निमिक्यो छो । ओर वडापोहितां
ओर म्हांकें हाकमां सींवरें उंनें मारवकी आग्या पांवव
२१ वेई अलावो वा क्रूसउपर मारनांख्यो । वेर मे भरोसो
राख्यो कें उ यिसराइलनें छुडांवावालोछें ओर वां समलांकें
उपरांयित आज वांसमलां कांमांकें पछें तीभो दिनछें ।
२२ ओरयित म्हांकी वांकी रंडनें म्हांनें अछेरो नमायो कें जको
२३ प्रभातें वोरकनें गरेछी । ओर उंकोलोस नलाधर आई वा
कई कें सपांमें दूतकारांको देयालो लाधो कें ज्यां कयो कें
२४ उ जीवतोछें । ओर म्हांकेंभेला कोई लोग वोरकनें
मयो वा वांरंडा मिसो वांनें कयो छो विसो लाधो लेर उं
२५ नें न देख्यो । ओर उं वांनें कयो पे डोफा वा निमिति
यां ज्यां समलो कथा कही वा कथांमें प्रतीत करवमें गुम
२६ मव जीवनें सो भोगकरवो वा आपका मतापमें वडवो
२७ कांई विसें नही । ओर मोसहसुं मांडर समला न
वियांसुं उं वां समलां लिवकमें आपका फायदामें जका
२८ समली कथा जई वांवो सारद वांकेंकनें कयो । ओर
वें जीं गेडामें जावा छा उंकें नेडा पोंला ओर उ आगाडी
२९ जांवसरीमो कयो । ओर वां उंनें या वेर मनावो
कें म्हांकेंभेला रें ओाम कें संझ्या आवेंछें वा दिन पूरो वे
३० छें ओार उ वांकेंभेला रेंयवें गयो । ओर उं वांकें भे
ला वेंठवसुं राटी लेर शुकर करी वा भांगर वांनें दीवी ।
३१ ओर वांकी आंख्यां खुलगई वा वां उंनें ओलख्यो वा उ वांको
३२ दिमटसुं पालोवड ऊवो । उं पछें वा आपसमें कयो
वें मद उं मारगउपर म्हांकेंभेलो कथा कई वर म्हांकेंकनें

Digitized by Google

समेमावको वारद कयो तद म्हांको मन कांई म्हांकें विपह
३३ लें उजालो नहीं कयो। और वें उंही घडी उपडर-यिरु
सलममें फेरगया वा इग्यारें चेलानें वा वांकें भेलप्यांनें
३४ भेला पाया कें न्यां कयो कें प्रभू अवश्य उपड्यो वा सीमन्
३५ नें दिखाशो दीनेछे। और मारगमें वांकें उपर जको
जवेछो वा उ बाटी भांगवासुं वीतरें वासुं ओलख्यो गयो
वा पिण वां कह्यो।
३६ और वें या केता जितु लागी वांकें बिचमें उभो जको वा
३७ वानें कयो कें थांकी सलामती पें और वां फडेरा मान्यो
३८ वा वीहा जिस्या भूतानें देख्या। और उं वांनें कयो कें
३९ क्यों घदियावोछो वा थांकें मनमें क्यों संदेह उठें छै। म्हारा
हाथ वा पग देखो कें यो उं सागीछुं हाथसुं टंटोलो वा
मनें देखो क्योंस थें जिस्यो मनें देखोछो तिस्यो भूतको मांस
४० वा हाड नछें। वा आकेंर उं आपका हाथ पग वांनें
४१ देखल्याया और वें राजीसुं प्रतीत नकरबासुं वा अचं
भें होणसूं उं वांनें कयो कें थांकनें कुंहि खांवणनेंछे।
४२ और वां उंनें सेकीमछीको एक टुकडो वा संतका छावाको
४३ टुकडो दीनो। और उं लेर वांकें सांमें खायो।
४४ और वा उंनें कयो कें अं थांकें भेलो रेंर मके कथा कही
४५ सो अं छें कें मोसाको तोरेंतमें वा निमितियांकी कथामें
वा गीतामें मकेर कथा म्हारें फायदामें लोपीछें वो सब
४६ वांको पूरोहोवो निसेंछें। तद उं वांकी अकल खोली कें
वें धरमग्रंथमें समझें और उं वानें कयो कें इसो लिख्यो
छें वा ख्रीष्टनें इसो कष्ट पांवो वा तिजेंदिन मोतसुं उप
४७ डवो वा यिरुसलमसुं मांडर उवें नांवसुं सगली जाती
४८ कनें वामणा वा पापको माफ चोडें करयो निसेंछें। वा
थे यांका सायदो छो। और देखो में आपका बाप

४९ को बरार थांवें उपर मेलूंगु और थे जठातोकी उपरसुं
धोंच नवाधो तठातोडो यिरूसलम्‌नगरमें रहो।
५० उंपछे उ वांनें बारखें लेर बीतानीयांतांकी लेगबो
५१ वा आपका हाथ उपाडर वांनें आसीस दी। और
ईसोड्डे हे उ वांनें आसीस करतांसुं वांसुं न्यारो कयो
५२ गयो वा सरगमें लेगयो गयो। और वें उनें भजन
५३ करर मोटो राजीता यिरूसलम्‌में मुडगया। और
वें रोजीना भगवानको गुनो करता वा शुकरकरता देव
रामें रया। आमीन।

मंगलीक वार्ता योहनरचित ।

१ पैलडो पानो ।

१ पैलडी कथा छी वा कथा भगवांनकनें छी वा कथा
२ भगवांन छे । वा पैलड्या भगवांनकनें छी सगळा उंसुं
३ उपज्या छा ओर जके उपज्या उंकें बिचालें कुंइपिण उंकें
४ बिगर उपज्यो नछे । वांमें जीव छे ओर उ जीव
५ आदम्यांको चांनणो छे । ओर चांनणो अंधारामें पोपीलो
पाई वा अंधारें उंनें नई ग्रहण कर्यो ।
६ भगवांनसुं मेल्योडो एक लोग छो कें जिंको नांव योहन ।
७ उ साखदी देंणनें आयो कें चांनणाका फायदामें साखदी
८ देवें कें सगळा उंसुं प्रतीत करें । उ चांनणो उ नही
छो लेर उ चांनणाका फायदामें साखदी देंणनें आयो ।
९ उ साच चांनणोछे कें जका संसारमें आवणवाळो
१० सगळा आदम्यांनें चांनणो करेंछे । उ संसारमें छो
ओर संसार उंसुं उपज्यो वा संसार उंनें नजांण्यो ।
११ उ आपका अधिकारकनें आयो वा आपकें लोगां उंनें नई
१२ ग्रहण कर्यो । लेर ज्यां उंनें ग्रहण कर्यो वांनें उ
भगवांनकें डावडा होणको पोंचदीनो अथवा आपका
१३ नांवमें प्रतीतकरणवाळांनें कें जको लोहीसुं अथवा शरी
रकी इछासुं अथवा आदम्यांकें इछासुंपिण उपज्या नछा
१४ लेर भगवांनसुं उपज्याछा । ओरपिण कथा डील धिरयोडो
छो ओर मेरबांनी वा साचसुं भर्योडो अमर म्हांकें

बिचालें डेरा कया ओर बाभावें एक उपब्योडा डावडावें
मतापहतो न्हे उंकी महाम देख्यो।
१५ योहन उंकें फायदामें सायदी दोनी वा आ केर हेला कया
कें ओ उ ज्ञे कें में ओंका फायदामें कयो कें अको म्हारें पिछा
डी आये उ म्हारें अगाडी छो क्योंस उ मेंसुं पेंलडोछो।
१६ ओर म्हे सगला उंकें बेछ्येडासुं लाधा वा गुणसटोगो
१७ गुण लाधा। क्योंक बीरेंव मोसाडकी बाडसुं दोधी
१८ गई ओर छपा वा साच यिसुखीष्टसुं आई। किसो
लोग भगवाननें कदेई नदेख्यो एक उपब्योडा डावडो कें
अको बाभाको गातोउपरछें उं उनें जलायो।
१९ ओर आ योहनकी सायदीहें जद यिहुदियां तुं कुणछें
उनें ओ कया पुछणवेई यिरुसलमसुं फारयानें वा लेवीनें
२० मेल्या। वा उं आरें कया वा फिटकारया नहो ओर
२१ आरे कयो कें जुं खीष्ट नछुं। ओर वा उनें पुछ्यो
कें तद तुं काई एलियाहछें ओर उं कयो कें जुं नछुं तुं
२२ काई उ निमिवियो छें ओर उं कयो कें नहो। ओर
वां उनें कयो कें तो तुं कुणछें कें म्हे उनें उथलो देवां कें यां
२३ मनें मेल्यो तुं आपका फायदामें काई केंछें। उं कयो
कें इसाईयाह निमितिया जिसो कयो कें जुं जोडमें हेला
करणवालो एक लोगको बोलछुं प्रभुको मारग त्यार करो।
२४ ओर मेल्योडा लोग फारिसियांसुं छा ओर वां उनें
२५ पुछ्यो वा उनें कयो कें अर तुं खीष्ट नछें वा एलीयाह
नहो वा उ निमितियोपिण नहो तो क्यों डुबोदिरावेंछें।
२६ योहन् वांनें आ कया कहो कें जुं पाणीमें डुबोदिराउंछुं
ओर थांकें बिचालें एक लोग उभो छेंछें कें जीनें थे नजांणो
२७ छो। उ छें कें जको म्हारें पिछाडी आंवणवालो जयर
म्हारें अगाडी छो ओर जुं उंकी मोजडोंको कुंडो खोलण

२८ बेथ्य बलु। यों यरदनके उ किराडामें बताबारामें बसोडो
ठे के जठें योहन डुबोदिरावतोठो।
२९ उंके दूजें दिन योहन आयके नेंडो आवधवालो यिसुकूं
देख्यो वा कयो के भगवानकें गाडराका बचानें देषो के जबें
३० संसारकें पापीनें लेजायठें। यो उ ठे कोजीकें फायदामें
में कयो कें एक लोग म्हारें पिछाडी आवेंगे कें जको म्हारें
३१ अगाडो ठे क्योंस उ म्हारेंसु पेलडोठो। ओर में उनें न
जांणतो बाजो के उ यिसरायलकें चोडे जाजो इंसु में पांणीमें
३२ डुबो दिरावतो आयोडु। ओर योहन आकेंर सायदो
दोनो कें में आत्मानें रावतरा जाषरोमि सर्गसुं उतरतो वा
३३ उंकेंउपर बेंठतो देख्यो। ओर में उनें नजांण्यो।
बेर जों मनें पांणीमें डुबोदिरावणनें मेल्यो उं मनें कयो कें
तूं जीनें उपर आत्मानें उतरतो वा उंकेंउपर रेंतो देषसी
३४ उ धर्मात्मामें डुबोदिरावणवालो ठें। ओर में देख्यो
वा सायदो दोनी कें यो भगवानको डावडोठें।
३५ उंकें पेंबडें दिन योहन फेर उभो जवो वा उंकें चेलां
३६ का दोय लोगपिण ओर यिसुनें भटकतो देषर
३७ कयो कें भगवानकें गाडराका बचानें देषो। ओर वां
दोय चेलां उंकी कथा सुणी वा यिसुकें पिछाडी गया।
३८ यिसु मुडर वा वांनें आपकें पिछाडी आता देषर वांनें
कयो कें थे कीनें सोधोठो वां उनें कयो कें हे रब्बि अथवा
३९ गुरांजीक तूं कठें रेंठे। उं वांनें कयो कें आवो देषो वें
आया वा उ कठें रेंतोठो उ देख्यो वा उंदिन उंकें भेला रया
४० क्योंस साढीतीनपोर अटकतां दिन आयोठो। जकें
दोय लोग योहनकी कथा सुणर उंकें पिछाडी गयाठा
४१ वांमें एक लोग सीमोन पितरको भाई आंद्रु। उं पेलडा
आपका भाई सीमोननें लाधो वा उंनें कयो कें म्हे मसी
४२ याह नें अथवा ख्रीष्टनें लाधो। उं पछें उं उंनें यिसुकनें

Digitized by Google

लेगयो ओर यिसु उंकें उपर दिसट करर कयो कें योहन्
को डावडो सीमन् ठें तूं कीफास नांवसुं बोलायो जासो
४३ अयवा भाटो। उंकें पाछले दिन यिसु गालिलिमें वडणें
चायो ओर फिलिपसुं मिलाय ज्यो वा उंनें कयो कें म्हारें
४४ पिछाडी आव।
४५ फिलिप् आंद्रु वा पितरका पेंडा बेत्‌सैदाको ठो फिलिप्
नातानएल्‌नें साधो वा उंनें कयो कें तोरेंतमें मोसए जीका
फायदामें लिख्यो वा निबिलियोंपिण लिख्यो अथवा युसफ्
डावडो नाजरेतको यिसु उंनें मे साधो।
४६ नातानएल् उंनें कयो कें कोई चोखो वस्त कांई नाजरेतसुं
४७ आवसकेंठें फिलिप् उंनें कयो कें आव देख। यिसु
आपकेंनमें आवणवाजेर नातानएल्‌नें देख्यो वा उंकें
फायदामें कयो कें साचो इसराएली एक आदमीनें देखो
४८ कें जीमें कपट नठें। नातानएल् उंनें कयो कें तें
मनें कठेंसुं जाण्यो यिसु उथलो दीनो वा उंनें कयो कें
तनें फिलिपकें बुलावणकें अगाडी तूं जद अंजीर रूंख
४९ नीचेंठो तद में तनें देख्यो। नातानएल् उथलो दीनो
वा उंनें कयो कें हे रबि तूं भगवानको डावडोठें तूं यिस
५० राएलको राजाठें। यिसु उथलो दीनो वा उंनें कयो कें
में तनें अंजीर रूंख नीचें देख्यो आ कयां कैवासुं तूं कांई
म्हार केथाउपर प्रतीत करेंठें तूं यांसूं मोटाकाम
५१ देखसी। ओर उ उंनें कयो कें साचसाच में थानें कउंठुं
कें इंकें पछें थे सरगनें खोलो वा भगवानकें हलकारानें
आदमीका डावडाउपर चडता वा उतरता देखसो।

२ दूजो पानो।—ओर तीजे दिन गालिलिकें काना
१ एक थावगे ओर यिसुकी माउ उठेंगी। वा यिसु

३ वा उंका चेला यांवमें मनवारी छा। और दारु न रैवासु
४ यिसुकी माउ उंनें कयो कें यांके दारु नछें। और यिसु
उंनें कयो कें हे रंड थारेसु म्हारो कांई कांम म्हारी वेळा
५ अबार आई नथी। उंकी माउ सेवकांनें कयो कें उ
६ थांनें जको कोई कांम करवानें कैसी उ करो। और
उठे यिहुदियांकें निर्मळकरवकीरीतमाफक भाठाका छ
माटा छा एकेक माटामें दोय तीनमण मावतोछो।
७ यिसु वांनें कयो कें माटापांणीसुं भरो और वां पोलापोल
८ वांनें भरया। फेर उ वांनें कयो कें अबे उंथावो वा मन
९ वारांकनें लेजावो और वे लेगया। जब मनवारां
उ पांणीनें चाख्यो कें जको दारु बणगोछो उ कठासुं
छे यो न जाण्यो लेर पांणीउपाडणवाळासेवकां जांणता
१० वद मनवारां बींदनें बुलायो वा उंनें कयो कें सगळा
लोग पैलडा चोखोदारु देवेछे वा आदम्यां मोकळो पीवण
पछें मांठो देछे लेर तें अबारतांई चोखो दारु राख्योछे।
११ यिसु यो पैलडो अचंबेरोकांम गालिलिका कानामें कीयो
वा आपको प्रताप प्रगट करयो वा उंकें चेलां उंकेउपर
प्रतीत करी।
१२ इंकें पछें उ वा उंकी माउ वा भाई वा उंका चेला कफर
नहुममें गया वा उठें थोडाक दिन रह्या।
१३ और यिहुदियांको पेसाख नेडो आयो वा यिसु यिरुस
१४ लममें गयो। और देवरामें गायांका वा गाडरांका वा
१५ कबुतरांका बेचणवाळांनें वा सराफांनें बेठता देख्या। वा
डोरीको कोरडो बणायर उ देवरासुं वां सगळांनें वा
गाडरांनें वा गायांनें बारणा कया वा सराफांका रुपीया
१६ बखार दीया वा बाजोट उंधाय दीया। वा कबुतरांकें
बेचणवाळांनें कयो कें यां वस्तांनें अठासुं लेजावो म्हारा
१७ बापका घरनें हाट मतांकरो। और उंका चेलां

छिताणो कें ओलोव्योडो कें घारा भूंघाका फायदामें अकें
उद्दम उं मनें खावनांख्यो।
१८ ओर यिजदियां उथलोदेर उंनें कयो कें तूं म्हानें कांई
१९ सेंनाण देखावेंगें कें तूं यें काम करेंगें। यिसु उथलो देर
वांनें कयो कें इं देवरानें भांगो वा तीन दिनमें हूं उंनें फेर
२० उपाडसुं। यिजदियां कयो कें इं देवरानें उपाडण
में छींयालीस बरष लागा गा ओर तूं कांई तीन दिनमें
२१ उंनें उपाडसी लेर उं आपका डीलका देवराकें फायदासें
२२ कयो। इंसूं जद उ मोतसूं उपडोगो तद उंका चेला
चितारयो कें उं वांनें यो कथा कयोगी ओर वां धर्मग्रथनें
वा यिसु जका कथा कयोगी वां कथाउपर पिण प्रतीत
करी।
२३ ओर उ पेसाखकी तेवा यिरुसलममें रैतां तिंवारकी
वेळा मोकळांसूं उं करयोडा अचेराकामांनें देखर उंकें
२४ नांवउपर प्रतीत करी। ओर यिसु वांकेकनें आपनें
२५ न भळायो क्योंस उं सगळांनें ओळख्यां इंकेवेई कोई ओर
आदम्यांकें फायदामें सायदी देवें या उंनें गरज नगो
क्योंस आदम्यांमें जो हैगे उ उं जांणतो।

३ तीजो पांनो।—फारिसियांकें विषमें यिजदियांको
२ धणी एक लोगगे कें जींको नांव निकदेमस। उ रातमें
यिसुकनें आयो वा उनें बोल्यो हे रबि म्हें जांणांगां कें
तूं भगवांनसूं आयोडो एक बतावणियो छें क्योंस तूं जके
अचेराकाम करेंगें कोई मांणस वें कांम कर न सकेंगें कें
३ जदो भगवांन उंकें भेळो न रहें। यिसु उथलो दीनो वा
उंनें कयो कें सांचसांच हूं तनें कउंहुं कें जद आदमी दूजी
वेळा नई जलें तो उ भगवांनको राज देख न सकेंगें।
४ निकदेमस उंनें कयो कें आदमी डोकरेर जनम कींतरें

Digitized by Google

जया सकेंगे उ कांई दूजीबेळा आपकी माउका पेटमें बडवें
५ वा जय सकेंगें । यिशु उथलो दीनो कें साचर कं
थनें कउंतु कें जर कोई लोग पाणीसूं वा आत्मासूं न
६ जवें तेर उ भगवानकें राजमें बडय न सकेंगें । जो
डीलसूं जयोंगे उ डील छें वा जको आत्मासूं जयोंगे उ
७ आत्मा छें । अचिरो मती मांन कें में तनें कयो कें थांनें
८ दूजीवार जयणो जिमेंगे । बायरो जठें चावें उठें
बाजेगें ओर तू उंका हेला सुणेंगे लेर न जांणेंगे कें वा
कठासूं आवेंगे वा कठें जायगे उसो चावेंसो लोग छें कें जको
९ आत्मासूं उपज्यो हुं । निकदेमस् उथलो दीनो वा
१० उंनें कयो कें ओ कीतरें जय सकेंगें । यिशु उथलो
दीनो वा उंनें कयो कें तू कांई यिसरायलको एक वधांणीक
११ छें वा आ न जांणेंगे । कं तनें साचर कउंतु कें म्हे जको
जांणांगा व कांगा वा जको देख्यो उंकी साखदी देवांगा वा
१२ थे म्हांकी साखदी न मांनेलो । जर में थांनें संसार
की कथा कही वा थे प्रतीत न करो तो जद कं सर्गकी कथा
१३ थांनें कउं तद कींयरें प्रतीत करसो । ओर जको सर्ग
सुं उतर्यो अथवा आदमीको डावडो कें जको सर्गमें छें उंकें
बिगर कोई लोग सर्गमें न चड्यो ।
१४ ओर मोसय् जोडमें जिसो सापनें उपाड्यो तिसो आ
१५ दमीका डावडाको उपाड्यो ज्यूंणो जिमेंगे कें जकोचावें सो
आदमी उंकें उपर प्रतीत करेंगें उ नाश न थाय लेर
१६ अनंत आउखो लावसी । क्योंस ईसर संसारसुं इसो
प्यार कर्यो कें उं आपका एक उपज्योडा डावडानें दीनो
कें जको चावें सो लोग उंकें उपर प्रतीत करेंगें उंको नाश
१७ न जाय लेर अनंत आउखो पावो । क्योंस संसारनें
दांमीदार करवाकेई भगवान आपका डावडानें संसारमें न

१८ मेल्यो लेर जो संसार उंसु उद्धार पावो। ज्यों कोई
उंके उपर प्रतीत करें उ लोसीस योग नही लेर जको कोई
प्रतीत करें नहीं उ अबार तोसीसयोग क्योंस भगवानके
एकावि उपजोडा डावडाका नांवउपर प्रतीत करी नही।
१९ ओ तोसीस देणको कारण छे के संसारमें चांनणो वढोछे लेर
अ दमीयांका कांम षोठा हेस्यसु वें चांनणासु अंधारानें सरा
२० वेछे। क्योंस जको कोई षोटे कांम करेंछें उ चांनणाने गोई
करेछे वा उंको कांम मंघा न होयजावेहै उ चांनणाकनें
२१ न आवें छे। लेर जको कोई साच करेंछे उ आह
मीको कांम चोडे होयजावेंई उ चांनणाकनें आवेंछे क्योंस उंका
२२ कांम भगवानमें कयो जायछे। उं पछे यिसु वा उंका
चेला यिहूदा देसमें गया ओर उं उ जागा वांकें भेला
२३ रया ओर डुबी दिराई। ओर योहन् सालेमके नेडे
आईनन्में डुबी दिरावतो छो क्योंस मोकलो पांणी उं जागा
२४ में छो उंसु आदमी आया वा डुबी दिई जवा योहन उं
२५ वेळा जेलखानेमें नछो।" उं वेळा निर्मळ करणके बाबतवी
योहनकें कितायक चेला ओर यिहूदियांकी बदलोबदली
२६ छी। इणवास्ते वां योहनकनें आयर उंनें कयो कें हे
रबि यरदनकें उं कडपें जको थारेंकनें छो कें जींको
सायदो तें दीनीछें देषो उ डुबी दिरावेंछें ओर सगळा
२७ आदमी उंकें नेडा आवेंछें। योहन उथलो देर बोल्यो
अर स्वर्गसूं दीनो न के तो कोईपिण कुंहि पाय न सकें।
२८ उं ख्रिष्ट नहुं लेर उंको पैलडो मेल्योडोहुं में जो आ
२९ कथ कही छे उंसु थे म्हारा सायदो हो। जको लाग
बींदणी वाळोछे उ बींद लेर बींदको जको संगातो नेडो
उभो रयर सुणे उणी बींदकी कथा उपर मोकळी राजी
३० करेंछें इंसूं ओ म्हारो आनंद पूरो हे छे। उ मुकर
३१ बढसी लेर उं घटसुं। जको उपरसूं आवेंछे उ सगळांकें

उपर छै अनै दुनियांसूं छै उ दुनियादारछै वा दुनिया
दारीकी कथा कैछै अनै स्वर्गसुं आवैछै उ सगलांकै उपर
३२ छै। और अनै उं देख्योछै वा सुण्योछै उंकी सायदी
३३ उ देवैछै पेर कोईपिण उंकी सायदी अंगीकार नकरैछै। अनै
लोग उंकी कथा सुणैं उं इकैं उपर छाप दीनीछै कै भगवान
३४ साचाछै। क्योंस जीं लोगनैं भगवान मेल्योछै उ भगवान
की कथा कैछै क्योंस भगवान उंनैं तोल करर उंनैं आत्मा
३५ देछै नही। बाबो छावडाको प्यार करैछै वा उंका हाथ
३६ में सगळो सुंप दीनोछै। अनै लोग छावडाउपर भक्ति
करैछै अनंत आउखो उंको और अनैकोई छावडाउपर
भक्ति करैं नही उ जीवनकू न देखसी पेर भगवानको वज
राब उंकै उपर रैछै।

४ चौथो पांनो।—प्रभू जांण्यो कै फारिसियां सुण्यो कै
२ यिसु योहनसूं ज्यादा चेला करै वा डुबी दिराई यिसु
आप डुबी दिराई नही सही पेर उंकै चेला पिण तद
३ उ यिहूदाह देस छोडर दूजीवेळा गालिलि गयो और
४ समरोयासुं जावर उंनैं जांवणको निश्चै छो। अबा
५ घरती याकूब आपका छावडा युसफनैं दीनी छी उं
घरतीकै नेडो सोकर नांमै समरोन्याकै एक नगरमें उ
६ आयो। याकूबको बेरो उठै छो इवेई यिसु गैलर
थाकर उंहिकरैं बेराउपर बैठो उ दोपैरकी बिरियां
७ छी। समरोयाकी एक रंड पांणिभरवानैं आई
८ यिसु उंनैं कयो मनैं पीवबैं पांणीदे क्योंस उंका चेला
९ खांवणकी वस्त मोल लेंवनैं नगरमें गया छा। तद उं
समरोयाकी रंड उंनैं कयो कै तूं यिहूदी छं समरोयाकी रंड
सूं म्हारासुं पीवबनैं मांगैछै वा किसी कथा क्योंस कै
१० समरोयाभेळो यिहूदांकै कुंछि संबंध नछै। यिसु

Digitized by Google

उथलो देर उंनें कयो कें तूं जवों जाणती कें भगवांनको
दांन कांई छोर जीं कयो कें मनें पीवण देउ कुण छै आपिण
छर जांणती तो तूं उंकेंकनें मांगती छोर उ तनें अमर
११ पांणी देतो। उं लुगाई उंनें कयो कें हे म्हाराज
पांणी बोछवाको थारो ठांव न छै बेरोपिण उंडोछै तो तें
१२ उ अमरपांणी कठासूं पायो छै। तूं कांई म्हांकें बाभर
याकूबसूं मोटो छै कें ज्यां म्हांनें बेरो दीनोछै छोर आप
वा उंका डावडा छोर उंका जीवां उंको पांणी पायो छै।
१३ यिसु उथलो देर उंनें कयो कें अंको कोई भी पांणी पीवेंछै
१४ उ फेर तिसायो जसी लेर जको पांणी जं देसुं
उ पांणी जको कोई पीवें उं सीम छोर कदेई तिसायो न
जसी लेर जको पांणी जं उंनें देसुं उ अनंत आउखामें
१५ उपडणवालो उंकें विचमें पांणीको एक झोर जसी। उं
लुगाई उंनें कयो कें हे म्हाराज उ पांणी मनें दे कें जं ति
१६ साई न जं वा अठें पांणी बोछवानें न आउं। यिसु उंनें
१७ कयो कें जा आपका धणीनें बुलायर अठें आव। रंड
उथलो देर बोली कें म्हारें धणी नछै यिसु उंनें कयो कें तूं
साच कैछै कें म्हारे धणी न छै क्योंस थारें तो पांच
१८ धणीछा छोर तूं अबें जींकें भेलीरैछै उ थारो धणी नछै
१९ ईसुं साच कथा कछै। उं लुगाई उंनें कयो कें हे म्हाराज
२० जं समझुंछुं कें तूं निमितियो छै। म्हांकें पितर
लोगां ई परवतउपर भजन कयो लेर थे कहो छो कें जीं
जागामें आदमीको भजना करणो तिसेंछै वा जागा यिरू
२१ सलम छै। यिसु उंनें कयो कें हे लुगाई म्हारी कथाउपर
प्रतीतकर जींबेला थें ई परवतउपर अथवा यिरूसलममें
२२ बाभाको भजन न करसो वाई बेला आवेंछै। थे जांणो
न छो कें जींको भजन करोछो म्हे जांणांछां कें जींको भज
२३ ना करांछां क्योंस यिहूदांसुं उद्धार आवेंछै। लेर

Digitized by Google

साचपूजणवाला जींबेला आत्मामें ओर साचमें बाभाकी
पूजा करसी वा बेलो नेंडी आवेंछै ओर अबारूंई छवेछै
क्योंस आपकी पूजा करणवाला इसालोगांनें बामी चावेंछै।
२४ भगवांन आत्मा छै ओर जके उंको भजवा करैं छैं वांनें जिमैं
२५ छै कें आत्मासुं वा सचोटाइसुं उंको भजन करैं। उ
रंड उंनें कयो म्हे जांणांछां कें मसीहा आसी कें जींको नांव
२६ खीष्टछै उ आयर सगली कथा म्हांनें केसी। यिसु उंनें
२७ कयो कें जो उईछूं कें जको थारें भेळी कथा करउंछुं।
इकै विचालें उंका चेला आयर अचेरो करयो कें उ उ लुगा
ईकें सात कथा कहो लेर किसी न कयो कें तूं काई मांगेछै
२८ अथवा कांबेई उंकें भेली कथा केछैं। तद उ लुगाई घडो
२९ छोडर नगरमें गई ओर लोगांनें कयो कें आवो एक
लोगनें देखो कें जको काम में किछीबिलामें करयो छेर जीं वे
३० सगला कांम मनें कयाछै उ कांई खीष्ट नछै इंवेई वें नगर
३१ कें बारणें आयर उंकें नेंडा आया। उं बेला उंकें चेलां
३२ या पना कर कयो कें हे रबि कुंछि खा। लेर उ
३३ उंनें कयो कें म्हारो खुराक छै कें जको थे जाणो नथी। इ
वेइं चेलां आपसमें कयो को कोई कुंछि बांवणकी चीज
३४ कांई उंकें नेंडी लाईछै। यिसु वांनें कयो कें जीं
मनें मेल्योछै उंकें इच्छ करणो वा उंका कांम पूरा करणो
३५ आ म्हारो खुराकछै। थे कांई न केछो कें ओर च्यार
महिना पछै रितकाटणकी वेळा वेछै देख जो थानें कउंछुं
कें थे आंख्या उंचावो खेत उपर देखो क्योंस अबें उ साख
३६ रहियो धोलोछै। ओर जको लोग साख वाढेछै उ मासणा
पावेछै वा अनंत जीवमें फसल जमावेछै कें उई बावण
३७ वालो ओर साख काटणवालो एकोवार राजी वे। ओर
इंसु यिख आ कथा साचोछै कें एक लोग बीज बावेछै वा
३८ ओर एक लोग साखकाढेछै। जींसुं थे कांहि मेनत

करी कही उ साथ काटबानें में थानें मेल्याछें ओर लोगां
३९ कांम करयोछें वा थे वांकें कांममें बड़ाछो। लुगाईकें
ईं कथासुं उ नगरका मोकला समरोण्यां प्रतीत करी कें
जों था सायदी दीनी कें में जको कांम कीयोबेलामें करयाछें
४० वें सगला कांम उं मनें कया। इंवेईं समरोणी उंकें
कनें आयर आपकें भेलो रैणबेईं उंनें बीनती करी उंसुं
४१ उ दोय दिन उठै रयो। तद ओर मोकला लोगां
४२ उंकी आपकी कथासुं प्रतीत करी। ओर उं लुगाईनें
कयो कें अबें म्हे प्रतीत करांछां थारी कथासुं सो नही
क्योंस म्हे आप सुणर जांण्यो कें उ मुकर संसारको उद्धार
करणवालो खीष्टछें।
४३ ओर दोयदिन पछें उ वांजागा छोडर गालिलि गयो।
४४ क्योंस यिसु सागो सायदी दीनो कें निमितियाकी आबरु
४५ आपका देसमें नछै। उं पछें उ गालिलिमें आयर मकें
साराकांम उं यिरुसलममें तिंवारकी बेलामें करया छा ज्यां
वें कांम देख्याछा वां गालिलियां आगवभावसुं उंनें लीनो
४६ क्योंस वें पिण तिंवारमें गया छा। ईं पछें यिसु गालि
लिका कानामें दूजीवार गयो कें जठें उं पांणीको दारु
करयोछो ओर उठें एक मोटो आदमी छो कें जींको डावडो
४७ कफरनहुममें मांदो छो। उं जद सुण्यो कें यिसु यिहूदा
देसमें गालिलिमें आयोछें तद उंकें नेंडो जावर उंकी
बीनती करी कें उ उंआगा आवर उंका डावडानें
४८ साजो करें क्योंस उ मुडदासरीखो हुवोछें। यिसु
उंनें कयो कें थे सेनाण वा अचरजकांम देख्यांबिगर प्रतीत
४९ न करसो। उं मोटै लोग उंसुं कयो कें हे म्हाराज म्हारो
५० डावडो न मरतां आव। यिसु उंनें कयो कें जा थारो
डावडो जीवतोछें तद जको बात यिसु उंनें कही उं कथा
५१ उपरु उं आदमी प्रतीत करी वा चाल्यो गयो। आवांरा

Digitized by Google

उंनें गेला उंकें भेलो मिलाप कर्यो ओर कयो कें थारों
५२ डावडो जीवतोछें। तद उं पूछ्यो केंकी वेळासूं चैन पाव
लाग्यो। जोब ज्णा वा उंनें कयो काल दोपेंरा आढाई घडी
५३ की वेळा ताव उंसुं उतर्यो। इं वेई बाभें जांणी कें जीं
घडी यिसु उंनें कयोछो कें थारो डावडो जीवतोछें वा घडी
वाईछे इंवेई उं वा उंका भूंपाका सगला लोगां प्रतीत
५४ करी। यिसु यिहुदाह देससुं गालिलिमें आयर अणी
अचंरजकाम कर्यो उंको दूजो अचंरो काम थो।

५ पांचमो पाठ।—उं पछें यिहुद्यांको एक तिंवार छो
२ ओर यिसु यिरुशलममें गयो। यिरुशलमका मेंडे
चोटामें एक्री बोलीमें बीतुहेसुदा नांवको एक तळाव छें उं
३ तळावकें पांच घाट। उंमें सूखा बोडा पांगळा बघेरा
४ मोकळा मांदालोग पांणी हिलबकें बाड जोवाछा। क्योंक
बीचकी वेळा एक दूतकारो तळावमें उतरर पांणी हिला
५ तो। पाणी हिल्यां पछें जकोकोई पैलो उतरें उं लोगकी
जका कोंणीतरेंकी मांदगी फे उं उणांरगिसुं ताजोहे।
६ उं ठामा अडतीसबरसांसूं एक मांदो लागछो। यिसु
७ उंनें सूतो देखर ओर जांणिर मांदो जको मोकळा दिनांसूं
जकोछें वा जांणर कयि कें तूं काई आरोग्य हुवां चावेंछें।
७ उं मांदेआदमी उथलो देर कयो कें हे म्हाराज जद पांणी
हिलेंछें उं वेळा तळावमें मनें उतारवानें म्हारो कोई नही
ओर जां आप आवतोर ओर कोई म्हारें पैलडो उतरेंछें।
८ यिसु उंनें कयो कें उठ आपका बिस्तरा लेर चाल उ लोग
९ उंहि वेळा ताजो हुवो ओर बिस्तरा उपाडर चाल्यो गयो
१० उ दिन दितवार छे। इंवेई जीं लोग चैन पायो छो यिहु
११ दियां कयो कें उंनें को दीतवार छें तनें बिस्तरा उठावणां
वाजिब नही। उं वांनें उथलो दीयो जीं मनें ताजो कर्यो

Digitized by Google

१२ उं मनें कयो कें बिछरा उघाडर चाल। उं पछें वां उंनें पूछ्यो
१३ कें तनें औं कयो कें थारा बिछरा उठायर चाल ऊ कुंणछें।
जो लोग आराम व्हेगो ऊ जांणें नहीं कें ऊ कुणछें क्योंस
भेकला लोग उं जागा रवासूं यिसु वा जागा छोडर गयो
१४ छो। उं पछें यिसु उंनें देवरामें देखर कयो कें देख, तूं ताजो
व्हेगोछें ओर फेरूं पाप मती कर कांई आंखा इंसुं ज्यादो
१५ बत्तो खोटो हवाल व्है। उं आदमी जायर यिहुदयांनें कयो
१६ कें जीं उंनें आराम कयो छो ऊ यिसु। इं कारण यिहु
द्यां यिसुकी दुसमणी करी वा मारनांखणको उद्यम कयो
१७ क्योंस उं दीतवारनें ओ कांम कयो छो।
लेर यिसु उंनें उथलो दीनो कें म्हारो बाभो अबार तांई
१८ कांम करेछें ऊं पिण करूंछुं। इं वेई उंनें मारनांखणवेई
यिहुदयां ओर घेन कयो क्योंस ऊ बाली दीतवारनें साखा
रख न कयोछो लेर आपनें भगवांनकें बरोबर करर कयोछो
१९ कें भगवांन उंको बाभोछें। इं वेई यिसु उथलो देर
वांनें कयो कें ऊं थांनें साचर कउंछुं कें डावडो बाभानें
जको कांम करतो देखें उं कांमबिगर आपका मुंडासूं
कुंछि न कर सकें छें क्योंस जको कांम ऊ करेंछें डावडो
२० पिण उही कांम उसोई करेंछें। बाभो डावडासुं
प्यार करेंछें वा जकोकांम आप करेंछें वें सगला उंनें देखा
वेंछें ऊ इंसूं मोटो कांमपिण उंनें देखालसी जें थे अचेरो
२१ जांणो। जिसो बाभो मुडदानें उपाडेछें वा बचावेंछें तिसो
२२ डावडोपिण जींनें चावें छें उंनें बचावेंछें। क्योंस बाभो कीं
कोई बिचार करें नहीं लेर समको बिचार डावडानें भलायो
२३ छेछें कें सगला लोग जिसो बाभाको आदर करेंछें डाव
डाको उसोतरे आदर करें जको कोई डावडाको आदर न
करें ऊ बाभाकोपिण आदर न करेंछें कें जीं उंनें मेल्यो।
२४ साचर ऊं थांनें कउंछुं कें जको कोई म्हारो कथा सुणर

Digitized by Google

यीं मनें मेल्योछै उंकें उपर प्रतीत करेंछै उंको अनंत आव
षी छैछै ओर उ लोक तोतीसमें न पडसी बेर मोत छेल्कर
२५ जीवतयमें गयोछैं। उं थानें साचर कउंहुं कें ता वेळा
आवेंछै अबारपिण अवेछै जद मरयाआदमी भगवानका
डावडाको साद सुणसी ओर जके सुणेंछैं वें बचसी ।
२६ क्योंक जिसो बाभी आप चैतन्य छै तिसो डावडानेंपिण
२७ आप चैतन्य होणो दीनोछैं ओरपिण वानें न्याव करवको
२८ पोंच दीनीछैं क्योंक उ आदमीको डावडो छै। अचंभो
मतो करो क्योंक वाईवेळा आवेंछै के जींमें जिता कबर बीच
२९ में छै वें सगळा उंको साद सुणसी ओ बारनें आसी ज्यां
चोखाकाम कर्‍या वें जीवणका भोगवेई. बेर ज्यां खोटाकाम
३० कर्‍या छै वे तोतीसका भोगवेई। उं म्हारा मुंडासुं
कुंचि कर सकुं नही उं जिसो सुणुंहुं तिसो न्योव करंहुं
ओर म्हारो न्योव ठीकछैं क्योंक उं आपको मन सोधुं
३१ नहुं बेर बाभाको मन करणो चाउंहुं कें जीं मनें मेल्योछै।
अर में आपका बासमेंलोमें साखवो देउं तो म्हारो साख
३२ तो साच नहो। ओर एक लोग छै कें अबी म्हारें
कायदामें साखतो देवेंछै ओर उं जाणुंहुं कें उ अबी साख
३३ तो म्हारा कायदामें देवेंछै उ साखतो साचो छै। थे योहन्
कनें मेल्योछो ओर उं साचकें बासबेलीमें साखवो दीनो।
३४ उं आदम्यांसुं साखवो लुं नही तही बेर उं आ कउंहुं
कें थे उधार पावो उ एक चांनणो वा तेजवार दीवो छो।
३५ ओर उंका चांनणमें कुंछिक दिन चैन गुजारणमें थे खुसी
३६ छा। बेर योहनका साखवासुं मोठो एक म्हारो साखव छै
क्योंक परवारववें बाभें म्होकाम मनें दीनोछै वें अकेर
काम उं करंहुं वेही काम म्हारें कायदामें साखवो देवेंछै कें
३७ बाभे मनें मेल्योछै। बाभे कें जीं मनें मेल्यो छै उ आप

म्हारें फायदामें सावचो होनोठें ये उंकीआद कहेई मनुष्यो
३८ वा उंको मर्वो कदेई न देखो। उंको कथापिम थांके चिचमें
न ठें कोल जींनें उं मेल्यो ठें उंकें उपर थे प्रतीत न
३९ करोगे। धर्मशास्त्रमें तोभो क्वोस थे समझो ठे कें उंकें
विचालें थे अनंत आउखो पावो कोपिम उ ठें कें उको
४० म्हारें कायदामें साखुत देवेठें कोर जीवखबेई थे म्हारेंकने
४१ आयो चावो नही। उं आदमीयासूं आदर लेवुं
४२ नही कोर उं थांमें जांनुं कें थांमें जिममें भगवांनको
४३ प्यार नठें। उं म्हारा बापका नामसूं आयोठुं
कोर थे मनें आदर न करो अर दुसेरोई आपका नांवसूं
४४ आवें तो उंनें थे आदर करसो। थे कीतरें प्रतीत कर सको
ठो कें जो एकबीजा दुसरेका लोगकनें आदर लेवेठें कोर
जका आदर वाली भगवांनसूं आवेठें वा आदर न चावें
४५ ठें। चिंता मतो करो कें उं बापाकें नेंको थांकी बदमत
करसुं थांमें बदमत देववाला एक लोग ठें उषि मोषक कें
४६ जींकें उपर थे प्रतीव करयो। थे मोखक उपर जर
प्रतीत करो तो म्हारी प्रतीव करता कोल उं म्हारें
४७ वासतेजीमें लिख्योठें।। कोर थे उंको उंका लिख्यो प्रतीव
न करो तो म्हारो कथा की उविद्यारें प्रतीव करसो।

६ छठो पांनो।—ईं पछें यिसु गालिलियें अथवा तिबेरि
१ वसके दरियाव पार गयो। जद उं मनो कनेरोकाम
मांदाआदम्यां उपर करता उंका वें कांम देखर मोठोजमाव
२ उंकें पिछडोर आई। उं पछें यिसु एक परवत उपरें
३ जायर चेलाभेला बेठा इसी पुखमें विजदियांको पेलासूं
४ को तिंवार नेडो आयो।
५ यिसु उपर देखर आपकें नेडी मोटी जमात आवेठें आ
देखर फिलिपनें कयो कें यां सगळांके खावखवेई म्हे कांठो

Digitized by Google

६ करेंसु मिया लेया। उ उंभी चाँकल वैबैके या राजी
७ मीस थाय मी। करंकर्ने कवनी ठा उ आंखकोठी। फिलिप्
उने उधको दीये में वेरवर्से पावलांसी वाठी मासो
८ नहीं के ये कर्नेसो चादमी पिक्तोर थेर्वे। जोने देवामें
सिच्में सब लोग कोमेंागयिलरयो भाई चांदु उने कयो
९ वे यक ठेटी हठे ये वे वीर्के जवाको पांच वाटी च दोय,
१० मठो वे यक कृपा लेयाकिलेसु कांई आवी। यिसु कयो
वे लोकोंने बिसाव मोवायी देय उं जागायोंनी अनारय
११ वे अनुसार पांचेक हजार बैठा। तद यिसु वा वाटी लेने यहसानसुं
धुर्वि करर पिरादं कयो चैरं सिवांजे दीयी चौर् मच्छीका
पिय पिरार करर वैठोराजादम्यां जितां चांही जितना देया
१२ वांवें हो गेठ। धाकी भांगुहलो जको बचे उ भायरा लेवा
में कसे में मायीभूल मांसे मागो। भिले करे। में वृत्ति हवे
१३ न वो। इसू वैदाई भर्भापछी वा जो जगवां भेला करर
उ जवाजी पांच वाठीका भूकमानकासु बारे महोरिभरी।
१४ वा आदम्यां यिसुवीर वो कहरांकरम देखर कयो के भगे
मिरिलियें में कंसारमें आवनी वे गैम्बीरार उ। जद
१५ यिसु जाण्यो लोग आवकरर उनें राजा बनायवा वास्ते
जबर यह उ खु झीकिरिबा पहाड़ी पहाड़ऊपर गया।
१६ सांज्यामें उना चेला दरियावखें कीनारे गया। चौर
१७ नावऊपर चढर कफरनहूमकानीं दरियावके पार जाय
लागा चौर चंधारो जवां पछीयन यिसु वांके नेठे नायो
१८ नहो। उ वेला मोठोबायरो बाजबासु दरियावमें मोठा
१९ लिरीलो जवा। तद वे कोस पैताल दोय तीनकोस
जायर दरियावकेऊपर चालता वा नावके नास्ता यिसुने
२० देख्यो उंसू वे डरपा लेर वांनें उं कयो के मो में हुं
२१ मती डरो। वांरवा वा राजी जयर उनें नावऊपर लीयी
चौर भी नावा वे जासी उ जाता के किनार लेगा।

Digitized by Google

२२ दूर्ई दिन बडे बादमी दरियावबें उंभार उभा बवा
थो बद देबेतो बे भी बाबडयर उंबा बेबा मबाठा उं
बिमर बीर बोबो उं बामा बई गी बा यिनु बायबा
बेबा भैबे बांबमें बबो मबो बबी बेर बाबो बेबा मबा
२३ गं । बी बामा प्रभुकी बुबी बबा पठें बा बाठी
बाईगी उं बागांबा बैबी बीर बोब तिबिरियबसु बाईगे
२४ लबी । बद बोमा दिबी बें बिनु बबबा उंबा बेबा
उं बागा बगा बद बिनुबी बोभबवेई बें बाबडयर
२५ बकर बबारनबममें बाबा बद बो दरियावबें उं बीर
२६ उंबु जिबर बबो बें वे रबो नूं बद बठें बाबो। बिनु
उबबो देर बांबें बबो बें बं प्राबें साम बडंनु बें उ बठे
रो देबबसु बे मबें बोबोगे बो बबी बेर बाठो बायर
२७ बबोबर बोबसु । बामबीबबबबाकुराबबेई मैंबल मती
बरो बेर बबो कुराब बबंब प्राबबीतोबो रैंगे बें बबो
बारमाबी बाबेबा प्राबें देबो उबेबेई मैंबल बरी बोबल
२८ भगबीम बाभें उबें छापसु बेबोठें । बद बो उबें
२९ बबो बें भगबांबबी बिबा बरबमें बे बाई बरबा बिनु
उबबो देर बाबें बबो बीबें उं मेबोठें उं उपर मबोब
३० करबी बा भगबांबबी बिबा बरबी । इंबेई बो उबें बबो
नूं बाई बबब देबबेंठे बें बे देबर थारें उपर मबोब
३१ बरा नूं बोई बरठें । बाबें यिरबोगा बोठमें माबा
बेबो बें जिबीर बो बिबोठें बें उं बागोसु बांबबबो बब
३२ बांबें दीबी । बद यिनु बाबें बबो बें उं प्राबें सामर
बडंनु मोमद बबोसु बा रोटी बांबें दोमी बबो बेर
३३ म्हारो बाभे बबोसु सामबाबो प्राबें देबेंठे बें बबो
बबेसु उबरर बमामें बोब देबेंठे बा भगबांबबो दीबेबो
३४ बाठो ठें । इंबेई बा उबें बबो बें बे प्रभु बा बाठी
३५ म्हाबें रोबीबा दे । बिनु बाबें बबो हें उं मोबबा देब

Digitized by Google

सांचो सांचोहुं अखोवोई म्हारेंकनें आवेंछें उ कदेई भूखो
न व्हसी वा अखोवोई म्हारेंसूं प्रतीत करें छें उ कदेई
३६ तिसायो न व्हसी पीर में तमें सो कयोछो कें थें मनें
३७ देखोछो पिण प्रतीत करी नहीं। ज्यां बाबा मनें
देवेछें वें सगळा म्हारेंकनें आसी पीर अखोवोई म्हारें
३८ कनें आसी उंनें हूं काढरेंई बाहरे न करसुं। क्योंक
आपणो राजीपण करणनुं हूं सरगसूं उतरयो नहीं पीर
३९ जीं मनें मेल्यो उंसी राजीपणकरणनेंई। पीर बाबे कें
जीं मनें मेल्योछें उंकी राजीपण यो छें कें उं जो मनें दीयो छें
उंको म्हुंहि में गमासुं पण छेहला दिन उंनें उठासुं।
४० जीं मनें मेल्यो उंकी या मन छें कें पांवेंसो लोग डावड़ानें
देखर भरोसो करेंछें उसी लोग अनंत आउखो पासी वा
४१ छेहला दिनमें उंनें उठाउंसुं। इतेई यिहुदी उंके उपर
बकबक करी क्योंक उं कयोछो कें म्हां बाटी सरगसूं उतरी
४२ वा बाटी हूं हुं। पीर वां कयो कें को क'ई युसफ्
को डावड़ो यिसु नछें कें जींकें माव बापानें म्हे जाणांछां तो
४३ उ कोंकरें केछें कें हूं सरगसूं उतरयोहुं। यिसु उणको देर
४४ वांनें कयो कें थे आपसमें बकबक मती करो। बाबेंजीं मनें
मेल्यो उं बाप्याविगर कोई पिण म्हारेंकनें आयो न सकसी
४५ उंपछें छेहलें दिन उनें हूं उठासुं। निबीयांकी पोथ्यांमें
यो लिख्योछें कें वें सगळा भगवानसूं सिखायोड़ा व्हसी ईं
वेई जको पांवेंसो आदमी सुणो वा बाबाकनें सीख्यो उ म्हारें
४६ कनें आवेंछें। जको भगवानसूं व्हेछें उ वेंविगर किसी
४७ बाबानें न देख्यो छें वेई उ बाबानें देख्योछ। हूं साचर थांनें
कउंहुं कें जको कोई म्हारें उपर प्रतीत करेंछें उंको अनंत
४८ आउखो वेछें। हूं सो जीवनदाता बाटी हुं थांनें बडेरां
४९ जंगळमें मान्ना खाधो छे वा वें मरगोछा छें। जको बाटी
५० सरगसूं आवेंछें वा या छें कें आदमी वा खायांसूं न मरें।

Digitized by Google

५१ कोगेंसू जका जीवमंदारां मांडो वा जं हुं जर कोई बा
बाटो खावें उ रोगोना मनवों और जका बाटो जे देखु
५२ उ म्हारो मांस वें जको मगतना जीवसबेई देखु । ईबेई
किसदियर बापतमें बेबो वहर कयो वें जो आदमी बाव
५३ वेई आमको मांस बीकरें देव सकेछें । उंबेई यिसु
वानें कयो कें जं मावें सावर कउंहुं वें जको आदमी काब
डाको मांस न खाय वा उंको बीदई न पीवे वा वांको कुंईि
५४ जीवन नही । जकोकोई म्हारो मांस बावछै वा म्हारो
कोई पीवेछै उंको जनंत बाठ्ठो वे छै और ठेवलोदिन जं
५५ उंनें उंबाडसु । कोस म्हारो मांस सांच रोटीछै या म्हारो
५६ लोई जीवणको साची पंबछें। जकोकोई म्हारो मांस
खाय वां म्हारो लोई पीवें उ म्हारेमें रेछै और जं उंमें
५७ रहुंहुं । जिसो जीवतेंबापें मनें मेलोछें वा जं बाभाका
उपराससु जिउतो हुं वेसो जको कोई मनें बावछें उ म्हारा
५८ उपरासंसु बचसी । जकाबाटो सरोसूं उतरी वा पुराव
बा जिसा थांके बडेरा मनमा बायपरा मुडदा हुवेछे तिसा
५९ नहो जको कोई या बाटो बावछै उ रोगोना बचसी । उ
कफरनहुममें अथाईदरे बीचमा सिनगागमें कहीं ।
६० इंसूं उंनें मेलबा बेलां वा सुबार कयो के जा वरडी
६१ बयाछै या कुन सुनसकेछे। जद यिसु आपका मनमें जांणर
के चेलां ई बाससेलोमें कचर वरी तब उ वानें कयो के बा
६२ कांईं थांकी बटकावनवाली । उंको चेलडांकी आगामें
आदमीका डावडानें उपर जातो थर थे देखो तो कांई
६३ जीवतव्य देववालो जको उ डोल मांससूं कुंईि फल नहैं
जका बधा थांनें जं कउंहुं कांई आका और उही जीवन ।
६४ वेर थांमें किवावें कोईर प्रतितवालो छै क्यों कि यिसु प्रतीत
न करी और कुण उंनें पारेबा नमनें करसी यिसु पेलडासु
६५ उनें जांणा । उ कयो ई कारण में थांकैकबो केम्हारा

Digitized by Google

नाभाकी दीवी पींच अर नजावे तो कोई चीज व्हारो नेंडो
४६ आवसकवी नही। उं वैजासुं उंका मोकला पेला मुडर
४७ अेर उंमें भेला मगया जंसूं यिमु उरेंवेकांमें कवो पोपथ
४८ आसो। मिमोन्‌पितर उंनें उथको दीनो वें चे प्रभु मे प्रीं
४९ कनें आसां अनंत आउषाको कथा थारेकनें छे में मतीव
करांगां अेर अंकालो वें तु बोष्ठ मोवतयभगवान्‌को
५० डावडोछे। यिमु वांनें उथबो दीनो वें में कांई थां बारे
आदमांनें सराया नही अेर थांमें विचालें एक मेडोछे।
५१ उं अीमोनुका वाकका यिअदन्यबारिकोस्कामें फायदामें कयो
अेब उ बारैवें विमसांवो एक वेगा जयद उंनें पारका
कन्यामें बरसी।

७ सातमो पाबो।—ई मतें यिमु आविविसु विखो
कोस यिऊदियां उंवें बाहरांमां मायद उ मिअदाह देसमें
भटक्यां न पाबो।

१ उंकेरा यिऊदियांहिं देहामें रैबको विचार कैरो आयो।
२ उंके भाया तब उंने कयो है आ अपना गेहर यिऊअदस देस
४ में आवें थारा बेथुयिब पारा काम देवें बीच अकोवोई
कांबजादीक अथांआवें उ छिपावर कास करै मथो कर
५ तूं वें काम करें तो आयांवें संसारमें भेडे कर कोस
६ उंका भायांपिब उंवे उबर मबीव करीं नयी। तब
यिमु वांवें कयो के म्हारी वेला अबाह न छे तेर थांकी वेला
७ रोवोभा छे। संसार थांकी गोदें बर सकी नयी लेर म्हारो
मोहे करेंछे कोंच कं को सामतो देवुं वे उंका काम
८ बीडा छे। थे ई तिंवारमें जावो अं पवें ई पहरमें
९ नयासुं कोस म्हारो समय पवें पूरो कछे उ का
१० काम वांनें केर माविअिमें रयो। लेर उंका भाई गयां
पछें उ भिब तींवारमें गयो पेकें नही लेर छोपर।

Digitized by Google

११ तब यिहूदियां उंनें तिंवारमें सोधकर कयो कें उ कठेंहै।
१२ उंकी बाबतलोगोंमें आपसमें लोगांकी घणखुसफुस हुई कोइक
कितरांकी कयो के उ चोखो आदमी है और कितरांक कयो
१३ कें सो नहीं उ आदम्यांनें भुलावेंहै। केर यिहूदियां
का डरसूं कोई उंकी बाबदामें खोडे बातां कही नहीं
१४ तिंवारकें अधबीच.जेबा यिसु देवरामें आकर भणायो
१५ तद यिहूदियां अचंभो करकर कयो कें यो आदमी कदेई भण्या
१६ बिना बिद्या कोंकर जांणेंहै। तद यिसु उथको देर
वांनें कयो कें म्हारी सीखावण म्हारी नहीं केर जीं मनें मेल्यो
१७ है उंकी। जर जोकोई उंकी राजीको काम करणो
चावें तो उ लोग उपदेसको बिषय जांणलो कें उ भगवांन
१८ सूं छा कें आपका मनसूं कउंहुं। जको लोग आपकें बाल
बोलीमें बोलैहै उ आपकी आवरु सोधैहै केर जीं उंनें मेल्योहै
उंकी आवरु जकोलोग सोधैहै उ लोग साचो है वा जिंका
१९ पाप उंमें नहै। मोसह कांई थांनें तोरेत दीनी नहीं केर
थांमें कोई लोग तोरेत पालन न करोगे मनें मूल करबकी
२० त्यारी क्यों करोगे। जमात उथको देर बोली कें तूं भूत
२१ लागोडो है तनें मार नांखबकी त्यारी कुण करेंहै। यिसु
उथको देर वांनें कयो कें मैं एक काम कीनोहै उंसूं थे
२२ समला अचंभो करोगे। मोसह थांनें सुनतकी आग्या
दीनी सही उ जो मोसहसूं हुवो सो नहीं पिता बडेरां
सूं हुवो केर थे दीतवारकेंदिन आदमीकी सुनत करो
२३ गे। जर दीतवारमें कोई लोगकी सुनत दें कें मोसह
की तोरेत रद न हुवें तो थे कांई म्हारें उपर रिस
करोगे क्योंके दीतवारनें में एक लोगनें सोचंगाा
२४ आराम करयोहै। जको देख्यो आयहै वांकें उपर ब्योरा
२५ मती करो केर ठीक ब्योरा करो। तद यिरूसलमवें
कितरांक कयो कें ओ उ लोग नहीं कें जींनें वें मारबा

२६ पावैंछे, वेर देषो उ निधडक जयर कथा कैछैं और
वें उंनें कुंहि कैंछें नहीं मनछीमी कांई, बेसक आगेवां कें
२७ श्रो विशें ख्रीष्ट छें । मे आंपांनें वें श्रो लोग कठासुं
आयो वेर ख्रीष्ट आवसुं उ कठासुं पावैंछे या कोई
२८ न जांणसी । उंपछें यिशु देवरामें श्रोपाका करतांथकी
केला केलेपुकारर कयो वें थे कांई मनें जांणोछो और जां
२९ कठासुं हुं थे कांई जांणिया जाणोछो । जां आपकी
राजीसुं आयो हुं वेर वो मनें मेल्यो व साचोछे वे जीनें
थे जांणो नछो वेर जां उंनें जांणुं छुं क्योंके जां उंसुं आयो
३० हुं वा उं मनें मेल्योछें । तद वां उंनें कपडवो चायो वेर
उंकें उपर कोकी हाथ न लगायो नहीं क्योंके उंकी वेला तद
३१ न आई । ईं कारण बहुत मेंकवा लोगां उंकेउपर
प्रतीत करी और कयो कें जद ख्रीष्ट आवेंछे तद वो पछें
रेकांम जे आदमो करेंछें वें कांई उंसुं बत्ता करसी ।
३२ फारिसियां सुण्यो कें लोगां उंकें बाबतमेंगीमें इसी चरचा
करी हुं कारण फारिसियां वा प्रधानयाजकां उंनें पकडवा
३३ नें सिपाहियांनें मेल्या । उंकें उपर यिशुवानें कयो कें
और थोडा दिन जां थांकें भेलो रेंसुं उं पछें जी मनें मे
३४ ल्योछें उंकेंकनें जां जासुं । थे मनें ढूंढसो वेर नाय
जो पासो और जीं जागा जां रेंऊंगु उं जागा थे आय सका
३५ जो नहीं । तद यिहूद्यां आपसमें कयो इंकेपछें उ कठें जासी
जें के उंनें पावसकसां नहीं क्योंके यिवनें और
लोग यिवरवियर रेवछें वें कांई वांकें भेरा जासी और
३६ यिवलोगानें समझासी । थे मनें ढूंढसो पिण नाधसो
नाहीं और जीं जागा जां रेंऊंगु उं जागा थे आय न सकसो
३७ उंकें ईं कथाको तंत कांई । छेहलाकें दिन अर्थवा तिंवार
कें मोटादिनमें यिशु उभो जयर कयो कें जद कोई तिसा

३८ यो दे तो म्हारेंकनें उ आवें वा पीवें। जो कोम म्हारें
ऊपर प्रतीत करेंछे जिण धर्मसास्त्रमें कयाछे जिसो उंकें
३९ पेटसूं अम्रत पांणीका नाला नीकलसी। और अबे उ
सूं प्रतीत करेंछे वे जो आत्मा पासी ई वातपेलीमें उ आ
कथा कही क्यांस धर्मात्मा तद दीनो अवी नही क्यांस तद
४० यिसु प्रतापीक करीयडो न छे। इंसु भीडका आदम्यां
४१ आ कथा सुणर कयो के जिनें यो उ निमितियो छें। ओरर
लोगां कयो के ओ खीष्ट छे और कीतोर कयो के खीष्ट कांई
४२ गालिलिसूं आसी। धर्मग्रंथमें कांई कयो नही के कांई
दाउदकें कुळमें वा बीतलेखम नगरसूं आसी जयवा गाँ
४३ ठोड दाउद छे। इंसेई उंकी वातपेलीमें लोगांके
४४ वहियेर अभी और कितोर उंनें पकडी पावो और उंके
ऊपर किसीं हाथ घाल्यो नही।
४५ उं वेळा महामोहितांकें वा उपाध्यायांकनें डीडवाला
४६ आया और वां कांनें कयो के थे उंनें क्युं न ल्यायाला। डीड
वाले उथलो दीनो के इं आदमी इसी किसी कदेई मिख
४७ कथा न कही। फारिसियां वांनें उथलो दीनो के थे पिण
४८ कांई भूली पड्या छो। मनतोयांमें अथवा फारिसियां
४९ में कांई उंके ऊपर किसी प्रतीत करी छे लेर आ तीरे त
५० न जांणवाला लोग फिटकारया गयाछें। निकदेमस
५१ के अबो रातका यिसुकनें आयो उं वांनें कयो के कथा
५२ सुणबो वा कांम जांणवें पैलडा म्हारो तौरेत कांई
किसी आदमीको न्याव करेंछे। वा उथलो देर उंनें कयो के
तूं कांईअगालिलियो छेकांई छेलभ और देख कोई गालिलि
५३ सूं कोई निबिनियो न छें उं पछें सगला आदमी आपकेंर
घर गया।

८ आठमो पांनो।—यिसु जैतांमर्ड इंदंका परवत

Digitized by Google

२ उपर गयो और प्रभाते उ देवरामें दूजीवेळा आयो
तद सगला लोग उंकनें आया वा उ बेठर वांनें ओपावण
३ दीनो ।   उं वेळा जारीमें पकड्योड़ी एक लुगाईनें,
उपाध्याय वा फारिसि उंकें नेंडी ल्याया वा उंनें बिचालें
४ बैठायर वां कयो कें हे गुरु आ लुगाई जारीमें पक-
५ ड़ी गई छै उंई कांममें ।   एसा आदमीनें भाठा मार-
यर मारणवें मोजब तोरैतमें म्हांनें आग्या दीनी और तूं
६ कांई कैछै ।   ठंटो देणवेई वां उंकी परख करणवेई या
कथा कही और यिसु नांचो कथा जिसो न सुणी लिखो भु-
७ कर आंगुळीसूं भूंउपर लिखो ।   तदवी उंनें पूछ-
णें न छोडणसूं उ उठर वांनें बोल्यो कें थांमें निपापी जो
लोग छै उ उंकें उपर पेल्हा भाठो वगावें अं पछें उ फेर
८ झुकर भूंउपर लिखो ।   उंसूं व्यां सुणो वा आपकी
९ औरसुं आपका मनमें दोसीदार जबर मोटासुं नांनां
तांई एकर बारनें गया उंसूं यिसु एकलो रयो वा या
१० लुगाई बिचली जागामें रही ।   जद यिसु उठर देख्यो
कें उ लुगाईबिगर कोई नेंडो न छे तद उं उंनें कयो कें हे
लुगाई थारा टंटोदेणवाळा कठें कोईबी कोई तनें तकसीर-
११ वाळी न ठेराई ।   उं कयो कें हे प्रभु किणी नहीं यिसु
कयो अं पिण तनें तकसीरवाळी न ठेरांऊं जा फेर पाप
मती कर ।
१२   उं पछें यिसु वांनें दूजीवेळा कयो कें अं संसारको चान-
णो म्हारें पिछाड़ीचालणवाळा जो छै सो अंधारामें
फिरसी चलसी नहीं और जीवनको चानणो अं जासुं ।
१३ इंवेई फारिसियां उंनें कयो कें तूं आपका फायदामें साख
१४ दो देवैछै थारी साखने साच नहीं ।   यिसु उथलो देर
वांनें कयो कें आपको साखतो अं देवुं सही और म्हारी
साखतो साच छै कोस अं कठासूं आयोछुं वा कठें जाऊंछुं

आ जं जांणुं लेर कठासुं आयोछुं वा कठै जाउंछुं था
१५ थे जान सको नही। थे डोल सरीषो विचारो छो
१६ जं कांकोई विचार कर्इ नछुं। लेर जंर विचार
कर्इ तोपिण म्हारो विचार साच छै क्योंस जं एक नही
लेर जंछुं लेर बाभें कें जी मनें मेल्योछै उपिण म्हारें
१७ भेलोछै। थांकी तौरैतमें लिख्योछै कें दोय लोगांको
१८ साबूत साचो छै। जं एक लोगछुं कें जी आपका
फायदामें साबूत धुंछुं लेर बाभें कें जी मनें मेल्यो उ पिण
१९ म्हारें फायदामें साबूत देवेछै। तद वां वांनें कयो कें
थारो बाभों कठै छै यिसु उथलो दोयो कें थे मनें जांणा नही
लेर म्हारा बाभानें पिण जांणो नही जर मनें जांणता तो
२० म्हारा बाभानेंभी जांणता। यिसु देवरामें सिखावोर
कोठारभंडारमें था कथा कही लेर कोणी उंकेउपर हाथ
२१ नांख्यो नही क्योंस उंको वेला तद नछो। उं पछे यिसु
दूजीवेला वांनें कयो कें जं जाउंछुं थे म्हारी सोभना
करस्यो लेर आपका पापमें मरस्यो जठै जं जाउंछुं उठै
२२ थे आय न सकस्यो। इंबेंई यिहूदयां उंनें कयो कें उ कांई
आपानें मारनांषसी क्योंस उ कैछै कें जी आगा जं जाउंछुं
२३ उठै थे आयसकस्यो नही। उं वांनें कयो कें थे नीचसुं छो
जं उपरसुं छुं थे इं संसारसुं छो जं इं संसारसुं नछुं।
२४ इंबेंई में थांनें कयो के थे आपका पापमें मरस्यो क्योंस
थे जर प्रतीत करो नही कें जं उई लोगछुं तो थे आपका
२५ पापमें मरस्यो। तद वां उंनें कयो कें तूं कुणछै यिसु
वांनें कयो कें जीको बात पेलीमें में पैलडासुं थांनें कयो
२६ उही जंछुं। थांकें फायदामें मनें मोकलो कैणो
वा विचारणो छै लेर जी मनें मेल्यो उ साच छै जो कथा
२७ में उंसुं सुणीछै वा कथा जं जगतनें कउंछुं। वें समज्या
२८ नही कें उं वांनें बाभाकी बात पेलीमें कयो। उं पछे
यिसु वांनें कयो कें थे जद आदम्यांकें डावडानें उठायोछै

तद थे आंणसो कें हुं उहुं ओर पोते हुं आपका मनसु
कुंछि कई नही लेर जिसो म्हारें बाभें मनें सिखायो है
२९ विसो हुं की कउंहु। ओर मनें मेल्यो है उ पिण म्हारें
भेळो है बाभें मनें एकलो छोड्यो नहें है ओर उंको संतोष
३० देवावाळो उ हुं रोजीना करुंहु उंके ओ कथा कैवासु
३१ मोकळा लोगां उंकें उपर प्रतीत करी। तद ज्यां यिहुदयां
उंकें उपर प्रतीत करी वांनें यिसु कयो कें अर थे म्हारी
३२ कथामें रैवो तो थे निस्चें म्हारा चेला हो। थे पिण सचोटाई
३३ आंणसो ओर सचोटाई थांनें उद्धार करसी। वां उनें
उथलो दीनो कें म्हे आबरहामका डावडा हां ओर कदे
कोंकाई होळा नहां तूं कीतरें कैहे कें थे खलास हुसो।
३४ यिसु वांनें उथलो दीनो कें हुं थांनें साचर कउंहु
३५ कें जोकोई पाप करें है उ पापको होळो है। ओर
होळो रोजीना घरमें रैहे नही लेर डावडो रोजीनां
३६ रैहे। इसूं अर डावडो थांको छुटकारो करें तो
३७ थे निस्चें खलास हुसो। हुं जांणुंहुं कें थे आबर
हामका डावडा हो लेर थे मनें खूनकरणो चावोहो क्योंके
३८ म्हारी कथा थांकें जिवमें जागा पावें नही। में
आपका बाभाकनें जो देख्यो है उ हुं कउंहुं ओर थे
३९ आपका बाभाकनें जको देख्यो है उ थे करोहो। वां
उथलो देर कयो कें आबरहाम म्हांको बाभो है यिसु
वांनें कयो कें अर थे आबरहामका डावडा हुवा तो आब
४० रहामका काम करता। लेर जो साची कथा में
भगवानकनें सुणी है वा कथाकैवावाळो जो एक लोग हुंहु
मनें थे मारणो चावोहो आबरहाम इसो नकरयो।
४१ थे आपका बाभाको काम करोहो। तद वां उंनें कयो कें
म्हे छिनाळसुं जण्या नही म्हांको एक बाभो है कें उ भगवान।
४२ यिसु वांनें कयो कें अर भगवान थांको बाभो हुतो तो

Digitized by Google

थे मेंसु प्यार करता क्योंकि हूं भगवांनसूं नीकल्यौ वा आयो
४३ हूं आपेई आयो नहीं लेर उं मनें मेल्योछें। म्हारी
कथा थे क्यों समझो नहीं थे म्हारी कथा सुण न सकोछो
४४ इंवेई। थे आपका बाबा सैतानसूं छो थे आपका
बाबाको कांम खातरखाह कर्यां चावोछो उ पैलडासुं
खुनोछो ओर सचाईमें न रह्यो क्योंकि उंमें कांहि
सचाई नहीं छ जद कूड कैछें तद आपसूं कैछें क्योंकि
४५ उ कूडो वा कूडको उपजांवणवालो छै। हूं साचो कथा
४६ कउंछुं इंसु थे म्हारें उपर परतीत न करोछो। थांकें
बिचमें कुण आदमी म्हारा पापको साबुत कर सकै ओर
हूं अर साचो कथा कउंछुं तो मनें क्यों परतीत करो नहीं।
४७ जको लोग भगवांनकी कथा सुणेछें उ भगवांनको इंसुं
४८ थे भगवांनका नहीं क्योंकि थे वाकथा सुणो नछो। तद
यिहूदियां उंनें उथलो देर कयो के म्हे कांई साच कथा
४९ कावां नहीं के तूं समरोणी वा भूतसुं पकडोछे। यिसु
उथलो दीनो के हूं भूतलागोडो नहोउं ओर हूं आपका
बाबाकी बडाइ करउं ओर थे मनें गैरआबरु करोछो।
५० ओर हूं आपको यश नचांउं एक लोग छै के जको चाव
५१ वा न्याव करेंछें। हूं थांनें साचकर कउंछुं के अर कोई
५२ म्हारी कथा मानें तो उ कदेई मोत न देखसी। इंसुं
यिहूदियां उंनें कयो के म्हे अबें जांणांछां के तूं भूतलागो
डोछें आबरहाम् मरगोछें वा निमितिया मरगाछें ओर तूं
कैछें के अर कोई म्हारी कथा पालें तो उ कदेई मोतको
५३ रस न चाखसी। तूं कांई म्हांकें बाबा आबरहामसुं
मोटोछें के जको मरगोछें निमितिया पिण मरगयाछें तूं
५४ आपनें कांई करर जांणेंछें। यिसु उथलो दीनो के जद
हूं आपनें आबरु करुं छै म्हारी आबरु कांहि नहीं म्हारो
बाबो के जीनें थे भगवांन कैछो उ म्हारी आबरु करेंछें।

Digitized by Google

५५ थे उंनें नजांणोछो लेर म्हे उंनें जांणुंछुं ओर जद म्हें कहुं
कें म्हें उंनें जांणुं नही तो थांकीसी झुठो म्हें हसुं लेर
५६ म्हें उंनें जांणुंछुं वा उंको कथा पालुंछुं। थांको बाप
आवरहाम् म्हारो वेळा देषणसुं राजीपणें हुवो उ पिण
५७ वा देषर राजी छें। उंकें उपर यिहुदीयां उंनें कयो कें
थारी वयस पचास वरसको नही ओर तें कांई आवर
५८ हाम्नें देष्योछें। यिसु वांनें कयो कें साचर म्हें थांनें
५९ कहुंछुं कें आवरहाम्सुं पैलडो म्हें हुं। इंसुं उंनें मारण
वेई वां भाटा लीनो लेर यिसु आप लुक्यो ओर वांकें विचा
वासुं देवरामें गयो ओर इंतरें चल्यो गयो।

९ नवमो पानो।—ओर यिसु जातांर जन्मांध एक
२ लोगनें देष्यो। तद उंकें चेलां उंनुं पुछ्यो कें हे गुरां
कां पाप कर्यो इं आदमी अथवा उंकें मांउ बाभा कें उ
३ सुझो जायर जण्योछें। यिसु उथलो दीनो कें इं आदमी
अथवा उंकें मांउ बाभें पाप कर्यो नही लेर कें भगवानको
४ कांम उंमें चोडें हुवें। मीं मनें मेल्योछें दिन रेतां मनें
उंको कांम करणो जिमेंछे रात आवें छे कें जीमें कोई लोग
५ काम कर सकें न छें। जीता दिन म्हं संसारमें हुं तीता
६ दिन म्हं संसारको चांनणो। ओ वा कथा केर धुल
उपर थुक नांष्यो ओर उं थुकसुं मसलर कादो कर्यो उं
७ पछें उ कादो सुझालोगको आंष्यां उपर लेपदेर उंनें कयो
कें तुं जायर शिलोआम् अथवा मेल्योडा नांवका सुरसागर
८ में भुल इंसुं उ जायर भुलर देषतो जयर आयो। इंसुं
उंकें पाडोसियां वा ज्यां पैलडा उंनें आंधो देष्यो छो
वां कयो कें उ कांई उई लोग न छें कें जको बैठो वा
९ भ्यारी मांगतो छो। कोईर कयो कें उही लोग छें ओर
किणोर कयो कें उ उंईसरीषो छें लेर उ आगो बोल्यो कें

Digitized by Google

१० ऊं उई हूं। तद वां उंसूं कयो कें थारी आंख्यां कींतरें
११ खोली गई उं उथलो देर कयो कें यिसु नामापीक एक
लोग थूक मसलर म्हारी आंख्यांउपर लेप दीनो वा कयो
कें तूं सिलोआम् सूरसागरमें जा वा न्हाय उमें ऊं जायर
१२ धुलो वा आंख्यां पाई। तद वां उंनें कयो कें उ लोग
१३ कठेठें उं कयो कें ऊं जाणुं नही। अे लोग पैलडा आंधा
१४ ठे उंनें लोग फारिसियांकनें ल्याया। जीं दिन यिसु थूक
१५ मसलर उंकी आंख्या ताजी करीठी उ दीतवार ठो इंवेई
फारिसियां फेर उंसूं पूछ्यो कें तें कींतरें आंख्यां पाई
उं वांसूं कयो कें उं कादोने म्हारी आंख्यांमें लेप कयो
१६ उं पछे ऊं धोयर देख सक्यो। इंसूं कितराक लोगां फा
रिसियां कयो कें उ आदमी भगवानसूं आयो नही क्योंके
दीतवार मानें नही ओरर लोगां कयो कें पापी लोग अे
अठेरा काम कींतरें कर सकेंठें ओर वांके काठो जुदो।
१७ वां उं आंधानें फेर कयो कें उं थारी आंख्यां चोखी करीठें
उंसूं तूं उंकें फायदामें कांई केंठें उं कयो कें उ निमितियो
१८ ठें। लेर यिहूदी उं देखणवाला आदमीका माउ
बापानें न बुलायर प्रतीत नकरी कें उं आंधे ऊपर आंख्यां
१९ लाधीठी। ओर वां वांनें पूछ्यो कें अो लोग कांई थांको
डावडो कें जकेनें थे कहोठो जन्मांध ठो उ कींतरें देखनें पावेठें।
२० उंकें माउ बापें उथलो देर कयो म्हे जांणांठां कें अो म्हांको
डावडो ठो ओर कें उ जन्मांध है पर उ अबें कींतरें देख
२१ सकेंठें आ म्हे जांणांठां नही ओर कीं उंकी आंख्यां ताजी
करी आ म्हे पिण जांणां नठां उ मोटो ठवेठें उंनें पूछो
२२ उ आपकी कथा आपेई केंसी। उंकें माउ बापें यिहू
दीयांका डरसूं आ कथा कही क्योंके इंकें पैलडा यिहूदीयां
ठीक करलीठी कें जर कोई कें के उ ख्रीष्ट ठें तो उनें सिन
२३ गगसूं बोकसलो पडसी। इंवेई उंकें माउ बापें कयो।

२४ कें मोव्यार जबोछें उंनें पूछे । इंबेई जको आदमी
आंधो छो उंनें वां फेर बुलायर कयो कें भगवांनकी स्तुती
२५ कर म्हे जांणां छां कें उ आदमी पापी छें । उं उथलो
देर कयो कें उ पापी वा नही आ हुं जांणुं नही हुं
इक बात जांणुं छुं कें पैली हुं आंधो छो अबें देखसकुं
२६ छुं । उं पछै वां उंनें फेर कयो कें उं तनें कांई कयो
२७ थारी आंख्यां कींतरें ताजी करी । हुं वांनें उथलो
दीनो कें थांनें में अबें एकबार कयो छें अेर थे न सुण्यो
फेर कींबेई थे सुणस्यो थेयिण कांई उंका चेला जवां चावो
२८ छो । तद वां उंनें गाल्यां दीनी अर कयो कें तूं उंको
२९ चेलो अेर म्हे मोसहका चेला छां । म्हे जांणां छां कें
भगवांन मोसहनें कयो छो ओ आदमी कठासूं आयो उ म्हे
३० जांणां नही । उं आदमी उथलो देर वांनें कयो कें ओ
इक अचेरो कथा कें उं म्हारी आंख्यां ताजीकरी छें अेर थे
३१ जांनो नही कें उ कठासुं आयो । म्हे जांणां छां कें
भगवांन पाप्यांकी कथा सुणें नछें अेर जद कोई लोग भग
वांनको पूजबवालो है अेर उंकी राजीपणो करें वो
३२ उंनें उ सुणें छें । दुनियाका ठेटसुं कदेई सुण्यो नही
३३ कें कोई लोग जन्माध कींकी आंख्यां ताजी करी छें । अर
ओ आदमी भगवांनसूं न जातो तो उ कांई कर न सक
३४ तो । वां उथलो देर उंनें कयो कें तूं कोरो पापमें
उपज्यो छें अेर तूं कांई म्हांनें सिखावेंछें तद वां उंनें काढ
३५ दीनो । यिसु सुण्यो कें वां उंनें काढ दीनो छा इं
बेई उं उंनें देखर कयो कें तूं कांई भगवांनकें डावडा
उपर प्रतीत करेछें । उं उथलो देर कयो कें हे
३६ भगवांन उ कुणछें कें हुं उंकें उपर प्रतीत करूं यिसु उंनें
३७ कयो कें तें उंनें देख्यो छें अेरयिन थारेंभेळो कथा केंछें ।

३८ उं कयो कें हे प्रभू जं प्रतीत करुंछुं ओर उंकी पूजा करी।
३९ उं पछें यिसु कयो जं बिचारको फळ देखनें ई
संसारमें आयोछुं कें जको देखा न सकेंछें वें देखें ओर
४० जके देखा सकेंछें कें वें आंधा जवें। उंकें भेळपो फारि
सि कित्ताक लोगां आ कथा सुणर कयो कें म्हे पिण कांई
४१ आंधा छां। यिसु वांनें कयो कें जर थे आंधा जता
तो थांको पाप न जतो लेर थे कयो छो कें म्हे देख सकां
छां इंबेई थांको पाप रेंछें।

१० दसमो पांनो।—जं थांनें साचर कउंछुं कें जको
कोई गाडराका झुंपाका बारणासूं न बडें लेर ओर किसी
२ मारगसूं चडें उ लोग चोर वा धाडायत छें लेर
जको लोग बारणासु बडेंछें उ गाडरांको रुखालो छें।
३ पोल्यो उंकेंबेई टाटी उघाडें छें वा गाडरा उंको बोल सुणें
छें ओर उ आपका गाडराको नांव लेर बोलावेंछें ओर
४ वांनें बारणें लेजायछें उपिण आपका गाडरा काढर वांकें
अगाडीर जायछें वा गाडरा उंकें पिछाडीर जायछें क्योंक
५ वें उंको साद ओळखेंछें ओरपिण वें दूजाकें पिछाडीर
न जायछें लेर उंसूं भागसी क्योंक वें दूजाको साद जांणें
६ न छें। यिसु वांनें ओ बखांण कयो लेर उं कांईर कथा
७ कही छी आ वें न जाण्या। दूजीबार यिसु वांनें कयो
जं थांनें साचर कउंछुं कें जं गाडराका झुंपाको बारणो
८ छुं। जित्तालोग म्हारें पेलडा आया वें सगळा चोर वा
९ धाडयांनो लेर गाडरां वांकी कथा सुणी नही। जं बार
णे छुं म्हारेंसूं जर कोई बडे तो उ मुक्तसी पासी ओर
१० बारणें वा मांय जायर चारोपराई लाधसी। बिगर
चोरी करणो वा मारणो वा बिगाडणबेई चोर आवें नछें जं
आयोछुं कें वें जीवतव्य पावें वा उपिण मोकळोतरेंसुं लाधे।

Digitized by Google

११ ऊं चोखो रुखालो छुं चोखो रुखालो गाडरांवेई आपको
१२ जीव देवेंछें लेर जको लोग नुमराई लेणवालो उ धणी
नही गाडरा जींका पोताका नछें उ लोग ल्याली आवतो
देखेंवा गाडरानें छोडर भागेंछें उं कारण ल्याली गाडरानें
१३ झपटर विघरविघर कर देवेंछें। नुमराई लेनवालो
भागेछें क्योंस उ पाली नुमरावेई रेंछें और गाडरावेई
१४ फिकर करें नही ऊं चोखोरुखालोछुं और आपका गाडरां
१५ में जांणुं और आपका गाडरांसूं जांण्यां जायछें। जिसो
बाभो मनें जांणेछें तिसो ऊं बाभानें जांणुं और ऊं आप
१६ को जीव गाडरांवेई धुंछुं। म्हारा औरपिण गाडराछें कें
जके ई भूंपाका नछें वांनें पिण मनें ल्यावणां पडसी और
वें म्हारो साद सुणसी उ पछें एक भूंपो वा एक रुखालो
१७ हसी। ईवेई म्हारो बाभो मैसुं प्यार करेंछें क्योंक
१८ ऊं आपको जीव धुंछुं कें दूजीवेला उ पासुं। कोई
म्हारेंसुं उ लेवें नही फेर ऊं आपकी राजीसूं उ धुंछुं
उ देणनें वा फेरलेणनें म्हारो मुंडोछें आ आग्या में म्हारा
बाभाकनें पाईछें।
१९ ईवेई ई कथासूं यिहूदियांकें आपसमें दुफो हुवो।
२० वाकें विघमें मोकलां कयो कें उंकें उपर भूत छे उ गेलोपिण
२१ हुवोछें उंकी कथा क्यों सुणोछो। और किण कयो कें भूत
लागोडाकी आ कथा नही भूत कांई सूणांकी आंख ताजी
करसकैछें।
२२ यिरूसलममें निर्मलकरणको तिंवार छो फेरपिण सीया
२३ लाको रित छी। यिसु देवरामें सलेमनकें पंचासालमें
२४ भटक्यो। तद यिहूद्यां उंकें च्यारांकानी आयर कयो
कें तूं कठातांई म्हांनें डिगपिच करासी जर तूं ख्रीष्ट
२५ छें तो म्हांनें खोलर केदे। यिसु उणांनो दीनो कें में थांनं
कयोछें लेर थे परतीत नकरी जको काम ऊं आपका बाभाका

Digitized by Google

२६ नांवसु कहुंछुं उ कांम म्हारो साखतो देवेंछें। पेर
२७ थे म्हारा गाडरा नछो क्योंस थे प्रतीत करो नछो जिसो
में थांनें आ कथा कहीछें कें म्हारा गाडरा म्हारो साद
सुणेछें ओर ऊं वांनें जांणुंछुं वा वें म्हारें पिछाडी लाग
२८ रेछे। ओर ऊं थांनें अनंत आउखो युंछुं ओर वांको
सैनघोज कदे ऊसी नहीं ओर म्हारा हाथसुं वांनें कोई
२९ खोसलेय सकें नछें। म्हारो बाभो कें जीं वांनें मनें
दिनो उ सारासुं बडो छें ओर म्हारा बाभाका हाथसुं वांनें
३० कोई खोस लेय सकें नछें। ऊं वा बाभो एक छुं तद
३१ यिहुद्यां फेर उंनें मारवावेई भाठा उपाड्या। यिशु
३२ वांनें उथलो दीनो कें चोखा मोकला कांम में आपका बाभा
सुं थांनें दिखाल्याछें उं विचमें कोणकांमवेई थे मनें भाठा
३३ मारोछो। यिहुद्यां उथलो देर उंनें कयो कें चोखा
कांमवेई म्हे तनें भाठा मारां नछां पेर उलांठपणावेई ओर
तूं आदमी ऊपर आपांनें भगवांन जांणेछें ईवेई पिण।
३४ यिशु वांनें उथलो दीनो थांकें शास्त्रमें कांई यो लिख्यो न
३५ छें कें में कयो कें थांकें भगवांन छें। ज्यांकेंकनें भग
वांनको कथा आई वांनें जद उ भगवांन कहें ओर धर्म
शास्त्र निकमो होय सकें नछें तो जींनें बाभो निर्मल करर
३६ दुनियांमें मेल्योछें थे कांई उंकें फायदामें केहो कें तूं उलं
ठपणो करेंछें क्योंस में कयो कें ऊं भगवांनको डावडोछुं।
३७ जद म्हारें बाभाको कांम ऊं नई करुं तो म्हारासुं प्रतीत
३८ न करो। पेर जद ऊं यो करुंछुं तो जद मेंसुं प्रतीत
न करता तो पिण कांम उपर प्रतीत ल्यावो कें थे जांणो
वा प्रतीत करो कें बाभो म्हारेंमें छें वा ऊं बाभामें छुं।
३९ ईवेई फेर वा उंनें पकडणो चायो पेर उ वांका हाथ
४० छुडायर गयो। ओर योहन जीं जागा पेलडा
डुबोदिराई छी वा जागा यरदनकें उं लिराडें हुओवेला

Digitized by Google

४१ गयो ओर उं आगामें रयो। वद मोकला लोग उंकें
कनें आया वा कयो कें योहन कांइ अचरो कयो नही
लेर योहन ईं आदमीका फायदामें जको कयोछो वें सगला
४२ साचछें। ओर उं आगामें मोकला उंकेंउपर प्रतीत
करी।

११ इग्यारमो पांनो।—उं पछें मारिया वा उंकी बेन
मारता जीं बेडामें रेतीछी उं बेतानीया नांव नगरका
२ लाजार नांव एक लोग मांदो छो। जीं मारिया प्रभूनें
सुगंधतेल लगायोछो वा आपका केसांसूं उंका पग
पूंछ्याछा उंको भाई लाजार मांदो छो इंवेई उंको बेन
३ आदमो भेजर उंनें कयो कें हे प्रभु जीं लोगनें तूं प्यार
४ करेंछें देख उ मांदो छें। यिसु वा सुणर कयो कें ओ
रोगया मरणालायक नही लेर भगवांनकी प्रभूताबेई कें भग
५ वांनका डावडाकी प्रभूता उंसूं चोडें व्है। मारता वा
६ उंकी बेन वा लाजारसूं यिसु प्यार करतो। इंवेई
उंकें मांदाहोणकी ठीक पायर उ ओर दोय दिन उठै
७ रयो। उंपछें उं आपका चेलानें कयो कें आवो म्हें
८ फेर यिहूदाह देसमें जावां। उंकें चेला उनें कयो कें हे
रब्बि थोडा दिन हुवा यिहूदी थनें भाठा मारणें चायो तो
९ फेर कांई उठै जासी। यिसु उथलो दोनो कें दिनमांन
कांई तीस घडी नही कोई जर दिनमें चलें तो उ नयडें
१० क्योंसकें इं संसारको चांनणो देखणें पावेंछें लेर जर कोई
११ रातमें चालें तो उ पडें क्योंसकें उंमें चांनणो नही। उं
या कथा कहि उं पछें वांनें कयो कें म्हांको यार लाजार
१२ सूतोछें लेर उंनें जगावणनें हूं जांउंछुं। उंकें चेला
१३ कयो कें हे प्रभू जर सूतोछै तो ताजो हुसी। यिसु
उंकें मोतकी बाबतेंचेतीमें कयो लेर वे समझ्या कें उं नींदमें

Digitized by Google

१४ आराम पावणकी कथा कही। जंपछें यिसु वांनें खोलर
१५ कयो कें लाजार मरयो छें।, ओर जं थांकेंबेई रांजी हंउं
कें जं उठें नहीं थो कोंस इंसूं थांकें प्रतीत हुयी लेर अबें
१६ म्हें उंकनें जावांगां। तद दीदीमस, नामसुं बिखियात तमानें
आपकें भेलयो चेलांनें कयो कें आवो उंकें भेला म्हें पिण
१७ मरणनें जावां। उठें आयर यिसु आ जांणय पायो कें
१८ उ घोरमें तद च्यार दिन सूतोछें। बोसानिया यिरू
१९ सलम्कें नेंडो छो आटकला एक कोस अलगो। इंबेई
मोकला यिहूदी वांकें भाईका फायदामें मारता ओर
२० मारियाकें समाखातरबेई गया। मारता यिसुकें आ
वणकी ठोक पायर उंकें भेली मिलणनें गई लेर मारिया
२१ भूंपामें बैठ रई। तद मारता यिसुनें कयो कें हे प्रभू
२२ आप अठे रैता तो म्हारो भाई न मरतो। लेर
जं जांणुं कें भगवांनकनें आप ज्युंछि तुंछि चावे तो भग
२३ वांन उ देसी। यिसु उंनें कयो कें थारो भाई फेर
२४ उपडसी। मारता उंसूं कयो कें जं जांणुं कें छेडलें
२५ दिन फेर उठणमें उ फेर उपडसी। यिसु उंसूं कयो
कें जं फेर उपडणो वा जीवतब हुं जकोकोई मैंसूं प्रतीत
२६ करेंछे आप उ मुडदो हुयी तोपिण उपडसी। ओर
जकोकोई जीवतो हुयर म्हारें उपर प्रतीत करेंछे उ कदेई
२७ न मरसी तूं कांई आ प्रतीत करेंछे। उं कयो कें हे
प्रभू जं प्रतीत करंउं कें तूं खीष्ट भगवांनको डावडो कें इं
२८ संसारमें आंवणों निस्रें छो। वा आ कथा कैर
गई ओर आपकी बैन मारियानें एकंतमें बुलायर कयो कें
२९ प्रभू आयोछे वा तनें बुलावेंछे। तद वा सुणर बेगी
३० उठर उंकें नेडी आई। यिसु तद घेडामें आयो न हो
३१ लेर अठें मारता उंनें भेली मिलीही उं जागाछो। जके
यिहूदी मारियाकें भेला रैर उंकी खातर करता भूंपामें ह

Digitized by Google

वां जद देख्यो कें वा बेगी उठर बारगें गई तब आ घोर
३२ उपर रोवणनें जाती छी आ केंर उंकें पिछाडीर गया।
मारिया यिसुकनें पोंचर वा उनें देषर उंकें पगांउपर पडी
३३ वा बोली कें हे प्रभू कें तूं अर अठें रैतो तो म्हारो भाई
३४ नई मरतो। इंबेई यिसु उंनें वा अके यिहूदी उंकें भेला
आया वांनें पिण रोवता देषर जीवमें कांप्यो ओर दोरें
३५ ऊपर कयो कें उंनें कठें राषयो वां उंनें कयो कें हे प्रभु
आवो देषो यिसु रोयो। तद यिहूद्यां कयो कें देषो
३६ उं उंसूं किसो प्यार करतो। ओर वांकें किणीर कयो
३७ ओ आदमी कें अंको आंधा लोगांकी आंष्यां ताजी करेंछै
इं आदमीकी मोत जींसूं न व्है छें उ कांई आ कर नस
३८ कतो। इंबेई यिसु दूजीवेला आपका मनमें कांभर घोर
३९ कनें आयो उ एक माडो वा उंकें उपर भाठो छै। यिसु
कयो कें भाठो रिगसावो उं मुडदाकी बेंन मारता कयो कें
हे प्रभू अबें उ बास उठ्योछै क्यों के आज च्यार दिन व्हवा
४० उ मर्योछै। यिसु उंसूं कयो कें में कांई तनें कयो
नहो कें अर थे प्रतीत करस्यो तो भगवांनकी किर्ति देष
४१ स्यो। तद मुडदाको सोवणको जागांसूं वां भाठो रिग
सायो यिसु उपर देषर कयो कें हे बाभा में तेंसूं स्तुति
४२ करूंछुं कें म्हारी कथा तें सुणीछै। में जांणूं छूं कें तूं
म्हारी कथा रोजीना सुणेंछे वेर अके मेंडा उभाछै वांकेंबेई
४३ में आ कईछै कें वें प्रतीत करें कें तें मनें मेल्योछै। उं
आ कथा कयांपछै मोटासुं बुलायो कें हे लाजार बारणें
४४ आवो। तद मुडदो अकी छो उ गाभासूं हाथ पग
बांध्योडो ओर एक अंगोछो मुंडा उपर छक्योडो घोरसुं बार
नें आयो यिसु वांनें कयो कें उंनें षोलो ओर छोडदो।
४५ तद अके मेंकला यिहूदी मारियाकें नेंडा आयाछा वां
४६ यिसुको ओ कांम देषर उंकें उपर प्रतीत करी। केर

वांकें बिचमें बीबीर फारिस्मियांकें बेंदी आयर मकेर
कांम यिसु कस्या ग सो कया।
४७ उं पछें बडोडाप्रोहितां वा फारिस्मियां पंचायत करर
कयो कें म्हे कांई करां क्योंस ओ आदमी मोकला अछे
४८ रोकांम करेंछें। उंने म्हर म्हे कुंहि नही करां
तो सगळा आदमी उंकें उपर प्रतीत करस्यां ओर रूंमी
४९ लोग आयर म्हांको देस वा लोग खोस लेसी। काइ
फानामको वांको एक लोग उं बरस प्रधानयाजक छो उं
५० वांनें कयो कें थे कुंहि जांणो नछो। थे कांई बांणो
नही कें आ म्हांनें ठीकछे कें एक लोग लोगांको आगा
में मरे वा देसका सगळा आदम्यांको खोज न जाय।
५१ ओर उं आपेई आ कथा न कही लेर उं बरस बडाप्रो
हित अयर कें निमितियांको कथा कही कें देऊकें लोगां
५२ की आगा यिसु मरसी। ओर उं देसका आदम्यांको आगा
थाळी नही लेर भगवांनका अबे बिघस्यांबिघस्या डावडा
५३ छें वांनें भेळा करस्यां। तद उंदिनसूं उंनें मारनांव
५४ काको सला वां आपतमें करी। इंबेई फेर यिसु पेंडें
यिहूयांकें बिचाकें न भटक्यो लेर वाठोड छेडर जोड़कें
नेडो एक देसकें एफारयम् नांवको एक नगरमें गयो ओर
उ आपका चेलांभेळो रयो।
५५ तद यिहूयांको पेस्राय नेंडो आयो ओर उं तिंवारकें
पेलडो मोकळा लोग देससूं आपनें निर्मळ करर यिरूसलम
५६ में गया। उं बेळा वां यिसुनें सोध्यो ओर देवरामें उभा
अयर आपतमें कयो कें थे कांई समझोछो कें उ कांई
५७ तिंवारमें न आसी। क्योंस बडाप्रोहितां वा फारिस्मियां
आग्या दीनिछी कें अर कोई जांणें कें उ कठेंछें तो उ कें कें
वे उंनें कपडें।

१२ बारमो पांनो।—पैसाव सिंवारका ७दिन रैतां
थिमु बीग्रानियांमें आवो कें अठें उ बाजारको भूंपो कें
२ अको मयो ७ः भीनें उ मोवसूं उपाड्यो ७ उंजागा
वां उंबेंवेई रावको भोमन व्यार कयो बोर मारता
पुरयो बेर बाजार उंबें भेवो कथीटमें टिकवावो ऐक
३ खोम ७। उं बेवा मारिया चोपी कोमव पयबेर ७व
व्होलावो वेव बेर यिमुकें पर्मउपर मसल्या बोर आपका
केसांसूं उंका पग पूंग्या उंसुं उंत्रेवकी सुगंवसुं सारो
४ भूंपो भरिय्यो। वद मीमेकवो डावडो यिकदाव वजारी
५ आठा मिचगोवी उंको वक लोम चेवें कयो कें क्यों बोर वेव
तीनसें पावबांमें वेच्यो नई गयो बोर पवेयांबोगांनें दिनो
६ नहीं गयो। पवेयांबोगांकें फायदामें उ भी फिकर करर
वा कया कयी सो नहीं बेर उ चोर ७ बोर बोयको वा
७ धर उंकें विचमें भी वक वा उघव वेतो इवेई कयो। वद
यिमु कयो कें उंनें रैवदे म्हारें बोरमें सोवबका दिवबेई उं
८ भ्रो राख्यो ७ें। क्योंस पवेयां रोजीना थांकें भेवा ७ें बेर
९ कं रोजीना थांकें भेलो कहुं। इवेई मोकवा यिकदी भ्रां
बर उंजागा आया बाबो यिमुवेई सा-ववो बेर बाजार
१० में यिव देववेई आया कें भीनें उ मोवसूं उपाड्योगे
बेर बवाप्रोवियां बाम्मरनेंयिव सुनकयवो सबावरी।
११ क्योंस उंसूं भोवका यिजयां आयर यिकुपर पत्रीव वरी।
१२ दूजें दिन उंसिंवारवेई आयोड़ा मोवका बोगां वद यिव
१३ मवम्में यिमुकें आववकी ठीक सुणीगे वद खजूरकें वंव
की डाबी लेर उंकें भेवा मिवबनें वारयें गया बोर मोठा
सूं कयो कें होसाना यिसरायवका राजा धन्य कें अवो भव
१४ वांनका नांवसूं आवेंछें। उं पछे यिमु एक मोय्यार गधो
१५ लाधर उंकें उपर चढीर जिसो को लिख्योडें कें वे मोयोनकी

डावडी तूं मती बीह देख थारो राजा गधाका बच्चाउपर
१६ असवार व्हयर आवेछे। आ कथा उंका चेला पैलडो
न समझ्या लेर जद यिसुको प्रताप प्रगट व्हवो तद वां चिता
रया के ये सगळो उंके फायदामें लिख्योडो व्हई और के
१७ वां उंने यो सगळो कर्योछो। इवेई जद उं लाजारने गोर
सूं बुलायो और उंने मौतसूं उठाड्यो तद जका जमाव उं
१८ वेळा उंके नैडो छो वां साख दीनो। इवेई जमात उंसे
भेळी मिलबने गई क्योंके वां सुण्यो के उं यो अचेरो काम
१९ कीनोछो। उंसूं फारसियां आपसमें कयो के थे काई
देखो बणी के थांके निवेमें कुंईं फायदो नछे देखो सगळा
आदमी उंके कानी व्हवाछे।
२० जके तिंवारमें भजन करवावेई आया वांके बिचमें कितोक
२१ यौक छा। इवेई वां गालिलिके बेतसैदाके फिलपकने
२२ आयर उंने पुछर कयो के हे धणी मे यिसुने देखबो चावां
२३ छां फिलप आयर आंद्रेने कयो उंपछे आंद्रे वा फिलप
यिसुने कयो। तद यिसु वांने उथलो देर कयो के आदमीके
२४ डावडाको प्रताप पोडे छाळकी वेळा आईछे। म्हं थांने
साचर कऊंछुं के एक दाणो गेहंको धूळमें पडर सड्यांबिगर
२५ एकलो रैछे वेर जको मरे तो मोकळा फळ फळेछे। जको
कोई आपका जीवसूं प्यार करेछे उ उंने गमासी और
जकोकोई ई संसारमें आपको जीव गोरै करे उ अनंत
२६ जाउवोतांडी रैसी। जर कोई म्हारी सेवा करसी तो
उ म्हारें पिछाडी आवें और जठे म्हं रैसुं उठे म्हारो
चेलो पिण रैसी अर कोई लोग म्हारी सेवा करसी तो
२७ म्हारो बाभो उंकी मर्यादा करसी। अबें म्हारो जीव
दोरो छे और म्हं काई कैसुं हे बाभा मनें ई वेळासुं
२८ उबार कर वेर इवेई म्हं इवेळातांडी आयोछुं। हे
बाभा तूं आपका नांवकी बडाई कर जद सर्गसूं एक

Digitized by Google

सुलसुली जाई कें में उंको बडाई करीछें वा दूसी बेला
२९ फिर वा करसु। इंबेई ज्यां नेंडा उभा ऊपर उ
सुणी वां कयो कें ब्रेसु सुलसुली जाईछें ओर२ लोगां कयो
३० कें उकें भेला एक हलकारो कथा कैछें। यिसु उथलो
देर कयो कें आ सुलसुली म्हारेंबेई नई जाई बेर थांकें
३१ बेई। अबें ई संसारको बिचार हैछें अबें ई संसार
३२ को राजा बारखें बगायो जायछें। और जा म्हर धर
तीसूं उठायोजावूं वो सगला आदम्यांनें आपकेंकनें खांच
३३ सुं। आप कींतरेंकी मोतसूं मरसी था जणावणनें
३४ उं आ कथा कही। लोगां उंनें उथलो दीनो कें म्हे
शास्त्रमें सुणीछें कें मसीह सदीना रेंछें इंसूं तू कींतरें
कैछें कें आदमीका डावडानें उपडणो पडसी ओ आदमीका
३५ डावडो कुण। यिसु वानें कयो कें ओर थिर्वसीबेला
चानणो थांकें भेलो रेंछें जितीबेला चानणो थांकें भेलो रें
तितीबेला चालो क्याजांणां अंधारो थानें घेरें जको लोग
अंधारामें जायछें उ लोग जाणेंछें नही कें उ कठें जायछें।
३६ जठातोडी चानणो रें तठातोडी चानणांमें प्रतीत करो
कें थे चानणाका डावडा हो यिसु आ कथा कैर गयो
३७ वा वांसूं आप लुक्यो। उ इता मोंकला अचेराकांम
वांकें सांमा करयाछा तोही तो फिर वां उंकें उपर प्रतीत
३८ न करी। इं कारण इसाईयाह् निमितियें जका कथा
कहीछी कें हे यिहुबाह् म्हांकी खबर किण प्रतीत करीछें
ओर भगवानको हाथ कींकें नेंडो चोडें हेछें वा कथा पूरी
३९ जाई। इंबेई वें प्रतीत कर नसक्या कींस इसाईयाह्
दूजीबेला कयो छो कें उं वांकी आख्यां आंधी कराईछें
४० ओर वांको मन करडो करायोछें कें वें आंखसूं न देखें वा
मनमें न समझें ओर मन नमोडें ओर उ वांनें आराम
४१ न करें। यिसाईयाह् जद वांकी गरबाई देखी ओर

४२ उंकें फायदामें कवो तद वा कथा कही। लेर महधेक का
मोवका आदम्यां उंकें उपरं प्रतीत करी लेर फारि
सियांका बोहसूं उंनें भारे नकरोर क्याजांवा सिनगगसूं
४३ छठाया जाय क्योंस वी ईश्वर कलोडी तारीफसूं आदमी
४४ की कलोडी तारीफ चाई। यिसु मोटासूं कयो के
अको कोई म्हारेंसूं प्रतीत करेंछे उ मेंसूं प्रतीत करें
नही लेर भीं मनें मेल्योछे उंनेंपिण प्रतीत करेंछे। ओर
४५ अको लोग मनें देखेंछे भीं मनें मेल्योछे उ लोग उंनें पिण
४६ देखेंछे। संसारमें ऊं एक चानणो आयोछुं के अको
४७ लोग प्रतीत करेंछे उ अंधारामें न रहें। अर कोई
म्हारी कथा सुणर प्रतीत न करें तो ऊं उंकी न्याव करूं
नही क्योंस ऊं संसारको विचार करणनें न आयो लेर
४८ संसारको उद्धार करणवेई आयोछुं। अको कोई मनें
निकमो करर जांणें वा म्हारी कथा न लेवें उंकी न्याव
करणवालो एक लोग छे अवा कथा में कहीछे छोई कथा छेह
४९ लें दिन उंनें विचारसी। क्योंस ऊं आपसूं कउंछुं नही
लेर बाभें के भीं मनें मेल्योछे उ मनें आग्या दोनी छे के अको
५० मनें बोलणनें वा केंणनें निसें छे। ऊं जांणुं के उंकी
आग्या अवंत आउखो छे इंवेई अको ऊं कउंछुं सो जिसो
बाभें मनें कयो छे विसो कउंछुं।

१३ तेरमो पांनो।—पेसाख तिंवारकें पैलडा इसो ऊवे।
यिसु जाण्यो के आपको वेला वेंडोछे के भींमें ओ संसार
छोडर बाभाकें नेंडो जासी संसारकें वसीवांन आपका लो
२ गांनें प्यार करर छेवडातोडोपिण प्यार कयो। उंनें
तोतखूं कपडणनें सोमोनको डावडो यिहूदा इस्करियोटाकें
मनमें मोडें भा देकर रातको खांणो पूरो ऊवां पछें बाभें
उंका हाथमें सगलो भलायोछे ओर आप भगवांनसूं भा

Digitized by Google

३ योतें चोर भगवांनकनें आसी यिसु वा जांबर रातका जीम
४ वसूं उठ्यो चोर गाभा चोबर अंगोछो लेर कमरमें बांधर
५ ठांवमें पाणी घालर चेलांनें पग धोवणनें चोर जो अंगो
६ छासूं आपको कड बांधी उंसूं पूछण लागो। तद
सीमोन पितरकें नेडो आयो चोरें पितर उंनें कयो कें हे
७ भगवान तूं कांई म्हारा पग धोसो। यिसु उथलो देर
उंनें कयो कें जं अबो करूं तूं उ पिण अबारहू जांणें नही
८ चेर ठेवडें जांणसी। पीतर उंनें कयो कें म्हारा पग
कदेईं धोवणों न देसुं यिसु उंनें उथलो दीनो कें अर जं तनें
९ नधोऊं तो म्हारें भेळो थारो विराड कांई नही। सी
मोन् पितर उंनें कयो कें हे प्रभू खाली म्हारा पग नही
१० चेर म्हारा पग वा म्हारो माथो। यिसु उंसूं कयो कें
जीको न्हायो छेवो छें उंका पगांबिगर धोवणको बिमें
नही चेर सगळो डील साफ छें थे पिण साफ छो चेर
११ सगळा नही। उं जांणतो उ कुण छे अबो उंनें पकडासी
१२ उपडसी इंवेई कयो कें थे सगळा साफ नही। उ वांका
पग धोयर वा गाभा चेर वा दूजीवेळा बैठर वांनें कयो
१३ थें कांई जांणो छो कें में अबो थांनें कयो छें। थे मनें
गुरु वा प्रभू कोछो चोर थे चोखो कहो छो कीस जं उ हुं।
१४ इंवेई जं थांको गुरु वा प्रभू अर थांका पग धोवाछें थांनें
१५ पिण आपसमें पग धोवणा ठीक छें। क्योंस में थांनें
१६ नांवणी दीनी छें कें जिसो में थांनें कयो छें थेपिण तिसोईं
करो साचर जं थांनें कहूं कें गोलो धणीसूं मोटो नही
चोर अबो लोग मेल्योडोछें उ लोग मेलणवालासूं मोटो
१७ नही थे अर वा जांणो तो करर धन्य हो। थां
१८ सगळांकें माथदामें जं नही कहूं ज्यो मनें सरायोछें
वांनें जं जांणुं चेर धर्मशास्त्र योरें होवणेई अबो लोग
म्हारें भेळो माळी खावेंछें उं म्हारा वैरमें एडी उपाडोछें।

Digitized by Google

१९ अबें साच्छात होयकें पैलडा जं थांनें कउं हुं कें जाम पूरा
२० जवां पछें थे प्रतीत करस्यो कें जं उ लोग हुं। साच२
जं थांनें कउं हुं कें म्हारें घलकस्याका कीसी लोगको अति
थि थको लोग करेंछें उ मनें अतिथि करेंछें ओर जकोकोई
मनें अतिथि करेंछें औं मन मेल्योछें उंको पिता उ संविभाग
२१ करेंछें।। यिशु आकथा केर मनमें दरेवन्द जवो ओर
साबतो देर कयो कें साच२ जं थांनें कउं हुं के थांकें बिचमें
२२ एक लोग मनें पारकें कबज करसी। इंसूं उं चींकें
फायदामें आ कथाकही इंसुं उसवासी इयर चेलां आप
२३ तमें देख्यो। यिशुको एक चेलो कें जींनें उं प्यार करतो
२४ उंदेला आडो जयर उंको गाती उपर रयो छे। तद
चींकें फायदामें उं कयो छे आ पुछबेई सीमोन् पितर
२५ उंनें सांनी करी। इंसूं उ लोग यिशुकी गाती उपर
२६ सुयर उंनें बोल्यो कें हे प्रभू उ कुण। यिशु उथलो
दीनो कें जं एक बटको भिजोयर जींनें देसुं उई। उंपछें
उं वा भीजोयर सीमोन्को डावडो यिहूदाह स्कारि
२७ ओटानें दीनो। उं भिजोबटको कायांपछें सेतान उंमें
बड्यो तद यिशु उंनें कयो कें जको करणो चावेंछें सो बेगो
२८ कर। जके बाजोट उपर बैठाछा वांकें बिचमें किणी जांण्यो
२९ नही कें उं क्युं बेई उंनें आ कथा कही। कोईओर बट
कल करी कें यिहूदाह्कनें कोथली रैवसूं यिशु उंनें कही
छी कें तीवांरबेई म्हे जको चावां उ मोल ले अथवा पलैयानें
३० कुंछि देवे। उंपछें यिहूदाह् उ भोज्यो बटको लायर झट
३१ बारबें गयो ओर रात पडी। उ बारबें गयापछें यिशु
कयो कें अबैं आदमीका डावडाकी महिमा प्रकाश भई
३२ ओर उंकि बिचालें भगवानकी महिमा प्रगट भई। भग
वानको महिमा उंमें जर प्रगट भें तो आपमें भगवान
३३ उंकी महिमा प्रगट करसी ओर जुंबेगा उंकि महिमा पिय

चोाई करसो। हे नांनाडावडा थांकें भेलो थोरें ऊं थोडा
दिन रैसुं थे मनें सोधसो वा जिसो में यिहूदयांनें कयो गे कें
जठें ऊं जावुं थे उठें आय नसकसो उसो थांनेंपिण कउंहुं।
३४ नवो आग्या एक थांनें ऊं देवुंहुं आपसमें प्यार करो जिसो
में थांनें प्यार कयो गें वोसो थांकें एक लोग ओार एक
३५ लोगनें प्यार करो। अर आपसमें थे प्यार करो ईंसुं सग
३६ ळा जांणसी कें थे म्हारा चेला गे। सीमोन्पितर उंनें
कयो कें तूं कठें जासो यिसु उंनें उथळो दीनो कें जठें
ऊं जावुंहुं उठें तूं अबें म्हारें भेलो आय न सकसी लेर
३७ ईंपछें म्हारें पिछाडी आसी। पितर उंनें कयो कें हे
प्रभु थारें भेलो अबें क्यों न आय सकसुं थारेंवेई ऊं आप
३८ को जीव देसुं। यिसु उथळो दीनो कें तूं कांई
म्हारेंवेई आपको जीव देसी साचर ऊं तनें कउंहुं कें तूं
मनें नाटेंगे जा तूं तीन बार नट्याविना कूकडो बांग देसी
नही।

१४ चोदमो पांनो।—जीवसूं व्याकुळ मतीहो थे भग
२ वांन उपर प्रतीत करो म्हारें उपरपिण प्रतीत करो। म्हारें
बाभाकी हवेलीमें मोकळी रेवास गें जो नर नहुंई होता वो
ऊं थांनें कैंतो थांकेंवई जागा त्यार करणनें ऊं जावुंहुं।
३ ओार जर ऊं जायर थांकेंवेई जागा त्यार करुं तो दूजी
वेळा आयर ऊं थांनें आपकें नेंडा लेसुं कें ऊंजीं जागा
४ रऊं थेपिण उठें रहो। ऊं जठें जाउंहुं सो थे जांणो
५ गे उ मारगपिण थे जांणो गे तमास् उंनें कयो कें हे प्रभू
तूं जठें जायगें म्हे आ जांणां नही ईंकारण किंउंणिहारें
६ मारग जांणसां। यिसु उंसूं कयो कें ऊं मारग वा
सत्यता वा जीववत्य हुं कोई लोग म्हारी वांहविना बाभा
७ कनें जावेंगे नही। थे मनें जर जांणता तो म्हारें बा

Digitized by Google

भानें पिण जांणता इं बेलासुं थे उंनें जांणोगे वा देख्योगे।
८ फिलिप् उंनैं कयो कें हे प्रभु म्हांनें बाभो देखाय उंसूं म्हे
९ सांहरां जस्यां। यिसु उंनें कयो कें हे फिलिप् अं इता-
दिन थारें भेलो रयो तोपिण कांइं तें मनें जांण्यो नही जों
कों मनें देख्यो छें उं बाभानें देख्योछें इंकारण तूं कींतरें
१० केछें कें म्हांनें बाभो देखावो। तूं कांइं प्रतीत न करें छें कें
अं बाभकें बिचाळे वा बाभो म्हारे बिचाळे जका बचा अं
थांनें कउंहुं वा बचा अं आपिइं कउंहुं नही लेर म्हारेंबिच
११ में रैवावाळो बाभो अें काम करेंछें। मैंसूं प्रतीत कर कें
अं बाभकें बिचमें हुं वा बाभो म्हारें बिचाळेछें लेर आर
१२ नही तोपिण वें काम देखर मैंनुं प्रतीत करो। अं थांनें
साचर कउंहुं कें जकोकोइं म्हारेंउपर प्रतीत करें छें
जो काम अं करुंहुं सो उपिण करसी इंसुं मोटा काम
१३ पिण वें करसी क्योंस अं बाभाकनें जाउंहुं। थे म्हारा
नांवसूं जर कुंहि मांगो तो अं उ करूं कें बाभाकी महिमा
१४ डाछडा उपर चेढे हैं। म्हारा नांवसूं थे जर कुंहि
मांगो तो अं उ करूं थे जर मैंसूं प्यार करो छो तो म्हा
१५ रो आंग्या मांनो। फेरपिण अं बाभाकें नेंडो प्रार्थना
करसुं कोर उ जोर एक सांतरीकरबवालो थांनें देसी
१६ कें उ थांकें भेळो रेजोगा रें। साचको आत्मा उइं कें जोंनें
१७ संसार लेसकें नही क्योंस उंनें उ देखें नही वा जांणें कुंही
लेर थे उंनें जांणो छो क्योंस उ थांकें भेळो रेंछें जार थांकें
१८ बिचमें पिण रसी अं थांनें अनाथ छोडुं नही अं थांकें नेंडो
१९ आसुं। जोर थोडा दिन पछें संसार मनें न देखसी
लेर थे मनें देखसो अं जीवतो हुं उं कारण थेपिण जीवता
२० रसो। उं दिन थे जांणसो कें अं बाभाकें बिचाळें हुं
२१ वा थे म्हारें बिचमें छो वा अं थांकें बिचमें हुं। जको
म्हारी आग्या जाणर पाळेंछें उही मनें प्यार करेंछें वा

Digitized by Google

जको मेंसूं प्यार करेंछे उंसूं म्हारो बाभो प्यार करसी ओर
हूं उंनें प्यार करसुं ओर उंकेंकनें आपकें चौडें करसुं ।
२२ यहूदाइस्करियोटी बिगर दूजें यिहूदाह उंनें कयो कें हे प्रभु
आ किसकी कथा कें आप म्हांकेंकनें आपनें चोडें करसो ओर
२३ संसारकनें नही । यिशु उथलो देर उंनें कयो अर
कोई मनें प्यार करें तो म्हारी कथा मानसी ओर म्हारो
बाभो उंनें प्यार करसी ओर म्हे उंकेंकनें आयर उंकें भेला
२४ रैंस्यां । जको लोग मेंसूं प्यार करें नही उ म्हारी कथा
न मांनेंछे ओर जका कथा थे सुणो छो सो म्हारी नही बेह
२५ बाभाकी कें जीं मनें मेल्योछें । में थांके भेलो रैर आ
२६ कथा थांनें कही छें बेर धीरजदेवणवालो अथवा धर्मात्मा
कें जीनें बाभो म्हारा नांवमें मेल देसी उ थांनें सगली सिखा
सी ओर में जोर कयो छें वें सगलापिण थांनें याद दिरां
२७ सी । थांकेंकनें हूं आपकी सांत राखर जांउंछुं हूं आप
की सांत थांनें देवुंछुं जिसा संसारका लोग देवेछें तिसी
हूं थांनें देवुं नही थांको मन ददेवान न होय ओर नही
२८ डरें । थे सुण्योछें कें में थांनें कयो छें कें हूं जांउंछु उंकें
पछें थांकेंकनें दूजीबेळा आसुं अर थे मेंसूं प्यार करता
तो हूं बाभाकनें जांउंछुं ई कथा उपर थे राजी व्हता
२९ क्योंक मेंसूं मोटो म्हारो बाभो छें । यांकें पूरोहोवाकें
पैलडा में सगळा ओर थांनें कयो छें कें पैलडी बेळासूं थे
३० वा प्रतीत करो । इंपछें थांकें भेळो हूं ओर मोकळी
कथा न केंसुं क्योंक ई संसारको राजा आवेंछें ओर मेंसूं
३१ उंको कुछिहि नही । बेर हूं आपका बाभासूं प्यार करूं
छुं ओर उं मनें जिसी आग्या करीछें हूं तिसो करूंछुं
संसारका रैवणवाळा लोगांनें आ जांणवेकै हूं करूंछुं
उठो म्हे जावां ।

१५ पनरमो पानो।—हूं साच अंगीरको रंष छुं और
२ म्हारो बाभो षेतकरबवालो छै। म्हारी जो चावेसो
डाली फल फलें नहीं वा डाली उ अलगो करेंछे और
जो चावेंसो डाली फल फलती छै उंकें और फल फलबकेई
३ उ साफ करेंछे। अबें जो कथा मैं थांनें कहीछे उं
४ कथासूं थे साग जवाछो। थे म्हारेंमें रहोगे और
हूं थांमें रहूंछु जिसो अंगीरकंषमें नरेनवालीडाली
आपेई क्युंहि फल फलें नही तिसि मेंमें रहेबिगर थे
५ फल फलबो न सकसो। हूं अंगीरको रंष छुं थे डाली
छो अर कोई म्हारें बिचमें रे वा हूं उमें रहूं तो उ मोक
ला फल फलेंछे क्योंस म्हारेंबिगर थे क्युंहि कर सको
६ नछो। कोई जंग मेंमें नरेर डाली सरीषो बगायो
जायछे और सूकपिश जायछे और आदमी वांनें भेला
७ करर बासरेंमें बगावेंछे और वें बल जायछे। अर थे
मेंमें रहो और म्हारी कथा थांमें रें तो थांकी जोर हुच
८ उ प्रर्थनाकरबसूं थांकेंवेई उ करलो पडसी। थांकें
मोकला फल फलबसूं म्हारें बाभाकी बडाई चोडे देंछे
९ थे इसाई म्हारा चेला रुसो। जिसो बाभें मेंसूं प्यार
१० कर्योछे तिसो मैं थांसूं प्यार कर्योछे। म्हारा प्यारमें रो
म्हारी आग्या अर थे मानो तो म्हारें प्यारमें रैसो जिसो मैं
११ आपकें बाभाकी आग्या मांनर उंका प्यारमें रहूंछु। मैं
आ कथा थांनें कहीछे कें थांकें बिचमें म्हारो आनंद रहें
१२ और थांको आनंद परवारें। आ म्हारी आग्या छै कें जि
सा मैं थांसूं प्यार कर्योछे तिसा थे आपसमें प्यार करो।
१३ आपका संगोत्यांकेई आपको जीव देबसूं मोटो कीकाई
१४ प्यार नछे। जो थांनें जका आग्या देवुं वा करबसूं
१५ थे म्हारा संगोत्या छो। इंपछे हूं थांनें किंकर न
कैसुं क्योंस प्रभु जो काम करेंछे किंकर उ जांणें नही लेर

Digitized by Google

में थांनें संमोव्य कयाछें कोंस म्हारा बाभाकनें में जा
१६ सुण्योछें वें समळा थांनें जणाया। थे मनें सरायो नही
जेर में थांनें सरावाछें जोर थांनें निर्लेपिया कयाछें कें थे
जायर फल फळो जोर थांका फल रहैं जंसूं म्हारा बाभा
कनें म्हारा नांवसूं थे जोर मांगसो सो उ थांनें देसी। हूं
१७ थांनें आ आग्या देऊंछुं कें आपसमें प्यार करो।
१८ अर संसार थांनें नंधा करें तो थे जाणो कें थांकें नंधा
१९ करयाकें पैलडा मनें नंधोछें। अर थे हं संसारका लोग
हुता ता संसार आपका लोगांनें प्यार करतो थे हं संसा
रका लोग नछो लेर संसारसूं में थांनें सरायाछें हंसूं
२० संसार थांनें नंदेछें। जो कथा में थांनें कहीछें वा याद
राखो कें चिंकर प्रभुसूं मोटो नछे वें अर म्हारी दुसमणी
करें तो थांकीपिण दुसमनी करसी अर वें म्हारी कथा
२१ मानें तो थांकीपिण कथा मांनसी। लेर वें सगळा
म्हारा नांवमेंहं वें थांनें करसी कोंस वीं मनें भेल्यो
२२ छें उनें वे जांणें नही। अर हूं न आतो लोर वांनें न
कैतो तो वांको पाप न हुतो लेर अबें उंका पापको ढकणो
२३ नछें। जको लोग मनें नंदें छें उ म्हारा बाभानेंपिण
२४ नंदे छें। जो काम लोर किणी लोग कयो नही उ
काम अर हूं वांकें बिचमें न करतो तो वांको पाप न हुतो
लेर अबें मनें वा म्हारा बाभानें वां देख्याेछें वा गोढ़ं कयो
२५ छें। लेर वां जिकमी म्हारी गोढ़ं करी छें वांकें शास्त्रमें
२६ लिखोअहं आकथा पूरीकरबवेहं जो हुवो। जा
दरकरबवाळो कें जीनें बाभाकें कनांसूं थांकें नेंडो हूं भेज
सुं अथवा बाभासूं नीकळ्योछो सांचको आत्मा उ आयर
२७ म्हारें कायदामें साखीत देसी। थेपिण पैलडासूं म्हारा
भेळा रह्याछो जंसेंहं थेपिण साखीत देसो।

१६ सोळमों पांनेंरो।—मैं आ कथा थांनें कही कें थे न
२ भटको कें थांनें सिनगगसूं अलगा करसी कोरपिक हसी
वेळा आवेंछे कें कोई थांनें मारनेवारपिक समझसी कें
३ भगवानकी सेवा करेंछे। वें यों सगळा थांनें करसी
४ क्योंस वें बाभानें अथवा मनें जांणेंछे नहीं। अेर मैं
ये सगळा थांनें कहेंछे कें वा वेळा आयांसूं थे चितारसो
कें मैं आ कथा थांनें कही छे मैं पैहला आ कथा थांनें
५ न कही क्योंस कं थांकै भेळो छो। अेर अबें जीं
मनें मेल्योछे उंकेंकनें कं जाउंछुं ओर थांमें कोई मनें
६ पूछें नहीं कें तूं कठें जायछै लेर थांनें म्हारी आ कथा
७ कैवासूं थांको जीव दुखसूं भर गयो छे। अेर कं साची
कथा थांनें कउंछुं म्हारें जांणसूं वर थांको भे.भे अजो
क्योंस जर कं न जाउं तो पातरकरववालो थांकेंकनें न
८ आसी अेर कं जायर उंनें थांकेंकनें मेलस्युं। ओर उ
आयरें संसारको पाप वा सचाई वा बिचारका कायदामें
९ ग्यांन देसी पापकें बाबतेंमें ग्यांन देसी क्योंस वें म्हारें
१० उपर प्रतीत करें नहीं। सचाईकें बाबतेंमें ग्यांन
देसी क्योंस कं आपका बाभाकनें जाउंछुं ओर थे मनें दूजी
११ वेळा देखवें न सकस्यो। बिचारकें बाबतेंमें ग्यांन
१२ देसी क्योंस ई संसारको राजा बिचार कयो.डो छै। थांनें
म्हारी ओर मोकळी कथा कैणी छे लेर वे अबें थे सैय न
१३ सकस्यो। लेर उ साचकी आत्मा आयर सगळा साचमें
थांनें मारग देखाळसी क्योंस उ आपसूं न कैसी लेर
जको सुणसी उ कैसी ओर होवणहारविषय थांनें देखा
१४ ळसी। उ म्हारी महिमा परगट करसी क्योंस म्हारो
१५ अेर छे उ उं लेर थांनें देखाळसी। बाभाको जो छे
उ सगळो म्हारो छे इंवेंहें मैं कह्यो कें उ म्हारो अेर छे
१६ उ लेर थांनें देखाळसी। थोडा दिनांपछें थे मनें देख

Digitized by Google

वैं न पासो फेर थोडें समयपछें थे मनें देषवें पासो क्योंसि
१७ ऊं बाभरकनें जाउंछु । तद उणें किताक चेलां आप
समें कयो सो काई छे के उ म्हानें कैछें थोडीबेलापछें थे
मनें देषवों न पासो फेर थोडीबेलापछें मनें देषवें पासो
१८ क्योंस ऊं बाभरकनें जाउंछु इंबेई वां कयो के थोडीबेला
यो अका कया कैछें वा काई वा अका कया कैछें वा नै
१९ समभावें सका नहीं । यिसु जाणो वें वा उणें पूछवें
चाथी इंसूं वांनें कयो में में अका कया कयो के थोडीबेला
पछें थे मनें देषवों नपासो फेर थोडीबेलापछें थे मनें देष
२० सेर इंको तंत वांरे थे आवतमें पूछो छो । ऊं सांचर थांनें
कउंछुं के थे रोसो वां हावर करसो सेर संसार राजी
जसो थेथिक दुषी जसो सेर थांको कष्ट आनंदमें करणो
२१ आसी । जणणकी बेला लुगाई ददेवान ऊपर कष्ट पाछें
क्योंस उणें जणणकी बेला नेडी वे छे सेर डावडो जण्यां
पछें डावडो संसारमें जणणवें आनंदसूं उ कष्ट फेर चीता
२२ रेंछें नहीं उसीरं थांकोभी दुष अबें छेछें सहो सेर ऊं थांनें
देषसुं उंसूं थांको मन राजी जसी सेर थांको राजी कोई
न मिटासी ।
२३ उं दिन थे म्हारें नेडी कुछि मांगेवा न पडसी सांचर में
थांनें कउंछुं के म्हारा नांवसूं जो थे बाभाकें नेडो मांगसो उ
२४ थांनें उ देसी । अबताईतोडी थे म्हारा नांवसूं कुछि मांग्यो
२५ नहीं तद थे पावो के थांको राजी परवारें । परथासूं वेर
में थेर सगलो थांनें कयोछें सेर वा बेला आवेंछें के जठें ऊं
सेर परथा नकेसुं सेर थांनें बाभाको परचो बोलर जतार
२६ सुं । उं दिन थे म्हारा नांवसूं याचना करसो सेर ऊं
न कउंछुं के में थांकें फायदामें बाभाकनें आवेना करसुं ।
२७ क्योंस बाभो आपेई थांसूं प्यार करेंछें क्योंस थे मेंसूं
प्यार करयोछें सेर परतीत करीछें के ऊं बाभासूं आयोछुं ।

Digitized by Google

२८ उंसूं मैं बाभाकनासूं संसारमें आयो फेर संसार छोडर
२९ मैं बाभाकनें जाउंछुं। उंकै चेला कयो कें देख तूं आबार
३० खोलर कथा कैछै और परंचा न कछैछै। अबें म्हे ठीक
जांणांगां कें तूं सैंगजगोट छै और तनें दरकार नछै कें
तनें कोई पूछै म्हे इंमें प्रतीत करां छां कें तूं भगवांनसूं
३१ आयो। यिसु उथलो दीनो कें थे अबें कांई प्रतीत करो
३२ छो। देखो बेळा आवैछै अबार आवोछै कें जींमें थे
चावैसो लोग आपकार संसारमें सगळा बिखरबिखर हुसो
और मनें एकलो छोडर जासो पेर मैं एकलो नछो कोंस
३३ बाभो म्हारें भेळो छै। मैं आ कथा थानें कही छै कें थे
म्हारासूं सांत पावो संसारमें थांको दुख हुसो पेर धातर
ममा रखो मैं संसारनें जीत लीयो छै।

१७ सतरमो धांणो।—यिसु आ कथा कैर सरगकानी
२ देखर और कयो कें हे बाभा वाबेळा आईछै। तें आप
का डावडानें जितरा लोग दीनाछै वां सगळां लोगांको
अनंत आउखो देवबेई सगळा जीवांउपर जो थोंथ वानें
दीनाछै उंहीं माफिक आपका डावडाकी महीमा प्रगट
३ करो कें थारो डावडो थांकी महीमा प्रगट करें। और
यो अनंत आउखो कें वें साच बिस्वासरिमो ईस्वर तनें और
४ यिसुखोस्तनें पिछा ज ये कें जीनें तें मेल्यो छै। मैं संसार
में थारी महिमा चौडै करी छै अको कांम तें मनें करवानें
५ दीनोछै उ मैं पूरो करलोछै। हे बाभा संसारकै पैलडा
थारै भेळी म्हारी जो बडाई छी उं बडाईसूं अबें आप
६ कै भेळी म्हारी बडाई कराय। तें संसारसूं ज्यांनें मनें
दीनछै वांकेकनें थारो नांव मैं चौडै करयोछै वें थारा छा
७ वांनें मनें दीनाछै और वां थारी कथा पाळीछै। और
अबें वें जांणग्याछै कें जोरर तें मनें दीनाछै वें सगळा

Digitized by Google

७ तेंसूं अपाऊं। कोंास जो बाप्या तें मनें दोनीऊं वा में
वांनें दोनोऊं ओार वां वा लोऊं ओार वां ठोक जांणोऊं के
जं तेंसूं आयोहुं ओार वां प्रतीत करीऊं के तें मनें मेल्योऊं।
९ जं वांकेवेई याचना करुंहुं जं संसारवेई याचना करूं नहो
१० लेर ज्यांनें मनें दोनोऊं वांकेवेई कोंास वे थारा। ओार
म्हारा सबे सो थारा ओार थारा शबे सो म्हारा वा वांवें
११ बिचमें म्हारी प्रभुता पोंहें जईऊं। जं संसारमें ओार
रउंहुं नही लेर वें संसारम रेंऊं वा जं थारे कने आं
उंहुं हे धर्मीबापा ज्यांनें मनें दोनाऊं आपका नांवसूं
वांको रुखाली कर के वे जिस्या एक ऊं वें तिस्या एक वे।
१२ जं जितां दिन वांकें भेलो संसारमें ओा तितां दिन थारा
नांवसूं वांको रुखालो करो के वें ज्यांनें मनें दोनाऊं वांको
में रुखालो करोऊं ओार धर्मशास्त्रमें जो वें पूरा होवा
वेई सोऊवेंअधिकारोबिगर वांको एक लोग गम भगयो
१३ ऊं। अबें जं थारेंकनें आउंहुं ओार म्हारो आनंद
वांकें बिचालें पूरो होवाबेई जं आ बात संसारमें कउंहुं
१४ वांनें थारो कथा में दोनोऊं ओार संसार वांनें ग्रोई करां
ऊं कोंास जिस्याे जं संसारको नहो तिस्या वेंपिया संसार
१५ का लोग नहो। जं याचना न करुंहुं के तूं वांनें
१६ संसारसूं लेलो लेर वांनें दोषसूं रुखाली करो। जिस्या
१७ जं ई संसारको नहुं तिस्या वेंपिया ई संसारका नहें। वांनें
१८ थारी सांचसूं निर्मल कर म्हारी कथा सांच ऊं। जिस्या
संसारमें तें मनें मेल्योऊं जिस्या मेंपिया वांनें संसारमें मेल्या
१९ ऊं ओार वांकेवेई जं आंपनें निर्मल करुंहुं के, वें सांचसूं
२० निर्मल वे। जं वांकी थांकेवेई याचना करुं नहों लेर
जे वांको कथा सुनर म्हारेंउपर प्रतीत करें वांकेवेई
२१ पिण करुं के एक ऊवें हे बापा जं याचना करुंहुं के जिस्या
तूं म्हारें बिचालें ऊं वा जं थारें बिचालें हुं वेंपिण तिस्या
म्हांकें एक वे के संसार प्रतीत करें के तें मनें मेल्योऊं।

Digitized by Google

२२ और जो प्रताप तैं मनें दीनोछै वा प्रताप में वानें दीनो
२३ छै कै म्हाकै जिसो एक छैजें वैं पिण तिसो एक छै जं वांकै
विचमें वा तूं म्हारैं विचमें कै वैं एकमें परवारैं कै संसार
जांनैं कै तैं मनें मेल्योछै और जिसो मेंसूं प्यार करोछै तिसो
२४ वांसूं प्यार करोछै। हे बाबा तैं ज्यांनें मनें दीनाछै
जं चांउं कै म्हारो जो प्रताप तैं करोछै उ प्रताप
देषणवेई जं जीं जागा रउं कै वैं उं जागा म्हारैं नेडा रवै
क्योंस संसारकी नींवदेणकै पेली तैं मेंसूं प्यार करोछै।
२५ हे सांच बाबा ओ संसार तनें जांनें नही लेर मैं तनें
२६ जांणोछै तैं जो मनें मेल्योछै यां जो पिण जाण्योछै। वांकै
कनें मैं थारो नांव चोडैं करोछै और पीछैं करसुं कै जीं
प्यारसूं तैं मेंसूं प्यार करोछै उ प्यार वांकै विचमें व्है
और जं पिण वांकै विचमें रहूं।

१८ अठारमो पांनो।—यिसु का कथा कैर आपका
चेलांभेलो केद्रोणनदीपार गयो उं जागा एक बाडी छै
१ उं बाडीमें उ वा उंका चेला बड्या। यिहूदाह धवधनो
पिण वा जागा जांणतो क्योंस आपका चेलांभेलो यिसु
२ कदेई उठैं आतो। तद यिहूदाह बड़ापरोहितां और
फारिसियांकनांसूं फौज और मुसायक पायर मसाल वा
३ बाद वा आयुध हाथमें लेर उं जागा आयो। इवेई
आपकी जो दसा व्हसी या जाणर यिसु बारनें गयो
५ और वानें कयो कै थे कींको षोजणा करोछो। वां उंनें
उथलो दीनो कै यिसु नासरैनकी उंपर यिसु बोल्यो
कै जं छूं यिहूदाह धवधनोपिण वांकै भेलो उभो
६ रयो। जं उठो छूं उ वानें या कयो जेतां वैं पिछाडीर
७ जांयर धूलउपर पड्या। तद उ दूजीवेला वानें पूछ्योर

८ कै थे वींनै सोओझो वा कयो कै यिसु नाजरी नवें। यिसु
उथलो दीनो कै थानैं मैं कयोछै कै हूं उहंहुं इंवेई
९ अर मनैं सोओ छो तो वांनैं जांवदो। या समची कई
कै उं जका कथा कहीछी कै थ्यांनैं तें मनैं दीनाछै वांमैं
विचमांसूं मैं एक कोगयिव गमायो नहीं वा कथा पर
१० वारी जाय। सीमोन पितरकनैं एक पातो छो उं
उंनैंला वा कांडर बडोडाप्रोहितांकैं एक चडल्यानैं मारयो
अोर उंको जीवडोकांन वाढनांख्यो उं चडल्याको नांव मल
११ कस्। तद यिसु पितरनैं कयो कै थारी पातो उंका
म्यांनमैं घालदे जको प्यालो म्हारैं बाभा मनैं दीनोछै उ
कांई हूं नं पीवोसुं।
१२ इंपछै कसबर वा जमादार वा यिहूदयांकै विचमें यानै
१३ ला यिसुनैं अपडर बंध्यो। अोर पैलडो उंनैं हन्नाकनैं
लेगया क्योंस उ कायाफाको सुसरो छो कै बनो उंसालका
१४ बडोडाप्रोहित छो कायाफा उ जों या सला यिहूदयांनैं
दीनीछी कै एक लोगकै लोगांवेई मरबो ठीकछै।
१५ सीमोनपितर वा दूजो एक चेलो यिसुकै पिछाडी गयो उ
चेलो बडोडाप्रोहितकनांसूं ओलख्योछो अोर यिसुभेलो
१६ बडाप्रोहितांकै पंचासालमें गयो। अोर पितर बारनाकनैं
बारवै उभो रयो तद जको चेलो बडाप्रोहितांकनांसूं ओल
ख्योछो उ बारवैं गयो अोर पोल्यानैं कैर पितरनैं भूंपा
१७ मैं ल्यायो। तद जका लुगाई पोलबो छी उं पितरनैं
कयो कै तूं कांई इं आदमीको एक चेलो नहै उं कयो कै नां
१८ उ नहुं। चडल्या वा सिलैदार लोगां उं आगा उभा ह
१९ वर वा सीनेई मीरांकी तापदे तापर तप्या। उंपछै बडा
प्रोहितां उंका चेला वा सीखको पाखवेंबीमें यिसुनैं पूछ्यो।

२० यिसु उंनें उथलो दीनो कें में चोडें बरर संसारवें कयो सिव
गगमें वा देवरामें में रोजीना सिखाया कें उठें यिहुदी सदाई
२१ आयर्कें भेर में बुलावर भ्रुंपि नई कयो। मनें क्यां
बेई पूछे छे। क्यां म्हारी सिखावन सुणोडें वांनें पूछो
कें में वांनें कांई कथा कई देखो में जका कथा कही वा वें
२२ जांणेंछें। उ वा कथा केंछे इंमें नेडो उभो एक लोग
सिवेदार यिसुनें थपेडो मारयो भेर कयो कें तूं कांई
२३ बडाप्रोहितनें इसो उथलो देवेंछें। यिसु उथलो दीनो
जर में भोंडीकथा कई व्हे वो उ भोंडीको सावतो देवो भेर
२४ जर में चोखीकथा कहीहे तो मनें क्यों मारोछो। काया
२५ फा बडाप्रोहितकनें बन्ना उंनें बांधर मेल्योछो। सीमोन
पितर उभो अबर तापर्दे सेकतोछो उंबेला वां उंसूं कयेर
कें तूं कांई इं आदमोको एक चेलो वहें उ फिटकार दीनी
२६ वा कयेर कें मंउ नई। जीको कांन पितर वाढनांख्योछो
उंकाई कुटुंबा बडाप्रोहितवें एक चाकरवें कयो वें वाडीमें
२७ में कांई उंकें भेलो तनें देख्यो नही। तद पितर दूजी
बेला मटक्यो भेर उंहिबेला कूकडें बांग दीनी।
२८ उं पछें प्रभांते वें कायाफाकें नेडा मंढीमें यिसुनें लेगया
भेर वें आप मंढीमें न गया कें भिसट न व्हे भेर पेसाख
२९ खाय सकें। तद बारवें आयर पीलात कयो कें इं आद
३० मीउपर थे कांई डंडो देवोछो। वां उथलो देर उंसूं
कयो कें जर उ खोटो न व्हेतो तो थारेंकनें म्हे न भळावता।
३१ तद पीलात वांनें कयो कें थे उंनें लेर आपका आसतरोमें
उंको बिचार करो उंमें आप वीतरेंको मोतसूं मरणो का
मुदरावनमें यिसु जका कथा कहीछी वा कथा परवारन
३२ वेहे यिहुदीयां उंनें कयो कें किसी लोगनें मार नांखणो म्हांनें
३३ ठीक नही। तद पीलात दूजीबेला मंढीमें आयर
३४ यिसुनें बुलायर बोल्यो कें तूं कांई यिहुदीयांको राजा। यिसु

Digitized by Google

उंसूं उथबो दोयो के तूं आपसूं आ कथा कहे अथवा
३५ ओर किणी म्हारे बाबतमें आ कथा तने कही छै। यो
बात उथबो दोयो के जं कांई यिहूदी हुं थारे आपका
देसवाळ्यांआदम्यां ओर बडापोयितां तने म्हारे कने झला
३६ यो छे तूं कांई कयो छे। यिसु उथबो दोयो के म्हारो
राज इं संसारको नछे म्हारो राज जद इं संसारको जतो
तो म्हारा चाकरा राड करता के जं यिहूदीयांकने झलायो
३७ न थांउ ओर म्हारो राज अबे इं संसारको नछे। इंसूं
पीलात उंसूं कयो के कांई तूं राजा छे यिसु उथबो देर
कयो के तूं कहेछे के जं राजा हुं इंवेई जं जनम्योछो
ओर साचको साखलो देवाने संसारमें आयो छे जकावेसो
३८ लोग आपभोर फेळेसो म्हारी कथ सुणे छे। पीलात
उंसूं कयो के साच कांई ओर आ केर उ फेर यिहूदीयांकने
नेडो गयो ओर वांने कयो के जं उंको कुछि दोष देखुं
३९ नहुं। ओर थांको एक ववहार छे के जं पेसाचकी वेला
एक लोग थांकेकने छुडावुं इंवेई आ कांई थांको रुच
४० दे के जं यिहूदीयांको राजा छोडुं। तद वां सगळां
फेर करर कयो के इं आदमीने नहीं पेर बारावाने
बाराब्बा चोरछो।

१९ उगणीसमो पाठो।—यिसुने कपडर पीलात
२ कोरडा मारया। उं पछे सपाइर एक कांटांको टोप बणा
कर उंने माथाउपर दोयो ओर एक बेगणीरंग लमियो पेरायो
३ या उंने कयो के हे यिहूदीयांका राजा सलाम वां उंने
४ थपेडांयिव मार्या। इं पेई पीलात दूजीवेळा बारने
आयर वांने कयो के देखो जं उंने थांकेकने ल्यावुं के
५ जो थांको के उंको कुछि दोष जं देखुं नहुं। तद यिसु
वो कांटांको टोप वा बेगणी गाभा पेरर बारने नीकळ्यो

Digitized by Google

६ उंनें पीलात वानें कयो के उ आदमी ओ देखो। इवेंई बडो
प्रोहितां वा चाकरां उंनें देखर हेला करर कयो के उंनें
क्रूसवालीउपर चुन करो उंनें क्रूसवालीउपर चुन करो क्युंस
७ उंको कुंछ दोष नं देखुंछु। यिहुदी उंनें उथलो दीनो के
म्हांको एक नीत छै ओर म्हांकी नीतसुं उंको मरबो ठीक छै
८ क्युंस आपनें भगवानको डावडो करर जांण्यो। इवेंई पीलात्
९ वा कथा सुणर बत्तो बीहो। ओर दूजीवेळा अंदोमें
जायर यिसुनें कयो के तुं कठासुं छै पण यिसु उंनें कुछी
१० उथलो न दीनो। तद पीलात उंसुं कयो के तुं काई
मनें उथलो देवे नही तुं काई जांणेछै नही के तनें क्रूसवाली
११ उपर चुन करबको अथवा छोडबको मनें जोर छै यिसु
उथलो दीनो उपरसुं अर वा तनें दीनो न रैती तो म्हारें
उपर थारो कुंछ जोर होयो न सकतो इवेंई जो मनें
१२ थारें हातमें भळायोछै उंको बत्तो पापी छै। ओर
उंवेळासुं उंनें छोडबनें पीलात् थारो करि पण यिहुदी
हेला करर कयो के अर तुं इ आदमीनें छोडे तो तुं काई
कैसरको संगाती नहीछै जको लोग आपनें राजा करर
१३ जांणें उ कैसरको वैर करेछै। इवेंई पीलात्
आ कथा सुणर यिसुनें काढ दीनो ओर आठापथ्थरनाव
की एक जागा ब्योतका भासा उपर बैठो एब्री बोलीमें
१४ उं जागाको नांव गब्बता। ओर फसहको सरजांत करबकें
दिन दोपोरवेळा जदे तद उ यिहुदीयांनें कयो के थांका
१५ राजानें देखो। पण वां हेला करर कयो के अळगो करो
अळगो करो उंनें क्रूसवालीउपर चुन करो पीलात्
वांनें कयो के थें काई थांकें राजानें क्रूसवालीउपर चुन
करसुं बडाप्रोहितां उथलो दीनो के कैसरबिगर म्हांकें
१६ राजा नहीछै। तद क्रूसवालीउपर मारबनेंई उंनें वांकें
१७ करें भळायो ओर वें यिसुनें ले गया। उं यठे

Digitized by Google

उ आपकी हलवांकी उपाडर मायाकी खोपरीको गांवकें
अथवा एब्री बोलीमें गलगतानांवको एक जागा गया।
१८ वा उंनें उं जागा हलवांबीउपर जड दीयो और उंकें
भेला दूजा दोय जणांनें एकर कांनी एकर कोगनें और
१९ यिसुनें बिच में। और हलवांबीउपर पीलात् एक
२० लेख दोनो कें जो यिसु नासरेत यिहूदयांको राजा। तद
भोतसा यिहूदयां उं लेखनें बांच्यो क्योंके जीं जागा यिसु हल
वांबीउपर मार्यो गयो वा जागा नगरकें नेडी छ लिख्यो
२१ एब्री वा यीक् वा लातिन् बोलीमें छो। तद यिहूदयां
कें बडाप्रोहितां पीलात्नें कयो कें यिहूदयांको राजा मती
लिखो पेर लिखो कें उं आपनें यिहूदयांको राजा कैर
२२ मांण्यो। पीलात् उथलो कयो कें में जको लिख्यो छे
२३ उ लिख्यो छे। तद फोज यिसुनें सुलउपर जडर उंका
गाभानें च्यार बिराड कर्या एकर सिपैदारांको एकर
बिराड उंकी बगतरीपिण उंई तरें छाई उं बगतरीमें
२४ कठेई सांदो नछो उपरांसूं सगली बणावट छी। ग्रंथमें
जका कया लिपीगई कें वा म्हारा गाभा बिराड करर
लोगा और म्हारें बगतरीबेई चीठी नांखी और ग्रंथ पर
वारखबेई वा आपसमें कयो कें म्हे ओ न फाडां पेर चीठी
२५ देर आंपां कें वा कींको छसो फोज ओ म्हगको कर्यो। यिसु
कें हलवांबीदें नेडी उंकी माउ और उंकी मासी और
क्लोपाकी बउ मारिया वा मारिया मागदलिनी उभीछी।
२६ इसीर यिसु आपकी माउनें वा वालाचेलानें उभा रैता
देखर आपकी माउनें कयो कें हे लुगाई थारा बावडानें
२७ देख उंपछें उं चेलानें कयो कें थारी माउनें देख उंनेंई
२८ उसी बेलामें उं चेला उनें आपकें भून लेगयो। जो जवां
पछें सगला कांम जदि पूरा हुवा यिसु था जांणर धर्मशास्त्र
२९ प्रवारखबेई कयो कें कं तिसायो छुं। उं बेला सिरकासूं

Digitized by Google

बेठो एक ठाँव ऊं माग्रा मेल्योगो हंवेई वां एक सौज
३० सिरकासूं भरर ऊ झाईमोवूंके उपर देर उंका मुंडामें
दीनो। यिमु फेर सिरको चोखयर कयो कें पूरो व्हेगो
ऊं पछें माथो नवायर जीव दीनो।
३१ सरतंत परबकी वेला व्हई हंवेई डील क्रूसवांखीउपर
दीतवारनें नरैवेई यिजघो मौलावसूं बीनती करी कें
वांका पग भांग्या जाय वा वें बेगया जाय क्योंस ऊ सावत
३२ दिन मोटो दिनछें। तद फौज आयर पेलें उंकें भेला क्रूस
वांखीऊपर चढाया वांकें बिचावें पैलडाको पग ओर दूजा
३३ कोगवाघिम पग भांग्यो। ओर यिमुकनें आयर ऊ
३४ मरयो पछें मालूम वो देखर वां उंका पग न भांग्या। ओर
एक जोगा डोडवांणें भालासूं उंकी बगल बिंधी उंवेई
३५ लोई ओर पांणी बेगो नीकल्यो। ओर ऊ देखवावाला
एक साख साखतो दीनो ओर उंकी या कथा साच ओर
३६ थांकें प्रतीत करवावेई ऊ जाणेछें के साच साच केछें। ओर
यो ग्रंथ पूरो होवावेई यो समचो जको के उंको एक हाड
३७ भांगवो न पडसी। ओर एक ग्रंथपिख पे छे पे जीनें
वां बींधोछें उंकें उपर वें निजर करसी।
३८ आरिमातियाको युसफ यिमुको एक चेलो छो ओर यिज
वांका डरसूं गोपक छो हंपछें युसफ पीलातकें नेंडो बीन
ती करी कें यिमुको डील ऊं ले जाऊं तद पीलात् या
करवानें आग्या दीनी हंवेई ऊ आयर यिमुको डील लेगयो।
३९ निकोदेमस पिख वें जको पेलडी रात यिमुकें नेंडो आयो छो
ऊ भी आयर बोलारस वा अगर मिलावीको पका मंणसवा
४० एक लायो। उंपछें यिजघांके ओरदेखांकें रीवसरीका वां
४१ यिमुको डील ओर मसाला देर गाभासूं पलेट्यो। जठें
आगा यिमु क्रूसउपर मार्यो गयो छो उठें बिचमें
एक बाडी छें ऊं बाडीमें नवी एक कोर छो वें जीमें कोई

Digitized by Google

४२ आदी कदेई सुलायो नगे। उ दिन यिहूदियांवें सरवंत
करबको दिन ठो इंवेई वां यिसुनें उं बागमें सुलायो कीस
वा पखीबोर नेंडो ठो।

२० बीसमो पांनो।— अठवाडावें पेलडे दिन बडे
प्रभात अंधारे। रेतां मारियामाग्दलिनी घोरकनें आयर
२ देख्यो कें उ भाठो घोरसुं दिगस गयो ठो। जद वा
दोडर शीमोनपितरकनें ओर वीं चेलामें यिसु प्यार
करतो ठो उंकेकनेंपिण आयो अर वांनें कयो कें कीं म्हारा
प्रभुनें घोरसूं लेगयाठें ओर उंनें कठें राख्योठें वा म्हे
३ जाणां नही। उंसूं पितर वा उ दूजो चेलो बारवें निकलर
४ घोरकेंकनें आया। वें सागर दोड्या ओर दूजो चेलो
५ पितरसूं बेगो दोडर पेलडाई घोरकनें पोंचो। ओर
६ झुकर उ राखोडो गाभो देख्यो ओर मांय न गयो। उं
पठें शीमोनपितर पिछाडी आयर घोरवें मांय गयो वा
७ उ राखोडो गाभो वा वीं अंगोछासूं उंको माथो बांध्यो
ठो गाभावें भेलो नही लेर पलेट्यो उ अंगोछो न्यारो
८ देख्यो। उंपठें जको चेलो पेलडो घोरकनें आयाठो
९ वो पिण मांय वडर देख्यो फेर परतीतपिण करी। क्योंक
वें अठातोंडी धर्म्मशास्त्रको काएद जांणता नगे कें उ दूजो
१० चेला मुवर मोतसूं उपडसी। उंपठें चेला दूजीवेला
आपकेंर झूंपडे गया।
११ लेर मारिया बारवें घोरकनें रोवती उभी रही ओर
१२ रोतांर झुकर घोरनें देखी। ओर यिसुरा डीलवें सुवण
की जागा बेठोडा धोलागाभा पेरयां दोय सरगदूत देख्यो
१३ एक सीराणें ओर दूजो पगांवें। ओर वां उंनें
कयो कें हे लुगाई क्योंवेई रोवेंठें उं वांनें कयो कें कोई मा
रमो म्हारा प्रभुनें लेगयो ओर उंनें कठें राख्यो ठें मा

१४ ऊं न मालुं हवेई रोवंतु । ऊं आ कथा कैर मूंडो मोडर
यिसुनें ऊभो ऊवो देख्यो लेर ओळख्यो नही कें ऊ यिसु छें ।
१५ यिसु ऊंनें कयो कें हे लुगाई तूं क्यों रोवेंछें कीनें सोधेंछें
ऊं ऊंनें बागवान जांणर कयो कें हे बागवान जर तूं ऊंनें
अठासूं लेगयो छे तो मनें कें दे कें ऊंनें कठें राख्यो छें कें
१६ ऊसूं म्हं ऊंनें लेजाऊं । यिसु ऊंनें कयो कें हे मारिया
१७ ऊं फिरर ऊंनें कयो कें रब्बोनि अथवा हे म्हारा गुरां । यिसु
ऊंनें कयो कें मनें मती भींट क्योंस म्हं अबै आपका बाभा
कनें ऊग्यो नही लेर म्हारा भाबांकनें जायर वांनें केदे कें
म्हारा बाभाकनें वा थांका बाभाकनें वा म्हारा भगवांनकनें
१८ ओर थांका भगवांनकनें म्हं ऊपडुं । मारियामाग्दलिनी
आयर चेलांनें कयो कें आपांका प्रभुकोदेखाणो लाधो छे
वा ऊं ऊंसगळो कथा ऊंसूं कई छी ।

१९ अठवाडाकें पैलडें दिन ऊंई दिन संज्याकी वेळा जीं जागा
यिहूदियांकें भयमें चेला भेळा ऊवा छा ऊं जागाकी किंवा
डी लागायडें यिसु आयर बिचालें ऊभो ऊवो वा वांनें
२० बोल्यो कें थांको शांति छै । ऊं आ कथा केर आपको
हाथ वा बगल वांनें दिखाई जद चेला प्रभुनें देखर राजी
२१ ऊवा । ऊं वेळा यिसु फेर वांनें कयो कें थांको शांति छै
जियो म्हांरें बाभें मनें मेल्योछें तियां म्हं थांनें मेलुं ।
२२ ओर ऊं आ कथा केर वांकें ऊपर निश्वास नाख्यो ओर कैयो
२३ कें धर्म्मात्मानें लाधो । ज्यांका पाप थे छुडावो वां ऊप
रासुं वें छुडाया गयाछें ओर ज्यांका पाप थे ऊसाई राखो
तो वें ऊसाई रेंछें ।

२४ लेर समास् नांवको बारांमें एक लोग जींको बिख्यात
२५ नांव दिदिमस् जद यिसु आयो ऊंवेळा ऊ वांकें भेळो नछो ।
इंवेंई दूजा चेला ऊंनें कयो कें म्हे प्रभुनें देख्योछें लेर ऊं कयो
कें ऊंकें हाथमें भींठोरांका दागा बिगर देख्यां म्हं म्हारो

Digitized by Google

आंगुळी भींटोरांका दागमें बिगर दीयां ओर उंकी घाव
में म्हारो हाथपिण बिगर दीनां ऊं प्रतीत न करसुं।
२६ आठ दिनपछें उंका चेला फेर मांय छा ओर तमायिष
वांकें भेळो छो तद कींवाड जड्यां ऊवां पछें यिसु बिचमें उभो
२७ ऊवो ओर बोल्यो कें थांकी सांत व्हें। उं पछें उं तमासनें
कयो कें थारो आंगुळो अंठायर म्हारा हाथ देख ओर थारो
हाथ पसारर म्हारो बगलमें घाल वा अप्रतीतकारी मतो व्हे
२८ वोर प्रतीतवंत व्हो। उंपर तमास् उथलो देर उंनें कयो कें
२९ हे म्हारा प्रभु वा म्हारा भगवांन। तद यिसु उंनें कयो कें हे
तमास् वें मनें देखर प्रतीत करीछें ज्यां बिगर देख्यां प्रतीत
३० करीछें वें धन्य।
ओर मोकळा अचेंरा कांम यिसु आपका चेलांसांमा
कया कें जके इं ग्रंथमें लिख्या नही वेर के ये लिखी गईछें
कें थे प्रतीत करो यिसु भगवांनको डावडो खीष्ट छें ओर
प्रतीत करर उंका नांवका उकरासुं जीवतब पावो।

२१ इकीसमो पांनो।—इंपछें तीबीरिया दरियावकें
किराडें यिसु दूजीवेला चेलांकनें आपनें दिखाया ओर इं
२ तरें उं आपनें देखाल्यो। सीमन् पितर वा तमास उंको
बिबियातनाम दिदिमस् वा गालिलिकें कानाको नतान
एल वा जेबदिका डावडा वा उंका ओर दोय चेला एक
३ ठोड ऊवा। सीमन् पितर वांनें कयो कें मछी मारबनें
जांउंछुं वां कयो कें म्हे पिण थारै साथे आवां तद वें जायर
भाट नावऊपर चढ्या ओर उंरातका कांई पकडीजी
४ नही। प्रभात ऊवां पछें यिसु किराडें उभा ऊवा वोर
५ चेलां न जांण्यो कें उ यिसु। तद यिसु वांनें कयो कें
हे डावडा थांकेंकनें कांई खांवणनें छें वा उंनें उथलो

६ दांतो के नहो। उं वांनें कयो के नावकी जीवणीकांनी
फास नमावो तद लाधस्यो इंवेईं वां तद उ नमायांपछें
मोकलो मछ्यांका बोझसूं तांण न सक्या इंवेईं जी
चेलासूं यिसु प्यार करतोछो उ चेलो पितरनें कयो कें उ प्रभु
७ छें। उ प्रभु छें सीमन् पितर आ कथा सुणर आपका
पारधीको सिणगार डीलउपर बांध्यो क्योंस उ नागो छो
८ उंपछें दरियावमें कूदियो। दूजा चेला पिछ फास मछी
सूधो तांणवार डुंडा उपर किराडें आया क्योंस किराडो
९ मोकलो अळगो नछो लेर हाथ दोयसैक छो। वे किरा
डें लाग्यां पोराको धमधम्योडो बासदे और मछी उंकें उपर
१० वा बाटी उं जागामें देखी। यिसु वांनें कयो कें
जका मछी अबाईं कपडोछें उंमासुं थिनसी ल्यावो।
११ सीमन् पितर जायर मोटी मछ्यांको भर्योडो फास किरा
डें तांण्यो एकसो तेपन नछी छो लेर इती मोकली जवांसुं
१२ पिछ फास नफाट्यो। यिसु वांनें कयो कें आवो खावो
और तूं कुण उनें आ पुछणकी किंथि चेलाको मुंडो नघो।
१३ क्योंस वां जाण्यो कें उ प्रभु छें तद यिसु आयर बाटी वा
१४ मछी लीनी वा वांनें दीनी। मोतसूं उपज्यांपछें
आपका चेलांनें यिसुके दिखालो देणको तीजोबेला आ।
१५ वां खायांपछें यिसु सीमन्पितरनें कयो कें हे योनाका
डावडा सीमन् तूं कांई यंसगलांसूं मनें प्यार करेंछें
उं उंनें कयो कें हां प्रभु तूं जांणेंछें कें जं तेंसूं प्यार करुं
१६ छूं उ उंनें कयो कें म्हारा गाडरका बचानें चाख। उं
दूजीबेला पिण उंसूं कयो कें हे योनाका डावडा सीमन्
१७ तूं कांई मेंसूं प्यार करेंछें उं कयो कें हां प्रभु तूं जांणें
छें कें जं तनें प्यार करुंछुं उं उंनें कयो कें म्हारा गाडरांनें
चाख उं उंनें तीजीबेला कयो कें हे योनाका डावडा सीमन्
तूं कांई मेंसूं प्यार करेंछें पितर दुखी जवो कें उं तीजीबेला

Digitized by Google

कयो कें तूं कांई मेंसूं प्यार करेंछे ओर बोल्यो कें हे
प्रभु तूं सेंगलगोट तूं जांणेंछे कें ऊं तेंसूं प्यार करूंछुं,
१८ यिसु उंसूं कयो कें म्हारा गाडरांनें पाळो। साचर ऊं
तनें कउंछूं कें जद तूं मोट्यार छो तद तें आपकी मरदमी
करर अठें थारी रांमी उठें तूं गयोछें जेर जद तूं डोकरो
ऊसी तद तूं हाथ लांबा करसी ओ दूजाकोई तनें
बांधर जीं जागा थारो मन नहीं उं जागा तनें लेजासी।
१९ उ अको मोतसूं भगवांनको महात्मा चोडें करसी आ
जणांवणकेई उं आ कथा कही उं आ कथा केर उंनें कयो
२० कें तूं म्हारें पिछाडी आ। पितर आय फिरर उं चेला
नें पिछाडी आतो देख्यो कें जींनें यिसु प्यार कयो ओर
रातकी पांवणकीबेला उंकी छातीउपर झुकेदिर जीं कयो
२१ कें हे प्रभु तनें दूजाका कबजमें करसी उ कूण छे। पितर उंनें
देषर यिसुनें कयो कें हे प्रभु ओ आदमी पिछ कांई करसी।
२२ यिसु उंसूं कयो कें अर म्हारें गरज छे कें उ म्हारें आंवण
तोडी रें तो उंनूं थारो कांई कांम तूं म्हारें पिछाडी आ।
२३ तद आ कथा भायांमें पसरगई कें उ चेलो नमरसी तो पिछ
यिसु कयो नहीं कें उ मरसी नहीं जेर अर म्हारी गरज छे
कें उ म्हारें आंवणतोडी रें तो उंसूं थारो कांई कांम।
२४ ओ उही चेलो छे अको इं बातयेंओकी साबूत देवेंछें वा
आ कथा लिषेछें ओर म्हे जांणांछां कें उंको साबतो साच
२५ छे। यिसुसूं करयोडा ओरर पिछ मोतसा काम छे
वें सगळा जर लिषा जाय तो ऊं समझूं कें संसार अबें
वें सगली लोषेयोडीपोथ्यां राषयें न अक्या। आमिन्।

Digitized by Google

हलकारांका काम।

१ पैहलो पानो।

१ हे तियोफिलस् यिसु आपका मनमाफिक हलकारांकनें
धर्मात्मासुं आग्या देयकें पछें जींदिन उ उपर लीयो
२ गयोछे उं दिनतांडी जोर करबा वा सिखावबा उं सुरु कयो
३ उं सगली बातयेंलीमें वा पैहलडीपोथी में कगाईछें। उ
वां हलकारांसुं चालीस दिनतांडी मांवजादीक जयर होर
भगवांनके राजकें फायदामें कथा केंर मोकलांसुं ठीक
साबवादेर आपकें मोत पछें आपांनें वांकेंकनें दिखाश्यो।
४ होर वांकें भेलो पाचो जयर यिरूसलम् छोडर न जाव
बो आग्या वांनें दोनो लेर कयो कें बाभाको जको करार
५ थे म्हारेंकनें सुण्योछें उंकी बाटजोवो। क्योंस योहन्
पांणीमें डुबोदिराई सही लेर थोडादिनांपछें थे धर्मा
६ त्मामें डुबोदिरायेडा जश्यो। उंपछें वें भेला जयर
उनें आ बधा पुछी कें हे प्रभु तूं काई यिस्राइल्को राज
७ अबें फेर कायम कर देसी। उं वांनें कयो कें बाभें
जको हमय वा ठायपोकीवेला आपकें अधीनतामें राखी
८ छें उ जांणबो थांनें अधिकार नछें। केर धर्मात्मा थांकें
उपर आयां पछें थे पोंच पावश्यो उंसूं यिरूसलम् वा
यिहूदाह सगला मुलकमें वा समरोन्में वा संसारकी
९ छेंवतांडी थे म्हारा साखदी जश्यो। वें देखतार उ आ

Digitized by Google

कथा केर उपरांनें लीनो गयो वा वांकी दृष्टसूं एक मेह
१० उंनें लीनो। उंकें उपरको जांवकीवेला वें सर्गकांनी
ठीक देखतार देखो दोयलोग धोलागाभा पैर्यां वांकेकनें
११ उभा जवा। वां कयो कें हे गालिलिका लोग थे सर्गकांनी
देखता क्यों उभाछो यो यिसु कें थका थांकें कांनीसूं सर्गमें
लीनोगयोछें थे जिसो उंको सर्गमें जांवणो देख्योछें उसोई
उ फेर आसी।
१२ उंपछें वें जैतानकें परवतसूं यिरुसलम्में मुडगया
उ परवत यिरुसलम्सूं एक सावता दिनको मारग छें।
१३ ओर वें नगरमें वडर उपरलो एक मेंडोमें गया उं जागा
पितर वा याकुब् वा योहन् वा आंन्द्रु वा फिलिप् वा
थमास् वा बर्तोलमो वा मातिउ ओर खल्फिका डावडा
याकुब् ओर शीमन् जिलोतिस् वा याकुबको भाई यिहु
१४ दाह् छे। लुगायां वा यिसुकी माउ मारिया वा उंका
भायांभेला वें सगला एक मनसूं प्रार्थना वा वीनती करवा
रया।
१५ चेलांका नांव सगला करर एकसो बीसेक छ उं वेला
१६ वांकें बिचालें पितर उपडर बोल्यो कें हे आदमी हे
भाई ज्यां यिसुनें कपड्योछे वांको मारग दिखावणवालो
यिहुदाहका फायदामे जको शास्त्र दाउदका मुंडासूं
धर्मात्मा पैलडा कयोछेउ शास्त्र पूरोहोणको निश्चे छे।
१७ क्योंस उ लोग म्हांकें भेलो गिण्यो गयोछे वा इं चाकरीको
१८ कोठार लाधो छे। इं आदमी अयथार्थको नूनराई देर
खेत मोल लीनो उंपछें उंधेमुंडें धरतीउपर पडर बीचा
१९ लेंफाट गयो ओर उंकी सगली आंतां नीकलपडी। यिरु
सलम्का रैणवाला सगला लोगांकनें ओ काम चोडें जवा
उंसूं वांकी बोलीमें उ खेतको नांव हकेल्दमा कयो जायछें
२० अथवा लोईको खेत। गीतकी पोथीमें आ कथा लीखीछें कें

उंको रैणकी जागा जेड कें वा कोई उंमें नरहें और उंकी
२१ चाकरी और कोई लोग लेवें। इंवेई औंदिन उ म्हां
कनांसूं जोनोळे ध्यानकी कुवोदिरावणसूं उं दिनतोडी
२२ जित्तादिन प्रभु यिसु म्हांकें विचमें आवागमन कर्‍यो जके
आदमी म्हांकें भेळा ऊवा वां आदम्यांका एक लोगनें म्हांके
२३ भेळो उंकें फेरउपडणको सायदी करणो निमेंळे। इंवेई
युसफ् कें जींनें बारसवा कैळे और जींको विख्यात नांव
यस्तस् ओर मतीया यें दोन्युं आदम्यांनें वां निमें कर्‍या।
२४ तद वां प्रार्थना कररं कयो कें हे सगळाका मनजांणवावाळा
यिजह् वां दोयआदम्यांमें तें जिनें सरायोळें वा बतावो कें
२५ उ वा चाकरी वा छलकाराई लेंवें कें जींसूं आपकी जागा
२६ जांवणवेई यिऊदाह् धांमी कररं अळगो ऊवोळे। उं पळें
वां गोळो विराड कर्‍या ओर विराड मातिया उपर आयो
उंसूं उ इंग्यारें छलकारांभेळो गिण्यो गयो।

२ दूजो पांनो।—पेन्तिकस दिन पूराहोवणसूं वें
१ सगळा एकमना ऊयर एक जागा पांच्या ऊवा। उंवेळा
आगेसूं आंधोडो मोठो करडो वायरासरीखो साद एकीवार
२ आयो ओर जीं झुंपामें वें बेंठाथा उ झुंपो वांसूं भरीज्यो।
तद वासदेसरीखी फाटोडी जीभ देखणमें आई और चावें
४ जीं आदमी उपर बेंठी। उंसूं वें सगळा धर्म्मात्मासूं पूरा
ऊवां ओर आत्मानें जिणो वांनें केंबदोनो तिसी ओर बोली
५ बोलण लागा। उंवेळा सगेका निपला चावेंसो
६ देसमूं पुन्यवंत यिऊदी यिरुसलम्में रया ळा। कें काम
चोडें ऊवांपळें थोड एक जागा भागर आई ओर चावेंसो
लोग आपकेंर बोलीसूं बोलेंळें वांनें आ सुणणसुं इवि
७ यायो। इंवेई वें सगळा अचेरा आयर वा चकचुंधा
ऊयर आपतमें बोल्या कें देखो जका कया केंळें वें सगळी

Digitized by Google

८ कांई गालिलि नहैं। तो म्हे आपकार जन्मदेसकी
९ बोलीसूं यांकी कथा कीतरैं सुणांछां। पार्थी वा मांदी
वा आईलमी वा मेसोपोतामिया वा यिहूदाह् देस वा
कापादोकिया वा पंतस्वा आसिया वा फ्रिगिया वा पंपलो
१० या वा मिसर वा किरणीकेनेंआका ळिबोया देसको सिराड
इंर देसमें रैणवाळा वा उठाको मुसाफरीकरणवाळा
११ रूमी वा यिहूदी वा यिहूदी मजहबी। वा क्रेती
वा अरबी म्हे आपकोर बोलोसूं वें भगवांनका मोटा
१२ कांम कैहैं। आ म्हे सुणांछां इंसूं इंको तंत कांई आ
कथा आपतमें कैता वें समळा चकचुंधा वा अमबोलो हवा।
१३ ओर कोओर मसकूरी करर कयो कें वें आदमी नवो
दारूका रससूं मतवाला छैं।
१४ ओर इग्यारें चेलां भेळो पितर उभें ऊपर मोटासूं
वांनें कयो कें हे यिहूदी लोग वा यिरूसलमका रैणवाळा
१५ थे आ जांणो वा म्हारी कथा सुणो। क्योंस यांनी एक
पोर दिन ऊगांसूं थे जिसी मनमें स्यावोछो तिसा आ
१६ मतवाळ नहैं। लेर आ उ कें अकेर योएल् नबी कयो
१७ कें यिहूद् कैहै कें छेहलेंदिनमें इसो हुसी कें हूं आपको
आत्मा समळा जिनावरां उपर कूढसुं उंसूं थांकें डावडा
डावडी निमितियांको कथा कैंसी थांकें मोट्यार लोग
दिषाळो देखसी ओर थांकें डाकरा लोग पिण सुपनो देख
१८ सी। ओर म्हारा गोला वा नूतरांकें उपर वो दिनांमें
हूं आपको आत्मा कूढसुं उंसूं वें निमितियाकी कथा कैंसी।
१९ ओर हूं उपर सर्गसूं लछण देषाळसूं ओर नीचें धरतीसूं
सैंनांण दिषाळसुं अथवा लोई वा बासदे वा धुंवासरीषो
२० मेघ ओर यिहूदको उ मोटा वा अनोषा दिनांकें पैलडा
२१ सूरज अंधारो हुज्यासी व चंद्रमा लोई हुज्यासी। लेर
इसो हुसी कें जको कोई यिहूदका नांवसूं प्रार्थना करसी

Digitized by Google

२१ उलोग उद्धार पासी। हे यिस्रराइलका लोगां आ कथा
सुणो भगवांन अके अठेरा ओर अनोचाम्कार ओर लक्षण
उंकें मारफत थांकें बिचालें करया जिसा थेपिण जांणो
यों सगलांसूं भगवांनकें मनमाफिक अके एक लोग यिसु
२२ नासरेन थें। उ भगवांनकें ठीक करयोड़ो निजक वा आगम
ग्यानसूं भळायोडाजयर थे लेर मोटाहाथांसूं क्रूसऊपर
२४ जडरमारनांख्योछे। भगवांन मोतका बंधणा खोलर
जीनें उपायोछे क्योंक उंसूं उंको कपडरैणको असाध्यछे
२५ दाउद उंकें बाबतेजीमें कयो कें में म्हारें स मे यिसूनें
देखोना आयोछे उ म्हारें जीवणेछे कें अं चलाय नजां।
२६ उंबेई म्हारो मन राजी वा म्हारी जिभ खुसहै म्हारो
२७ डीलपिण भरोसासूं सुखी। क्योंक म्हारा आत्मानें
तूं मोतकी भूममें छेडर नाखसी तूं आपका धर्मीनें
२८ सडणदेणोपिण देण न देसी। तें मनें जीवणको मारग
दिखाल्योछे तूं आपको मुंडो दिखायर म्हारो मन सगोसूं
२९ भरोपूरो करसी। हे आदमी भायां दाउद पित
रांका बाबतमें थांनें मनें बिगरअटकावसूं केण दोक्यो
कें उ मरयोछे ओर गोरमें गाडयो गयोछे ओर उंकी गोर
३० म्हांकें मठें अबारतांइपिण छे। उ नि नबि हुयर
वा उंका तखतऊपर बैठणबेई भगवांन मो उंकें कुळगाव
डाकडो ओस्टनें उपजासी भगवांन अको उंकेंकनें आ कथा
सूंसखाळर कहीछे उं आ जांणर ओर पैलका बाबतवाळी
३१ अयर खीस्टकें फेरउपजणकें बाबतेकीमें कयो कें उंकी
आत्मा मोतकीभूममें छेडी न गई ओर उंको डील
३२ सडणनें न देख्यो उ यिसुनें ईश्वर उपायोछे कें ओ गीमा
३३ साखदी म्हे छां। उ भगवांनकें जीवणो उपाडयो
गयो अयर ओर बाभावनांसूं धर्मात्मा दांनका करार

३४ क्योंकर ओ ऊंचो उठेके जको थे देखोगा वा सुणोगा। दाऊद
सर्गमें उपडो नहीं सको पेर उ कयो के यिहूव म्हारा
३५ भगवानने कयो के मठातीडी थांका वैर्यांनें थांको पगमंडो
३६ ऊं नईकरुं वठातीडी म्हारें जीवणो बैठें। इंवेंई यिस्र
राएलका सगला कूल ठीक जांण्यो कें थे जीनें हलवाली
ऊपर घून कयो भगवान उ यिसुनें प्रभु वा खीष्ट थांदो
३७ व्यांनें कयाउे। वां आ कथा सुणर मनमें बींध्योडा ऊपर
ओर पितर वा दूजा हलकारांनें कयो कें हे आदमी
३८ हे भाई म्हे कांई करस्यां। पितर वांनें कयो कें पांमखा
करो ओर पापछुटबनेई पावेंसो लोग यिसुखीष्टका नांव
३९ सूं डुबोदिरायोडी वो उंसूं धर्मात्मा दान पासो। क्योंक
उ करार थांकें उपर वा थांका टाबरांउपर ओर जित्ता
लोग अलगाउे अथवा यिहूव म्हांकें ईश्वर जित्ता लोगांनें
४० बुलासी वांकें उपरहीज उे। उंपछै वां घणीमारग
मळबवालालोगांनें आपांनें छुडावो आ कथा ओर दुजोर
सलोमीकवी कथांसूं उं सावतो दीनो वा मोहित
करो।

४१ उंसूं जित्ता लोगां राजीमनसूं उंकी कथा आरे करी
जित्ता लोग डुबोयाउा ओर उंई दिन हजारतीनेक
४२ लोग वांका भेलपो करणा गया। ओर वें हलकारांकें
सिखावणमें वा संगतमें वा बाटोभांगबसूं वा प्रार्थना करब
४३ में रोबीला लौलीन ऊवा। उंवेई सगला आदम्यांउपर भय
पड्यो ओर हलकारांसूं मोकला कांम वा सहलाकरणा गया।
४४ ज्यो परतीत करी वें सगला धीमपिस भेलाउा वें सगली
४५ वस्तमें बरोबर कोठारी ऊवा। ओर आपको कोठार वा
धन बेचर सगलांकें गरजळापिक सगलांनें बिराड करर
४६ दीनो। ओर एक मनऊपर रोजिना देवरामें रेंर वा भूंपा
में बाटोभांजर राजीमन वा एकमनासूं भगवांनको सुतो

Digitized by Google

४७ करता वा सगळांकनें राजीबाजी ऊपर आयकी पुराबको
बख थाई ओर इसा आदम्यांनें भगवांन रोजीना ढाबीका
साथी मिलायो कें जको उबार पास्यां।

३ तीजो पांनो।—उंपरै प्राथंबाकीपुळ अथवा
तोजायोरकीबेळा पितर ओर योहन् एकबसाथे देवरामें
२ गया। माऊकापेटसूं घेडो एक लोगनें उं जागा
उपबर लेगया जीनें देवरामेंआवबवाळांकनें भ्यारी मांगब
बेईं लोगां मंदरकें चोषानांवका बारबामें रोजीना राख्यो।
३ देवरामें जांवबनें त्यार पितर वा योहनने देषर उं आदमी
४ भीष मांगी। तद पितर वा योहन उंकेंकांनी एक
५ टकरर कयो कें म्हांकेंकांनी देष। वांकेंकनासूं कुंछि
६ पासो कै भरोसा करर उंलोग वांकी कबा मांनी। उं
उपर पितर कयो कें म्हारो रूपो सोनो कुंछि नहें लेर
म्हारे जको है सो तनें देउंहुं यिसुखोष्ट नाजरेनका
७ नांवसूं उठ चाल। उं पछै उंको सीवबो हाथ पकड़
डर उं उंनें उपाड्यो उंसूं उंका पग वा गांठां ठीक होर
८ गयो। उंसूं उ दडबडीदेर उभो जवो वा चाल्यो वा
चाबतार वा दडबडी देतार वा भगवांनकी खुती करतार
९ वांकै भेलो देवरामें बड्यो। तद सगळा लोगां उंनें भडबतो
१० वा भगवांनकी खुती करतो देख्यो। ओर वां जांण्यो कें
जको लोग भीष मांगबनें देवराका सुंदर बारबामें बैठो
है उ उई लोग है उंपछै उंको जको जवो उंसूं वे मोकला
११ अचेरो जांण्यो वा हदियावबासूं बोछिग्या। जो घेडोलोग
चोखो करयो गयोहो उं आदमी पितर वा योहन्नें पकड्यो
उंबेळा सगळा लोग चकपुंथा ऊपर सलमनको बरमेदो
नांवको बरमेदाउपर वांकनें भागर आया।
१२ पितर उ देषर लोगांनें कयो कें हे यिसराइलो लोग

Digitized by Google

थे इं कामसूं अचंभो क्यों आंणोगे और आपकी बलसूं
अथवा धर्मसूं म्हे इंनें चलायो जिसो म्हांकेंउपर देखो
१३ तिसो म्हांकेंउपर एक टकसूं क्यों देखोगे। आबरहाम्
वा यिसहाक् वा याकूबका भगवान म्हांकें पितरलोगांकें
भगवान आपकें डावडो यिसुनें महातमो कर्‍योछें कें थे जींनें
पारका हाथमें भलाया और पीलात् जींबेला उंनें छोड
दबको करार कर्‍योछो उंबेला उंनें पीलातनांमो फिटकार्‍यो।
१४ और थे उं धर्मी वा सिद्ध आदमीनें फिटकार कर्‍यो और
१५ मांग्यो कें एक लोग खूनकरबवालो थांकेंकनें दीनो जाय। वा
जींदगीका राजानें मारनांख्यो वें जींनें भगवान मोतसूं उठा
१६ द्यो जीं बातकेबीमें म्हे साखदी भरांछां। और उंका नांव
उपर भरो प्रतीत उंसूं उंका नांव यां आदम्यांनें बलवान
कर्‍याछे कें जींनें थे देखोगे और पिछाणोगे और उंसूं भरो
प्रतीत उं प्रतीत यां सगलांकेंसांमी उंनें आ पूरीआराम
१७ दीनी छें। हबेई अबें हे भाई मं जांणुं कें थे वा थांकें
१८ सरदारां अग्यांनसूं उ कर्‍योछें। और भगवान आप
का सगला निभवियांनें बोलीसूं जका कथा पेलें करीछें
१९ कें खीस्ट मरसी उं इंतरेंसूं पूराकर्‍याछें इंसूं पाश्चा
करो वा दिलमोडो कें थेनकोबेला मद यिजहुकेंकनांसूं
२० आसी और जींबेला उ यिसुखीस्टनें मेलसी कें जींकें प्राय
दामें पेलडा थांकनें डुंडी दीनीछी उंबेला थांका पाप छूटें।
२१ क्योंस भगवान जको पुन्यवंतनिमितियो संसारकें ठेटको
बेलासूं छें वां सगलांकें बोलीसूं सगली बसको जका
फेरकायमकरणको कथा कहीछें वांनेंला मद आसी उं
२२ बेलातोडी सर्गनें उंनें लेणो ठीकछें। मोसय पितरलोगां
कनें कयो कें यिहुदह् थांको भगवान थांका भायांसूं म्हारें
इसो एक नवीनें थांकेंवेई जिनें उपजासी सगली बात
बोलीमें जकार कथा उ थांनें कैसी उं समझो बातबेलीमें

Digitized by Google

२३ उंको कथा सुणसी। जको चावेंसो लोग उं निजियेतिया
की कथा न सुणसी उंनें आयका लोगांकें बिचालासूं मार
२४ नांखसी पडसी। सामूएल् वा दूजा जित्ता निमितिया
२५ कयोडें वां सगला कयोडें वें को दिन कसो। थे निमि
तियांका डावडा छो वा थारा डावडामें संसारका सगला
कुल आसीस पासी आवरहामनें आ कथा केर भगवांन
म्हावें पितरलोगांकेंमेलो जको कोल कयो उं करारका
२६ डावडा पिण थे छो। थांकें मावेंजो आदमीनें उंका पापसूं
मोडबासूं थांनें आसीस देबनें भगवान आयका डावडा
यिसुनें उपाडर पेलडा थांकेंकनें मेल्योछें।

४ चोथो पानो।—वें लोगांकनें कथा कैतार प्रोहित
२ वा देवराका धणी वा सादुकि वांवें लोगांनें सिखावणसूं
वा यिसुसूं फेरउपडबो छडेरो फेरणसूं बिराजी ऊपर
३ वांकें नेंडा आया। ओर वांनें हाथसूं पकडर दूजा
४ दिनतांडी अटक कयो क्योंस उंबेला संझ्या हुई। केर
वां वा कथा सुणीछी वांकें बिचमें मोकला लोगां प्रतीत
करी वां लोगांकें संख्या हजारपांचेक छी।
५ दूजेंदिन वांकें महथंक वा पुरांणा ओर उपाध्याय वा खन्न
बडाप्रोहित वा कायाफा वा योहन् वा आलेक्सांन्द्रु वा
६ बडाप्रोहितांकें कबीलो जित्ता लोग जें सगली यिरुसलम्
७ में भेळा हुवा। उंपछें वांकें बिचमें उभा कराबर वां
पूछ्यो कें थे कीं पोंचसूं अथवा कीं नांवसूं ओ कयोछें।
८ तद पितर धर्मात्मासूं पूरो हुयर वांनें कयो कें हे लोगांका
धणी वा यिसरायलका बोदोडा उं दुबला मांणसऊपर
९ अके चोखाकाम करणछें उं कीतरें चंग पायोछें ई बात
१० थेंलोगांमें अर म्हे आज मनसोबो कयोडा छां तो थें का आंछो
ओर यिसरायलका सगळा लोगपिण जांणें कें नीं बिसुखोष्ट

नाजरेननें थे हलवांबोउपर मारयोछें जींनें भगवांन
मोतसूं उघाड्योछें उंका नांवसूं अथवा उंका उबारासूं
११ ओ आदमी थांकें सांमो ताजो ऊपर उभो छें। थे
सिलवटां निकमो कयोडो भाठो ओ छें कें अबो मूखांको
१२ सिरोंदार ऊ गयो छें दूजा कींसूंई उद्धार नछें क्योंस
सर्गकें नीचें आदम्यांकें बिचाळें जींमें म्हांको उद्धार वे इसो
दूजोकोई नांव दीयेडो नहीं छें।
१३ वां पितर वा योहन्की निडरपन देखर ओर वें अबें
छेठ वा बिरलो लोग छा पिछ समझर अंचेरा वांनें
१४ ओर जाणगया कें वें यिसुकें भेळाछा। उं पछें वांनें
बिचमें उभो उं ताजोकयोडा आदमीनें देखर वें क्युंहि बुरी
१५ कें न सक्या। लेर वांनें पंचायतकें बारणें जावणनें केर वांनें
१६ आपसमें सला करर कयो कें म्हे यां आदम्यांनें कांई करस्यां
क्योंस यिरुसलमवासी सगळांकें सामो चोडेंछें कें वांसू एक वि
ख्यातकांम कयोगयोछें म्हे पिण उंनें पिटकारण सक्यां नहीं।
१७ लेर वां लोगांमें ओर न पसरणवेंई म्हे तासीस देणको आठो
करार करर बरजें कें ईबेळासूं ई नांवसूं किनेंई न कहें।
१८ उंपछें वांन बुलायर वां यिसुका नांवसूं क्युंहि केणनें अथवा
१९ सिखावणनें बरज्यो। लेर पितर ओर योहन उथलो देर
वांनें कयो कें भगवांनकी आग्यासूं थांकी आग्या सुणणी
सगवांनको दृष्टमें ठीकछें अथवा नहीं ओ थे बिचारो।
२० क्योंस म्हे जको देख्योछें वा सुन्योछें उंको न केणो म्हे करसक्यां
२१ नहीं जों आदमीउपर ओ ताजो करणको अचेरोकांम
कयो गयोछो उं आदमीको उमर चाळीस बरसांसूं बत्ती
२२ छो। ई कारण लोगांसूं वांनें तासीस देणवेंई क्युंहि न
लाधर वां वांनें तासीस देर्णनें ओर करार करायर छोडो
क्योंस जको कांम कीनो गयोछो उंसूं सगळालोगां भगवांनकी
महिमा चोडें करी।

Digitized by Google

२३ वें छुटर आपका मिलापी लोगांकेंकनें गया और बडा
प्रोहितां वा बेदोडालोगां वांनें जको कयोछो उ कयो।
२४ वां उ सुणर एकमना हुयर भगवानकनें मोटा सादसूं
कयो कें हे प्रभु तूं भगवान छै कें थीं सर्ग वा धरती वा
२५ दरियाव वा वांमें जिता छै वां सगलांनै उपजाया कें
थीं आपका चेला दाउदकी बोलीसूं आ कथा कही कें
गेती क्यांवेंई बिराजी हुवा वा क्यांवेंई लोगां निकमो
२६ सोच कयो। संसारका राजां उभा हुवा वा मरदार
वां यिहवके वा उंका अभिषेक कयोडाके बेरमें एक मतसो
२७ री हुवा। क्योंक ओ ठीक छै कें थारो धर्मी डावडो
यिशु कें जींनें तें अभिषेक कयोछै उंके बेरमें थारो हाथ
वा थांकी बिसवंता जको होवणहारमाधिक अगाडी था
२८ थम कयो छो उ कांम करवनें हेरोद् वा पन्तियस्पीलात्
और देसका आदमी वा यिसरायलकी लोगां सुधा एक
२९ पांच्या हुवा। अवें हे यिहव वांको तामस देखो और चेन
३० करवनें आपको हाथ पसारवसूं और सुस्थ वा अछेरा
कांम थारो धर्मी डावडो यिशुका नांवका उकराससूं
करवसूं आपकें चाकरांनें बेवसे हुयर कथा केंण दीज्यो।
३१ वें याचना करतार वांकें भ्रथाईकी जागा हिलाईगी और
वें सगला धर्मीआत्मासूं परवारर भगवानकी कथा बेतससूं
बोल्या।
३२ क्यां प्रतीत करी वांको टोलो एकमन वा एक जीव छो
और किसो आपको माया आपको न कही क्योंस सगली
३३ वस्तमें सगला बरोबर हुवा। और हलकारां मोटा
बलसूं प्रभु यिशुकें फेरउपाडणकी साखतो दीनी वा सगलां
३४ उपर मोटी क्रपा हुई। वांको कोई बिखरपिया
नछे क्योंस क्यांकें घरतीमें वा भूंपामें अधिकार छो वां
क बेचर कीमत ल्यायर हलकारांकें पगांकेंकनें रख्यो।

Digitized by Google

३५ उंपछै चावेंजो आदमोंको गरजमाफिक चावेंजो आदमीनें
३६ बिराड करर दीनो गयो। ओर योसेस् कें जींनें
हलकारां बार्णवा करर कयो अथवा समाधतरोको डावडो
३७ कपस्मुलककी एक लेव उं आपकें कोठारकि धरती बेची
वा कीमत ल्यायर हलकारांकें पगांकनें मेली।

५ पांचमो पांनो।—ओर हननीयाह्नांवका एक लोग
आपकी लुगाई सिफिरानें साथ लेर आपको कोठार
२ बेच्यो। ओर आपकी लुगाई जांणतांथकां उंको मोल कुंछि
छिपायर राख्यो उंपछै किमतको कुंछि लायर हलकारां
३ कें पगांकनें मेल्यो। उंसूं पितर कयो कै हे हननी
याह् सेतांनानें कूडो कय देबनें वा धरतीको कुंछि
किमत छिपायोडो राखनें तोडा थारो मन क्यांवीई पर
४ वाखो। उ कोठार जद छो तद कांई उ थारा पोता
को नहो छो ओर बिक्यांपछै उ मोल कांई थारें हाथे
नछो सो क्यांवीई मनमें ओ बिचारयोछै तें आदम्यांनें कूडो
५ कयो न कही ओर भगवांननें। हननीयाह् आ कथा
सुणर पडर जीवदीनो उंसूं जिता लोगां ओ सुण्यो वां
६ सगलांनें मोटो डर हुवो। ओर मोट्यारां उठर
ओर उंनें कपडासूं पलेटर ओर बारनें लेजायर बोरमें
७ गाड्यो। घडीतीनेकपछै उंकी बउ ओ सगलो
८ नजांणर उठै मांय आई। उंनेई पितर उंनें उथलो
दीनो कै मनें कयो थे कांई इत्तीकीमतसूं धरती बेचीछै
९ उं उंसूं कयो कै हां इत्ती कीमतमें। पितर उंसूं
कयो ओ कांई थे प्रिभुकें आत्माकी कीमत करनें
मन मिल्याछै देख ज्यां थारा धणीनें बोरमें गाड्याछै
वांका पग बारणाकें ऊभाछै ओर वें थनेंपिण ले
१० जासी। उंसूं झट उंकें पगांकनें पडर उं जीव

Digitized by Google

होतो ओर मोठ्यारलोगां माय बडर उंनें मरी देखी
११ उंपछे उंनें उठायर उंका धणीकनें गोरमें गाडी। इंसूं
समळी टोळीउपर वा ओर२ जितां लोगां आ खबर
सुणपाई वांमेंउमरांपिण मोकळो भय पड्यो।
१२ हलकारांरा हातसूं लोगांरें बिचमें मोकळा अचंभा वा
अचेरांकाम करया गया वे समळा एक मनमें सलेमनरें
१३ ओसारामें रया। ओर२ लोगांमें किणांरें कोई पांच
वांच करूं कें आंका भेळपो मिल्या केर लोगां उंकी तारीफ
१४ करी। ओर घणाई मोट्यार वा लुगायांरें मोकळा
१५ सरधाळिबोडा प्रभुरें भेळपी करया गया। उंसूं वां
मांदांनें बिछावणा वा खाटांउपर लावर मारगमें राख्या
कें पितर उं मारगमें आतां उंकी छाया वांमें किणी उपर
१६ पड़े। चारांकानीरा नगरांसूं मोटी जमात मांदां
नें ओर भिसटआत्मा लागोडा सांचैलपरा बिचअंबमें
आया उंसूं वें समळा साजा करया गया।
१७ उंपछें बडाप्रोहित वा उंका भेळपीसादुकीमतरा
१८ लोग रीससूं भरीजर उठ्यो ओर हलकारांनें
१९ पकडर कोईर लोगनें नेतासरमें दीना। ओर
रातका बिजळका हलकारा नेतासरकी बारी खोल ओर
२० वांनें बाहर कयो कें थे जावो ओर देवरांमें उभा
ऊभर ई जीवतथकी समळी कथा लोगांनें कांनांमें कहो।
२१ वां वा कथा सुणर प्रभाते देवरामें बडर भणाया उं वेळा
बडोप्रोहित वा वांकेभेळपीलोगां एक ठौड़ा वा थिस
राइलका डावडांरी आगिवाणांनें भेळा बुलायर नेता
२२ सरमें वांनें ल्यावणवेई भेल्या। कोटवाळ आयर वांनें
नेतासरमें न लाधा इंवेई वां फेर आयर आ कयी कें ठीक
२३ दीठो कें म्हे नेतासर चोखीतरें जड्यो देख्यो ओर पोरायतांनें

बारणावें सांमा उभाथिका देख्या लेर बारणो बोलर मांय
२४ कोंकोई ठिकाणो लाधो नही। बडाप्रोहितां वा देवराका
धण्यां वा बडाप्रोहितां आ कथा सुणर मोकळी चिन्ता
२५ करी कें इंको कांई व्हसी। तद एक लोग आयर आ
कथा केंर ठीक दीनी कें देखो ज्यांलोगांनें थे बटखाना वें
२६ देवरामें उभा छें वा लोगांनें भणावें छे। तद लसकरको
सिलेंदार वा कोटवाल गयो वा जोरपसूं वांनें ल्याया
क्यांस वें डरया कें लोग वांकें उपर भाठा बगायर मारसी।
२७ वां वानें ल्यायर पंचायतीमें बेंठाया उं पछें बडाप्रोहितां
२८ वांनें पूछर कयो कें म्हे इंनांवसूं भणावणको कांई थांनें
ठीक बरज्यो नही लेर देखो थे यिरुसलमनें आपको सीखा
वणसूं पूरा करया छे ओर इं आदमीको खून म्हांकें उपर
ल्यावां चावो छो।
२९ तद पितर वा हलकारां उथलो देर कयो कें आदम्यांसूं
३० भगवांननें बतो माननो म्हांनें निर्मे छे। म्हांकें पितरलोगांका
३१ भगवांन यिसुनें उपायो छें कें जीनें थे रूंखउपर टेरर
खून करयो ओर आपकें जीवणोकांनी उंचोमुरातबो देर
यिस्राएलकों मन मोडणो वा पाप छुडाय देवणेंई उनें
३२ राजा वा उद्धारकरणवालो करयो छें म्हे उंकें कांमोका वां
कामका सायदीग ओर धर्मात्माबिण सांबदी छें कें
३३ जींनें भगवान आपका हुकमतांनें दीनो। वें आ कथा
सुणर रीसमें छा ओर वांनें मारनांवणकी सला करी।
३४ तद तौरैतमें चकलवंत ओर सगला लोगांमें मर्यादवाळो
गमालिएल नांव एक लोग फारिसि पंचायतीसूं उपडर
३५ हलकारांनें थोडीबेळा बारणें मेलणनें आग्या दीनी। ओर
उं वांनें कयो कें हे यिस्राएली लोग थां आदम्यावें थे
३६ जको करणां चावो छो उंसूं निचेंतान रो क्योंस इण
कालमेंपछा तुदा नांवको एक लोग आपनें कोई मोटो

Digitized by Google

आदमी कैंर उपाओ उंकैंकांनी सोपारेक आदमी मिल्या
उ मारो गयो वा उंनें परतीतकरवकाला जिता लोग
२७ सगला विघरया परा। वा वें बांमजाईक जगया। उं
आदमीकें पछें ओल्यो करवकीबेला गाळिलिको यिहूदाह
उपयो ओर आपांकांनी मोकला लोगांनें तांण्या उ
पिण मारयो गयो ओर जिता लोगां उंनें मांन्यो वें सगला
२८ विघरग्या। अबें हुं थांनें कउंहुं कें यां आदम्यांनें
रें वादीज्यो ओर वांनें कांई मति करयो क्योंस आ सला
२९ वा ओकांम अर आदमीसुं व्हें तो मिट जासी और
अर भगवानसुं व्हें तो थे वें जीव न सकयो क्याजांगा
भगवानसेती राडकरवावालांमें उघिहारें छे दिख्यात
३० हो। उंकी कथा वांकें मनमें लागी उंपछें हलकारां
नें बुलायर ओर मारपरा यिसुका नांवसूं न कैवसु आग्या
दीनी वा वांनें छोड्या।
४१ उंपछें वें अके उंका नांवबेई बाजांमरवलायक व्हा इंसूं
आनन्दकयर वां पंचायतीकें सामांसूं गया। ओर
४२ देवरामें वा भूपर वां रोजिना भणावयो वा यिसु खीष्टकें
फायदामें ढंढेरो देयो छोड्यो नही।

६ छठो पानो।—उंबेळा चेला मोटा बेरसूं एपियांबें
२ भेली योवांकी चवपक जई क्योंस रोजिना दांनवांबेका
वांको राडकी गोर न करी। उंपेई बारें चेलांकें टोळी
नें बुलायर कयो कें आ ठीक नही कें म्हे भगवानकी कथा
३ छोडर बाजोटको काम करां। इंबेई हे भायां सुखां
री वा पुन्यात्मामें वा ग्यांनमें पूरा सात आदम्यांनें आपां
सूं सरायर वेवो कें ज्यांनें म्हे इं कांममें निर्वे कर सकां।
४ लेर म्हे याचना वा कथा ढंढेरो फेरवको चाकरीमें रोजी
५ ना निर्वे रेंयां। आ कथा सगळांकी राजीदेंखवाळो

Digitized by Google

वाळे उंपछें धर्मात्मा वा भगतसूं पूरो स्तिफानस् नांवको
एक लोग ओर फिलिप् वा प्रकोरस् ओर निकानर वा
टिमोन ओर पारमेनास् वा निकलास्-नांवको अन्तिओक्
५ वा एक प्रतीतकरवावाळो यांनें वां छांट्या। ओर
हलकारांकवें स्थायर वां प्रार्थना करर वांकें उपर हाथ
६ दीना। वा भगवांनकी कथा पसरी ओर यिरूसलम्
७ में चेलांको सुमार मोकळो वध्यो ओर मोकळा याजकां प्रतीत
वीं रीत मानली लीनी।
८ ओर स्तिफानस् प्रतीत ओर बलसूं पूरो जयर लोगां
९ में मोटा मोटा लच्छण वा अचंभा कांम कर्‍या। उं कारण
लिबरतीन् वा किरनीका वा आलेक्सांद्रियावें वा किलि
कियावें वा आसियावें सिनगगका कितनाक लोगां उठर
१० स्तिफानस् भेळो बदलोबदली करी। ओर वीं ग्यांन
११ ओर प्रभावसूं उं कयो उ अटकावस न सक्यां वां कितनाक
लोगांनें फायदो देखायर तबब करी वां लोगां कयो कें
मोसय वा भगवांनवें बरुमें उळंठाईकी कथा उंनें केतो
१२ म्हे सुण्यो। ओर वां लोगांको वा पादोशांको वा उपा
ध्यायांकीर मन सोळाया ओर उंकेंकनें आयर उंनें पकड़्यो
१३ ओर पंचायतमें ल्याया। ओर कुडा साखदारियां उभा
करया कें क्यां कयो आ मिनख आगाकें वा नेमकें बैरमें
१४ ओ आदमी उळंठपणाकी कथा केबनें छोडें नही क्योंक उंनी
आ कथा म्हे सुणीछे कें ओ यिसु नासरेन ई जागाको नास
करसी वा अबे रीत मोसय् म्हांनें दीनीछे वां सगळां
१५ को बदलो करसी। उंवेळा अबे सगळा लोग पांचायत
वा उंकेउपर एक टकसूं देखर उंको मुंडो हलकारां
का मुंडासरीसो देख्यो।

७ सातमो पांनो।—तब बडोडायोक्रितां कयो कें ओ

२ झगड़ो कांई हवीढें। उंउपर उ कयो के हे आदमी
वा भाईयां वा बाभा सुणो म्हांकें वडेरो आबरहामकें मेस
पोतामियामें रेंवणीवेला उंकें हारानमें रेंणकें पेलड़ा तेज
३ मई भगवान उंकें दिखाली दिनो वा कयो के तूं आपको
देस वा कबीलानें छोडर अबो देस जो तनें देखालसुं उं
४ देसमें आ। तद उ कालदीदेस छोडर हारानमें
रयो तद उंको बाभो मर्‍यांपुठें वा आगा छोडर ई देसमें
५ आयो के थेमें थे अबें रो छो। उं उंकें विचावें कुछि
अधिकार उंनें दीनो नहो एक पांवडो धरबोपिण नही
ओर करार कयो के अधिकारवेई उंनें उ देसी ओर उंको
कोई डावड़ो नरेंयोपिण के उंकेंपछे उंका डावडानें देसी।
६ भगवान ओपिण कयो के उंका डावडा दूजादेसमें रेंसी
ओर के उंनें वे लोग बांबें गोलो करसी वा च्यारसें वरसां
७ तांई दुख देसी। भगवान ओरपिण कयो के उंकेंपछे
जी देसका आदमोका गोलांचाकरोमें वे रेंसी वांगोतानें
मं तोसोस देसी उंपछे वे बारबें आयर ई आगामें म्हारी
८ चाकरी करसी। उ सुनतकोपिण करारब उंनें दीनो
उंपछे आबरहांमें इसहाकनें जनम दीयो वा आठमें दिन
उंकी सुनत करी उंपछे इसहाक याकुबनें जनमायो ओर
९ याकुब बारें पीढ़ोमें जनम दीनो। पितरलोगां अस
केबसूं मेख्या होयर युसफनें मिसरमें जांवकलांकनें वेंचो
१० ओर भगवान उंको भेलायो जको। ओर उंका सगला
दुखसूं उंनें छोडाय दीनें ओर मिसरको पातसा फरौणका
हुकें सामी उंनें कपा वा अकल दीनी उं कारण उं मि
सर देसका वा आपका मुंपाको केरोवारस उंनें निमें
११ कयो। उंपछे मिसर वा कनआनका सगला देसमें
मुंगाई वा मोटो पेंच जाई उं कारण म्हांकें पितरां पांणको
१२ मल लाधो नहो। ओर मिसरमें नाज छे याकुब आ

Digitized by Google

१३ सुधर पैलडा म्हांकें पितरांनें मेल्या उंपछें दूजीविला युसफ्
आपका भायांकनें ओलखीज्यो ओर युसफ्का कबीला
१४ लोग फरोआह्केंकनें ओलखायागया। उंपछें युसफ् आ
दमी मेलर आपका बाभा याअकुब्नें वा उंका सगला
१५ गोती पिचंतर लोगानें आपकें नेंडा बुलाया। तद
याअकुब् मिसरमें गयो ओर उ वा म्हांका पितरां उठें
१६ मरया। उंपछें वें शेकेम्में उथण्या गया ओर जका घोर
शेकेम्को बाभो खमोरका डावडांकेंकनांसूं आबरहांम
१७ कीमतदेर मोल लीनीछी उं घोरमें साथ्यां गया। लेर
आबरहांम्कनें भगवांन सुंसकाछर जको करार कर्यो
१८ छो उ करार पूरो करणकीबेला जद नेंडी आई तद ओर
दूजो एकपातस्या मिसरमें उठ्यो कें जीं युसफ्नें न ओलख्यो
१९ उंकें आवणतोडी लोग मोकला होणलागा। उ म्हांकें
कबीलाउपर कुटलता करी वा मोठो बजराव म्हांकें
पितरांउपर करो उंसुं वां आपका डावडांनें काढदाना
२० कें वें न उबरें। उंबेला मोसह् उपज्यो वा मोकलो
रुपालो छो ओर आपका बाभाका भूंपामें तीन महीना
२१ लेडो पल्योछो। उंपछें बारनें जगायां गयां पछें फरो
आह्की डावडी उंनें ल्यायर आपको डावडो करर पाल्यो।
२२ ओर मिसरी लोगांको जका सगली बिद्या उंमें ग्यानो वा
२३ बोलि वा व्यवहारमें मोसह् निपुन जवो छो। उंपछें
उंकी वयस चालीस बरसांको जवां पछें उ आपका भाई
यिस्रराएली डावडांनें देखणवेई आंखको उंकें मनमें आई।
२४ तद वांकें एक लोगनें तोसित पायोडो देखर उं उंको
उपगार कर्यो ओर उ तोसित पायोडा आदमीकेकानों
२५ जयर उ मिसरांनें मारनांख्यो क्योंक उ मनमें ल्यायो
कें उंका भाई को समभासी कें भगवांन उंके हाथ
२६ सूं वांनें छुडासी लेर वें वा समज्या नहीं। दूजेंदिन

Digitized by Google

बांकें कजियाकीबेळा उ उभी ऊपर वांनें मिलाय दोयां
पायर बोल्यो कें हे आदमी थे भाईछो कजियो आपसमें क्यों
२७ करोछो। जेर जीं आदमी आपका पाडोसीऊपर कजोयो
कयो उं झोग मोजहनें गेलोदेर कयो. कें म्हांको धणी वा
२८ ध्यांत करबवाळो कीं थनें तिन्नें कयो छे जियो काल मिस
२९ रीनें मारनांख्यो तिसो कांई मनें मून करणो चावेछे। तब
मोजह वा कथा सुणर दोड्या ओर मिदियांन् देसमें पंथी
३० ऊपर रयो ओर उं आगा उं दोय डावडा उपजाया। उं
पछे चाळीस बरस गयांपछे सोनी परबतका ओडमें
भूंडकें बिचाळें बादरेकी आगमें रयो वा भगवांनका हल
३१ कारो उंकेंकनें चोडें ऊवो। मोजह वा देखर उं देखा
तासुं बिसमय ऊवो ओर देखणबेई नेंडो आयो प्रिभुएको
३२ बो। केंणवाळो साद उंबेळा उंकेंकनें चोडें ऊवो कें ऊं
थांकें पितरांको भगवांन अथवा आबरहामको भगवांन वा
थिसाककी भगवांन वा याकुबको भगवांन उंबेई मोजह
३३ धुज्यो वा देखणमें बोहो। तद प्रिभुह उंनें कयो कें थारा
पगकी पगरखी खोल क्योंके जीं जागा तूं उभो छे वा धर
३४ ती सुधछे। में देख्योछे में मिसरमें रेणवाळा आपका
लोगांको कसट देख्योछे ओर वांकी हाक में सुणीछे ओर
वांनें छोडणनें उतर्यो इंबेई आवो अबें ऊं तनें मिसरमें
३५ मेलसुं। वां जीं मोजहनें निकमो जांणर कयो कें
तनें धणी ओर ध्यांतकरणवाळो कीं करयोछे भगवांनकें जीं
हलकारें उंनें भूंडमें दिखालो दीनो उं हलकाराकी बांह
सूं उंई मोजहनें धणी वा छोडणवाळो होणबेई मेल्यो।
३६ ओर मिसर देसमें वा अरबका दरियावमें वा ओडमें
चाळीस बरसतांई अछेराकांम वा लखण करवा वां
३७ लोगांनें उं बारणें काढ्या। को उ मोजह छें कें
जीं यिस्रायेलका डावडांनें कयो कें प्रिभुह थांको भगवांन

Digitized by Google

म्हारो इसो एक लोग मिमितियांनें थांनें भायांसूं थांके
३८ बेई उपजासी उंकी कथा सुणो। जी हलकारें सीनी
परबतउपर उंकें भेली कथा कही उ हलकारांकें भेला
भीडकें उंडामें जको रयो और म्हांकें पितरांकें भेलो पिण
ो। या जीं म्हांनें देंबबेई उ जीवतथकत कथा लाधी उ
३९ यो ो। जीनें म्हांकें बडेरांवि मांन्यो चयो नही लेर
आपनेंकनासूं उंनें थकायो वा मनोमन मिसरमें फेर गयो।
४० वा आहरयूनें कयो कें म्हांकेंबेई ठाकुरांनें बणाय कें जको
म्हांकें अगाडीर जाव क्योंस जो मोजह् म्हांनें मिसरसूं
४१ लियायो ो उंनें कांई हुवो जा नै कु जांणांगा। उं
बेळा वां एक मतोल बणायो और उं सवीकनें उपसर्ग
कयो और आपका हाथका कयोडाकांमाउपर राजी
४२ करी। उंबेळा भगवान मुड्यो और आकासकें लसकर
नें पूजाकरबबेई वांनें ोड दीना जियो निमितियां
की पोथीमें लिख्योो कें हे यिसराएलका कुळ थे चालीस
बरसांतोडी बरगी वा होम जोडमें म्हारेंकनें दीनोो
४३ सही। लेर थे मूजाकरबबेई जका सबी करी जो जको
देम उंको डेरो वा थांका ठाकुर रेफानका तारापिण थे
४४ लीनांो और उं थांनें बाबेलकें उंकांनी लेजासूं। साखकी
डेरा म्हांकें पितरांकनें जोडमें ो मोजह् उंनें केर जिसी
४५ भगवान आग्या करीोी कें उं जका बांनगो दिखाई
ो उंईतरें उं डेरा करसी जीं डेराकें पिगाडीआवबा
वाळा म्हांकेंपितरां यहोसुआकें भेळा दूजा देसवाल्यांका
केठारमें ल्याया कें ज्यांनें भगवान दाउदकीबेळातोडी
४६ म्हांकें पितरांकें सामासूं काढदीना कें जीं याकुब्
कें भगवानकें सांमी दया लाधी अ उंकेंबेई डेराकी
४७ एक जागा करणी चायो लेर मुलेमन उंको एक देवरो
४८ कीयो। लेर हाथका बणायोडादेवरांमें महाजंय

४९ रैंछै नही मिमिरिवें कोसी काईंछै कें पिउव कैंछै सां म्हारो
मधत वा धरती म्हारो पगमंडो छै थे काईं देवरो म्हारें वैई
५० उपाडसो वा कुण म्हारो चैनको जामाछै म्हारें हाथ कं ई ओर
५१ सगलो कयो नछै। हे थे डापो ओर मनमे वा कुळमें बिगर
सुनत थे रोगीना धर्मात्माका वैर करोछो जिसा थांकें
५२ प्रितरां कयो तिसो थे करोछो। थांकें पितरां निमितियां कें
विचमें कोयो लोगको दुसमणी नही करी ओर वांनैंपिण
मार नांख्याछै कें थ्यां उं हुछियांको आवणो पैलडा जणांयो
वांकेंउपर हाथ भगावणवाला वा हत्या करणवाला थे अबें
५३ बणाछो। पांचवीपांत उभाजवा अकें हवकारां वांसूं थे
नौरेत वाथाछै लेर उंनें मान्यो नही।
५४ वे आ सुणर मनमें बेध्योडा हवा ओर वांकें उपर बतीसी
५५ पीसवा लागा। पेर उं धर्मात्मासूं परवारर समंदामी
ठीक हष्ट करर आर भगवांनको तेज वा भगवांनकें जीवणा
५६ उभो यिसुनैंपिण देखर कयो कें देखो हूं खुल्योडो सरगं
वा भगवानकें जोवणेउभोछै मनें आदमीको डावडो उंनें
५७ पिण देखुं। उंसूं वां मोटासूं हेला करर कानभींच
५८ लीना वा हवमना ऊपर उंकेंउपर दोडा। ओर
नगरसूं उंनें काढर भाठा बगायर मारयो ओर साखधां
हव मोव्यार आदमीका पगांकनें गाभो राख्या कें जीका
५९ नांव साउलछै। उंपछै हे प्रभु यिसु म्हारी आत्मानैं ले
या यरचनाकरता था वेंता वां स्तिफानसनें भाठा बगायर
६० मारयो। ओर उं गुडांक्यां ऊपर मोटा सादसूं कयो कें
हे प्रभु ये पाप वांकें उपर गिणज्यो मती ओर आ केंर
व निंदमें पड्यो उंवेला साउल उंकें खूनको यारो करी।

८ आठमो पाँमो।—उं दिन यिरूसलमकें टोलीउपर

मोटो दुःमणो करई उंसूं हलकारां बिगर यिऊदाह वा
२ समरोण देशमें सारा बिथरबिथर ऊवा। लेर छुठिया
लोगां स्तिफानसनें घेर देवनें लेगया वा उंकेंवेई भोकळा
३ रोया। लेर शाउल भूपडेंर जायर कोर मोट्यार
वा लुगाई बळकरर झटककरर टांबोको बडो माम
४ कयो। लेर अबे बिथरबिथर ऊवाळा वें कथा छंछेरा
फेरवार सगळी जागा भटक्या।
५ उंबेळा फिलिप् समरोण नगरमें जायर वांकें सामो
६ खीष्टको छंछेरो फेयो। उंसूं अबे अछेरा कांम उं करता
लोगां वें काम देवर वा कथा सुणर एकमनमें फिलिप्
७ की कथा मांनी। कबीस मोकळा भूत लागोडां तूं भिष्ट
आत्मा घोसती मारर बारसें कढ्या कोर मोकळा लूला
८ वा बोडालोग ताजा कयो गया उंसूं उं नगरमें मोकळो
९ आनंद ऊवो। लेर शीमोन् नांवको एक लोग उठेंजे वें
जीं पैलडा उं नगरमें डाकणको काम कयो ने वा आपनें
१० कोई मोटो पुरुष केंर समरोनका लोगांनें भुलायोने। को
आदमी ईश्वरको मोटो पोंच आ कथा केंर नांना वा मोटा
११ सगळा लोगां उंनें मांन्यो वा उंनें मांन्यो कबीस मोकळा दिन
१२ सूं उं आपकी डाकणका रामतसुं वांको मनमोयोने। लेर
भगवांनको राज कोर यिशु खीष्टका नांवका बासबेळोमें
फिलिप् जद कथा छंछेरा फेयो तद वां उंकी उंकथाउपर
१३ प्रतोत करर मोट्यार वा लुगायां डुबो दिराई गई। तद
शोमोन आपपिण प्रतोत करी कोर डुबो दिरावेडो
ऊयर फिलिप्केंकनें रयो कोर अबे अछेरा कांम वा बडाख
चोडें करणमयो वें सगळा देवर अचंभो जांण्यो।
१४ समरोणियां भगवांनकी कथा लोनोने यिरोशलम्की
रेंबवाळा हलकारां वा ठोक सायर पितर वा योहननें

१५ वांकनें भेज्यो' वां उठें पोंपर याचना करी कें वें लोग
१६ धर्म्मात्मानें लावें। क्योंस वठातोंडी वांकें कोयी
लोग उपर उ पड्योानही थाली वें प्रभु यिसुका नांवसूं
१७ डुबीदिरायोडो ग। तद वांकें उपर वां हाथ दीनो
१८ ओर वां धर्म्मात्मा लाधो। जद शीमान् देखो कें हल
कारांका हाथ देवसूं धर्म्मात्मा दीनो गयो तद वांकेंकनें
१९ रुपीया ल्याया वा कयो कें आपोंप मनें यो कें म्हारें
जीं किणी आदमीउपर हाथ देवसूं उ लोग धर्म्मात्मा
२० लाधे। लेर पितर उंसूं कयो कें थारेंभेला थारा
रुपीय'वो सेंनधोज जावें क्योंस तें जाण्योग कें भगवानकी
२१ दीनोडी बख्स रुपयांसूं मोल लिजाय सकें। इं काय
दामें थारो बोठार नग पांतीपिण नधी क्योंस भगवानकें
२२ सामो थारो मन सूधा नगें। इंवेई थारा उं पाप
सूं चूका कर ओर भगवानकनें याचना कर कें थारा
२३ मनका चिन्ता माफि किंयितरेंसूं जयसकें क्योंस अं
जांणुं पांवुं कें तूं पित्ताकें पाड़ामें वा अयथार्थका
२४ बंधणामें गें। तद शीमान् उथलो देर कयो कें थे
म्हारेंवेई प्रभुकनें याचना करो कें थंकें आ कथा कांई
२५ म्हारें उपर नपडें। उंपगें वां आप साखदी देर ओर
भगवानकें कथा ढंढेरो फेरर यिरोसलम्में फेंर गया वा
असरोयि यांकें मोकला गांवमें मंगलीककथाका ढंढेरो
दीनो।

२६ प्रभुकें एक हलकारें फिलिप्नें कयो कें तूं उठ अको
मारग यिरुसलम्में अजानें जायगें उं ओडघा मारगसूं
२७ दखणाउ जा। उं कारया उ उपडर गयो ओर देख्यो कुस्
देसका कांडाकीनाव रांणीको मोकलीमोटी ओधायत रांखणा
वालो वा उंकें सगला मालाको धणी एकलोग कुसकें नाजेर
२८ भजन करणवेई यिरुसलम्में जायर मुडआतोग। ओर

बैंलउपर ढिफर यिसाईयाह् निमितियाकें कथा भखतो
२९ छे। तद परमात्मा फिलिपबें कयो कें तूं नेंडो जायर
३० उं रथ भेलो मिल। हवेर फिलिप् उंकनें दाड्यो ओर उ
यिसाईयाह् निमितियाकें कथावें पोथी भखेछें ओर कयो
३१ कें तूं भको भखेंछें उ काई समझें छें। उं कयो कें क्यों मवें
भखायाबिगर ऊं कींतरें समझय सकसुं तद उं फिलिपनें
३२ कयो कें उ बैंलउपर चढर उंकें भेला बैंठें। पोथीको जको
ठारह उ भखतो छो उ यो छो कें उ खुब होयाबेई गाडरा
सरीबो लियायोडो छो ओर सिरयोकें सांमो जिस्यो माड
३३ राको बच्या अबोल लिछो उं मुंडो यो ल्यो नहो। उंकें
गरीबपणांकी बेला उंको न्यिाव अपहरयो गयो ओर उंकें
कुलावली कुण कैसो क्योंक उंको आयुबो धरतीसुं लूंटिज्यो
३४ छे। ओर उंपछें उं नाजेर फिलिपनें उथलो देर कयो
कें ऊं विनति करूंछुं निमितियें या कथा कींकें फायदामें
कहेंछें आपका फायदामें अथवा ओर कोई लोगकें फाय
३५ दामें आ मनें कैंदे। तद फिलिप् मुंडो खोल्यो ओर उं
लावाबसुं मांडर यिशुकी बासबेणीमें ठीक उंकनें कंहेरो
३६ दीनो। वें जातांर पांणीकी एक जागा पोंता तद
नाजर कयो कें देख ई जागा पांणीछें मनें डुबो दिरायोडो
३७ होणकी कांई अटकायोछें फिलिप् कयो कें जद तूं आप
का सगला मनसुं प्रतीत करें वो होय सकसो उं उथलो
देर कयो कें ऊं प्रतीत करूंछुं कें यिशुखीष्ट भगवांनको
३८ डावडो छें। तद बैंल उभीराखवाकी उं आग्या दीनो ओर
फिलिप् वा नाजर वें दोनुं जाव पांणीमें उतरियापछें
३९ उं उंनें डुबोदिराई। वें पांणीसुं उपर आयांपछें
यिहवकी आत्मानें फिलिपनें तांणर लेगयो ओर नाजर
उंनें फेरदेखनें नपायो उं उंपछें राजीमनसुं चाल्यो
४० गयो। लेर फिलिप् आश्दोदमें लाध्यो गयो ओर उं

Digitized by Google

आगासूं आसार काईसारियामें पोंचवातांई मंगलीच
बातां सगळें नगरांमें ढंढेरो फेरो।

९ नवमो पांनो।—शाऊल् तदतांई प्रभुकें चेलांकें
बेरमें धमकियां वा मारनांबाको दम गेडतार बडापुरोहि
2 तकनें गया। और दमासेक्कें सारें सिनागगां
ऊपर चठी मांगी कें ई प्रभुका मेंरगवार अथवा लुगाई
कोई बी मीगळे नर नारी तो वांनें जकडर यिरोसलम्में
3 ल्यावे। तदे उ आयर दमाअेककेंनेंडा पोंचा और वगेसूं
4 अचानक उंकें चारांकांनी चांनणो छनो। उंसूं उ धरती
ऊपर पडर एक साद सुणी कें जको उनें बोल्या कें शाऊल्
5 हे शाऊल् क्यांवेई मनें ताडना करेछे। उ कयो कें हे प्रभु
तूं कुणछे उंसूं प्रभु कयो कें जं यिसु कें जीनें तूं ताडना
करेछे भींटिरांउपर लातमारणी थारे बडो करडो कांम।
6 तद उ कांप्यो वा अचंभा आयर बोल्यो कें हे प्रभु थारी
काई आग्या छें जं काई करूं प्रभु उनें कयो उठ नगरमें जा
उंमछें मका तनें करणो पडसी उ थारेनेंडो कयो जासी।
7 उंकें भेळाधी लोगां वा साद सुणर पेर किनेंई न देखर थक
8 गया ऊभारया तद शाऊल् धरतीउपरसूं उठ्यो
वा उंकी आंख्यां खुल्यांपछें कीनेंई देखबा नपायो और वां
9 उंको हाथ पकडर दमाअेक्में ल्याया। उ उंमछें
तीन दिनतांई आंधो ऊपर रयो और कांईवि न खायो
10 वा न पीयो। दमाअेक्में एक लोग चेलोछो उंको
नांव अननीयाह् और प्रभु एक दिखावामें उनें कयो कें
11 हे अननीयाह् उ कयो कें हे प्रभु जं ओ देख। प्रभु उंसूं
कयो कें तूं उठर चावरी नांव मारगमें जा और यिहूदाह्
का भूंपामें तारसेंगर्के शाऊल्की खबर पूछ क्यों देख उ
12 प्रार्थना करेछे। और एक दिखावामें अननीयाह् नांवका

Digitized by Google

एक लोगनें भूंपामें आयर उंकी दृष्ट पावणवेई हाथ उंवें
१३ उपर राषतो देख्योछे तद अननीयाह उथलो दीनो कें हे
प्रभु मोकला लोगांको बातीमें जं उ आदमीका फायदामें
सुण्योछे कें उं थारा पुन्यवंत लोगांनें कितो हिंसा कस्योछे कें
१४ अबे यिरोशलम्में रेंछे ओर अठेंपिण जकें थारा नांवसूं
याचना करेंछे वानें बांधणनें बडाप्रोहितांसूं उं पोंच लायो
१५ छें। लेर प्रभु उंसूं कयो कें तूं जा क्योंके पारका देसका
आदम्यांकें वा राजोंकें वा यिसराएल्कें डावडाकनें म्हा
रो नांव उचणवेई उ म्हारो एक समाषातिरवालो लोगछे
१६ क्योंके म्हारा नांवबेई उ कितो कष्ट पासी ष्या जं उंनें
१७ देषावसुं। इंबेई अननीयाह् आयर उं भूंपामें बड्यो
वा उंकें उपर हाथ मेलर बोल्यो कें हे भाई शाउल् प्रभु
यिसु कें जो थारें आवणकीवेला मारगमें तनें देषालो दीनो
उं थारो मंगलिकपालो पावणनें वा धर्म्मात्मा में भर्योडो
१८ होवणवेई थारेंकनें मनें मेल्योछे। ओर उंहीवेला उंकी
आंख्यांसूं मछोकें छिलक्यासरीषा कितीक पड्या वा उं
१९ बेगो देषणो पाई ओर उपडर डुबीदिराई गई। उं
पछें कुंछि षायर बलवापणो शाउल् दमासेक्में चेलां
२० भेलो कितीक दिन रयो। ओर तदी सिनगागमें उं यीसु
का षासषेवोमें ढंढेरो फेर्यो कें उ भगवानको डावडो छें।
२१ ओर सगला लोगां उंको कथा सुणर अचंभो जाण्यो वा कयो
कें क्यों आदम्यां उंका नांवसूं याचना करी वांनें क्यों
आदम्यां यिरोशलम्में नास कर्यो ओर बडाप्रोहितां
कनें वांनें बांधर लेजावणनें अठेंपिण आयो ओ कांई छई
२२ लोग बठे। लेर उ अधिको ठीक बोल्यो ओ साबतो देता
शाउल् पेंदरपै साहसिक ऊपर दमासेक्में रेणवाला यिहु
२३ दांनें लाजवान कस्यो। मोकला दिन जयांपछें यिहु
२४ दां उनें खून करणको सला करी लेर वांको सला

साउलकनें गुदरायो ओर वां उंनें खून करणकी रातर
२५ दिन बारणें पोरो दीनो। लेर चेला रातनें ओडीमें
२६ टिकायर भींत उपरसूं उंनें लेर उतारयो। उं पछे
साउल यिरोसलम्में पोंतर चेलांभेलो मिलण लागो
लेर सगला उंसूं डरया ओर प्रतीत करी नहीं कें उ चेलो
२७ छे। लेर बारणबा उंनें लेर हलकारांकनें ल्यायो ओर वांनें
बतायो कें मारगमें उं प्रभुनें देख्यो छे ओर कें उं उंनें कथा
कहीछी ओर उं निडर व्हयर दमास्केकमें हिम्मतसूं यिसुका
२८ नांवसूं ढंढेरो फेरोछो। ओर साउल वांकें भेलो
२९ यिरूसलम्में आयोजायो करतो रयो। ओर उं प्रभुयिसु
का नांवसूं निडरसूं कथाथी कही ओर यीक् लोगांभेलो
अदलीबदली करी लेर वां उंनें मारनांखणकी खोंत
३० करी। भायां वा जांणर उंनें कासरियामें लेगया
उंपछे उंनें तारसस्में भेज्यो तद यिहूदाह् देसकें वा गालि
३१ लिकें वा समरोनकी ठाणीमें चेन छे। ओर बधीयाई
ओर प्रभुकें डरसपणीमें भयसूं वा धर्मात्मासूं पातरीमें
रीत करर बध्या।

३२ पितर वां सगला देसमें जातांर सदाकें रेंणवाला साधु
३३ लोगांकें नेंडो पोंतो। ओर आईनेयस् नांवकें एक
लोगनें उं आगा देख्यो कें जको पांडो व्हयर आठबरस
३४ बिछराउपर पड्योछो। तद पितर उंनें कयो कें हे
आईनेयस्यिसु खीष्ट तनें आराम करेंछे उठ आपका
३५ बिछरा पाथरा कर उंसूं उ उईवेला उठ्यो। ओर
लुदा वा सारोणका सगलाबसिवान उंनें देखर प्रभुकांनी
फिरया।

३६ जाफामें एक रंड चेलीछी कें जींको नांव ताबिता अथवा
दर्कास् वा लुगाई आपका करयोडा चोखाकामसूं वा दानसूं
३७ परवारी छी। उंवेला वा मांदी व्हयर मरी ओर उंनें

Digitized by Google

३७ वी धंमाहर उपरली एक मेंडीमें राखी। बादा जाफा
कं नेड़ोछे उंनेई चेला पितरकं उठेंरेवाकी खबर सावर
उंनें बेगो आवणेकनें खांवनें केवबेई दोय जणांनें मेल्यो।
३९ तद पितर उपडर वांकें भेलो गयो उ पोंतांपछें वें उंनें
उंकी उपरली मेंडीमें लेगया ओर सगळी रंडा उंकें नेडो
रोवांर वा दर्कास् आपकें जीवताथकां जका कागो वा गाभा
४० बणायाछा वें गाभा दिखातार उभी जई। ओर पितर
वां सगळांनें काढदेर दोनुं गुडोलिया अयर याचना
करी उंपछें मुडदा डोकडांनी मुडर कयो कें हे ताबिता
उपड तद उं रंड आंख्या खोली ओर पितरबें देखर
४१ बैठी। तद उ हाथसूं पकडर उंनें उभो करी उं
पछें सवेगीयांनें वा रंडांनें बुलावर उंनें जिवती दीवी।
४२ ईं कामकी खबर जाफाकी सगळी जागामें गई उं कारण
४३ मोकळा लोगां प्रभुउपर प्रतीत करी। उंपछें जाफामें
सीमोन् मोचीका घरमें उ मोकळा दिन रयो।

१० दसमो पानो।—काईसारियामें एक लोग छो कें
जींको नांव कर्नेलियस् उ इतालीका फोजका नांवसूं
२ बिख्यात फोजको। एकसो डिडवाळ्याको धणी जवो। उ
लोग धर्मी वा कबिला सुधो भगवांनसूं डरतोछो ओर
लोगांनें मोकळा दांन करतोछो वा भगवांनकनें रोजीना
३ याचना करतोछो। उं लोग तीजायोरा दिनका एक
पेराळामें ठीक देख्यो कें भगवांनकें एक हलकारें कडर
४ उंकेंकनें आयर कयो कें हे कर्नेलियस्। उ उंकेंउपर
देखर डर्यो वा बोल्यो कें हे प्रभु यो कांईछें उ हलकारें
उंसूं कयो कें थारी याचना वा थारो दांन भगवांनकनें
५ चितारणबेई आयोछें। ईंबेई जाफामें चवें आदम्यांनें
६ मेलर सीमोन्नें मंगाय कें जींको नांव पितरछें। उ सीमोन्

Digitized by Google

मोची एक लोगका भूंपामें रें हे कें जीको भूंपो दरिया
७ वर्ष किराडैं हे तबें अबो करयो हे उ तनें कैसो। जीं
प्रचकारें कर्नेलियस्नें कयो हो उ गयां पछे कर्नेलियस्
भूंपाका दोय चकरांनें वा अबें उंकी चाकरो रोबोवा
करताहा वांमें एक लोग धर्मी डीडवाछांनें बुलायो
८ ओर वें सगली कथा केंर वांनें जाफामें मेल्यो।
९ दूजें दिन वें जातां२ नगरकें नेंडा आया उं वेला दोय
पोरवेला पितर पायना करबनें भूंपाकी हातउपर
१० गयो तद उ भोकलो भूखो ऊपर कुछि खायां चायो ओर वें
११ रसोइ करराहा उं बिचालें उ आंधाकि ऊपर पडयो। ओर
सरगको बारणो खुल्यो देख्यो जीर मोटोचादरसरिखी
च्यारां खुणांमें जोडी जड़ एक चीज उंकें नेंडी उतरतीर
१२ धरतीमें उतरी देखी कें जींमें संसारका सगली तरेंका
चौपद वा जंगली जिनावर वा उरग वा अधरका
१३ पंषीहा। उंपछे एक साद उंकें नेंडो चोडें ऊबो कें हे
१४ पितर उपड मारो खाव ओर पितर कयो कें हे प्रभु
इसडो नहो क्योंक कोइ सामान्य वस्तु अथवा भोष्ट
१५ वस्तु मेरे कदे खाई नहो। दूजीवेला उ साद उंकेंकनें
कयो कें भगवांन जके निर्मल कयोहें उंनें सामान्य मतो कें
१६ ओ। यो काम तीनवार ऊवो उंपछें वा चादर फेर
१७ सर्गमें लीबी गई। उं दिखालाकी तंत कांई पितर
मनमे पो विचार करतोर देखो अके लोग कर्नेलियस्सुं
मेल्योडाहा वां सीमोन्की भूंपो वछें चो पूछियो वा बारणा
१८ कें सांमो उभो ऊपर बुलायर पूछ्यो कें सीमोन् पठेंरेंहे
१९ कें जींको नाम पितर हे। पितर उं देखालाको बात
बिचोमें चिन्ता करेंहे उं वेला परमात्मा उंनें कयो कें देख
२० तीन लोग तनें सोझेहें। इंवेई उठ उतर वा कोई सन्देह

२१ न करर वांकें भेलो जा क्योस में वानें मेल्याछे। तद
कर्णेलियसके मेंडासूं अबे आदमी उंकें कनें मेल्योडागा
पितर उतरर वांकेकनें गयो ओर बोल्यो के देखो
थीं लोगनें थे सोभोछो जं उई छुं इवेई जं आप्यों चांउछु
२२ के थे क्यां बेई आयाछो। वां कयो के सिद्ध वा भगवान
सूं डरबवाला ओर सगळा यिहूद्यांकनें सुख्याति रकबो
डोडवांळ्यांको धणी कर्णेलियस् एक लोगनें आपकें भूंपमें ले
आवबवेई आदमी मेलगनें ओर थारेंकनें कथा सुणबनें
एक पुन्यवान हलकारासूं भगवानकी आग्या लाधीछे।
२३ इवेई वानें उं बुलायर मनवार करी ओर पितर दूजें
दिन वांकै भेलो गयो ओर जाफाका कितायक लोगपिण
२४ उंकें भेला गया। दूजें दिन वें काईसारियामें पोंचा
ओर कर्णेलियस् आपका कबिला वा नेडामित्र लोगांनें एक
२५ जगा बुलायर वांकें बाट जोतोछो। पितर भूंपामें आयछे
उं काल कर्णेलियस् उंकें भेजो मिल्यो ओर उंकें पगांपडर
२६ उंको सेवा करी। बेर पितर उंसूं उपाडर कयो
२७ के उपड जांपिण आदमी छूं। उंपछे उंकें भेलो उं
कथा वार्त्ता केतोर भूंपामें जायर मोकला आदम्यांनें भेला
२८ देख्या। इवेई उं वानें कयो थें जांबो छो के यिहूदी
जातनें दूजादेसवाळ्यां भेलो कोसूंई मिलबो अथवा
भूंपामें जांवबो ठीक नछे बेर कोई लोगनें सामान्य वा
भिसट न जाणबनें भगवान म्हारेंकनें चोडें कयोछे।
२९ इवेई लोग मनें बुलावबनें पोंचतां जं बिचार न करर
आयोछुं इवेई जं पूछुंछु के मनें कीं कारण बुलायोछे।
३० कर्णेलियस् कयो के च्यार दिन अवा जं इंवेलातोडो पोवध
करतोछो उंमें तोजापोरकी वेळा में आपका भूंपामें याच
ना करी ओर देखो भळाभेळगाभा पेंयां एक लोग
३१ म्हारेंकनें उभो हुवो। उं आदमी कयो हे कर्णेलियस

थारी प्रार्थना सुणी गई है और थारो दान भगवानकने
३२ पिताणे गयो है इंवेई लोगानें आफामें भेजर सीमोन्नें
बुलाय वो जीको पितरबी कहावै पितर है उ दरियाव कै
किराडाउपर रैणवाला शीमोन् छडका भुंपासें आगा
३३ करर रैं है उ आयर तनें कथायां केसी। इंवेई उंबी
वेला में तनें बुलावणवें मेल्यो और तें चोखो कयो है के तूं
आयो है इंवेई भगवानसूं मनें कथा थारेंकनें आग्या करी
है वें समली कथा सुणवनें म्हे समला अठै भगवानके सांमा
भेला जणा हां।
३४ जद पितर मुंडो उघाडर कयो के मैं ठीक जांणुं के
३५ भगवान पक्षपाती नहैं पेर पावें हो देशका लोगांवें बिचावें
मकोबोई उंवें डरे है और ठीककाम करें है उ उंसूं चाटे
३६ कसोडो है यिसु जोड उई सगलांको प्रभु उंसूं मको
जांवहै वा जांव छंढेरो केरखवाला भगवान यिस्राएलका
३७ डावडाकनें मके कथा मेलीगी वें कथा थे जांणोगे के
योहननें मके सुणी चेडिकरी वें सुणी घोडें करणपहै
गालिलिफिना यिहूदाहके सगला देशमें चोडें करी गई
३८ के भगवानवें धर्मात्मासूं वा बलसूं यिसु नासरेतूनें अभि
षेक कयो के मको चोखाकाम करतो वा मोडो लागोडा
आदम्यांनें आछा करतो फिरयो क्योंके भगवान उंकें
३९ भेलोहो। और यिहू उं यिहूदाह देशमें वा यिरूशलममें
मकेर काम कया वां कांमका सायदी म्हे हां वें जीनें वां
४० खंबउपर टेरर मार नांख्यो. उंनें भगवान तीजें दिन
४१ उपाडर चोडें करर दिखाल्यो। सगला लोगांकवें
दिखाल्यो सो नहो पेर भगवानसूं पेलडा लिमें कयोडा
सायदीकनें अथवा म्हाकनें वें म्हां उंका मरणसूं उपण्यां
४२ पछै उंकें भेलो खाबोपीबो कयो। और लोगांवें
मेंडा ढंढेरो करबो वा जीवता और मुरदा लिया न्याव

वांको नियें करवानें सेवामें भगवांनसूं नियें करोडा ग
यका उ यो सावतो देवानें उं म्हांनें आग्या दीवी सगला
४३ निमित्तियांपित्त उंको सावतो देवेंगे वें यको कोई उंकें
उपर प्रतीत करेंगें उं आदमीको पाप छूटको उंका नांव
सूं उसी।
४४ पितर या कथा वेंगें इंवेका जित्ता लोग कथा सुणतागा
४५ वां सगलांउपर धर्मात्मा पड्यो। ज्यों सुणती लोगां
प्रतीत करोगी अथवा जित्ता लोग पितरकें भेला आया
वां यहेरा मांयो कोंस दूत्रामुलकियांउपरयित्त धर्मात्मा
४६ को दांन कुडायो गयो। क्योंस वां और२ बोली
४७ बोलता वा भगवांनकी स्तुती करता वां सुण्यो। तद पितर
उथलो दीनो कें ने जिग्यो धर्मात्मानें लाधोगें उंनें तेयो
लाधोगें यको यां यांनें डुबोदिरायोडो रोकबेई पांणी वरज
४८ कुण सकें। इंवेई प्रभुका नांवसूं वांनें डुबोदिरावणवें उं
आग्या दीनी उंपगें और कित्ताक दिन वांकें भेलो रैवानें
वां उंसूं बीनती करी।

११ इग्यारमो पांनो।—यिहूदाह देसका हलकारां
वा भायां सुणी कें औरदेसका आदम्यां भगवांनकी कथा
२ आरे करोगी। उंपगें पितर यिरूसलम्में पोतां
पगें सुणतो यको वां उंकें भेलो विवाख्यो वा कयो कें
३ तूं बिगरसुनतीलोकांकनें आयर वांकेंभेलो जीम्योगें तद
४ पितर ठेटसूं वें सगली कथा हकिकतवार वांसूं कही। उं
५ कयो कें म्हं आफा नगरमें यांचना करवोगो और मुगें
बायर में एक दिषालो देख्यो मोटीचादरसरीखो एक बस्त
आगींसूं उतरतोर च्यारवुणासुं उतरी गी और म्हारेंकनें
६ आई। में उंकेंउपर एक टकसूं देखर ख्यांल करी और
संसारका चोपद वा जंगका जिनावर वा उरग वा अधरका

Digitized by Google

७ पंख्यांनें देख्या। उंपछे में एक साद सुणी के मीं कयो के
८ हे पितर उपड मारो खाव। जेर में कयो के हे प्रभु इसो
नहो क्योंके सामान्य अथवा भिष्ट वस्त म्हारा मुंडामें कदेई
९ बडो नही। उं साद दूजीवेळा सर्गसूं मनें उथवो दीनो
के भगवान जको पाक करोछे उ जको सामान्य मत
१० जांण। यो काम तीनवेळा हुवो उंपछे सगळो वस्त
११ सर्गमें ताणी गई। देखो उंवेळा तीन लोग कासरिया
यासूं म्हारेकनें हलकारा जयर उं भूंपामें आयोडा के
१२ जठे हूं रयो। वांकें भेळो चालतरें मांवनें धर्मात्मा
मनें आग्या करी जेर ये छ भाईपिण म्हारेभेळा गया
१३ उंपछें म्हे उं आदमीका भूंपामें गया। उं म्हांनें खबर दीनी
के उं आपका भूंपामें हलकारानें देख्यो के जको उभो
हुवोडो वा उंनें कयो के जाफामें आदमी भेज दे जेर
१४ सीमोननें बुलाय के जींको बिख्यात नांव पितरछे उ कथा
कसी के जींसूं तूं वा थारा कबिला उधार पासी।
१५ हूं कथावेंण लागोसूं धर्मात्मा जिसो पेलका म्हांकें उपर
१६ पड्योडो तिस्यो वांकें उपर पड्यो। तद में भगवानकी
कथा चितारी के जो कई योहन् पांणीमें डुबोदिराई सही
१७ जेर थे धर्मात्मामें डुबोदिराई जाई जस्यो। इंवेई प्रभु यिशु
ख्रीष्टमें प्रतीत करणवाळा म्हांनें भगवान जको दान दिनोछो
उं उई दान वांनेंपिण दियोपछें हूं कांई भगवाननें बरज
१८ सकूं। वें आ कथा सुणर चबोल्या हुवा उंपछें भगवा
नकी स्तुती करर कयो के भगवान दूजादेसवाळ्यानें आछ
यो देवणको सांमना दीनोछे।
१९ उंवेळा स्तेफानसके फायदामें जको विरोध हो उसूं
जके बिखरबिखरगा वा फिनीकीविगर कोवेंई कथा छटेरो
न कैस्त्रो फिनकिया वा कुप्रस् वा अान्तियोखताई गया।
२० हांनें किताक लोग कुप्रसका वा किरोनीका पियाळा वा अान्ति

योखमें जायर योक लोगाँभेळो प्रभु यिसुनें ठंहेरो फेरो।
२१ ओर प्रभुको हाथ वांकें भेळोगे उंसूं मोकळा प्रतीत करर
प्रभुकानी मुड्या।
२२ वांकें फायदामें या खबर यिरूसलम्में टोळिकी सुणब
में आई उंपछें वा बार्नबानें आन्तिओख्में जांबनें भेज्यो।
२३ उं आन्तियोख्में पोंतर वा भगवानकी अनुग्रह देखर
आनंद करो ओर वां सगळानें सोचावन करो कें मनमें
२४ एक करार करर प्रभुकानी मन लगायर रया। क्योंक
उ छंडियो आदमीगो ओर धर्मात्मा वा प्रतीतसूं पूरोगो
२५ ओर मोकळा आदमी प्रभुकानी करा गया। उंपछें साउल्
२६ बेई सोधबनें बार्नबा तारसोस्नें गयो ओर उंनें लायर
आन्तियोख्में लियाया उंसूं वें टोळीकें भेळा वरसेक रैंह
मोकळा आदम्यांनें भणायो ओर आन्तियोख्में चेला भगवान
की नियमें खिरीष्टीयान् नांवसूं पैंखडा विख्यात गा।
२७ उंवेळा नीमितिया आन्तियोखसूं यिरूसलम्में आया।
२८ ओर वांकें एक जोग कें अगीको नांय आगाबस्छें उठर पर
मात्मासूं गुदराई कें मोटी मुगाई सगळा देसमें करसी
क्युंहिक द्लांपछें क्लादियस् काईसरकीवेळा वा जाई।
२९ इंवेई चावेंमी आदमो आपका मुकामाफिक यिहूदाह्
देसका रैंबवाळाभायांकनें क्युंहि मदव मरच भेजबको
३० मेवां ठैरायो। उंपछें या करर बार्नबा वा साउल्
की हाथसूं बोदोडा लोगांकनें उ भेज्यो।

१२ बारमो पांनो।—उंवेळा हेरोद् पातस्या टोळी
२ का कितनाक लोगानें दुख देबनें हाथ घोबा करयो ओर
३ योहन्का भाई याकूबनें पातीसूं मारनांख्यो। ओर
इंमें यिहूदियांको राजी जाई या देखर पितरनेंबि
पकडनको चारो करो उंवेळा बिगरखाटाकी रोटीका दिन

४ गा। तद उं पातस्याह उंनें कपडर अटक करो ओर पेसाख
पछें उंनें लोगांकनें काढबेई मनमें ल्यायर च्यारचोकडी
५ डोडबाळ्यांकें हवालें उंनें करो। इंबेई पितर जेला
सरमें राषो गयो लेर भगवानकनें टोळीसुं रोजीना
६ उंकेबेई याचना करी गई। हेरोद जोपुल उंनें काढबकी
मनमें करी उ रातका पितर दोयडोडबाळ्यांकें बीचमें दोय
सांकलसूं बांध्यो रेंर सूतोगो ओर पोराव्या बारणकें
७ सांमा पोरो देता गा। उंबेला देषो भगवानकें एक
हलकारें उंनें दिषाळो दीनो ओर अठकमें चानणो
चोडें जसो तद उं हलकारें पितरको बगलमें मारर
उंनें जागायर कयो कें बेगो उपड उंसूं उंका हाथसूं सांकल
८ खुलगई। उंपछें हलकारें उंसूं कयो आपकी कड बांध वा
पावडी पेर तद उं उ करो उंपछें उं हलकारें उंनें कयो
९ कें थारो गाभो ओढर म्हारें पिछाडीर आ। तद
उ बारनें गयो वा उ उंकें पिछाडीर गयो ओर समज्यो
नही कें जु सांचलें कें अको हलकारें करोगो लेर मनमें
१० सोच्यो कें आप एक देषाळो देख्या। वें पेंलडी वा दूजी
चोकी टुळायर बीं लोहकी पोलसूं नगरमें जाताला उंकें
कनें आया उ बारलो आपसुंआप उपड्यो उंपछें बारनें
नीकळर वें एक मारगनें पुगातोडी गया तद हलकारें उंनें
११ छोड्यो। पितर सावचेत हुयर कयो कें हुं अबें ठीक
जांणुं कें प्रभु आपका हलकारानें भेजर हेरोदका
हाथसूं वा सगळें यिहुद्यांकी बाटजोवबसूं मनें छोडायो
१२ छें। ओर उ गोर करर जींको पिव्यात नांव मार्क हतो
अको योहन् उंकी माउ मारियाकें भुंपामें आयो उं जागा
१३ भोकला लोग याचना करता भेळा हवा। तद पितर
बारको कुटेंछें इंबेला उठें कुबडें या बाळकनें ओदा
१४ नांवको एक भोव्यारणं आई। ओर पितरको सा़द

जांबर राजीमन छोबसूं बारणो न उघाड्यो लेर दोडर
१५ मांय बडर बोलो कें पितर बारणें उभोछें। उंसूं वां
उंनें कयो कें तूं गेली कईछें लेर उ ठीक साचोछें आ
निर्में अधिकारें कयी तद वां कयो कें उ उंको हलकारोछें।
१६ लेर पितर बारणो कूटतोर उभो रयो उंपछें वां बारणो
१७ खोलर वा उंनें देखर अचंभो आंयो। अर उं वांनें
अबोल्यो रेंवानें हाथसूं सांनी करर कयो कें प्रभु जी उंकि
बारें उंनें अटकसूं छुडायोछे अोर उं कयो कें याकुब्
नें वा दूजाभायांनें आ खबर दे उंपछें उ लदर दूजी
१८ जागा गयो। दिन उगांपछें पितर कठें गयो डोडवाळावें
१९ बीचमें ई कथाको मोकलो हेलो जवो। उंपछें हेरोद
खोजर उंको ठिकाणो न लाधर पेरायांको ब्योव करी
वा वांनें मार नांखबकी आग्या दीनी लेर पितर यिहूदाह्
देस छोडर काईसारियामें गयो वा उठें रयो।
२० उंबेला हेरोद सोर वा सीदनके लोगांउपर मोटो
बिराजी छो लेर वें एकमनसूं उंकें सांमा आया अोर ब्ला
स्तस् नाव राजाकें दिवांननें आपकें वांनी करर मेल्यां
२१ चायो क्योंस राजाका देससूं वांको देस पल्योडोछो। उं
पछें एक निर्में कयोडा दिनमें हेरोद पातस्याई सिनगार
पेरर तखतउपर बैठो अोर वांकेंकनें कथाकेंयी चेडें
२२ करी। उंसूं लोगां मोटासूं कयो कें यो भगवांनको
२३ सादछें आदमीको नछें। उंईबेला भगवानकें हलकारें
उंनें मार्यो क्योंस उं भगवांनको महातम खारे कर्यो नयी
उंसूं उ कीडांसूं खायोडो जयर मर्यो।
२४ अेर भगवांनकी कथानें फैलाव लाधी। तद बार्णेवा वा
२५ साउल् अोरांकी निमवता कयोडी चाकरि पूरी करर
यिरूशलम्में मुड गया अोर योहननें जारे जीनो कें
नोंको याख्य मार्कछें।

१३ तेरमो पानो।—उंवेला बारींवा वा मोमेत् क्रे जीवें बिगर केंठें वा किरियोवो लूकीयस् वा मनाहन् कें बदो चोपा ईके बबो हेरोदमेंबा पवसोठो वा साउल् बिगर
बिनाक निमितिया वा भवावछवाबा चाव्वियोक्की डेवोमें
२ ठा वें भगवांनकी सेवा वा पोवध करवळा उंवेला धम्मोत्मा
कयो कें भीं काम उपर में बारींवा वा साउल्नें नियें
३ करयोठें बानें उ काम करबवें म्हारेंवेई जुदा करो। इंवेई
वां पोवध वा याचना करर आंकेंउपर हाथ मेलर
बानें विदा करया।
४ बद वें धम्मात्मासुं मेक्योडा ऊयर सेलूकियामें गया
५ वा उंपठें उठासुं नावउपर कप्रसमें गया। उंपठें
सालमिस्में पोंपर यिऊधांवें सगळें सिनगगमें भगवांनकी
कथा ढंढेरो फेरी ओर योहन्मिव बांमें मदद करबवाळो
६ ठो। वां उं ऊबोरमें सगळी जाता पाफ़ोसमेंको भऊ
कर बारयिसु नांवको यऊ लोग यिऊदी मोरोवानें कूडा
७ निमितियानें बांधो। सर्गियस् पावोलस् नांवबें
प्रकाउसल् मोटा निवेंवांव आदमीवनें उ कोम दयोठो उ
प्रकाउसल् बारींवा वा साउल्नें बुलायर भगवांनकी कथा
८ सुणनें चायो। ओर ओंको नांव इलीमास् वर्थात
जोरोंवानें उं प्रकाउसल्नें भगवसुं फिराबवाळी कोस करर
९ वांकी उलटाई करी। बद साउल् वें जींनें पावल्भी
ठें धम्मात्मासुं पूरा ऊबर उंकेंउपर बळ दळसुं देषर
१० बोल्यो कें हे खोटाई वा कोमिक्चियामें भरयोडा सोळका
छावडा ओर सगळा सोधांवो वैरो तू कांई भगवांनको
११ पाधरो मारग बांको करणमें ठोक्लो नही। इंवेई
देख अबें भगवांनको हाथ थारेंउपर ठें उंसुं तूं आंधो
व्हसी वा कितराक दिन सूरज नही देषवें सकसी उंसुं

हक धोम वा अंधारो उंकेंउपर भट पड्यो ओर उं मुडर
आपको हाथ पकडर मारग दिखाखनें कोंको आदमीनें
१२ सोज्यो। तद अकस्सल् वा कर्योडा कामनें देखर प्रभुकी
सीषावखमें अजेरो आंचर मतील करी।
१३ उंपछै पाउल् वा उंका मेलपी लोगां पापोस् छोडर
पंपिलियाकें पर्गामें आया ओर योहन् वांनें छोडर यिरु
१४ सलम्नें गियो। उंपछें वां परगा छोडर पिसीदियाकें
आन्तिओख्में पोंचा ओर दीतवारनें सिनगगमें बडर बैठा।
१५ तद तोरेत वा निमितियांकी कथा भण्यांपछै सिनगगका
अण्यांनें वांकेंकनें आदमी मेलर कयो कें हे आदमी भायां
लोगांकी सीषावखकी कथा कुंछि हर थांकेंकनें दो तो
१६ कवो। तद पाउल् उभो ऊपर हाथसूं सांनी करर
बोल्यो कें हे यिस्रायलकी लोगां वा भगवानसूं बिहणवाला
१७ ये सुणो। यां यिस्रायलकी लोगांकें भगवान म्हांके पित
रांनें सरया ओर लोग मिसरमें मुसाफरी कर्यांपछै वांनें
उबार कयो ओर बांहबल ऊपर उं देससूं निकल्यो।
१८ उंपछै बरस चालीसेक जोडमें वांका काम सया उंपछै
कनआन् देसमें सातगोत्यांनें मोजगमावण वांको धरती
१९ बिराड करर वांनें बेठार दिना। अे साढा चार
सव बरसांतांडी ग उं बाद उं सामुएल् निमितोया
२० तोडो वांकें उपर ध्यांतकरणवालानें दोना। उंपछै वां
राजानें मांग्यासूं बेन्यांमिन्कें गोतीका कीको डावडो
२१ साउल्नें भगवान वांकें उपर चालीस बरसांतांडी पात
२२ साई कर दोनी। उंपछै उंनें अलगो करर वांकें उपर
पातसाई होणकेई दाउदनें उपजायो उंकें फायदामें उं
सावतो दोनो वा कयो कें यिसिको डावडो दाउदनें मैं आप
का पातरसरिषो एक लोगनें बाधोछै उ म्हारो सगलो
२३ मनमाफिक कांम पूरो करसी। ई आदमीका डाव

२४ तासूं योहन् उंको आगडोआनवाला अयर उंकें पेहलें बर
बसेई पाप्मनाको डुबी यिस्राएल्का सगला लोगांकनें
सीखायो छो उ आपका कराएमाफिक यिस्राएल्वेई यिसु
२५ उद्धारकरणवालानें उपजायोछे। योहन् आपको
कांम पूरो करतोर् कयो कें म्हं कुण्छुं थे हमें कांई समभो
छो म्हं उ तो नहुं लेर देखो एक लोग म्हारें पिछाडी
२६ आवेछें कें जीको पगरखी खोलबालायक म्हं नहुं। हे
आदम्यां भायां आबरहामकी ओलादका डावडा वा थांकें
बीचमें जको कोईर भगवांनसूं डरेछे थांकनें आ उद्धार
२७ की कथा मेली गईछें। क्योंस यिरुशलम्वासी वा
वांका सरदारां उंनें नओलखर ओर जके कथा पावेंगों
अदीतवारनें वांकनें भणी जायछें वा निमितियांकी कथा
पिण न समभर उंनें दोषी करणमें वां निमितियांकी कथा
२८ परवारीछें। ओर मरणको कोई कारण न लाधर
२९ उंनें मारनवालेई पीलात्कनें वीनती करी। वां
उंकी बाबतेंकोमें जको सगलो लिख्योछें उ परवारर उंनें
३० खंभसूं उतारर कबरमें राख्यो लेर भगवांन उंनें
३१ मोतसूं उपाड्यो। ओर जके उंकें भेला गालिलिसूं
यिरुशलम्में आया वांकनें उ भोकला दिन देख्यो गयो
३२ कें जको आदम्यांकनें उंकें साखदीपिण छ्या। ओर म्हे
थांकनें स्रो मंगलिक कथा छंडेरो करांछां कें जको करार
बडेरांनें दीनो गयोछें भगवांन यिसुनें उपाडर वांका डावडा
३३ जके म्हांका म्हांकनें उंनें परवारयोछे क्योंस दूजागीतमें
लिख्योछें कें तूं म्हारो डावडो आज में तनें जणायोछें।
३४ ओर फदे खाजगमावनमें फेरनजांयोबेई उ उंनें मोतसूं
उपाड्योछे उ उंहि उखिहारें कयोछें कें दाउदउपर बाढी
३५ जको दया वा दया म्हे थांनें देसुं। ई तंवमें उ ओर
एक जागामिण कवेछे कें तूं आपका धर्मीं लोगनें बोस

२६ देखवा न देवी। क्योंके दाऊद वद भगवानका मत
माफिक आपका जीवतखवा समयको काम परवारयो गे
वद नींद आयर आपका वडेराभेलो ऊपर खोज
२७ देयो। पेर जींनें भगवान दूजीवेवा उपायो उं कुछि
२८ खोज देख्यो नही। इवेई हे आदम्यां भायां थांकों
जाणें या यगर वे के ई आदमीका ऊकरासूं थांकेकनें पाप
२९ छुटवा ढंढेरा पडे ओर जके सगवा उंकेउपर प्रतीत
करेंछे उ जको सगवी बांतोसूं मोसकी तौरैतका कामसूं
वे निरदमी नय सकोछो वां सगवासूं वें यामो
३० दार जजाय। इवेई इसूं निर्वान पेर क्या मांखा
३१ वा कथा थांकेउपर आयपडे के जका निबियांकी कथा
सूं लिखाछे वे निकमी करणावाला थे देवो वा अचेरा
करो वा खोजमें जावो क्योंके जको काम थांनें कोनी
केवसूं यिथ वे प्रतीत न करसो इसा काम थांको समेमें
उं करसु।
३२ यिजदी सिनगमसूं गेड गया पछे दूआदेसवाल्यां वीनती
करी के वें कथ्या आवववालादीतवारमें वांकेकनें ढंढेरा
३३ देयो जाय। टोवी सगवी वाती जवांपछे मोकवा
यिजदी साधर्मी सिद्धयोगांनें पाउल् वा बार्नवाकें पिछाडी
गया वां वांनें वेर भगवानको अनुग्रह सदाई निश्चल जयर
रेवको सिखावण करी।
३४ उंपछे दीतवारमें प्राय सगवो नगर भगवानकी
३५ कथा सुणनें भेवा जयर आवा। पेर यिजदी याड दें
३६ यद बुराईमें बोवाचा ओर पाउल्‌जकोर कयो उंका वेर
वा गोई करवा उंका उंचाई कयो वद पाउल् वा बार्न
वा निडर कयो के निस्चे छे के भगवानकी कथा थांकेकनें
पैवका कही जाय पेर थे उंनें छोडगो करर वा आपनें अमर
जीवणमें आवायको मनमें ल्यावा देवो हें दूआदेस

Digitized by Google

४७ वाल्यांकांनी मुडा फेरांगा। क्यूंस प्रभु म्हांनें आ आग्या देर कयो छै कें में दूजादेसवाल्यां आदम्यांनें चांनणा तमें निर्मो कर्यो छैं कें तूं संसारका छेवडातांडी उधार
४८ वेई है। दूजादेसवाल्या लोगां आ सुणर रांजी व्हयर प्रभुकी कथाकी सेभा करी ओर जिता लोग अनंतजीवणा
४९ पावणवेई निर्मे छा तिताल़ोगां प्रतीत करी ओर
५० प्रभुकी कथा वां सगलां देसांमें पसरी। यिहूदी जिताकं लोग भगतिमती वा मोटी आबरूवाली लुगायां वां नगर का सिलेदार लोगांनें टंठोलर पावलुवा बार्णबाका वैरमें ताडणांकी भिर करी ओर वांनें वांकी सींवसूं प्रकाय दीना।
५१ ओर वां वांका वैरमें आपका पगकी खेह भाडकांई उंपछै इकोनि
५२ यममें योवा। ओर चेला आनंदसूं वा धर्मात्मासूं भरापूरा था।

१४ चौदमो पांनो।—इकोनियममें इसो व्हवो कें वै दोय यिहूद्यांकी सिनगागमें भेला जायर गया ओर इसी कथा कही कें मोकला यिहूदी वा यूनाकी लोगां प्रतीत करी
२ लेर प्रतीत न करणवाला यिहूदीलोगां ओरदेसवाल्यां आदम्यांको मन टंटोल्या ओर वांकें भायांका वैरमें दुष्ट
३ घणो कर्यो। इं कारण वां मोकला दिनांतांडी रेर निडरव्हय प्रभुमें कथा कही कें जीवें आपका रैममें कथाको साखनो दीनो ओर कें इसी पोंच दीनी कें वांका हाथसूं
४ अचंभा वा अछेराकाम करया जाय लेर नगरकी जमात व्यारीर गोल व्हई उंसूं एकटोली यिहूद्यांकानी वा एक
५ टोली हलकारांकानी छी। लेर जद दूजादेसवाल्यां वा यिहूद्यां वा वांका मनसोब्यां वांनें संतावणवेई वा भाठा
६ बगायर मारणवेई त्यारी करी। तद वें वा जांणर
७ लकाओनियांकें लस्त्रा वा दर्बे नगरमें वा उंका नेडाका

देसमें भागर श्रोर उठें मंगलोकवावा छंडेरो फेरी सुणावें
८ एक लोग बैठोछो के श्रोंका पग निबला वा मको माउका
९ पेटसूं मोडो छो वा कदेई चाल न सकें। उ लोग पाउलकी
कथा सुणी उंपछें पाउल उंकें उपर एक दृष्टसूं देख्यो श्रोर
उंनें ताजो होणकी प्रतीत भयां जाई श्रा जांणर मोटा
१० सारसूं बोल्यो कें पगांसूं उभो हो उंसूं उलोग कूदर
११ चालण लागो। उंपछें लोगां पाउलका वें काम देखर
लकाश्रोनी बोलीसूं मोटासें कयो कें श्रादमीको भेष
१२ पकडर देवता म्हांकेंकनें उतरया छें। उं कारण बार्णे
बाकी नांव वा दीयोस् करर दीनो वा पाउलको नांव हेमेंस्
१३ क्यें स उ प्रधान बोलणेवालो। तद दीयोसको जको
मंदिर वांकें नगरकें सांमो छो उ लोग बलद वा फूलका
माला बारणाकेंकनें ल्याया लोगां भेलो वांकनें उप
१४ सर्ग करण लागो। लेर बार्णावा वा पाउल हलकारो
वा सुणर श्रापका गाभा फाड्या वा लोगांमें दोडर मोटा
१५ हेलासुं कयो कें हे म्हाराज थें काम क्यों करोछो म्हे
पिण थांकें जिसा निबला मांणस छां श्रोर थांकेंकनें छंडेरो
करांछां कें थे श्रा निकमी वस्त छोडर जीवता भगवांन
कांनी मुडो कें जींमें स्वर्ग वा धरती वा दरियाव वा उंवें
१६ बीचमें जकेर छें यां सगलांनें उपजाया जीं श्रगाडी
सगला देसका लोगांनें श्रापका२ मारगमें चालणें दीनाछें।
१७ लेर पुराकसूं वा राजीसुं म्हांको मन भख्योपूख्यो करर
मंगलीक करणसूं वा स्वर्गसूं बर्षा वा फलवान रुत देणसूं
१८ श्रापनें बिगरसाबतो राख्यो नहीं। श्रोर श्रा कथा
कयांसूंपिण लोगांनें प्राय निषेद न करसकियो कें वांकेंवकें
उपसर्ग न करें।

१९ उ बेला किताक यिहूदी श्रान्तियोख वा यिकोनियमसुं श्रा
यर लोगांनें मनायर पाउलनें भाठा बगायर मायो श्रोर

२० उंनें मरीो जांबर नगरकें बारखें उंनें घिंस ल्यायो। जेर
उंकें च्यारांकांमी चेला उभा जवांपछें उ उपडर नगरकें
२१ माय गयो वा दूजेंदिन बार्नबाभेलो दर्बेमें गयो। उं
नगरमें मंगलीक कथां ढंढेरो फेरर वा मोकळानें सीषा
वय देर चेलांको मन दृढ करवा वा प्रतीतमें मतीवो छो
२२ मकी कथा कैंता वा सीषावणकरता कें म्हे मोकळा कष्टसूं
भगवानकेंराजमें वडणां व लखा वा यिकोनियम् वा आन्ति
२३ योखमें फेर गया और चाबेंजीं टाळीमें वांकेंदई मादेडा
२४ लोगांनें निर्म्में करर वा पोषथ वा याचना करर जीं भगवां
नकें उपर वां प्रतीत करी छी उं प्रभुकनें वांनें भळाय दी
२५ ना। उंपछें वें पीसदीया देसमें जयर पंपलीयामें पोंता
२६ वा पर्गामें बातां ढंढेरो फेरता आटालियामें गया। और
उठासूं नावउपर आन्तियोख गया कें जठासूं वें जको
कांम करवावेई भगवांनकी क्रपामें भळायोडा जयर गया।
२७ वां उठें पोंतर वा टाळीका लोगांनें भेळा करर घोडें कया
कें भगवांन वांकें,करणसूं अकेर कांम कया छा और प्रतीत
२८ उपिछारें फळसो दूजादेसवाळ्यांकनें जी उपिछारे खोल्यो
छो उंपछें चेलांभेळा वें मोकळा दिन उठें रया।

१५ पनरमो पांनो।—उंपछें किताक लोगां यिहूदाह्
देससूं आयर भायांनें आ कथा भणाई कें थे मोसकी तौ
१ रैंतइसा सुनत करांबिगर उधार पावस न सकसो। ई
वेई वांकें भेळो पाउल् वा बार्नेबासूं कथाको राड वा वि
चार मोटो हवो उंपछें वां जो निर्म्में कर्यो कें पाउल् वा
बार्नेबा वा वांकें बिचमांका दूजालोग हलकारांकें या मोटो
२ डां लोगांकनें ई बातमेंलीमें यिरूसलम्में जासी। ईवेई
वां आपका जांवका मारगमें टाळीसूं मदद पायर दूजा
देसवाळ्यांको मन मोडयाको समाचार देतार फिनिकिया

Digitized by Google

वा समरोया ऊपर गया उंसु सगला भायां मोटो राजी
४ करो। वें यिरूसलममें पोंवर टोलो वा हलकारा वा
बोदोडा लोगांसुं आदरभावलीना ऊपर कयो में भग
वांन वांकें करवासुं अके सगला काम कया छा।
५ लेर फारिसी मजहबी किताक प्रतीतवालां लोगां उप
डर कयो कें, वांकी सुनत करवो वा मोसहकी तोरेत पाल
६ नकी आग्या देंनी चिसों छें। तद हलकारां वा बोदोडालोग
७ को बिचार करवानें पंचायतमें बेंठा। ओर मोकला वयस
ऊवांसु पितर उपडर वांनें कयो कें हे आदमी भायां थे
जांको छो कें मोकला दिन ऊवा भगवांन सरायो कें म्हांकें
बीचमें म्हारी बोली ओरदेसवालो मंगलीक कथां सुणर
८ प्रतीत करसी। ओर मन जांणवाला भगवांन जिसो म्हां
कें धर्मात्मा दीनोछें तिसो वांनेंपिण धर्मात्मा देर साबतो
९ दीनो। ओर वांको मन प्रतीतसुं उजलो करर म्हंको
१० वा वांको क्युंहि आंतरो नही। इंवेई अबें अको ज्वाडो
म्हांकें अथवा म्हांकें पिवारां सेंच न सका इसो ज्वाडो
चेलांका गलामें देवसुं भगवांनकी परख क्यों करो छो।
११ लेर म्हे प्रतीत करां छां कें वें अके उद्धार पावें प्रभु यिसु
१२ खोष्टकी कृपासुं म्हांकोपिण उद्धार उसोई असो। तद
सगली थाट अनोखी देर अके अछेराकांम वा लखण भग
वांन दूजादेसवाल्यांकें बीचमें वांकी मारफत कयो छे
यां सगलांको चोडें करणवाला पाउल् वा बार्नबाको कथा
१३ ऊपर गोर करी। वो कथांया कैयो परवाखांपछें
याकूब् उथलो देर बोल्यो कें हे आदमी भायां म्हारी
कथाऊपर गोर करो सीमियोन् कयो कें भगवांन आप
१४ का नांवकेइं दूजादेसवाल्यांसुं एक लोगांको टोलोलेवणेई
१५ वांकेंऊपर पैलड्य दृष्ट करीछी। निबिंयांकी कथा
१६ पिण यांकें भेली मोली छे कें ओमें ओ लिख्योछें पिछून कें

Digitized by Google

जको जो सगलो कांम करेंछै उ कैंछै कै ग्रें पछें हुं फेर
आसुं और दाउद्को जको डेरो पड्योछै उ उपाडसुं
१७ उंको फाटोफुटो सांवरो करसुं वा उ उभोकरसुं कै
बाकी लोग वा जो देसका आदम्यांउपर म्हारो नांव कयो
१८ जाय वेंपिण यिहुदनें सोधें। आलमुवें पैदाला
१९ आपका सगला कांम भगवांनकनें जांण्या जायछै इंवेई
हुं सला देउंछुं कै दुआदेसवाल्यांमें जोजालें जको भग
वांनकांनी फिरेंछै वांनें तासीस न देवें लेर कै वे देवता
२० की चासचेलोमें बामकें उचिछारें भिष्टता ओर आरी ओर
गल भींचोदेर मरूा वा लोई छेडें वांकेंकनें ला लिये।
२१ क्योंस मोसाह्को आसल रोग अदोतवारनें वांकें सिनगम
में भण्यो गयांपछै जको उंको ढंढेरो फेरें इसा लोग पैलका
सुं चावें जी नगरमेंछै।
२२ तद आपकें कांनीका खातरिमाफिक लोगांनें बार्बेवा वा
आउल्कें भेलो आंतियोख्में मेलणनें हलकारां वा बोदोडा
लोग वा सगली टोली राजी छा इंवेई भायांकें बीचमें भला
नाव आदमी अथवा यिहुदाह् कै जींको विषियाल नांव
बार्सबा वा सीलास्नें निर्खे करर वांकी वांहसुं यो कागद
२३ मेल्यो कै दुआदेसवाला जके भाई आन्तियोख्में वा सिरि
यामें वा किलिकियामें रेंछै वांकेंकनें हलकारां वा बोदोडा
लोग वा भाई वंनणा मेलेछें।
२४ म्हे आ कथा सुणीछै कै कितांक लोग कें ज्यांनें म्हे कुंछि
आग्या न करी म्हांसुं जायर थांकें मनकें वेरकरणवाला
उथर वा सुनतीहोणो और तौरैत पाळणुंको निर्खेछै ना
२५ केर थांनें फोडा करयाछै। उ उपेर म्हे एक मनसुं
२६ पंचायती करर मनसोबो कयो छै कै म्हांकें प्रभु यिसु
खीष्टका नांवलेई आपको जीव भलायोछै कै जको म्हांको

गालो बार्सेबा वा पाउल् म्हांकें भेलो खातरमाफिक लो
२७ गांवें थांकैकनें भेलबो ठीक छै। इबेंई यिहूदाह्नें
वा सीलास्नें मेल्या छै कें जकांपिण बोलो वें कथा कैसी।
२८ क्योंके देवताको सीरखी वा लोई ना गाबड भीतरमा
२९ खोडी बस्त वा आरो कें तिसें छोडबकें कामविगर और
कांईं भार थांकें ऊपर न देबने धर्म्मात्माको वा म्हांको को
मनसोबो राजी छै। यां कामांसूं आपनें रुखाली करबसूं
चोख करसि थांको मंगलीक हो इति।
३० इबेंई वें बिदा जयर आन्तियोखमें गया और जमातनें
३१ भेली करर वांनें कागद दीनो। वां उ बांचर उंकी बा
३२ बरोसूं राजी छ और यिहूदाह् वा सीलास्पिण आप
३३ निमितियो जयर मोकली कथायां कैर भायांनें सोधावख
दीनी वा चैन कर्‍या वां कोंछि दिन रैर भायांसुं हलकारां
३४ कनें जांबनें राजीवाली बिदा पाई पेर सीलास् उठें रयां
३५ चायो। और पाउल् वा बार्सेबा और मोकलासूं सी
खावण कराता और प्रभुको कथा ढंढेरो देता आन्तियोख्
में रया।
३६ कितराक दिनांपछें पाउल् बार्नेबानें कयो कें ज्यां सगली
नगरांमें म्हे भगवानको कथा ढंढेरो फेरो छै आवो आपां
फेर जायर वां नगरांकें रेंणवाला भायांनें देखां और वें
३७ किसा छै या पूछां। और योहन् कें जींको अक्ष मार्क
३८ उनें भेलोलेबको सल्ला बार्सेबा दीनी। लेर जीं कोम
में वांनें पम्फिलियामें छोडोगो और वांकें भेलो उं काममें
न गयो होे उं कामकें भेलो लेबो ठीक नहो पाउल् को
३९ ध्यान कुरो। इबेंई वांको इसो मोटो रोस जवोगो
कें वें एक लोग दूजा एक लोगसूं न्यारा जवा उंपछें बार्सेबा
४० मार्कनें लारें लेर कुप्रसमें नावऊपर गयो। वा पाउल्
सीलास्नें सरायो और भायांसूं भगवानका अनुग्रहमें

सुंप्योडो जयर चाल्यो वा टोलीनें चैन करर सगला
सिरिया वा किलिकिया मुलकसूं गया।

१६ सोलमो पांनो।—उंपछे उ दर्बिमें वा लस्तामें
आयो और देखो प्रतोली यिहूदाण् एक लुगाईका डावडो
तिमोतियस् नांवको एक चेला उं जागा छो लेर उंको
१ बाभो यीक् छो। लस्ता वा यिकोनियम् वसीवांन भ या
२ कै बीचमें उंको चोखो नांव छो। उंनें आपके लारें
पाउल् लेर चाेवो उं कारण उंनें लेर उं का'नमें रेण
वाला यिहूदयांकेवेई सुनत कराई क्योंके सगला जांणता छा
३ कै उंको बाभो यीक छे। और वें वां सगला नगरांमें
जातांर पालणवेई वा जागा वांकेकनें झलाई के जके यिरु
४ शलमका हलकारा वां लोदोडा लोगांसूं निर्णे छा। ई
कारण सगली टोलो प्रतोतसूं निश्चल जयर रोजीनार
बधी।
५ उंपछे वें फ्रिगिया वा गालातिया देश फेर गया वा आसि
६ यामें कथा केतार धर्मात्मासूं बरज्यो जायर मिसियाकांनी
जायर बोतानीयामें जांण लागा लेर परमात्मा वांनें जांण न
७ दीना इंवेई वें मिसिया छोडर त्रोआस्में पोंता। उं
८ वेळा पाउल्कनें रातको एक दिखावो चो उ जवो माकिदोनि
याको एक लोग उभो जयर आ कथा केर उंनें बीनती
करी कै तूं माकिदोनियामें पार उतरर म्हंको उपगार
९ कर। उं उ दिखावो देखर प्रभु निश्चे वांकेकनें मंगलीक
कथा ढंढेरो फेरणनें म्हांनें बुलाया छे आ ठीक कयां पछे
१० म्हे झट माकिदोनियामें जांण लागा। इंकारण त्रोआस
छोडर म्हां कि पाधरामारगसूं सामोथ्राकियामें गया वा
११ दूजेदिन नियापोलिसमें पोंता। और उठांसूं फिलिप
में गया जे जको माकिदोनियाका उं कांनीका हाथानमूं

१२ वा एक फिलोपिमठें उं नगरमें म्हे कितीक दिन रया। और
आदीतवारनें म्हे नगरकें बारखें नदीकें तीर एक जागा
गया कें जठें रीत सरीखी प्राथना करी जाय उंपछें म्हे बैठा
पछें जके लुगायां उठें भेली हुई वांनें कथा कही।
१४ थीयातीरा नगरकी लुदिया नांवकी बेंगणी रंगका
गाभांकी एक बेपारणी भगवांनकी पूजणवाली एक लुगाई
म्हांकी कथा सुणी कें पाउलकें जीभसुं जका कथा कही
१५ गी वें कथां मांनणनें प्रभु जीको मन खोल्यो। और
वा लुगाई कबिलासुधा डुबोदिराय्योडी जयर आ कथा कैर
म्हांनें बीनती करी कें जर थे मनसोबो करो छो कें म्हुं प्रभु
उपर प्रतीतीलु वो म्हारें भूंपामें आयर रयो और उं
कथांसुं म्हांसु जोर करयो।
१६ उंवेळा इसो हुवो कें म्हे प्राथना करणवेई उं जागा जा
तार कदैपिसाचको आत्मा राखणवाली एक डावडी म्हांनें
भेली मिली वा गिणणसुं आपका धणीकी मोकळीमाया
१७ निकाली छी। उं डावडी पाउल् वा म्हांनें पिछाडोर
आयर मोटासुं कयो कें ये परमेसरका चाकर छे कें थनें
१८ उधारको मारग म्हांकेकनें चोडें करें छे। डावडी
मोकळा दिन इसो करती छी फेर पाउल् दुखीजयर मुड
क्यो और उं आत्मानें कयो कें थिसुखीष्टको नांव लेर म्हुं
थनें आग्या देवुं छुं कें तूं उंनें छोडर आव उंमूं उंई घडी
१९ भूत उंवें छोडो। उंकें धणीकें फायदाको भरोसो जवो
मयो वां यो देखर पाउलवें वा सीलासनें पकडो और चो
२० टामें धणीकेकनें तांणर ल्याया। उंपछें वांनें मनसोयां
कनें ल्यायर कयो कें ये यिहूदी आदमी म्हांकें नगरमें मोटो
२१ झगडो करें छे और रीत सिखावें छे कें जको रीत लेखवें
२२ वा मांनणनें म्हांको रोमन् लोगांकें मेंरठीक उ। जद
टोळोका मकसदार जयर वांकें वेरमें उपड्या और मनसोयां

वांनें कपड़ा फाड़र कोड़ातार वांनें कांमड़ी मारबनें आग्या
२३ दीनी वा वांनें मोकळोकूट पवायर अटक्या ओर वांनें निचे
२४ वांनीसूं राखबनें अटकका पोल्यानें आग्या दीनो। उ
पोल्यो इसी आग्या लाधर वांनें मांय अटकमें बाड दीना
२५ वा वांका पग कोडामें दीना। लेर आधीरातका पा
छ वा ओलास् याचना करी ओर भगवानकनें स्तुतीका
२६ ववन गाया वा दूजाकैद्यां वांको गांबो सुण्यो। उंईबेई
अचांचपकरी इसो मोटो धरतो धूजी कें अटकरकी नीव
हाली वा सगळा द्वारका भट खुलगया ओर सावेंका आद
२७ मीका बंधन खुलगया। तद अटकका पोल्याको नींद
खुलर उ बैतासरका बारका खुल्या देखर वा बंदीवांन भागा
छें ओ ध्यांन करर आपकी पाती खोली ओर आपनें
२८ मारबनें त्यार हो पेर पाउल् मोटासुं कयो कें आपको
बिगाड़ो कुंहि मतीकरज्यो क्योंके म्हे सगळा अठें छां।
२९ तद उ पोल्यें पाढ ल्यावबनें केर डाकरमांय आयो वा धूज
३० तोर पाउल् वा सीलासकें सांमे पड्यो। ओर वांनें
बारखें लाढर कयो कें हे म्हाराज जं उद्धार पावबवेई
३१ कांई करसुं वां कयो कें प्रभु यिसुखीष्टकें उपर प्रतीत
३२ कर उंसूं तूं वा थारा कबीला उद्धार पावें। उंपछें
वां भगवानकी कथा उंनें वा उंका भूंपाका सगळा लोगां
३३ नें कयो। तद रातका उहीबेला उ वांनें लेर वांकी
मारका दागा धोया ओर उंहीबेला उ लोग कबिलासुधा
३४ कुत्री दिराई कई। उंपछें आपका भूंपामें वांनें ल्यायर
खांवबनें दीनो ओर आपका सगळा कबिला सुधा भगवांन
में प्रतीत करर राजी हा।
३५ दिन उगां पछें मनसोबदार डीडवांणांनें भेजर कयो कें वा
३६ आदम्यांनें छोड देवो। उंसूं अटकके पोल्यो पाउलनें कयो
३७ कें थांनें छोड देयनें मनसोबदार भेज दीना छें इंबेई अबें

Digitized by Google

हाकीमांकोसूं आवो। लेर पाउल् कयो कें के अके रोमन
आदमी छां वा म्हांनें निस्‍वै न कर्‌र सगलांकें सांमी म्हांनें
कांमड़ो मारोछै वा अटक कीयाछै आर अबें म्हांनें कांई
३८ छानेछोर काढ दीया चावैछै उ असो नहो लेर आप आ
यर म्हांनें छोडें। छीडवाणें आ कथा मजसीयांनें कही तद
३९ वें बीहा जद सुण्या कें वें रोमन् आदमोछै आर आयर वें
४० वांकेंकनें वीनती करी वा बारकें कर्‌र उं नगरसूं जांवनें
वी याचना करी। वें अटकसूं आयर लदियाकें भूंपें गया
आंदछे भायांनें देखर वा धातरी कर्‌र उठासूं गया।

१७ सतरमो पांनो।—उंपछें वें आफिपोलिस् वा आप
लोनिआ देर आयर तस्लोनिकामें पोंता उठें यिहूदियांको
२ एक टोलो छो उंसूं पाउल् आपका रीतमाफिक वांकमें वैठा
आर ब्बारद करतो वा खीष्टको मोत वा मोतसूं उपडणको
३ निस्‍वैको साबतो देता आर आ जको यिशुकें बाबतवेलोकी
कथा कुं थांनें कउंछुं कें उ खीष्टछै आ साबुतपिण देता उं
तोन दीतवार दिनने धर्मशास्त्रकी कथा वांकेंकनें कई।
४ आर वांकें बीचमें कितांई लोगां इतबार ल्याया आर पा
उल् वा सीलास्‌कांनो रया आर भोकला धर्मी यीक् वा
५ चोखां लोगुयांपिण थोडो नही लेर बिगरमतोली यिहूदी
वेंसूं भरपूर आयर कितांक षोटाकार वा कमीणा लोगांनें
भेला करया वा मोटी भोड कर्‌र सगला नगरमें बेंदो उप
जायो उंपछें वांनें लोगांकनें काढणकें लोभ कर्‌र यासन्
६ को भूंपो भांगवां लागा। लेर वांनें न लाधर वा यासन्‌नें
वा कितांक भायांनें तांणर नगरका धणीकनें लेगया वा
मोटासूं कयो कें ज्यां आदम्यां संसारनें उंधायोछै वें अठै
७ बिब आया छै कें ज्यांनें यासन् संथभाग कयो छै आर
यें सगला लोग काईसरकी आग्याको वैर करेंछै वा

८ केंठे वे यिस नांवको दूजी हक राजा छे। और जद धाड वा नगरका भय्या वांको आ कथा सांभली तद वांनें
९ मोटो फिकर वां उपजाई। उंपछे वां यासन् वा दूजा लोगांको धरती लेर वांनें छोड दीना।
१० तद रातका भायांकनें पांउल् वा सीलास्नें बेरायामें
११ मेल्या और वें उठे पोंचर यिहूद्यांकें सिनगगमें गया। ये बेसलोनीकाकें लोगांसूं सुमतो हा क्योंके मनका उमंगसूं वां कथा लीनी और यें विषय बसाई नही आ वांसबेई
१२ धर्म्मशास्त्रको विचार रोजीना करे। इंवेई वांकें बिच में मोकला लोगां प्रतीत करी और यीकको चोखी लुगायां
१३ वा मोट्यारपिन थोडा नही। लेर बेसलोनिकाकें यिहूद्यां जद जांण्यो कें बेरेयामें पाउल्की बोलीसूं भगवान की कथा कयोडी छी तद उठें आयर वां लोईर आदम्यां
१४ नें टंटोल्या। तद दरियावमें जिसो आय भायां भट तिसो पाउल्नें भेज दीनो लेर सीलास् वा तिमोतियस्
१५ उठें रयो। वां पाउल्नें मारग बतायो वें उंनें आतें ल्समें लेगया उंपछे सीलास् वा तिमोतियस् बेगा उंकनें
१६ आवें आ वेंबको आग्या लायर वां विदा लाधी। पाउल् वांकेंबेई आतेन्ससूं बाडजोतोर जद देख्यो कें उ नगर सोलेंबांना देवतावें आग्यावान छै छे उंको मन आपकें
१७ बीचमें मोटो सोझो गयो। इंवेई सिनगगमें यिहूद्यांकें वा सुमती लोगांभेलो वा चोटासूं ज्यां वांकें भेलो मिलाप कर्यो
१८ वांकें भेलोपिण उं रोजीना वाद कर्यो। लेर एपीकूरी वा स्तोइक् धर्म्मका किताक डथापायीं उंकें भेलो अदली बदली करी और कोईर कयो कें यो निकमोकेवालो काई वेंसी और कोईर बोल्या कै समझे ये लोग दूजादेस वाल्यांकें देवतानें उपचार करबवालो लागे क्योंक यिशुकी

१९ वा फेर उपदेशकी कथा उं नें वेंकनें छंटेरो फेरी। ई
बेई वो उंनें कपडर आरेओपागसमें लेगया वा कयो म्हें
क्या जांणसकां कें ओ जको नवीधर्म्म तूं चोडें करेछें सो
२० काईं छें। क्योंस म्हांकें कांनांकेंकनें तूं किता अचेरांकी
कथायां सुणावेंछें इंबेई म्हे जांणी चांवांछां कें यां सब
२१ बांको काईं लंत छें। सगळा आतेन्सी वा जके परदेसी
वांकें भेला रेंछें वेंपिण काईं नवी कथा केंणो अथवा सुणणो
२२ बिगर ओर किनेंई दिनकाढें न छें। इंबेई पावळ आरे
ओपागसकें बीचालें उभा व्हयर कयो कें हे आतेन्सी कं
२३ देखणें सकुंछुं कें थे देवतांका मोटा पूजारी छो। क्योंस
हुं आतोर थांकी पूजा देखर एक वेदी देखी कें जींकेंउपर
लिख्योछें कें अजांण भगवानबेई जो छें तद जींनें थे बिगर
जांण्यांसूं भजना करो छो उंनें हुं थांकेंकनें चोडें करुंछुं।
२४ भगवान कें जीं संसारको वा उंमें सगळी वस्तांनें उपजाई
उ स्वर्ग वा धरतीका प्रभु व्हयर हाथका कर्योडा देवरामें
२५ रेंछें नही। ओर उंनें कोणी वस्त घटती होवासूं जि
सोच्छे तिसो आदमीका हाथकी दोनोडी बस्तनें वा चाकरी
चै नही क्योंस उ जीवतब वा दम वा सगळी बस्त
२६ सगळा लोगांनें देवेंछें। फेरपिण धरतीका मुंडा उपर
रेणबेई उं एक लोईसूं सगळी जातका आदम्यांनें उपजाया
छे ओर पैलडा निस्चलकर्योडी वेळाको वा चांवेंकी आद
२७ मीको रेंणको हद निस्चेकरोछें कें आदमी कीतरें सो
भतार उंनें ढाथणें उंनें सोधें उ म्हांसुं कींसुंई अलगा
न छे उ साच क्योंस उंकें बीचमांसूं म्हे बचांछां वा भटका
२८ छां वा रांछां कें जिसो थांकें बीचमें कोईर पारखा कयो
छेंकें म्हे उंका कुळ छां इंबेई म्हे जर भगवानके कुळ छां तो
२९ ओ ध्यान करणो म्हांनें ठीक नही कें आदमीका हुनर वा
बुद्धसूं घोवाडो सोनो अथवा रुपो अथवा भाठासरिखो

Digitized by Google

३० ईश्वरत्य धी छै। भगवांन इ बिगरहोंवोवी बेला देयर
अदेख्यो सरिषा करयो ओर अबें सगला जागामें सगला
३१ लोगांनें पांमखा देवाकी आग्या देवेंछें। क्योंस एक दिन खं
निश्चेंकरयो छै कें जींमें उ जीं लोगनें निश्चें करयोछें उंकें
वांहसूं सांचसूं संसारको बिचार करसी ओर उंनें मोत
सुं उपडर उं इंको ठीक साबतो सगलांनें दीनोछें।
३२ वां मरयोडा आदम्यांकी फेरउपडणकी कथा सूणी
उपर कीतोर मसकुकरी करी ओर कितोर कयो कें म्हे इ
३३ बातपेलीमें फेर थारी कथा सुणस्यां। तद पाउल्
वांकें नेडांसूं गयो ओर कितराक लोक उंकेंकाणी रया वा
प्रतीत करी वांकें बिचमें दियोनिसियस् आरेओपागी
वा दामारिस् नांवकी एक लुगाई वा ओर कोईर वांकें
भेला छा।

१८ अठारमो पांनो।—जो सगलो पछें पाउल् आर्वे
२ न्सनें छोडर कोरिंत्में आया। ओर पंतस्में उपज्यो आव
ला नांवका एक लोम यिहूदानें लाधो कें अबा आपकी बउ
प्रिस्किलाथें भेलो थोडा दिन हुवां इतालियासुं आयर वांकें
कनें आयो क्योंस हंम् क्लौदियस् समला यि
३ हुदानें आग्या दीनी छो। ओर वांकें इसो काम करण
वालो हुयर वांकें भेलो रयो वा काम करया क्योंस वें डेरा
४ सिवणको काम रायता छा। ओर उ सदादीतबारनें सिन
गगमें बाद करतोछो वा यिहूदी ओर यूनानी यां दोयांको
५ मन मोडतो छो। सोलास् वा तीमोतियस् माकीदोनियां
सुं आयां पछें पाउल् गदगदो हुयर यिहूदांनें सावतो
६ दीनो कें यिसु अको उ खीष्टछें। ओर वां जद आपांवें
उंको बैर करर भंडा करी तद उं आपको गाभो फाडर

Digitized by Google

थांनें कयो कें थांको लोई थांकें आपकें माथाउपर हो
जं बिगरथांमी हुं अबारसूं जं दूजादेसवाल्यांकनें जा
७ सुं। उंपछें उ उं जागासूं जायर यस्तस् नांवको एक
लोग भगवांननें पूजबवालाकें घरें गयो वें जींको भूंभ सि
८ नगगकनें छे। लेर सिनगगकें धणी क्रिसस् परिवार
सुधो प्रभुउपर प्रतीत करी लेर मोकला कोरिंथियांपिण
९ सुणर प्रतीत करी लेर हुबी दियोडो जवो। तद
प्रभु रातका एक देखालामें पाउलनें कयो कें तूं मती बोहें
१० लेर कयायां कें अबोल्यो जयर मती रें क्योंस थारो भेव
पी जं हुं लेर किनेंई हिंसावेई तनें भोंटबां न देसुं क्योंस
११ इं नगरमें म्हारा मोकला लोग छें। उंपछें पाउल्
वांकें बिचमें भगवांनकी कथा भणावतो डोढबरसवेंठो
रयो।
१२ जींवेळा गालिओ आखायियाका प्रकन्सल छो उंवेळा
यिहूदी एक जयर पाउलनें ओरावरी करर मंछोनें लेगया
१३ वा कयो भगवांनकें भजनकी जका रीत उंको उंधो करब
१४ नें यो सिखावें छें। तद पाउल् मुंडो खोलब लागो
पछें गालिओ यिहूदीनें कयो वें हे यिहूदी ये सुबो
अर कोई हिंसा अथवा बुराई करबको मुकदमो जवो तो
१५ थावच जयर थांको कथा सुणणी मनें ठीक जती। लेर
बात अथवा नांव अथवा थांकें सास्त्रकें कथामें अर हें वो थे
१६ उ देखो क्योंस जं इं मुकदमाको मनसोबो नजसुं। उंकें
कारण उ उं अदालतभूंपासूं वां सगळा लोगांनें धकाय
१७ दीना। तद सगळा यीक लोगां सिनगगको धणी सस्ते
नस्नें लेर मंछोकें सांमो माण्यो लेर गालिओ इंको कुछि
पिण मांन्यो नही।
१८ ओर पाउल् मोकला दिन उठें रयो उंपछें भायांसूं
बिदागी लेर उंकें एक मोवध छो इंवेई आपका केस के

केयामें मुडायर उठासुं नावऊपर सिरियामें गयो श्रोर
१९ प्रिस्कला वा आकला उंकें भेला गया। उं एफेसस्में पोंतर
वांनें छोड्या लेर आप सिनगगमें जायर यिहूदयांसूं बडो
२० कयो। उं नागाका आदम्यां चायो कें उ श्रोर थोडा
२१ दिन वांकें भेलो रें लेर उं उ बारें नकयो। लेर बिदा
हुयर कयो कें यिरूसलममें अवो तौंवार हसी उ तौंवार
पालबो मनें मेकलो जरूर छें लेर भगवांनकी मरजी हवी
सूं थांकेनें फेरआसुं उंपछें उ एफेससूं नावऊपर
२२ गयो। श्रोर काईसारियामें पोंचा श्रोर जायर टोलोनें
२३ बनबा करर श्रान्तियोखमें गया। श्रोर कयुंहि दिन
उठेरेंर परो गयो उंपछें सगला चेलानें मातरजमा कर
ते गालातिया वा फ्रिगिया मुलक सगलो जागा होवेंर
गयो।
२४ उंबेला बोलोबेनवाला श्रोर धर्म्मग्रंथमें पूरो वाकिफ
जिय नगरमें जाम्योडो श्रपलस् नावें एक लोग यिहूदी
२५ एफेसस्में श्रायो। श्रो आदमी प्रभुका मारगमें सिखायो
डो श्रोर मनमें रत हुयर बारो योहनका हुलोसूं
जानकार हुयर प्रभुकी कथामें मन लगायर कयायी कही
२६ श्रोर सीखावण कराई। उ लोग निडरसूं सिनगगमें
केण लागो उंसूं आकला वा प्रिस्किला उंकी कथा सुणर
उंनें आपकें कनें लेगया वा भगवांनको मारग श्रोर चोखी
२७ तरें समभायो। उंपछें उंसूं आखायामें जाणको मन
सोचो कयो पछें भायां उंसूं आवह लैखवेंड चेलांनें लिख्यो
उंपछें उं जागा पोंचर ज्यां कृपा कायर प्रतीत करी ही
२८ वांकी भोघली उपकार उं करी। श्रोर यिसु ज को खोटछें
इंको साबतो आप्तमें देख उं यिहूदयांकें भेला नांवजादीक
हुयर मोटी भदलीबदली करी।

१९. उगणीसमो पानो।—उंबेळा ईसो अवो आपलस्
करन्थोमें जद रयोछो उबेळा पाउल् उपरका देसमुं मातोर
२ इफिसस्में पोंतो उंपछें कितांक चेलांनें लाधर वांनें कयो कें
थे प्रतीत करणपछें धर्म्मात्मानें लाधा छो अथवा नही वां
उंनें उथलो दीनो कें म्हे सुण्यो नही कें कोई धर्म्मात्माछें।
३ उं वांनें कयो तो थीं डुबीसूं डुबोदिरायोछोछा वां कयो
४ कें योहनकी डुबीसूं। तद पाउल् कयो कें जीनें
आपकें पछें आवणवाला अथवा ख्रीष्टयिसु उंकी प्रतीत
करणनें योहन् लोगांनें पैर पांमणाकी डुबीदिराई सही।
५ तद वी या सुणर प्रभुयिसुका नांवसूं डुबीदिराई अई।
६ ओर पाउल् वांकें उपर हाथ दीनांपछें धर्म्मात्मा
वांकेंउपर पड्यो ओर वें नवीबोली बोलता निमियिया
७ की कथा बोल्यो वें सगळा लोग बारेक जणां छा। उं
८ पछें पाउल् सिनगममें आवर मासतीनेक बदलीबदली
करी ओर भगवांनकें राजकी कथांको सावूत देर निडरसूं
९ कथा कही। लेर कितांक लोगां करडा अयर वा प्रतीत
नकरर लोगांकें सांमी ईं मारगको नंधा करी उंबेई उं
वांका पाससूं आयर चेलांनें न्यारा कया ओर तराभस्
१० नावका एक लोगकें पोसाळमें सदाई पडो कयो। साल
दो एक यो अवो उंसूं यिऊदि वा योकंबिगर आसि
११ याका सगळा रेणवाळा प्रभुयिसुकी कथा सुण लई।
ओर भगवांन अचंभो अछेराकांम पाउलको वांहसुं
१२ कया। उंसूं अंगोछो अथवा पोत उंका डीलसूं मांदा
लोगांकनें लेगया उंसुं रोगण उंसुं छुटो ओर भूत वांनें
छोड गया।

१३ तद भूत लागोडा आदम्यांउपर कितांक कांगा यिऊदी
लोग बोरोव्या प्रभु यिसुको नांव लेर कैंण लागा वा बोल्या
कें जीं यिसुकी कथा पाउल् ढंढेरो करेंछें उं यिसुका नांवसूं

Digitized by Google

१४ म्हे थांनें आग्या देवांछां। स्केवा नावें यिहूदांवें बिचालें एक
१५ बडापिरोहितकें सात डावड़ा यो कयो। लेर उं भूत उथलो
देर कयो कें यिसुनें हूं जांणुं वा पाउलनें हूं जांणुं लेर
१६ थे कुणछो। उंपछें भूत लागोडो वांकेंउपर दड
बडो मारी वा बलकरर वांनें जीत्या उं कारण वें उ घर
१७ छोडर नागा वा घावल्या हुयर भागा। इफेसस्‌वासी
सगलां यिहूदांकें वा ग्रीकांकेंकनें यो जांणिज्या उं कारण
सगलांउपर भय पड्यो वा प्रभु यिसुका नांवसूं महिमा
१८ हुई। और ज्यां प्रतीत करी वांकें मोकला लोगां
१९ आवर आपको कांम आरे कर्यो वा चोडें कयो। बोरीच्या
पणो ज्यां कर्यो वे इसा मोकला लोगां आपकी पोथ्यां
भेली ल्यायर सगलांकें सांमो बाल दीनी उंपछें वां
२० सगलांनें मोल हिसाब करर जांण्यो कें उ पचास्‌ हजार
थांन रुपे हुवो प्रभुकी कथा जोरावर हुयर इसी बधी
वा फते करी।
२१ यो सगलो हुवांपछें पाउल्‌ माकिदोनिया वा अखाया
या हुयर यिरुसलम्‌में जाणको बिचार कयो और कयो
२२ कें उठें गयापछें मनें रुम्‌ देखणो पडसी। उंपछें आपकें
नेडो जी चाकरी करी इसा जको तीमोतियस्‌ वा एरा
स्तस्‌ यां दोन्या लोगानें माकिदोनियामें भेजर आप कुंछ
२३ दिन आसियामें रयो। उं वेळा उं मारगको बाबतेलोमें
२४ मोटो बेंधो हुवो। क्योंके दिमेत्रियस्‌ नावको एक
लोग रुपाको कामकरणवालोछो वें जो दियानाको रुपा
को मुरत त्यार करणसूं रुपाका कामकरणवालानें मोकलो
२५ फायदो दिखायो। उं वांनें वा उंतरेंका कामकरणा
वालानें भेला करर कयो कें हे भायां थे जाणोछो कें ओ
२६ काम करणसूं म्हानें माया मिलेंछें। फेरपिण थे देखोछो
वा सुणोछो कें इं पाउल्‌ हाथको बणाडोयो जको सो भग

वाम नही वा कथा वेंर वोरा रफेससमें सो नही वेंर
प्राय सगला आसियामें मोकला आदम्यानें सीखावय
२७ दोनीजें वा मारगसूं फिरायोजें। इसूं म्हांको काम
जाे निकमो करोजासी वाखी जो बदलो नजें वेर देयाना
म्हादेवको देवरो निकमो कखो वा उंको प्रताप बिगाड
कखोजायको टंटे जें कें जींको पूजा आसीयाका सगला
२८ आदम्यां वोर संसारकाधिय सगला लोग करेंजें। वें
आ सुणर रीसमुं वोछिज्या वा मोटामूं कयो कें रफे
२९ ससनें दियांना मोटी। तद सगला नगर दंगामें
भरीज्या उंसूं माकिदोनियाको गाईयस् वा आरिस्ताखस्
पाउलके यां दोयांभिरियांनें कपडर वां एक मनसूं तमा
३० साका भूंयें दोड गया पाउल् लोगांकेकनें बड्यो चायर जेकां
३१ उंनें जाख न दोनेर। आसियाका कितरक लोग मनसो
बोपिय उंका संगाव्या ऊपर उंकेकनें आदमी मेवार बीनती
३२ करो कें उ तमासाका घरमें न जाय। उंबेका कीखो एक
बाया कहो वोर कोखो दूजोर कथायां कहो वोर घाड
सूं टंटो ऊवो वोर बत्ती विराडका लोगां जायो नही
३३ कें क्यांवेई भेला ऊवा। उंपजें यिऊयां उंनें अगाडोर
करर वो घाडसूं आलेक्सांडरनें कराय दोनो तद आवे
क्यांत्र हाथसूं सानो करर लोगांकनें क्युंही कयां चायो।
३४ लेर जद जाण्यो कें उ यिऊदी जें तद सगला लोगां रको
बार मोटा हेलासूं पांच घडीताई कयो कें रफेभियांकी
३५ दीआना मोटी रफेसियांकी दीआना मोटी। उंपजें नगर
कें दीवान लोगांनें अबोल्या रखायर कयो कें हे रफेसमी
धे सुखो कुण जो न आंयेजें कें रफीसस् सहरका रेणवाळा
सगला लोग यूपितरसूं पड्योडा दीयाना म्हादेवकी पूजा
३६ करेंजें। इंबेई कें सगला अर अखंड के लेः म्हांनें सोच कर
३७ यो वा वेगा क्युंहि न करणको जरुरजें कोंस ये वा आद

Digitized by Google

म्यांनें ल्याया छो कें नके देवताका भूंपाका चोर नही ओर
३८ थांनें देवीकी नंद्या करणवालापिण नछें। इवेई देमेत्रियस्
वा उंकें साथका कांमकरणवाला कुंहि अदलो कर कोणी
उपर कै तो मंडी खुलीछें वा उकीलपिण छै वें आव
३९ साव करें। ओर थर ओर कोणी कांमका फायदामें
४० पूछ्यो चावें तो ठीक पंचायतोमें सुलभासी। क्योंथ
इ भोड होणकी कुंहि कारण नहेंथ्लूं आज म्हांको आफत्
४१ छें कें इ हेलाकें फायदामें पूछ्या जासी। उं यों कयां
केर भाडनें बिदा दोनी।

२० बीसमो पानो।—उ दंगो मुलज्या पछें पाउल्
चेलांनें बुलायर वा बांथगोरी करर मासिदोनियामें
२ जांणनें कूच कयो। वो उं देसमें भटकर वा वांनें मोकलो
३ सोधावथ करर यीक देसमें पोंचा। ओर उठें तोन
मासतोडी रयापछें ज्याजमें सिरियामें जांण लागा ओर
उंनेंहा उनें मारणनें यिहूदी घातमें लुकरयां पछें उं
४ मासिदोनियाकें मारगमें फेर जणो बिचारो। कर
बिरेयाको सुपावर वा तेसलोनियांके आरिस्तारखस् वा
सेकुंदस् वा दर्बीका गाईस् ओर तिमोतियस् वा आसि
५ याका तिखिकस् वा त्रफिमस् वांकें भेला आसियामें
गया। वें समला अगाडी जायर त्रोआस्में म्हांकें वेई
रया।
६ बिगरखाडाकी बाटीकें पछें म्हे फिलिपि छोडर नाव
उपर पांच दिन जायर त्रोआस्में वांकेंकनें पोंचा वा म्हे
७ उठें सातदिन रया। अठवाडाकें पेंलडें दिन चेला
बाटो तोडणनें भेला हवा पाउल् उंवेका तोनें सोधावण
देर दूजेंदिन जांणनें त्यार हवो वा आपवें सोधावण
८ आधीराततोडी करी। उपरली भींतोमें वें भेला

Digitized by Google

९ जद उ मेंडीमें मोकला दीवा छा इउतिखस् नांवको एक
मोट्यार बारीमें बेठर मोटी नींदमें छो। जोर पाउल्
मोकलो बिरियांतांडी आपकी सीखावण करेंछे उं बिचालें
उ लोग अचेत नींद लेर तिपडसूं पड्यो वा मुडदासरिखो
१० उपाड्यो गयो। उंसूं पाउल् उतरर उंकें उपर पड्यो
वा उनें बांथमें लेर बोल्यो के कुंचि हाकर मती करो
११ क्योंस उंको जीवछें। उंपछें दूजीबेला उपर आयर वा
बाटी तोडर वा खायर मोकली बेलातांडी अथवा प्रभात
१२ तांई वांकेंभेली कथावार्त्ता करी उंपछें गयो। जोर वां उ
मोट्यारनें जीवतो ल्यायर मोकली धातरीजवा। लेर म्हे
१३ अगाडी ज्याजउपर जायर आसोस्में गया उं जागा म्हांनें
पाउल्नें लेणो पड्यो क्योंस उं आप पाळो जांणो सरायर
१४ उसोंई निर्ने कयो छो। जद उ आसोस्में म्हांकें भेलो
१५ मिल्यांपछें म्हे उनें लेर मितिलीनीमें पोंता। जोर उठासूं
ज्याजउपर जायर दूजेंदिन खिओस्कें सांमें पोंचा वा उंकें
दूजें दिन सामोस्में उतरया जोर त्रोगीलियम्में रया वा
१६ उंकें दूजें दिन म्हे मिलेतस्में पोंता। आसियामें जोररेंवनें
न चायर एफेसस्में जयर जांणो पाउल् ठेरायोछो क्योंस
जर जय सकें तो पेंन्तिकस्की बेला यिरुसलम्में अबे ज्यार
१७ हें आ फिकिर उंसूं मोटीछी। उं मिलेतस्सूं एफिसस्
१८ में आदमी मेलर टोलीकें बोदोडा लोगांनें बुलाया। वे
उंकेंकनें पोंतांपछें उ वांनें आ कथा कही थे जाणकार छो
१९ के जीं दिन उं पेंलडो आसियानें आयो उं दिनसूं जिसो
मोकलो कोमल मन जयर वा आंख्यां आंसूंवासूं भरर
यिहूद्यांकें लुकरेंणसूं अबे मोकली कीमत म्हारेंउपर
आंणपडी उसूं कोमलवंत जयर प्रभुकी सेवाकरणसूं जं
२० जीं उथिचारें थांकेंकनें रयाई छो। जोर थांके
२१ हितकरणवाळो कुंछि छिपाय न राख्यो लर भगवांनकें

Digitized by Google

थनें वामथा वा म्हांनें प्रभु यिसु खीष्टउपर पती तनें निस्चें
की सावतो देतार्‌ थांनें ओं उंखिहारें पगटसुं खोर भूंपेंर
यिजदी वा यीक यां दोन्यां लोगांकनें आहिर कखो वा
२२ भखायो।　　धर्मात्मा चावेंओं नगरमें खो सावतो देवेंछें
कें बंधन वा दुख जको म्हारी बाट जोवेंछें इं बिगर म्हारें
२३ उपर यिरुसलममें जकोर्‌ ऊमी वां समकी बातखेतिमें न
आनजयर देवो ख्रबें ऊं खाभामें बुंदिगर उं जागा जांउंछुं।
२४ लेर ऊं यां कीखी फायदामें चिन्तावान नछुं खोर म्हारी
सेवाको सगलोकांम राजोसुं पूरो करूं वा भगवानकी खपा
की मंगलीक कथां सावतो देखवेंईं जका सेवा में प्रभु यिसु
कांनी खाधीछै वा सेवा पूरी करखवेंईं ऊं आपका जीवनें
२५ प्याहो करर जांखुं नछुं।　खोरयिख देख ऊं ख्रबें जांखुंछुं
कें थे सगला ज्यांकें बिचमें ऊं भगवानकी राजकी कथा कें
२६ तोर्‌ मथोछुं म्हारो मुंडो खोर कदे देखसो नही। इंवेईं ऊं
खाज थांनें सायदी देउंछुं कें ऊं सगला लोगांका लोहसूं
२७ साफछुं क्योंस थांनें भगवानको सगलो मनसोबो जका
२८ वखमें में छोड्यो नही।　　इंवेईं भगवान आपका लोहसुं
ओं टोलीनें मोल लीनीछें उं टोलीनें रुखालीसुं पालखनें
आपनें वा ज्यां सगलां पालांउपर धर्मात्मा थांनें दिखावख
वालाकें उंखिहारें निस्चें कखोछें उं टोलीनें नेघेबानीसुं
२९ राखो।　　क्योंस ऊं जांखुंछुं कें म्हारें जाखकेंपछें निर्दयी
ल्याली पालाउपर कुंदि छपा करर थांमें बडसी। खोर
३० थांकें बिछमांसुं चेलांनें तांख लेखवेंईं आदमी उंधी कथा
३१ केखवाला लोग उपडसी।　　इंवेईं कें में खांसु भखोबो
कयर तीन सालतांडी रातदिन चावेंसो आदम्यांनें सीख
३२ ददवेंईं छोड्या नही थे खो चितारो योरो देवो।　　इंवेईं
हे भायां ख्रबें ऊं भगवानकनें वा उंकी खपाकी कथायां

कनांधिया थांनें मजबुत करवाउं के जको थांनें ओड सकेछे और
जके निर्मळ करीयोडाछें वां समळांकें बिचामें थांकें कोठार
३३ देवाके सगळछें। में कोंकेंई रुपाको अथवा सोनाको अथवा
३४ गाभाको लोभ करयो नही। थे जांणोछो के यां हाथां
म्हारो आपको निरबरपणो मेटाबवेई सेवा कोनीछें वा
३५ म्हारें भेळा जको आदमींका वांकोपिण उपगार करयो। में
थांनें सगळी जगांईछें के मेंनत कररे निबळा आदम्यांको
उपगार करणो और प्रभु यिशुकी उं कथा चितारणी
३६ जिणोंछें के लेवासुं देणो सुखदाईछें। उं आ कथा केर
३७ गुडोंला जवे वा वां सगळां भेळा याचना करी। और
वां सगळां मोटी हायरकरर पाउलुकी गाबड़ कपड़ी वा
उं उंका कथा कईछी के वें और केदेई उंको मुडो देखण
३८ न पासी। उं कथाउपर जोरपिण लेवीन ऊपर
उंनें चूमो उं पछें उंके भेळा वें ज्याजऊपर गया।

२१ इकीसमो पांनो।—उं पछें वांनें छोडर म्हे वा थेर
डी उपाडर पाधरा मारगसुं जातार कोआसमें पोंता वा
२ दूजें दिन रोदेसमें वा उठासुं पातरामें पोंता। और
फिनिकियामें जावताला एक ज्याज लाधर उंकेंउपर
३ चढर म्हे खरडी उपाडी। और कुप्रसनें देखर म्हे उ डावी
कांनी छोडो वा सिरियामें गयो वा सूरमे किनारें उपर
गया क्योंसु उं जागा जाहाजको भार उतारणो पडो।
४ उं जागा चेलांनें लाधर म्हे उठें सात दिन रयां वां आत्मा
की बांहसुं पाउलुनें कयो के उ यिरूसलममें न जाय।
५ सात दन पूरा करां पछें म्हे डेरो लयो और वें सगळा
म्हांकेंभेळा लुगायां वा टाबरां भेळा नगरके बारखे गया
६ तद म्हे गुडल्यां ऊपर दरियावकेंतीर याचना करी। उं
पछें आपवमें बांथगीरी ऊपर ज्याजऊपर चढ्या वा

Digitized by Google

७ में आपणेंर भूंपें मुड गया। और म्हे सूर छोडर पतिमा
इसमें पोंता उंपछें भायांसूं बाह्गीरी करर एक दिन वांकें
८ भेळा रया। दूजें दिन पाउल् का उंका भेळपीयां उंनें
छोडर काईसारियामें पोंता और मंगळीक कथा ढंढेरो
करणवाळा फिलिप्कें भूंयें आयर उंकें भेळा रया उ सात
९ आद्मीयांमें मांयलो एक लोगछे उंकें कंवारी च्यार डाव
१० डो बथी छी। म्हे उठें मोकळा दिन रैणसुं आगावस्
नांवको एक लोग बिभिवियो उठें यिळदाह् देशमें आयो।
११ उं म्हांकेंकनें आयर पाउल्को कमरबंधो लेर आपका हाथ
पग बांधर कयो कें धर्मीत्मा आ कथा केछें कें जीं लोग
को ओ कमरबंधो छें यिरुशलम्का यिळदी उंनें इं तरें
१२ बांधसी वा दूजादेशवाळा लोगकें हाथांमें बपडासी। उं
आ कथा कयां पछें म्हे वा उठें रैणवाळापिण उंनें यिरुश
१३ लम्में न जाणबेई बीनती करी। लेर पाउल् उथलो
देर कयो कें थे रोतर म्हारो मन तोडर काँई करो
छो क्युं म्हाली बांध्यांा जाणबेई त्यार नछुं लेर प्रभु यिसुका
१४ नांवबेई यिरुशलम्में मरणनेंपिण त्यार छुं। इंबेंई उं
म्हाको कह्यो न मानणसूं प्रभुकी रुचि ह्वे आ कथा केर म्हे
१५ अबोल्या रवा। इंपछें म्हे आपको डेरोडांडो भेळा करर
१६ यिरुशलमनें कूच कयो। काईसारियाका कितराक चेला
म्हांकें भेळा आयर मनसी नासन् नांव एक बोदोडा चेला
कें भूंपें म्हांनें लोयाया कें ओंकें भूंपें म्हांनें रेणो पडो।
१७ इंपछें म्हे यिरुशलम्में पोंता पछें राजीखुशीसूं भायां म्हांनें
१८ लीना। दूजें दिन याकुब्कें भूंयें म्हांकें भेळो पाउल्
१९ गयो और सगळा बोदोडा लोग त्यार छां। और उ
वांसूं बाह्गीरी करर गुदरायो कें दूजादेशवाळ्यांकें बिच
२० में धांकें करणसूं भगवांन अकोर कयो छे। वां सुणर
भगवांनकी स्तुति करी और उंनें कयो कें हे भाई थूं

देखेछै कै यिहूद्यांकै बिचाळै कित्ता हजार लोग प्रतीत करै
छै और वै तौरैतकी पाळबेकीमें वै सगळा मोटा उदेगकरब
२१ वाळा छै। वां थारी खबर सुणीछै कै तैं डावडांनैं सुनत कर
णी वा रीतसरोंपै चालणो नैर ठीक कैर दूजादेसवाळ्यांकै
बिचाळै रैवबवाळा सगळा यिहूद्यांनैं मोसहूनैं छोडणैं सिखा
२२ वैछै। जो अब काई छै सगळा थोड मुकर भेळा जयर
२३ आसी क्योंक थारैं आवबकी खबर वै सुणणैं पासी। इंसूं
म्हे अबै थनैं कहां सो कर म्हे च्यार लोग छै जां कै ज्यांको
२४ एक नीयम छै। वांनैं लेवा वांकै भेळो आपनैं निर्मल कर
वा माथो मुंडावबको खरच वांनैं भेळो कर कै सगळा कोई
जांणै कै थारैं बाबतमें जकैर कथांया वा सूणीछै वै कुंछ
नहीं और थैं तूं रीतकैरको पाळर तौरैतनैं मानैं छै।
२५ और दूजादेसवाळा प्रतीत करबवाळा लोगांकै बाबतमें म्हे
लिख्योछै वा निस्चैं कयो छै कै देवतांकी सीरणी वा लोह
वा गळघोंट्यो ठेर मारयोडोजन्त वा जारी छोडणैंबिगर वै
२६ इनैं कुंछ न मानैं। तद पाऊल वां लोगांनैं लीना और
दूजैदिन पवित्र जयर वांवैंजी आदमीबेई उपसर्ग देखवैं
बिरियां पवित्र करबको जको दिन पूरो छै जो गुदराव
२७ बनैं वांकै भेळो देवरामें गयो। और प्राय· वै सातदिन
पूरा जबासूं आसियाकै यिहूद्यां उनैं देवरामें देखर सब
२८ वा लोगांकै बिचमें भेळा उथलायर उनैं कपड्यो। वा
मोटा हेलासूं कयो कै हे यिस्राएली लोग उपगार करो
यो उ लोग.छै कै जको चावैंजी आगा लोग वा तौरैत वा
ईं जागाका बैरमें सगळा आदम्यांनैं सिखावैछै. और यिह
उ देवरामें यूनानी लोगांनैं ल्यायाछै और ईं पवित्र जागा
२९ नैं भिसटपिस कयो छै। वां पहला एफिसस्कैं त्रोफि
मसनैं नगरमें उंकै भेळो देख्यो छो इंसूं वां ध्यान कयो कै
३० पाऊल उनैं देवरामें ल्यायो छो। और सगळा नगर

में वैधो वा लोगांको मोकलो धवाई ऊई उंसूं वां पाउलनें
२१ बाबर देवराकें बारवें चाबा तद भेगो बारबा मग्यो। वां
उंनें मारांचायो उंवेला लसकरकें धणीकनें यबर आई कें
सगला यिरुसलम्में गुंगदो ऊवो उं लसकर वा एकसो डी
२२ डवांयांका धणीनें भट लेर वांबें बिचाबें दोडर आयो वां
लसकरका धणीनें वा डीडवांयांनें देषर पाउलनें मारबो
२३ बरज्यो। तद लसकरकें धणी नेंडो आयर उंनें कपड्यो
वा दोय सांकलांसूं बांधबकी आग्या दीनी उंपछें पूछ्यो कें
२४ उ कुण छे वा कांई कयो छे। तद भाडमें कोईर हेबा
करर यक बथा कही ओर कोईर ओरर बथां कही
ई वेबासूं उ क्युंहि ठीक कर न सक्यो कोटमें उंनें लेजाव
२५ बकी आग्या करी। उ पगथ्यां उपर चढतो इसो ऊवो
२६ कें लोगांकी धकाधूंमसूं उ लसकरसूं उचबो गयो। कोस
जमाव पिछाडीर आयर मोटासूं कयो कें उंनें धबमो
२७ करो। ओर मींवेला पाउलनें कोटकें मांय लेगया
उंवेला उं ठावासेनानोनें कयो कें जं थारेंकनें क्युंहि कंय
२८ पासुं उं कयो कें तूं कांई यीक बोबो बोलसकें छे। तं
कांई उ मिसरी नहीं कें जीं इंवेलाकें पेलडा वैधो कयो
ओर च्यारहजार हथ्याकरबवालांनें ओडमें बारें ले
२९ गयो छे। लेर पाउल कयो कें जं किलिकियाका तार
सोस्को यक यिऊदी छुं जं इसाउसा नगरको रैबवालो
छुं ओर जं वनें वोनती करंछुं कें मनें लोगाकनें कथा
३० केंबदे। तद पाउल आग्या बाधर पगथ्यांउपर उभो ऊवो
वा लोगानें हाथसूं सांनी कर्यांपछें लोग अबोल्या ऊवा
पछें यबरी बोलीमें वांनें कयो।

२२ बाईसमो पांनो।—वें हे आदमो भायां बाभें थांकें
२ कनें म्हारो बको उथलो छे उ थे सुणो। तद वां सुण्या

Digitized by Google

कें उं एबरी बोलीमें वांनें कयो तद मोबका चबोल्या
२ जवा। और तद उं कयो कें साच हूं किलिकियाको तार
सोसमें उपज्यो एक लोग यिऊदी हुं और इं नगरमें गामा
लीएलकें पगांकनें सीख्योहुं वा पितरांको लोरेंतको मोक
और सुब मतमाफिक सिखायोडो हुं और जियो थे सब
आ आज भगवांनउपर उछेगी जवा हो तियो पैलडा
४ हूंपिब हुं। जो मोव्यारांनें वा लुगायांनें बांधर भाग
५ सोमें रावर में मोतलोडी इं मारगकि बैरता करी। बडा
प्रोहित वा बेःदाडा लोगांकी पंचायत म्हारें इंका सावदी
हे वांसूं में भायांकनांसूं कागद लाधर दमाझेक्का भके
लोग बांध्या गया हो वांकें भय पांवणबेई यिरुसलममें ल्या
६ वणबेई उठें गयो। और इसो हुवो कें हूं जातोर दमा
झेक्कें नेडो पोंचा पछें सकीवार खगंमें एक मोटो चानणो
म्हारें च्यारांकांनी देपैरदिनकोबेला चानणोसरीखो हुई।
७ उंसूं हूं धूलउपर पड्योहुं और में एक साद सुण्यो कें
अका बोली कें हे साउल् हे साउल् म्हारो दुसमणाई क्यों
८ करोछो उंसूं में उथलो दीनो कें हे प्रभु तूं कुणछे उं कयो
कें हूं यिसु नासरेन हुं कें तूं जींको बैर करें छे।
९ म्हारें भेलपो लोगां उ चांनणो देख्यो वा बीहा सही लेर
१० वां मनें कया करी उंको साद सुण्यो नहो। उंपछें में
कयो कें हे प्रभु हूं कांई करसुं प्रभु मनें कयो कें तूं उपड
दमास्केक्में जा उठें थारो करणदो काम निछेंछे उ समलो
११ उठें थारेंकनें कयो जासी। उं चानणावें तेजसूं हूं
देषण न सकणसूं म्हारा भेलप्यांका हातसूं लेगयो जबर
१२ दमास्केक्में पोंतो। तद खननियाह् नावें एक लोग कें
लोरेंतमें जींको सुख्याति उं च्यारांकांनोमें रैणवाला सगला
१३ यिऊदयांकें बीचमें हो। म्हारेंनेंडा आयर उभो जबर
उं कयो कें हे भाई साउल तूं देख सक उंईवेळा में उंवें

१४ उपर दिसठ करी। उं पछें उं कयो कें म्हांकें बडेरांका भग
वांन आपको सुभाव जांणणें वा उं धर्मीनें देषणें वा उंकें
१५ मुंडाको कथा सुणणें तनें निस्चें कर्योछें क्योंके जकेर विषय
तें देषीछें वा सुनिछें वा सगवांमें सूं सगला लोगांकनें उंको
१६ सायदी ह्वसी और अबें ढील क्यों करेंछें उठ डुबोडो लें
और प्रभुका नांवसूं याचना कररं आपका पाप धोय
१७ बांघ। उंपछें इसो ह्वो कें जं यिरुसलममें गयां पछें
जों बेला देवरामें जं याचना करतो छो उंबेला जं अचेत
१८ ह्वो। उंबेला आ कथा बोंलवाला उंनें में देष्यो कें
वेगो कररं यिरुसलमसूं झट डेरो लद क्योंके म्हारा फाय
१९ दामें थारि जको सायदी सो वें लेसी नही। में कयो
कें हे प्रभु वें जांणेंछें कें में वांनें जेलमें अटका वा सिन
गगमें मारया कें जके थारें उपर प्रतीत करेंछें औरथिफा था
रो सायदी लिफानस्को लोहू जद पडाया छो तद में उंका
मारनांवाला फायदामें नेडो उभो रेर एकमन छो और
२० उंकें मारणवालांको गाभो राष्यो। उंपछें उं मनें कयो
२१ कें तू आ क्योंके जं दूरआदेसवाल्यांकनें तनें अलगो मेलसुं।
२२ तद वां उंको इं कथातोडी सुण्यो उंपछें मोटासूं कयो
कें इनें संसारसूं अलगो करो उंको बचणो ठीक नही
२३ तद वें हेला करेंछें वा आपका गाभा षोलेंछें वा षेउ उडा
२४ वेंछें उंबेला लसकरकें सिलेंदार बकसीनें उंनें कोटमें लेजा
वणकी आग्या करी और उंकें बैरमें वां इसा हेला क्योंबेई
करया आ जांणणकें उंनें कोरडा मारणसूं ब्यांन करणकी
२५ आग्या दीनी। वें तावसूं उंनें अकडेंछें उंबेला पाउल्
आपका नेडाका षडा हो डोडवांण्यांको सिलेंदारनें कयो कें
रोमन दूजी आग्या बिगर आंधी आद्मीनें मारणो कांई
२६ तनें ठीकछें एंकसो डोडवांण्यांकें जमादार सुणर जायर बस
षरका सिलेंदार कणीनें कयो कें तूं जको करेंछें उंसूं

Digitized by Google

२७ मिखेवांन के क्योंस को लोग रोमन् छे। तद असवारके
सिलेंदार धणी आयर कयो के मनें के तूं रोमन् अथवा
२८ नही उं कयो के हां छुं। असकरके सिलेदार धणी
कयो के में मोकला रुपीयांसूं आ आग्या लाधी छै ओर
२९ पाउल् उथलो दीनो के हुं उसोई उपज्यो छो इवेई भलो
उंकी ख्योविकरणमें निर्खे छा वे उंके कनासुं गया असकर
के सिलेंदार धणीयिण उ भलो रोमन् छा जांणसूं वा
३० आप उंनें बांधणसूंपिण बीहो। यिजवासूं कुं बद
नाम जवो छो आ ठोक जांणणें उं दूजेंदिन उंका बंधण
खोल्या वा बडाप्रोहितानें वा सगला पांचा लोगानें आव
णकी आग्या दीनो ओर पाउलनें उतारर वांके सांमो
ऊभो कयो।

२३ तेईसमो पानो।—उंपछें पाउल् पंचायतमें एक
टकसूं देखर कयो के हे भाई लोगां में आजलोडी भगवा
२ नकें परखा चोखा विवेकसूं आचार कर्यो छे। ओर अन
नियाह् बडेप्रोहित उंके मुडाउपर मारणनें नेडाके लोगां
३ नें आग्या दीनी। तद पाउल् उंसूं कयो के हे धोली
कयोडी भींत भगवान तनें मारसी तूं काई तोरेत सरी
खे म्हारो न्योंव करणनें बेठर तोरेतको बेर मनें मारणकी
४ आग्या करे छे ओर जके नेडा उभा छा वां कयो के तूं काई
५ भगवांनके बडाप्रोहितानें भोड़ई करें छे। पाउल् कयो
के हे भाया में जाण्यो नही के उ बडेप्रोहित छे क्योंस को
लिख्यो छे के थारा लोगांके धणीका बेरमें बेटो कथा मति
६ कर्यो। जद पाउल् देखो के पंचायतीमें एक पांती
सादुकी ओर एक पांती फारिस्सि छा तद पंचायतमें मोटा
सूं कयो के हे आदमी भायां हुं फारिस्सी फेरपिण फारि
स्सियको डावडो छुं मुडदांके फावदामें वा फेर उपडणके

७ भरोसाका कायदामें जं बीत करो मांउंनु । उं बाकया
कयां पछें फारिसियांको वा सादुकीयांके टंटो हवो उंसुं
८ समाज न्यारो२ हई । क्योंके सादुकी केवें कें फेरउपजबो
नहीं हलकारा नहीं आत्मा नहीं लेर फारिसी दोन्यु मानें
९ करेंछे । जद मोटो हेलो हवो ओर फारिसियांकें कांनी
का उपाध्यायां उपडर टंटो करयो वा कयो कें म्हे ई लोगको
कुंहि मामो खोटो नही लेर किणी आत्मा अथवा किणि
हलकारें अर उंसुं कयो होतो म्हे भगवांनभेलो राडन
१० करां । ओर मोटो हेलो हवांर लसकरको सिलेंदार बको
बीहो कें कांईनांका वांकें बलसुं पाउल् बटीर जाय
इंवरई जायर बलसुं वांकें बिचालासुं उंनें लेर कोटमें
ल्यावणनें लसकरकें सिलेंदारबको डोडवाल्यांनें आग्या
११ दीनी । दूजी रातका प्रभु उंकेकनें उभो ऊयर कयो कें
हे पाउल् तूं निडर हो क्योंके जिसो म्हारा कायदामें तें
यिरुसलममें सायदी दीनीछें तिसि रूमनेंपिण तनें सायदी
१२ देणी पडसी । दिन उगांपछें कितायक लोग यिहूदी
मिलर फिटकारसुं आपनें जणा कें पाउल्नें मारयां
१३ बिगर म्हे खांबोपीबो नकरस्यां । ज्यां जो नेम करयो
१४ छे वें चालीस जणासुं बताछा । उंपछें वां बडाभोहित
वा बोदोडा लोगांकनें आयर कयो कें म्हें मोटी फिटकार
सुं आपनें बांधोछें कें पाउल्नें मारनांख्यांबिगर कुंहि
१५ नचाखुं । इंवेई पंचायतभेला थे उंको बाबतमेंबोमें
ओर कुंहि ठीक उखिहारें पूछणका मेषसुं लसकरका
सिलेंदारबकोनें कयो उंनें आपकें भेलो ल्यावणनें कहो
जद म्हे कोबीकनें न आंवणकें पेलडा उंनें मारनांखणनें
१६ त्यार हस्यां । पाउल्कें भाणजें वांकी छिपाईकथा सुणर
१७ जायर कोटकें मांय बडर पाउल्नें कयो । उंपछें पाउल्

एकसो डीडवांण्यांवें बिचमें एक लोगनें बुलायर कयो कें
इं मोव्यारलोगवें लसकरका सिबेंदारधणीकनें के आ
१८ वेंस उंवेंकनें उंकें बुध्दि देंवोगें। इवेई उं उंकें
लसकरका सिबेंदारधणीकनें लेमया का कयो कें पाउल्
बंदीवांन मनें बुलायर इं मोव्यार लोगनें आपकें परबा
१९ ल्यांवणनें कयोगें आपकेंकनें उंकी बुध्दि देंवोगें। उं
वारय लसकरकेंधणी उंको हाथ कपडर एक एकांत
जागां लेमयो ओर कयो कें म्हारेंकनें तवें कांई कैंवोगें।
२० उं कयो कें पाउल्का फायदामें ओर बुध्दि विसेष कथा
पूछवेंकें पेषसूं काल पंचायतोमें लेआवणवेई केंववें
२१ यिहूद्यां सल्ला करीगें। ओर तूं वांवें कथाउपर राजी
मती को कोंस वांवें बिचमें चालीससूं वत्ता आदयांवें
किटआरसूं आपनें बांधर लुकेंगें कें उंनें मारनांख्यां
बिगर बुध्दि नखासुं न पीसुं अवें पोख वां थारे कराररो
२२ वाट जोयर व्यारगें। इंसूं लसकरका बडा धणी
उं मोव्यार लोगनें बिदाकरर कयो कें चोकस कोईनें मती
२३ कें थो कें मनें आ कथा कहीगें। वद उं एकसोडीड
वांण्यांवें बिचमें दोय लोगांनें बुलायर कयो कें थांवें दोवसें
डीडवांण्यां वा सित्तर असवार वा दोयसें भालावालांवें
एकपेंररातकोवेला काईसारियामें जांवनें त्यार करो
२४ ओर वांकी असवारी त्यार करे कें वें पाउल्नें उं उपर
२५ चढावें सिवेवालीसूं पाउल्नें फिलिक्स पाटायतकवें लेजाव।
उंपगें उं इंउनिहारेंको कागद लिख्यो।

२६ वत्तोचोखो फिलिक्स महधंकवनें कलुदियास् लिसियास्की
वंदना।

२७ ओ आदमी यिहूद्यांसूं कपडो गयो वा वांसूं मारयो
जावो उंवेला में लसकरसूधो आयर उ अको हंमोगें
२८ आ जांणेर उंको रुखाली करो। उंपगें वां उंवें कांवेई

टंटो दीनो आ आणनें वांकें पंचायतीमें जं उंनें ल्यायो।
२९ उंसूं में जाणण पायो कें वांकें तीरैतकें किताक तर्कबातसूं
बदनाव जवो केर मारनांषणनें अथवा बांधण लायक
३० क्यूंह कर्योडेगे उंसूं बदनाव नडें। उंपडें उं आदमीनें
मारनांषणबेई यिक्रदी लुकर रयाडें में आ खबर लाधर
उंनें टंटो दैणवालांनें उंका कुजस आपकनें केणनें आग्या
देर उंनें आपकनें बेगो मेल्योडें म्हारी बंनगा चं।
३१ तद जोडवांण्यां जिसी आग्या लाधिडेगे सोसा रावनें
आंतिपात्रिस्में पाउल्नें लेगया वा दूजेदिन उंकें भेला
जावणबेई असवारांनें उं लागा राघर वें कोटमें मुड
३२ गया। वां काईसारियामें जायर वा पटायतनें कागद
३३ देर पाउल्नें उंकें परणामें सूंप दीनो। पटायत
वांचर पूछ्यो कें उंकी कांकडको लोगडें कोर उ किलिकि
याको आदमो आ जाणर कयो कें थारा कुजस वैणवाला
आयांपडें जं थारी कथा सुणसुं वा उंनें हेरोदका प्रैतो
रियम्में राषणनें आग्या दीनी।

२४ चोबीसमो पांनो।—तद पांच दिनपडें बडनियाह्
बडाप्रोहित बेदोडा लोग वा तेर्तलस् नांवें एक लोग चोवा
कैनवाला भेलो आयो कें जों चोवेकैनवाला बकसीकें नेंडी
२ पाउल्की वैरको कथा कही। तद पाउल्नें बोलायांपडें
तेर्तलस् आकथा केर टंटो दैण लागो कें हे फिलिक्स म्हाराज
थारी क्रपासूं म्हे मोकलीमंगली पावांडां वा आपका पाको
बंदपणासूं ई देसका आदम्यांकनें मोठो ठीककांम कर्यो
३ जायडें म्हे आ जांणर सगली ठखिसरासूं खियाबरदार
जयर उ रीतीना वा सगली जगा आरे करेंडें।
४ केर म्हे तनें कोरतोसीस नदेवें ईंबेई जं बीनती करहुं
५ कें थे क्रापा करर म्हांको थोडोकथा सुण। कोंस

मोकळा निर्दयी वा संसारकी सगळा यिहूदीयांकने रावांके
वैरको काम उपजांववालो वा नाजरेन् मतको लोगांके बिच
६ में एक सिरेंदार इंकोमने म्हे देख्योछें। ऊपिण देवरांने
समदागागा ओछो करण लागोछें उंकारण म्हे उंने पकड़र
७ आपकी तौरैत हसी बिचारणी चायें। और लसकरके सिरे
दारधणी लिसिआस म्हांकेंकनें आयर मोठो बळ करर
८ म्हांका हाथसुं उने छुडाय लीनो वा उंके मुजम केनवाळां
नें आपकेंकनें आवनें आग्या दीनी उंबेई आप उंकी खोत
करर यां सगळी बातबेकीमें म्हे उंने दंडो देणांगी
९ उ सगलो तुं जांण सकसो। यिहूदीयांमेंपिण आ कथा
१० साची छें या केर उंमें राजी ज्वां।

तद पठायत पाउलुने बोलावणकी सांनी कर्यांपछें उ
उधलो दोनो के तुं यांदेशवाल्यांको न्यावकरणवाळो मोकळा
बरसांसुं जवेछें ऊ आजाणर मोकळो राजी ऊपर आपकी
११ कथा कउंछुं। उंसुं तुं जांणसकसी के अबें बारें दिनसुं
१२ बत्ता नई ज्वा के ऊ समरण करणबेई यिरुशलममें गयोछो
और वीं केंई भेळोपिण देवरामें वडो बरतोपिण वां मनें
देख्यो नही और सिनगगमें अथवा नगरमें लोगांके बिचावें
१३ केंवां करतांपिण मनें देख्यो नही। वे मनें अबो दंडो
१४ देवेंछें उंकोपिण साबतो करसकें नछें। और थारें
सांमी ऊ यो मारे कहुंछुं के वें जबे टेरेमी करर केंछें
उंतरे तौरैतमें वा निमित्तियांके कथामें जितो लिख्योछें
वें सगळापिण प्रतीत करर ऊ आपका बडेरांका भगवांनकें
१५ भजन करुंछुं। और ऊ भगवांनकनें उमंग राखुंछुं के
सिध वा बिगरसिध यांदोन्यांनें उपडलो पडसी वेंपिण
१६ सांमी आ कथा मारे करें। और भगवांन वा आदमी
यां दोन्यांकनें बिगरमांमी उनिहारें बिबेक सदाई राखण
१७ को रोप ऊ करुंछुं। मोकळा बरस गयां पछें ऊ

१८ आपका देसवाल्यां लोगांकनें दांन वा उपसर्ग देवनें आयो
उंसूं आसियाका कितोक लोग यिहुद्यां मनें देवरामें पवित्र
१९ सांधो कोर जमातभेलो नहीं वा वैंधाभेलो नहीं। पर
म्हारा वैरमें क्युंकि रें तो सांमिजयर म्हारो टंटो करबो
२० वांनें वाजवी छें। ख नई तो यें सागी कैंदे कें जं गेंनिका
२१ मंछोमें हाजर छे उंवेला वां इंमिगर म्हारो क्युंकि मोटो
कांम देख्यो कें में वांकें बिचालें उभोजयर आ एक कथा कही
कें आज जं थांका मुडदालोगानें फेरउपजबकी बाबतेबीमें
२२ थ्यांत करोडो जावुं। फिलिक्स आ कथा सुणर उं धरम
की बाबतेबीमें बत्तोग्यांन मिल्योडो जयर वांनें आ कथार
कैर बरज दीना कें जं ब्लसकरको सिर्वेदारथ्यो लिसि
२३ यास् पौतांपछें थांको न्याव चोवोख्यांत करसुं। उं
पछें पाउल्नें राखबेई उंनें नबांधबनें कोर उंको कोई
संगाथ्यो वां उंकी उपरसरो करबनें अथवा उंकें गेंलो आ
बबनें नवरजबनें एकलो छोडवांथ्योको बबी एक लोगनें
आग्या दीनी।

२४ कितोक दिनांपछें डुसिला नांवकी आपकी बउ यिहुदी
रंछनें वारे कैर फिलिक्स पाउलूनें बुलायर खीष्टउपर
२५ परतीतकी बाबतेकीमें उंकी कथा सुनी। तद पाउल्
सांचो वा पार्थरो करबो वा होनहारथ्योतकी कथा
कैतो फिलिक्स धुज्यो वा बोल्यो कें तूं अबें आ मनें
२६ ठावपी जवांउपर जं तनें बलासुं। उंस आ आस
पिबगी कें पाउल्कैंकनासुं रुपीया पासो कें उंनें छु
डावें इंवेई उं बारर बुलायर उंकें भेलो कथावो करो।
२७ कोर दोय साल पूरा जवांपछें पोर्कियस् फेस्टस् फिलिक्स
कें बदलें आवो तद फिलिक्स यिहुद्यांनें राजीकरबनें बायर
पाउल्नें अटकमें राख्यो।

Digitized by Google

२५ पचीसमो पानो।—इबेई फेस्टस् उ कांबडमें
आयर तीनदिनपछे काईसारियासूं यिरूसलम्में गयो।
२ तद बडाप्रोहितां वा यिहूद्यांमें मनसोव्यां उंकें हजूर
३ पाउल्का बेरमें कथा गुदराई। ओर मारगमें लुकर
उंनें मारनांखणबेई उंनें यिरूसलम्में ल्यांदणनें उंकें बेरमें
४ छपा चायर उकेंकनें गिडगिडाया। लेर फेस्टस् उथ्रो
दीनो कें पाउल् काईसारियामें राख्या जासी ओरपिछ
कयो थोडादिनांपछे ऊं आपपिछ उं जागा जासुं।
५ उंबेई थांकें अकेर लोग उंकें दोषकी सायदी देख सकें
वें आयर इंलोगको अर कुंहि दोष रै तो उंनें टंटो
६ देवें। उंपछे दसदिनांसूं कुंहि बत्तो वांकें भेलो रैर
उ काईसारियानें गयो वा उंकें दूजेदिन बिचारकी गोदी
७ उपर बैठर पाउल्नें ल्यावणकी आग्या दीनी। उ आयां
पछे जको यिहूदी यिरूसलम्में आयाछा वें च्यारांकानी
उभाव्हयर मोकलो वा मोटो टंटो पाउल्का बेरमें दीनो
८ कें जींको सावतो वां दे न सक्या। उंबेला उ आपका
फायदामें को उथ्रो दीनो कें यिहूद्यांको तोरेत अथवा
देवरो अथवा काईसरका बेरमें में कुंहि कयो नही।
९ लेर फेस्टस् यिहूद्यांनें राजी करणा चायर उथलो देर
पाउल्नें कयो कें तूं कांई यिरूसलम्में जासी वा उं जागा
१० इंबासबेलीमें म्हारें हजूर बिचार करणो जासी। पाउल्
कयो कें काईसरकी मंछीकें सांमें ऊं उभोहुं कें अठें मनें
बिचार करणो ठीकछे में यिहूद्यांको कुंहि बुरो करयो
११ नही आप बी चोखीतरें जांणोछो। क्योंस में अर
कुंहि दोष अथवा मारनांखणलायक कोई काम करयो
है तो मरणनें ऊं नटुं नही लेर अर वांको उ टंटो कुंहि
नछे तो वांकें हातमें कोई मनें भलाया सकें नछे ऊं काईसर

Digitized by Google

१२ उनें अरज करूं। तद फेस्तस् मंत्रीभेळो मनसोबो
करर उनें उथलो दीनो कें तें काईं काईसरकनें अरज
कराविछी भेबा तूं काईसरकनें जासी।
१३ कितनाक दिनांपछें अगरपा राजा वा बेरनीका फेस्तस्
१४ नें मुजरो करणनें काईसारियामें आया। वे गोळा
दिन उठें रयांपछें फेस्तस् पाउलको मुकदमो राजानें
गुदरायो वा कयो कें एक लोग अठेंछें कें जीनें फिलिक्स
१५ बंदकमें छोडगयोछो। जं जींबेळा यिरुसलममें छो
तद बडा मोरियाँ वा यिहूदियाँका बोदोडा उंकें बेरमें ध्योंव
१६ गुदरायर मनें उंकें मासबेलीमें गुदरायो। में वानें
उथलो दीनो कें अपराद वा टंटादेणवालांकी अदराब
करबो वा आप भी दोखसूं दोबो छवांछें उंकें मासबेली
में उथलोदेणकी आग्या पांवणबिगर कोनेंईं पिछा मार
१७ नांकणबेईं भळांवणो रूमी लोगांकी रीत नछें। इंबेईं वें
उठें भेळापछें में दूजें दिन ढीलनकरर मंढोकी गादि उपर
१८ बेंठो वा उं आदमीनें ल्यावणकी आग्या दीनी। अपवाद
करणवाला उंका बेरमें उभाळ्यर में जको ध्यान कर्यो
१९ छें उंको इसो कोई दोष वाँ कयो नछो। लेर आपकें
समरबकरणकें फायदामें और यिसु नांवको एक मुडदो
आदमी कें जींनें पाउल् जीवतो केंछें उंकी वासबेलीमें कितनी
२० अदलीबदली उंकें बेरमें करी जं इंवासबेलीमें संदेह
करर कयो कें तूं यिरुसलममें जायर कांई इं मास
२१ बेलीमें ध्योंव करणोडो जसी। लेर पाउलनें सुजब
बेईं सुभायो जाय इंबेईं पाउल् अरज करयांपछें जं जठा
लेडी उनें काईसरकें नेंडो मेलणु न सकुं तठालेडी उनें
२२ राखणकी आग्या दीनी। तद अग्रिपा फेस्तस्नें कयो कें
जं सागीपिण ईं लोगका कथा सुणबें चांउंछुं उं कयो कें
२३ तूं उंकी कथा काल सुणनें पासी। इंबेईं दूजेंदिन

Digitized by Google

आग्रिपा वा बेरनीकि मोटा आडम्बरसूं आयर वस
करका सिरैदार धणीनें वा नगरका मनखोयांनें बेर सुं
णवी आगा गयो तद फेस्तसकें आग्यामाफिक पाउल ल्यायो
२४ गो। तद फेस्तस् कयो कें हे आग्रिपा राजा वा हाजिर
थाम समला लोग थांका ई आदमीनें देखोगो कें जींका
फायदामें यिरूसलम्में वा ई आगा यिहूदांकी जमात
म्हारें मेली बीनती करोगें वा कयोगें कें उंको और कुंहि
२५ दिन बचावणो ठीक न छें। बेर उं मारनांवण
लायक कुंहि कांम कयो नही वा आपेंई म्हाराजकनें
न्याव मांग्योगो में आ जांणर उंनें मेलनें मनमें ठेरायो।
२६ बेर उंका फायदामें म्हाराजनें म्हारें लिखणको कुंहि
ठीकनछें इंवेई ये समलांकें सांमो वा विशेष हे आग्रिपा
राजा थारे सांमो ऊं उंनें ल्यायोगुं उंसूं पोछ करांपछें
२७ मनें कुंहि लिखणको जय सकसी क्योंके कीधो बंदीवांननें
मेलणनें वा उंको टंटो नजबावणो जको ठीक नही आ
म्हारा मनमें आई।

२६ छाईसमो पांनो।—तद अग्रिपा पाउलनें कयो कें
तूं आपको उथलो देणनें थाम्हछें उं उपर पाउल् हाथ
२ पसारर उथलो दीनो कें हे आग्रिपा राजा ओ म्हा
रोवेई चोखो कें जीं समलो बातचेतोमें यिहूदांसूं ऊं
अपवादित कयोगुं वी समलांको जवाब आपकें सांमो आज
३ करुं। क्योंके जके समला कांम वा पूछ्यो यिहूदांसुं
छें यां समलांसूं तूं पूरोछें इंवेई ऊं बीनती करुं कें
४ आप धावच कपडर म्हारी कथा सुणों। मोट्यारिसूं
म्हारो जको ववहार म्हारादेसवाल्यांकें बिचालें यिरू
सलम्में पेलडागो वो ववहार समला यिहूदी जांणेंछें
५ कें ज्यां मनें पेलडासूं जांण्यो अर सायदी देवें कें म्हांकें

धर्मका भीतका सावचेत धर्मसरीषो जुं फारिसीहुं।
६ ओर अबा बोल भगवान म्हांकें बडेरांनें करो जका
७ फलको आसावेंहुं जुं सबें बोलमें ऊभो हुं। जुं
बोलको फल पांवबनें म्हारे बारें घोखाह ध्यानसुं दिन
रात सेवा करता बेआस करोंगे हे आग्रिपा राजा
उं बेआसकें फायदासुं जुं यिहूदांसुं अपवादित हुवोहुं।
८ क्योंस सो तिमर प्रतितीजायक मांन्यो जासी कें भगवान
मुरदा आदम्यांनें उपाडसी। में पेंलका क्योंत करोगो
कें यिशु नासरेथका नांवका बेंरमें भोतसा कांम करबा
९ मनें ठीकहै। ओर यिरुसलममें में ओयिज करो ओर
१० बडाप्रोहितांसुं पींच लाघर भोतसा शुधियां लोगांनें
घटक करणा ओर जद वें मारया गया तद में बांकें बेंरमें
११ सावसो दीनो। ओर सगला सिनगगांमें बार२ तोसिल
देतोर में बलकरर वांनें उलंठ करायां ओर वांकें बेंरमें
भोतसा विराजी क्षयर वांनें दूजानगरमें जाइबतोडी वांनें
१२ सताय दीना। इसं में बडाप्रोहितांसुं पींच वा आग्या
लाघर दमासेकमें जातोहो उं कालमें हे राजा में मारगमें
१३ दोपेरांकोवेला म्हारें वा सबें म्हारे भेला गयाहा वांनें
पिसा च्यारांकांनी सुरजसुं बती तेज एक चांनणो सर्गसुं
१४ देखो। उंपछें हे सगला धरतीउपर पडगापछें एक
बोलोसुं म्हारेंकनें आ कथा कैंबवालो एक साद में सुणो
कें हे शाउल हे शाउल तुं म्हारो बेंर क्यों करेंहै
भोंटीरांउपर लातमारणो भोतबो करडो कांमहै।
१५ तद में कयो कें हे प्रभु तुं कुणहै उं कयो कें जुं यिशुहुं कें
१६ जींकी बेंर तुं करेंहै। बेर तुं उठर ओर पगांसुं
ऊभो हो क्योंस कें में तनें लोगांसुं वा दूजादेसवाल्यां
१७ सुंपथ छोडता कें वांको आंख्यां खोलबनें वा अंधारासुं

पांनखामें वा मोडाका कोठारसूं भगवानकेंकांनीपिख
मोडखनें ध्यांकेंकनें जं तनें भवें मेलसुं कें म्हारेंउपर
जका प्रतीत उसूं वें धांमीकी छुटी ओर पवित्रकरलोडा
१८ भेळो कोठारीपिख लावें इंवेई तें जको देख्योछें वा जकेर
कांममें में थारेंकनें चोडें जसुं यांदोयां बाबतांसूं में
तनें सेवक वा सायदी करखवेई तनें देखाखो दीनोछें।
१९ उंसूं हे आयिपा राजा जं उस्वर्गकें देखावो न माननवाळो
२० नछो। वेर में पेंलडा दमास्केकके लोगांनें वा यिरुसलम्
में वा यिहूदाकें सगळा देसमें वा उंपछें दूसादेसवाळ्यां
कनें चोडें कयो कें वें धांमीसूं धांमखा करें वा भगवांन
२१ कांनी मुडे वा धांमखा लायक कांम करें। इंकारख
यिहूदी मनें देवरामें पकड्यो वा मनें खून करखनें चार
२२ छा। वेर जं भगवांनसूं उपगार लावर आजतांडी
थपुछुं ओर निमितिया वा मोसद जको छोखवारकारख
कयो वें बोच मारो जासी वा मरखसूं पेंलडा उघाडो
२३ जसी वा लोगांनें वा दूसादेसवाळ्यांनें चांनखो देखावसी
इंकेंविगर ओर कबुंहि न वेर जं नांनामोटा सगळा लोगां
में सावदी देउंछुं।
२४ उ इयो आपको उथलो देवेंछें उंवेळा फेस्तस् मोटासूं
कयो कें हे पाउलु तूं गेंलो जकोछें भोकला विद्या तनें
२५ गेंलो करोछें। वेर उ कयो कें हे म्हाराज फेस्तस् जं
२६ गेंलो नछुं लेर साच वा सावचेतीसूं कथायां कउंछुं। क्योंस
जका कथा जं राजानें विगरचिन्तासूं कउंछुं उा सगळो
उ जांखेंछें जं जांखुछुं कें उा कांम उससूं लुकाडो नथी क्योंस
२७ उा कांम लुकोडीजागामें कयो गयो नथी। हे आयिपा
राजा तूं कांई निमितियांकी कथाउपर प्रतीत करें
२८ छें। तद आयिपा पाउलुवें कयो कें तूं मनें प्राय
२९ खीष्टियान होखनें मनावेंछें। उं उपर पाउलु कयो

Digitized by Google

के म्हारी मोवली हयठे के थाली सूं नही लेर जिता लोम
आज म्हारी कथा सुणेंछे ओ सगळा ऊपिय थाली नही
लेर ओ बांधो ओावविगर समला म्हारेंसरिषा के।
३०   उं या कयां पछे राजा वा वक्सी वा वेरनीकी वा अबे
३१ उंके भेला बेंठाछा वे उपाडया। ओार यकंत जायर
सल्ला करी वा आपतमें बोल्या के इं लोम मारवांयक
३२ अथवा बांधवलायक कुंछि कांम करो नही। उंपछे
आयिपा फेस्टस्नें कयो के ओ लोग अर काइसरकाकने
फेराद न करतो तो छुटसों सकतो।

२७ सताईसमो पांनो।—जद ठीक ऊवी के म्हे ज्याज
उपर इतालियामें जाश्यां तद वां पाउल्‌ता ओार कितावक
बंदीवांनकें युलियस् नांवका अगस्तान् पलटणका एकसो
२ सिपेदारको छिडवाळ्याकेंकनें भलाया। जद आद्रामिति
यम्‌के एक ज्याजउपर चढर आसियाके किराडेंर जांवनें
चायर तेसलानीकाके अरिस्टार्खस् नांवको एक लोग माकि
३ दोनियाई म्हांके भेलयो ऊवांपछे म्हे खिलाव उपाळ्या। दूजे
दिन म्हें सोदोनमें लगे ओार युलियस्नें मेहरवांनी
करर पाउलनें उंके संगोत्यां भेलो मिळवनें वा चेन करव
४ वेइं जांवदीनो। उंपछे खिलाव उठायां उपर सांमाको
५ वायरो वाजवसूं म्हे उठासूं कुप्रस्के नेडा गया। उंपछे
किलिकिया वा पंफिलीयाके नेडा दरियावसूं जायर म्हे
६ लिकियाकी मिरा नांवें एक नगरमें पोंचा। सो सिपे
दारांआघवानें आलेक्सांद्रियाका एक ज्याज उठे लाघर
के जवा इतालियामें जायछे म्हांनें उंकेउपर चढाया।
७ ओर मोकळा दिनांलोक धीरेंर जायर वा सांमाका वाय
रासूं क्निदस्‌कनें न जायर म्हे क्रीतके नीचे सालमोनीके
८ सांमा गया। ओार उ मोटी तोखीसूं जायर सुंदर

Digitized by Google

कलौवांवें एक गामा पोतां उंकें पठें बाखोया नगरठें।
९ तद घोकला दिन गयांपठें वा ब्याजमें ग्रांलो करडो
व्हीयांपठें क्योंस पोवयवो दिन कमयो ठो पाऊल् वांनें
१० या कया कर सोयावण दोनो के हे म्हाराज ऊं
ग्रांवकें पांवुं के ई लदणमें घाली भार वा ब्याजनें
मायलो कसट वा बिगाडो जसो को नहो बेर म्हांकें
११ वणणकोपिण सांभो जसी। वोयिण एकसा डोडवाण्या
वैंघणो पाऊलकी कथांसूं मांभी वा ब्याजकें धणोकी
१२ कथा घणी करर मांनी। श्रोर उ वालो सोयाला
में रेंणलायक न होणसूं घणा लोगां उयिण ठेडणंको
सला दीनो के कींवरें सोयालामें रेंणवेई फेणिकीमें पोंच
सका उ ग्रोतको एक वालो उंको निवास दक्षिण पश्चिममें
१३ वा उत्तर पश्चिममें। उंपठें दक्षणाउ वायरो धोडोर
चयांपठें ग्रवें मतलबको मूकर पूरो जसी ग्रा मनमें लायर
१४ वे विलाव उपाडर ग्रीतको ठेवडेर गया। केर थुंडि
दिनपठें वांकें सांमो एक मोटो वायरो ग्रायो उंको नांव
१५ युरोक्लिदन्। उं कारण ब्याज डोगुंपिणु करणसूं वें
ब्याजको माथो वायराकें सांमो लगावण न सक्या इंवेई
१६ वायरासूं चलायो गयो। श्रोर क्लदा नांवकें एक बिंद
कें बेंडो दोडा उपर म्हांकी नाव बचावणमें मोटोलो
१७ सोस ऊई। उ उपाड्यांपठें वां ब्याज नोचें बांधर श्रोरर
उपाय करी उंपठें कांईजांणा ग्रलगा बेकलूउपर जावें
१८ ई डरसूं वे पाल नगायर वायरासूं चाल्या गया। वा
ग्रांधिसूं मोटी डिगुंपिणु ऊयर दूदिन वां ब्याज हलको
१९ करो वा तीजेदिन वे आपका हाथसूं ब्याजको सर
२० जांम नगाय दीनो। तद घिताक दिन सूरज ग्रथवा तारा
देखवें न पायो वा मोटी ग्रांधी म्हावें दुसमणी होणसूं
२१ वचनको सबको भरोसो गयो। केर घोकला कलांका

जवा पछे पाउल् वांकें बिचमें उभो जयर बोल्यो कें हे
साहब्यां म्हारी अबा मानांवातीजी कें थे क्रीत् न जेडो
उ नुकसो वा हतो ठंटो वा बिगाडो न पावता थांनें ठीक
२२ जे। लेर ऊं अबें थांनें कउंछु कें थे धातरजमा राखो
कोंस थांकें एक लोगकोपिण जीवको बिगाड न जसो वाली
२३ ज्याज गरक जजासी। कोंस ऊं जींको छु वा जींकी
चाकरी करुंछु इसो अको भगवान उंकें हलकारें आज
२४ रातका उभें जयर म्हारेंकनें कयो कें हे पाउल् तुं बीहे
मतो तूं काइसरकें सांमो ल्यायो जासी जोर देखो
अबे समला लोग थारें भेलाजें वी सगलांनें भगवांन
२५ तनें दीनाजें। इंबेई म्हाराज थे जमाधातिर राखो कोंस
ऊं भगवांनसूं प्रतीत करुंछु कें जोसो तनें कयोडोजो लि
२६ सो जसी लेर म्हांनें एक बिटमें बगावणा पडसी।
२७ म्हे बायरासूं अठीउठी आद्रिया दरियावमें चोदें रातलोडी
धकाया गयापछे ज्याजका लोगां दोपोर रातकीबेला दिचा
२८ रो केंकी देसकें नेडा आया। इंबेई लधिर बगायर बीस
पुरस पांणी लाधो उंपछे जोर थोडा मारग गयापछे फेर
२९ लधिर बगायर पनरेंपुरस पांणी लाधो। तद कांई
भांखा कोणी भाठाकी जागाउपर पडे जो मनमें करर वां
ज्याजकें पूठलीकांनीसूं च्यार लिलाव बगायर प्रभात होख
३० की वाट जोई। लेर ज्याजका लोगां ज्याजकें मांथासूं
लिलाव बगावणका छलसूं नाव दरियावसूं उतारर ज्याज
३१ छोडर दोडणनें त्यार जवा। उंबेला पाउल् सो सिडवांख्यां
केंधवांनें कयो अर ये सगला ज्याजउपर नई रें तो थांबो
३२ बचाव जय सकसी नहीं। तद सीडवांख्यां नावकी सींदरी
३३ काटर उ जोड दीनो उंपछें दिन ऊगवार पाउल् वां सब
वां लोगांनें कांई खावणनें केर बोल्यो कें थे अदसूं न खायो
जे उंनूं आज चवदें दिन जवा इंबेई ऊं थांकनें वीनती

२४ कहंतु कें थे क्युंहि मावो मतीस को थांकें बचबवेई कोस
२५ थांकें एक केसकोपिक बिगाडो न जसी। उ भा केर
बाटी लीनी ओर वां सगळांकें सामे भगवानकी स्तुति
२६ करर वा तोडर खांवबा लागो। उपछें वी सगळां मना
२७ बांतर खाघर क्युंहिर खायो। ओर सगळांसुवो
२८ ज्याजउपर न्हें दोयसो छिंधतर जीवगा। तद
वां खायर ज्याजनें हलको करो वा धांन दरियावमें
२९ बगाय दोनो। उंपछें दिन उगांपछें वां वर धरती
ओळखी नही लेर एक खाडी देख्यो कें जींका कांठावर
कानाछें ओर जर सके तो उंमें ज्याज चलायां चायो।
४० ओर वां लिलाव उपाडर दरियावकेसपामें रखा उंपछें पत
वालकां बंधक खोलर वा वायरामें मोटो पाल उपाडर कि
४१ नांडाकें लांबी गया। वीं भामा दरियावका दोयबाका
हैसि एक भागा पडर वां मारउपर ज्याज चलायो ओर
माधा करडो जायर लागर अटक रयो लेर पिछाडी केलाव
४२ सूं टूट गयो। ओर बंदीवान कोई हेलर न भागें
४३ ईवेई डीडवाळां उंनें मारबांघबको सल्ला करी। लेर
सकसो सिलेदारांकें थकि पाउलनें बचावबवेई वांको
रच बरजो ओर आग्या दीनी कें जको त्यारबें सकें उ लोग
पेंबडा दरियावमें डाकर किराडो जावें वा उबरवा
४४ कितराक लोग पाटियाउपर वा कितराक लोग ज्याजका
भागाबट्काउपर किराडो जावें उंकारब वी सगळा
बिगर बिगाडसूं धरती आयो।

२८ आठाईसमो पांनो।—वां धरती आयर जांणी
२ कें उं मंलीराको नांव मेलोता। तद वी ठेठ लोगां
मोत्सो उपगार म्हांसें देखाल्यो क्योंस उं कालको चोमासो
वा सीयाळावेई वी बालदे बालर म्हां सगळांको सेवा

Digitized by Google

३ करी। तद पाउलस् एक टींगव्यांकी भारी करर वासदे
उपर बगायांसूं एक सरड वासदेका सेकसूं निकल
४ उंका हाथमें लपेट गयो। वां ठाठबोगां उंका हाथ
उपर सरड लपेटो देखर आपसमें कयो के यो लोग मुकर
मूंकीरें दरियाव उंनें छोडोरें सही लेर न्याव उंनें बचण
५ देवें नहें। उंपरें उं उंजेंरो वासदेमें जडकायर आप
६ कुंहि बिगाड पायो नहीं। वां बाट जोई के उ फूलसी
अथवा एकोबार मरसी लेर थोडोनेका बाडजोयर उंको
कुंहि खोटो न देखर मनमोडर बोल्या के उ देवता है।
७ पब्लियस् नांवका उं अंजीराका धणीका कोठार उं कांकड
को हो तीन दिन उं म्हांनें आपके भूंपें लेजायर सांवि
८ भाग करो। उं कालमें पब्लियस्को बाभो ताव वां अंदु
लीका रोगसूं बोलोऊयर बिछावणांमें पड्योहो उंसूं
पाउलस् उंको नेंडो जायर वां वाघना करर उंके उपर
९ हाथ मेलर उंनें ताजो करो। उ होबसूं अंजीराका
१० दूजामांदा आदम्यां आयर ताजा हाधा। वांपिक
म्हाको मोकली मर्यादा करी वा म्हांकें जांबको बेला जीर
११ बखको गरजनी वें ज्याजउपर दीनी। काखर वा
पखक सेनाखकी आलेक्सांजियाकी एक ज्याज सीयालामें
उं अंजीरामें ही ई कारण तीन महिना पछें म्हे उंकें
१२ उपर गया लेर म्हे सराकूसमें पोंचर तीन दिन डेरा
१३ करा। वा जागा छोडर फिराडेंर आवांर म्हे ई
गियम्कें सांमी पोंता लेर एक दिनपछें दखणाउ बायरो
बाज्यो उं कारण म्हे दोय दिनांमें पुटियोलिनें पोंता।
१४ उं जागा म्हे भाईनें लाधा वा वांकें पांवणासूं सात दिन वांकें
१५ भेला रया उंपछें उठासूं रुममें गया। भायां म्हांकी
खबर लाधर म्हांकें भेला मिलणनें आप्पीफोरम् वा तीन

घरायतोडी आया पाउल् वांनें देषर, भगवांनको खुसी
करी वा जमाघावर ऋई।
१६ म्हे रुम्में पोंतांपछें एकसो डिडवांणांकें सिलेंदार बंदि
वांन लोगांनें हुमारी डिडवांणांकें सिलेंदारकनें भलावो
लेर एकसो डिडवांणां भेलो पाउल् न्यारो रेंण पायो कें जी
उंकें उपर पोरो दिनो।
१७ तद तीन दिनपछें पाउल् प्रधान यिऊदीयांनें बुलाया
श्रोर भेला ऋवापछें उं वांनें कयो कें हे श्रादमी भायां
में श्रापका देसवाल्यां श्रादम्यांकें श्रथवा पितरांकें रीतकें
वेंरमें कुंची करी नही तोपिण यिरुसलमसुं श्रटकोडा
१८ श्रयर रुमीलोगांकें हाथमें भलायो छो। वां म्हारी जांच
१९ कररं मारणको कारण मेंमें नलाधर मनें छोडणों चायो। लेर
यिऊदी उंको बेंर करयांपछें काईसरकनें फेराद करणी
निसेंपडी श्रापका देसवाली लोगांकें कुंही टंटो करणो
२० जो मनेंछो सो नही। क्योंस यिसरायलका भरो
साकेंवेंई जा ई सांकलसुं बांध्योडो छूं उंवेंई वा थांनें
देषणवेंई श्रोर थांकें भेलो कथायां केंणनें में थांनें बुलायाछें।
२१ तद वां उंसुं कयो कें म्हे यिऊदाह देसमें थारी बाबतीमें
कागद लाधो नही श्रोर पिण मके भाई श्रठें श्रायाछो
वांमासुं किणी थारो कुंहि दूषण छेडें कयो नही वा कया
२२ नही। लेर थारो ध्यांन कांई श्रा म्हे सुणवें चावांछां
क्योंस म्हे जाणांछां कें सगली जागा श्रो धरम बदनामछें
वां एक दिन ठेंरांयांपछें मोकळा श्रादमी उंकी जागामें
२३ श्राया। वांकेंकनें उं भगवांनकें राजकी बाबतीमें
वा यिसुकी बाबतीमें प्रभातसुं संझ्यातोडी मोसहकी
तोरेंत वा निमितियांकी कथांसुं सीषावण करी वा सायदी
२४ दीनी। उंसुं मके कथांयां षरीछी वां कथांमें किणीर
२५ प्रतीत करी वा कोणीर प्रतीत न करी। श्रोर वांको

Digitized by Google

ग्यारोर बिचार जवांयठें पाउल् आ एक कथा कयांपठें
पंचायत बोहडी वा कथा छै कें धर्म्मात्मा मोकखा थोवोवरें
सूं ईसाईयाह् निमित्तियाकें बोलोसूं म्हांकें बडेरांनें आ
२६ कथा कहीठें कें ओ लोगांकनें जायर कहो कें सुणतार थे
सुणसो बेर समझसो नही वा देखतार देखसो बेर आंखनें
२७ न पासो क्योंक यां लोगांको मन मोटो जवेठें वा सुणबनें
वांका कांन बोभल जवाठें वा वां आपकी आंख्यां मीचीठें
क्याजाणां वें आंख्यांसूं देखर ओर कांनासूं सुणर वा मन
२८ में समझर मुडणसूं जं वांनें साजा करूं। ईवेई थे जाण
कार हो कें भगवांनकें करणसूं उबार दूआदेमवाल्यां
२९ लोगांकनें मेल्योडोठें ओर वे वा सुणसी। जं आ कथा
कयांपठें यिहूद्यां जायर आपसमें मोकली अदलीबदली
करी।

३० उंपठें कीवी पाउल्नें न बरस्यांसूं उ भगवांनको राज
थोडें वा प्रभु यिशुकी बाबतोंमें सगली कथा निडरमनसूं
३१ भलावता हममें दोय बरसांतीकी आपका भाडाका झूंपा
में रयो वा जके उंकें नेडा आया वां सगलांनें लिया।

Digitized by Google

रूमी लोगांकनें पाउल् हलकारांवो कागद।

१ पेंलडो पांनो।

१ यिसुखीस्टको किंकर पाउल् कें जको हलकारो होयवेर्द
लिखें या भगवांनकी मंगलीक कथां चलावणवेर्द एकांत कयो
२ गयो कें जको मंगलीक कथां उं आपको डावडा न्हाको
प्रभु यिसुखीस्टकी बाबतेलोमें पेंबडापुणमें आपका निमि
३ तियांका मुंडासूं धर्मशास्त्रमें करार कयोडो कें जको
डीलकी बाबतेवीमें दाउद्का कुलमें उपज्यो और आप
जको भगवांनको डावडो यो पुन्यात्माउविचारांसूं मरया
४ आदम्यांसूं फेर उपडबसूं मुंडासूं चोडे कयोडो छे। जीं
का उपरासूं सगला देसवाळ्यांकें बिचें वें प्रतीतकें रीत
५ चलावणवेर्द म्हे उंका नांववेर्द कृपा वा हलकारार्द पाईछे
६ ज्यांकें बिचमें येयिस यिसुखीस्टकें निम्में कयोडाछो। भग
वांनका वाल्हा या पुन्यवांन होयवेर्द निम्में रूममें रेंवावाळा
सगळांनें पाउल् कागद लिखेछे म्हांके बाभो भगवांन वा प्रभु
यिसुखीस्टसूं कृपा वा सांत थांरे उपर हो।
८ पेंलडा थांकें प्रतीतकी कथा सगळी धरतीमें कहेजायछे
इंसूं अं थां सगळांवेर्द यिसुखीस्टकी उवारसूं आप भग
९ वांनकी स्तुती करंछुं। जीस भगवांन कें नीवें डावडा
की बाबतेवीमें मंगलीकवातांमें अं दिलसूं चाकरी करं
छुं उ म्हारो साखदीछे कें अं आपकी पाथनाओंवेळा थांकी
१० बाबतेवीमें रोगीना याचना करंछुं वा वीनती करंछुं

Digitized by Google

वें भगवांनको हुकमसूं बीनतरें थांकेकनें पोंचणवेईं चोवी
११ तरें म्हारो जाणो हो। क्योंस थांनें देषणेंकें वा षे
जको कायमहो हवेहै क्युंहि परमार्थको षोंच थांनें देंववें
अथवा थांकें वा म्हारी प्रतीतसुं थांकें भेलो म्हांतरी षोड
१२ की म्हारो मोटो हवहै। हे भायां ऊं थांउं नहुं के
थे बिगरजानकार रहो के जिस्या दूजादेसवाला लोगांमें
विचमें म्हारो फायदोहै तिस्यो थांकें विचमेंपिण मको ऊं
क्युंहि फायदो पाउं हवेहै थांकें मेंडो जांणको मनसा में
१४ बारंबार करीहै वेर अबारतांडी अटकाव बाधो। ऊं
यीक् वा म्लेछ यां दोयको ओर पंडित वा ठोठांकोपिण देव
१५ दार हुं। इंवेईं म्हें आपका मुंडामाफिक रूमी थांकें
१६ कनेंपिण मंगलीककथा केंणनें त्यार हुं। ऊं ष्रोष्ट
का मंगलीककथांयाकें फायदामें लज्जित नहुं क्योंस यिहूदी
यीकांबिना जित्ता प्रतीत करणवाला वांकेकनें उ उद्धार
१७ वेईं भगवांनो षोंच। क्योंस उंमें भगवांनको जको
धर्म प्रतीतसूं हैहै उ धर्म प्रतीतवेईं षोडेहै क्योंस
१८ इसो लिख्योहै कें धर्मीयां प्रतीतसूं बचेहै क्योंस मको लोग
अधर्मका बंधणासूं सचाईनें बाधराखे वांको सगलो
बिगरसेवा वा बिगाडीक संगतका वेरमें भगवांनको
१९ रोस सर्गसूं षोडेहै। क्योंस भगवांनको जकोर जांणें
जाय सकेहै वें वांकें विचमें षोडेहै क्योंस भगवांन उ वांनें
२० दिषायोहै। क्योंस उंको जकोर अदस्य अथवा उं
को अनंतो बल वा भगवांनीकरणोकी चीजसुं संसारकें
उपजणकें समेंसुं चोषोवरें जांणो जायहै उंवेईं वांकें
२१ उजर करणनें मारग नहैं। क्योंस वो भगवांननें जांणर
पिण भगवांनहसी उंकी मरयादा करी नहीं ओर स्तुति
करणवालापिण न हवा वेर आपकें अदलोबदलीसुं बिगर
फायदा हवा ओर आपको गेलोमन अंधारो हवायो

२३ वी आपनें अकलदार मांनर डोफा जवाग। और बिनास
होणवाला आदमी वा पंखी वा चौपद वा उरग जीनावरांकें
आकारमें बिनास नहोणवाला भगवानके तेजको रूप बणोर
२४ इंवेई भगवान कुचाईमें वांनें छोडदीना वें आपका मन
को सुभावसूं आपकेंर डीलनें आपवमें गेरआबर करें
कें ज्यां भगवानकी कथाकें सचाईकें बदले उणिहारासूं
कूडी कथा मानो और उपजानवालाको भजन वा पूजा
सूं रचीयोडी वस्तकें भजन वा पूजा करी जको उपजान
२६ वाला सचिदानंद आमेन। इंवेई भगवान वांनें नीचप्यार
मैंपिण छोडदीना क्योंस वांकें लुगायांपिण सुभावकी रीत
२७ छोडर झूठासुभावकी रीत करी। पुरुषपिण लुगायांको
संग छोडर पुरुषपुरुषकें भेला घारासंतरवा करतार काम
२८ सूं बल्या और आपकार भरमइसो फल खायो। और
जिणो वांकें आपका ग्यांनसूं भगवाननें राखणको जावतो
कयो नहीं तिणा वें सगलो बिगरसचाई वा जारी वा मोट
काई वा लोभ वा खोटेसुभावमें भरयोडाहुयर और मोटा
दिमाग वा खून वा कजियो वा तोव वा कुटलाईसूं पूरा
हुयर और सरकपट करणवाला वा चाडीखोर वा भगवानवें
३० गोई करणवाला वा खोटेंसुभाव वा मांनकरणवाला वा
राजी सरावण्या वा खोटाकांमका उपजाणवाला वा माउ
३१ बाभानें न मणाणवाला वा डोफा वा रोवनाज करण
वाला वा सुभाव बिगर प्यार वा निर्दयी वा मायारहित
हुयर बिगरठीक कांमकरणनें भगवान वांनें छोडफ्या
३२ में छोडदीना कें अबोर लोग इंउणिहाराका काम करेंछे
वें मारणलायकछें वें भगवानको आ ब्योत जांणर घाली
आपेई बो काम जो करेंछें सो नहीं ओर इंउणिहाराका
काम करणवालांउपर राजीपिण होवेंछें।

Digitized by Google

२ दूजो पानो।—इवेई हे न्यांवकरणवाला आदमी जको
कोइ हैं थारैं उजर करणको मारग नहें क्योंस तूं न्यांव
में दूजानें दोषी करर उ वासघेलोमें आपमैंयिज दोषी
करैंछै क्योंस हे न्यांवकरणवाला तूं आप उसी काम करैं
२ छैं। अेर म्हे जांणांछा कें उंतरैंकें कांमकरणवालानें
३ अेरमें भगवानको बिचार साचाईमाफिक छैं। हे आदमी
तूं ई उछिवाराका कांमकरणवालानें न्यांवकरर पर
आप उसी कांम करैं तो तूं कांई ठेरावैंछैं कें भगवानका
४ बिचारसूं तूं बचसी। भगवानकी खमा अेको तनैं
पामणा करणनें मारग देखावैंछै तूं आ न जांणर उंकी कृपा
सूरत माया वा माफ वा मोकला दिनाताडी सेणो कांई
५ निकमोकरर जांणेंछैं। अेर भगवानकी बजराव वा
ठीकन्यांव चौडैं करणकें दिनातांडी आपको करडो वा
पांमणा न करणवाला मनमाफिक आपकैंवेई बजरावनें
६ जमा करैंछैं कें जको पावैंजी आदमीनें वांकें कांमको फल
७ देसी। जको सैंणवाला ऊपर रांजीना चोखाकांम
करणसूं मोख वा मर्यादा वा अमरपणो सोमेंछें वांनें अनंत
८ आउखो देसी। अेर जके भागडाउ वा साचाईनें न मानेंछें
९ अेर निकमोकांम मानेंछें। यिहूदी वा यीक इत्यादि दूजा
देसवाली जित्ता खोटाकांमकरणवाला वांनें ताडना वा बज
१० राव वा कष्ट वा तांमीसउछिवारैं फल देसी। अेर यि
हूदी यीक इत्यादि अेर जित्ताभलो कांमकरणवाला हो
११ गछै वांनें मोख वा मर्यादा वा खेमकुसल उछिवारैं फलदेसी
१२ क्योंस भगवानकनें पक्षपात नहें। जों दिन यिसु ख्रीष्टकी
वांहसूं भगवान म्हारैं मंगलीकवधांसरीसो आदम्यांकें
१३ घालोकड कांम न्यांवकरसी उं दिन ज्यां बिगरवैारेंव
पाप करयोछैं वांको नास तोरेंतबिगर व्हसो अेर ज्यां

गौरैंत पायोडा ऊपरपिण पाप कयोछै वांको ब्योत गैरैंत
१४ सरीषो जसी। क्योंस गैरैंत सुणणवाला भगवांनकनें
सिध नथा जाय नछैं जेर गैरैंतकैं करणवाला सिध कया
१५ जासी। दूजादेसवाळी आदमी वें ब्यांकी गैरैंत नछैं
वें जद आपका सुभावसूं गैरैंतको कांम करैंछैं तद यें
आपका मनमें लिख्योडा गैरैंतको कांम चौडें कयापछैं वा
१६ वांको विवेक समत सायदी भरणसूं वा वांकैं ब्याव आपव
में टंटो अथवा कारण कथा करणसूं गैरैंत पायोडा क
१७ ऊपर आपकी गैरैंत आपेई छेछैं। देख तूं यिऊदा नांव
आदीकछै वा गैरैंतऊपर भतीत करैंछैं वा भगवांनकी मांख
१८ वेजीनें गुमांनी कथा करैछैं। वा मांखणांखवाळो ऊपर
उंकी गरजकी आगकारछै भोर नोकला चोखाकांम विवेक
१९ करैंछैं। ओर आंधालोगांनें मारग दिखाणवाला
वा आंधारमें रैनवाळानें चानणो वा डोफांनें भणाण
२० वाळो वा डावडानें सिषाणवाळोछैं। ओर ग्यांन वा
गैरैंतकी सचाईकें उणिहारैंवरैं ब्रको थारी छै यां सगळां
२१ में वेनक कयोडोछैं। इवेई के दूजानेंभणावणवाला
तूं कांई आप भणों नहीं कें तूं जको ढंढेरो करैंछै कें
आदमीनें चोरी करणी ठीक नहीं तूं कांई चोरी करैंछैं।
२२ जारीकाम करणवाळो तूं कांई जारी करैंछैं के देवतां
की गोई करणवाला तूं कांई भगवांननें दीनोडो वस लेरैं
२३ उणिहारैं ववहार करैंछैं। के मांख आंखणमें गुमांनी
तूं कांई मांख नांवणसूं भगवांनको अपमांन करैंछैं।
२४ क्योंस लिखे लिख्योछै कें दूजादेसवाळांकें विचमें भगवांन
२५ को नांव थांकी वाहसूं गोई कयोडोछै क्योंस तूं जर गै
२६ रैंत पाळेछैं तो थारी सुनतसूं फायदाछै सही जेर गैरैंत
लंघणवाला जवांसूं थारी सुनत विगरसुनत जगईछै इसूं
विगरसुनत जर गैरैंतको धर्म पाळें तो उंको विगरसुनत
२७ कांई सुनतवरोबर मान्यो जासी नहीं। तूं आखर वा

Digitized by Google

सुनवको गुमानो ऊपरथिस तौरेव थांवेंछे इंवेई सुभाव
सूं उपज्योड़ो अको बिगरसुनत उ अर माझको धर्म पाळें
२८ तो ब्यांवसूं उ कांई थारो दोष निकें न करसी। क्योंस चोडें
अके यिहूदी वे यिहूदी नही वा सुम्यारीको अको सुनत वा
२९ सुनव नही। लेर मनमें अके यिहूदी वे यिहूदी ओर सुनव
अको सो मनका अयरांसरीषो नही केर आंमासरीषो के
ऊंकी सुलातो आदम्यांसूं नही लेर भगवांनसूं वैछे।

३ तीजो पांनो।—तो यिहूदयांनें कांई फायदो वा सुन
२ नवो कांई फायदो। सगळें उबिहारांसूं मोकळो
पैलड़ा ई भगवांनको सफळ कथा वांकेंनें दीनी गई।
३ क्योंस थांकें बिचमें अर कोवोर बिसास न करेर तो भग
वांनमें अको प्रतीत वांको बिगरप्रतीत कांई उं प्रतीत
४ नें निकमो कर सकेंछे। उ नकें जिसो थो लिख्योछे कें
तूं आपकी कथामें सिध करेः सत्य और बिचार करजोडो
ऊपर धरावें इंवेई भगवांन साच करबवाळा उबिहारांसूं
वा पावेंसो लोग झूठ बेलनवाळा उबिहारांसूं मांन्या
५ जाय। लेर म्होंका बिगरमिधाई अर भगवांनकी
सिध स्तुति करें तो म्हे कांई केस्यां फळदेबवाळो भग
वांन कांई बिगरसिधाई छे सो नवें ऊं आदमीसरीषो
६ कहुं उ जगांसूं भगवांन संसारको बिचार कींतरें कर
७ सी। क्योंस भगवांनकें तारोफकेंवेई म्हारी अका कूडी
कथा उं कथासूं भगवांनकी साचता अर बत्ती फैली रवें
तो ऊं पापीदारअरीषो कींतरें ब्योंत करोडो जंवूं।
८ ओर किताकर लोग कें ज्यांकि नारकीकी तोसीस पावणी
योगछें वें म्हांकें टंटावेई करडा करर जिसोकेंछे कें म्हें वां
छां कें चोखावेई म्हे खेटाकांम करां उं कथाकें माफकपण
९ म्हे ब्योंत करोडा क्यों नही फोछा तो कांई म्हे वांसूं
चोखा उ किसी उगिहारें नछें क्योंस म्हे सावको पैलड़ा

Digitized by Google

दीनो छै कै यिहुदी वा दूजादेसवाली लोग सगला पापकै
१० आधीन ह्वाछैं जिसो की लिख्योछै कै सिध कोई नही
११ एक लोगपिण नही समझवाळो कोई नही भगवानकें
१२ सोधणवाळो कोई नही सगळा आदमी मारग छोड
दीनोछैं वें सगळा नाकारो ह्वाछैं चोखाकाम करणवाळो
१३ कोई नही। वांको गावड खुलोघोर छै वो जीभसूं भुंठा
योछैं वांकें होठाउपर कालसांपको जेरछै। वांकें मुंडो
१४ फिटकार देणसूं वा खारासें भरयोछैं। वांका पग खुन
१५ करनमें वेग रोछैं। वांकें मारगमें विनास वा अमंगळ
१६ लिक रैछैं वा कुसळको मारग वें जांणें नछें। भगवानको
१७ थ.सचिवीमें वांकें सामों कुंहि भय नही छै म्हे जाणांछा
१८ कै नेमसें जको कैछै उ नेमकें आधीन लोगानें कैछै
१९ कें सारेंसो मुंडो मुंदिज जावे वा सगळो संसार भगवान
२० कें सामें दोसीदार व्हें। इवेई नेमकें कामसूं उंकी
आंखवें सामासूं कोई जिवी सिध कयो जावी नही क्योंक
२१ नेमसूं पाप जाण्या जायछै। पेर अबें भगवानको जको
सचाई नेमबिगर छै उ सचाई नेमसूं वा निबियांवी
कथासूं साख्तो दीनो जायर चोडेंछैं। अथवा भगवानको
२२ जको सचाई यिसु खीष्टउपर प्रतीतसूं सगळा प्रतीत
करणवाळाकनेंवा सगळा प्रतीत करणवाळाउपर छै क्योंक
२३ क्योंकी आंतरो रैछै नही। क्योंक सगळा पाप कयो
छै वा भगवानकी महिमा चोडेंमें घटती ह्वाछैं। उं
२४ की अनुग्रहसूं खीष्ट यिसुमें जको मुक्ति उंसूं वे मुफत
२५ सिध कयोजाछैं कें भगवानकी समासूं पैलकाका कयोडा
पाप छुडावणकें मारगसूं उंकी सिधाई चोडेंकरण
कैवेई कें लोहीमें भगवान उंका लोहसूं संतोष करणवाळो
२६ परदान निमें कयोछोछै। अथवा उंकी सिधाई इं

कायमें चोहेंकरणवे ईं वे उ सिद्ध वें और जको जोग यिसु
२७ उपर प्रतीत करेंछे उनें सिद्धकरणवालो पिण व्हें। तो
गुमान करणको कारण कठे उ दिमरायोडोछें किसी आग्या
२८ सूं कांमको सो नहीं बेर प्रतीतकी आग्यासूं। इंवेई मे
ठीक जांणांगां वे आदमी तौरेतके कांमबिगर प्रतीतके उप
२९ रासूं सिद्ध कओ जायछें। उ कांई यावी यिहूद्यां
को भगवांनछे उ कांई दूजा देसवाल्यांको भगवान नछे उ
३० मुधर दूजादेसवाल्यांकोपिण भगवांनछे। जको सुन्न
त्यांनें प्रतीतसूं वा बिनासुनत्यांनें प्रतीतसूं सिद्ध करसी
३१ उ एक भगवानछे। मेवो प्रतीतसूं कांई तौरेत निकम्मी
करांछां उ नहें बेर मे तौरेत कायम करांछां।

४ चौथो पांनो।—तो मे कांई केंवां के डीलका बाप
पेढीमें म्हांवें मोटो आबरहाम् वाधोछें क्योंके आबरहाम्
२ अर कांमसूं सिद्ध कयोडो व्हेतो तो उंकें गुमानको कारण
३ वेंतो बेर भगवांनकें सांमे नहीं। क्योंके
धर्मग्रंथमें कांई कें छें, आबरहाम् भगवानउपर प्रतीत
करी और वा प्रतीत धर्मसरिषी उंकेंकनें गिणियो
४ गयोछो। जको तौरेतको काम करेंछें उंकेंकनें फल
अनुग्रहसूं दीयो डाफलकें बिचार्यें गिण्यो जायछें नहीं बेर
५ देणासूं। बेर जको जोग करम नकरेंछें बेर जको
सेवानकरणवाळानें सिद्ध करेंछे उंकें उपर प्रतीत करेंछें उंकी
६ प्रतीत सिद्धाईसरिषी वेंछें। दाउद जिसो आ कथा
केर जीं आदमीउपर भगवान कर्मबिगर धर्म गिणती
७ करेंछें उ लोगकी आसीषकी तारीफ करेंछें के ज्यांकें
८ बिगरसिद्धाईकी माफी व्हईवा ज्यांका पाप ढकीजोडाछें वें
धन्यछें जींका पाप भगवान गिणती न करसी उंहि धन्यछें।

Digitized by Google

९ तो आ आसीस कांई मांबी सुनत्यांउपर आवेंछें अथवा
बिगरसुनत्यांउपरपिण आवेंछें क्योंके म्हे कवांछां के प्रतीत
१० आवरहांम्कैंउपरें धर्मसरिषो गिणीजो गयो छे। तो
उ किसो गिणीजोछे उंके सुनतहोयबकी वा बिगरसुनत
रैंबकी वेळामें सुनतहोयबकी वेळा नहीं बेर बिगरसुनत
११ रैंबकीवेळा। और उं बिगरसुनत रैंर उंकी अबा
प्रतीत छो उं प्रतीतसरिषो सींबाइंकी छापसरिषासूं
सुनत सेंनाणी पायेंछें के जितरा लोग प्रतीत करेंछें उपिण
अर बिगरसुनत ऊपर उ वांको उपजानवालो छे के धर्म
वांकें उपरपिण गीण्यो जाय और अबो बाबो सुनती
१२ पिण नछें बेर बिगरसुनतीरेंबकीवेळा म्हांकें उपजानवालो
आवरहांम्की जका प्रतीतछें उं प्रतीतकें पगकें सेंनाण कप
१३ डरमाय वांकेंवडे पिण कें सुनत्याकें उपजानवालो छे। क्योंस
उ करार कें आवरहांम् संसारको कोठारी जसी उ उंकें
वा उंका डावडानें तोरेंतकें कांमका मारगसूं दोनोंछो नहीं
१४ बेर प्रतीतसरिषो सिधाइंका मारगसूं। क्योंस तोरेंतकें
कांमकरबवाळा अर कोठारीछें तो प्रतीत निकमीछें वा
१५ करार निकमो करयो जायछें तोरेंत गजब उपजावेंछें क्योंस
जीं जागा तोरेंत नहीं उं जागा तोरेंत तोडबोपिण नछें।
१६ इंसूं उ प्रतीतसूं छेछें के फल अनुग्रहसूं छे के उ करार
सगळें कुळ उपरें निश्चय छें अको कुळ तोरेंतमाफक छें
बाबो वांकें उपर सो नही बेर आवरहांम्कें प्रतीतकें मा
फक अबो कुळजकोछें उंकें उपरपिण कायम छे के जको भग
१७ वांनकें सांमो में सगळांको उपजानवाळोछें वें अको मुर्दा
लोगांनैं जीवावेंछें वा अकार वस्त नछें वें होयबहारीवस्त
सरीषा केंछें उंकें सांमो जिसो था कथा लिख्योडो छें के
१८ तनें मोकळा देसवाळ्यांको उपजानवालो करयोछें वें
जिओ को कयोछें के थारो कुळ अबो जसी जीं भरोसावें

१९ ओरमें भरोसा करर परतीत करी कें उ उं माफक मीनखां
देसकां लोगांको उपजानवालो वे वें भीं परतीतको पासवेलो
में दुबलो न्ह्वयर पाप रखसो बरसांकें उमरके लगभग ज्ञ
यर आपके मुडदासरीखा डील वा सारावें रेंमको मुड
२० आंतोपिव ध्यान नकरयो। उ बिगर परतीतसूं भगवान
का करारसूं हल्यो नवो नहीं ओर भगवानको प्रभुता चाहें
२१ करता ओर उं जको करार करयोगो उ जको सिध कर
सकेंगे इंमें सन्देहो न ह्वयर परतीतमें करारो गो उ ईंवेई
२२ धर्मसरिखो उ परतीत उ उपर गिण्यो गयो। उ जको उंकें
२३ उपर गिण्यो गयो ओ बातो उंकेंवेई लिख्योगे नहीं
२४ ओर म्हांकेवेईपिव कें ज्यांकें उपर उ गिण्यो जासी.
जको न्हे उंबें उपर परतीत करां कें ज्यो म्हांकें प्रभु यिसुनें
२५ मुडदासूं उपाड्यो कें जको म्हांकें पापवेई कष्ट पावणवेई
भळायो गयोगे वा म्हांनें सिध ठयराणवेई दूजीवेळा
उपाड्यागे।

५ पांचमो पांनो।—इंवेई न्हे परतीतसूं सिध ठयराया
जवांउपर म्हांकें प्रभु यिसुखीष्टकी वांटसूं भगवानकें मेळो
२ मिळाय राखेंगे कें जींका उकरासूं न्हे ओं अनुग्रह
उपरे कायमगा उं अनुग्रहमें परतीत करबाकें उकरासूं
पडखें राखेंगे ओर भगवानको सुख रावखको परतीत
३ उपर राजी करेंगे। ओर खाली ओ नहीं पेर कष्ट
जको सैवनें उपजावेंगे वा सैंवो जको परमासनें उपजा
४ वेंगे वा परमास जको परतीत उपजावेंगे वा परतीत जको
लाजां न उपजावेंगे क्योंके म्हांनें दोनीडो जको धर्मोत्मा उंसूं
५ भगवानको प्यार म्हांकें मनमें पसरयो कें स्नानापिव
६ आवर न्हे पेटोदमामें खाडमी हांगा। क्योंके म्हांकें
निबळाईंयांको वेळा ठीक पुळमें सेवाबकरणवाळांवेई

Digitized by Google

७ बीछ मरो।   दूंठिया लोगांवेई भाय कोई नमरसी
तोपिण भंगळीकअरणवाळा आदमीवेई कोई मरणकं
८ कदास साहस करसकैछै।   फेर जीं पुरमें म्हे पापी
छां उंवेळा बीछ म्हांवेंवेई मरया इंसुई भगवान म्हांवें
९ कनें आपणो प्यार सराबण करयो।   इंकेई भर म्हे
उंका लोहसूं सिद्धकरयोडा अयर उंको वीचसूं वगरावसूं
१० पिण उबार पासी।   क्योंस म्हे वैरी अयर भगवान
कें डावडाको मोतसूं भगवानकें भेळा उंकेवा मिल्योडा छा
उंसूंपिण मिल्योडा अयर उंकी जीवतयसूं म्हेपण उबार
११ पास्यां ओर याळी उपिण नही ओर म्हांका प्रभुयिशुख्रीष्टकें
उवरावमेंपिण म्हे भगवानसूं घाडली छै के जींसूं म्हे
१२ हमें प्रायश्चितको फल लाधो छे। इंसूं जिखो एक लोगको
वाचसूं संसारमें पाप बडो वा पापसूं मोत बडी ओर
उंसूं सगळा पापकरणवाळाअवांऊपर मोत लगावी छ
१३ पर आई।   क्योंस नीरैत पोर्के लोडी पाप संसारमें
१४ छे ओर जठें नीरैत नही उठें पाप गिण्यो आय बछें। फेर
जो आदमका पापढोपाय करयो नछें वें बका उंको केर
पता कें जींका आवणो नेमधार छें वां उपरपिण आदम
१५ सूं मोसवृतीडी मोत राज करयो। फेर जीवडें दोष तीतरें
मुफत दांन नही क्योंस एक लोगका दोषसूं लोकळा मरया
छें तोपिण भगवानका अनुग्रहसूं वा अनुग्रहसूं जको दांन
एक लोगको वाचसूं अथवा म्हारें प्रभुयिशुख्रीष्टकें वाचसूं
१६ छें ओर उंसूं घणा लोकांऊपर पोसोतरें छें। वा एक लोग
पापोसूं जिखो जो दांन उठो नही क्योंस एक पापोसूं न्याय
निर्णयकरयोडो अन्या करडी जो फेर मुफत जको दांन छ मो
१७ घणा दोषसूं निमाळवेंवेई सिद्ध करणवाळोछे। क्योंस जद
एक लोगका दोषका उवरावसूं मोत एकसूं राज करयो
के जका अनुग्रहकी बोपरतं वा निर्दोषताको दांन

पावेंगे वें किता बत्ता एकका उकरासूं अथवा यिसुखीष्ट
१८ का उकरासूं जीवतयमें राज करसी। इंवेई जिसो एक
लोगका दोषसूं सगळा लोगांनें प्रायश्चितदेणतोडो व्योंच
अइ उंईवरें एक लोगका धर्मसूं जारीसरिषा सिद्ध करण
१९ तोडी मुफत दांन सगळांकेंउपर आयो। क्योंस एक लो
गकें भगवांनकी आग्या न मांनणसूं जिसा मोकळा पापी
कर्‍या गयाछा तिसो एक लोगकें भगवांनकी आग्या मांनण
२० सूं मोकळा सिद्ध कर्‍याजासी। दोष बत्तो फैगे इंवेई
तोरेत बण्या लेर जीं जागा पापको मोकळाईछी उं जागा
२१ अनुग्रहको मोकळाई उंसूं बत्तीछी कें जिसो पाप मोतको
डी राज कर्‍योछो तिसो सिद्धाईसूं अनंतो आउषातोडो
म्हांरें प्रभु यिसुखीष्टका उकरासूं अनुग्रह राज करें।

६ छठो पांनो।—तो म्हे कांई केंवां अनुग्रहकी मोक
२ ळाई होवणेंई कांई म्हे पाप करस्यां सो नहो। म्हे
कें अको पापकमें मुडदाछें किसो उंमें दूजोरीत करस्यां।
३ ये कांई जांणो नहो कें म्हांमें जितासें जिता लोग यिसु
खीष्टमें डुबी मार्‍योडी छा तिता लोग उंका मरणमें डुबी
४ मार्‍योडी छा। इंसूं म्हे उं मोतमें डुबीमार्‍योडी जवांसूं
उंकें भेळा गोरमें सुणवाळा छांछां कें जिसो बाभाका तेजसूं
खीष्ट मोतसूं उठाड्यो छो तिसो म्हेंयिब नवोरीतमें
५ चाल्यां। अर उंकें मरणकें इसो म्हे भेळा बूण्या गया
६ छा तो उंकें फेरउपडणेंसरिषायिब जसो। क्योंस
म्हे जांणांछां कें पापकें डीलको पोज होवणेंई म्हांको
बोदे डो लोग उंकें भेळा क्रुसउपर मर्‍यो छ्योछें कें इंपछें
७ म्हे पापकी सेवा नकरां। क्योंस अको लोग मर्‍योछें
उ पापसूं छुटेछें अबें अर म्हे खीष्टकें भेळा मर्‍योडा छां
तो खीष्ट अको मोतसूं उठाड्योडो जबर दूजोबेका मरवो

Digitized by Google

८ वही ओर उंकेंउपर सेतको फेरमालको नही
९ आ आखर व्हे इंकेंउपर प्रतीत करांगां के उंका भेळा
१० बचस्यां। क्योंस उ जको मर्यो सो आ कें उ एकवार
पापकेंकवें मर्यो लेर उ जको बचेंछे सो ओ कें उ भगवान
११ कनें बचेंछे। ज्योंयिज के पापकेंकनें ठीक मर्याछो लेर
म्हांकें प्रभु यिसुखीष्टका छकरासूं भगवानकनें जीवता
१२ छो आपनें इस्यो जांणो। इंवेई थांकें मरणवाळो
डीलउपर पापको माळकी करणवें मतो देकें उंको इचमें
१३ उंनें मांनो। ओर आपको डील बिगरसिद्धाईको
कांम करणका अवयसरीषा पापनें मतो दे लेर मोतसूं
ज्यां आंय पायोछे वाकेंइसो आपनें भगवाननें देवो वा
सिद्धाई करणकें अवयसरीषा आपको डील भगवानवें
१४ दीख्यो। क्योंस थे तोरेंतकें आधीन नछो लेर क्रपा
१५ कें आधीन इंवेई पाप थांकें उपर माळकी नकरसी। तो
कांई म्हे जको तोरेंतके आधीन नही लेर क्रपाकें आधीन
१६ छे इं कांई पाप करस्यां उ न हो। थे कांई आंणो
नही कें जीं मांनणवेई थे जांकेंकनें आपनें चाकर सोय
वेई देवोछो मोतकें उणिहारें फळवेई पाप अथवा सिद्धाई
कांमकेंईसो फळवेई आग्या मांनणी यां दोयांमें जको
१७ जींनें थे मांनोछो उंका चाकर थे छो। थे पापका
किंकर छा सही लेर जका सीषावणकी रीत थांनें दीनी
गईछे सो थे मनसूं मान्योछे इं कारण भगवानको स्तुती छे
१८ इंवेई थे पापसूं छुटर सिद्धाईका चाकर व्हवाछो। थांकें
१९ डीलकें निबलाईकें कारण हूं आदमीसरीषो कउंहुं क्योंस
जिस्यो थे मेंलाकांम वा बिगरसिद्धाईवेई आपका अंगानें
बिगरसिद्धाई करणनें दीनाछे तिस्योई पुन्यवेई थांका अंग
२० सिद्धाईको सेवक होणवेई अबें देवो। क्योंस जींवेळा
२१ थे पापको सेवक छा उंवेळा थे बिगरसिद्ध छा। वो

जीं कांमसूं थें थांको लाज छें उं कांमसूं तद थांको
कांई फायदो छो क्योंस उं कांमको छेवडें मोत छें।
२२ लेर अबें थे पापसूं छुटा ओर भगवांनका सेवक ह्वांसूं
२३ थां को फल पुन्यवेई ओर छेवडें अनंतो आउखो छें। क्योंस
पापको दंडगो मोत लेर म्हांकें प्रभु यिसुखीष्टका उकराव
सूं भगवांनको दांन अनंतो आउखो छें।

७ सातमो पांनो।—हे भायांजं तोरेंत जांणवाला
लोगांनें आ कउंछुं थे कांई जांणो नहीं कें जित्ता दिन
आदमी बचर रेंछें तित्ता दिन तोरेंतको अखियार उंकें
२ उपर रेंछें। क्योंस जको लुगाईको धणीछें धणी जित्ता
दिन जीवतो रें तित्ता दिन तोरेंतका बंधणासूं वा लुगाई
आपका धणीभेली बांध्योडी छें लेर धणी मरणापछें धणी
३ को वासवेलोमें तोरेंतका बंधणासूं छुटोछें। इंसूं
धणीकें जीवणजें कालमें अर ओर किणी लोगकें भेलो उंको
थाव हैं तो पातर नांसीक जसी लेर धणी मरणापछें वा
लुगाई उं मारकका बंधणासूं छुटोछें उंसूं अर दूजा
४ कोणो लोगभेलो उंको थावछें तो पातर हैं नहीं। इं
वेई हे म्हारा भयां थे खीष्टका डीलसूं तोरेंतकावनें
मराछो कें थे दूजाकेंभेला परणीजो को अथवा जको
मोतसूं उपजोछें उंकें भेलो ओर म्हे भगवानकनें फल
५ फलें। क्योंस जद म्हे डीलको आसरो करोछो जं
वेला मोतको फल उपजांवणनें तोरेंतसूं सिद्ध पापको
६ अभिलाषा म्हांका अंगामें धंजोन क्रमो। लेर अबें
जींमें म्हे कपड्योडा छा उ मरणासूं म्हे तोरेंतसूं छुटाछां
कें म्हे आत्माका नवापणासूं सेवा करां वा आवरांका
७ जोदापणासूं सेवा न करां। तो म्हे कांई केंवां तोरेंत
कांई पापछें उ न हैं लेर तोरेंतबिगर जं पाप नहींजंणुं

Digitized by Google

क्योंस वोरेंत भर न केंता कें लोभ मत करो तो ऊं काम
८ नजाणतो। बेर पाप आग्यासूं ठावपो लाधर सग
ळो तरेंवा काम म्हारें बिचाळें उपजाई जों कारण तोरें
९ तकेंबिगर पाप मरयो ऊतो। क्योंस पेंलड़ा ऊं तो
रेंत बिगर जीवतो ठुं बेर आग्या आयांपछें पाप बच्यो
१० बोर ऊं मर्यो। बोर जका आग्या जीवनबेईं ठी वा
११ ऊं मोतबेईं जांग गयो। क्योंस आग्याका उवराससूं
पाप ठावपी लाधर मेंसूं ठगाई करी बोर उंसूं मनें
१२ मारनांख्यो। इंसूं तोरेंत सुध वा आग्या सुध वा
१३ साच वा चोखो। तो चोखी जका वा कांई म्हारेंवनें
मोतकें उखिहारें ऊई सो न को बेर चोखोबकसूं म्हारें
बिचमें मोत उपजाणवाळो पापकें उखिहारें चोडें दीखबेईं
पाप कें उ आग्यासूं बडे पापकें उखिहारें चोडें कें।
१४ क्योंस कें म्हे जांणांठां कें तोरेंव आत्मावाळो छें बेर ऊं
शरिरवाळो ऊयर पापकें आधीन होणबेईं बेच्योडोठुं।
१५ ऊं जको करंठुं उ मनमें ल्यांउं नठुं क्योंस ऊं जका चांउं
ठुं उ करूं नहो बेर जको गोईं करंठुं वाई करंठुं।
१६ इंबेईं जको काम नकरणो चांउंठुं उ आर ऊं करूं तो ऊं
१७ सावतो देवुंठुं कें तोरेंत चोखोछें इंबेईं अें जके काम करेंछें
१८ उ ऊं नहो बेर म्हारें बिचाळें रेंणवाळा पाप। क्योंस ऊं
जांणुंठुं कें म्हारें बिचमें अथवा म्हारे डीलकें बिचाळें कांई
चोखोवस्त नरेंछें क्योंस इच करणी मेंमें व्यारछें बेर जको
१९ चोखो उकें सिद्ध करणकी सामर्थ ऊं न पांउंठुं। क्योंस
जको चोखोकाम ऊं करणो चांउंठुं उ ऊं करूं नहो बेर
२० जको खोटो करणो चांउं नहीं उ ऊं करंठुं। इंबेईं
जो ऊं करननें चाउं नठुं उ आर ऊं करूं तो उ जको
करेंछें सो ऊं नहो बेर म्हारें बिचमें रेंणवाळा पाप।

२१ इंवेंई जं पो मासा मावुंनु कें जद चोखोकाम करणो चाउं
२२ नूं उंवेंका पोटोकाम म्हारें नेंडो त्यार ठेंहें। क्योंस
मांयला पोरषका माफक जं भगवांनको नीरतिकडपर
२३ राजी मनुं। लेर म्हारें अकलकी नीरतिका वैरमें
लजियो करता वा कूड़ा आपका डीलमें रैंषवालापाप
सरिखो मासकें आधीन करता दुजो मक मास जं पाप
२४ का डीलमें देषलें पांउंनुं। अफसोस दुखी आदमी जको जं
जं इंमोतका डीलसूं मनें कुण उद्धार करसी। म्हांकें
२५ प्रभु यिसु खीष्टकें दुकरासूं जं भगवांनकी खुसी करुंनुं
इंवेंई जं आपको मन लगायर भगवांनकी नीरतिकी सेवा
करुंनुं लेर डीलसूं पापका मासकी सेवा करुंनुं।

८ आठमो पांनो।—इंवेंई जको खीष्ट यिसुमें ठें जको
डीलकें माफक चालें नठें लेर आत्मामाफक चालेंठें वांकें
२ उपर नासीसकी आग्या नीह नठें। क्योंस खीष्ट यिसुमें
जीवनथ दैंषवालो आत्मासरीखो जको मास उं पाप
३ वा मोत उबिहारे मासमूं मनें छेड दीनोठें। क्योंस
नीरतिं डीलसूं दुबलो हुयर जके करब न सक्या उ भगवांन
आपका छावडानें पापीडीलसरीखो वा पाप बोजगमाब
४ वांको बलदांन होणवेंई मेजर कराठें। वा डीलमें
पापका दोष जणायो कें नीरतिको धर्म्म म्हांकें बिषमें पूरो
वें वें जको डीलकें माफक रीत करेंठें नही लेर आत्मा
५ माफक। क्योंस डीलकें इंसो करषवाला लोग डीलकी
वस मानेंठें लेर आत्माकां इंसो करषवाला आत्मवाला
६ वस्त मानेंठें। क्योंस डीलके मानखो मोतठें लेर आत्माको
७ मानखो जीवको वा मांत ठें। क्योंस डीलको मानखो भग
वांनकें वेंर उबिहारें कुममनोठें जी कारण उ मानखो
८ भगवांनकी नीरतिका वसमें नही वा जय सकवी नही। इं

Digitized by Google

येई जके डीलकी रीतमें रेछे वे भगवाननें राजी करनस
९ केछे । वेर भगवानकी आत्मा थर थांमें रें तो थे डील
में नछो वेर आत्मामें रोछो अर कोई आदमी खीष्टकी
१० आत्मा राखे नछें तो उ वीग उंको नही । ओर खीष्ट
थर थांकें बिचमें रेंतो पापसूं डील मर्यो लेर ठीककाम
११ सूं आत्मा जींदगि उणिहारें छे । लेर जीं यिसुनें मो
तसूं उपायो उंकें आत्मा थर थांमें रें तो जीं खीष्टनें मो
तसूं उपायो उ थांमें रेंणवालो आपकी आत्मासूं थांका
१२ मरणवालो डीलपिण जीवासी । इंवेई हे भायां म्हे
देणदार छां वेर डीलकें इसो करणनें डीलका नही ।
१३ क्योंस थे थर डीलकेंसरियो करो तो मरस्यो लेर थर
थ आत्मा करणसूं डीलको काम मारदांवें तो जीवको भोग
१४ करस्यो । क्योंस जित्ता आदमी भगवानको आत्मासूं
१५ चलायोडा छें तित्ता वोग भगवानकें डावडा । थे बीह
उपजावणवाला घठस्या उणिहारें आत्मा दूजीवेला वाधा
नही वेर पाल्योडा डावडा उणिहारें आत्मा पाया छो
वें जीका करणसूं थे वाभो वाभो केंर बुलावोछो ।
१६ आत्मा आप म्हांकें आत्मासें भेळो साखिदी करेंछे के म्हे
१७ भगवानका डावडा छां ओर थर डावडा वो कोठारी अथ
वा भगवानको कोठारो वा उंकें भेळो म्हांवें मोद भोग कर
णवेई उंकें भेळा थर दुख भोग करो तो खीष्टकें भेळा को
१८ ठारो छें । क्योंस मं ख्याल करूं कें इं कालको दुख
म्हांवें बिचमें जको सुख चोडें करणो आसी उं सुखसरियो
१९ लेखवायक नछें । क्योंस उपजायोडी वस्तकी मोकळी वाट
२० जोवणी भगवानकें डावडांकें चोडेंकी वाट जोवेंछे । क्योंस
उपजायोडी वस्त निकमीकें आग्याकारी करयोडी छे राजी
२१ सूं नही वेर जीं भरोसामें उंनें आधीन करयो उंकेंवेई
क्योंस उपजायोडी वस्त सागीपिण बिगाडका गुलामीसूं

Digitized by Google

२२ भगवांनकें डावडाकें तेजमई मोक्षमें मुक्त जसी। क्योंस
म्हे जांणांछां कें सगला मनुष्य अबारतोडी कांभेंछें वा
२३ पावणका दर्दसूं दोरी छें। वाली उह्री सो नधो वेर
म्हे आप कें ज्यांकें आत्माको पैलडो फल लाधो छें म्हे पाल्यो
डा डावडापणो अथवा म्हांकें डीलको मुक्तको वाट जोवता
२४ आपकें बिचमेंपिण कांभेंछें। क्योंस म्हांकें भरोसाका
उकरासूं उद्धारकरयोडा छें वेर देख्योडीवस्तकें फायदामें
भरोसा भरोसा नही क्योंस आदमी जको देखेंछें उंको
२५ भरोसो क्यों करेंछें। वेर म्हांसूं पालोकड उंको भरो
सो अर म्हे करांछां तो सुसतायर म्हे उंकी वाट जोवां
२६ छां। आत्मापिण म्हांकी दुबळाईउपर उपगार करें
छें क्योंस म्हांकें पाथनामें कांईर योग छें आ म्हे जांणां नछां
वेर आत्मा आप म्हानें वेण न जांणवाळा कांभणसूं पाथना
२७ करावेछें। जको मनको विचार करेंछें उ आत्माको रूप
जांणेंछें क्योंस उ भगवांनकें माफक पुन्यवान लोगांवेई पाथ
२८ ना करेंछें। वोर म्हे जांणांछां कें सगळांवेई मिलर
वांको मंगलीक करेंछें कें जको भगवांनसूं प्यार करेंछें वा
२९ भगवांनकें स्तुतिकें माफक बुलाया गयाछें। क्योंस
उं ज्यांनें पेंलडा जांण्यो वां उंनें आपका डावडाकें सुरत
सरीखा होणवेई पेंलडासूं निखें करयो कें उ मोकला भायां
३० कें बिचमें पेलडा व्हे। वोर उं ज्यांनें पेंलडासूं नि
खें करयो वानें बुलाया वा ज्यांनें बुलाया वानें सिद्ध करया वा
ज्यांनें सिद्ध करयो वानें मुक्तका सुख पांवणवाळा करया।
३१ तो यां सगळांमें म्हे कांई केसां अर भगवांन म्हांकें जांण
३२ कांनी तो म्हांकें वेरमें कुणछें। जीं आपका डावडावें
दया नकरी वेर म्हां सगळांकेंवेई उंनें दीनो उ उंकें भेळो
३३ कांई दुजा सगळापिण मुफत म्हांनें देसी नही। भग
वांनकें सरावण्या लोगांको धांमी कुण केसी कांई सिद्ध

Digitized by Google

२४ करखवालो भगवान। सजाको आग्या कुछ देसी कांई
खोट के जको मरयो पछ अर दूजीबेला जीवायाछे जके भग
वानकै जीवखे पसवाडामें छे जको म्हांकेवेई थापनापिछ क
२५ रेंछे। खोटका प्यारकै वारखै म्हानें कुछ करसी कांई
दुख वा भोग वा दुसमखो वा भुंगाई अथवा नागाई अथवा
२६ टंटो अथवा पातो। जिसो भी लिख्योछे के थारेवेई
म्हे सगलें दिन मारयाजवांगां म्हे मारखवेई गाडरांसरीषा
२७ गिखोव्योडा गां। जीं म्हांसूं प्यार कयो उंकैं प्रताप
सूं म्हे ये सगली वातयेलीमें फतेपावासूंपिछ मोटा
२८ गां। क्योंस ऊं ठीक जाखुंछुं के मोत अथवा जिवतव
अथवा हलकारा अथवा राज अथवा मनसोबो अथवा हव
कीवख अथवा होवखहारवख अथवा उंचपखो अथवा नीच
२९ पखो। अथवा दूजा कोई उपजायोडो वख भगवान
को जको प्यार म्हाकें प्रभु यिसु खोट बिखमें छे उं प्यारकै
वारखै म्हानें कर नसकैछे।

९ नवमो पानो।—ऊं खोटका नांवसूं साच कउंछुं ऊं
२ कूडीकथा कऊं नहो म्हारो मन धर्म्मात्मामें सायदी कवां
सूं पिख ऊं कउंछुं के म्हारें मनमें मोटो भार वा सदाई
३ चिन्ताछे। क्योंस आपकें भाई वा डीलकें अनुसार आप
कें कमोलांवेई ऊं मांगखनें त्यार छुं के खोटकें वारखें उ
४ खिखारें फिटकार खाधोडो जवुं के जके यिसराएली छे
ज्यांकेंकनें पाल्योडो डावडापखो वा मयेव वा सरवत वा
५ वेरैत देखो वा भगवान सेवा वा करार दोयोडा गा। ज्यां
कें पितरलोगांपिख छे वा डोल अनुसार खोट ज्यांसूं जवो
छेर के जके सगलांकें सिलेंदार सचिदानंद भगवान आ
६ मिन्। भगवानकी कथाको कुंछ फल नहोयासूं जिसो
कयो सो नहो क्योंस जके यिसराएलीसूं उपज्योडा छे वे

७ सगळा बिबरायल नही। आबरहामका डावडा ऊपर
पिक वें सगळा डावडा जवे छै सो नही बेर थारो कुळ
८ यिसहाकसूं बिख्यात जसी। उंको तंत यो जके डीलका
डावडाछै वें भगवानका डावडा नही बेर करारसूं उपज्या
९ जके डावडा वें कुळवें हीसा गिण्या आयछै। क्योंस
करारकी कथा या कें ऊं इवेवाकें माफक आसूं ओर सा
१० राके एक डावडो जसी। याको यो सोयिस नही
बेर रिबेका बद एक लोगसूं अथवा म्हांकें पितर यिसहाक
सूं आसावंत जई छी बद सरावणीकें माफक जको भगवा
११ नको करार उंकें निर्मे चोखबेई कामसूं नही बेर जको
बुलावेछै उंसूं डावडायिया उपजता नही वा बीठो बोम्हो
१२ क्युंकि नकरता उनें यो केंदीनोछो कें मोटो नानाको चा
१३ करी करसी कें जिसो लिख्यो छै कें में याकूबसूं
१४ प्यार करयो छै बेर एसावूनें गाई करी छै। तो म्हे
काई केंसां भगवानको काई बिगरसिबाईछै सो न चो।
१५ क्योंस उं मोसहनें कयो कें ऊं जीनें दया कीयां चांउ उनें
दया करसूं वा जींकें ऊपर छपा करसूं चांउंतु उंकें
१६ ऊपर छपा करसूं। इवेई जको लोग चावेछै वा जको
लोग दोडेछै वांसूं फायदो नही लेर छमा करणवाळा भग
१७ वानसूं। क्योंस धर्मशास्त्र फरोआहनें कयो कें में
थनें मोटो मुरातबो दीनोछै कें थारें जिमाकें म्हारो बल
१८ देखाबुं वा म्हारो नांव सगळा संसारमें फेलें चें। इं
बेई जीनें उंको मन उंकेऊपर छपा करेछै वा जीसूं
१९ उंको मन उनें करडो करेछै। तू मनें केसी कें उ
२० सुं दोष क्यूंछै क्योंस उंकें हुकमनें किण मटायोछै। बेर
को भगवानजीनें याद करणवाळा आदमी तूं कुण छै उपज्यो
डो वस्त बांई उपजावणवाळानें केसी कें तें क्यांबेई मनें
२१ ईसो बणायोछै। एक गारका गोळासूं मथेंवाबेई

Digitized by Google

एक ठांव वा ओर एक ठांव अमर्यादवेई गारउपर कुंभार
२२ को कांई यो मुडो नळें।   भगवांन आपको नराज देषा
वणनें वा आपकी पोंच चोडें करणनें मको विनाशवेई व्यार
कयोडी नराजके योग्य ठांवानें मोटा सबर करर व्यार
२३ करियोळें।   ओर आप मर्यादवेई व्यांनें पेलडें व्यार
२४ कयो ळो अथवा म्हांवेंउपर कें व्यांनें यावी यिहूद्यांसूं
नही ओर दूशादेशवाल्यांसूंपिण निर्षे बलाळें मर वां
दयांका ठांवउपर आपकी स्तुतिका माया चोडें करण
२५ वेई इच्छा कयोळें तो कांई।   जिसो ओशियाको पोथी
में यो लिख्योळें के जके न्हे आदमी नळा छं वांनें आपका
२६ आदमी कॅर बुलास्युं ओर जका वाली नळी उंनें वाली कॅर
बुलास्युं ओर यो असो वें जीं जागामें वांनें कयोडो ळो
के थें म्हारा लोग नळो छं जागा वें जीवता भगवानका डाव
२७ डावरीया विख्यात असी ।   यिशाईयाह् यिस्रा
एलको पासपेलीसेंपिण मोटासूं केळें यिस्राएलका डावडा
दरियावकें वेकलुसरीषा ळें सही लेर वांसुं बचोडाई राख्यां
२८ जासी।   क्योंस उ कांम परवारसी ओर न्यायकीसूं
उ ओळो करसी जीं कारण भगवांन संसारमें कांम ओळो
२९ करसी।   यिशाईयाहनें पेलडाई कयोळें के सबकरका
यिहूवा अर म्हांको एक बीज न ळेडें तो म्हे सदमसरीषा
३० जता वा अमरा इसा कसा जाता।   तो म्हे कांई केंयां
न्यायकीकें सरीषा न चालणवाला दूशादेशवाल्यां न्याय
३१ को पकडीळें अथवा प्रतीतसूं उपजी न्यायकी।   ओर
न्यायकीको नीरेंसमाफक चलणवालां यिस्राएल्यां न्याय
३२ नीरेंत पकडो नही इंको कारण कांई।   वां प्रतीतसूं
उ सोज्यो नही लेर नीरेंतका कांमसूं जिसी व्योंत करें
३३ ळें इसी व्योंत करी इं कारण।   क्योंस वां उ आपड
मांवणका माठासूं आपड मळ्येळें ज्यूं जिसो यो लिख्योळें कें

Digitized by Google

देष ऊं आयड वांथको एक भाठो वा अटक करथको एक परवत सिओन्में राषुंछुं ओर जको लोग उंनें प्रतीत करें छें उ लज्जावांन न ह्नसो।

१० दसमो पांनो।—हे भायां म्हारें मनकी इछ्या वा विनराएलोबेई भगवांनकनें म्हारी याचना आ छें कें वें उद्धार
२ पावें। ऊं वांको इंको साषदो छुं कें वांनें भगवांनकी सेवा
३ करथको इछ्या छें लेर ग्यांनसरिषा नही। क्योंस वें भगवांनका सिद्ध न जाणर वा आपकी सिद्धाई राषणको च्योंव
४ करर भगवांनकी सिधाई माफक न व्हा। क्योंस पावें जकें इतबारकरणवालांकें वांनो सिद्धाईबेई ओष्ट तौरेंतको
५ छारद छें। क्योंस तौरेंतमें उपज्यो जको धर्म उंको बर्णांण मोसह् करेछें कें जको लोग उ करें उ आदमी
६ उंकें उकरासंसूं बचसी। लेर प्रतीतसूं आरे कखो जका सिद्धाई उ इं सरीषो केंछें कें तूं आपका मनमें फिकर मती कर कें स्वर्गउपर कुण चढसी अथवा ओष्टनें
७ उतारणनें। अथवा उंडामें कुण उतारसी अथवा ओष्टनें फेर मोतसूं उपाडणनें लेर उ कांई केंछें कें कथा
८ अथवा प्रतीतकी बातषेलीमें जका कथा म्हे गुदरांवांछां उ थारो नेडो छें अथवा थारो मुंडो वा मनमें छें उंको छा
९ रद ओ कें तूं मुंडासूं अर प्रभु यिसूनें छारें करे ओर भगवांवनें जो उंनें मोतसूं उपाड्यो अर ओ आपका मनमें
१० प्रतीत करें तो तूं उद्धार पासी। क्योंस मनमें आदमी सिद्धाई लेंणबेई प्रतीत करेंछें ओर उद्धारबेई मुंडासूं छारे
११ कखो जायछें क्योंस धर्मसास्त्रमें ओ केंछें कें जोकोई लोग उंकेंउपर प्रतीत करेंछें उंकि लाज जासि नहि।
१२ यिहूदि वा यीकांकी कांइ्हि जुदागि नही क्योंस सगळांका कोठारि उई एक प्रभु आपकेंकनें याचना करणवाळा

१३ सगळां लोगांकालि मायखांनछै। क्योंस अेको कोई लोग
१४ भगवानको नांव लेर याचना करैछै ऊ मुक्त ह्वसि। तो
जींऊपर वां प्रतीत न करीछै वें ऊंकैकनें कीतरें याचना
करसी वा जींका फायदामें वां सुण्यो नही ऊंकैऊपर कीं
तरें प्रतीत करसी ओर ढंढेरो फेरणवाळो कोई नहवांसूं
१५ वें कीतरें सुणसी। ओर मेल्योड़ा न होणसूं वें कीतरें
ढंढेरो फेरासी जिस्यो ग्रंथ लिख्योछै कें अेको खेमकुसल देणवालो
वालो मंगळीककथा चोडें करैछै वा अेवो पासवेलोमें
१६ राजीकी खबर देवैछै बांका पग किसा सोभावांनछै। ओर
वें सगळा मंगळीकसमाचार मांनें नही क्योंस यिसाईयाह्
कयो कें हे यिळ्ह् म्हांकी खबरऊपर कोणी इतबार करयो
१७ छै। इंवेंई सुणणसूं प्रतीतछै वा भगवानकी कथासूं
१८ सुणैछै। ओर ऊं कऊंछुं कांई वां सुणण न पायोछै
मुकर सुण्योछै क्योंस वांको साद सगळा संसारमें गयोछै
१९ ओर वांकी कथा संसारकी छेवड़ातांई गईछै। ओर ऊं कऊं
छुं कें यिसरायल् कांई जांणो नही पैंलड़ा मोसह् कयो कें
अेको लोग गोत नछै वांको बाहसूं ऊं थांरें उचाट जनासुं
२० ओर एक डोफा गोतीसूं थांनें रीसो करसुं। ओर यिसा
ईयाह् मोकळो निडर ह्वयर कयोछै कें ज्यां म्हारो खोज करी
नही वांकैकनें ऊं लाधो गयो वा ज्यां म्हारैबेई पूछ्यो नही
२१ वांकैकनें चोडें ह्वयोछुं। ओर यिसरायलनें कयो कें
नमांनणवाळा वा बेरकरणवाळा लोगांऊपर में समळो दिन
हाथ पसारैछै।

११ इग्यारमो पानो।— तो ऊं या कऊंछुं कें भगवान
कांई आपका लोगांनें छेड दीनाछै वा नहें क्योंस ऊंपिण
आबराहामको डावडो वा बेन्यामिनका कुळमें एक यिसरा

Digitized by Google

२ एकी हुं। भगवांन आपनें पेंवडा ओळखवाळा आदम्यांनें
छोडदीना नही थें कांई वा जांणो नही कें धर्मग्रंथमें एळी
याहकें कायदामें अका कया कें कें उं जीतरें आ बाधना
३ यिम्रराएलका वैरमें भगवानकनें करी। कें हे यिहव्
वां थारा निमितियांनें मारनांख्यांछें वा थारी वेदीवांतरी
उपाडनांखीछें ओर अं एकलो हुं वेंपिण म्हारो जीव लेंव
४ नें उद्यम करेंछें। लेर भगवानको उथलो उंकेंउपर
कांई कें कें में सात हजार आदम्यानें आपकेंवेई राख्या
५ छें कें ज्यां बआलकनें गुडी गाळी नही तिसाई हाल
की वेळा छयासूं सरावणकें अनुसार बाकी रहिया छें।
६ अर उ छयासूं कें तो कांमसूं नही नही तो छया छया
नही लेर कांमसूं अर कै तो छयासूं नही नही तो कांम
७ कांम नही। तो कांई यिम्रराएल अको सोध्यो सो लाधो
नही लेर सरावण्यां लाधोछें ओर दूजा आंधा करया गया
८ छें। जिसो को लिख्योछें सुवणको सुभाव आंख आंख
सोडी न देखणकि आंख्यां वा न सुणवावेई कांन भगवान
९ वांनें दिनाछें। दाउदपिण कहेंछें कें वांको बाजोट
वांकी एक फास वा फंद ओर आपडपावणो ठुंठो वा
१० प्रतिफल करया जाय। वांकी आंख्यां अंधारासूं घेरी
जाय कें वें न देखें वा वांका मोर होजीमा हेटा करां।
११ तो अं कउंहुं कें वां कांई पडणवेई आखड धायोछें सो नहें
लेर वांका पडणसूं वांनें उपाळ्ळे करववें उद्धार दूजा
१२ देसवाल्यांकें नेंडा आयाछें। इंवेई अर थांको पडबो
संसारको धन छै वा वांको कसर दूजादेसवाल्यांको
धन अर कें तो वांको परवारणो कितो बतो व्हसी।
१३ कौंस अं दूजादेसवाल्याकनें हलकारो होणसूं थां
दूजादेसवाल्यांनें कउंहुं अं आपको सेवाको प्रसंसा करूं
१४ हुं कें किणीतरें आपकें सरीरवाळो भायांनें चाळवाळा करूं

१५ ओर वांरें विचमें कित्ताक लोगांको उद्धार करूं क्योंस
अर वांको छेडबो संसारको मिलावणो व्हें वो वांनें लेबा
मोतसूं जीवयावणोबिगर कांई व्हसी क्योंस अर पैलडा
१६ फल निर्मल व्है वो सगलो ढल निर्मल व्हेंछै ओर जड अर
१७ निर्मल व्हें तो डालायिण निर्मल व्हेंछै। ओर उंबर
की कित्तिक डाली भांगीगई तूं जोडजैतावको रूंख अर
वांकी जागामें कारी व्हें ओर वांकें भेली जैतानरूंखकी
१८ जड ओर रसभोगी व्हें तो असल डालांउपर गुमांन
मती कर लेर अर गुमांन करें तो आ जांण कें तूं जडको
१९ पालणवालो नही लेर जड थारी पालणवाली। तो
२० तूं कैसी कें मनें लगावणवेई डाली भांगी गईछी। ठीक-
वें बिगरइतबारीकें कारण भांगी गई सही वा तूं इत
२१ बारसूं कायम व्हेंछै गुमांन मती कर पण डर। क्योंस
भगवांन अर सागी डाल्यांनें छपा नकरी वो निर्वे
२२ थांन बी कांईआंबा तनेंपिण छपा नकरें। इंवेई भग
वांनकीभलाई वा जोच देख जके पडोडाछै वांकें उपर
जोच लेर तूं अर उंकी भलाईमें रें तो थारें उपर भला
२३ ई व्हेंती तो तूं पिण वाढ्यो जासी। ओर वें अर बिगर
इतबारमें न रवें तो वेंपिण दूजीवेला कारी करया जासी
क्योंस भगवांन वांनेंपिण दूजीवेला कारी कर सकेंछै।
२४ तूं जोडका जैतांन रूंखसूं काढ्यो जायर सुभावका वैरसूं
चोखाजेतावका रूंखमें कारी करी गई तो सागी डाल्यां
आपका जैतांनका रूं[illegible] कित्ती बत्ती कारी करी जासी।
२५ क्योंस हे भाई थांकी आपकी व्योतमें आपनें अकलदार व
णांबा इंवेई अं नई चाउंछुं कें थे इं करडी बातथीओमें
नजांणकार व्हो कें दूजादेसवाल्यांको पूरापणो व्हेंवें
जठातांई एक पांती आंधापणो यिस्रायलनें उबो आई
२६ छै। ओर तिणे सगलें इस्रायलीयांको उद्धार व्हसी

Digitized by Google

जिसो लिख्योछे वें सीओनसूं उबार करबवाला आसी
२७ ओर याकूबसूं बिगरसिधाई फिरासी। क्योंस
जींबेला म्हं वांका पाप दुराउंछुं उंदीबेला वांकें मेलो
२८ मारो ओ सरतंत छे। मंगलीक कथाकी बाबतमें
केंबसूं वें थांकेबेई बेरीछे लेर सरावबाका फायदामें बंस
२९ सूं वें पितरांबेई बाला छे क्योंस भगवानको दांन वा
३० बोलावबो बिगरपचतावबसूं छे। क्योंस थे जिसो पेल
डा पुरुमें भगवांनको इतबार न करयो लेर अबें वांकें बि
३१ गरप्रतीतसूं छ्या लाधीछे तिसोईं वां अबारतोडि
पिया प्रतीत करि नहिं कें थांकें छ्या लाबबका उकरासूं
३२ वें छ्या लावें। क्योंस भगवांन सगलांनें बिगरइतबारीमें
३३ अड दीनोछे कें उ सगलाउपर छ्या करें। आहा
३४ भगवांनको ग्यांन वा अकलवंतसरीखो मायाको गंभीरता
उंकी ब्योंत किसी अचिंतनिय वा उंको चलाव किसो आव
कार न होबाको क्योंस भगवांनको बिचारजांणबवाला
कुण हुवोछे उंको मंत्री कुण हुवोछे वा जींसूं उंकेंकनें दूजो
३५ बेला दियो जासी इसो किस उंनें पैलडा दीनोछे क्योंस उंसूं
३६ वा उंका करबसूं वा उंकेंबेई सगली बस्तां छे उंकी कुली
रोजीना चे आमिन्।

१२ बारमो पांनो।—इबेई हे भायां म्हं भगवांनकी
अनुग्रहसूं थानें बिनती करहुं कें थे एक जीवता वा निर्मल
वा सरावबलायक बलदांनसरी[illegible] आपको डील भगवांनकनें
१ उपसर्ग करो कें अको थांकें योगसेवा छे। ओर इं संसार
कें रीतसरीखो मती हो लेर भगवांनकी उ चोखो वा सराव
योग वा सुखदायि कांई छे इंकी कीमत लेंबबेई आपको
२ मन नवो हुवांसूं दूजासरिखो हुयोडा हो। क्योंस मारेंकनें
भगवांन जको अनुग्रह करयोछे उंसूं म्हं थांकें मायेंमीं आद

मीनें अटकलमाफकसूं आपनें मोटो गमाणबनें पण ईश्वर
जिशो चावेंजीं आदमोनें प्रतीतको पांती दिनीछें उंमाफक
४ अकलसूं आपनें मांनणनें कउंछुं। क्योंके जिशो एक डीलमें
म्हांकें मोकला अंगछें वा चावेंजीं अंगको एक कांम नछें तिशो
५ म्हे मोकला ऊपर खीष्टमें एक डील वा आपसमें अंगपिण
६ छेंछें। ईसूं म्हांनें दीनोडी अनुग्रहकें माफक म्हे न्यारीर
मुंडो लायर वा मुंडो अर बिमितियाई होवें तो उ म्हांकें
७ प्रतीतकें प्रमाणमाफक करें अथवा सेवाकरणी पदवी अर
८ तो सेवा करें अथवा उपदेशकरणवाला उपदेश करें।
जीयावण करावणवाला जीयावण करें अको दांन करेंछें उ एक
मनसूं उ करें अको लोग सिरदारी करेंछें उ चातराईसूं उ
९ करें अको लोग छपा करेंछें उ मनका आनंदसूं उ करें।
प्रेम छलबीन हों मोटोकांम मांई करणवाला वा चोखा
१० कांम करणवाला हुज्यो। प्यारसूं आपसमें छपासूं पूरा
११ हुज्यो आपसमें आगतभाव करणनें मन लगाज्यो। कांममें
बिगरआलसी वा मनदेमवाला हुज्यो भगवांनकी सेवा
१२ करो भरोसासूं राजीपणो वा कष्टमें थ्यावच हुज्यो प्राथ
१३ नामें रोगीना लेंबीन हुज्यो। पुन्यवांनांको दिखपणो
मेटणबेई दातार वा संगभाग करणमें त्यार हुज्यो।
१४ अकें थांकेंउपर तोसीस देवेंछें वांनें आशीष करज्यो वा
१५ धिक्कार मती दीज्यो। अके राजी करेंछें वांकें भेला
१६ राजी करो वा अके रोवेंछें वांकें भेला रोवो। आपसमें
बरोबर हुज्यो उंचाविषयमें मंन मती लगाज्यो लेर छोटा
१७ आदम्यांउपर निजर करज्यो। आपनें अकलवाला मती
जांणज्यो बींठाईकें बदलाई कीकीई बींठाई मती करज्यो
सगला आदम्यांकें देखणमें अको रीत सोभा लाधे उ चलण
१८ उपर मन लगावो। अर हुय सकें तो आपका मुंडा
माफक सगला लोगां भेलो बिगरदुसमणीसूं रीव कर
१९ ज्यो। हे वाला आपको वासवेलीमें उलटोबैर मती लीज्यो

Digitized by Google

लेर रीस देवर मत गोचा को क्योंस को लिख्योड़े कें
पिजह् कैंडे कें फलदेलो म्हारो कांमडे जं ठीक तोसीस
२० देसुं। इंबेई घर थारो बैरी भुको के तो उंबें
जीमाव घर तिसायो कें तो उंनें पाव क्योंस को करबसूं
२१ तूं उंका माथाउपर बीरांको छिगली करसी। खोटा
कांमसूं थाकोडा मती को लेर चोखाकांमसूं खोटाकांम
फते करज्यो।

१३ तेरमो पांनो।—थावेंसो लोग मोटो पदवीवें
वस को क्योंस भगवानबें निजमनबिगर कांई आग्या
नहीं जकार आग्याडे वें भगवानसूं निर्में बरोडो डें।
२ इंबेई जको लोग आग्याको बैर करेंडें उभगवानबें निज
मनको बैर करेंडें ओर दुसमनी करबवाला आपकी
३ बांमीको तालीस पासी। क्योंस भलो चोखाकांम
करबवालांउपर बीक देखावबाला नहीडें लेर खोटाकांम
करबवालांउपर तो कांई तूं पदवीसूं बीहां न चावेंडे
४ चोखाकांम करो तो उंसूं थारो चोखो पिख जसी। क्योंस
थारें मंगलीकबेई उ थारेंकनें भगवानकी आग्याकरब
वालो डें लेर तूं घर खोटाकांम करें तो बीहो क्योंस उ
भूठमूठ याती कपडें नडें उसी भगवानकी आग्या करब
वालो खोटाकांराउपरें बजराबउखिबारें फल देबवालो
५ डें। इंबेई थानें बस जखो निर्मेंडें थाकी बजराबका
६ बीहसूं सो नहीं लेर बिबेकसूं पिख। क्योंस वें इं
कांमभें रोजीना लीलीन ऊपर भगवानकी आग्या करब
७ वाला केडें इंबेई बाव दीज्यो। इंसूं सगला लोगानें
जींको जको लेखो सो दीज्यो बाव लेबवालानें बाव दीज्यो
हासल लेबवालानें हासल बीहवें लायकांकनें बीहसरी
पो मर्यादा दीज्यो आदर करबलायकानें आदर करो।

Digitized by Google

८ आपसमें प्यारकरबुरीबो देवेंसिगर और कींकाई
देणायत मती रूयो क्योंस ज्यो लोग दूजानें प्यार करेंछे
९ उं सौरेंतको बंध पूरो करयोछें। क्योंस परस्त्रीगमन
मती करो खुन मती करयो चोरी मती करो कुकोस्मयदी
मती दियो लोभ मति करयो और वा दूजाकोई आग्या
पिण कर रवें तो दूजाआदम्यांनें आपकें बरोबर प्यार
१० करो इं कथाकें मांय उछें। प्रेम पाडोस्यांवें कुंचि
खोटो उपजावें नहीं ईवेई प्यार सौरेंतको काम पूरो
११ करेंछे। और आतें नींद छोडर जागबकेवेला अको
छें या जांबर पण आई करो क्योंस म्हांवें प्रतीतकरबकें
१२ पैलडापुरसूं अबें म्हांको उद्धार नेंडो जबोछे। मोकली
रात गईछे दिन नेंडो आयोछे ईवेई म्हे अंधाराको काम छो
१३ डर चांनणाको सरंजाम पैरां। म्हे वैयो वा मत्वाई
पणो वा खोटोकाम वा लोधाईपणो वा कजियो वा खोटी
इच्छा आर रीस न करर दिनको जिसो ठीकछें तिसो
१४ चोखोकाम करां। और प्रभु यिसुखीष्टनें पैरो और
डीलको इच्छा परवारबवेई कुंही भेळो मती करो।

१४ चोदमो पांनो।—अको लोग प्रतीतवें फायदामें
२ दुबलो उंनें लो और बिगरठीक झगडावेई नहीं। क्योंस
कोई लोग प्रतीत करेंछे कें आप सगळो वस्त खाय सकेंछे
३ दूजोकोई निबलो आदमी डोरा खायछे। खांबवाळो लोग
नखांबवाळांनें निकमो कर न मांनो और नखांबवाळो खांब
४ वाळाको दोष न कहे क्योंस भगवान उ आरे करयोछें। हे
दूजाआदमीका चाकरको दोष देखवाळा तूं कुणछें उ आ
पकें धणीकनें उभो रेंछें अथवा पडेंछें फेरपिण उ खपड
राख्यो जासी क्योंस भगवांन उंनें कायम राखबें सकेंछे।
५ कोई लोग एक दिनसूं दूजोएकदिन मांनेंछे दूजाकोई

Digitized by Google

समला दिन बरोबर मानेंछे चावेंसो लोग आपका मनमें
६ खुब निश्चय राखें। जको लोग दिन मानेंछे सो भगवानवेई
उ मानेंछे वा जको लोग दिन मानें नही उपिण भगवान
वेई उ मानेंछे नही जको लोग समदा जांवर खायछे उ
भगवानने मनमें राखर खायछे क्योंस भगवानकनें खुसि
मेलेंछे और जको लोग चावेंसो वस जांवर खायछे नही
उपिण भगवाननें मनमें राखर खायछे नही और भगवान
७ कनें खुसी मेलेंछे। क्योंस म्हांकें बिचालें कोई लोग आप
केंवेई बचेंछे नही और कोई पिण आपकेंवेई मरेंछे नही।
८ जे बचणसूं भगवानकेंवेई बचांगा और मरणसूं भग
वानवेई मरांगा इंवेई उबरणसूं अथवा मरणसूं भगवान
९ का छांगा। क्योंस जीवता वा मुडदा यां दोयांकें
प्रभु होणनें खीष्ट मरयो और उपज्यो वा दूजीवेला जीव
१० कार ऊवो। लेर तूं आपका भाईनें यांमोदार क्यों
केंछे और तूं आपका भाईनें बिकमो क्यों जांणेंछे क्योंस
खीष्टकें न्यांतकरणकें गादीकें सामो म्हां समलांनें ऊभो
११ होणो पडसी। क्योंस इसो लिख्योछे कें यिहवह् आ
केंछे मर ऊं जीवतो छुं तो म्हारें सामो चावेंसो गोडो
झुकायो जासी और भगवानकनें चावेंसो जीभ मारे बर
१२ सो। इंवेई म्हांकें बिचला चावेंसो लोगनें आपको
१३ हगीगत भगवानकनें बणाय करणो पडसी। इंसूं
म्हांकें एक लोग दूजायक लोगनें यांमोदारसरीषो न
मांनें लेर यस को मनसोबो करें कें कोई लोग आपकें
भाईकें मारगमें आपडणायको ठुंठ अथवा पडणको कोई
१४ कारण न देवें। ऊं जांणुं और प्रभुयिसुसूं ठीकजाण
कार ऊवोछुं कें कोई वस आपसूं भिसट नही लेर जको
लोग कोई वस्त भिसटसरीषी मांनेंछे उंकेंकनें वा चीज
१५ भिसट छें। लेर थारो भाई मर थारें खावण

Digitized by Google

उपर भटकें तो इंसूं तूं प्यारको रीत न करैछै जींकेवेई
खीष्ट मरो तूं आपको पुराकसूं उंको बिगाडो मती कर
१६ जे।   इंसूं थारैं भलो कोरतको कुशोभा जींसूं हों सो
१७ मती करज्यो।   क्योंस भगवानको राज खाबोपीबो न
१८ छै केर सांचकाम वा शांति वा धर्म्मात्मामें आनंद।   क्योंस
जको लोग यां कामसूं खीष्टको सेवा करैछै उ भगवानकनें
१९ राजी देखवाको दूजा आदम्यांसूं सरावणोछै।   इंवेई
शांति करणवाला ओर जींसूं एक लोग दूजाको पोखा
२० कर सकें म्हे इंकामकें पिछाडो रेंणवाला हों।   पुराक
वेई भगवानको कांम बिगाड मतीकरज्यो सगलीवस्तां पाक
साफ छेर जींसूं दूजो भटकें जको लोग उ खावें उंनें खामी
२१ होंछै।   मांसखाबो वा दाखको रस पीबो अथवा
ओर जीं कोयी वस्तसूं थारो भाई आपड जाय अथवा भट
कें अथवा निबलो कयो जायछै उंको खाबो ठोक नही।
२२ थारो कांई प्रतीतछै भगवानकें सामे उ आपकेंपन राख
जको लोग आपको रीतसूं आपनें दोषी नकरैं उ धन्य।
२३ जींमें संदेह छै उ जर खाय तो दोषीदार होंछै क्योंस इत
बार सरीखो खायछै नही क्योंस इतबारसूं जो नही
उही पाप।

१५ पनरमो पांनो।—इवेई बलिया जके म्हे म्हांको दुब
१ लांको दुबलाई सेंबी करणो ओर आपको राजी नकरणो
२ ठीक छै।   म्हांकें बिचालें जावें जीं लोगको भलाईकें वास्ते
३ वेई आपका पाडोशोनि राजो करैं।   क्योंस खीष्ट आप
आपको राजो नकरो केर जिसो लिख्योछै कें ज्यां थारो गाई
४ करो वांकि गाई म्हारेंउपर आई तिसोईं हुयो।   क्योंस
पेंलडा जको लिख्योगो वें म्हांकें सिखावणकें कारण

जिण्या ग वें नें देखवूं वा धर्मग्रंथनूं अथोडा बातरीसूं
५ भरोसो बांधे। थनें देखो वा बातरी करवावालो भ॰
वान करें कें थे एकमन वा एक मेळजिसूं भगवान अथवा
६ म्हांनें प्रभुयिशुखीष्टनें बाभाको स्तुति करो कें थे खीष्टयिशु
७ कें माफक आपसमें एक मनसूं चैतीन हो। इंवेईं जिसो
भगवानकी स्तुति करवानेईं खीष्ट म्हांनें लीना तिसो थे
८ एक दीजा दूजाएक लोगनें लेवो। थनें जं या कथा कऊं
ठुं कें भगवानको सांचपणोईं यिशुखीष्ट सुनत्यांको सेवक
बणो कें बडेरांनें भगवानकी बचो करार ठेऊ करार
९ निश्चय करें। वा दूजादेसवाळी लोग भगवानका दया
सूं उनें स्तुति करें जिसो लिख्योडें कें इंसूं जं दूजादेस
वाळ्यांनें बिचानें थारेंकनें सारे करसुं वा थारा नांवकी
१० बासवेकी गासुं। फेरपिण हे दूजादेसवाळो थे उंका
११ आदम्यांकें भेळा राजी करो। फेरपिण हे दूजादेस
वाळो सगळा थे यिहवको स्तुती करो हे सगळा आदमी
१२ थे उंकी प्रशंसा करो। फेरपिण यिसाईयाह कें
कें यिसिसूं एक गोढ अवसी फेर सकेदूजादेसवाल्यां
ऊपर राजीयाप्र करबनें उपडसी उंकेंऊपर दूजादेसवाळो
१३ प्रतीत करसी। अबें भरोसोउपजाववाळो भगवान
थांनें इतबारमें सा आनंद वा शांतिसूं परवारें कें थे धर्मो
१४ आत्मा पोषसूं भरोसासूं भरेडा हो। हे म्हारा
भायां जं सागी थांकी बासथेओमें बाठो मानवार हूं कें
थे चोखाईसूं वा ग्यानसूं पूरा हो वा आपसमें सीख
१५ दब कर सकोगो। फेर हे भायां भगवानका करवसूं
म्हारें मेंडो अबो दीनेडो अनुग्रह कें जं दूजादेसवाल्यांकनें
भगवानको मंगलोक कथा सेवाकरववाळो यिशुखीष्टको
१६ सेवक हुं। उं अनुग्रहसूं जं कांईक साहसोक ऊपर थांनें
चिबारकबरीयो थांनें लिख्योडें कें धर्मोत्मासूं दूजादेस

वाल्यांनें बापबाबरोषा पवित्र करेोडा जयर भारे छे ।
१७ इंवेई भगवांनको जबेर विषय उंशी मासधेबीमें यिसुखीस्टका
उकरासमूं म्हारे गुमानको कथा कैवको कारण छै क्योंस
१८ जीसूं कं यिरुसलमसूं चारांकानी इलुरिकम् तांई
खीस्टको मंगलीक कथा सगळीतरैंसूं बिख्यात करीछै
१९ इसेर जको भगवांनको आत्माको पोंचसूं सीयोडा मोटा
सलका लक्षण वा अचेराकाम करबसूं घोर उंसूं
दूजादेसवाल्यांनें कथासूं वा कामसूं मांनवताला करबा
बेई जको खीस्ट मेंसूं न करोछै वा कथा करबनें कं हिमत
२० न करसूं । मंगलीक कथा ढंढेरो फेरबनें में जतन
करोछै सही घेर जी आगा खीस्टको नांव कबो गयोछै
उठें नही क्या आगा कं दूजा बीकीई नीवऊपर घोर
२१ करं । पण जिसो यो कथा खोपीछे वै ज्यांकेनें
उंके विषयमें कयो गयो नही वै देखसी वा ज्यां सुण्यो नही
२२ वै पिख समझसी लिख्योई करोछै । इंवेई कं थांकेकनें
२३ आंवबनें घणीर घटक्यो छे । पण अबें इं थानिमें
घोर म्हारी जागा नरैंबसूं मोकला बरसांसूं थांकेकनें
आंबनें म्हारी मोटोइच्छ जवांसूं जीसिवीबेला कं सापि
२४ यांमें आसुं उं बेला थांके नैडो पोंचसुं क्योंस मारगमें कं
थांनें देषबनें घोर पेलडा थांको मोलापसूं कुंछि सांतरो
जयर थांका उकरासमूं उंबांमी आगें बधबको
२५ भरोसो राखुंछुं पण अबें पुन्यवांनको सेवा करबवाळो
२६ जयर कं यिरुसलमभें जांउंछुं । क्योंस यिरुसलमका
भ्यागा पुन्यवांनबेई कुंछि देबनें माकिदोनिया वा आखाया
२७ याका रेबवालांको मनसोबो छे । वांको बिचार छे
सही घोर वें उंका देणदारोपिब छै क्योंस दूजादेसवाळा
जर वांकें परमार्थकी बात बांबोछै तो डीबकें बातांसूं
२८ वांको सेवा करबी वांनें जिमें ठीकछै । इंवेई कं घोर

Digitized by Google

कांम करर वा वांबें उपर छाप कर्योउंबिहारें थो काव
२८ दो देर थांकें कनासूं सामियांमें जासुं। भोर कं
ठीक जांणुं कें जद कं थांकेंकनें भासुं तद चीस्टकें मंग
लीक क्यांसरोंवो भाशीषको पूराई साथे बेर भासुं।
३० भर्ब हे भायां कं प्रभु यिसु चीस्टवेई वा भमोभाका प्यार
वेई थांनें बीनती करंउं के थे म्हारें भेळा भगवांनं
३१ कनें म्हारेंवेई याचना करवको उद्यम करो कें कं
यिगरहतवारी यिउदी लोगांकें हाथसूं उद्धार जवुं
वा यिरुसलमवासीवांनाकेंवेई म्हा सेवा है कें उ पुन्य
३२ वांनसूं भारें वें। भोर भगवांनकी इछसूं कें कं
राजी मनमें थांकें नेंडो पोंहुं वा थांकें भेळो चेंन गुमाहं।
३३ भबें सांति देंबवाळो भगवांन थां सगळांकें नेंडो रहें।
भामिन्।

१६ सोळमो पांनो।—कं थांकेंकनें म्हांकी बेंन फेबानें
सुपारिस करंउं कें जके केंक्रीयाकें टोळीको एक सेवक है
१ पुन्यवांनकें ठीकसरीसो वांनें प्रभुका भादर बो। भोर जी
कोयी बातवेजीसें उंनें थांसूं उपगारको भहर रहें उं
कांमसूं उंको उपगार करो क्योंस उ मोकळांको वा म्हारो
२ पिण प्रावस करयवाळी जहै। चीस्टयिसुमें म्हारो उप
गारी प्रसका वा भाकला वांनें बंदगा पोंचाय दीज्यो कें
४ ज्यां म्हारें जीवकेंवेई भापको माथो दीनोहै वांकी प्रसंसा
मात्रो कं करंउं सो नही वेर दूजादेसवाल्यांकें टोळीकी
५ सगळांपिण ज्यांकी प्रसंसा करेंहैं। इसी वांकें भंग्राम
भका टोळीहै वांनेंपिण बंदगा पोंचाय दीज्यो म्हारो मोटो
वाल्हो भाईपेनितस् उंनें बंदगा दीज्यो कें जको भ्रोस्ट
६ कंकनें भाखायाको पेंहडो फल है। मारियानें बंदगा
७ दीज्यो कें जी म्हांकेंवेई मोकळी मेंहनत करी। म्हारा

Digitized by Google

गोती वा भेला कैद आंद्रोनिकस् वा युनिया वानें बंनखा
करज्यो कें अको हलकारांवें बिचालें चोखा बाजछै वा म्हा
रे पैंलडो ख्रीष्टमें छै।
८ प्रभुमें म्हारो वाल्हो आम्प्लिआस्नें बंनखा दीज्यो। ख्रीष्ट
म्हारें सहकारी उर्बानीनें वा म्हारो वाल्हो स्ताखिस्नें बंन
९ खा दीज्यो। ख्रीष्टमें परख कर्योडो आपेलस्नें बंनखा
१० दीज्यो। आरिस्तबूलस्का कुबिलां लोगांनें बंनखा दीज्यो।
११ म्हारा गोती हेरोदियानें बंनखा दीज्यो नार्किसस्कें कबि
लामें अको प्रभुमें छै वांनें बंनखा दीज्यो त्रुफेना वा त्रुफोसा
१२ वांनें बंनखा दीज्यो कें अके प्रभुमें मेंनत करें छै वाल्हा
पर्सिस्नें बंनखा दीज्यो कें जीं प्रभुमें मोकली मेंनत करी।
१३ प्रभुमें संरावण्यां रूफस्नें वा उंकी माउ वा म्हारी माउनें
१४ बंनखा दीज्यो। आसुंक्रितस् वा फ्लेगन् वा हर्मेस् वा
पात्रोवास् वा हर्मीस् यांनें वा वांकें भेला जित्ता भाई वांनें
१५ पिण बंनखा दीज्यो। फिल्लोगस् वर युलिया वा नेरि
यस् वा उंकी बैंन वा उलंपस् वांनें वा वांकें भेला जित्ता
१६ पुन्यवंत लोग वांनें पिण बंनखा दीज्यो। निर्मल बाच्चो
लेर एक लोग दूआएक लोगनें बंनखा करज्यो ख्रीष्टकी
टोली जित्ती वें थांनें बंनखा करें छै।
१७ हे भायां हूं अबें बीनती करूं छुं कें अका सोधावला
ये लाधीछै उंकें बैरमें व्याराई वा अटक अके लोग उप
१८ जावेंछै वांको ध्यांन करो वा वांकेंकनें मती जावो। क्योंस
अके इसरेंका छै वें म्हांकें प्रभुयिसुख्रीष्टकी सेवा करें न
छै लेर आपका पेटकी चाकरी करेंछै और प्यारकी कथा
१९ वा मीठो बोलोसूं काचा आदम्यांनें भुलावें छै। क्योंस
थांकी आग्या मांनखी सगला लोगांकें हजूर विख्यातछै
इसूं हूं थांका फायदामें राजीछुं लेर हूं चाउछुं कें थे
२० चोखाकाममें अकलदार वा खोटाकाममें भोला रो और

Digitized by Google

शांति करबवाळा भगवांन थोडा दिनांपछें थांकें पगांहे
शैतांनें मेलनें चेप्योडो करसी म्हांकें प्रभुयिसु खीष्टकी कृपा
थांकें उपर र्हे आमिन्।
२१ म्हारो भेरो तिमोथियस् वा म्हारो गोती लुकियस् वा
२२ यासन् वा सासोपतर् थांनें वंदना करेछें। मैं तर्ति
यस् कें जीं यो कागद लिख्यो प्रभुमें थांनें वंदना कर
२३ रुं। म्हारो वा सगळी टोळीको अतिथकरबवाळो
गाईस् थांनें वंदना करेछें नगरको दीवांन इरास्तस्
वा क्वर्तस् नांवको एक बीरा भाई थांनें वंदना करेछें। म्हांकें
२४ प्रभु यिसु खीष्टकी कृपा थां सगळांउपर र्हे आमिन्।
२५ संसारकें ठेटसूं अबा तंत चोड़ें नहें पण अबें चोड़ें क
राछें और रांमांणां रैबवाळा भगवांनकी आग्या माफक नि
बियांकी पोथ्यांमें हुबवारकें मांननेंई सगळा देसवा
२६ ल्यांकें चौडेंछें। उंई तंत माफक म्हारेंकनें दीयोडी
मंगळीक बातां वा यिसुखीष्टनें ढंडेरो ई माफक अनो थांनें
२७ निश्चल कर सकेंछें। ओंकेंसिवाय दुजोकोई मा अक्कल्
दार नहें उंकी स्तुति यिसु खीष्टकें उबरासूं रेबोक
रें। आमिन्।

करिंथियांनवें पाउलूरो पैलडो कागद।

१ पैलडो वांचो।

भगवानकी जका ठाको करिंथियामें छै जको खीष्ट
यिसुमें पवित्र करयोडा पुन्यवंतसरीषा विख्यात छै और
थावेंजी जागामें जित्ता लोग म्हारें प्रभु यिसु खीष्टका नाव
२ सूं याचना करेंछैं जको म्हांको वा वांको प्रभु छै। वांवें
लेखा भगवानकी इच्छासूं यिसु खीष्टको निबें करयोडो
पाउल चमकारो वा म्हांको भाई ससथेनस् कागद लिषेछै।
३ म्हांकें बाभो भगवानका वा प्रभु यिसु खीष्टका अनुग्रह वा
४ शांति थांकें उपर हो। भगवानको जको अनुग्रह यिसु
खीष्टकी वाटसूं थांवेंनवें दीवोडोछै उं अनुग्रहसूं उं
थांवें फायदामें रोगोना आपका भगवानकी स्तुति करंछुं
५ कें जको छेवडावोडी थिया थांको निश्चय करसी। खीष्ट
६ को जा कथा थांकें बिषावें जिसो निश्चय करयोछै तिसो
उंका उकराससूं थांकें सगली कथा वा सगला ग्यांन
७ सरीषा धनपात्र करया गयाछो कें म्हांकें प्रभु यिसु खीष्ट
८ कें दिनमें थे निगरधामी हो थांकें म्हांकें प्रभु यिसु खीष्ट
का आवणकी बाटजोवणवाला इधर की मुंडीमें घटता
९ मतीचो। भगवान प्रतीतजोगछै कें जींसूं थे उंका डावडा
म्हांकें प्रभु यिसु खीष्टकी यारीसूं निश्चय करयोडा थो।
१० हे भाया म्हांकें प्रभु यिसु खीष्टको नांव लेर उं थांनें
बीनती करंछुं कें थे सगला कपी उधिहारकी कथा करो

कें थांकें बिचमें कंईंि झगड़ा न व्हें पण थांकें एकमनको
११ वा एक ध्योनको बंधहासूं सोखेंआना बांध्यारहो। क्योंकें
हे भायां कोईकें कविला घोखासूं म्हांकेंकनें पोहें छईंगो
१२ कें थांकें बिचमें कजियोछें। ऊं थांनें कवें छा कउं
छुं कें थांकें बिचमें कोई कें छें के ऊं पाउलको कोई केछें कें
ऊं आपलसको कोई केंछें कें ऊं काईफाको श्रोर कोई कें
१३ छें कें ऊं खीष्टको। खीष्ट कांई बिराहर छवोछें पाउल
कांई थांकेंबेहें कुरुस्ऊपर मास्चो गयोछें अथवा थांई पे
१४ पाउलका नांवसूं डुबो मासोडी छवाछा। ऊं भगवानकनें
धुनो मेलुंछुं कें ऊं क्रीसपुस वर गायस्बिगर थांकें दूजा कीं
१५ कैंई डुबोदिराई नहो। क्यांजांधा कोई कवें कें में आपका
नांवसूं डुबोदिराई में स्तेफानस्कें कविलानेंपिख डुबो दि
१६ राईछें ऊं बिगर ऊं जानुं नहो कि ऊं दूजाकोयीनें डुबो
१७ दिराईछें। क्योंस डुबो दिरावणवेहें खीष्ट मनें मेल्यो नहो
पण मंगलीक कथा ढंढेरो करणवेहें उपिण अकलकी कथां
१८ सूं नहो क्याजांधा खीष्टको हलवाखी निकमी वें। क्योंके
बिगाडपावणवालांवेंकनें हलवांकोकी ढंढेरो करवो मैंलाईं
१९ छें श्रेर तिरायोडा म्हांकेंकनें वा भगवानको पोच छें। क्योंक
आ कथा लीकोछें कें ऊं पंडितांकी बिद्या नास करसुं
श्रोर अकलवाला आदम्यांकी अकलपिख नास करसुं।
२० बिद्वानकठें वाकरणी कठें इ संसारको अदकोवदकोकरणे
वालो कठें छें भगवान इं दुनियांकें ग्याननें कांई गेंलापणो
२१ न करेाोछें। भगवानकी ग्यानमें संसारका लोगांकें
आपका ग्यानसूं भगवाननें जांण्यो नहो आ जवांपछें
ढंढेरो करणसरोखो गेंलापणसूं इतबारकरणवालांकें
२२ उद्धार करणनें भगवानकी राजोछो। क्योंस यिहूदी
२३ लक्षण मांगेंछें वा योक्बिद्या खोजेंछें। श्रेर हिकणी
कनें अठक- वा योकांऊपर गेंलारपणो श्रेर यिहूदी वा

Digitized by Google

थीव ओर दुखागिणा बिखव कुथोडा लोगां बांबेंउपड़
२४ भगवानको बल वा भगवानको ग्यान भवो छवबांथोउपर
२५ मायोडो खोट उनें न्हैं छेटेरो करांगा । क्योंस भगवानको
गेलाई आदम्यांसूं बकबवंदीजैं ओर भगवानकी दुबलाई
२६ आदम्यांमूं बळवंतजैं । क्योंस ई भायां थे आपको लिखें
करयो देखोगे कें ई दुनियाको भलसरीखा मोकला पंडित
अथवा मोकला सूरा अथवा मोकला मोटा आदमी नथी ।
२७ ओर कोई लोग उनें साने गुमानकी कथा नकहें ईवेई
ग्यानांको नाम करबने भगवान संसारको ठेठा बला
२८ सराईजैं ओर बळवंतबलांनें नामकरबवेई संसारको दुब
ळो बला सराईजैं । ओर भगवान संसारको नंचाको
२९ बला वा नीचथिब सराईजै वा चोडेंबलांनें नामकरब
३० वेई मदोपवालोबळथिब सराईजैं । ओर मने थिमु खोट
लियो वा लायकोथयो वा पवित्रता वा उधार न्हाकेंबई
भगवानमूं वैरी गईजैं उंका उधारासूं तें खोट थिमुमें
३१ जे । जिसो को लिख्योजें कें मनो लोग गुमानको कथा
कोरें वे भगवानवेईं गुमानकी कथा कहें ।

२ दूजो पानो ।—हे भायां जद थें थाकिंकनें गयो
तद कथाको अथवा बिधाको चोखापणसूं भगवानको साख
२ तो छोडेंकरबनें थें न आयो । क्योंस म्हारो भो करारजैं
कें थें थिमुखोट ओर उपिब छवबांखोऊपर मायो गयो
इंबिगर ओर क्युंहि थाकें थिचमें न जाणमुं । ओर थें
३ बिपताईसूं वा भयसूं वा मोठा बुधबसूं थाकें मेंडो जे ।
४ ओर म्हारी कथा वा छेटेरो आदमीकें मनमाफक कथानें
बियासूं नजो ओर आत्माके करडोसाथवे वा पोचसूं जो
५ वें थांको भरोस आदमीको भरोससूं नहीं ओर भगवानको

६ पोंचसूं कें। पवित्रता जको वोकें बीचमें म्हे सिद्या देंछें
सही लेर ई संसारकी विद्या अथवा ईसंसारका बेजबोस
वाला मनखांकी विद्यासूं नही। लेर जका छिपायोडो
७ विद्या भगवांन म्हाकें उद्धारवेई संसारवें पैलडा निर्खे
करयोछो भगवांनको उई भेदकीवमकउंछूं कें जको ई सं
८ सारका किसो मनखोयां जांण्यो नही क्योंस वें जर जांणवा
तो सुधीकरयोडो भगवांननें छलवांसीउपर न मारता।
९ लेर जिसो लिख्योछें कें जको भगवांनसूं प्यार करेंछें वांकें
वेई उं जकोर प्यार करयोछें वांकें आंख्यां देख्यो नही वा
कानां सुण्यो नही वा आदमीकें मनमें पिन उठी नही।
१० लेर आपकी आत्मासूं भगवांन म्हांकेंकनें वांनें खोलें कराछें
क्योंस आत्मा सगलांकी खोज करेंछें वा भगवांनकी खोटें
११ बातांपिन खोज करेंछें। क्योंस आदमी विचावें रेंणवाली
आत्माबिगर आदमोकें मनकी छुगोगत कोई जांणेंछे ई
१२ तरें भगवांनकी आत्मा बिगर भगवांनकी बाबत कोई जांणें
नही। जकेंर वासवेको म्हांनें भगवांनसूं मुफत दीनी गई
छे वां बातांवें जांणवकें कारण म्हे संसारवें आत्मानें बाधो
१३ नही लेर भगवांनसूं जका आत्माछें उंनें बाधोछें। क्यां
बातांनेंपिन म्हे कोंछें दुनियादारोकीं विद्या जकें कथां
भणावेंछें वां कथांसूं नही लेर धर्मात्मा जके कथा भणावेंछें
वां कथांसूं एक परमार्थकें बात दूजोपरमार्थकी बातां
१४ भेली खोज कररपिणकोंछें। लेर सुभावी आदमी भग
वांनकें आत्माकी बातां लेवेंछें नही क्योंस वें उंकेंकनें गेलाई
उपिण वांनें जांण सकेंछें नही क्योंस वें परमार्थमें देख्यां
१५ आयछें। जको लोग परमार्थी छें उ सगलांको विचार
करेंछें लेर उ आप कीसूं ई विचार करयो आयछें नही।
१६ क्योंस भगवांनको मन कोण जांण्योछें कें उ उंनें भणावें लेर म्हे
ख्रीष्टको मन जांणांछां।

Digitized by Google

३ सीजो पाँवो।—हे भायाँ परमार्थीलोकने जिसो कयो
जायछे उं जिसो थाँमें बोल न सक्यो वेर सरीरी अथवा
२ खोटमें डावडानें जिसो कयो जायछे तिसो कयोछे। मैं
थानें दूध पायोछे करडो जीमण खुवायो नही क्योंस थवा
कतोडो घे वा लेब न सक्या अबेपिण घे सको छे नही।
३ क्योंस घे अबेपिण सरीरी छे क्योंस थाँके बीचमें डाको वा
कजियो वा न्यारीई छै उंसूं घे कांई सरीरी नछे वा आद
४ मांसरीया कांई चालो नही। क्योंस जितादिन एक कोइ
केछै के उं पावलूंको वा दूजोएक लोग केछै के उं आप
५ लसूको तिता दिन घे कांई सरीरी नछे। तो भगवाननें
चावेंजी लोगनें जिसो दीनोछै उं मायक जीका लेवकांका
उवरासूं घे इववार कयो उं सिवार पावलू कुण वा
६ आपलस कुण। मैं गाडोछे वा आपलस पाणी सींचोछे
७ वेर भगवान फल दीनोछे। इंसूं जको लोग गाडेछे उ
कुंछि नही वा जको लोग पाणी सींचेछे उ पिण कुंछि
८ नही वेर फलको देवाल भगवान सगलो। जको लोग
रोवेछे वा जको लोग पाणी सींचेछे वे एकी छे ओर पर्चे
सो लोग आपका कामसरीखो फल पासी क्योंस म्हे एक
कामका करवावाला भगवानका हैंगय्या छो घे भगवानका
९ खेतछो घे भगवानक साठ छो। मैं जिसो भगवानकी
अनुग्रह बालीछे जिस अकलदार राजकें इसो नींव दीणी
१० छै। ओर कोई लोग उबेंउपर साठ करेंछे वेर पर्चे
सो लोग निवेचान भी कें उबेंउपर कींतरें साठ करेंछे।
११ क्योंस जका नींवदीनोडोछै थायवा यिसु खीष्ट उंबेंसिवार
१२ दूजोनींव कोई कर सकें नही। ओर जको कोई लोगो
रूपो सुंवार सुवर्ण पास परावउवें निवायें कांई बस हे
१३ नींवउपर साठ करें तो पर्चेजी लोगको काम बोईकरवो
पडसी क्योंस काल उ सोंडे करसी क्योंस बाकदिन् उदि

चोडें करणा जासी ओर पावेंगी लोगकों सांठ कीसोडें उंकों
१४ कोमव वासदे करसी। अर कोंकोई उंकेंउपर रचेडो
१५ काम रहें तो उ वेग फल पासी अर कोंकोई रचोडो
काम बलजाय तो उंको बिगाडो जासी तोपिण उ आप
उद्धार करयो जासी लेर जिस्यो बासदेसूं उद्धार करयो
१६ जायडें तिस्यो। थे कांई जाणो नडो कें थें भगवानका
देवराडे वा भगवानको आत्मा थांकें बिचालें वसेंडें। अर
१७ कोई भगवानको देवरो भिरष्ट करें तो उंनें भगवान नाश
गमासी क्योंस भगवानको देवरो निर्मलडें उ देवरो थे।
१८ कोई आपनें न भुलावें अर थांकें बिचमें कोई आपनें इं
संसारमें अकलदार करर मानें तो अकलदार होवेंई उ
१९ लोग गैलो वें। क्योंस भगवानकें सामें इंसंसारकि बिद्या
गैलाईडें क्योंस ओ लिख्योडें कें उ अकलदारांनें वांका
२० पेचसूं अटकावेंडें। ओर भगवानपिण कुद्धवानको मन
२१ सोको जाणेंडें कें वें निकमा। इंसूं आदम्यांउपर कोई
अहंकारकी कथा न करें क्योंस सगला थांका अथवा पावल्
२२ अथवा आपलस् अथवा काईफास् अथवा संसार अथवा
२३ जीवतव अथवा मोत अथवा हालकीवस्त अथवा होंणहार
वस्त सगलो थासबेली थांकी वा थे खीष्टका वा खीष्ट भग
वानका।

४ चोथो पानो।—जिस्या खीष्टका सेवक वा भगवानकें
भारीतंतको दिवानोका कायदामें गिणणा ठीक तिस्या म्हांनें
२ थासबेली लोग गिणो। दीवानोंका ओधामें चावोवें आद
३ मी प्रतीतवंत वें। लेर थांका मनसे.बासूं अथवा आद
म्यांकें मनसोबासूं वें जं ब्योत करयो जाउं इंनें जं मोकलो
नांनो करर जाणुं जं आपनेंपिण ब्योत कर जाणुं नही।
४ कोंव जं आफेई कुंछि जाणुं नही इंमें जं सिद्ध करयो

५ जातो नही जेर भलो म्हारो न्याव करें उ भगवान। इं
वेई ठीक वेळावैं पैलडी थे कुंहि न्याव मती करज्यो अथवा
प्रभु विगरआयां वें अंधारावी पालीकड बस कोई
करसी जेर मनका कारणदिख गुदरासी उं वेळा भगवान
६ सुं यावेंगी जोगकी सोभा जसी। हे भायां थांका भलावेई
में मैं सगळी कथां म्हारें आपकें यासवेळीमें वा आपलसुंको
यासवेळीमें परचां कार कथो छे कें थे मो लिख्योछे उंसुं
बतो थे म्हासुं कोसीई न मांनणमें सीखो वा एक जोगको
अनादर करर दूजाको आदर करवानें थांका कोथी गुमा
७ नसुं न फुलो। क्योंस थांनें दूजाडोलके किव कयोछे और
थारो कांईछे कें अको नें मलायोछे इंवेई थर सें जायो छै
८ तो मलायरइसो क्यांवेई सेवी करोछो। अबें थे परवाय्या
छो अबें थे मायाधात्र हुआ छो थे म्हांवें विगर राजासरो
सो यखियाप करोछो अं पिव पांउंसुं कें थें यखियापपिव
९ करो कें म्हें पिव थांकें भेळा यखियाप करां। क्योंस अं इस
भुंउं कें भगवान म्हां दलवारांवें मरवावेई नियमयोछा
जोगां इसो सगळांकें छेवडें धोडें कयाछे क्योंस संसार वा
१० दलवारा वा आदम्यकनें म्हे तमासासरीषा हुवछ। ओष्ट
वेई म्हें मेंलांगां जेर खीष्टमें थे अकलदारछो म्हे निबला
छां जेर थे बलिया छो थे आदरजोगयख म्हे निकमा
११ कयोडा छां। आ अबारकी घडीतांई म्हे भुका वा तिसा
वा वानागा वा धपेडोदीयेाें वा धानभष्टगें जेर आप
१२ वहा थांसुं देंनगी करांगा। ओई कयोडा अयरपिव
म्हे आसीस देवांगां ताडा अदरपिव म्हे वा सहांगा बदमाव
१३ अयरपिव म्हे बीनती करांगां संसारको मेंल वा सगळी
१४ वस्त अंगाळसरीषा आजलोडो म्हे कयोडाछ। आ कथा
अं थांकी लाजवेई कोयुं नही जेर म्हारें बाल्हा टाबरा
१५ सरीषा थांनें सीषावण करंउं। क्योंस ओष्टमें थर थांकें

दसहजार सीषावणवाला है तोपिण थांकें घणा बाप्‌
नही क्योंके मंगलीक कथांसूं खीष्टयिसुमें में थांनें उपजा
१६ यारें। इण वास्ते में था बीनती करुं के थे म्हारें सरीषा
१७ करणवाला हो। में तिमोथियसूनें मेल्यो के जको म्हारो
वाल्हो डावडो छें ओर प्रभुमें प्रतीती खीष्टमें म्हारी जका
रीत वा रीत जं जिकीसगली जागा पावेंजी टोलीमें सिका
१८ उंछुं तिको उ म्हारी रीत थांनें चितरासी। कितायक लोक
गरबसूं इसा फूल्याछें के में जियो थांकेंकनें नावणो ठेरायो
१९ नही छें लेर जर भगवानकी ह्रछा छे तो जं भट थांकेंकनें
आसुं वा जका गरबसूं फूल्याछें यांकी वांकी कथा न सुणसो
२० पण वांकी पीणयिक जांणसूं क्योंके भगवानको राज कथां
२१ सूं नही लेर सुंढासूं। थे कांई चावोछो कि में थांकने
छा प्यार वा सीलीमन वारें लेर थांकें कनें आसुं।

५ पांचमो पानो।—सगलालोकाई कहेछें के थांसरीषा
सुमपणो देवपूजणवालांकें बिचमें कयो जायछें नही वें
कोई लोग आपकी बापकी रंडमेंसो संगम करेंछे इसी
२ लोचाई थांकें बिचालें छें। वा थे परन्या नही के जीं
लोग ओ काम करेछें उ थांसूं एकांत दें लेर गरबसूं
३ फूल्योडाछो। जीं वा कांम करेछे उंकें फायदामें जं
डीलसूं मेरहाजर जयर लेर मनसूं हाजर जयर जिसी
डीलमें प्यार रेंर क्योंके करतो तिसो सबें क्योंत करेछें।
४ प्रभु यिशु खीष्टको नाम साथे लेर जद प्रभु यिसु खीष्टका
नांवसूं थे म्हारें आत्मासें म्हारें भेला भोछो तद उंका डील
५ वा विनाजनेईं इंसधीमा आपस्यांकें मेंडारेंकनें भलावणो
थांनें ठीक छें के प्रभु यिसुका दिन उंकी आत्मा उबार
६ करेओ जावें। थांको गुमानको करणो चोखोनही थे कांई
जांणो नही के थोडो खाटो सगलो गीलो खाटो करेछे।

७ इंबेई बोदोपाटी अजयो करी कें जिसा ये बिमरपाडें छे
तिसो थांको एक नवो गोलो पें क्षीस थांकें बदलें थांवें
८ पेसाप खोष बयादान जवेछें। इंबेई थांवो मे पवे
थांकां बोदापाटांसूं वा दुसमणी वा बदनीतोंबें पाटांसूं
सो नही बेर सची वा सांचसरिषो बिमरपाठा पाटोसूं
थांवें ।
९ सुथालोगां भेलो यारी न करबवें में थांकेंबनें एक कागद
१० दमें लिख्योछें। केरं इं संसारका लोबा वा लोभी वा
ठगाई वा देवतापूजबेंकावालेंभेला लोकेंमाना होत न
करबो सो नही क्योंस उ लोकसूं थांनें संसारबें बारखें
११ जांबो पडसी। बेर हूं अबें थांकेंकनें यो लिख्यो छे
के जोनें भाई कहर क्यो जावछे इसो कोई भर लोबा
अथवा लोभी अथवा देवतापूजबेंवालो अथवा नंदा करब
वालो अथवा मतवालो अथवा ठग पें तो उंकें भेला यारी
१२ करबनें भोर जीमबनोंपय बरज्योछे। बारबें अबे
लोगछें वांको बिचार करबको म्हारो कांई कामछें अबे
१३ मांयछें थे कांई वांको बिचार न करो छो बेर अबे बारबें
वांको ब्योंत भगवान करेंछे इंबेई उं बोदाकारनें थांकें
बिचमांसूं अलगो करो।

६ ठो पाठ ।—कोंबी आदमीउपर भर थांकें बी
कोई मुकदमो उपजित वें तो पुन्यवानांकनें पुकार न करह
२ अधर्मीकनें करबो कांई थांवें बुधि हर बछे। थे कांई
न जांबो छो कें पुन्यवान लोग संसारको बिचार करसी इ
बेई भर थांसूं जगतको बिचार जसो तो थांवें लोबको
३ वांनो मुकदमो ब्योंतकरब लायक कांई नही। थे कांई
न जांबो छो कें मे दबदरांबो फैसला करस्यां के बेर

कांई ई दुनियाको वासवेबीमें न्याव करसी। इबेई
४ संसारकें वासवेलोमें मुकदमो चार रें तो व्याकी होवांमें
निकमीठें थे कांई वाबें न्याव करवानें निसके करोगा। मं
५ थांमें लाज देवाबेई कउंछुं थांकें बिचमें कांई एक चोखायच
समझदार नठे, कें अको भाई भाईकें बिचालें न्याव करवें
६ सकें। ओर भाई भाईउपर पुकार करें सुधिया बिगर इब
७ वारी सांमें। इंसूं थाको थांमथां मांमो होवें कें थांको
एक लोग दूजाउपर पुकार करेंछें यब थे बिगरन्याव क्यों
८ नहीं सेव सको छो यब थे आपनें ठगाजांब न देवो छो।
ओर थे बिगर न्याव वा दगो करोछो सुधिया ओर अपना
९ भायां मेंडा। थे कांई वा जांबो नहीं कें नाबायकां भग
वांनकें राजको अधिकार नहीं जसो थे बिसरो मतो थे
१० लोधा अथवा देवपुजाकरबवाला अथवा जारि अथवा बुगा
ई इबो चालबवाला अथवा पाराठारा अथवा चोर अथवा
लोभी अथवा मतवाला अथवा गंधाकरबवाला अथवा
११ ठग भगवांनका राजका कें ठारी जसो नहीं। थांकें
बिचमें कोईर आदमी इसोछें केर प्रभुयिशुका नांवसूं
वा म्हांकें भगवांनकी आत्मासूं थे धुवोडा छो थे पिव लाफ
१२ करयाछो थे सिवा करया गयाछो। आपका बिचारसूं सगळा
मनें ठीकछें केर सगळा ठीक लायक नछें आपका बिचारसूं
सगळा मनें ठीकछें केर कं कोईपिय आग्याकारी नव
१३ सूं। पेटवेई खांवको वा खांवनेई पेट यब को वा उ
वां दोन्यांनें भगवांन वेअमभासो कोत सोधांईवेई कें
१४ केर प्रभुकेई और प्रभु डोलकेंवेई। भगवांनपिव
प्रभुनें उपाबोछें और आपको बलसूं म्हांनेंपिव उपाव
१५ सी। थे कांई जांबो नहीं कें थांको डोल खीस्तको
अंगछें तो कांई कं खीस्तको अंग लेर उ पातरको अंग

१६ बरधुं हो नहो। थे कांई जांणो नहो कें जको लोग
भगतण भेलो मिलर रेंहें उ एक डीलहें क्योंस उ कयोहें
१७ कें दोन्युं लोग एक डील हुसी। लेर जको लोग प्रभु
१८ भेलो मिल्योहें उहो एक आतमा। लोधाईसुं भागो जको
पावें सो पाप कोई आदमी करेंहें उ डीलकें बारलें हेंहें
पण जको लोग लोधाई करेंहें उ आपका डीलका वैरमें
१९ पाप करेंहें। थे कांई जांणो नहो कें थांको डील थांकें
बिचमेंरेंनवाला धर्म्मात्माको देवरोहें कें जीनें थे भगवांनसुं
२० पायोहो थे आपणिय नहो। क्योंस थे डीमतमें मोल
लीनोडाहो इंसुं भगवांनकें आधीन आर थांको डील आर
आतमा वांसुं भगवांनको महिमा पोहें करो।

७ सातमो पांनो।—जकार कथा थे म्हारेंकनें लिखीहए
उंको निस्सें ओ मेव्यार आर लुगाईनें न भींटें तो चोखो।
२ लेर लोधापणो नहोणवेईं प वेंजों लोगकें आपकार बउ
३ हों ओर पावेंजों लुगाईकें आपकार धणी हें। धणी बउनें
उचित माफक खांमधोरी करो उंईंतरें लुगाईपिण धणीनें।
४ बउको आपका डीलउपर आपको कोठार नहें लेर धणीको
उसोईं धणीको आपका डीलउपर आपका कोठार नहें
५ लेर बउको। थे पोषध वा याचनांमें लेंलीन होणदेईं
मिलणबिगर न्यारा मतो हुव्वो उंपहें फेर भेलाहो कें
थांकें बिगरसंयमसुं मोडा थांकें मननें चंचल नहो करें।
६ लेर ओ आग्यामाफक कउंहुं नहो लेर बरज्यो नहोय
७ सुं कउंहुं। क्योंस हुं मोकलो पाउंहुं कें सगला
लोग म्हारें इसा हों लेर भगवांनसुं पावेंजों आदमोकें
आपकीर मुंडोहें एक लोगनें एक उणिहाराको ओर एक
लोगनें दूजाउ [illegible] उणिहाराको।

८ इंसूं ऊं कवांरांनें वा रांडांनें आ कया करूंऊं के जर
९ वे म्हारा सरीषा रें तो भोकला चोखा। केर जर वें सेंब
न सकें तो ब्याव करे क्योंस परणीजणो पण बलणसूं
१० चोखो। परणीयानें ऊं आ आग्या देऊंऊं उपिण ऊं नहो
११ पण प्रभु लुगाई धणिनें न छोडें। केर जर छोडें तो बिगर
परणोडी ऊपर रें अथवा आपका धणी भेळी फेर मिलें
धणीपिण लुगाईनें न छोडें।
१२ कोर सगळांनें ऊं कऊंऊं पिण भगवांन नहो जर कोणी
भाईको षोडणो मळ रहें तो वा लुगाई उंके भेळी रयो चावें
१३ तो उ मोट्यार उंनें न छोडें। जो लुगाईकोपिण षोडणो
धणीछें उ धणी जर उंकें भेळो रयो चावें तो लुगाई उंनें न
१४ छोडें। क्योंस षोडणो धणी लुगाईके उपरासूं निर्मळछें
तिसि षोडणी लुगाई धणीकें उपरासूं निर्मळ छेछें वा नहो
१५ तासूं थांका छावडा भिसट जता केर अबें पवित्र छेछें केर
जको लोग प्रतीति उ जर परो छें तो न्यारा छो ईंउबिखा
हालें कांममें कोई भाई वा बेंन गोलाईमें नहो केर सवा
१६ करणमें भगवांन म्हांनें निसें कयाछें। केर हे लुगाई तूं
कांई जांणसकेंछें के तूं आपका धणीनें तिरासी अथवा
नहो केर हे मोट्यार तूं कींतरें जांणेंछें के तूं आपकी
१७ लुगाईनें तिरासी अथवा नहो। केर जिसो भगवांन
तिराव करर चावेंजो लोगनें दीनीछें केर प्रभु चावेंजो
लोगनें जिसो निसें कयोछें उ इंतरेंई चालें ऊं सगळी
१८ टोळीमेंपिण आ आग्या देऊंऊं। जर कोई सुनती ऊपर
मुकरर कयोडो छें तो उ बिगरसुनत न छें जको कोई बि
१९ गरसुनतऊपर निसें कयोडो छें तो उ सुनत न छें।
सुनत करणी कुंछि नहो केर सुनत न करणोपिण कुंछि
२० नहो केर भगवांनकी आग्या पाळणी उ सगळो। जावेंसो
२१ लोग जो जोधेंऊपर निसें कयोडा छें उ जोधामें रहे।

Digitized by Google

सुं चाकर ऊपर घर बिस्वल बणोडो दें तो क्यूंइ फिकर
२१ मती कर लेर ऊर छुटकारो होय सकें तो पण उ सराय
क्योंस अको लोग चाकर ऊपर प्रभुमें मुकरै छै उ प्रभुकनें
छुटकारोछै उंहीसरीषो अको लोग छुटो ऊपर निर्छे कणो
२२ छै उही प्रभुको मोलो। थे मोलतसुं परीदा छो इंबेहै आद
२३ म्यांका घडखा मती ऊयो। हे भायां जो कोणी चाकरीमें
कोई बिसें दें तो उ लोग उं चाकरीमें भगवानकें भेलो रें।
२५ अबें कुंवारांकें बासपेबोमें में प्रभुसुं बाग्या बाधी नहो
लेर प्रतीतीहोखबेहै जो लोग भगवानसुं अनुग्रह बाधो
छै इसो कोणी एक लोगसरीषो ऊपर कं आपको ख्योल
२६ चोडें कहंउं। इबेहैं इं हवालको चोटीदसासुं समभुं
२७ छुं कें अको कोई तिशोई रहें तो पण उ चोषो। थु कांई
बउकें भेलो बंधछै तो छुटबाकी सोभणा मती कर्यो तुं
२८ कांई बउसुं छुटोछै तो बउनें सोभो मती। लेर परणसुं
पिण तनें पाप नहो ओर कुंवारो परव्यासुंपिण उनेंपिण
पाप नहो तोपिण बांनें डोलको दुष झसी लेर थानें मैं
२९ बचा कहंउं। पण हे भायां मैं आ कउंउं बेला थोडीछै
इंबेहै ज्यांको बउछै वांको बउ नरेंष इसी रीत करणी
३० ठीक छै। ओर अके रोवेंछै वांनें न रोवध इसा रीत कर
णो ठीकछै ओर राजी अका बांको राजी नकरबइसी रीत
करणी ठीकछै ओर परीदारांनें बिगिर चोठासीसरीषो
३१ रीत करणी ठीकछै। ओर इं दुनियाको रीत बरतवावालां
कें जिसा बीठोरीत न करें तिसो रीत करणी ठीक क्योंक
३२ ओ दुनियादसा तमासो बह जावछै। लेर मैं थानें बि
गरफिकर करयां चांउंउं बिगर परणो अको उ लोग
प्रभुको बासपेबोकें कांमसुं भगवानको राजीपण कोंतईं कर
३३ सकसी आ चिंता करेंछै। लेर परणोडो अको लोग उ संसा
रको बासपेबोकें कांमसुं आपको बउनें कोंतरें राजी कर

२४ सौ बो फिकर करेंछे। ओर परणीजोडो वा कुंवारी पिण
भेदछे बिगरपरणीजोडी जुवे। लुगाई वा प्रभुकि बातबेविषें
कांममें डील वा आत्मा दोयांसुं पवित्र होमनें चावेछे
ओर परणीजोडी जका वा संसारकें बातबेओकें कांममें आप
२५ वा धणीनें कींतरें राजि करसी आ फिकर करेंछे। अं
आ कथा थांकें लाभबेई कवंहुं थांकें उपर फास नांखब
बेई नहीं लेर चोखी रीत करणबेई ओर चपजवांबिगार
२६ थांका प्रभुको सेवा करणबेई किण। ओर कवांरांकनें
आपको रीत बिगरठीक जांणर अर कोई ध्यान करें जका
उंकी कुंवारी निकळ जाय ओर अर गरज रें तो उ लोग
आपकी इच्छासरीखो करसूं पाप करेंछे नहीं वें परणें।
२७ लेर जों लोग आपके मनमें ठीक करेछे वा जींनें उतावळ
नहीं लेर आपकी इच्छाउपर जींनें पेवछे ओर आपकी
२८ अपोडकी इच्छाकी मनमें करीछें वा चोखो काम करेंछे। इं
बेई जको परणावेंछे सो चोखो कांम करेंछे लेर जको लोग
परणावे नहीं उ उंसूं बत्तो चोखो कांम करेंछे।
२९ जितां दिन धणी बचेछे तितां दिन बउ आशासूं बंधी
छे लेर उंको धनी मरजापछे आपके मनसरीखो ओर कींके
इं मेंजो परणबो निषेध नहीं पण उ सालो प्रभुके कनिका
३० लोग। लेर म्हारें ध्यानमें पुंजाव रेंबसूं बत्तो राजी वें
छे ओर अं समझूंहुं कें अं भगवानको आत्माबे राखब
वालोहुं।

८ आठमो पांनो।—देवताका प्रसादकी बातबेओमें
आर म्हे जांणां छां कें म्हां सगळांको ग्यानछे ग्यांन फूला
१ वेंछे पण प्यार बढावेंछे। अर कोई ओ ध्यान करें कें अं
कंुई जाणुंहुं तो जांणण लायक उ लोग कंुई जांणेंछे
२ नहीं। लेर अर कोई भगवानसुं प्यार करेंछे तो वें भग

Digitized by Google

४ ज्ञानसूं आवकारछें। इंवेईं देवताकी भेंत खाबाकी इवाब
तो ऐ जाणांछां कै संसारमें देवता कांई नछें वा एक
५ भगवांनबिगर कोईपिण नहीं। भोकळा ईश्वर भोर
६ भोकळा प्रभुछैं सही वेर जीनें भगवांन कैरर बैंछें इसा
कतो सर्गमें वें अथवा धरतीमें वें तोपिण एक भगवांन
बाभो जींसूं सगळा वा म्हांकें बीचमें म्हांका दूजो एक प्रभु
यिसुखीष्ट जींसूं सगळा वा जींसूं म्हे छां ईं बिगर म्हांको
७ दूजो कोई नछें। वेर सगळा लोगांको इसो ग्यांन
नहीं क्योंस ईं घड़ीतांई कोईर देवता मांनर उंकै नेडाको
नैविद देवताकी भेंतसरीखो खायछें उं कारण वांको बिबेक
८ निबळो व्हयर भिसट वेंछें। वेर भगवांनकनें खांणकी वस्त
म्हांकी सराबणा करैछें नहीं क्योंस खायांसूं म्हे जोर चोखा
९ नहीं भोर नखांवासूंपिण बत्ता बींठा नहीं। वेर थे
चितेजांव के थांकांका ओ उ छुटाको निबळोबिबेकी को
१० ठोकेर खावडयांको ठुंठो वें। क्योंस ग्यांनवांन लोग
थनें तूं देवताजामें खांवणवेईं बैठो अर कोई तनें देखें तो
कांई लोग निबळोबिबेकी उंको मन कांई देवताकी भेंत
११ खांवणनें मजगरी करणो इसो नहीं। भोर थीं निब
ळा भाईकैवेईं खीष्ट मरयो उ कांई थारी समझसूं नास
१२ न जासी। वेर जद थांकें भायांका बैरमें इसा पाप
करो भोर वांकी निबळाईबिबेक घायल करो तद थे
१३ खीष्टका बैरमें पाप करोगे। इंवेईं जदें म्हारो पुराक
म्हारा भाईनें पाप करावें तो भोर जुं कदेईं मांस न खाउं
क्याजांवा आपका भाईनें पाप कराउं।

९ नवमो पानो।—जुं कांई हलकारो नहीं जुं कांई सु
खास नहीं में कांई म्हांका प्रभुयिसुखीष्टनें देख्यो नहीं भग
२ वांनमें म्हारा करयोडा कामांका फळ कांई थे नछो। जुं

Digitized by Google

पर दुआलोगांकनें हलकारो नहुं तोपिण थिवडव थांवें
कनें हलकारोहुं क्योंस मभुसूं म्हारी हलकारांईवें
३ गाप छे है। जको म्हारो कांम क्योंन करांगा वांकेंकनें
४ म्हारो को उथलो। कांई म्हांकें खावको वा पीवको
५ मुडो नहें। दुआर हलकारा वा 'मभुके भाई वा का
ईफा जिसो करेंहें तिसो कांई म्हें पिण एक परमार्थेकी
६ बेंन बहनें सार बेर फिरसवें नहीं। अथवा अं वा
७ नार्बवा बालो म्हांनें कांई कांम होडवको मुडो नहें। आप
की घरचखरर कौंबेला लडवमें कुण जायहें कुण दाखको
खेत बावेहें वा उंका फल खायहें नहीं कुण एवडको पावें
८ हें वा उं एवडको दूध खायहे नहीं। अं कांई आदमी
सरीषो आ कथा कहुंहुं बैरेंथपिण आ ई सरीषी केंहें
९ नहीं। क्योंस मोसहकी बैरेंतमें आ कथा लीखीहें
कें धांन गुंदयावाला बलदको मुंडो मती बांधज्यो भगवांन
१० कांई बलदवेई फिकर करेंहें। अथवा ओसेंआना म्हांवें
बेई आ कथा केंहें म्हांकेंबेई यो लिषवत लिख्यो गयो
हें कें जको लोग हल बावेंहें उ भरोसो करर जोतें ओर
जको लोग भरोसामें धांन गुंदेंहें उ आपका भरोसा
११ को फल पावें। म्हे जका थांकेंकनें परमार्थ रो बीज
बाईकें तो आ कांई बडो कथाहें कें म्हे थांकें संसारको
१२ फल पावां। पर थांकें उपर दूजा लोमको यो मुंडो
हें तो कांई म्हांको इंसूं बत्तो नहीं तोपिण म्हे ई योंपसूं
चिलज करयो नहीं बेर सबको सेंहवेंहें क्याजांला बांक
१३ की मंगलीक कथा म्हे बुंद करां। थे कांई जांणो नहीं
कें जके निर्मैल वस्तका कांम करेंहें वें देवरासूं पावेर
जायहें जके होमवेदीरी पूजा करेंहें वे वदीका
१४ अंसभोगीहें। उणीतरें भगवान लिख्यो कराहें कें
जके मंगलीक कथा ढंढेरो करेंहें वें मंगलीक कथासूं

Digitized by Google

१५ पावबो चावै। फेर मैं आ कुंहि रीतकरी कही या
में सो लिख्यो नही कै म्हारैकनें इस्या करया जाय कोंय
म्हारें इं गुमानकी कथां कैयो कोवैंई निकमो करबसूं पण
१६ म्हारो मरबो चोखो छै। जो मंगलीक कथा ढंढेरो करूं
छुं सही तोपिण म्हारें गुमानको कथा कैबको कारण कसी
कोंय गरजको भार म्हारें उपर राख्यो गयो छै पर जो मंग
१७ लीक कथा ढंढेरो न करूं तो मनें अफसोस छै। पर जो
राजीसुं या करूं तो फायदो मैंछै पण कदी बिगरराजी
सूं तोपिण मंगलीककथा चोडै करबको भार म्हारें हाथ
१८ में भलायोडो छै। तो मनें फायदो काई जो जीवेला
मंगलीक कथा ढंढेरो फेरूंछुं तद भी म्हारो फायदो
कै मंगलीककथामें म्हारो कवा पोंचछै उ खोटोविवजन न
१९ करबकेई कै जो बीटकी मंगलीककथा मुफत करूं। मैं
सगला लोगांसूं छुटोछुं तोपिण घणा लोग कामबबेई आप
२० में सगलांको सेवक करयो छै। यिहूदयानें कामबबेई जो यिहू
दांकनें यिहूदी इसो छुं तौरेतकें आधोनानें पावनबेई
२१ में तौरेतकें आधीनांकनें तौरेतके आधीन इसो छुं। जो
भगवांनकनें यवस्थारहित न छयर खेर खीष्टकैंकानो यव
स्थाको आधीन छयर तौरेतरहितलोगांनें पावबबेई
२२ तौरेतरहित लोगांकनें तौरेतरहितइसो छो। दुबला
लोगांनें पावबबेई दुबलांकनें जो दुबलोछुं जो सगला लोगां
कनें सगलो तरेंको बणोडोछुं कै किसी तरैंसूं किताक लो
२३ गांको उधार करूं। जो मंगलीक समाचारबेई या करूंछुं
२४ कै थांकें भेला मंगलीक कथाके मदोल जो ये काई या जांबो
नही कै कबो बराबर करर दोडेछै वे सगलाई दोडेछै पण
पावो एक लोग कोवलो नफा पावैछै पैंपिण थीमें पावबें
२५ सकस्यो विस्या दोडो। अके पावैं तो लोग जितबनें चेष्टा करें
छै उ सगला पातमेलीमें मसी सादो वें बिनासी मुगट पा

Digitized by Google

२६ कयवेई था करेंछे लेर ने अविनाशी मुगटवेई। इंकारण मैं
यिस दोड़ोंनुं लेर जिसा अनिश्चय जिसा नही मैं लड़ाई करूं
२७ नुं लेर जको लोग आकाश मारेंछे ज्यूं इसो न नुं। लेर
मैं आपको डील वसमें राखुंनुं वा उनें आज्ञाकारी करूंनुं
कदाचित् दुजार लोगांकनें ढंढेरो करणवाळो अवांपछें
मैं त्यागी वगावणकी वस्तु जवुं।

*

१० दसमो पांनो।—हे भाइयो मैं न चाउंनुं कें थे अ
२ णजाणकार रहो कें म्हां का वडेरा सगळा मेघके नीचामें छा
३ और दरियावके मांय देर सगळा चाल्या गयाछा। और
४ मे वा दरियावमें मोसेहूकनें सगळा डुबोया छा। और
५ सगळा उ एक परमार्थको भोजन खायो छे। और सग
ळां उ परमार्थको पीवणकी वस्तु पीतीछी क्योंके अबे पर
६ मार्थको परवत वांको पाछलीआनवालो छे वा उनें पीयो
उही परवत खीष्ट पण वांकें मोकळा लोगांउपर भगवांन
७ राजी नहीं ओंकारणसूं वें ओडमें मारया गया। ये सगळी
बातांकनें म्हारपाछें जिसा वें लालची छा इसी चेष्टीवस्त मे
न चावां जिसा वांकें कितायक लोग छा तिसा थेपिण देवता
में पूजणेवाला मती आव्यो वें जिसो को लिख्योछे कें लोग
८ खावण पीवणनें वैठा उंपछे खिमणने उपड्या। म्हेपिण सो
धाई न करां वें जिसा वांकें बीचालें कितायक लोगां करर वे
९ इस प्रकार लोग एक दिनमें मारया गया। म्हे खीष्ट
की परीक्षा न करां कें जिसा वांकें कितायक लोगां परीक्ष
१० करर सांपकें काटणसूं मुंवा। थेपिण मती बरड़ो वें
जिसो वां कितायक करर खोज नमाशवालासूं खोज गया
११ छोडोछो। ये सगळा वांकें उपर परचोसेई आंख पड़ी
और म्हांकें चितारणवेई लिख्योछे वें ज्यांकें उपर संसारको
१२ छेवड़ो उपस्थित छे। इंवेई जको लोग समझेछे कें आप

Digitized by Google

१३ जको यूं जाणै कै मैं ऊभो हूं सो चेतो राखै कै पड़ै नहीं। थांपर कोई
आदमीयांके जिसी परखवो विना और कोई परख आई कोनी
ऊपर परमेसर सांचो है सो थांनें थारी सगतसूं
बाधा परखमें पड़बा नहीं देसी पण परखरे साथ
उबरबारो उपाय भी करसी जिसूं थे सह
१४ सकसो। इण वास्ते हे म्हारा प्यारा देवपूजासूं भागो। थे
१५ समझदारछो जिसी थांनें जाणकर कहूं छूं जो मैं कहूं
१६ छूं उनें विचारो। धन्यवादरो कटोरो जिकेपर
धन्यवाद करां छां सो कांई मसीरा लोहीरो
भागपणो नहीं है अर जको रोटी म्हे तोड़ां छां
१७ सो कांई मसीरी देहरो भागपणो कोनी। मैं घणाइ
एकज रोटी वा एक देह छां क्यूंके आपां सगला एक
१८ रोटीरा भागी छां। देहरे भावसूं इसरायलनें
देखो जको बलीरा खावै सो कांई बलीरी वेदीरा
१९ भागी नहीं। तो कांई मैं आप कहूं छूं कै देवता
कुछ छै अथवा देवतानें चढ़ायोड़ी वस्तु कुछ छै
२० नहीं पण मैं कहूं छूं कै अन्यजाती जको चढ़ावै
सो देवतानें चढ़ावै छै भगवाननें नहीं और मैं नहीं चाहूं कै थे देवतांरे भागी
२१ होवो। थे प्रभुरा कटोरा और देवतांरा
कटोरा में दोनूं पीयनें नहीं सकोगा थे प्रभुरी बाजोट अर
२२ देवतांरी बाजोट दोन्यांरा भागी नहीं हो सकोगा।
कांई म्हे भगवाननें रीस करावांगा कांई म्हे उणसूं बलिया
२३ छां। सारी बातां करणी जोग छै पण सगली करणी जोग
नहीं सारी बातां करणी जोग छै पण सगली बातांसूं भलो
२४ होवै कोनी। कोई आपरो भलो नहीं पण दूसरारो
२५ भलो चावो। बजारमें जको

२६ जिवेंगे उ जिनकेई निमरपूण्यां करो। कोइ संसार
२७ वा उंको परवारको निरखबो। निमरकनारी लोगां
को कोई रव लोग पर थावें लोको करें कोर येमिस गयी
पापोंगे तो थांवें कमाको मनिर राख्यो गयोंगे उ जिनेक
२८ मेई निमरपूण्यां पावो। कोर पर कोई वें वें पा वत
देवताके निमत कहेंगे तो भीं-भिख वा गुदराई उंवें वा
जिनेकवेंवेई वा मती पाज्यो, कोइ करतो वा उंको घरवा
२९ रवभूको चिरावको। में जिनेक कहोगें सही पव उ
थारा पापको मसी केर उ दूजालोगको कोल्ड भारो
चुकारो, कोर कीवाई जिवेकसूं कीकारव कोव करो
३० की केंवें। कोइस पर वं भपासूं मवको मरोव रुं
वो भीं वजावें जिवजमें-वां चुकी पर्दंगुं उं वमवूं वां पद
३१ बाव क्यों अवुंगु। इंधूं पर थांवें थांवा मक्का पीवको
अथवा दूजोकोई काम करो तो वें बगको भगवानकी
३२ प्रशिमावेई करो। जिस्या उं आपको फायदो न सोभर
केर थांवें उजार मावबेई मोकला लोगांको फायदो सो
३३ भर सगलांसूं सगलांकी रजीपव करुंगुं तिस्या थे यिव
यिरुदांवें अथवा दूआदेसवाल्यांवें अथवा भगवांनवें टोलो
के गीसूं खोटी वें सो न करर रोव करो।

११ इग्यारमो पांनो।—जिस्या उं खीष्टको पसरो
२ तिसो थे नारा वो। हे भयां उं थांको तारीफ करं
गुं के थे सगलो बातथेकीमें-मनें चितारोगे वा जिस्या में
३ थांवें कनें आज्ञा भलायोगें तिस्याई उ पालो गे। केर
उं थांनें गुदरायां चाउंगुं कें खीष्ट चावेंसो लोगको माथो
वा मोट्यार लुगाईको माथो वा भगवांन खीष्टको माथो
४ वें। अवें चावेंसो लोग माथो ढक्योडो ऊपर याचना
करगे अथवा निमित्तियांकी कथा केंगे उ आपका माथाकी

५ गैरआबरु करेंछै। केर जका लुगाई उघाडेमाथे प्रार्थ
ना करेंछै अथवा निमितियांकी बात कैंछै वा अपना
माथाकैं बिगरभरम करेंछै क्योंस उं लुगाईको माथो मुंडा
६ वो बरोबरछै। क्योंस जर लुगाई ढकीती न रै तो
वा मुंडाई जावें केर जर लुगाईको केसकतरणो अथवा
७ मुंडावणो लाजामरणो पै तो वा ढक्यो जावें। मोट्यार
को आपको माथो ढकणो ठीक नहीं क्योंस वा भगवानकी
मतीमूरत वा महीमा केर मोट्यारकी महीमा लुगाईछै।
८ क्योंस मोट्यार लुगाईसूं नहीं पण लुगाई मोट्यारसूं छै।
९ लुगाईकेई मोट्यार बणायो नहीं पण लुगाई मोट्यारकेई
१० इंसूं दूतकाराकेई आपका माथाउपर लुगायांकैं हक
११ राखणो ठीक छै। फेर प्रभुमें मोट्यार लुगाईबिगर नछै
१२ वा लुगाई मोट्यारबिगर नछै। क्योंस जीसो लुगाई मो
ट्यारसूं छै तिसोई मोट्यार लुगाईसूं छै फेर समसत
१३ भगवानका तरफसूं। आपका मनमें बिचारो जर लुगाई
माथो उघाडर भगवानकनें याचना करें तो काई जो चोखो
१४ दीखछै। सुभाव सामो काई थांनें सिखावें नहीं कै जर
मोट्यारकै लांबाकेस पै तो वा उंकी लाज। फेर लुगाई
१५ कै जर लांबाकेस पै तो वा उंकी मरजादा क्योंस उंनैं
घुंघटाकेई केस उंनें दीना गया। केर जर कोई झगडो
१६ करणवालो छै तो म्हांकै अथवा भगवानकैं टोळोंकी इसड़ी
की रीत नहीं।

१७ अं अबै थांनें कउंछु उंसूं ऊं थांकी प्रसंसा न करूंछुं
कै थे जद इक जागामें आवो तद उ चोखावास्ते होय
१८ केई नहीं केर खोटावास्ते होयवेई छैं। क्योंस पैंहला
जद थे टोळीमें भेळा व्होछो तद थांमें न्याराईछै या
१९ बात उं सुणुंछुं और थोडोक प्रतीत पण करूंछुं। क्योंस
जरूरछै कै चोखीवालका लोगांकैं चोडै होयवेई थांमें सिध

२० में भायलां वें। इसूं जद थे एक जागा भावागे। जद थ
२१ प्रभुका रातका खावनें खावणीई नही। क्योंक खावनें
खावेंवा वेरत हूजाकें पैलां भाप खायलें जसूं कोई भूखो
२२ रेंगे कोई मतवालो वेंगे। खावणपीवणवें वास्ते थांके आप
घोर भूखो बठें अथवा भगवानकी ठोळी वाईं थे जिकनी
भट जाणोगे वा ज्यांकें भूखो नही वांनें लाजामारोगे
थांनें मं काई केंवुं इसूं मं थांकी बरोफ काई करघुं मं
२३ थांकी बरोफ वर्दं नही क्योंक में बको थांकेंबनें प्रजावो
गो ज में प्रभुसूं जाणोगो वें प्रभु यिशु जी रातका दुष्कें
हाथमें भलायो गयो उंही रातनें उं बाटी घोर मुखी में
२४ वर भांगो वा वयो वें क्या बावो मो म्हारो डीलवें वर्वे
२५ थांकेवाई भांगो गई म्हारें चितारवणीई था वरो। कतोई
वाबो पछें उं बाटवो घोर था वथा पय वही वें बबो
म्हारा डीलसूं नवो सरतंव वेंगे सो पो बाठवो चितावार
२६ थे बो पीवो चितावार म्हारें चितारवणीई उ वरो। क्योंक
थे चितावार था बाटी खावो वा बो बाठवो पीवो चितो
२७ वार प्रभुकें मरवाताको उंबी भीत थांकें वरोगो। इसूं
बबो कोईं नालायक वयर था बाटी खाय वा प्रभुवो बो
२८ बाठवो पीवें उ प्रभुकें डीलवो वा लोईवो वांगीदार वणी।
घोर भादमी भाप विचारो उंपछें था बाटी खावो वा बो
२९ बाटवो पीवो क्योंक बर कोईं नालायकीसरीसो खावें पीवें
वो प्रभुवो डील उमें बिगरदेख्यां उ बोग भापकी बोसीव
३० बींसूं थें इसो बीबो पाबो करेंगें। इसूं थांनें बीचमें
मोकला भादमी निबळा वा मांदा वेंगें घोर कोईंपिब
३१ सुयरयोगें। क्योंक बर म्हांनें भापको न्योव करता वो
३२ म्हांनें न्योव करणो नवा नखका। बीर बद में न्योव
करोला म्हांनें तद में भगवानसूं सोबील पावांगा वें संबा
३३ रमेंबा माग्या बरतोमें न भावें इंवोई हे म्हां भायां बद

थे जीमवनें भेला होकर आवोगे तब एक जोग दूजा हव
३४ जोगकी वाटजोवो। और कोई घर भुखो वें तो आप
वें भूखामें खाय वें थे एक जागामें दोसीस धावजोवोइ न
आवो और उबी बरबा बचेंगे तो हुं आयर सवारसुं।

१२ बारमो पर्वो।—हे भायां परमार्थका सामर्थका
२ बाबदामें हुं थांनें अजाण नहीं राखूं। थे जाणो छो
वें थे गुंगा देवतांकनें अठीउठी चलाया देवताका पूजन
३ करता छा। इणवास्ते हुं थांनें गुदरांउंछुं के कोई जोक
भगवानका आत्मासूं बोले वो ईसुनें धिकार बोलेनी
और कोई पवित्र आत्मासूं बिना ईसुनें प्रभु कह
सकता नहीं।
४ सबै न्यारा न्यारा दान छै पण आत्मा एक
५ छै। और न्यारा न्यारा सेवा छै पण प्रभु एक। और
६ न्यारा न्यारा प्रभाव छै पण भगवान एक छै जो सबमें
सब करे। पण आत्माको प्रकाश हर एकनें लाभके वास्ते
७ दीयो जावे छै। क्योंकि एक जणनें आत्मासूं ज्ञानकी बात दीयो
८ जावे छै वा उसी आत्मासूं दूजानें ज्ञानकी बात दीयो
९ जावे छै। वा उसी आत्मासूं दूजानें विश्वास दीयो जावे छै वा
उसी आत्मासूं दूजानें चंगाकरबाको गुण दीयो जावे छै
१० और कीनेंई अचरजकाम करबो वा कीनेंई भविष्यवाणी
करबो वा कीनेंई आत्माकी परख करबी और दूजा
कीनेंई न्यारी न्यारी बोलीयां वा कीनेंई बोलीयां
११ का अर्थ करबो दीयो जावे छै। और उही एक आत्मा आपनी
इच्छासूं हर एकनें न्यारा न्यारा बांटकर ए सब
१२ करे छै। क्योंकि जियां देह एक होकर भी उसका अंग घणा छै
और उस एक शरीरका जितना अंग छै वे घणा होकर
भी एक देह छै तियांई मसीह। क्योंकि मे जितना

१३ छै अथवा दूजादेशवाळो छै गोला छै अथवा छुटकारो छै
सगळा एक आत्मासूं एक डीलमें गोता दियोडा छै वा
१४ सगळा एक आत्मामें पोयोडा छै क्योंके डील एक अंग नहीं
१५ पिण मोकळा अंग छै। पग अर कहै के हूं हाथ नहीं
१६ इणवेई डीलको नहीं छुं तो कांई उ डीलको नहीं। कान
अर कहै के हूं आंख नहुं उणवेई हूं डीलको नहीं छुं तो
१७ कांई उ डीलको नहीं। सगळो डील जो आंख हुवो तो
सुणणो कठै, सगळो अंग जो कान हुवो तो सुंघणो कठै
१८ लेर अबै भगवान आपकी मनमाफक सगळा अंगनें डील
१९ में कायम कराछै। और अर सगळा एक अंग हुवा
२० तो डील कठै। लेर अबै अनेक अंगछै लेर वाळो एक
२१ डील और आंख हाथनें कै सकैछै नहीं कै तेंसूं मनें
कुंछि गरज नहीं उणरितरैं माथो पगांनें कै सकैछै नहीं
२२ कै मंसूं थारै कुंछि गरज नहीं। वेरमें डीलका जकोर
२३ अंग दुबळो देखणमें आवेछै वांकोपिण निछैछै। डील
कें जोंर अंगनें म्हांकें आदर नहीं करण लायक समझें
वांको आदर घणो कराछां और म्हांकें बीचालें खोटाडील
२४ अंगपिण घणी मर्यादा वाधेंछै। क्योंके म्हांकें चोखा
डील अंगकें मर्यादाकी कुंछि गरज नहीं लेर डीलकें बाबतई
२५ नहींणवेई दूजाडीलकें बाबतमें पाल्योडा बरोबर होय
वेई ज्यां अंगकी मर्यादा कुंछि घटतीछै वांकी घणी मर्यादा
करर भगवान सगळा इं उणिवारें डीलमें जे.ड दीवाछै।
२६ इंसूं जको एक अंग दुखी छै तो सगळा अंग उणवें भेळा
दुखी होछैं और अर एक अंग मर्यादा पावें तो सगळा
२७ अंग उणवें भेळा राजी होछै। अबै थे खीष्टका डील
२८ वा बाबतमें अंग छै। ठोडोमें भगवान कळीस्यवें
राख्याछै पैलडा हलकारानें दूजा निमिततियांनें तीजा सीखा
वणवाळान उंपछै अचरजकाम करवा उंपछै रोग वासे

करबको मुंडो उंपछें उपगार उंपछें बखिवाय उंपछें
२९ भांतर बोली। समला कांई हलकारा छेंछे समला कांई
निमितिया छेंछे समला कांई सिखावबवाला समला कांई
३० अचेरोकाम करबवाला। समला कांई नाना करबका
रोग समला कांई पावेंगी बरेंको बोलो बोलेंछे समला
३१ कांई अर्थ करेंछे। ओर चोखाहुंचाकी मांगबी उदम करो
तोपिब उंसूं चोखोमारग हूं थांनें देखाउंछुं।

१३ तेरमो पांनो।—जो हूं मनख्यांकी वा हल
कारांकी बोली बोलुं तोपिब म्हारो प्यार न होबसूं
हूं गुंजारबबाळोपीतळसरीखो अथवा झणकबका झिम
२ झिमा जिसो। म्हारो कर निमितियांकी कथा केबो मुं
होछें ओर समला बल्ल वा समकी विद्या कर हूं जांणुं
छुं ओर जोंसूं परबत हिलाय सकुं इस्सो भरोसो मनें समला
उनिहारासूं मतील छें तोपिब म्हारो प्यार नहोबसूं हूं
३ कुंछि नहीं। गरीब लोगांकी पाळबाबेई म्हारी समलो
मत्याधिक कर बिराक करूं ओर अपको डोलफिर कर
बाळबानें देवुं तोपिब म्हारो प्यार न होबसूं मनें कुंछि
४ फायदो नहीं। प्यार मोकला दिन सेंसकेंछे वा मोजेसु
भाव छेंछे प्यार हिंसा करेंछें नहीं प्यार झेखी नहीं बोल
५ गुमानोपिब नहीं खोटोकाम करेंछें नहीं आपकी वडास
करें नहीं बकोबार रीसळ नहीं कुंछि बोंठो धारें नहीं।
६ अयथार्थमें आनंद करेंछें नहीं ओर साची कथाउपर आनंद
७ करेंछें समलांनें ढकेंछें समलांनें भगत करेंछें समलांकी
८ भरोसो करेंछें समलांनें सेंछें। प्यार कदेई मिटे नहीं
ओर निमितियांकी कथा कर कहेर उ मिटबी भाषा कह
कहो वांको अंत आसी विद्या कर कहो वा पिब गुम जासी।
९ क्योंस म्हें एक फिराक मांयांतो वा एक फिराक निमिति

Digitized by Google

१० बांकी कथा बांठी। बेर मको मखोपूखोडेठें उ बवर
११ मब पिराड बको उ पूत मधी। जं मद डावडो गे
मद डावडांवें दखो बधे। वा डावडा दखो पिंता बखो
वा डावडा दखो मनसोबो बखो बेर आदमीपबो बाबर
१२ में डावडांको रोव ठेल दोनी। क्योंस बवें मांको बाप
सूं ठबाजरिबो देवांठी पब वद बांमोबांमो देवसां बवें
जं रब बंव बांखुं बेर तद जिखो बोबख्युं बिखो जं
१३ बांबो बाखु बवें मबील बासा प्यार बो वोम बिबींठें पब
बांमें वीचमें प्यार बडोठें।

१४ चवदमो पांनौ।—प्यारको सोभना करो बेर
परमांपेंकी बामिबं इच्छा करो बेर निमिवियांकी कथा बेंबें
२ उंसूं बधी इच्छा करो। क्योंस मबो बोग दूजाको बिमर
बातचीवाकी बेंठें उ बादम्यांवें बेंठें नही पब भगवांनवें
बेंठें क्योंस उबो कथा बोई समझेंठें नही बाबावूं उ
३ बबको कथा बेंठें मही। बेर मबो निमिवियांकी कथा
बेंठें उ बोग सिधावबवें वा उपदेस वा बावरवेई बाद
४ म्यांवें बेंठें। मबो बोग बिमरबांबांबोकी बहेंठें
उ बापकी वाबीम करेंठें बेर मबो बोग निमिवियांकी
५ कथा बेंठें उ टाबोकी वाबीम करेंठें। जं चाउंनु वें
थे सगबा दूजीर बोबी बोबो बेर उंसूं बत्तो बांउंनु
वें थे निमिवियांकी कथा कहो क्योंस मबो बोग दूजीर
बोबी बोबेंठें उ मबो बोग टाबोकी वाबीम करबवेईं
बपे न बरें वो निमिवियांकी कथा बेंबबवाबो उंसूं
मोडो ठें।
६ थे भायां बवें बर जं थोडें करसा अथवा ग्यांन अथवा
निमिवियांकी कथा बेंबो अथवा सीखावबबिगर थांवें बेंठा
दूजीर बोबी बोबबार आवें वो मेंसूं थांनें कांई फायदो

Digitized by Google

७ जसी। जोरपिण बिगरजीव पुकारणवाळीचीज बांसरी
कैं अथवा बीणा कैं जर सादसूं सुरकी न्याराई न करें तो
जको सुर बांसरीसूं अथवा बीणासूं कैं उंको न्याराई
८ कींतरें जांणी जाय। क्योंक जर बांको बिपरीत बाजें
९ तो राडमें जांणनें कापनें सिणगारें कुणं उंतिरें जर
थे जीभसूं सोरी समभणकी कथा कहो तो कही कथो
जायछै ज कींतरें समभणमें आजो क्योंक थे आकाशमें
१० केसो। होय सकसी कें दुनीयरेंको साद संसारमें छै वा
११ बांकें बिचमें अर्थबिगर कोई साद नहीं। इंवेई जर जं
सादको कारद न जाणुं तो केंणवाळाकनें जं छेछसरियो ज
णुं जोर केंणवाळोपिण म्हारेंकनें छेछसरीयो जसी। थे
१२ जींसुं पारमार्थका मुंडावें चावणवाळा छो इंसूं टाळीकी
१३ बाजिम करणवेई पींपळा उथम करें। इंसूं जको लोग
१४ दूजीर बोली कें छै ज अर्थ करणको मुडो याचना करें।
क्योंक जं जको दूजाबोळीमें याचना करुं तो म्हारो आत्मा
१५ याचना करेंछै ठीक फिर म्हारा अकल निकमो छै। वो
को कांईछै जं आत्मासूं याचना करसुं वा जं अकलसूं
याचना करसुं जं आत्मासूं गासुं वा जं अकलसूंपिण
१६ गासुं। ज न होणसूं तूं कद आत्मासूं आशीष करसी
कद जको लोग मूरखकें जागामें रें ज थारे कुतकरण
उपर जींवरे आमिन् केंसी क्योंक ज थारी कथा समभें
१७ नछै। तूं चोखीतरें सुति मेंवैंछै सही पण दूजाआदम्या
१८ कें ताबीम उंसूं मेंछै नहीं। जं आपकें भगवानकी
सुति करुंछुं कें जं थां सगळांसूं घणीबोली कउंछुं।
१९ पण जं जींसूं दूजार लोगानें सिखायसकुं इसी पांच
कथामिण टोळीमें म्हारें अकलसूं केंणो दूजाबोळीमें दश
२० हजार कथा केंणसूं इच्छा करुंछुं। हे भायां अकलमें बा

बडा मती हुवो और बैरमें टाबडा हो पण समझमें प्रौढ
२१ होवो। शास्त्रमें ओ लिखोडो हैं के प्रभु कहेहै दूजाबोली
वा दूजाहोठ राखवावाला लोगांसूं हूं यां लोगांसूं बात
केसूं तोभी वे हमला सुणसूंगा नांहि कहे है नसुण
२२ सो। इवेंई दूजोर बोल्यो बोलबो एक सेलाणी हे नके परतीत
करेंहें वांकेवेई नही और नके परतीतकरेंहें नही वांकेवेई
और नके परतीत करेंहें नही उंकेवेई यांको कयां नही और
२३ नके परतीत करेंहें वांकेवेई है। इंसूं सगळा टोळी भेळी हुवो
पछे और सगळा दूजोर बोलो बोलें उं बेळा बिगरभण्या
थोडा अथवा बिगर हतवारी किताक लोग घर मांय आवें
२४ तो वें काई थांनें गेला जांणसी नहीं। और घर सगळा
निमितियांकी कथा बोलें उं बेळा बिगरहतवारी अथवा
बिगरसिखायोडा कोई लोग घर मांय आवें तो वा सब
२५ बांसूं प्रबोध करयोडा होंहें और सगळांसूं ध्यांन करयोडा
होंहें। और इसो उंका मनको भेद खोहें होंहें और उ होय
सूं उ मुंडे भगवांनकी सेवा करसी वा भगवांन सांचो
२६ थांमें बिचमेंहें ओ चोडें करसी। तो हे भायां ओ
किसोहें के जद थे एक जागा भेळाहो तद थांमें बिचमें
कोंकोई गीतहें कोंकाई सिखावणहें कोंकाई बोलहें कों
काई चोडा करयोडी कथाहें कोंकोई अर्थहें सगळा कथा वा
२७ सिमवेई हे। अर कोई दूजारू बोली बोलतोर तो
दोय अथवा तीन लोगांके घांवसूं हे और उसूं वधा
नही और वें पिण लारडकडाई थें और एक लोग अर्थ
२८ करें। लेर अर्थकरणवाळो कोई अर नहीं पाछेर
नहें तो टोळीमें उ अबोल्यो रें और आपकें वा भगवांन
२९ कनें कथा कहें। निमितियांकी कथा कहणवाळा दोय तीन
३० लोग कहो और दूजा मनसोचो करो। अर नेंडाबेठण
वाळा कोंकेंकनें कुंइक चोडें करयोडो रे तो उ पैलडो

२१ लोग अबोल्यो जबर रंग्यो क्योंस समझांकी सीखावण वा
समझांकी बातोंरी पावणबेई थे समझा बोलणवाळा
२२ तिमितियांकी कथा वेंग सकोगे। तिमितियांकी आत्मा
२३ पिण तिमितियांकें तावे पेंगे क्योंस भगवान पेटो बरण
वाळो नहें घेर पोयोमिताप करणवाळो हें जिस्यो पुन्यवी
तोंकें सगळी डोळोमें पिण हें।
२४ थांकी लुगायां डोळोमें अबोळी जबर रहें क्योंक वांनें
कथा केंबी बरजीहें वांनें आधीन होबो ठीकहें जिस्यो
२५ आत्मपिण केंहें। पर वें कुंछ सीखबो चावें तो आपवें
भूंपमें आपका धणीनें पूछें क्योंस डोळोमें लुगायांकी
कथा केंबी लाजको विषयहें।
२६ भगवानकी कथा कांई थांसूं नीकळीछी अथवा वापिण
२७ वाळी थांवेंकनें आईछी। पर कोईपिण आपनें तिमि
तियो अथवा परमार्थीकिर जांनें तो अबो कथा जं थांनें
कनें लिखुं छुं वा कथा अबो भगवानकी आग्या छ लोग वा
२८ धारे करें घेर अबो कोई डोफो हें तो डोफो हें। ई
वेई हे भायां तिमितियांकी कथासूं केंबको जुगत करो
२९ वा दूसरे बोलो बोलबनें वरजो मतो। सगळाकाम
चोखोतरें वा चोखी रीतसूं करया जावे।

१५ पनरमो पानो।—हे भायां जं वेंई मंगळीककथा
थांवेंकनें चोडें कहुं छुं जको में थांवेंकनें ढंढेरो फेरो
२ वा थे चोडें कयोछें वा जीमें थे उभा होगे। वा थांका
मतोत करबो निकमो न होयसूं में अबो थांवेंकनें चोडें
कया वा मनमें राख्यांसूं थांको उधारपिण जीसूं हेंछे।
३ क्योंस अबेर कथा में लाधीछी वा कथामें अबें लागो कथां
तो में थांवेंकनें भळाईछें वा कथा आ कें धर्मशास्त्रमें
जिस्यो केंछे तिस्यो म्हांका पाप छुटणवेई बोट मरयो।

४ वा जिसो धर्म्मालाजमें बैठे जिकोंन उ घेरमें नाख्यो गयेछै
५ वा तिजें दिन फेर उपाड्यो गयो छै वा कफ़ाससुं
६ देख्यो गयो छे उंपछें बारांसुं। उंपछें एकीवारपिच
पांचसेसुं कांईक बता भायांसुं देख्यो गयो वें ज्यांका घणा
विराड आजतांडी जीवताछै पेर कोईक सोंदमेंछे। उं
७ पछें याकुबसुं वा उंपछें सगला हलकारांसुं देख्यो गयोछ
८ छे। पेर बिगरकालको उपज्योडों जोसी आदमोसरी
९ वो मने भी सगलांकें छेवडे म्हारे देखणमें आयो। उं
हलकारांमें सगलांसुं नानो पेर हलकारा बाजणुं मक्कर
पोच होवणजोग नछुं कोंस में भगवांनकी छोलोंनें वो
१० मोस दोनी। पेर उं जवो छुं सो भगवांनका अनुग्रहसुं
छुं उंवो जवो अनुग्रह मनें जवो दोनो गयो छे उंपिछ
निकमो नछे पेर वां सगलांसुं बत्ती देनगी में करो हर
गर्ज उ उं नही पण भगवांनको जवो अनुग्रह म्हारें उपर
११ छे उं। इंवास्तें उं छुं अथवा वें छवें इसा न्हे छंडेंरा
१२ करांछा वा थें तिसो प्रतीत करी। अवें जर खीष्ट
की पासवेलोमें जो छंडेंरो यें कें उ मोतसुं उपाड्यो गयो
छे तो थांकें बिचलाका किताक आदमो क्यों कहेंछे कें
१३ मरयांको फेरउपडणो नछें। जर मरयांको फेरउठाणो नछे
१४ तो खीष्ट पिण उपाड्यो न गयो छे। पेर जर खीष्ट उपा
ड्यो गयो नही तो म्हांको छंडेरो निकमो वा थांको इतबार
१५ पिण निकमो छे। इंसुं भगवांनकी पासवेलोमें म्हें पिण
कुडासाखदी जांण्या आवांछा कोंस म्हे भगवांनकी पास
वेलोमें साखदी दोनीछें कें उं खीष्टनें उपाड्योछे जींनें उं
१६ उपाड्यो नही जर मरया उपाडता नही। कोंस जर
१७ मरया उपाड्या नजाय तो खीष्ट उपाड्यो गयो नछें। पेर
जर खीष्ट उपाड्यो न गयो तो थांको मतीत निकमो छे
१८ अजाईतांडी पापोदारछो। उ जवांसुं जिता लोग खीष्ट

Digitized by Google

१९ में सुवाजे वांके चेत्र गयो। अर वाको ई उंमरमें
लोकमें म्हांको उम्मेद है तो म्हे सगळा लोगांसूं दीन
२० हीनछे। पेर अबे मोतसूं लोक उपाड्यो जवेछे पेर
अबे नींदमें सुवाजे वांको पेलड़ोफल जवेछे।
२१ क्योंके जिसी आदमीसूं मोत विसी आदमीसूं मरयांको
२२ फेर उपड़बो। क्योंके जिसा आदममें सगळा मरेछे
२३ विसा लोकमें सगळा जवावला पड़सी। पेर पावेंसो
लोग आपके लोचबकाई लोक पेलड़ोफल उंपछे लोकके
२४ आवणमें जिका लोग उंका जवा वे सगला। उंपछे छेवड़ा
जसी के जद उ सगळा सासन वा प्रभुता वा बल लोप
२५ करजपछे भगवान बाभाकनें राज भळासी। क्योंके उ जद
लेड़ी सगळा वेरी आपका पगांके नीचें नकरें तबतोडी
२६ उंनें राजकरबो निश्चेंछे। छेवड़ाको वेर जको मोत वा
२७ पिण सरकपट जसी। क्योंके उंकें पगांके नीचें उ सगळा
मलाथीछे पेर सगळा उंकें आधीन करया गयाछे जद
आप आ कया वेंछे तद आ सावतीछे के थीं उंकें आधीन
२८ सगळा करयाछे आ उंकें विमर। जद सगळा उंका
बसमें वेंछे तद थीं उंकें आधीन सगळा करयाछे उंकेसरी
बो डावड़ो पिण जसी के भगवान सगळांमें सगळो वें।
२९ उ न होवसूं जकें मरयांको नामामें डुबोदिराई जई वे
काई करसी अर मरया उपड़ना नही वा न होवसूं पिण
वें मरयांकी नामामें डुबोड़ा क्युं छे।
३० पेर म्हे पावेंगीं घड़ी क्यांवेई खतरामें उभाफांगां। म्हांकें
३१ प्रभु यिसु लोकउपर थांको जको आनंद म्हांरेंकनें निस्चेंछे
३२ उ आनंद पेर जं सुंसकाढुं के जं रोजीना मरुंजु। जिसी
आदमकें भेळो राड़करी आपछे जिसो एफोससमें गोवां
भेळो जं लड्योछुं पेर मरयांको उपड़बो खंर न वे तो उंसूं
मनें कांई फायदो आवें म्हे खावो पीवबो करां क्योंके काल

Digitized by Google

३३ मरखो। बोलरो मतो खोटोसंगतसूं धर्मको चोज जायछै।
३४ न्यायकवास्तउपर जागो धोर पाप मतो करो क्योंकबोको
ईश्वर भगवानको ग्यांन नछै या थांकि लाजकेवेई कं कउंछु।
३५ केर कोईक केसी कें मरया लोग कीवरेंसु उठयोडा
३६ वेछै वा कीसोतरका डीलसूं आवें छै। हे डाफर
जको चीज तूं वावेछै उ मरयांबिना धुंट कोडे नही।
जका तूं वावेछै उ जको डोल जणो सो उ नही केर
३७ खाली दांणो गोंवांका कें अथवा दूजोकोयी तरैका दांणो
३८ कें केर भगवान आपका मनमाफक जिसो उंको डोल करे
छै वा धावेंगी बीजनें उनें आपको डोल देवेछै। सब
३९ को डोल एकसरोखो नछै केर आदमोका वा चोपद वा
मछीका वा पंख्याका न्यारा२ डीलका डोलछै। सरग
४० वा धरतीका डोलपिणछै पण सरग वा धरतीको तेज
४१ न्यारो२। सूरयको एक तरेंको तेज वा चांदको दूजीतरें
को वा ताराको दूजा एक तरेंको एक तारासूं दूजातारा
४२ को पिण तेज न्यारोछै। उंहितरें मरयांको फेरउठ
डणो उ विनासीडोल वायोछै अविनासी उपाड्यो गयो
छै वा गेंरआबरूसूं वायोगयोछै आबरूसूं उपाड्यो गयो
४३ छै। उ निबलाईसूं वायो गयो हिम्मतसूं उपाड्यो गयोछै।
४४ उ सरीरवालो डोलसूं वायो गयोछै परमार्थीक डोलसूं
उपाड्यो गयोछै सरीरवालो डोल वा परमार्थीक डोलछै।
४५ उ लोई लिख्योछै पैलडो लोग आदम जीवतोजीव बणो
४६ गयो छे छेवडाको आदम जीवदेवावालो आत्मा छै। जको
परमार्थीक सो पैलडें नही केर जको सरीरवालो वा उंके
४७ पछै जको परमार्थीक। धरतीसूं बणायोडो पैलडो आदम
४८ माटीकोछै दूजोआदम सरगसूं प्रभुछै जकें माटिका उ
माटिका लोगकें ईसा दूजाजकें सर्गीं वें सरगका लोगभी इसा
४९ छै। जिसा वे माटिका लोग इसा डोलवाका ज्या तिसाई

५० जगेका लोगका डोलवाला छसो। हे भायां ऊं यव या प्रथा
कउंतु के लोई वा मांस भगवानका राजका कोठारी जय
न सकसी विनाशीपिण अविनाशीको कोठारी जय न
५१ सकसी। देखो थांनें एक तंत ऊं प्रकाश करूंतु म्हां सग
वांनें सुवणां पडसी नही लेर छेवडे बाजवा वाजवसूं एक
तिलभरमें एक पलमें म्हां सगलांभें दूजोसिकल करणी
५२ पडसी। क्योंस बाजो बाजसी वा मरयां आदम्यांमें अवि
नाशी ऊपर उपडणा पडसी वा म्हांनें दूजोसिकल करणी
५३ पडसी। क्योंस ईं विनाशीनें अविनाशी पेरणो पडसी।
५४ ओर ईं मरणवालांनें नमरणो पेरणो पडसी ओर जो
विनाशीनें अविनाशीनें वा जो मरणवालो न मरणवालांनें
पेरणो पेरसूं वा बचा परवारी शासी कें जका लिखीछे के
५५ मोत जयमें ग्रासो गेंछे। हे मोत थारो डंक कठेंछे हे
कबर थारी फते कठेंछे मोतको डंक पाप वा पापको जोर
५६ यवस्था। ओर भगवानकनें स्तुती हो के जको म्हांकें प्रभु
५७ यिशु खीष्टका उवरासूं म्हांनें फतेबंद करेंछे। ईसूं
हे म्हारा बाल्हा भायां प्रभुमें थांकी मेंनत निकमी छसो
५८ नही या जांणर करडो वा निश्चल होर प्रभुका काममें
हमेशा धोवरवंत हो।

१६ सोळमो पांनो।—अबें पुरबांनलोगांबेई टीपणी
की बाबतेमीं ऊं लिखुं जिसी गालातियाकी टोलीमें
१ आग्या दीनोछी जिसोही थे पिण करो। अठवाडाके पैलडा
दिन थांकें थारें लोग आपकें पांच ईसो भेळो करर
२ राखो के म्हारें आंणवाकी वेळा कांईं टीपणी नहों। ओर पछें
जद पोंतवासूं थे जींकोनेंई चोखो लिखर प्रसंसा करोगे वांनें
३ थांकी दीनोडा बख यिरूशलम्‌में ल्यावणनें ऊं मेलसुं। ओर
जर म्हारें जांणको निश्चें रे तो वेंपिण म्हारें भेळा आसी।

Digitized by Google

५ अबें हूं माकिदोनियासूं आ[illegible] थांकें नेडा पोंचसुं क्योंस
६ मनें माकिदोनिया देर आंणोछो। ओर जय सकें कें थांकें
कनें रहूं ओर सीयाळो काढसुं कें हूं भी किसी जागामें
७ जांउं उं जागामें म्हारो उपगार थे करो। क्योंस अबें
हूं मारगसूं थांकें भेळा मेळाप नकरसुं ओर भगवांन मर
करस देवें तो थांकें भेळो कितराक दिन रेंबनें म्हानें उमेद
८ छें ओर पेंन्तिकसतांडी हूं एफीससमें रेंसुं क्योंस मोटो वा
९ फायदादेंणवाळो एक बारणो म्हारेंवेंई खोलेंछें ओर बेंरी
१० पिण भोकळा छें।
अबें तिमोतियस् मर आवें तो निर्भेवान हो वें थांकें भेळा
११ निडर रें क्योंस जिसा हूं तिसा उपिण प्रभुको कांम करे
छे। इंवेंई कोई उनें अनादर नकरें ओर सारोसावंतो
उनें बिदा करो कें उ म्हारेंकनें आवें क्योंस भायांकें भेळो
१२ उंकें आंवबकी हूं बाटजोउंछुं। म्हाका भाई आपलस्
को जा कथा छें भायांकें भेळा थांकेंकनें आंवबें में उंकी
मोकळी बिनती करी पण अबें उंकें आंवबकी मुहि नकरा
बछें तोपिण उनें ठावको होंबसूं उ आसी।
१३ पोरा देवो प्रतीतमें निछल रहो आदम्यांसरीषा करो
१४ हिम्मतवंत हो। थांका सगळा कांम प्यारसूं कया जाय।
१५ हे भायां थे स्तेफानस्कें कबिला जांणोछो कें उ
आखायाको पैलडो फलछें ओर वें पुन्यवंत लोगांकें सेवामें
१६ रोजीना लौलीन रेवाछें। इंवेंई हूं बायना करुंछुं
कें थे इंसरेंका आदम्यांकें वा म्हांकें सांगेंसो उबराळो वा
१७ कांम करणवाळा लोगांकें आग्यावंत हो। स्तेफानस् वा
फर्तुनातस् वा आखाइकस्के आंवबसूं म्हारो राजीछें क्योंस
१८ थारो अकोरर घटतोछो वां उ परवाणोछे। वांपिण म्हारी
आत्मानें वा थांकी आत्मानें ठंडो करीछें इंवेंई इंसरेंका
आदम्यांनें आदर करो।

Digitized by Google

१९ आसीयाकी सगली टोली थांनें वंनखा करैंछै आकला वा
प्रस्कला वा वांकें भूंपामें अको टोलीछै वें प्रभुमें थांनें मोक
२० लो वंनखा करैंछै। जिता भाईछै वें थांनें वंनखा करैंछै
थे निरमल वाक्यो लेर एक लोग दूजाएक लोगनें वंनखा
करो।
२१ मुं पाउल आपकें हाथको लिख्यो आ म्हारी वंनखा।
अर कोई लोग म्हाका प्रभु यिसुखोष्टनें प्यार नकरें तो उ
२२ लोग आनातिमा मारानाता ह्वें। म्हांकें प्रभु यिसुखीष्ट
२३ को अनुग्रह थांकें उपर ह्वें। म्हारें प्यार खोष्ट यिसुमें
थां सगलांउपर ह्वें। आमिन्।

पाउल हलकाराको दूजोकागद करिंतियांकनें।

१ पैलडो पानों।

करिंतिकी टोली और सगला आखाइयामें जिता पुन
वंत लोग थांकेंकनें भगवानकी इच्छासूं यिसुखीष्टको हल
२ कारो पाउल् और तिमोतियस् भाई कागद लिखेंछे। भग
वांन म्हांको बाभो वा प्रभु यिसुखीष्टयांसूं अनुग्रह वा मंग
लीक थांकेंउपर हों।
३ भगवांन अथवा म्हांको प्रभु यिसुखीष्टको बाभो दया
उपजावणवालो बाभो और सगली धातरोदेंणवालो भग
४ वांनकी स्तुति हों कें अको म्हांकें सगली वोसोसमें म्हांनें
धातरी करेंछे कें म्हे भीं धातरीसूं भगवांनकें करणसूं आप
सान्व होंछें उंसूं किसी तरें कष्टमें पड्योडा लोगांनें धातरी
५ करणनें काठा हों। क्योंस जिसो खीष्टको तोसोस म्हांकें
बिपमें बधीहोंछें तिसोयिज खीष्टसूं अबा धातरी वें बधी
६ होंछें। म्हे अर दुखी हों तो उ थांकें धातरी वा उडारवेंई
वें कें अवें कष्ट म्हे भोगवांछां उं कष्टको सेंणसूं फायदावालो
होंछें अथवा अबा धावरी पावें वा थांकी धावरी वा उडार
७ वेंई होंछें। और थे जिसो उं कष्टका सरीकी छो तिसो इं
धातरीका सरीको अछो या ओघर थांका फायदासें म्हांको
अबा उमेंद उ निस्चळछें।
८ क्योंस हे भाया आसियामें म्हांकें उपर अबो टंटो पड्यो
कें म्हे पिगरघटवाव वा बबसूं बत्तो वा जींसूं जावणो

Digitized by Google

भरोसो न रहें इसा दयोडाजी थे अके ऊं घाबघेलोमें न
९ जांनकार रहो जो म्हांको मन नही । क्योंस न्हे थायकें
विषमें मोतबेई आग्या चाबोजें कें न्हे आपुकें ऊपर प्रतीत
नकरां अर मरयोडा आदम्यांनें उपाडणवाला भगवांनमें
१० प्रतीत करां कें जीं इत्ती मोटीमौतसूं म्हांनें छुटकारो
कयोजें वा छुटकारो करेंजे वा ऊ अबो छुटकारो करसी
११ जींमें म्हांनें आ प्रतीतपिणजें । थेपिण म्हांकेंबेई प्रार्थना
कररं एकोबार उपगार करो कें मोकला आदम्यांको बांच
सूं म्हांनें अबें दांन दीनागयाजें ऊंसूं म्हांकेंबेई मोकला
कें करणसूं सुखी कें ।
१२ क्योंस म्हांको आनंद ओ म्हांकें मनकें साखतासूं भग
वांनकें पूजालायक विगरकुटलपणांसूं डीलकी विद्यासूं
नही फेर भगवांनका अनुग्रहसूं न्हे ई संसारमें रीत करी
१३ जें पण सगलांसूं बतो थांकेंकनें कयोजें । क्योंस थे अबे
भणोजो वा आरे करो जो वा ऊं प्रतीत करुं कें थे जेब
डातोडो आरे करस्यो ऊंकें विगर ऊं दूजिकांई कयां लिखुं
१४ नही । थे जिस्यो एक अंसमें आरे कयोजें कें न्हे जिस्या
थांकें आनंद करणको कारणजें तिस्यो थेपिण प्रभु यिसुका
दिन म्हांकें आनंदकें कारण अस्यो ।
१५ आ प्रतीत करर में पैंलडा थांकें दूजाभलाबेई थांकें
१६ नेंडो आणवें वा थांकें कनांसूं माकिदोनियामें जाणनें वा
माकिदोनियांसूं फेर थांकेंकनें आवणनें वा यिहूदाह देसमें
म्हारो अबो जाणो ऊंमें थांका उपगारसूं आगेंबधो चाहुं
१७ छुं । ईबेई ऊं इसो मनमें ल्यायर कांई हालकीकरर
मानीजो अथवा में अबें ठेराया वें कांई डीलकें माफक ठेरा
१८ या ऊं कें म्हारेंकनें हांहां नहीनहीं कें । फेर अर भग
वांन साचोजें तो थांकेंकने म्हारी अबो कयोजी वा हें नही
१९ हें नजें । क्योंस भगवांनको डावडो यिसु खीष्ट जींको

कथा म्हांकें बांचसूं अथवा म्हारें वा सल्वानस् वें वा तिमो
तियसकें बांचसूं थांकेंकनें चोडें करोडो ग़ो वा ह्रें नहीं ह़ेन
२० ह़ो बैर उंकें बिचालें ग़ा। क्योंस भगवानको जूती म्हांसूं
होणोईई भगवानको सगलो कोल उंमें ह्रें वा उंमें आमिन्
२१ ह्रें। अबे जको थांकें भेलो म्हांनें ख्रीष्टमें निश्चल करेंह्रें
२२ वा म्हांकों अभिषेक करेंह्रें उ भगवान वें जों म्हांकें उपर
ग़ाप चेपोह्रें वा आत्माको साई म्हांका मनमें दिनोह्रें।
२३ अवें जं आपको आत्माउपर भगवानको सायदो कर
तुं वें थांनें दोषी न करणकें कारण जं अणाहंतोडी करिं
२४ थीमें गयो नहीं। थांका इतबारउपर वें म्हांको धणि
यापणें सो नहीं पण म्हे थांका आनंदका यारग़ां क्योंस
थे प्रतीतमें निश्चल ह़ो।

२ दूजो पानो।—लेर में आपका मनमें निश्चें करयोग़ो
२ वें जं गदगदो जयर थांकें नेंडो फेर न आउं। क्योंस
अर जं थांनें चिन्तावान करांउं तो जको लोग म्हारा करण
३ सूं चिन्तावान वें उंकेंबिगर मनें कुण राजी करावें। ओर में
थांकेंकनें लिख्योह्रें क्याजांणा ज्यांका फायदामें म्हानें आनंद
करणो ठीकह्रें म्हारें आवणको वेळा वांसूं कष्ट पावुं ओर
म्हारो जका राजी वा थां सगलांको राजी म्हारि आ प्रतीत
४ थां सगलांउपर ह्रें। क्योंस में मोकला आंसूं घटकर
मोकलि तोसिससूं वा मांयला कष्टसूं थांमेंकनें लिख्योह्रें
वें थे चिन्तावान हो इंवेई लिख्योह्रें सो नहीं लेर थे
म्हारो प्यार जाणो वें जको मोकळो मोटो थांकेंउपरह्रें।
५ लेर अर किणि दूख दिनोह्रें तो उं किन एक पांतिवत्तो
मनें दूख न दीनो वें जं थां सगलांउपर मोक
६ लो भार नघुं। मोकला आदम्यांसूं जका डंड दी
७ नो गयोह्रें इसा आदमीनेई जको बस। इंवेई दूजी

कोनी उनें ठेठणा वा उंकी घावरी करणो थानें पण ठीक
छै के इसा आदमी घरणा मोकला मोटासोगसूं ग्रपडा
८ न जाय। इसूं उंकें उपर प्यार निश्चल करणनें कां
९ थांको बिनती करूंछुं। क्योंस सगली वातचेतोमें थे
हुकेत हो वा नहो आ साबती जाणनें मैं इं तंतमें लिख्यो।
१० जींकें उपर थे कुंहि माफ करोछो उंकें उपर आंपिण
माफ करूंछुं क्योंस म्हर में कोनेंई कुंहि माफ करयो छे
तो जीनें माफ करयो उनें खीष्टकें ठीकाणें ऊपर थांकें
११ वेई उंनें माफ करयो। क्योंकीया सेतान म्हानें जीतें क्योंस
उंका छलनो म्हे न जाणकार नहो।
१२ उंपछे खीष्टकि मंगलिक कथा ढंढेरो करणनें जद
त्रोयासू आयो ओर प्रभुका करणसूं एक बारणो म्हारें
१३ सामो खोलो गयो तद म्हारा भाई तीतसनें न लाधर मैं
मनमें कुंहि चैन नलाधो लेर वांकें कनासूं बिदा ऊपर उठा
१४ सूं माकिदोनियामें गयो अबें भगवानकनें स्तुती हो कें जको
खीष्टमें ठाटबाट रोजीना करणनें म्हानें करावेछे ओर
म्हांकें करणसूं आपका फायदामें ग्यानकी सुगंधो पावेंजी
१५ जागा जको चोडे करेंछें। क्योंस जका मुगतें वा जका
नारकी यां दोन्यांकनें म्हे भगवानकनें खीष्टकी सुगंधीछे।
१६ एक लोगकनें म्हे मौततोडी मौतदेणवाला वासछे दूजाकनें
म्हे जीवणतोडी जीवलय देणवाला वासछे ओर आ कर
१७ णनें पोंचवाला कुणछें। क्योंस मोकला लोगांइसा म्हे नछो
कें जकें भगवानकी कथामें भांज देवेंछें लेर म्हांकें साच
सूं ओर भगवानकें हष्टमें रेंर भगवानमें जिसा वेंछे उसी
खीष्टमें कथा वेंछें।

३ तीजो पानो।—म्हे कांई फेर आपकी तारीफ करण
२ लागा अथवा दूजाकितांक लोगांकें इसा थांकेंकनें

अथवा थांसूं म्हांनें कांई सुपारसकी चीठीको खप छै
क्योंस म्हांकें मनमें लिख्योडा वा सगळा लोगांउपर चोडे
२ कयोडा वा भण्योडा म्हांको सुपारसको कागद थेइछो।
क्योंस थाईसूं लिखें नही पण जीवता भगवांनकी आत्मा
सूं भाठाका वघतउपर नही पण अंतरंगका मांसका वघ
उपर लिख्योडा म्हांके सेवासूं ठीक चोडेंकयोडा खोस्टको
४ कागद थे छो। श्रोर खोस्टका उपरासूं भगवांनकें
५ म्हांनें इसो भरोसो छैं। न्हे जको आपांसूं कुंइ होव
सरीखो आपकें उपर भरोसो रांख सकेंछें सो नही वेर
६ म्हांको मुंडो भगवांनसूं छें। कें जीं म्हांनें नवा करार
लायक सेवक कस्याछें आपरको नही पण आत्माको क्योंस
७ आखर मारनांखेछें लेर आत्मा जीवतव देवेंछें। क्योंस
भाठाउपर लिख्यो वा खुधोडो मोतदेणवाली सेवाको अर
इसो चानणो वें कें यिस्रायलका डावडा मोसहका मुंडा
का मुख जवा तेजसूं उंको मुंडो ठीक देख न सक्या
८ तो आत्मादेंणवाली सेवा उंसूं कित्तो चांनणो छें क्योंस था
मोको डंड देनवालो सेवा अर चानणो छें तो धर्मा
९ करणवाली सेवा उंसूं कित्तो चांनणोछें। क्योंस जको
१० चांनणो करो गईछें वा फतेवंत चांनणोसूं उंको कुंइ
११ चांनणो न रयो। क्योंस जको गुम जाई या अर चाव
णी छी तो जका निस्कलछें वा कित्तोवत्तोयिण चांनणो छेंछे
१२ इंसूं म्हांनें इसा भरोसा होणसूं म्हांकें मोकली साफ
१३ कथां केंणी रीत करांछां। श्रोर मोसह इसांयिक
नही कें जीं आपका मुंडाउपर घुंघटो दीनो कें यिस्रा
१४ एलका डावडा उं गुमहोणको तंत ठीक न देखें। वेर
वांको मन आंधोछो क्योंस वीदासरतंतको चोपडीकी
कथा भणणकीवेला उ घुंघटो आजतोडी रेंछें उइ घुंघटो
१५ खोस्टका उकरासूं अलगोकरयो आयछें। आजतो

Digitized by Google

डोपिल मोजमहकी भणणकीवेला उ घुंघटो वांकें मन
१६ ऊपरऱैछे लेर उ प्रभुकें कांनी मुडणसूं उ घुंघटो अलगो
१७ कर्‍यो जासी । प्रभु उ आत्मा छै जठे प्रभुको आत्मा उठै
१८ मोकळो छै लेर गहामें जियो देखेंछे तियो म्हे खुल्या मुंडासूं
प्रभुंको तेज देखतार जियो प्रभुको आत्मासूं कर्‍यो जाय
तियो उंहि मुर्त्तीमें चांनणोपरचांनणो ऊजायछै ।

४ चोथो पांनो ।—ईवेई म्हे दयासूं ई सेवाको कांम
२ लाधर गदगदा कांछां नहो । लेर खोटीअकलसूं
रीत न करर लेर भगवानकी कथा छळकें भावसूं
रीत न करर लेर भगवानकें सांमा सायकें चोडासूं
आपनें चावेंजी लोगकें मनकें सांमा प्रसंसा करर लाज
३ दैखवाला कांमको पाखेवड विषय छोडेंछै । लेर म्हांकें
करणसूं चोडेंकर्‍योडो मंगळीक कथा अर गुम ऊई रहें
४ तो उ नारकी मोखवाळावेंकनें गुम ऊवेछै । वें ज्यांकें
बीचमें ई संसारको पुज्यवळा बिगरऊतवाणांकें मन आंधो
कर्‍योछै क्याजांखा भगवानकी प्रतिमूर्त्ति खीष्टकी प्रतापके
५ मंगळीक कथांको चांनणो वांकेंकनें चोडें नैं । प्रभु खीष्ट
यिसुनें वा यिसुवेई म्हे थांका सेवग ओ ठंठेरो फेरांछां ।
६ क्योंस भगवांन वें जो अंधारासूं चांनणांनें प्रगट करणनें
आग्या दीनो उ यिसु खीष्टकें मुंडाउपर भगवांनकें ग्यांन
सरोधी माहत्मको चांनणो चोडें करणवेई म्हांका मनमें
चांनणो ऊवो छै ।
७ क्योंस म्हांको आ माया माटीका ठांवमेंछै कें पोचकी
८ भलाई भगवानसूं दें भीर म्हांसूं नकें । म्हे सगळीवरें दुषी
९ छां पण दीनदयामणां नहीं म्हे चिन्तावान छां पण निरुपाय
नछां सताया छां पण छोड दीनोडा न छां गदगदा ऊवा
१० छां लेर सगळो नाश ऊवोड़ा नछां । म्हे आपका डीलमें रो

Digitized by Google

जीसा प्रभु यिसुकी मोतका उघाडणवाळा छां कें यिसुको
११ जीवणो म्हांका डीलमें चोडें हुं। क्योंस वचणवाळा म्हे
यिसुवेई रोजीना मोतकनें भळायोडा छां कें यिसुको जीव
१२ णो म्हांका मरणवाळा डीलमें चोडें करणो आय। इवेई
म्हांकें बिचमें मोत प्रवेस करेंछै लेर थांकें बिचमें जीवतव।
१३ जिसो को लिख्योछै कें मैं प्रतीत करी उंसूं कथायी कह्यो
उंतरें म्हे उ एकी प्रतीतकरणवाळोआत्मा साधर लेर
१४ यों म्हांका प्रभुयिसुनें उघाड्यो वे अवें यिसुकी बांहसूं
म्हांनें उपाडसी वा थांकें भेळा आपनें सामासामा करासी
या जांणर म्हेपिण प्रतीत करांछां लेर उंहिवेई कथी
१५ केवांछां। क्योंस सगळा कोई थांवेंवेईछै कें मोकळा लोगां
की स्तुतीसूं उ मोकळो मोटो अनुग्रह भगवांनका माहतम
१६ वेई मोकळो उपरसरो करें। उंही कारण म्हे कायळा
छांछां नहीं लेर म्हांका बारणे आदमी अर डोकरा हें तो
१७ पिण मांयला आदमी रोजीनाइं ताजा होछै। क्योंस जठा
लोडी म्हे चोडेवस्तां न देखां लेर बिगरनामुद वस्तांनें देखां
सबतोडी म्हांकें एक पलकभरमें रेंणवाळो हालको कष्ट उ
१८ उंसूं मोकळो बतो मोटो लेर अनंत स्तुतीको भार म्हांकें
वेई उपजावेंछै क्योंस नामुदवस्तां लखमात्र लेर बिगर
नामुदवस्तां सास्वोछै।

५ पांचमो पांनो।—क्योंस म्हे जांणांछां कें यो माटीको
बासोभूंपो अर धसपडें तो भगवांनसूं करयोडो बिगर
हाथांको करयोडो सास्तो एक भूंपो म्हांकेवेई सरगमेंछै।
२ क्योंस म्हे इं बासामें रेंर म्हांका सरगका भूंपासूं पेरयोडा
३ होणकें उमेदउपर कांभांछां कें पेरयोडा जयरपिण नागा
४ देखा न जास्यां। क्योंस इं बासाकारेंणवाळा म्हे भारथ
कायर कांभांछां वेंपेरयोडा होनेवेई सो नहो लेर उपरला

Digitized by Google

५ ऐसीड़ा वोसवेई कें मरणो जीवनसूं पायो जाय। जीं ई
ततवेई म्हानें बणायोछें उंई भगवान कें जीं आत्माको साई
६ म्हानें दीनीछें। इंसूं म्हे रोजीना हिम्मतीछां और सठा
वेरडो डीलमें रेंवांछां जदतांडी प्रभुका गैरहाजिरछां का
७ मांवांछां कोंस म्हे प्रतीतसूं चालांछां देखणसूं नही। म्हे
८ हिमतीछां और डीलमें गैरहाजर वोवनें और भगवान
कनें वेडें वोवमें चावांछां।
९ उंवेई परवां वा गैरपरवां रेर म्हे उद्यम करांछां कें
१० उंसूं आरे कणोडा का। कोंस म्हांरकी अदालतकें
मोरीवें सगरा म्हां सगलांनें उभो वोणो जरुरी कें पावेंसो
लोग आपको करोडोकाम चाषो कें अथवा विठा कें उ
११ माफक आपका करोडाकाम डीलमें कांवे। इंवेई भग
वानको वोह जांणर म्हे आदम्यांका मन समझावांछां म्हे भग
वानकनें वोड्ंगा और म्हे भरोसो राखांछां कें थांकें मननें
१२ पिण वोडेंछें। कोंस म्हे आपनें दूजीवेळा थांकेनवें सरा
वांछां नही लेर आपकेवेई थांनें हिम्मतसूं केणको कारण
देवांछां कें जको बाकी देखणमें हिम्मतसूं कथा केंछें लेर
१३ मनमें नही वांकेंरनें थे उणलो देय सको। कोंस चार
म्हे विगरहोस कें तो उ भगवानकनें अथवा चार होसवालो
१४ कें उ थांकेवेई। कोंस मीठको प्यार म्हांनें उपर वक
करेंछे जीव मैं आ विचारांछां कें चार सगलांवेई एक लोग
१५ मरो तो सगला मुवदाछा। और उ सगलांवेई मरो
कें जको जवेंछे वे आपकेवेई और न वचे लेर जको वांवेई
१६ मरो और फेर जपडो उंवें वेई वचें। इंवेई इंणछें म्हे
कीवसरीबा कीनेंई कांवां नही और कीवकें हसो वारे
मीठनें जाणो हें तो पिण अबें उंनें दूजीवार जांणां नही।

१७ इंसूं पर वोटे वोश्टमें पे वो उ प्रोग वचो वछि वेंठें वोदी
१८ तक वहगईठें देवो वगवो ववी कईठें। ओर सगवो भग
वाव पूछें वं सी विजुवीकवो वांचसूं न्हाँवें वापवें भेवा मिवा
१९ वाठें वा मिवचवो सेवा न्हाँवें भवाईठें। अथवा भगवाव
वापवें भेवो संवाहवें मि अता वोर वोगांवो भवो उवंव
वो उ वांका हिसावमें विचार न वहूवा वोश्टमें ठे वोर
२० मिलापवोसेवा न्हाँमें भवावाठें। अवें भगवाव वु प्रो वांचसूं
वीवती वरह मिलो जवो लिछा ने वीकवा उवोवठा वोव
वें वढवें न्हेपिव भोगवी वरांठा वें ये भगवानवें भेवा मिवो।
२१ भ्रोध जी बुद्धि पाप आवो वचो वं उंनें पाप जांवर मिवव
वयोंठें वें वे उंमें भगवानवो भले मिवव वखोठा वां।

६ ठो प्रांतों।—इवेवेई मे वापतमें यार अवर
वोगती वरांठा वें ये भगवानवो अनुग्रह निर्थव मती
२ वो पीसि उ वठें वें में वारे वरयाछेविवा वारी वधा
सुवोठै उवारवरवो दिन में वाहा उयगार वयोठें देवो
अवें वाईं वरयवीविवाठें देवो अवें उवारवरवावा हिमठें।
३ ई सेवावो भोग न होववेई विवो मासवेवोमें वुंछि वाघा
४ न वरर पव मोवका सेवो वष्ट हिवपरो गमी मारवावा
५ मेतासरमेंरैवो वेवो मेंमत पोरोदेवो अंवावा ई समवा
६ वेवावमें ईंवसूं वौर निर्मव ग्यान मोववा हिमतोठी
७ वेवो भोत वमींवासूं निर्कपटी प्यार साँचीवथा-भगवान
वा मपवेच ठावाँवेवा यथार्थ वांमवरीमों सांज अवेव वा
८ मेंरभापव सुख्याति वा अख्याति वी संगवासूं। ओर वपटी
इवा पव वाचोपीवनवाेवा विगरवोवज्योवाइवा पव वोवो
९ तर्वे वोववोव वें मरवेवावासरोवा वेर देवो वें जीववा
१० वांवोठाइवा मारवव्योठा वही। सोगोसरीवा वेर
वोजीमा रागीभ्यारावरीवो वेर मोवका वोगांमें मावा

Digitized by Google

धांनकरयावाळा दीनदीनकरता पण सगळांका कोठारी में सगळा उखिदारें ऊपर भगवानके सगळांके हाथ वा सगळो वास्तेकोमें थोपवो लायतो देताय ने थोनतो कराछो।
११ हे करिंती धर्मीकनें म्हांको मुंडा पैसाखोलोछै म्हांको मन
१२ मथोडो जबोछै। थे थांको तंगाई नछो पण थे आपणा
१३ मनमें तंगछो जं जिसो आपका डावडांनें कउंछुं जिसो कउंछुं थें इंका बदलेमणाखेई थे भिष मथोडा वो।
१४ बिगरइतबारी भेळा बिगधनेकानें मतो जावो धरम सीख वा बिगरसीखको काई साटोछै ओर चानणाकी वा
१५ अंधाराकी काई बरोबरी छै। ओर ख्रीष्ट वा बळ्याळ् को काई मिळापछै ओर इतबारीकनें बिगरइतबारीको
१६ काई सिराछै। ओर देवतामेको भगवानके देवराको काई मेळछै क्यों स थे जीवता भगवानका देवराछो जें भग वांन किसो कयोछै कें वांकें बिचमें जं रेंसुं ओर चाल
१७ सुं ओर जं वांको भगवान जसुं ओर वे म्हारा लोग होसी। इंसुं धिजाय कीछै कें वांकें बिचमासुं चालो ओर अळगा हो ओर भिष्टवस्त मती भींठो वा छोवसुं जं थांनें लेसुं।
१८ सगळांमें पोषवाळो किजाय आ कैछै जं थांको बाभो जसुं ओर थे म्हारा डावडाडावडी व्होसो।

७ सातमो पांनो।—इंवांस्ते हे भायवां वांसा थे इं कराकरका कोठारी ऊपर म्हांका भगवानका भयसूं पुरा कै काम सायव धरनार डोळके वा आतमाके सबळी भिष्टसूं आपनें निरमळ करें।
२ म्हांनें धारे करो मे कीकीयिक हिंसा नही करी मे किसे ईशिष्य बिठा करो नही मे किसे ईमिष्य कारेब दीवो
३ नही। म्हांनें दोषी करवकेई जं हा कया कउंछुं नही कीयां

में थेंवला चको वें थांके भेळो मरवानें वा थांके भेळो जवानें
४ थे म्हांका मनमें छो। थांकेवनें म्हारी कथा केंवो बिसारबोह
सूंछे थांको घासवेखीमें म्हें थावचको कथा केंवो मोवदा छें
उं भातरीसूं पूरोछु उं आपका सगळा कष्टमेंपिख आओ
५ राजोछु। जोंस म्हे माकिदोनियामें गया पछें म्हाका-
डीवमें कुंहि चेन नछो बेर म्हांकें चमचीबांको इदिवाला
६ बारवें राजो मांय बोलछे। बेर गदमहा बोसं
नें धातरी बरवावालो भगवान तीतसकें आवबसूं म्हांको
७ धातरी बरी। बोरी उंका आवबसूं सो नहीं पब अह
थांकी मोटीबच थांको भेग वा म्हारेंउपर थांका बमो
का मनकी कथां कही वह थांकी घासवेखीमें वीं धातरीसूं
उ धातरी पावबवाला छो उं धातरीसूं वेंपिख धातरी पाव
८ बवाला छो उंसूं मनें बतो आनंद छो। जोंस एक कागद
सूं थांनें सोकवान कररपिख बदेई उं अपसोस करर
पिख अबें अपसोस करें नहीं जोंस उं कागद थांनें सोक
वान कराबा सही पब उ थोडा दिन कें में समझाछें अबें
९ म्हारो राजी छें कें थांनें सोकवान करो गवो सो नहीं
बेर जीसूं थांमबा वें इसा अवे थे सोकवान छा इसी का
रबा जोंस भगवांबको घासवेखीमें थे सोकवान करया गया
१० कें थींमई थांको बिगाड म्हासूं नहीं। जोंस भगवानको
घासवेखीमें जका सोक उ उद्धारभेळो जको वें थामबावें
लायक थांमबा कराकेंछें बेर संसारको सोक मरबो उपजावें
११ छें। थे जको भगवानको घासवेखीमें सोकवान उंकें साह
दोविई छा देखो थांकें बिचमें कींतरेंकी उद्यम वा बींडावकें
कारबको कथा केंबी वा बाद वा बीह वा मोकळी बतो
रुच वा उद्देग वा उलटोवेंरकरबो उं उपजायो हूं कारबमें
ई घासवेखीमें साफ अबो चो छो सावोत थे दीबोछें।
१२ इवेई में थांकेवनें कागद लिखबसूंपिख उ जी बोस दोष

Digitized by Google

करोछो उंवेंनेई नहीं और मोंको बिगाडो कयोछो उंकें
वेई खिब में उ नकयोछो और भगवानकें सामी म्हांको
जको खिंवा थांकें उपरछै उ थांकेकनें चोडें होवावेई कया
१३ छैं। इंवेई थांकी धाकरीसूं म्हे धावरी धापड्या छां
और तीतसकी रायीसूं म्हांकीखिब मोकली बत्ती राजीछो
१४ क्योंक उंको मन थां सगळासूं चैनछो। क्योंक थांकी
बासवेलीसूं मं थर कोई हिम्मत करोछो रें तोपिण उंछाज
धायो नहीं और जिस्यो में थांको सगळी साची कयांछो
वद म्हांको जको सैयो में तीतसकें सामो करयो उपिण जको
१५ साच को जांण्यो जाय। थे डोकसूं वा धूजवसूं उं नें
उखिबार्ई आरे बच्यो उंसूं उ थां सगळांको आग्यामान
वो चितारर थांकें उपर उंकी और बत्ती मोवछी। इं
१६ वेई ऊं मोकलो राजीछुं कें सगळी बाबवेतीमें थांकें उपर
म्हारी प्रतीतछै।

८ आठमो पानो।—हे भायां भगवानको जको अनुग्रह
मकिदोनियाकी टाळीमें दीनो गयो छै वें म्हे थांनें गुदरां
२ वांछां कें वांका मोकला कष्टसूं चीमतकीवेळा वांकी रा
जीकी बताई और मोटीम्हारता जिसी वांकें दाळदसरी
३ थी माया होयसूं मोकळोछो। क्योंक ऊं यो सावतो देउं
छुं कें वे आपको मुंडोभर पण आपकें मुंडासूंपिण बत्तो
४ मोटासोभाववाळा छा। और म्हांनें मोकळी वीनतीसूं
याचना करी कें म्हे उ दांनमें लेवां और पुन्यवंतलोगांकें
५ उं सेवाकी सिराड लेवां। सोपिण म्हांका भरोसा हत
कयो सो नहीं और पैंबडा आपनें भगवानकनें दीनो छै
६ पछें भगवानकी रजसूं म्हांकेकनें खिब दीनो। इंवेई म्हे
तीतसनें वीनती करी कें जिस्यो उं सद कयो छै तिस्यो थांकें
७ वीचालेंपिण आ भलाई परवारें। इंवेई थांकें प्रतीत वा

कयां केंयी वा ग्यांमें वा कामगुजारी वा मांभेंउपर यी
ताही सगको बासवियांमें जिसा मोकला बहुवायाछे
तिसा ई भेला कांमसुं मोकला करववाला होवणी उवम
८ करो। उं आग्या माफक आ कथा कहूंछुं सो नहीं पेर
दूजालोगांके उवमसेंई वा थांके प्यारकी निकपट होय
९ णको सावतो आंणवेंई कहूंछुं। कोंस प्रभु यिसु खीष्ट
को जो अनुग्रह थे जांणो छो के उ मालामाल छवरयिसु
गांकेंनेंई भ्याखो हुवो कें उंका भ्यारापणासुं थे मालामाल
१० हो। इंसुं उं पिण सला देऊंछुं कोंस एक सालसुं जो
काम करवकी पेरमोकला उवम होवणेसें सरु कराछो
११ थे जो थांन ठीकछें इंसुं जिसा चावणमें उवमी छा तिसी
आपकी मायासुं पिण उनें परवार करोई उंको केवो परवा
१२ रो। कोंस पेला देणका चावणवालो मन होय तो आदमी
की मयाके मुंडामाफक उ चारे छेंछें पेर मायासुं बत्तो
१३ होयरूं नहीं। कोंस उं नई चाऊंछुं के दूजाआदमी
१४ को छेडो भार वा थांको मोकलो भारछें। पेर बरो
बरीसुं हेवो कें थांकी माया वांके भ्यारपणाकी उपरसले
कें पेर वांकी माया थांका भ्यारापणाकी उपरसले कें
१५ इसो बरोबर होवणेई। जिसो को लिख्यो कें जी लोग
मोकलो भेलो कयो उंकी कांइ कमी नई छो वा जी
लोग थोडो भेळो कयो उंको पिण कांइ कमी नछो।
१६ भगवानकवें स्तुति होवें कें जी थांकेवेई इसी मोटी चिंता
१७ तीतसकें मनमें दीनी। उं आ काम करवकी उपदेस चारे
कयो सही पेर बत्तो चावकरवा आपरे आपेई थांकनें
१८ गयो। पेर म्हांकी वांवसुं जका मोकलाई दीनी जाव
१९ छे उंमें कोइपिण कें म्हांको दोष कर न सकें यो निंदे
२० वांन आपर मे भाइ्ो प्रभुकी हुकमें को नहीं पण आदम्यांके
निजरमें पिण ठीक माफक भलो प्यार करर मे उंकें भेला

Digitized by Google

ई भाईनें भेज्योछै वे ओंकी ताजीम समस्तो ठाणामें मंड
२१ लीक कथकी कामसूं छै। और वाको उपाय नही केर
उ प्रभुकी महिमा वा थांको उद्यम चोडै करणनें म्हांसूं
जको अनुग्रह करयो गयो उ अनुग्रह केर जको म्हांकै भेळा
२२ जावणकेई ठाणासूं टिग्यो जवोछो। और म्हांके भी भाईनें
जी मोकला कामसें स्नेदीखवालो वाहर वाळोछै घणा थांके
उपर जको मोटो प्रतीतछै उ प्रतीतके कारण घणे और
मोटो मनदेखवाळा जको छै ई भाईनें पिण थांने वारें के
२३ भेज्योछै। तीतसके फायदामें जद कोई पूछे तो थांका
फायदामें उ म्हांको सरीको वा वाह अथवा म्हांका भायां
के फायदामें पिण जर कोई पूछे वे ठाणाका भेज्योड़ा वा
२४ प्रभुका महिमा छा जांणज्यो। इसूं थांके प्यारको वा
थांको वा बडाईमें म्हांको जो सेखी उंका पिण साबतो थांकें
ठैको या ठाणाके सरूपां चोड़ै करज्यो।

९ नवमो पर्व।—मुक्ष्वल लोगमें दान करणकी बात
२ लिखणे थांकनें मने लिखणकी कुछ गरज नही। क्योंके
थांके मनको उद्यम जं म जाणूं छूं जीके फायदामें मे
माकिदोनियाका लोगांकनें ओ सेखी करयोछै के आखाया
एक बरस आगे त्यार हवोछै थांको उद्यम मोकळा
३ आदम्यांनें घणा उद्यमी करायाछै। और ई वास्ते
मे थांका फायदामें म्हांको सेखी निकमो नहोवकेई मे
भायांनें मेल्याछै के जिसो मे कयोछो थे इतरें उद्यमी हो।
४ ज मकिदोनियासूं माकिदोनियाका लोग जद म्हांरै साथे
आयर थांको दांन बिगर त्यारी देखे तो थे लाजसो कथा
५ न कहे मै तो निश्चय सेखीसूं लाजां मरां। इकेई
मे भायांनें ओ कहणो जरूरी मनमें विचारयो के वे थांके
भेळा पैहला आयर थांके जो दानकी बातचेतीनें पैहला

Digitized by Google

ये खबर मेलयोगे उ पैलड़ा परखारें वें ओ राजिसूं दियो
डि बखतो इसो ध्यार रें पण सुमडाइसूं दोयोडि बखु
६ खरियो ध्यार न रहें। पण या कथा कउंनु के जको बोम
थोड़ो बावेंगे उ थोड़ो लाभ लाधसी व: जको बोम बतो
७ बावेंगे उणो बतो लाभ लाधसी। घावेंजो बोम जिको
आपका मनमें ठेरावेंगे जिसो दलगीर मजबूर वा दरकारी
न आंनर दियो क्योंके खुशीसूं देनवालानें भगवान ध्यार
८ करेंगे। भगवान थांकें उपर सगलो अनुग्रह बत्तो कर
सकेंगे के थां सगला दातारी थांको बोत्तसूं भगवानकवें
९ खुसी करावें उ दातारीसूं ये सगली वासपेठीमें माया
पाव जबर वा सगली वासपेठीमें रेजीना परखारर पावें
१० सो थोथोकाम करणमें लेबीन जय सको वें जिको बीवि
बोटें वे उं विंडाकाढें उं ध्याराजोगानें दोनोढें उंको धर्म
११ रेजीना रेंगे। थांनें जको जोग बीज बावें वांको बीज बको
देवेंगे उ थांनें खांवणवेई खुराक देवें ओर थांका बावोड़ा
बीज मोकला गुणा करें ओर थांकें सिकाइको फल मोकलो
१२ देवें। क्योंके या सेवा करणी पुन्नवंत लोगांकें ध्यारापणाको
१३ घटती बाली भरवारेंगे सो नही केर अठातेड़ो कोरको
मंनवो कथा कं थांनें थोड़ेसेवावेई वा वांकें वा सगला लोगां
कों थांकें मुलेला मनसूं बांटणवेई सेवाको बाबदोसूं भग
१४ वांनकी खुसी करेंगे। उंबलापिया उ भगवानको जको इं मोटो
अनुग्रह थांकें उपर छे उंसूंपिया मोकला मोक ा दें ओर
थांकें निघालें जको मोटो अनुग्रह उंको वासपेलीमें बका
मेटिबच करणवालाडें थांकें मोकलि खुशिवेई वांकि जका
यातना उंसूंपिया या सेवा करथि भगवानकें धरबार बतो
१५ फायदावालोहें। भगवानका नकमसनेवा दानकें कारण
उंकेकनें खुति देवें।

१० दसमो पांनो।—अबै हूं पाउल आपि कै मनें
थांकै नेडो हाजेर कमिलाऊं पण बिगरहाजेर थांकनें
निडर हुं उ खीस्धो निरअहंकारपणो का नरमो बेर
२ थांसूं वीनती करूं हुं। केर अनी किताक लोग म्हांनें
डीलकें माफक बवहारी हता जांणें वांको बेरबामें
जो हिम्मतसूं हूं हिम्मत बांधो चाउंहुं हूं हाजेर रेर
जिसी उं हिम्मतसूं हिम्मत न बांधूं था वीनती करूं
३ हुं। हवेई ध्यान बोर भगवांनकी फसवेकीमें म्यांनकै
वैरमें जका पावेंसो सागी सरावणबखतें उंनें चेठेकरण-
वाला जयह वा पावेंजी फिकरनें खीष्टनें मांनकें बाहर-
४ वारी कि कवर बोर थांकी कग्या मांनकी परवा-
रैणकें सगलो नमानकवेंई तोतोस हेकनें फिर त्यार
५ कवर रहें डीलमें रोत करपिस डील माफक मगडो
६ करां नहीं। क्योंस म्हांकें लडाई करकस हथियार
डीलका नहीं बेर काठो कोटको गोसूं भीत आमठे उखाडू
७ भगवांनसूं करन्हें। चे कांई चोडें देवबहसो किबक
देवोछो आप खीष्टको आदमी था आवस कहूं कोई
बावस बांधें तो उणी वोम फेर च्यांत करर आफि कें
८ जिओ उ खीष्टको किया तेंपण खीष्टका हो। प्रभु
वेतरीनेंई पण बरादीवेंई मही जका घासमकी हिदमत
म्हांनें दोनीठें उंनें कायदामें अवों हूं सेखी करूं तो
९ मनें लाज न आवी कें हूं कागदसूं थांनें डर दिखावण
१० वावबहसो मोटें न जाऊं। पोल लोग केठे उंकें
खत भारी का अयेसूं मांनत वाथकठें केर उंकें डीलकी
त्यारी मठतोवक वा उंको कथामोंको गोहवायकठें।
११ इं वरेंवा लोग फेर था मांनें के मे बिगरहाजेर रेर
किसो चोठीमें कथांसूं केठेवें चोडे रैठें कामसूं तिकांठ

Digitized by Google

१२ सकां। क्योंस अको कितराक लोग आपकी प्रसंसा करैंछै
आपनें थांकै गिणमें संख्या करबानें क आपनें वांकै बरोबरी
करबानें न्हे बोलांगां वा आपनें प्रमाणसूं बाहर और
वाली आपनें देखर आपकी ब्योंत करर ग्यानवंत कोछ्यां
१३ नहीं। क्योंस आपका प्रमाणका बत्तो अका बातसेबडो
उंमें न्हे सेखीखोरा नहीं और अका डोरी भगवान न्हांनें
दीनीछै उंमाफक करांगां वा आपकी डोरी थांकैतांडी
१४ पिछ जायछै। क्योंस थांकैकनें जिस्या न्हे न आता तिस्या
न्हे आपनें बधां नहीं कारण को कै न्हांकैं प्रमाणकें
बारबें अको अथवा दूजार लोगको कोठार इंकें उपर
सेखी न करां और थांकै प्रतीतकी बधती होयछै थांकै
वांनीपिछ न्हे मंगळीक कथां ढंढेरो करबानें और न्हांकैं
बेई त्यार कळोडो दूजांकीकाई कोठारका फसवाउपर
फिकर न करबानें न्हांकैं फतवेकैं माफक थांकी वांहसूं
१५ मोकळी बधती पावां। जो भरोसो करर खीष्टको मंग
लीक कथां चोवैं करता थांकै उठासूं इत्ती दूरतांडो न्हे
१६ पावांगां। और अको लोग सेखी करैंछै उ भगवानमें
१७ सेखो करैं। क्योंस अको लोग आपकी प्रसंसा आपी करैंछै
उ लोग खारे कळोडा नहीं पण जीं लोगकी प्रसंसा
प्रभु करैंछै उ खारे कळोडो छै।

११ इग्यारमो पांनो।—अका न्हारी दीवानगीसूं
न्हारी बुधि हें सको वाई ठीकछै थेपिण न्हारी कथां
२ खारे बदो। क्योंस भगवानकी घासपेळीका हिस्सामें
थांकैबनें कं चिन्तावानछुं क्योंस सुद्ध कंवांरी इसो में
खीष्टनें देबवेई एक बींदकनें थांनें वाक्दान कळोछै।
३ लेर कं बीजंछुं कै जिस्या आपनें कपटसूं साप ह्वावानें
भुली दोनी तिस्यो खीष्टमें अका मारगछै बाजाबा उंसूं

४ घ्‌णो मन किसीतरेंसूं बींठोछो। क्योंस जींनें मे ढंढेरो
दिनो नही अको लोग आवेंछै उ अको उं उबिहारें ओर
किसी बिसुको ढंढेरो देवें ओर जींनें थे लाधो नही
उंही उबिहाराको दूजायक आत्मा अर लाधो अथवा
थे अके आरे कयो नहि उंहें उंबिहाराको ओर कोई
मंगलिक कथां अर लावो तो सेंवो मोकलो ठिकछें ।
५ क्योंस जं मनमें ल्यावंछुं के में मोकला मोटा हलकारा
६ सूं कांहि घटतो नछुं । अर जं बथामें गांनोछुं तों
पिन विद्यामें नहि लेर सगलि बातबेंतिमें ने थांकें बिचालें
७ मोकला धोडें रहां। जं थांकेंकनें मंगलिक कथां मुफत
ढंढेरे कयांसूं थे मोटा होवाबेई आपनें नांना करबसूं
८ कांई में दोष कयोछें । थांकी सेवा करबबेई जं दूजी
९ टोलीसूं देंनगी लेर वांकी माया चोरी करी। थांकें बेंठो
रेंरपिन अद मनें गरज छी तदपिन जं कींकांई मायासूं
बोझो नछो क्योंस म्हारें बरच लायक नहोबसूं माकिदोन
नियासूं अके भाई आयाछा वां उ दीनोंछो थांकें उपर
भार न देंबसूं में सगली बातबेंतोमें आपनें रखाई
१० कयोछें ओर उंहिवरें आपनें राखस्युं। अर षीष्टको
साच मेंमें रें तो आखाया देसमें म्हारें ई सेंखी करबनें
११ कोई अटकावें न सकसी। क्योंस जं थांकें उपर प्यार
१२ करंछुं नही कांई उंकेंबेई उ भगवान जांणेंछे। लेर जं
अको करंछुं उ ईकेंबेई करस्युं के अको चोटो करबबेई ठा
लघी लेमांगा वांकें उं ठावपो रोकबबेई वें जींमें सेंखी
१३ करेंछें उ बातबेंतीमें म्हांकें इस्या लाधा जावां। क्योंस इसा
अके लोग वें कूडाहलकारा वा खाटोकरबवाला वा
षीष्टका हलकारा जों उबिहारेंका छांगा उंहि उबिहा
१४ रें आपानें करबवाला छें। ओपिन कांइ अचेंरो नही
क्योंस मोटो खाणी शैतान हलकाराको भिकल धरें छें।

१५ इंवंई उंका सेवक अर ठीक कांम करवावें सेवकां इसा कां
जो कांई अ,चेटो ठे वांकें ठेवडें वांका कांमसरीको व्हसी।
१६ फेर जं कउंठु कोई मनें गेलो न जांणें अरपिण दूजें उणि
धारें पें ते: मनें गेला इसो मा ने। कें जं आपकी थाखेजो
१७ में थोडि सेखी करूं। जं जको कउंठु उ प्रभु माफक कउं
ठुं नही फेर इं सेखी करवाको हिम्मतकी गेलांइसुं
१८ गिजो फेंठें तिग्रोई कउं। डीलमाफक मोकला लोग सेखी
१९ करेठें इंमेंई जंपिण सेखी करसुं। थे सागी स्यांणां
२० व्हवर राजी मनसुं गेलांकी सेठे। क्योंस अरकोई
थांनें गोलाईमें ल्यावें अर कोई थांनें खाय ल्याय अर कोई
थांको धन लेवें अर कोई आपनें मोटो आदमी करर
जांणें अर कोई थांनें थपेड मारें तो थे उ सारे करोठो।
२१ मे जिसा बिगरहिम्मत कांगा लिखो अपमांनका फायदा
में कहांगा फेर जीमें कोई हिम्मतीठे जं जो गेलासरीको
२२ कउंठुं उंमें जं पिण हिम्मतीठुं। वें कांई एबी मेंपिण
उबी ठुं वें कांई यिसरायली मेंपिण वेंड वें कांई आबर
२३ हामका डावडा मेंपिण उवीठुं। वें कांई खीष्टका सेवक
वें गेलाइसो कउंठुं सखी फेर जं उंसुंपिण मोटोठुं
देंनगी करणमेंपिण जं वतोठुं कूटघाणमें डटकवां
२४ वतोठुं घटामें वांसुं मोकलो व्हवोठुं मरणमें वार२ ठुं।
२५ में यिहूदीयांका हाथसुं पांचवार एक घटतो चालीस
मारखाई तीनवार में लकडीसुं मारखाई एकवार जं भाठा
सुं मारखाई तीनवार में ज्याज भांगवाको जोग करयो एक रात
२६ दिन जं उंडामें ठुं। वार२ डेरो बदलासुं जे पांणीकी टं
टामें डाकुयानं.का टंटामें आपका देसवाला लोगांकें करव
का टंटामें दूजा देसवाल्यांकें करणका टंटामें नगरका बिचा
२७ ला टंटामें जंगलका बिचलाका टंटामें दरियावकी बिचला
का टंटामें कूडाभायांकें बिचला टंटामें देंनगी वा कांइकी

में बारर घेरो देहमें भूखो वा तिसमें बारर पोषबमें
२८ सीमें वा नागाईमें हुं। बारलांका विषयबिगर अथवा
म्हारेंउपर अको रोजीना खांचपडेछे अको सगली टोलीको
२९ भार इंकें बिगर जो समजो फेंछें। कुण निबलोछें और जो
३० निबलो नहो कुण अटकेंछें और जं बलुं नहो। जर मनें
सेखो करबो निश्चेपडे तो म्हारें निबलाईकी बातबेली
३१ मेंसेखी करसुं। जं अको कूडोकथ कउंहुं नहीं जो म्हांकें
प्रभु यिसुखीष्टको भगवान वा बाभो कें अको रोजीना घो
३२ बंदसूं भलोयुखो उही जांणेंछें। दमाश्केक नगरमें आरेतस्
पातसाकें आधीन अको धनि उं मनें कपडवानें लबकरसूं
३३ दमाश्केक नगरमें घेरो दीनोछें। उं वेला जं एक बारीमूं
भीतलामर एक खोलोउपर उतारयो गयो जयर उंका हाथ
सूं भागर बचो।

१२ बारमो पानो।—मनें फिकर करबो ठीक नहो
जो निश्चकछें जं प्रभुको देखालो वा घोडेकी कथा कोंबें आ
२ गस्युं। चोदा बरस गुदरगया में खोष्टमें एक लोगनें जांखो
डोलमें छे अथवा डिलकें बारखे छे का जं केंसकुं नहो
भगवान जांणेंछे इसो लोग तीजा स्वर्गमें ल्यांच्यो गयोछो।
३ उ लोग डोलमें अथवा डोलकें बारखें का जं केंय सकुं
नहो भगवान जांणेंछे पण इसो एक लोग पारदीसमें तांच्यो
४ गयो छो वा आदमोनें कैबो ठीक नहें इसी न केंणनी कथा
५ सुणी हं लरेंको एक लोग में जांख्या। इसा आदमोको
बाबतबीमें जं सेखी करसुं पण आपकी नोबलाईको बात
बेबीमें बाबी जं आपकें बाबतबेबीमें सेखी न करसुं।
६ जोव जं साची कथा केंसूं इंबेड जर सेखी करबें चायो
तो बोपिब डोला जसूं नहो वेर जं सुसवांउंहुं का

जाणो कोई जको म्हारेमें देखेछे वा म्हारी बातचीतोमें
सुणेछे इंसूं मोटो मनें जाणें।
७ जं उं मोकळा घोडें जई बातचीतोमें नापसूं बत्तो गुमांनो
न जमुं इंवेई मोडाका एक हलकारो अथवा डीलको एक
कांटो मनें मारणवेई मनें दीनो गयो कें जं नापसुं बत्तो
८ गुमांनो नजउं। इंवेई उ म्हारेसूं ले जावणवेई में तीनवार
९ प्रभुसूं वीनती करी। ओर उ मनें कयो कें थारेवेई म्हारो
छमा काफीछे थारी निवळाईमें म्हारो बळ भरतो दीखे
जायछे इंवेई जं मोकळा राजी मनसूं ओर आपकी निवळता
१० सं सेखी करसूं कें ख्रिस्टको बळ म्हारें उपर रेसी। उंवेई
दूवळाईमें वा गाळीमें वा ल्याचारपणामें वा वैरवाधणमें वा खोट
कें वेई तासीसमें जं राजी करर जाणुं क्योंस जींवेळा
११ जं निवळोछुं उणीवेळा जं बळीछुं। जं सेखी कर
वासूं गेलो जवोछुं थे म्हारें उपर बळ करयोछो क्योंक
थासूं मनें प्रसंसा करणोडो होणो ठोकछे क्योंस जं कुछि
नहो सहो तोपिण जं मोटा रिसालदार हलकारासूं कुछि
१२ वोनोनहो। सगला सेणमें वा लच्छणमें वा आछेरावाम
में वा पोंचमें हलकाराका लच्छण थांकें विचालें मुकर
१३ करया गयाछे। जं लागी थांकें उपर भार देणवालो
नछो उंकें बिगर थे कींमें दूजी टोळीसूं नोचाछो म्हारो
१४ आ पापी माफ करो। देखो ओ तीजें बार जं थांकेकनें
आंवणनें त्यारछुं तोपिण थांकेउपर भार देणवालो नही
जसूं क्योंस जं थांनें चाउ नही पण थांनें क्योंस डावडांनें
माउ बापांवेई जमा करणो ठीक नही ओर माउ बापावें
१५ डावडांवेई भेळोकरणो ठीकछे। जं थांकें उपर बिलो मोल
लो मोटो प्यार करंछुं उंमें दूजार थोडा वाला पर जं
तोपिण थांकेवेई जं मोकळा राजी मनसूं खरच करसुं ओर
१६ खरच करणोडोपिण जासुं। सो जको कें में थांकें उपर

Digitized by Google

भार दीनो नही लेर आंको ऊपर थांनें दावसूं कपड़ो।
१७ और आदमीनें में थांकेंकनें मेल्यो छे में कांई वांकें कीनेंई
१८ वांहसूं थांकें कनासूं कुंहि लाभ कयो छे। में तीतसूंकनें
पायो वा उकें भेळो एक भाईनें मेल्यो तीतस कांई थांकें
कनें कुंहि लाभ कयो न्हे कांई एक मनसूं न चाल्या न्हे कांई
१९ एक मारगमें नचाल्या। दूजीवार कउंछूं न्हे अबो थांकेंकनें
आपको उजर करांछां थे कांई आ मनमें ल्यावो छो न्हे
क्रीष्टमें भगवानकें सांमा सगळा कांछां लेर हे मोटोवा
२० ला थांकी भलाईंकेहई न्हे सगळा कांम करांछां। क्योंस ऊं
डरूंछुं क्याजांणां ऊं जिसो देख्यां चाऊंछुं पीचर थांनें
तिसा देखणो न पाधुं वा जिसो थे न चावोछो ऊं पिण
तिसा थांकेंकनें देख्यो जाउं क्याजांणां. थांकें बिचमें झगड़ो
बळको वा घिण वा रीस वा कजियो वा चाडीपणो वा
२१ कांनांफूसी वा उपसको वा बैंखो रें। और क्याजांणां ऊं
फेर थांकेंकनें गयापछें थांकें बिचमें म्हारो भगवान मनें
लाजामारें और मोकळा आदम्यांकेंई मनें बारर करणो
पड़सी कें ज्यां अबें पाप कररपिण वांका कयोडा भिष्ट
पणांसूं वा सोवाईसूं वा संगतसूं पांमणा न कयां।

१३ तेरमो पांनो।—ओ तीजोबेळा ऊं थांकेंकनें आउं
छुं दोय तीन साखदीकां मुंडासूं पावेंसो कथा ठावी व्हसी।
२ न्हांमें क्रीष्टकी कथा बेंचको साबतो थे चावोछो कें अबो
३ थांकेंकनें निबळा नछें लेर थांकें बिचामें जबा छें। ऊं
वेंई में जो पैंलड़ा थांनें कयो छे और जिसो थांकेंकनें थो
तर कैंतो तिसो दूजीवार पैंलड़ा कउंछुं और अबें ज्यां
पैंलड़ो पांमो करोछें वांकेंकनें वा दूजा सगळांकनेंपिण ऊं
बिगरआयर रेंर लिखुंछुं कें ऊं फेर आयर थांकेंकनें
४ छमा नकरस्युं क्योंस वें निबळाईसूं क्रूसऊपर मारीजे

मयो सही तोपिण भगवांनकी मुंडोसूं जीवतो छें म्हेपिण
उंसूं दुबला छां अर थांकेंकनें भगवांनको भलो बल उंसूं म्हे
५ उंमें भेला जीवतय भोग करस्यां । थे आपकी आप चौक
करो कें थे प्रतीकमें छो अथवा नहीं आपनें परखो थे कांई
आपनें जांणो नहीं अर थे अजोगोकरणलायक नहो तो
६ यिसुखीष्ट थांकें बिचमें छें । अर जं भरोस करंछुं के थे
७ जांणस्यो कें म्हे अजोगोकरणलायक नछां । अबें जं भग
वांनकनें याचेना करंछुं कें थे कांइ खोटोकांम करोछो
नहो म्हे सरायोडा दिखां जाणे सो नहो अर भर म्हे अज
मा करणकें लायक न हुंसां छां तोपिण कें थे चोखाकांम
८ करो । क्योंके सांचका बेंर म्हे कांइ कर सकां नहो
९ अर सांचको भिर करंछुं । क्योंके जद म्हे निबला
वा थे बलिया छो तद उ म्हांके आनंद थे अबो सायसुध
१० छो आपिण म्हे चावांछां । उंईवेई थांकेंकनें बिगर हाजिर
जयर जं आ लिखुंछुं आजाखा हाजर जयर कंउं पोचर्के
माफक करडोरीत करं कें अबो भलाईवेई अर बोटाई
वेई नहो भगवांन मनें दोनोछें ।

११ छेवडें हे भायां थांकी मंगलीक हो पूराधर्मी हो सुसाल
हो एक मना हो अहिंसक हो अर प्यार वा सान्तीको
१२ भगवांन थांकें नेंडो रेंसी । निरमल वासो अर एक
१३ जाय दूजाएकजीमनें वंनणा करो । समला पुन्यवंत पुरष
१४ थांनें वंनणा करेंछें । प्रभु यिसुखीष्टको अनुग्रह वा भगवांन
को प्यार वा धर्मात्माको मेलो थां समलां उपर वें । आमिन ।

गलातियांकनें पावल् हरकाराकौ कागद।

१ पैंहलो पांनो।

पावल् हरकारो आदम्यांको अथवा आदमीका करयां
सूं सो नहीं पण यिशु ख्रीष्टका करयासूं वा भगवान बापा
२ का करयासूं कें जौ उंनें मोतसूं उठायो ओर म्हारै
भेळा जितां भाईछें वेंपण गलातियाका समस्त टोळीकनें
३ कागद लिखेंछें। भगवान बापासूं ओर प्रभु यिशु ख्रीष्ट
४ सूं अनुग्रह वा शांति थांकें उपर हुवें कें जौ भगवान अब
वा म्हांका बापाकी मनमाफक म्हांनें इं खोटीदुनियांसूं
छुटावणवेई आपनें म्हांका पापवेई दीयो उंको सदाईमा
हुतो रें। आमिन्।
५ हूं अचंभो मानुं कें जौ थांनें ख्रीष्टका अनुग्रहवेई बुला
६ या पै उंसूं दूजी मंगलीक कथामें इतां बेगा पलटीगा छो
७ कें अबो दूजी नहीं पेर कितनाक लोगछें कें अबे थांनें कष्ट देवें
८ छें वा ख्रीष्टकी मंगलीक कथानें उलटायाचावेंछें। पेर जद
मंगलीक कथा में थांनेंकनें ढंढेरो केयाछे उंकेंबिगर दूजी
कोई मंगलीक कथा अर म्हें अथवा स्वर्गसूं कोई दूत
९ आकाशथिय ढंढेरो करें तो उ धिक्कारमें पडें। म्हे जियां
पैंलहां कयो छो उंहिवरें अबें हूं दूजोबार फिर कउंहुं कें
अबो आरें कयोछें उंकेंबिगर कोई मंगलीक कथा अर
१० कोई थांकेंकनें ढंढेरो करें तो उ धिक्कारमें पडे। अं

अबें कांई आदम्यांनें अथवा भगवाननें लोभ देषाउं
अथवा जं कांई आदम्यांको राजोपणा कर्यो चाउं
जो अब ताईं आदम्यांको राजीपणा कर्यो चातो वें तो मैं
११ षीष्टको सेवक नांय सकतो नहीं। और हे भायां मैं
थांनें गुदराउं हुं के जको मंगलीक कथा म्हारें बारमें
१२ थोडें करी आयडे वें आदमीका मनमाफक नहीं। क्यूंके
में आदम्यांकनें उ लायो नहीं और षिसुषीष्टकी षोडाई
१३ बिंगर उंमें भणायोडो कवो। क्योंके गई समयमें यिहूदी
यांकें दीनमाफक म्हारी जका रीत ही इंकी थांसबैंजी में
षे सुणयोडोगे के जं भगवानकी ठोळीनें बणी ताडो
१४ वा बिगाडो। और म्हारें बडेरांकें बबनउपर मोटोबो
मोटो उदमी जयर षिजदियांकें रीतमें आपका गोतमें
१५ म्हारें बरोबरीका मोकळा लोगांसूं पूरो छो। लेर
म्हारी माउका पेटमें रेयांकोनें जो भगवान मनें न्यारो
१६ कर्यो वा आपका अनुग्रहसूं मनें बुलायो उ जद आपका
डावडानें म्हारें बिषाळें थोडें करवानें राजी हो के जं दूजा
देसकाल्यांमें उबें धोडे करूं लोहिय जं मांस वा लोईं
१७ मेळो बिचार कर्यो नहीं। और जके म्हारें पैलडा षू
वारा छा वांकें मेंडो जं यिरुसलममें गयो नहीं पण अराब
१८ देसमें गयो वा उंकेंपछे फेर दमासेकमें गयो। उंपछे
तीन बरस गयां पछे पितरनें देषवेई जं यिरुसलममें
१९ आयर उंकें भेळो पनरें दिन रयो। और प्रभुको भाई याकू
२० बबिगर में घक्कारांमें और कोनेंई देख्यो नहीं। जका
कथा थांकेंकनें लिषुं हुं देषो भगवांनकें सांमें जं कूडी
२१ कथा लिषुं नहीं। उंपछें जं सिरिया वा किलकिया
२२ देसमें आयो और यिहूदाह देसमें षीष्टकी जका टोळीगे
२३ वांकेंकनें जं मिळबासूं बिगरओळख्योडो छे। पण जो
वां सुणीछे के जो लोग पैलडा म्हानें सताया छा उं अब

Digitized by Google

अका रीत पैलडा मांम करोगे वा रीत मवें छंडेरा मोरचा
उंसूं वा म्हारें वेहे भगवांनकी सुती करी।

२ दूजो पांनो।—उंपछें थोडें वरस मयां जं वाये
बाभेलो पिदमसम्में फेर गयो वा तीतसूवेंपिब बारें
२ लीनो। लेर उंवेला जं थोडें आग्यासूं गयो छोर अवें
मंगलीक कथां में दूजादेमवाल्यांकनें छंडेरा कहंु उ
वांनें गुदरायो पब मासो नामीक लोगांकनें छोर उ
पिब एकंतमें थोडें करणो छायांसा कोणीतरें जं निकमो
३ देउं अथवा निकमो दोडतो। लेर म्हारें भेलो तीतस्
वें मको यीक ऊयरपिब उंसूं सुनत होबको जोर करणो
४ मगयो। छोर बिगरजांच्यां मारे कणेडा ठगी भायांकें
वेहे उ अवो वें मवो वुलायोडी ऊयर वडें वें बीडपिमु
में म्हांकी मका ठुटी उंकी सेभना करें वें म्हांनें सेग
५ में लेवो। ब्यांनें वसहोबसूं एव घडीपिब ने जाचा
दीनो नही वें मंगलीक कथांको साचता थांवें भेलो
६ रें लेर जके मांनसालायक थोमांकें इसा जांबबमें आया
वें भींतरें कवा उंमें म्हारो कुछि चोबो मींठो नधी भगवांब
बोंकोईपिब वाडजोवेंगे नही वांमें जके मयांदोकजरोवो
गे वा कथांवातांसूं म्हारो ग्यांन कुछि वधायो नही।
७ वोर उंकी वेरमें जद वां देख्यो वें जिसो सुनच्यांभेलो
मंगलीक कथा थोडें करणो छोयो पितरचनें भलायोडी गी
८ तिसी बिगरसूनत्यांबेहे म्हारेकनें गी। कोस अका सूनच्यो
वनें हबकाराईवेहे पितरवें बिचावें पोंचवंतगे उठी दूजा
९ देमवाल्यांकने मेंमेंपिब पोंचवंतगे। छोर याकूब वा
कोईफा वा योहन् वें अबें थांभाइसा देख्या मयागा वी
मवे अनुग्रह मनें दीनो मवोगे उठी मद मांच्या तद मनें
वा बार्नबावें वारोबदीबासूं भोमवेछाय दीनो वें वे

दूजादेसवाळ्यांकनें वा वां सुनत्यांकनें जावें म्हाको वां ईंम
१० करी वें न्हे म्हाखा लोगांनें चितारां उचिस करसेंस
११ छिमजवाळोछो । खेर पितर आंतियोखमें पीत्रांपछें मैं
१२ सामोई उंको वेर करयो क्योंस उ मामीदार ज्वो। कोंय
याकूबकें कनासूं कितांक लोगांके आवणकें पेलवा उ दूजा
देसवाळ्यांभेळो जीम्यो पण वें पोवा पछें सुनती लोगांनें
१३ बीहर उ ओहर एकंत ज्वो। खेर यिहूदीयिस उंकें भेळो
तोत कयो उंसूं बार्णबायिस वांका तोतसूं बाख्यो गयो।
१४ खेर जद मैं देख्यो कें वां ठीकसूं मंगळीक कथाकी साच
पणाईंकी रीत करी नहीं मैं समळाकें सामे पितरनें कयो
कें तूं यिहूदी जयर अर दूजादेसवाळ्यांसरीको रीत
करेंछें खेर यिहूदी ईसो न करेंछे तो दूजादेसवाळ्यांनें
१५ कीवेंई यिहूदीयांसरीको रीत करावेंछे म्हे आपहूंईसूं यिहूदी
१६ दूजादेसवाळी पापी नहीं वें आदमी तोरेतका काम
सूं सिद्धकरयो न जायछे पण यिसुखीस्टकें मतीतसूं सिद्ध
करयो जावछे या जांणर म्हेयिस खीस्टमें इतबार कयो वें
म्हे यिसु खीस्टनें मतीतसूं वा तोरेतका कामांसूं नहीं
सिद्ध करया जावां क्योंस तोरेतका कांमसूं कोई लोग सिद्ध
१७ कयो जावछें नहीं। खेर खीस्टसूं सिद्ध होवाको लोभना
कर म्हे आपेंई पापी जाणपावें तो कांई खीस्ट पाप
१८ को पाळणवाळो हो नहीं। क्योंस मैं जको चीज गमायो
छें उ पर जं फेर बणाउं तो आपनें दोखी करूं।
१९ क्योंस जं तोरेतका करणसूं तोरेतकनें मरग्यो कें भगवान
२० की सेवारै न काटूं। जं खीस्टकें भेळो रूखवाळी
ऊपर मारयो गयो खेर जं जयुंछुं तो जं नहीं पण म्हारें
बिचावें खीस्ट बचेंछे खेर जं डीलमें जको जारी भोगुंछूं
उ भगवानका डावडामें मतीतसूं जं भोगवूंछूं कें वी मैंनूं
२१ प्यार कयो वा म्हारैवेई आपनें दोनो। जं भगवानको

अनुग्रह निकमो करूं नहीं क्योंक सिवाई जर तोरेंतसूं
होवे तो खीष्ट निकमो मयो।

३ तीजो पांनो।—हे डोफा गालाती थांकी आपता
न मांनबेई कांई थांको मन मोयोछे कें ज्यांकें बिचमें सब
वांकोउपर मारेडा यिसुख्रीष्ट थांकें सांमो चोडें कयो
२ गयो छे। थांकेंकनें जं पाली या जांण्यो चांऊंछूं थे कांई
तोरेंतका कांमसूं आत्मा लाद्योछें अथवा परतीतकी कथा सुन
३ नसूं पायोछें। थे कांई इं तरेंका डोफा छो आत्मासूं
४ मांडर कांई डीलसूं पूरा करोछो। थे कांई निकमो इतो
५ कष्ट उठायोछो जर अवार तोडी उ निकमोछें। इंवेई जको
जोग बनाय करर थांकेंउपर आत्मा देवेंछे वा थांकें
बिचमें अचेंरिकाम करेंछें उ कांई तोरेंतका कांमसूं
६ अथवा परतीतकी कथा सुनबसूं उ करेंछें। जिसो आब
राहाम् भगवांननें परतीत करी वा उ सिवाईकेंउबि
७ हारें उंकेंउपर गिण्यो गयो इंवेई जांणल्यो कें परतीत
८ करबवाला आवराहाम्का डावडाछें। भगवांन जको परतीत
सूं दूजादेसवाल्यांनें सिद्ध करसी धर्मग्रंथ आ पेलां
जांणर पेलडीवेलामें आवराहाम्कनें आ कथा केर मंग
लीक कथा छेरी कयो कें तेंसूं सगला देसवाला आसीस
९ पावसी। इंवेई परतीतकरबवाला जके वें परतीती आवर
१० हाम्कें भेला आसीस पावेंछें। तोरेंतका कांमका उप
रले जिता लोग तिताओग फिटकारकें आधीनछें
क्योंक यो लिख्योछें कें तोरेंत चोपडीमें जकेर लिख्योछें उ
करबनें जको लोग रेमीना कांजोन न रहें उसी चावेंसो
११ लोग फिटकारको पायोडोछें। जेर तोरेंतका कांमसूं
कोईभी भगवांनकें परवां सिद्ध करया जायछें नहीं इंको
१२ सावचोछें क्योंक सिद्ध परतीतसूं बचसी। जेर तोरेंत

मतीतकें उखभखमें नही लेर जको लोग उ काम करेंगे
१३ उ उंसूं बचसी। बीछ म्हांकें एवजसरीको फिटकार
लाधर म्हांनें वैरेंतकें फिटकारसूं छुटकारो करयोछें क्यांस
लिख्योछें कें जको चावेंसो लाग कंबउपर टंग्यो रैगें उ फिट
१४ कारको पायोछें कें आवरहामको जका आसीस उ यिसु
क्रीस्टकी वांटसूं दुजादेसवाल्यां लोगांउपर आवें लेर
१५ जेंपिछ मतीतसूं करार करयोडी आत्मा लाधे। हे
भायां जं आदमीसरीको कउंतु मांनो आदमीको सरवंत
भर पें तो उ ठीक करयोडा जवांसूं उ निकमो करें
१६ नही लेर उंसूं कुछि बतोपिछ करेंगें नही। आवर
हामकनें वा उंका डावडांकनें करार करयो गयो उ डावडा
कनें मोकला वचनसूं कयो नही लेर एकवचनसूं थारा
१७ डावडाकनें अथवा क्रीस्टकनें। जको सरतंत भगवांन
कें करकसूं ठीक करयो गयो छे उंका च्यारसो तीस बरसां
पछें उपज्योडा जका वैरेंत उ जींसूं करार निकमोवें
१८ तिस्यो उ सरतंतनें निकमो करसकें नही। क्यांस जर
वैरेंतका उकरासूं वेठार मिलें तो करारसूं उ जेंा
नही लेर करारसूं उ भगवांन आवरहामकें दीनो तो
१९ वैरेंत क्यांतेंई वा आग्या वांधकनें जको उं करार ठैरा
योडा डावडाकें आंवणतांडी पिछाडी दीनो गयो लेर
फलकारासूं एक लोग बीचवांनका हाथसूं भजायोडो छे।
२० बीचवांन एक लोगको वेंगें नही लेर भगवांन एकं छे।
२१ तो वैरेंत कांई भगवांनका करारकें वेंरसो नही क्यांस
जर जीवनय देंववालो वैरेंत दीनोडो रेंता तो मुकर
२२ वैरेंतसूं सिध करयोडो जवो। लेर धर्मग्रंथमें सगला
लोगांनें पापकें आधीन करर बुंधेछें कें यिसुक्रीस्टमें
जका मतीतछें उंका उकरासूं जको करार उ मतो
२३ त्यांनें दीनो जाय। लेर मतीतको कयाकें आवणकें पेंलका

म्हे तौरेंतकैं आधीन ऊपर चोडैं वेवहार प्रतीतकैं होव
२४ ताडी जड्याछा । इंवेईं खीष्ट वेचालताडी तौरेंत म्हांको भणा
२५ वणवालो छो कैं म्हे प्रतीतसूं सिध कर्या जावां। पण
प्रतीत आयांपछैं म्हे भणवावालाकैं आधीन कोर रैंवाछा
२६ नहो। क्योंस खीष्टयिसुउपर जका प्रतीत उंसूं थे सगळा
२७ भगवानका डावडा छवाछो। क्योंक थाकैं बिचमें जित्ता
लोग खीष्टमें दुबोडा छा तित्तालोगां खीष्टनैं पैंरेंछै।
२८ यिहूदी नही यीक नही बंद नही छुटा नही मोट्यार
नही लुगाई नही क्योंक खीष्टयिसुमें थे सगळा एकी
छो और जर थे खीष्टका लोग छो तो आबरहामका
डावडा वा करारमाफक कोठारी छो।

४ चोथो पानो।—हूं आकथा कउंछुं केठारी जित्ता
दिन डावडा रहै तित्तादिन उ सगळाको धणी ऊपर
२ पिण चाकरसूं कांई आंतरो नही। पण बापासूं बिसैं
करेयोडी रीत पूरीहोवताडी गुरकें वा धणीकें वाबें रैंछै।
३ तिस्या म्हेपिण डावडाईकी रीतमें संसारीकें कामकें सूब
४ कें ताबें गोवाछा जेर रितको भराव छवांपछैं तौरेंतकैं
५ आधीन रेंणवालानैं छुटकारो करणवेईं भगवान लुगाईसूं
उपज्यो वा तौरेंतको आधीन कर्यो गयो आपका डावडा
६ नें मेल्यो कं म्हे याळोकड डावडो लाधां। थे डावडा
छवा इंवेईं बाभौर कैंर बुलावैंछै जको उंका डावडाको
७ आत्मा उंनें थांका मनमे मेल्योछै। इंवेईं अबाहेंसूं तूं
चाकर गोलो नछै जेर डावडो छवोछै और जर डावडो
८ छै तो खीष्टका वाहसूं भगवाननैं कोठारीछै। उं वेळा
थे जद भगवाननैं न जांणर जको साचो भगवान नछै वांकी
९ पूजा करोछै। जेर अबैं थे भगवाननैं जाणोछो पण
भगवानसूं जाणकारछो वद जीं निबळा वा निकमांकें कैवा

Digitized by Google

वतसूं थे गोलामें जवां चावोछो उंवें फिगाडीर थे वुं
१० फिरोछो। थे वदेक वा मास वा वेला वा साल मांवो
११ छो। थांका फायदामें जं डरंछुं क्याजायां में थांवेवेई
१२ भवा मेंनत करीछै वा निकमीछै। हे भाई जं थीवतो
करंछुं के थे म्हारा साधर्मी छो कींवे जं थांवो साधर्मी
१३ छुं थे म्हारो कुछि बिगाडो नही। थे जांणोछो के
पेवडा में डीलकी निवलाईसूं मंगलीक कथां थांवेवें
१४ चोडै करी म्हारा डीलमेंथीव जवो परखणी हो थे निवमो
जर मांण्यो नही और बिगरवाई करी नही और मव
थांवका एक दूतवरा हवो पण सांगी वीछ थिमुवरीके
१५ मनें लीनो। हवेई वो आनंदको वथा थे उंवेवा वदो उ
आनंद वठै क्योंके थांको वासधेलीमें जं सायदी देवुंछुं
कें जर आव्यां पेवदेव सकें तो आपकी आव्यायिव
१६ उपाडर मनें देवें। थांकेंकनें साची वथा में वहीछै उंदेई
१७ कांई जं थांको वेरी व्हेवोछुं। वे थांकेंकनें मोटो प्यार
देखालेंछै साची जेर चोखीतरें नथी वें म्हांनें वारदें वसी
१८ पण न चावेंछै के थे वांकेंकनें प्यार देखावो। थांकें वेंडा
म्हारें प्यार होवकोवेलामें चोखाकाममें प्यारहोवो ठीकछै
१९ खाली जो नही पण रेंगीनाखिव ठीकछै। हे म्हारा
मांनाडावडा वें जोंसूं खीछको मिकव थांमें उपजावको
२० डो जं दूजावार आधान होवकी पीड पांउंछुं। जं थांवें
कनें पोंचर दूजीतरें कथायां कयां चांउंछुं क्योंके थांका
२१ फायदामें मनें संदेव छै। थे जर तौरेंवकें ताबीव
२२ जवा चावोछो मनें कहो थे कीं तौरेंत सुणो नही। क्योंके
यो लिख्योछै के आवरहामका दोय डावडागा एक खाव
गोलीका पेटको उपज्योडो वा दूजो वडका पेटसूं उप
२३ ज्योडोछै। जको जोम गोलीसूं उपज्यो उ डीलका मव
सूं उपज्योछो जेर वडको डावडो करारसूं उपज्योछो।

Digitized by Google

२० थेर इव परमेठे थीत थो दैन्यु बरसंबठें येवला वीवारे
२५ बरबाला जिमई परबको बरबंब कडे बाबारा। थीव
थी बाबारा बर्‌गो देमबो जिमई परबठे थीर बबो
बर्णे विबजबम् मैको मिर्वठें वें जवेत बावहा बमीव मोचा
२६ दैर्मेठे। थेर बका म्हां सगवांबी माउ उपरबी थिर
२७ जबम् वं ठेवीवोठे थीव हबो बिबो मवोठे वें वी
पिमरबाबाबी बांमं बूं राजो वें वे ब्रिमरबबो बूं
मोठाबूं वेब उपड मोवि पिबबाबुमाईबा बाबडो
२८ बाप्रिम बुमाईबा बाबबाबूं बबी। थवे दि भावां विबो
विबबाबूगे विबोर बरारबूं उनबोठे बाबडो मैं ठे।
२९ थेर मिबो उं रीबमें मबो थेव बीबमबबव बबमी वें
थेम बाबामाबबव बाबबावें मठाबा बबोरे बबें है।
३० पव पमेयंबमें बोरे वेठे बबबा बूबा मिबोवें बाबडे थीव
मोबोमा बबबो मउपा बबबा मिमि बीबारी बबी नबी।
३१ इंबेरे दि भावां वे मोबोबा बाबबा बबी पव मउबा
बाबबा बो।

५ पांचमो पांवि।—इंबेरे बंबा टुर देर बीव बावें
पुडापाठें उवें पिबाब बो बेरर बीबाईबे बुबबाबूं
२ थीर बडबो मबो। दिबो बं मरबब् पांमें बा बबा मबे
टुं वें मर वी पुमबो वो बी बोडबी बोरबूं बांमें
३ बुदि पव बबो नबी। थीव बं साबवा दैपुंर वें
बावें बी बीमबी पुनव वेठे उ थेम बीरेंबबा सबबा बांब
४ बरबारबबो देबबरठें। बांबा बबी बोई बेरिंबबूं
लिब बबो बावठे उबेंबवें बीब बिबमो बांबो बपुबइ
५ बूं बब बी। थीव बबोबबूं बबो बबाबे बेठे उंबेव
६ मरोबीर मे बबी बरांबा उ बाबाबबू बबाबां। बोब

Digitized by Google

यिसुखोष्टमें सुनत कुंछि नहीं सुनत नकरबोपिन कुंछि
नहीं केर प्यारसूं काम करबवालो भरो प्रतीत बाई
७ सगळो। थे चोखा दौड्याछा लेकी थांनें साचमानबको
८ हिमाइत किन करी। जो थांनें बुलाया उंसूं या आवा
९ नहो। थिनमें गोळो सगळो चोदानें खाटो करेछे।
१० प्रभुका उक्रारसूं थांकेउपर मनें या प्रतीतछे के थांको
मन दूजाकानी न फेरसी केर जको थांनें गांठो कर
करेछे उ कोई होम को उको लोग न्यांवमें पावको फल
११ पावसी। हे भायां जोमिन पर सुनत करबी भखाउं
तो यठ लोको दुसमणी क्यों पावुं उ सीबसूं सुपनी
१२ हासलेजीपको बाबा खगी करी जावछे। म्हारो बणछे
१३ के थे पेमाळ थे के जको थांको मन पदावेछे। क्योंक हे
भायां थे छूटोवेई बुलाया गयाछा लेकी यन डोलका
चीछाकामवेई छूटको रीत मती करो केर प्यारसूं एक
१४ दोन दूजाएक लोगको सेवा करो। क्योंके समझो तोरेत
एक कथासूं परवारेछे वा कथा या के आपकें इतो आप
१५ जा पाड़ोसांनीका लोगांनें प्यार करो। केर जद थांवें
एक दोन दूजा एक लोगनें बाडो वा खाय न्यावो तो खिवें
चोथ केर आजोया एक दोन दूजाएक लोगनें नेमाळमें मिलो।
१६ इसेई उं या कहूं आत्मासूं रीत करो तो डोलको इच
१७ परवारस्यो नही। क्योंके आत्माका वैरमें डील कसी चावेछे
या डीलका वैरमें आत्मा करबा चावेछे ये दोनुं आपसमें
१८ वैरछे उंमें थे जको करां चावोछा उ करो नहो। केर जद
थे आत्मासूं चलाबोछा तो ता थे तोरेतकें आधीन नछो।
१९ अबें डोलका काम चोडेछे उ यो परस्त्रीगमन भारी
धकता संगत देवपूजा बोसोख्या बैरता भगडो सेवा
२० रीस केर मतानकीबरबो अधर्मी दुसमी चष्या मतवाव
२१ पनो नसरमको इंसादि जीकें बावदामें पेंथका कहोछे

जिसो मं पर्वे थानें जताऊंछु के जके ई तरेका काम करे
२१ छे वें भगवानरो राजरो हिस्सेदार न व्हासी । पेर आत्मा
का फळ में प्यार आनंद सुख मोळका हिमतोडो सेंवो
२२ गीलो दिल भलाई प्रतीतपणो । सेंवमाफक रीत करबो
२३ इनरेंमें कोई आग्या नहीं । जके मसीहका लोग वा इंद्रा
२४ वा संगतरें मेला डीलको अकवांको उपर मारीयोडें । जे
२५ मर आत्मसूं जीवांगां तो आवो आत्मामें रीत करां जे
आपकी प्रसंसा करबवाळा नहीं एक लोग दूजाकव लोग
२६ में रोसट करबवाळा वा एक लोग दूजाकी हिंसाकरब
वाळा नहीं ।

६ छठो पानो ।—हे भायां जद कोई मनखपणरा
दोषमें पडें तो थांमें जको परमेसरें आत्माका आपथिर
धीमत कलोडा छो सो ध्यानकरर गीयांसुभावसूं इनरेंका
१ आदम्यांनें फेर चोखा करो । एक लोग दूजाको भार उ
२ ठावो और इनरें तीरें मसीको काम पूरकरो । जोस
३ जर कोई कुछि न जयर आपनें मोटो करर मानें उ
४ लोग आपनें पेच देवेंछें । पेर थावें सो लोग आपका
कामको सांचतो देखो तद पेर बीजो लोगसूं नहीं पण
५ आपसूं आनंद पासी । क्योंके थावेंगीं लोगनें आपको
६ भार उठवो पडसी । जको लोग कथासूं भणाबोछें उ
णी लोग भणावबवाळानें सगळी चोखी चलांसूं हिस्सार
७ देवें । थे भरममें मती पडो भगवान भुकायो जायछें
८ नहीं जको लोग जकोर बावेंछें उ जंकोर भल पासी । जे
को दीस डीलबेर बीज बावेंछें उ डीलसूं बिनासीफळ
पासी पेर जको बीज आत्माबेर बीज बावेंछें उ आत्मासूं
९ अनंत आत्मानो फळ पासी । नेंफिर चोखोकाम करब
में य थका [illegible] आर न जावां तो बेळाहिर फळ [illegible]

५४ [illegible]
[illegible]
५५ [illegible]
५६ [illegible]
[illegible]
[illegible]
५७ [illegible]
[illegible]
५० [illegible]
[illegible]
[illegible]
५५ [illegible]
५६ [illegible]
[illegible]
५७ [illegible]
[illegible]
५८ [illegible]
[illegible]

Digitized by Google

पाउल् प्रेरित पावल रसिलिविपांकनें लिख्यौ सेवको।

१ पैहलो अंसो।

१ भगवानको बचन्‌ सिरुवातसौं पकआंटि पाउल् प्रेरि
ततया देवताको निर्णय सेवा वा सोट सिरुमें सिल प्रवी
२ वी वोम ठै वांसिकनें कागद लिखेडे। भगवान पहला
पामासूं वा प्रभु सिरुवोटसूं अनुग्रह वा सांति थांवै उ
३ पर वैं। मांडी प्रभु सिरुखोटवै भगवान वा पामी
वैं वै मीं लिखो संसारको मोम देंकवें वेंकदा थामें वोटनें
४ बन्न सराऊ वें पै निर्णय का यारसूं उवें वांमा किगर
यांमो वां विवेक धर्मेको मासमेलोमें वोटवे वांदसूं अम
५ वो परमार्थको भलोय हेर म्हांनें बालोय दोमोछें। वा
६ मीं कृपाकामीं अनुग्रहसूं म्हांनें भरर वीतसूं कारें कथा
सवें सुवोयो मनसावें वेहे पापका मनको हक्माकव
पावोटक डाकशापको पापवधें यास्य म्हांनें सिरुवीटका
७ अपराधसूं बाचवेंवेहें पेवका लिखें वणाछे। मीं बाका
सूं मे संस बोईसूं उंका अनुग्रहसूं वनवें माधव मुक्त अब
८ वा मायका भुडकारो बाबोछे। मीं अनुग्रहसूं उं स म
वो पवव मा याम चाहि अबद मोपको मीठो दावार अ
९ वेछे। मीं आवका भवमें मवा वव लिखें वरोछो वा म्हा
वेंकवें गुहराबें उवें भावव कपपा हदवामी पावोकको।
१० अबमा वें वेबावें भरोपुरी वेखवें पाच्मीपकमें उ धर्मे वा
सरतीमूं लिखा बधुवानें बोटमें भेंवो परसों थींमें

Digitized by Google

११ म्हेंपिण वें मसी आपर्ने मनवें सबा माफक सबका काम
करेंछे उंबीमर्जी पेंबडा लिखें मयर् वोठार आवेछे
१२ वें बीडवें पेंबडा हरवागव वे उंबी जुबीबी तारीफचेंई
१३ छें वींमें पेंपिण सांचलाबी कथा अथवा थांबो उधार देव
वालो मंगलीक कथा सुबर हरबो वीमेंछे वींमें वे
मथांपछें उ वरालचरलवाला बस्मीका उनिहारें गायस
१४ मतीव मोयोदा छे वें मसी उंबी जुवी वा तारीफवें
वाहूब उ वोजेंका वोठारवा गुदबारातेंबी म्हावें वोठा
१५ रबो भाईछें। इंवेंई मभुविसुमें थांबी मबा मतीव
१६ वा समवा पुवबीबाऊपर मबो प्यार वो सुबर उं आप
बी बावंबाबोविबा थांबो बाव वेर थांवेंवेई खुसी करवबें
१७ छेवूं मबो। वें म्हांवें मभु विसुबीठवें भगवांन अथवा
जुवीबो बाभो बीठबा ग्यांनसूं ग्यांनदाता बा वोडें आत्मा
१८ में थांनें देवें वें थांबी मबबसरीबा आंख्यां चांवबो थवां
पछें वे जांबो वें उंबा बूलावबसूं मबों भरोसो उ भरोसो
हो कांई दूजापुबवांन लोगांसूं आपका वेज्ञारबी
१९ जुवीबो माया उ कांई। मवे समबा मोटा बबियां
बीठवें बिबावें वोडें कथा उं माफब हतवार करबवाला
मवें वे म्हांवें ऊपर उवें मोमबी मीमबी मोठो बबाई
२० कांईर छें वोर बीठनें मोतसूं उपाडबसूं वा समबो
राज वा बल वा सामथं वा बबियाव वा ई संसारमें
२१ बाबी मबी फेर चोवबाबा संसारमेंपिण मवें बावेंबो
नांव कथा बाछें वां समबांसूं मोबबा उंबा बमेंबी जागामें
२२ आपवें बोबबा उवें वेठावो वोर समबा उवें पगांवें
नीचें कथा वोर ठेबोबेई उवें समबांवें बबी होबवें
२३ बिबें कथाछें वें मबो उंबो डील अथवा मबो समबांबें
समबो परवारेंछें उंबो परवारबो।

Digitized by Google

२ दूजोपांनो।—ओर थांनें उं जीवता करया वें भला
२ आम्या लांबतसूं वा पापमें मयाला वें बीमें. थे पेंलड़ी
वेलामें ई संसारकी रीतका मापक आकाशकरोया बल
को राज अथवा ममांनवाला डवडामें काम करवावाला
३ भका आला उंकें मापक थे आचार करेला। व्यांमें
डीलकी वा मनकी इच परवारवावाला ने पेंलड़ा आपका
डीलकें कांमसूं रोज करो वा दूजार लोगांकें इसा आप
४ वा सुभावसूं क्रराधकें लायक डावडा ला। पेर भगवान
५ वें भलो कृपासूं मायावांनलें आपका भलो मोठो कृपासूं
मांनें प्रेम करेगो उं प्रेमसूं ने ओवेंका पापसूं मया
ला उंडेवला खीष्टकें भेला मांनें जीवता करालें अनुग्रह
६ सूं थांको उबार। ओर मांनें भेला उठालेंगे वा खीष्ट
७ यिसुमें सरगंकी जागामें मांनें भेला बेंठायालें। वें
खीष्टयिसुकी वांसूं उंकी भला कृपा मांकें उपरलें उंसूं
होवलार समवमें आपका कृपा उखिधारें मोलकी मे.टि
८ माया पेदें करें। क्योंक परतीतसूं थे अनुग्रहसूं उबार
पायेलो उ प्रतीत आपसूं नहो पेर भगवांनका देवासूं
९ कांमसूं पिल नहो आपांका कोई सेखी करें। क्योंस मांकें
रीतवेंई भलो चोखोकाम पेंलड़ा भगवान सिखें करोलें उ
१० चोखोकाम करवनेई ने खीष्टयिसुमें उपजर उंकी करोडी
११ बणलें। ई कारण पिवारो वें हाथसूं करोडो डीलकी
इंतरें आदम्यांमें निक्षावडीलकी भला सुतन उंसूं निमर
१२ सुनतरिया डोलकें दूजादेशवाली भलें थे पेंलड़ा पुलमें
ला उंडेवला थे खीष्टविना यिसराएलकें बरोबर कोठारी
पवासूं अलगा सोन वा करार उखिधारें सरतंवनिगर वा
१३ विनाउमेद वा भगवांननिगर सोन संसारमें ला। पेर पें
लड़ी पुलमें अलगा रेंवावाला अबें थे ला अबें थे खीष्टयिसुमें
१४ खीष्टका लोईसूं नेंडा ल्यायोडाले। क्योंस उहो मांको

Digitized by Google

[illegible] वी [illegible] करर पापमें जिवमें दोयसूं एक नवा
१५ [illegible] करयोहै ओर [illegible] उन्हांसवूं उं बेरमें मार
[illegible] उंवें उकरायसूंपिव एव [illegible] दोयवो भगवान
१६ भेसे भेव करवगेहै आपवा [illegible] उ बेरवाने [illegible] आया
सूं चेयो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
दोयाने एव [illegible] ओर म्यारा करवावाळो [illegible] भीव
१७ भांजवावोळें। ओर पायर पवनमाळा रैवावाळा बादेंवनें
१८ वा मेंहावाळा बादेंकवेंविव [illegible] छंडेरा कमोळें। ओव
उंको बोहवू बघावनें एव [illegible] [illegible] दोवावें भोव
१९ वा मारगळें। इंवेंहै मवें पे हूजे म्यारो माव वा करदेवो
२० नहीं ळा दिर पुन्यवानांनें एव मारवें वा भगवांवनें
[illegible] ओरन वा [illegible] पायो ओवयो पुवो [illegible]
[illegible] वा निमितिवासरोयो, ओवपा उपर [illegible]
२१ कमोहा ळे। वें ओवें विपमें [illegible] [illegible] ठिव
मानव सोठउ [illegible] प्रभुमें एव [illegible] [illegible] रैविवार
वथा वा ओवें विवमें वे पिव [illegible] उकरावडूं
भगवांनकी रंवपि एव मामा होवयेहै भेवि सांठ कयो
हाळे।

३ तीजो पांचो।—इंवेहै दूजादेवावाळो पांवेंवेहै वें
२ पाउव् विमुबोतको बंदिवान ठुं। ओव पावेंवेहै म्यांवेंकों
भलाई भगवांनवें अनुग्रहसरोवो [illegible] [illegible] [illegible]
३ कथा पे सुवोळें वें उं पोहें करर वो प्रांत विवम मवें [illegible]
४ ओर विजो में पेंबका बोडो [illegible] वा [illegible] [illegible]
सूं बीछका तंत बासवेकीसूं म्यारो [illegible] [illegible] [illegible] ओव
५ सकयो। वें मवो आमासूं उंका पुन्नवंव [illegible]
वा निमितियांकनें जियो वनें पोछेंळे विवो ओर समवमें
६ मादम्यांवनें पोहें नळे। मपवा वें मंगवोव [illegible]

Digitized by Google

दूजादेसवाळा चोखारका साझी वा एक डीलका अंगिया
वा चोटसूं उंको अंगीकार करारमें उंका सरीक असी।
७ जींको एक सेवक हूं भगवानको अवे अनुग्रहसरीखो दान
मनें दीनो गयोछै वा उंका बलका फायदावंत करवामें
८ पिण उंमें माफक करयो गयोछुं। सगळा पुन्यवानासूं
न्हानो अवो हूं मनें यो अनुग्रह दीनो गयोछै के हूं न्यांव
के वारयें अवो बीछको धन उ दूजादेसवाळ्यांकनें ढंढेरो
९ करूं। अवर यिसुखीष्टके वरबसूं सगळांनें उपजाया
जीं भगवान उंमें संसारके ठेटसूं अवो वत पाछोबड छेय
हुं पालोबड करारको अवो बराबर पिराछ उ सगळां
लोगांकनें दिखावकरीयो, अयो बोधो या सर्वाविच
१० मनें दीयो गयोछै। वा न्हांका प्रभु यिसुखीष्टमें अवो
सनंतनेम भगवान करयोछै उं माफक भगवानको मोखवी
११ सरेंको न्यांन ढांबीयी वांहसूं वगेरी आगाको राज वा
१२ योचकमें सबें गुदरायो जाय। जींको पासबेलीमें हव
वारकेपिण उबरायसूं ने विडर वा भावचसूं सांमो
१३ आवको बोठार जाबांगां। हूं यांको मनाई करवा
यावेंवेई म्हारो अवो कष्ट वे उंसूं न थक्यो कर
१४ सप करूंछुं। इंसेई म्हांकें प्रभु यिसुखीष्टके बाभाके
१५ मैंडा हूं गोडो माडुंछुं। के जींका नांवसूं सबेका वा
१६ धरतीका सगळा कबिला मलिबछै वें उ आपकी
भूलीके मायामाफक आपकी आत्मासूं मांयला वडेराके
१७ योपसूं बळवंत करयोडा होवबें चावें देवे कि सचीसूं
१८ खीष्ट थांके मनमें बसें और थारे प्यारसूं अडबगे वा
१९ थाठो नींवजयर सगळा पुन्यवंतां भेळा समझसको के
लंबायच कितो वा चोडायच कितो वा उंडायच कितो
वा उंचयचो कितो वा में चे खीष्टको प्यार जांणो के अवो

मांवसूं मोठोठै कोर वें भगवांवका भरोपूरोपवसूं पे
२० भराप्पूरा वो। अवें वीं म्हावें विचारोंं आपवो फायदा
वालो पींचवें मावव म्हांवी पावबासूं वा चिंता करवसूं
२१ मोकला वत्तो करवानें पींचवानठै उवें खीष्टयिशुवें उकरासं
सूं समवा पीढिपीढि अनन्त वेवावोडी टावोमें स्तुती दें।
आमिन्।

१ चोथो पावो।—अवें जं वें अवो प्रभुको वंदिवांव
२ थांसूं वोववी कवंहुं वें वे समवा वीववी वा वीवाई वा
मोवला दिन सेंर आपतमें प्यार सेंववाला ऊपर विगर
३ वेंरवी डोरोशी वंधवसूं आत्माको एकताई वेवा करवावें
४ उपम करर ये जीं बुलाववसूं बुलायोडा गो उं बुलावव
वावव रीव परवनें देगमे कहो। वे जीं बुलाववसूं बुला
वोडा अथाठो उंवा एक आसोसूं पें जिसा बुलायोडाठे
५ विसो एक डील वा एक आत्मा वा एक प्रभु वा एक प्रतीव
वा एक डुवो मारवो कोर सगवासूं उंचो वा संगवांमें
६ पववोडो वा यां समवांवें विचमें रेंवणवालो सगवांवो एक
७ भगवांन वा बापठै। बेर वोरवें दांनवें प्रमाणमाफिक म्हावें
मावेंशी वोमनें कपादोनी गईठै कोंस उ कठै वें जद उ
उंचरमें उपवो वद उ लुटनें लुटायर वेवधो वा आदमांवें
८ दांन दीनो। उ उपर गयो उंवो उंवेंविगर कांई अर्थठै वें
९ उ पेंवला धरतीवें विचवोहि निचे भागामें उतर्यो। गयो
उवयो उ उंवी वोव वें अवेर सगवांमें भरवाएववेंर्ई
१० सुरगवा सगसुं मोवला उंचामें उग्या। कोर वूं्वंव
कोमंवो परवारवेई वर सेवावें कांमवेंवेई वा खीष्टवा
डीववें परवाइवेई उं वितव वोग चववारी वा वितव
विमानिया वा वितक लोग मंगलोपकथा केववाला वा
११ वितव दयाला वा भयवाला दोया। वें म्हे समवी

भक्तिको सफताई वा भगवांनका डावडाकी मासबेळोमें मांय
१२ बसूं अदसोडो पूरा आदमी अथवा कोठका पूरापणको
१३ लांबाईको प्रमांण मवांवें कें म्हे इंयठें डावडा न वां और
आदम्यांको अणो भूळावो वा खोटी मणंकसूं वें भुळावदेंयनें
ठिपायोडा रेंठे उंसूं बावेंलो मवावकें सरीखा वायरासूं
१४ उंधासुंधो न फुं । पण अणो मायो अथवा बीक म्हांका
१५ प्यारमें सायो कथा कैतार समबोवरेंसूं उंमें वधें वें
वींसूं सगळा डोव ठीकमायक वोडो वा बावेंगी गिर
१६ वका सरतंत करवसूं उ बावेंसो विराक आपवें प्रमी
वसूं आपकोर कांम सिव करवसूं प्यारसूं आपवें पगर
१७ वधावणवेई डीवगें वधारेंठें । इवेंई ऊं प्रभुसूं कऊंठुं वा
उंको सावतो देवुठुं कें थे इंयठें ओर दूजादेसवाळ्यां
इसो रीत न करो कें अवे आपका मनका वाळोमसूं चावें
१८ ठें । वा वांकी बुद्ध अंधारासूं भरर आपवें विचमें
रेंवावाळा अंधायवासूं वा आंपका मनका डोफाईसूं भग
१९ वांनको जीवतव्यसूं ख़िपरविपर वेंठें व्वां जिसवाय ऊपर
मोकळा ळाळचसूं सगळो भिपडकाम करवनें सेंपाई
२० सूं आपनें भळावीठें । अेर म्हर थे उंको यवाळ
२१ सुण्यो कें वा यिसुमें जिसी सांतरठें तिसी उंकी मास
बेळोमें तालीम व्य स्वो तो थे इसा सीखवें नई
२२ सीख्योठे । फेर पिष कऊंठुं कें पेंकडाको चवकमें अवेंर
२३ कें उंको मासबेळोमें उ कपट समळाया माफक मेंकेलेदा
आदम्यांनें ठेडें वा थांका मनका चवमसूं नवो बणो
२४ जाओ । ओर थे नवो आदमीनें पेरो कें अणो भगवांवकें
२५ सरीखो यायार्थ वा साप पुन्यमें उपण्योठें । इवेंई थे
वठीचयां वेंबी ठेडर बावेंसो लोग आपवेंर प्यारा
वाभी रेंवावाळावें भेळा सायो कथा कहो कींःस म्हे
२६ आपवमें अंगठें । थे रीसमें ऊपर पाप मतो करो थांको
रीस रेंतां सूरज पथ नहीं ओर मोडावें जामा मती

Digitized by Google

२७ दीज्यो। जो लोग चोरी करतोहै उ फेर चोरी न करैं
२८ लेर बस आपका हाथसूं मेंनत करर चोखेकाम करैं
२९ के म्हारानें देवनें उवें कुंहि बखी दें। कोई खोटी
कथा थांका मूंडासूं न निकलें लेर सुणवावालांको फायदो
जीसूं दें इवेई धर्मवधारणकको अका कथा लौ कहो।
३० भगवानके धर्मात्मानें दुखवान मती करज्यो के जीसूं थे
३१ मुक्तकरणके दिनताईकी छापसूं चेप्योड़ा छो। समली
खारी कथा वा बजराव वा रीस वा भगड़ो वा नींदोबेको
३२ वा दुष्टपणो थांसूं अलगो दों। और आपसमें प्यार
वा दयावान हो जिसो खीष्टकेवेई भगवान थांनें माफ
कयोहै जिसा थे आपसमें माफकरणवाला हो।

५ पांचमों पांनो।—इवेई वाला डावडाईसा भगवानका
१ पिछाडियावावाला हो। और जिसा खीष्ट म्हांनें प्यार
कयोहै वा एक उपसर्ग वा बलीदान भगवानकनें सुगंध
वासरीखी आपनें म्हाकेवेई भलायोहै तिसो थेपिण
२ प्यारकी रीत करो। लेर सांधाई वा समला नींठो
काम वा लोभ जिसो पुन्यवानांके बिचालें छें समखो
कथा न लेबो ठीकहै तिसो एक वारपिण थांके
३ बिचालें या कथा न कही जाय। औरपिण गैरलोक
वा मसखरीको कथा वा हासको कथा ठीक नहीं लेर
५ खुसी करणो ठीकहै। क्योंस थे जांणोछो कें खीष्टकें वा
भगवानके राजमें कोई व्यभिचारी अथवा सोधो
कपटी लोभी के अको देवपूजणवाला लोगांको ठौर
६ मठें। कोई निकामीकथा केर थांनें नभुलावें क्योंस
वां समला कांमसूं भगवानको रीस न माननवाला
७ डावडाउपर आवेहै इवेई वांके भेला सरीकी मतीहो।
८ क्योंस कुंहि दिनांके पेहला थे अंधार हो पण अबें प्रभुमें

Digitized by Google

९ चांनणा रे हुंसुं प्रभुनें प्यारे करबर्के कामको साईदी
१० देतार चांनणाका कावडांवें इसा चालो। क्योंस आकावे
११ फल सगळी भलाई वा सिवाई वा साचमेंरे। अंधारा
का निष्फलकामवें मेळा क्युंयि बगवाड मती करो वेर
वांनें भांडो। क्योंस अवो लुकोडो आंगामें वांसुं करो
१२ आवरे उंको वेंवाई लाजको कारबरे। वेर अवो बिगर
१३ ठीकरे उ चांनणामें चोडें वेरे क्योंस अवो चोडें वरेरे
१४ उ चांनणो। इवेरे उ केरे के हे सुतोडा जाग मेलसुं
१५ उपड वेर ख्रीष्ट तनें चांनणो देगो। पीरो चोंटा जुवो
रे इवेरे निर्बांन के थे डाफासरीया मती वेर बुद्धि
वानसरीखा घेरो फायदावंत करता सावचेतीसुं चालो।
१६ इवेरे डोफा मती बण्यो वेर प्रभुकी राजीपण काईर को
१७ जानकार-को। वेर दारु वें जींसुं पगर वतो पीवबोरें
१८ उंवें पीवबसुं मतवाला मतीबण्यो। वेर गीत वा
१९ स्तुतीको गीत वा परमार्थकी गीतकि कथा करतार वा
गावतार वा आपका मनसुं प्रभुके उपर राजि करतार वेर
२० म्हांवें प्रभु यिसुख्रीष्टका नांवसुं सगळी वस्तवेई भगवांन
वा बाभाकनें स्तुती करतार आमांसुं भरपूरा वो।
२१ वेर भगवांनका बीहसुं आपसमें आज्ञाकारि वो।
२२ हे लुगायों थे जिसी प्रभुके आज्ञाकारी वो तिसी आपकार
२३ धणीको आज्ञाकारी वो। क्योंस डोळको तारणवालो ख्रीष्ट
वा जिसो उ टोळीको माथोरें तीसो धणी लुगाईको माथो
२४ रें। इवेरे जिसो टोळी ख्रीष्टकें आज्ञाकारीरें तीसो पावेंसो
२५ वातवेंओमें लुगायां आपकेंर धणीकें आज्ञाकारी वें। हे
धणी जिसो ख्रीष्ट टोळीनें प्यार करोरें वेर पांणीसुं जि
२६ सा धोवेंरें तिसी कथासुं उ साफ करर उंनें निर्मळ करव
२७ वेई वेर दागा अथवा संकोच अथवा वेर कुंयी इं उवि
हाराको न रवें पण उ चांनणो टोळी वें इंवेरे आपकेंकनें

Digitized by Google

हेंवबेई घेर उ लिउ वा विगड्मैन रोखबेई आपनें उंकेबेई
२८ वोनोठें तिसो आपकी लुगाईनें वे प्यार करो। जिस्या
भोत्यार आपका डीलनें प्यार करेंठें तिसौ आपकीर बड
नें प्यारकरबो ठीकठें अको लोग आपकी कउसुं प्यार
२९ करेंठें उ आपनें प्यार करेंठें। क्योंक कोई कोबीनेंका
आपका डीलको तिरस्कार करो नहो लेर जिसो प्रभु
३० टोलीमें करेंठें तिसी उंकी पालन वा रक्षा करेंठें वे
३१ उंका पेटा वा मांस वा हाडको अंगठें इंमेई आदमी आप
का माउ बापनें न हेर आपकी लुगाईकनें रेसी क वे
३२ दोन्युं एक डील हसी। या मोटी उंडी बाताठें लेर मोठ
३३ की वा टोलीकी बाबतेमें कउंहुं। पण विशेष
थांका बावेंसो लोग आपकीर लुगाईनें आपकें जीतवे
इसो प्यार करो वा लुगाई जिबेंवाल थे बे आपका धणीनें
मानें।

१ छठो पानो।—हे डावडा प्रभुमें आपका माउ-बापनें
२ मानो क्योंक ओ ठीकठें। करारमाफक पेंलडा आग्याठें
ओ ठें कें थारो मंगळबेई वा धरतीमें मोकला दिन थारें
३ रेंवबेई आपका माउ बापकी मर्याद करो। हे बापा
४ थेंपिण आपका डावडांनें रीसटी मतो करो लेर भग
५ वानकी सीखसुं वा सोचसुं बांनें पाळो। हे मोट्या
अको थांका डीलका धणी थे बीक वा धुजसुं वा जिसो
खीष्टनें मानो ठें तिसो आपका मनकें फेरावर बांनें
६ मानो। आदमीका राजी करणवाळाकें इसा सामीसेवा
करणसुं सो नहीं लेर मनसुं भगवांनकें राजीपण काम
७ करवा खीष्टकी सेवका इसा करो। अकेर चोखा
काम अको कोई करेंठें उ मोलो हें अथवा ठेलो हो प्रभु
८ सूं उंमाफक फल पासी या जांणर जिस्या प्रभुकनें बेर

Digitized by Google

आदम्यांकनें नही ईश्वरनें राजीसूं सेवा करर थांकी कर्या
९ मांनो। ई भ्रमी थांको एक भ्रमी जको स्वर्गमें छै वा उंकें
कनें पाखओखो नही वा आंखर दवबावबसूं फेररेंर ई
१० उंकें उपर उमेदरें करो। ई भायां सप थांकें प्रभु वा
११ उंकी पोंचका बलसूं बलिया वो। वा भगवानको
सगलो सरंजाम पेरो कें शेतानकी समकी तालवा देषणनें
१२ थिया थे निस्चल रवो। क्योंक मांस लोहभेलो म्हाकी कु
श्ती नछैं पेर राय वा बल वा इंसंसारके अंधाराको आ
मन करखवालो वा स्वर्गकी जागामें जका आत्माकी दुर्जन
१३ प्रमाको भेलोपिय नें कुश्ती करांछां। ईवेई भगवानको
सगलो सरंजाम लेवो कें थे बाट़ीदनाकेंवेला थड सको
१४ ओर वा सगला करमांसूं कें थे निस्चल जय सको। इंसूं
थांकी कमर साचसूं बांधर वा सिज्ञाईको बगतर पेरर
१५ वा कुशलकी मंगलीककथा उद्यम करोषो पगरखी आपकें
पगांमें देर ओर दुर्जनांका सगला बलवाऊवां सर
१६ बुझावणसकयो ईवेई परतीतकी ढाल सगलांकें उपर लेर
१७ निस्चल रवो। ओर उध्यारको टोप वा आत्माकी यानी अय
१८ वा भगवानका वचन लेवो ओर सगली याचना वा आत्मा
में करता थाका मेनावल ओर सगला निर्मल लोगांवेई
वा म्हारेंवेई कें भीं मंगलीककथाकेंवेई जो बांध्योडो उ
१९ ओलखुं उं मंगलीक कथांको खुलासेठो कथा चांडे कारण
वेई जो आपको मुंडो खोलर निडर कथां केंगको मुंडो
२० थायुं कें मनें जिसो ठोकछें तिसो डोफासूं कवं वा याचना
वेई संखोम होयमें पेरो देर रोओना याचना करो।
२१ म्हारो सगलो हवाल वा जं जको करूंछुं थांको उ जाणणवेई
म्हंको प्यारो भाई वा प्रभुमें इतबारकरणवाला सेवक तिखी
२२ कस म्हांको सगलो [illegible] थानें जणासी कें जींनें में थांको
२३ मन धावरी करणवेई मेल्योछें उ थानें सगलो जणासी।

Digitized by Google

भगवान बाप्रासूं वा प्रभु यिसुखीष्टसूं कुशल वा प्यार वा
२४ प्रतीत सगळा भायांकनें हो। जितना लोग मनका सुधा
पणो प्रभु यिसु खीष्टनें प्यार करेंछे वांकें ऊपर अनुग्रह
हो। आमिन।

फिलिपियांकनैं पाउल् जको कागद लिख्यो ।

१ पैलडो पांनो ।

१ खीष्ट यिसुमैं फिलिपीका जित्ता रैंणवाला निर्मललोगां
नैं वा भंडारकांनैं वा दिकनांनैं यिसुखीष्टको सेवक पाउल्
२ वा तिमोतियस् कागद लिखैंछै । अनुग्रह वा सांति म्हां
का बाभा भगवांनसूं वा प्रभुयिसुखीष्टसूं थांकै ऊपर हो ।
३ जीं थांकै बिचालै चोखाकांम सरू कर्‌याछै उ यिसुखीष्टकै
दिनां तांडी उ परवारसी जं हूं बासबेकीमैं बिगर सन्देह
ऊपर रागीसूं रोजीना याचना करतार थांका फायदामैं
४ म्हांरैं चावैंसा प्राथनामैं थांकी बासबेलीकैं चावैंसो पिता
५ रसूं पैंलडा दिनांसूं आजतोडी मंगलीक कथांमे थांकै
६ बरोबर हकदारीसूं आपका भगवांननैं खुसी करूंछुं ।
७ क्योंस थां समलांकै बासबेलीमैं बा मनमें ल्यावबो मनैं ठीक
छै क्योंस म्हारो बांध्यो जांणो वा मंगलीक कथांसूं निर्ब्बै
करबो वा ठीक साबतो देंबो यां दोयांसूं थे म्हारा साथी
८ डा अनुग्रहका भरीको छो इसूं थे म्हारा मनमें छो । क्योंक
भगवांन म्हारो सायदोछै कै यिसुखीष्टकै मनकी प्रीतसूं जं
९ थां सगलांनैं चांऊंछुं । ओर जं या याचना करूंछुं कै
ग्यांनसूं वा सगला ध्यांनसूं थांको प्यार पग२ बधे कै जबैर
१० बासबेली चोखीछै थे वांनैं सरावो ओर यथार्थके फल कैं
११ जकै यिसुखीष्टकी बाटसूं भगवांनकी माहातम वा कुतिकैई

Digitized by Google

हैं वां फळांसूं भरयापूरा, जयर खीष्टवें दिवतोडी
१२ पाधरो मन वा न खटकाखवाखा हो। खेर हे भायां मं
थांनें ओ जानकार करखनें चांउं कें म्हरें उपर जकोर
आंणपडो छे वे मंगलीक कथांकें सफल होखवेई पख
१३ छ्यो छे क्योंस खीष्टमें म्हारो जको बंधख छे वें बंधख
१४ राजका घरमें वा खोर सगली जागामें चोडे छे खोर प्रभुमें
जकेर भाई छे वांकें बिचालें मोकला आदमी म्हारा बंधखांमें
धाडसी जयर निडरसूं कथा केंखनें वत्ती हिम्मत करें छे।
१५ कोईर खोटाप्रक्रतसूं वा बेरसूं खीष्टको ढंढेरो फेरें छे
१६ सहो वा कोईर मनकी चाहसूं पख उ करें छे। जको
बेरसूं खीष्टको ढंढेरो देवें छे वें पाधर मनसूं नहीं देवें
छे खेर म्हारें बंधखाकें उपर खोर कष्ट देखनें ठेरायर दे
१७ वें छे। खेर जं कें मंगलीक कथांकें थापनवेई निश्चें
१८ दुजोतरेंका खोग वें जांखका प्यारसूं वे करें छे। तो कांई
छलसूं हो अथवा साचसूं हो खीष्ट विख्यात छे ईवेई जीं
किखो उनिहारें हो जं उंसूं राजी करूं खोर राजीपिख
१९ करसुं। क्योंस जं जांखुं छुं कें में जका वत्ती बाडेजाई वा
भरोसो राखुं कें कांमेंईपिख खाजवाखो नहीं हुसुं
२० खेर जिखो रोजीना तिखो अबेंपिख। जीवतांमें हो
अथवा मोतमें हो कें सगली हिम्मतमें खीष्टको स्तुति
म्हारा डीलमें जांखी जासी उं भरोसाकें माफक थांकी याच
नासूं खोर यिशुखीष्टकी आत्मा देंखसूं ओ म्हारा उद्धारको
२१ उपगार करसी। क्योंस मनें जीवतो रेंखो खीष्ट छे वा
२२ मरखो लाभ छे। खेर जर जं डीलमें दिनकाडुं तोपिख
म्हारी देंनगीको ओ फायदो छे खेर जको सराखुं उ जं
२३ जांखुं नहीं क्योंस बठें रेंखसूं मोकलो चोखो जको लखो
वा खीष्टकें भेलो होखो उंसूं चावखाखा जयर जं दो दोरां
२४ सुं दोन्युंकांनी ताख्योडा छुं। खेर डीलमें रेंखो थांकेवेई

Digitized by Google

२५ अधिको निखें छे। और इमें निश्चल मन ऊपर कं आंगुलु
कें मनें रैंबो करी वा थांकी प्रतीतसूं उपज्योडा आनंदका
२६ मगर वधतीकें कारण मनें थां सगलांकं भेलो रैंणो पडसी
कें थांकेंकनें दूजीवार म्हारा आंयसूं म्हारेंवेई यिशु खीष्ट
२७ में थांको आनंद मोकलो वधो छें। फाली थांको चाल खीष्ट
को मंगलीक कथाकें लायक अको छें सो करो कें हूं थांकें
देखबनें आयर अथवा गैरहाजर रैंर थांका खबर सुणनें
पांवु कें थे एक आत्मासूं वा एक मनसूं मंगलीक कथाकें
२८ प्रतीतकेंवेई उद्यम करतार निश्चल रहो। और थांका
वैरांसूं कोमेंईपिण डरनवाला नहो कें अको वांकेंकनं
समजावोजको चोडें अक्षण छें लेर थांकेंकनें उद्धारको लक्षण
२९ अथवा भगवांकनें करणसूं उद्धारको लक्षण छें। क्यें म
अका राड थे म्हारेंमें देखी वा म्हारेंमें अको अवारंपिण छें
३० का सुणबें पावो छो। थांनें खीष्टकी बाबतेंबीमें उमें
प्रतीत करबनें दीनो गयो छें फाली ओ नही पण उंकेंवेई
कष्ट भोग करबनेंपिण थांनें दीनो गयो छें।

२ दूजो पानो।—इंवेई अको खीष्टमें कुंहि धासरी
छें वर प्यारमें कुंहि सुख छें वर आत्मामें कुंहि एक
१ सुभाव छें वर कुंहि चेह अथवा दया रहें। तो थे बरो
बर प्यार करर और एक सोभणो वा एकमन ऊपर एक
२ सोभणवाला होयसूं म्हारो आनंद परबारो। वैरसूं अथवा
लागी तारीफसूं कुंहि न करणो आय लेर मनका नागाई
सूं चावेंसो लोग दूजावोगनें आपसूं चोखो समझें।
३ चावेंसो लोग वाको आपको मंगल सोभणा न करर लेर
४ चावेंसो लोग दूजाको मंगलनेंपिण सोभणा करें। इंसूं
५ अको मन खीष्ट यिशुमें छो उ थांमें छें कें ओं भगवानरूपो
६ कपर भगवांनकें बरोबर होयो चोरी समजा नही।

७ पण सेवाको सूरत कपडर वा आदमीकी सूरत बनर आपनें
खाली कर्‌यो वा आदमीकें उणिहारें ऊपर मोतके आज्ञाका
८ री ऊपर अथवा क्रूसवांकी ऊपर मरबो आपनें नीचो कर्‌यो।
९ इंवेई भगवान उंनें मोकलो मोटो कर्‌योछै वा सगला नांवसूं
१० मोटो नांव उंनें दीनोछै कें यिसु नांवसूं स्वर्गकें वा धरतीकें
११ वा धरतीकें नीचला प्राणीसो गोडा झुकासी। और भग
वांन बाभाकें बडाईवेई यिसुखीष्ट अको प्रभुछै आ प्राणीसो
१२ जीव आरे करसी। इंवेई हे म्हारो बाला थे जिसा म्हारी
हजूरमें छा वाली सो नही लेर अबें म्हारें गैरहाजरमें
थे रोजीना बना आग्याकारी छाछा तिसो बीह वा धूज
१३ णसूं आपकी उद्धार आंजाम करो। क्योंस जो आपकी
रचसूं थानें इच्छा करबनें वा कांम करबनें वैबीनछै उन्नो
१४ भगवांन। कचकच वा झगडाबिगर सगला कांम करो
१५ कें थे जों बाचा वा बेटोमारग लोगांकें बिचाकें संसारकें
चांनणाइसो दीवा देवोछो वां लोगांकें बिचाकें बिगर खोमी
वा हिंसा न करबवाला ऊपर बिगरखिन्दाहपी भग
१६ वांनका छावडा हो। औरपिण थे जीवतव देबवाला बाचा
चोडें करबवाला हो कें जं ख्रीष्टकें दिनमें राजी करूं कें जं
निकमो दोड्यो नही- और निकमीपिण दैंनगी करी नही।
१७ अको जंपिण थांकें प्रतीत उणिहारें बलदानकें वा सेवाकें
ऊपर पांखीकीवरं कूद्यो गयोछुं तोपिण थां सगला
१८ भेलो जं आनंद वा राजी करूंछुं इंवेई थेपिण म्हारें भेला
१९ आनंद वा राजी करो। लेर जं थोडा दिनपछै तिमोथि
यसनें थांकें नेंडो मेलबनें प्रभुयिसुमें भरोसो करूंछुं कें
२० थांको चलब आबर चोखोमातरी जवुं। क्योंस उवें
इसो मनवालो कोई लोग म्हारें नेंडो नछैकें अको आपकी
२१ सुभावसूं थांकें फायदामें चिंता करसी। क्योंस सगला
कोई आपकीर बस्त लोभना करेंछै वा यिसुखीष्टको

२२ मकोर उ सोमें नही। अेर उंको साचता थे जांणोगे
कें जिसो बाभाकें भेलो डावडो तिसो उ म्हारें भेलो मंग
२३ लीक कथांकी सेवा करीगें। इंवेई म्हारो कांईर जसी
उ जांणकार ऊपर थोडा दिनांपछे उनें मेलणको आं भरो
२४ सो करुंहुं। अेर आं प्रभुमें मतीत करुंहुं कें आंपिण
२५ थोडा दिनांपछे जांण पासुं। पण म्हारो भाई वा एको
कार वा एकोफौज अेर थांको हलकारो वा म्हारें भारा
पणमें भलो गावणवाला इपाफ्रोदीतसनें मेलणो में जिसें
२६ समज्यो। क्योंक उ थां सगलांबेई उपमी गो अेार घे उवें
मांदो होणको खबर लाधी उ मोकलो चिन्तावान गो।
२७ उ मरणलायक मांदो गो सही पण उवें उपर भगवान
की दया गी अेार थांकी उकें उपर वही अेर म्हारें उपर
२८ पिण गी कें मनें सोगउपर सोग वहें। इंवेई में उनें
वत्तो यतनसूं मेल्योगें कें उंसूं फेरदेखणसूं थांको राजी
२९ वें वा मनें सोग थोडो वें। इंवेई थे मोकला राजी ऊपर
उनें प्रभुमें आदर करो अेार इंतरेंका आदम्यांकी मर्यादा
३० करो। क्योंस म्हारेंकनें थांकी सेवा जका घटतीगी वा पूरो
करणनें उ आपको जीव निकमो जांणर क्रीष्टका कामसूं
मोतको नेड़ो गो।

३ तीजो पानो।—साच थे भायां थे भगवानमें आनंद
करो वाई वथा वारर थांकेंकनें लिखणो मनें तालीफ
२ नही सही अेर थांको बचावो वेंगे। कूतरांसूं निघेंवान
रहो खोटाकामकरणवालासूं निघेंवान रहो वा काटनांखण
३ वालांसूं निघेंवान हो। क्योंस म्हे सुनती गां कें जका आत्मा
सूं भगवानका सेवक वा क्रीष्टयिसुमें आनंद करणवालागें वा
४ डीलमें इतबार न करेंगे। डीलमें मनेंपिण हिम्मत करण
को कारणगें अगर कोई ध्यान करें कें डीलमें उंकें हिम्मत

Digitized by Google

५ करबको कारबडे तो म्हारें उंसूं बतो कारबडे। जं आठ
में दिनमें सुनतो वो बिसराइलकें कुलको वा बेन्यामिनका
६ डावड़ाको वा एब्री गोतमें उपज्योडो एब्री वा मोसाका कांम
में फारिसी धर्मको मनदेनवालाका धासचेलीमें ठावोको
वेर करबवालो वा मोसकें मापक धर्मसूं बिमरषांमोगे।
७ वेर मनें जकोर फायदो गे वा खीस्टकेंबेई जं बिगाड
८ ईसो मानुं। वेर म्हारो प्रभुखीस्टयिसु ओंकेंबेई में
सगलाको बिगाडो लाधोगें उंको ग्यांनको उत्तमत बेई जं
खातमता सगलांको बिगाड जांणुं वेर जं वें सगला
९ भिसट जांणुं वें खीस्ट लाधुं। वा तोरेंतसूं उपज्योडो
म्हारी आपको सिवाई रायववालो नजु वेर जको
खीस्टमें प्रतीतसूं वेगे अथवा प्रतीतसूं भगवानसूं उपज्यो
१० जको सिव उ लाधुं वा उंमें लाधो जावुं। वें जं उंकें मोत
सरीषा करलो जायर उंनें वा उंकें फेरउपडनें पोंच
वा उंकें तासीलवें एक सुभाव जांणुं वें मौतरेंसूं मुरदां
११ आदम्यांको फेर उपडबो लाध सकें। जिसो जं अबें
१२ लाधतो अथवा अबाह परवारतो सो नहो वेर पिगा
डीर दोडोनुं वें औं कारबमें जं खीस्टयिसुमें कपड्योडा गुं
१३ उ कपडुं। हे भाया में जको लाधोगें उ जं मानुंनु वेर
यो एक कांम जं करंनु पीगें जको गें जं उ भुलर वेर
१४ अगाडी अकेगें उ लाधबकी उधम करर खीस्टयिसुसूं
भगवांनकी अका मोटा बुलावसरीषा वालोवेई जं कोट
१५ कपडबनें ईच्छा करंनु। इंबेई जित्ता लोग परवारें गें वे
इंमें मन लगावां वेर कको ये कोलांधासचेलोमें पातर
फिलो रहो तो वोपिल भगवांन थांकेंबनें चोडें करसी।
१६ वेर अठातोडी ग्हे लाधोगें ग्हे उंहि आग्यामापक रोत करां
१७ वा उहो कांम मांनां। हे भाया म्हारें पिगाडी आनवालां
१८ हो। ग्हे थांकी वांनगी गां इंबेई म्हांका पिगाडीआनवालांनें

Digitized by Google

देवो कोस मोकला लोग इंतरें रीत करें छे कें ज्यांकें बाब
येलीमें मे थांनें बारर कयोछे ओर अबेंपिण रोतोर कउं
१९ छुं कें वें खोष्टकें क्रुसवांखोका वेंरो छें। ज्यांको छेवडें खेल
आखो ज्यांको भगवांन वांको आपकोर पेट वा ज्यांको गुमान
वांकी लाजका बासबेलीमें छे ओर अबो संसारीक कांम मांनें
२० छे। ओर म्हांके रीत सर्गमेंछे कें अठासुं म्हे तारखवाला प्रभु
२१ यिसुखोष्टको बाडजोवांछां। वें अबो जीं करबसुं सगळा
आपका आज्ञाकारी कर सकेंछे उंरो करखको माफक म्हांकें
माटिका बेंरो दूजेंसरीषो करसी कें उ उंकें तेजवंत डोलकें
सरीखो करयो जाय।

४ चोथो पांनो।—इंवाईं म्हारें बत्तावाळा वा यार भायां
म्हारो आनंद वा म्हारो मुगट हे म्हारा बत्तावाळा थे
२ प्रभुमें इसा निस्चल वो। ऊं इउयोदियासनें विनती
करूंछुं ओर संतखिनें विनती करूंछुं कें वें प्रभुमें एक
३ सुभाव वें। हे साचा एक ज्वाडेवाळियां ऊं तेंसुंपिण
विनती करूंछुं जीं लुगाई मंगळीक कथांमें म्हारो भेळी
मेनत करि वांको ओर क्लेमेसको वा जीवन पोथीमें ज्यांको
नांव लिख्योछें इसा अबे म्हारा दूजार उपरसरा वांकोपिण
४ उपरसरो कर। प्रभुमें रोजीना आनंद करो दूजी
५ बारपिण ऊं कउंछुं कें आनंद करो। थांकी गोळाई
६ सगळांकनें गुदरावें प्रभु नेंडोछें। कोई बासबेलोमें
चिंतावान मतो रहो ओर सगळी बासबेलीमें मुनाजत
वा प्रार्थनासुं स्तुती करर थांको सगळो गुदरावबो भग
७ वांनकेंकनें जानाजाय। ओर भगवांनकें करबसुं अबो
सांति अकलकें चिंता करबकें बारछेंछे वा सांती खीष्ट यिसु
८ को बांबसुं थांको मांयलो वा मन बचालो करसी। लाप
हे भायां अबोर कांम साचो वा जबोर कांम मर्यादा लायक

Digitized by Google

वा अकोर कांम यथार्थ वा अकोर कांम निर्मल वा अकोर
कांम प्यारका हितकारी वा अकोर कांम सुख्यात अर कोई
९ पुन्य अर कोई प्रसंसा करणको हें तो उंमें ध्यान द्यो। म्हारो
अको कांम थे सीखोछो वा प्रगट कर्योछें वा सुणो छें
वा मेंमें अको देख्योछें उ करो और शांतिदायक भगवान
१० थांको भेळपी रुसी। लेर ऊं प्रभुमें मोटो राजी रहुं
कें अबें छेवडामें म्हारेंबेहें थांकी अका चिंता छो जीमें थे
चिन्तावान छा लेर ठावपी न छो वा चिंता दूजीवार बधोछें।
११ ऊं अको ध्यारतांकें कारण को कहुं सो नही क्योंस म्हारो
अका चावेंसा दसा छेंछें उंमें सांतरेंबनें ऊं भण्योछोहुं।
१२ ऊं ध्यारणो होण जांणुंहुं वा मायापाळ्यपिण होण जांणुंहुं
सगळी जागामें वा समळी दसामें ध्याप्या वा भुको रहबें
वा मायापाळ्यपिण वा ध्यारता भोग करणनें ऊं भण्योछो
१३ हुं। ऊं खीष्टकी वाहसुं समळा करणमें सकुंहुं कें अको
१४ मनें सांमर्थ करेंछें। लेर थे चोखो कर्यो कें म्हारा दुखमें
१५ थे उपगार कर्यो। हे फिलिपी अबें थे जांणो कें
मंगळीक कथांकें पेंलडा जद में माकीदोनियासुं डेरो
लर्यो उंबेळा थांकेंबिगर दैवालयमें किणी टोळी म्हारें
१६ भेळा कुंछिपिण उपरसरो न करो। क्योंस थेसळोनीका
१७ में थे एक बार दोयबार म्हारें उपगारबेई मेल्यो। ऊं
अको दांन चाउंहुं सो नही लेर ऊं फळ चाउंहुं कें अको
१८ थांकेंबेई मोकळो व्हें। लेर म्हारें समळो छें और मोकळो
पिणछें थांसुं अका बस्त मेल्योडी छी अथवा सुगंधकी बास
भगवानकें प्यारे करणलायक वा राजी करणवाळा बाकला
१९ एपाफ्रोदीतसकें हाथसुं लाधर ऊं धाप्योडो हुं। लेर
प्रतापमें आपको अको धन उं माफक खीष्ट यिसुकी वाहसुं
२० भगवांन थांको गरजी सगळी बस्त संपसी। अबें
भगवान अथवा म्हाको बाभाको महात्म रोजीना पावें

Digitized by Google

२१ जोबेला विश्वासको । आमीन्। खीष्टयिशुमें अकें पावेंसा
लोग निर्मलछें उं पावेंसोंलोगमनें बंनगा करो। म्हारें भेला
२२ अके भाईछें वें थानें बंनगा करेंछें। सगला निर्मल लोग
विशेष काईसारके कबीलामें अकें छे वें थानें बंनगा करें छें।
२३ प्रभु यिशुखीष्टको अनुग्रह था सगला उपर वें आमीन्।

पाउल् रसुलरो अको कागद कलसियांकनें लिख्यो।

१ पैलड़ो पानो।

१ पाउल् नें अचे भगवानकी इच्छसूं ज़िसुखीष्टको रस
कारो छै वा म्हांको भाई तिमोतियस् कलसीको रेंबवाळो
खीष्टमें निर्मल वा रतबारी भायांकनें कागद लिखेंछै।
२ भगवान् म्हांका बाबासूं वा प्रभु यिसुखीष्टसूं अनुग्रह
३ वा शांत थांनें उपर हो। म्हे कें अवे थांकेवेई रोजीना
याचना करबवाळाछै खीष्ट यिसुमें थांकी प्रतीत वा समस्त
४ निर्मल लोगांकनें थांके प्यारकी कथा सुणर भगवान वा
म्हांकै प्रभुयिसुखीष्टकै बाबाकनें उं भरोसासूं सुनी
५ कराछां कें अको भरोसो थांकेवेई सर्गमें राख्यो मेलो छै
वा जींकें बाबवेळीमें थे मंगळीक कथांवेई साची कथा
६ में सुणीछें कें अको जिसो समळा संसारमें तिसो थांकें
कनैंपिण आयोछै वा जींदिनसूं थे उ सुण्यो वा साच
सरीखो भगवानको अनुग्रह जांण पायो उं दिनसूं जिसो
थांकें बीचमें फळवानछै तिसो संसारमेंपिण फळवानछै।
७ जिसो म्हांको बालो प्रोधो इपाफ्रोसकनें थे सुण्यो कें
८ अको थांकेवेई खीष्टमें एक प्रतीती सेवक छै जो आपका
९ मे थांको प्यार म्हांकेकनें जणायो। इंवेई म्हे जीं दिवासूं
उ सुण पायो उं दिनासूं थांकेवेई याचना करबकें वा
चावबनें छोडां नही कें थांकें सगळो ग्यान वा परमार्थको
बुझमें उंकें राजीपणाका ग्यानसूं परवाणा हो।

१० और कै थे पावें वीं भक्ताकांमसूं प्रववांन वा भगवानका
ग्यांनमें वधववाला हो वा राजीसूं वा सगली सेंता वा मोटा
११ दम करबसूं उकें प्रतापकें मुंडामाफक सगली वीं पसूं पीच
वाव ऊपर सगली रगामंदीसूं प्रभुलायक डोल करो ।
१२ वें बाभाकनें सुली करववाला डां कें वीं पावबांकें निर्मल
१३ लोगांकें कोठारकें अरीक होयवायक म्हानें करयाडें । वीं
अंधाराकें पोंचसूं म्हानें छुडायाडें और उकें प्यारा डावडा
१४ वें राजमें म्हानें बेठडकडाई बक्सीडें वें वीमें उंका
लोईसूं म्हानें मुक्त करयो अथवा पाप छुडायो जावांडां
१५ वें अका बिगरदिसतो भगवांनकी मूरत वा सगली सष्टके
१६ पेलडा डें । क्योंके सरगको वा धरतीको जको डे दिसतो वा
बिगरदिसतो सगला उवें करबसूं उपज्याडा तखत वें
अथवा हाकमी वें अथवा राज वें अथवा पीच वें सगलाई
१७ उवें करबसूं वा उवेंबेई बणीडें । उ सगलांकें आगा
१८ डो वा उंसूं सगला कायम डें । और उ डीलको अथवा
टोलीको माथो वें जको पैलडा वा मेंतसूं पैलडा उपज्योडें
१९ वें सगली बातबेमीमें उंकी ठाकुराई वें । क्योंके बाभाकी
२० राजीपणडें कें सगलो परवारयो उंमें रें वा उंकी रूस
वालीका लोईसूं मेल करर उंका करबसूं सगला बस्त
संसारकी वें अथवा सरगकी वें सगलांनें आपकें भेला
२१ मिलावकीपिस राजी डो । और थे कें जके पैंलडा
बेर वा खोटाकांमसूं मनमें बेरीडा थावें उ मरबका उस
२२ रासूं आपका मांससूं डीलमें अब मिलायाडें कें उ
थांनें पाक वा बिगरखामी वा बिगरअपवाद करीडो करर
२३ उंकें हजूर देवें । जको थे परतीतमें काठा लागा वा
कायम ऊपर रहो और उवें मंगलीक बातां थे सुणीडें
वा सरगकें नीचेरेंणवाला सगला उपज्याडा आदमी
कीवनें डंडेरो दीनो गयो उंकी मंगलीक बातांकें भरोसासूं

घर थे न हिलो जी मंगलीक कथांको एक सेवक जं पाउल
२४ हुं। जें म्हांरो अबा तोसीस थांकेंवेई छे वांमें राजी हुं
और खीस्टको अबा बाकी कष्ट उ म्हारें डीलमें उंका
२५ डीलकेंवेई अथवा टोलीवेई परवारहुं। और अबा
रीत थांकेंवेई म्हारेंकनें भलायेडो छे भगवानकें जांइ रीत
कें माफक भगवानकी कथा परवारसरीखासूं चोड़ें करब
२६ वेई जं जींको एक सेवक निष्फल कर्योडो हुं। अबो भेद
पेंलडा समयसूं वा पेंलडाका लोगांसूं पालोकडोछो
और अबें उंनं निर्मल लोगांवनें चोडेंछें कें ज्यांकेंवनें भग
वांन अबायां चावेंछे कें दूसरेजनवाल्यांकें बीचमें को भेद
को खुलीको माया कांई कें अबो खीस्ट थांकें बीचमें मुक्त
२७ को भरोसोछें। कें जींनें म्हे चावेंजी लोग सीखावब कर
तार वा ग्यांनसूं भलावताभलावता छेड़ेदा करांछा कें
चावेंजी लोगनें खीस्टयिसुमें भरीपुरीसरीखा सांमा देवें।
२८ और जींको जं उंका अबो प्रभाव मेमें सफलकाम करेंछें
उं माफक यतन करर देंनगो करहुं।

२ दूजो पांनो।—क्योंस कें जं चाउंहुं कें थे जांणो कें जं
थांकेंवेई वा लाओदीकेयाके रेंबवालांवेई वा जिंयां लोग
म्हारो मुंडा न देख्यो छै वांकेंवेईभिख म्हारें किसो मोटो
२ राडछें। कें वांको मन प्यारमें बुंदिजर और सबको
परवाणो ठीक होबका धनसूं पुरवारर वा भगवान बाप
वा बाभो वा खीस्टका भेदनें चारे करबसूं पातरी कें कें
३ जींकें बीचमें विद्या वा ग्यानका सगलो धन छिपायेडो
४ छेंछें। और जं या कउंहुं कें कोई मनमाफक कथां केंब
५ सूं थांनें नई भुलावें। क्योंस जं घर डीलसूं गैरहाजर
छों तोभिख राजी करतार वा थांकी चोखीरीत वा खीस्ट
६ में ल्तोत निस्चल देखतार मनसूं थांकेंसनें हाजर हुं।

Digitized by Google

इंबेई जिसो थे यिसुखीष्ट प्रभुनें धारे करयोछें तीसो उंकें
७ बीचें जड गाडें। वा सांठऊपर थोड़ जिसा भणायागया
छा उसाई प्रतीतसूं निश्चल वा मोकलो स्तुति करतार
८ सगली तरेंसूं उंसूं रेंद् उंमें रोत करो। निर्धेवान क्यां
आंखा विद्याके इच्छा वा निकमी कपटाईसूं कोई थांनें वि
गाडें कोर संसारके थवहार संसारको ग्यानकी रीतमाफक
९ छेंछें घोर खीष्टकें माफक नहो। क्योंस पूरोभगवान
१० पणो होवेंमांना उंमें रेंछें। घोर उंकें बीचमें थे परवा
११ णछो कें जको सगलो समाज्य वा हककोर धणोछें। जींमें
पिण थे हुवोसूं उंकें भेला घोरमें सुवोडा ऊपर खीष्ट
को सुनत करखसूं डीलकें प्रापसरीषो रुप्यांनें छेडखसूं उं
१२ बिगरहाथांकें करयोड़ी सुनतसूं सुनतो छो। जीं हुवी
में थे मोतसूं उंनें उपाडखवाला भगवानकें करखसूं प्रतो
१३ तका उकराससूंपिण उंकें भेला उपाड्योडा छो। घोर
थे आपकें पापांमें वा आपका डीलकी बिंगरसुनतीमें
मरया ऊपरपिण उं थांनें सगलो आग्याउलंघखो माफ
१४ करर घा म्हांकें वैर वा उंधो जको मतवारखो हाथांका
लिख्योडा उ भिसालर वा आपको हलवांखोऊपर बु
१५ दखसूं अलगो करर प्रांनेंपिण उंकें भेला जिवायाछें। घोर
समाज्य वा बल धोजगमाबर उंसूं वांकें उपर फते करर
१६ वांनें ख्यालसरीषा घोडें करयोछें। इंबेई पुराक वा पीव
खको वा तिंवार वा अमावस वा दीतवार इंकें बासबेलीमें
१७ कोई थ्यांको विचार न करें। कें जको भावी विषयकें छाया
१८ सरोषो छें घोर डील खीष्टको छें। कोई थारे करयोडा म्हा
त्मापणमें वेंखोव ऊपर घोर आपकें सरीरडाको मनमें गुं
मायो ऊपर जको तुं देख्यो नहो उंमें बडर दुतकारांको
१९ सेवाकरखनें चावखवाला ऊपर घोर माथो न पकडर थो
तसूं थांको फायदो न मिटावें कें जीं माथासूं सगलो

Digitized by Google

जीव गांठ वा बाडसूं पाल्योडो वा मोडी ऊपर भमवांव
२० कें बधारबसूं बधेगें। इवेई बार घे बोच्टकें भेवा व
बधारसूं वेजीसंसारका त्यांवको जडसूं मखा रहो वे
२१ मतो भोंटो मतो घाघे हाथमें मतो लेवो। आ कथा केर
दुनियांमें वालकाट खबरोसो थे आदमोकी आग्या वा सीवा
२२ रामके माफक आत्रामांबबवाका मेो होगे। वें ज्यों
में राजीसूं उपज्योडो भजन वा दीवपबो वा डोलके उपर
करडो ववहारकरबसूं ज्यांनबोवरें फेंढ़े बेर डोअवें
आपबर्के यतबसूं सो नही।

३ तीजो पांत।—इवेई बार घे बोच्टकें भेवा उठें
रहो वो उपरको जकोर ठें उ सोभो कें जठें भगवांकें
१ जोवबा बोच बेठेठें। उपरको मको ठें वांकें उपर
मन लगाय लेर घरमीको मकोर ठें वांकें उपर बही।
२ जोंच घे मखोगे ओर थांको जीवतव बोच्टकें भेवो
३ भगवानकें बोचमें बुकायोलीठें। बोच वें मकों न्हांवे
जीवकें अद बोडें वें अद वेपिव उकें भेवा मुखमें देख्या
४ आबो। इवेई थांको मकोर धंग घरतोमें ठें अथवा
पातरबाजी वा वेटेंमारम पाराधुात्मा वेटीसंगाव
५ वा लोभ अथवा देवपूंजा यांसमबांमें मार बठो। वें
ज्यांसूं भगवानको गजराम बमांबबावा. आवडोउबर
६ पडेंठें। वें ज्यांमें येपिव जीवेबा उ करबसूं दिन काढो
उंहवेजा उ ववहार करो लेर अवें रोस वा खाबहो
७ सो वा हिंसाकी रूप वा कामरो कथा वा मोडोबगा सो
सगबो घे मुडासूं काढर बोदाबाद्मयकें उवें कामको भेवा
८ ठेसो। लेर नवोआदमीनें पेंरर रब जोग दूजांरबलोम
९ बनें कुडी कथा मतीवेंज्यो वें मको आपवें बवावबवाका
१० की सरुपआद्रूप ज्यांबमें नवो बबो गयोठें। जींमें

यीक् नहो वा यिहूदी नहो सुनती नहो वा बिगर
सुनती नहो वा बेछ नहो वा सुतंत नहो बंदा नहो वा
१२ तुटा नहो पण खीष्ट सगलांमें सगलो छें। इंबेहूं भग
वानको सरावद्या लोग पुन्यवंत वा प्यारा जकेछें थांकें
ह्यो मनकी दया वा प्यार वा मनको बिगरगुमाव
१३ वा नीचाई वा मोखली सैंही पैरो। और जर कोंकेई
भेला कोंकोई भगडो रें तो वें आपतमें सैंबेर वा माफी
करणवाला जयर जिसो खीष्ट थांनें माफ कर्‍यो जिसोई
१४ थे करो। और भगपूरपासरीबो बंधव जखवा प्यार
१५ यां सगबांसूं बत्ता पैरो। और भगवानकी शांत थां
का मनमें ठाकूराई करें वें जींमें भोगवबनें थे बिजेब हक
डोलमें बिनाब बलोआाा और सुते करखवाका हो।
१६ थे गीत वा सुनोको गीत वा परमार्थको गीत गावबसूं
आपतमें सिषावार और चेतावेई बेतार वा आपका मनके
बीचमें गुणी जयर प्रभुकबें गावता खीष्टको कथा सगला
१७ ग्यांबसूं सगळीतरें थांमें रहें। और कथांसूं अथवा
कांमसूं थे जवां करोगे वें सगळी खीष्टका उकरासूं
भगवानकनें अथवा बाभाकनें सुको करतार प्रभुयिसुका
नांवसूं करो।
१८ हे लुगायां जिसो प्रभुमें आग्याकारी होवेर ठीकछें
१९ तिसो आपकार धणीकी आग्याकारी हो। हे धणी
थे आपकोर बडके प्यार करो वा वांकें बेर खारा मती
२० जावो। हे डावडा सगळा कांममें थांका माउ बाभा
को कथा मानो जींस प्रभुकबें ये मोटोरांजी करब
२१ कि कांम छें। हे बाप थांका डावडांउपर रोस मती
२२ करो क्यावांका वें न उम्मेद हें। हे चाकरा डीलकें मालक
जको थांकें जवी वांनें सगळा कांममें मानो मनखांनें
राजी करबवाळा जिसा करेछें जिसी सांमोवेवा करब

सूं नहीं लेर भगवांनसूं जीहर मनका ऐंकासूं उ करो।
२३ ओर थे वें प्रभुसूं कोठारउ बिचारैं फल लाधो या जांणर
अबा थे करो हो उ जिसो प्रभुकनैं करो हो तिसा मनसूं
२४ करो। ओर आदमीकनैं जिसा करांगो तिसा नहीं
२५ करो थे प्रभुखीस्टकी सेवा करोहो। ओर अबो लोग
दोष करैहै उ आपका करया दोषको फल लाधसो ओर
भोर कुंछि नहीं।

४ चौथो पांनो।—हे धणी सगमें थांको एक धणीहै या
जांणर अबो ठीक वा कांमकैं हवो सो थे आपका गोलांनैं
२ देवो। ओर पिण थे याचनामें होसीना लौलीन रहो।
३ ओर धुनोकरबासूं पोरोहितमेंपिण लौलीन हो ओर पिण
म्हांकेबेई याचना करो। के खीस्टको तत कैबबेई भगवांन
म्हांकेमैं कथांकेलको बारणो खोलसी के जीकेबेई मैं
४ बंधोहो हुं। मनें उ तत चोडें करबो जिसो ठीकहै
५ वें कं तिसो उ चोडें करूं। अबा बारलांहैं थे समय
सार्थक करता२ वांकेंकनैं ग्यांनसरोकि चक्कार करो।
६ थांकी बेंलो लुणसूं लुणो अपर होजोना गुणसूं भरयोडो
हैं थे जाणैं अंी लोगनैं ठोक उथलो देंबनें आवो।
७ प्यारोभाई वा मतोतो सेवक वां प्रभुमें संगी चाकर
तिखीकस् म्हारो सगलो हवाल थानें बतासी के ओवे
८ मैं हवेई मतोतो वा प्यारोभाई ओनेसिमसकें लेवो मेल्यो
९ हुं के अबो थांकेंपिण एक लोगहै वें उ थांकी हवाल
जांणैं वा थांका मनको धतरो करैं भडै अवार अबो
१० हैं वैं सगला वें थांनैं गुदरासी। म्हारो संगोबंधवारो
आरिस्टार्कस् वा बरनबाको भाणेज मार्कस् वें थांकी याद
वेजोमैं थैं आग्या लाधीही उ मार्र आवै तो उनैं मर्यादसूं
११ भारैं करज्यो। ओर यिसु के जीको नाव जस्टस् वो किलस

लोग कें अबे सूनतीठें वें थांनें बंनबा करेंठें भगवानकें
राजबेई म्हांकें भेळपीयांकें विचमें अबा म्हांरि सातरि
१२ करणवाळाठा वालि वें कितायक लोग। ये सगळितरेंसूं भग
वानका सरावथ्यां सगळा कांममें सगळीतरेंसूं कायम
हो इंबेई ख्रीष्टको सेवक इपाफ्रास् थांनें इब लोग थापनां
में थांकेमेई, रोजीना उथमी ऊपर उथम करतारे थांनें
१२ बंनबा करेंठें। क्यांस उंकी सायदी अं देवुं कें थांकें
वेई ओर लाओदिकिया वा हियेरापोलिसकें रेंबवाळावेई
१४ उंको मोटो चेष्टाठें। लूकाअ बेद लूक वा देमास्
१५ थांनें बंनबा करेंठें। लाओदिकीयाकें रेंबवाळा भायांनें
वा नंफास् वा अबा टोळी उंका भूंपामेंठें वानेंपिब बंनबा
१६ करो। यो कागद थांकें बिचाळें बांच्या गयापठें तद
लायोदिकीयाकी टोळीमें उ बचाज्यो ओर लाओदिकीयां
१७ सूं अबो कागद आयोठें उ थेंपिब भबज्यो। ओर आर्खि
प्पस्नें केंज्यो कें अबा सेवा तें प्रभुसूं लाधीठें वा परबार
१८ थानें मोकळो निर्वेवान कज्यो। अं अबो पाउल् म्हारें
हाथको लिख्यो आवंनबा। म्हारा बंधणो मनमें ल्याज्यो।
अनुग्रह थांकें भेळो हो। आमिन्।

पाउल् अको पेंलडो कागद तेसलोनीयांकनें लिख्यो छे।

१ पैलडो पांनो।

१ पाउल् वा सलोनस् वा तिमोतियस् तेसलोनीकेकी ठा
वीकनें कागद लिखेंछे अका ठाकी भगवांन बाभी वा प्रभु
यिसुखीष्टमें छें भगवांन म्हाको बाभो प्रभु यिसु खीष्टसूं
२ अनुग्रह वा शांति थांकें उपर दें। हे बाला भायां भग
३ वांनसूं थांको अको सरावणो छ जांखर भगवांन वा म्हांकें
बाभाको दृष्टमें म्हे थांको प्रतीतसूं कांम वा प्यारसूं अका
देंनगीं वा प्रभुयिसुखीष्टमें उम्मेदसूं अको सेंखोर को सम
४ को रोजीना चितारता म्हाकी याचनामें थांको नांव लि
वार थां सगळांकेंबेई रोजीना भगवांनकनें स्तुति मेला
५ छां। क्योंस म्हाको मंगलीक कथां वाको कथासूं थांकें
कनें आई नही केर बलसूं वा धर्म्मात्मासूं वा मोकला वि
स्वेंसूंपिल आयो क्योंस थे जांणोछो म्हे थांकें भेला ऊपर
६ थांकेंबेई जीतरेंका लोग छां। ओर थे मोटा कष्टमें धर्म्मा
त्मांकें आनंदसूं कथां आरें कररं म्हांको वा प्रभुको द्दसा
७ उपरलोरा छा कें थे माकिदोनियांकें वा आखायाकें सगळां
८ प्रतीतकरणवालाकें वांनगी छा। क्योंस प्रभुकें कथा
की सुलसुल थाको माकिदोनिया वा आखायामें थांसूं
वींकको सो नही केर पावेंजों जामा भगवांनसूं थांकें प्रतीत
दृयो फल रहें कें म्हांकें कथा केंबकी गरज कुंहि नही।
९ क्योंस वें सागी म्हांकें फायदामें बोलें करेंछे कें थांकेंकनें म्हा

Digitized by Google

को घांवखो कीवरें ঢে और जोवता वा साचा भगवानकी
१० सेवा करखबेईं और ऑनें उं मोतसूं उपाड्या अथवा
यिसु कें जको रोखखार रीससूं म्हांको हिफाजत करेंঢे
सरगंसूं उंनें ईं डावडाकें आवखको वाडजोवखबेईं घे देवता
ঢেडर ऑतरें भगवानकांनो मुख्या ঢে।

२ दूजो पांनो।—क्योंस हे भायां घे जांखोঢে कें थां
२ केकनें म्हांको आंवखो निकमो न ঢে। क्योंस घे जिस्रो थां
खोঢে तिस्रो म्हांनें कष्ट था लाज देंखवाला अपमांन फिलि
पीमें लाधांपঢें मोकलो उतावल करर भगवानको मंगलोक
३ कथा थांनें केंखनें आपका भगवानमें निडर ঢें। क्योंस
म्हांको वोनती करखी कपटसूं अथवा भिसटपखासूं
४ अथवा भुलावखसूं नঢे।- बेर जिस्रो म्हे भगवानसूं
मंगलोक कथा भलायाजांखलायक सरादयाঢে तिस्रा
आदमोकें राजो करखवाला हुसा नहो पख म्हांकें मनको
कोमत करखवाला भगवांननें राजो करखवालांकें हुसा
५ म्हे कथां कांঢें। क्योंस जेस्रो घे जानोঢে तेस्रो म्हे
कदेई खुसामदोको कथा अथवा लोभ ঢাকखको योपार
६ कस्रो नहो ईंनें भगवांन सायदोঢें। वा खीष्टका हुंक
कारा आपनें जांखर अद म्हे थांनें भारदेंख सकता तद
पिख आदम्यांसूं अथवा थांसूं अथवा ओरकिखोसूं
७ आदम्यांको मर्यांद न लोभो। बेर जिसो माउ आपका
डावडानें पालेঢें तिस्रा म्हे थांकिकनें गोका मनसूं ঢে।
८ ईंबेई थांको वासथेकोमें मोलका चानवाला ऊपर म्हे थांको
भगवानको मंगलोक कथा नहो बेर घे म्हारा वालाঢে
९ ईंबेई आपका जोवपिख थांनें देंखनें त्यारঢें। हे भायां
म्हांको देंनগो वा तेंलोस घे चितारोঢে क्योंस थांकें विच
में कीकोईं पिख वरच नकें ईंबेई म्हे रातरदिन काम

Digitized by Google

१० करर भगवांनकी मंगलीक कथा थांकेंबनें चोडें करी। थे
सायदी छो वा भगवांनपिण कें म्हानें मतोत करबवाला
थांकेंबनें कीतरें निर्मल वा यथार्थ वा निर्दोष रीत करी।
११ कोंस थे जांणो छो कें जिसो बाभो आपका डावडानें करें
छैं तिसो म्हे थांका चावेजीं लोगनें कींतरें वीनती करी
१२ वा धीरज करी वा सायदी दीनी कें थे भगवांन
लायक व्यवहार करो कें जीं आपका राज वा ऐश्वर्य्यमें
१३ थांनें बुलायाछें इंबेई म्हे रोजीना भगवांबकनें स्तुती करां
छां कोंस म्हांको बोलीसूं थे भगवांनकी अका कथा सुणी
जद थे वा कथा धारे करी नद आदमीको कथा इसी उ
धारे करो नहो केर अका साचछें जिसी भगवांन
की कथा कें अबे मतीतकरबवाला थांकें बीचमें काम
१४ सिध करेंछें हे भायां यिहूदाह देसका बीछ यिसुमें
भगवांनकी अका टोलीछें थे उं टोलीमें भेलपी हवोछो
कोंस यिहूदियांसूं वां अको कष्ट लाधो थे पण उसोई
१५ कष्ट आपका लागोदेसवाल्यांसूं लाधो। वें क्यां यिहूदी
प्रभु यिसुनें ओर आपका निमित्तियांनें मारनांख्या अ
म्हांनें वासीस दीनी ओर भगवांनको रागोपण करेंछें
१६ नहीं ओर समका लोगांकें वेरमेंपिणछें। ओर वें आपके
तोसिसको नाप भींसूं रोजीना परवाण आसी दूजादेस
वाल्यांकें उधार वाचबबेई वचिकनें कथा केंबनेंपिण म्हांनें
हथा वरजेंछें केर यिहूदांउपर बडो बजराव पडोछें।
१७ हे भायां म्हे डीलसूं मनसूं नहीं थोडा दिन थांसूं न्यारा
हूयर मोटी हप करर थांको मुंडो देखबनें मोकलो
१८ उधम करोछें। इंबेई म्हे विसेष जं पाउल् थांकें
कनें आवनें बार२ चायो लेर सेतडें म्हांको छीलप करी।
१९ म्हांको भरोसो वा आनंद वा चेंबसरीमो टोप उ कांई म्हांकें

२० प्रभुयिसुखीष्टकें परवां उंको आंवणकीवेला कांई थे नहीं
कांईस म्हांको खुसी वा आनंद थे ओ।

३ तीजो पानो।—इंवेई जद म्हे धीरथावण कापट
न सका जद आतेन्समें एकलो रैंणो चोखो जो ध्यान
२ कयो। ओर थांनें निस्चल करणनें वा थांको प्रतीतकें
फायदामें थांनें धातरी करणनें म्हांको भाई वा भगवांन
को सेवक वा खीष्टकी मंगलीक कथामें म्हांको उपरसरा
३ तिमोतियसनें मेल्या कें इं कष्टसूं कोईपिण नहीं डिगजावे
ज्याय कांईस थे जांणोओ कें म्हे यो कष्ट भोगवणनें
४ निर्मीओ। कांईस जिसो ऊवोओ वा जिसो थे जांणोओ
तिसो अबे म्हांनें कष्ट पावणो अतो आ म्हे पैंलडा थांकें
५ कनें रैंणकीवेला थांनें कयो ओ। इंवेई जं धीरसैंणनें
नखकर थांको प्रतीत जांणनें मेल्यो क्यांजांणा कोमती
६ थांको कोमत करें वा म्हांको मैंनतो निकमो व्हें। ओर
अबें तिमोतियस थांकें कनासूं म्हांकें कनें आयर थांकें
प्रतीत वा प्यारकीमंगल खबर लायो पछें वा जिसा म्हे थांनें
देख्यां चावांओ तिसा कें थे म्हांनें मोकला देखणो चायर
म्हांनें रोजीना चोखीतरें चितारोओ थे भायां म्हे थांको
७ प्रतीसूं आपका समला दुखमें वा आपदमें थांको वासवेलो
८ में धातर करणवालाओ। कांईस अर थे भगवांनमें निस्चल
९ रहो तो म्हें उबरां। भीं कारण थांको मुंडो देखणनें वा थांका
१० हतवारमें जका कसूरओ वा परवारणनें रातरदिन घणोकर
ववाला म्हे भीं समला आनंदसूं थांकेवेई भगवांनकी याचना
परवां राजी व्हांओ उंसूं म्हे भगवांनकनें कांई खुसी थांकेवेई
११ फेर कर सकां। अबें भगवांन सागो वा म्हांको बाभो वा
१२ म्हांकें प्रभुयिसुखीष्ट थांकें नेंडो आवणनें म्हांनें मारग दिखावें।
ओर भगवांन करें कें जिसा म्हे थांकेंकनें वेणा कें थे आपसमें

१३ वा समला लोगांकनें प्यारमें बधो वा पसरो। कें म्हांको प्रभु
यिसुखीष्ट आपका सगला संमेगी लोगांकें लारें बेर आं
वेला आसी उंबेला गभवांन म्हांका बाभाकें सांमो निमेल
वासूं थांको मन बिगरषांमी निस्चल करें।

४ चौथो पानो।—ओरपिय वे भायां होल करबनें
वा भगवानकी राजीपन करबमें थांनें जकीर ठोकरे ना
मे म्हांकेंकनें बाधीरे प्रभुयिसुका उकरायसूं म्हे थांकेंकनें
विनती करांगा वा सीषावण करांगा कें हंसूं थे ओर२
२ बत्ता उथमी हो। क्योंस थे जांणो छो कें प्रभु यिसुसूं म्हे
३ थांनें अबा आग्या दीनी। क्योंस भगवानको मन ओर
छें थांको सुब होबो विसेष थांकी पातरबाजी छोडबो।
४ ओर पवित्रपणामें वा मर्यादामें थांकें चावेंभी लोमको
५ आपकोर लोल कोठार करबो। भगवान नजांणबवालो
६ दूआदेसवाल्यां हसो संगतकी रीतसूं उ नहो। ओर
कोईंभिय किसी बातमेलोमें आपका भाईकनें धरम लंघनो
वा भुलो न देवो क्योंस भगवान इं कारबको तोसोस
देंवबवालोछें जिसी म्हे पैलडा सीषावण करी वा साषदी
७ दीनोछें। क्योंस भिसटकाम करबनें भगवान म्हांकें
८ बुलाया नही पण चोषाकांम करबनें बुलायाछें। इंवेडे
जको लोग निकमो करर जांबें उहो लोग आदमीकें
निकमो कर जांबें नही बेर भगवाननें कें जीं आपको धर्म्म
९ आत्मापिण म्हांनें दीनोछें। यारोको बातमेलोमें क्युंहि
गरज नही कें जं थांकेंकनें लिख्युं क्योंस आपसमें प्यार कर
१० बानें थे सागी भगवांनसूं भणाबोडाछो। ओर माकि
दोनीयाकी सगली जागा जके भाईछें वां सगलांनें थे वा
पिण करोछो बेर हे भायां म्हे वीनती करांगा कें थे
११ इंमें पगर बधो। ओर बिगरदुषमयी होयकें वा

Digitized by Google

आपकेंर कांम करबनें वा जिस्यो म्हे आग्या दीनो तिस्यो
१२ आपका हाथसूं कांम करबनें। वा बारलांमें भवें लोग
छे वांकेंकनें याधरो ववहार करबनें वा थींमें थांको कुंहि
घटतो नरहें तिस्या करबवेई उद्यम करबनें कें सगला
थांकेंकनें म्हे वीनती करांगा।
१३ फेर हे भायां जवें नींदमें सूवाछें वांका फायदामें अं
थांनें मजांबकार र्यां चाउंछु नही कें ज्यां दूजादेसवाली
लोगांको कुंहि प्रतीत नछें चे वांकी वासवेलीमें वां लोगां
१४ इस्या चिन्तावान मती चो। क्योंस जर म्हे प्रतीत करेछें
कें यिसु मरयो वा फेर उपज्यो तो अवे यिसुमें सूता पडछें
१५ वांनेंयिस भगवांन उंह्तिरें आपकें भेलो लासी। क्योंस
प्रभुकी कथांसूं थांनें म्हे कवांछां कें म्हे जको जोवताछां
वा भगवांनका आवणतांडी रेंछें अवें नींदमें सूताछें
१६ वांको पिछाडीआबवाला न जसो। क्योंस जैजैकारवाली
वा सिलेंदार हलकाराको साद वा भगवांनको वाक्यो वंआ
वता प्रभु आप सर्गसूं उतरसी भोर खीष्टमें अवे मराछें वें
१७ पैलडा उपडसी। उंपछें म्हे कें जको जोवता वा संसार
में छां प्रभु भेला मिलबनें वांवें भेला मेमे ताण्यां जास्यां
१८ उंसूं प्रभु भेला रेंागीना रेंस्यां। इंवेई आ कथा केंबसूं
आपनें आपतमें धातरी करो।

५ पांचमो पांनो।—फेर हे भायां बेला भोर निसे
वेलाकी वासवेलीमें कुंहि गरज नही कें अं थांकेंकनें
२ लिषुं। क्योंस चे आप ठीक जांणोछा कें जिस्यो रातका
३ चोर आवेंछें तिस्यो प्रभुको दिन आसी। क्योंस जांवेंला
लोग आंतो वा मिगरटंटाकी कथा केंछें उंवेला जिसी
ग्याभव लुगाई जनबको दर्द उपजेछें तिस्या वांका वींज
४ हक मारयिल जसी भोर वें बचसी नही। फेर हे भायां

थे अंधारामें न छो कें उ दिन चोरसरीषो थांकें उपर आवप
५ डें। थे सगला चानणाका डावडा वा दिनका डावडा छो म्हे
६ रातका अथवा अंधारका नहो। उंबेई आवो म्हे दूजा
लोगां ईसो नींदनसूतां वेर म्हे पोरो देवां वा सावचेत
७ रहां। क्योंस अके नींदमें सूताछे वें रातनें सूताछे वा अके
८ मत्वाछे वें रातकां मत्वाना होछे। वेर दिनका अके म्हांका
प्रतीत वा प्यारउबिहारें आंगो भोर उबारका भरोसा
९ सरिखो टोप पेंरर सावचेत हां। क्योंस रीसको भोग
करबनें भगवान म्हांनें निश्चय कया नहीं वेर म्हांकें प्रभु
१० यिसुखीष्टकी वांहसूं उबार लाभबनें वें अको म्हांकेवेई
मस्यो कें जागता हां अथवा सूता हां म्हे उंकें भेला बसां।
११ ईंबेई जिसो थे करोछो जिसो आपसमें आपनें धातरी करो
वा पगार बधारो हे भायां अका थांकें बिचालें हेंनमी
१२ करेंछें वा प्रभुमें थांकें उपर निसेंछें वा थांनें नंघा करेंछें
१३ वांनें जांबबकें। भोर वांका कांमसूं वांनें प्यार करर
मोटी मर्याद करबनें भोर आपसमें बिगरबेर होबबें म्हे
१४ थांसूं वीनती करांछां। हे भायां अबें म्हें थो सोधावब
थांनें करांछां अके ठांठछे वांनें सोधाव दुबलामनांकी
धातरी करो निबलांनें कपडर राखो सगला लोगांकवें
१५ सेंबवाला हो। हिंसाबें कारण कोई किंकोई हिंसा नकरें
वेर आपकेंर बीचमें वा सगलांकबें रोजीना चोषो व्यवहार
१६ करो रोजीना आनंद करो। रोजीना प्रार्थना करो सगली
१७ बातबेलीमें स्तुति करो क्योंस थांका कायदामें खीष्टयिसु
१८ में भगवानको आ राजीपण छे। आत्मानें बुझाव मती
१९ निमितियांकी कथा निकमी मती जाणो। सगला कांमको
२० कोमत करो अको चोखो हें उंनें काठो करर कपडो। वोटा
२१ कांमको सगलो उगाबो छोडो। भोर सांतकरबवाला भग
२२ वांन आपी थांनें सोलेंआना निर्मल करें। वा प्रभुयिसु

Digitized by Google

२३ सोतवें सांचवतोडी थांको समलो आत्मा वा मन वा डील
२४ निमरखोव रखाजो करतां जाय। औ थांनें बुलावाळेो उ
२५ सतवार करबवाळा हे और उ उ कांम करसी। हे भायां
२६ म्हांकेंबेई याचना करो। समला भायांकें निर्मळचाको
२७ देर बंदना करो। प्रभुका नांवसुं कं थांनें आग्या देउं
हुं कें यो कागद समला संमेमोभायांकनें बांचो जाय।
२८ म्हांकें प्रभुयिसुखीष्टको अनुग्रह थांकें उपर हो। आमिन्।

Digitized by Google

थेस्लोनियांकनं पाउलको दूजो कागद ।

१ पैंलड़ो पांनो ।

१ भगवांन म्हांका बाभामें वा प्रभुयिसुख्रीष्टमें थेस्लो
नियाका अका ठाबीठें उंडेकनें पाउल् वा सल्वानस् वा
२ तिमोथियस् कागद लिखेठें । म्हांकें बाभौ भगवांन वा
३ प्रभुयिसुख्रीष्टसूं अनुग्रह वा शांति थांकें उपर वें । हे
भायां जिसो ठीकपिणठें तिसो थांकेंबेई म्हानें रोजीना भग
वांनकनें स्तुती करणको निबणठें क्योंस थांको प्रतीत मोक
ळो बधै ओर थांकें मावें जी लोगांकनें थांको आपसमें
४ प्यार रोजीनार इसो बधतो कठें कें थे अके समला बेर
वा कष्ट पावोठो उंमें थांको जबो सेबो वा प्रतीतठें उंमें
म्हे भगवांनकी ठाबीमें थांकी बासपेखीमें सेघी करांठां ।
५ कें अको कष्ट भगवांनकें यायार्थ विचारको एक चोडे
६ लखणठें कें थे भगवांनकें राज्का लायक गिणे जावो कें
जींकेंबेई थे कष्ट पावोठो क्योंस अको थांनें कष्ट देवेंठें
वांनें फेरं कष्ट देंणो ओर अको कोई भगवांननें जांणें
नही ओर म्हांकें प्रभुयिसुख्रीष्टको मंगळीक कथा मांनें
७ नही वांनें तोसोस देंबनें । जद प्रभुयिसु आपकें
बळिया हलकारांनें सारेलेर बळती बासदेसूवा स्वर्गसूं
८ चोडे अतो उंबेला कष्ट पांवणवाळा अके थे थांनें म्हांकें
९ भेला चेबदेंणोपिण भगवांनकें ठीकठें । क्योंस जीं दिन
म्हे अको सायबो पावेंकनें दीनो उ प्रतीत करोठो ठो

Digitized by Google

जद प्रभु आपका साधु लोगांके विषमें कुती पावबवेई वा
ओला लोग प्रतीत करेंछे वां समलामें भोफला मांदा आंव
१० बेई आसी। जद उं दिन उंका सांमासुं वा उंकी पौंचका
११ तेजसुं वांको अनंतो विनाजसूरत लासिस जसी। ईसुं
म्हे रोजीना याचना करांछां कें म्हांकें भगवांन थांनें ईं
बुलावा लायक गीवसी वा आपका भलाईकी अभिलाषी
१२ वा प्रतीतसरीबो कांम पौंचसुं परवारसी। कें म्हांकें
प्रभुयिसुखीष्टको नांव थांकें विषमें कुतीपावें ओर म्हांकें
भगवांन वा प्रभुयिसुखीष्टको अनुग्रह माफक थे पिण उंकें
विषमें कुती पावो।

२ दूजोपांनो।—हे भायां म्हांकें प्रभुयिसुखीष्टकें आव
णका फायदामें वा उंकेंकनें म्हे भेला जंवा होणकी बाबत
थेलोमें थनें म्हे थांसुं आ वीनती करांछां कें थांको आत्मासुं
२ अथवा कथांसुं अथवा म्हांकेंकनांसुं जिसो कागद जांणो
तिसाई खीष्टका दिन नेंडा होणकी बाबथेलोमें कामदसुं
पिण मनमें बेगा डिगायोडा नको वा घबराया न को।
३ कोंतरें कोनेंई पिण थांनें भुलावणनें मती दीज्यो क्योंस मारग
भुलणो पेंलडा न होणसुं उ पापपुरष अथवा बोजगयाको
४ डावडो चोडें न होणसुं को दिन आसी नहीं। कें सबके भगवा
नका नांवसुं विख्यात जित्ता वा पूज्योडा जित्ता यां समलां
कें वेंरमें वा यां समलांउपर आपनें उंचो करेंछे कें आपो
सबको भगवांन आ चोडें करतार भगवांनइस्या भगवांन
५ कें देवरामें बेंठेंछे। थे कांई चितारो नहीं कें जद हुं
थांकेंकनें छो तद में थांनें आ कथा कहीछी ओर थे जांणो
६ छो कें उ पापपुरष आपकाकालमें चोडें होणनें सबे र
७ करवेंछे। क्योंस अयथार्थको भेद फायदावालो अबें होण
लागो बालो बरजणवालो सबो लाग उठी बिचमांसुं

८ जे गयोडो जोवक्रोडी वहूजयी। उ जमायतें व विगर
मववखवाजो मेमें जमो वे जींनें मभु मयजी ज्ञानासूं
संवाद करजी या आपका आवजका वेमसूं पिंजमा
९ सो व्है जींकेरे आंवजेर मोडावें कदकमेंमाफक समजी
१० जोय गा जयजा वा कूडा जकेरा कामांसूं। वा विगाड
में जायक ऊजरामें जेगांमेंपिय मजयापेंवा समजा पेवमूं
व्हें मोंवे जकार जाजवनेई वां सायकी मीव आदे करी
११ मजो। इंसूं भमवान मोंडो मायामें थांडेंवनें मेजसी।
१२ व्हें कूडा मविषारो करें व्हें वें समजा इंडमोयम दें वें वयो
सायमें मवीव नकरी जेर मयमापैवांमनें दायो जवा।
१३ जेर वे मभुने वाजामयां थांका फायदामे भगवांव
वेवने दोजोवा जुवी करवने यांने सिखेठे मोंस सामा
जो निर्मलतासूं वा सायकी मतोव करबसूं भमवांव उ
१४ जार आयसनेई मैजडाला थांने सदायाछे। जींकेवेई उ
म्हांके मभुयिसुखोष्टकी स्तुती आधमवे थांवे मंगलीक कयी
१५ सूं बुलायाछे। इंवेईं वे भायां वे निस्च न वो वा जीं
व्यावहारमें वे कयासूं अथवा कागदसूं सीख्योडाछे
१६ उणी व्यवहार मानो। अबे म्हांके मभुयिसुखीष्ट आप
वा आमे भगवान व्है जी म्हांने प्यार कयो छे वा अनुग्रह
१७ सूं अक्षय थावरी वा उत्तम भरोसो दीनोछे उणी थांका
मनकी धावरी करे जोर थांको जेसोवया वा कांमसूं
थांने निस्चल करें।

२ तोजो मांगो।—छेवडे वे भायां म्हांकेवेई था
मायना करो के भगवानको कया जिसी जोवें जिना
वें थांकेंछे उंईंतरें विमरछोवपसूं याकें जा मवासम
२ व्हें। जोर वे विगरमवजो वा दुरजवोमासूं छुटकारो
३ वां मोंस सवाजा जोमांनें मवीव नहें। जेर भगवांव

प्रतीत लायकहैं कें मो थानें निर्भे करसी वा पापसूं बचा
४ वसी। प्रभुमें म्हे थांको बाबतवीमें प्रतीत करांगां कें
म्हांका हुकम थानें आग्या करांगां थे वें काम करो
५ छो वा करसो। और भगवानका प्यारसूं वा खीष्टकेई
६ सेंबसूं बाटजोवबानें प्रभु थांको मन बतावें। हे भायां
म्हे प्रभुयिसुखीष्टका नावसूं थानें आग्या देवांगां कें
थांवेंसो भाई बेटेंचलब चालेंहें वा म्हां रीत थे म्हांकें
कनें सखीहें उसा नही थे उं भाईयां लोगसूं न्यारा हो।
७ थे जांणोहो कें म्हांकें पिछाडी चालणको थांको काईर
सिखेंहैं क्योंस थांके बिचमें म्हे बेटोचाल चाल्यां नही।
८ और कींकोईपिण वस्तु मुफत खाई नही और रातर दिन
उद्यम वा देनमी करर कांम करयो कें थांमें किंकेईउपर
९ पिण भार न देवां। म्हांको मुंडो अको नही सो नही
१० पण थांके वांनगी होबवेई कें थे म्हांकें पसरो हो। क्योंस
जद म्हे थांका साथहां तद आग्या करीहो कें अर कोई
११ लोग कांम न करें तो उ खावबें नपावसी। क्योंस म्हे सुणां
हां कें थांकें बिचमें कोईर [illegible] रीतमें चालेंहें वा
१२ कांम करेंहें नही और दूजांके कांमको चरचा करेंहें। इंबेई
म्हांका प्रभुयिसुखीष्टको नांव और थानें आग्या वा सीखा
वण करांगां कें वें बिगरदुसमवी अपर कांम करें
१३ वा आपको रूप खावें। और थे भायां थे भला कांम
१४ करबामें मती थाको। और ई कागदसूं म्हांकी अका
कथां वें कथां अर कोई न मानें तो उ आदमीको ठिकाणो
लगावो और उंसें मेला कथावाणी मती करो कें उ सरमां
१५ जो वें। तोपिण उनें वैरीसरिखो मती गिणो और
१६ भाईकें इसो उनें भांडो। अब सांतिदायक भगवान
सगला उपिहारासूं वा सगलीतरेंसूं थांनें सांति
१७ देवें प्रभु थां सगलां भेलो रहें। म्हारें आपकें हाथको

Digitized by Google

निछोडो मैं पाउलकी बंदना चावेंगो कागदमें म्हारो
१८ यो सैनाण्ड हूं सदीवो यूं लिखूं। प्रभुयिसुखीष्टको
अनुग्रह थां सगलांउपर हो। आमिन्।

पाउल् मको पैलडो कागद तिमोतियस्कनें लिख्योडो ।

१ पैलडो पांनो ।

१ जं पाउल् कें मको भगवांन म्हांको तारणवालो वा प्रभु
यिशुखीष्ट म्हांका भरोसाकी आग्यासूं यिशुखीष्टको हुक
२ कारो हुं । भगतसूं म्हारें यथार्थ डावडा तिमोतियस्नें
लिखुं म्हांकें बाभो भगवांन वा प्रभुयिशुखीष्टसूं दया वा
३ अनुग्रह वा शांती थारेंउपर व्हें । में माकिदोनियांकी
आडीकीवेळा तनें इफीसस्में रेवनें जिसो कह्यो उसोई कर
४ वें किताई लोगांनें दूजीसीखावण न करणनें वा असयेदो
वा अनंतीपीढी न मांनणें आग्या देवा वें मको भगतसूं
५ पक्का मधारणसूं पण भगडो उपजावेंछें । आग्याको छोर
तंत साफमनसूं वा चोखामनसूं वा निरदोषी इतबारसूं
६ प्यार वें जीनें कोईर छोडर ओर अकेर वेंछें वा अकेर
७ निर्भो बोलेंछें आ नजांणर तोरें तका सिखावणवाला होणकी
८ इच्छा करर निकमीबदलेंबदलेंउपर मुडोछें । ओर वो
रेंत साचलोगांवेंई नही ओर फतवा वा न मांनणवाला वा
चोटेंमारम वा सेवा न करणवाला वा पापी वा असाधु वा
धर्मरहित् वा पितानें मारणवाला वा माउनें मारणवाला
९ वा खुनी वा पातरबाजी वा पाराहूरणा वा आदमीनें
चोरीकरणवाला वा भुठो वा कूडी सौंघ करणवाला
यां सगळांवेंई ओर सचिदानंद भगवांनको मको महातम
१० मसोडो मंगळीक कथा म्हारेंकनें भळायोडो छे उं

मायक अका पापोसीवावसठें उकें बेर् और अकेर् ठें वा
११ सगलविंबेईपिसठें आ जांसर न्दे आंखांठा कें अको आदमी
ठोकमायक तौरेंतकी रीत करें तोही तौरेंत चोखोठें।
१२ जं म्हांका प्रभुयिसुखोष्टकनें सुतो कहूंं कें वीं मनें बलियो
कयो, क्योंस उं मनें सेवामें कायम करर विश्वासी गिण्योठें।
१३ कें अर्वे निंदा करखवाला वा बेंरकरखवाला वा हिंसाकरख
वाला ठा लेर में दया काधी क्योंस में विगरहोस ऊपर उ
१४ कांम विगरइतबारसूं कयो। और खोष्टयिसुमें प्रतीत वा
१५ प्यारकें मेला म्हांकें प्रभुको अनुग्रह घणो ठा या कथा
प्रतीत लायक वा सगलोतरेंसूं मानेलायकठें कें खोष्टयिसु
पापीलोगांनें मुक्त करखकेई संसारमें आयो कें ज्यांको
१६ ठाकुर हूंं। और पिख जं ईकेई दया लाधो कें अको
अनंत भाउणालोडो उकें सरखायक आगी पांकेंकेई पांनसी
होलनें विमुख हु पेंलडा म्हांरें पिरमें सगलोपरें भोगवा
१७ दिवांतोडो लेखो पोडें करें। अबें अनंत वा अमर वा
अदेष राजा वा ओंकेविगर अकअकंव और केई कहो प्रभो
अको भगवान उकें ऊपर मर्यादा वा माहातम होयोवा
चावें अद के आमिन्।
१८ हे तिमोतियस् डावडा थारो बाबतेलोनें अंगा तिमि
तियाकी कथा पेंलडा कईगई कें तूं वांसूं जेबोदाइ करें
१९ वांकें मायक जं थारेंकनें या आग्या भलाउंहुं। कें तूं
भगत वा अको पेंपोमन विस्वास लोगां ठेंकर भगत
को जिहाज भांज्योठें ज्यांकें विचनें हुमेनियस् वा आलेक्
सांगठें ज्यां मनें मोडाकनें भलायेठें कें वें उजंडपनो न
करखनें सीखें।

२ दूजो पानो।—अबें जं सगलांकें पेंलड्या कहूंं कें
सगला लोगांकेई मांगणो वा यापना वा वीनती वा सुली

Digitized by Google

१ करी जाय विशेष राजांकें वा सगळा आसनकरणवाळा
बेई कें ज्ये साधुरीतमें वा सांचाईमें शांति था बिगर
२ बेंरसूं दिन काढां । क्योंस ग्रांकें तारणवाळा भगवांनको हक
३ में आ ठीक वा आरेंकरणयोग छै कें वको चावें छै कें सगळा
४ आदमी मुक्त वें वा साचता आरे करें । क्योंस एक भगवांन
५ ओर भगवांनकें वा आदम्यांकें बिचमें एक लोग मनलेणी
६ पिणछै अथवा उ आदमी योख बिसु वें यों ठीकवेळामें
साचदी करणांवबेई सगळांकें छुटीपेणको मोलबेई
७ आपनें दीनो । अं योशमें साची कथा कऊंछुं अं झूठ
कऊंछुं नही उ साखतो करणवेई अं ढंढेरो करणवाळो वा
हलकारा अथवा योखकी रीतमें वा साचता दूजादेस
८ वाळांकें एक सोखावणवाळा सेवामें निमल छुं । इंवेई
म्हारी इच्छा छै कें लोग रीस वा मनबिगर निर्मळहाथ
९ सगळी जागा उठांडर याचना करें । लुगायांपिण सरम
सूं वा गांभीरतासूं आपनें सतीसरोखा कपडा पैरावें
चोटियांटियासूं अथवा सोनो अथवा मोतीयांसूं अथवा
१० घणा किमतका कपडासूं सो नही । ओर भगवांनके सेवा
मानणवाळी लुगायांनें जिम्रा ठीकछै भलाकामसूं सभें ।
११ सगळो वरें लुगायां वस होयर अबोली वरर सीखें ।
१२ ओर सीखावणनें अथवा मोट्यारउपर आसनको कांम
करणसूं अं लुगाईनें करणनें देते नही ओर अबोल्यो रेंवनें
१३ आग्या देवुंछुं । क्योंस आदम पैलडा उपजायो गो उंपछै
१४ हावा । ओरपिण आदम भुळायोडो न गो पण रंड
१५ भुळायोडी ऊपर आग्या कांघी । ओर पण वें अकलबंदी
सूं प्रतीत वा प्यार वा संमेंगोकें कांममें रोजोना लेंलीन
रहें तो वावडो जणणसूं उबरसी ।

३ तीजो पांनो ।—आ साची कथा छै के जर कोई भद्दर
रकको कांम चावें तो उ चोखो कांम चावें छै इंसू
२ चाइजें के भद्दारक बिगर ओब एकरंबको धणी पेरेदेख
वालो संयमी चोखीचालचालवावालो संविभाग करवका
३ सुभाव सिखावबवेंलायक दारूपेर नही । मारबवालो
नही बिगरठीककांमसूं मायाभेलोकरबवालो नही पण
ठीककरबवालो वा कजियो नकरबवालो लोभी नही आप
का डावडांने बस करर सगलीतरेसूं सेवासूं आपके झूंपा
४ को आछो आसनकरबवालो छै । क्योंसके कोई जर आपका
५ झूंपाको धणीपाप करजांणे नही तो वे भगवानकी टोली
को कांम उणसूं कींतरें करसी । थोडे दिनांको भगत
६ पिण नही क्यांजांबा गुमानसूं मत ऊपर मोटाके दोसमें
७ पडें । ओरपिण जरूर छै के बारलाका लोगांकनें उंको
८ भलाई रहें के बदनामीमें वा मोडाका फासमें न पडें । जरूर
पिण छै के दीकन् सेनवालाछें दोय बोलीवाला नही वा
मोकलो दारूपेर नही बिगर ठीककांमसूं मायाभेलो
९ करबवाला नही पण साफ मनमें बीश्वासी रीतको भेद
१० राखबवाला व्हें । ओपिण पेंलको कीमत करणेडा व्हें उ
पछे बिगरओब जांनगया ऊपर दीकन् सेवामें कांम करें ।
११ ओरपिण तिरयांछै के बांकी लुगायां सेनवाला व्हें वा टंटा
देंणवाला नहीं पण पोरो देंणवाली वा सगला कांममें
१२ प्रतीव व्हो । दीकन् एकर लुगाइंके धणी ओर आपका
डावडांवें वा घरांका आसनकरबवाला व्हें । क्योंसके ज्यां
१३ दीकनके सेवामें चोखोरीत करी छै वें आपकेवेई चोखोखिद
मत वा बीशुखिस्तुकी भक्तिमें मोटी हिम्मत पावेंछै । थोडा
१४ दिनां पछे थारेकनें आवणनें भरोसो करर ओ थारें
१५ कनें लिखूं । के जर ओ ढील करूं तो तूं जांणे
के भगवानका झूंपामें रीतकरबनें कांईर ठीकछै के

जको जीवता भगवांनकी टोळी वा भगतको थांभो वा नींव
१६ छै। और निश्चय भगवांनकी सेवाको तत्वको उंडापणो
मोटोछै भगवांन डीलमें चोडें आत्मासूं सिद्ध कर्योडो दूत
वारांकनें चोडें दूजादेसवाल्यांकनें ढंढेरो कर्योडो संसारमें
विश्वासी प्रतापमें ल्याजोडो छै।

४ चोथो पांनो।—आत्मा ठीक कैवै कै भरम अंखव
२ वालो आत्मा वा देवतांकी सीखावण मांनणवाळा कपट
सूं कूडीकथा बोलणवाळा उंनालोहसूं दाग्योडो मन
३ व्यावको बरजणवाळो वा अका मींखकी वस्त साचप्रतीतो
वा साचसमभणवाळांनें सुतो आरै छोडणैई भगवांन
उपज्योछै वावस्त छोडणकें आग्या देणवाळा कितायक
४ लोग छेवडामें भक्ति छोडसी। भगवांनकी बणाई सगली
वस्त चोखीछै और अर सुतो करणसूं लीनी जाय तो
५ नखेणकी कांईं नहै। क्योंस वा भगवांनकी कथासूं वा
६ याचनासूं निर्मल करी जायछै। तें आ सगली कथां
भायांनें चितरायर अका भक्ति सीखावण काढीछै जूं भक्ति
की कथा वा चोखीसीखावणसूं पाल्योडा यिशुखीष्टको एक
७ उत्तम सेवक व्हसी। और अधर्मी वा डोकरी रांडांकी
सीखावण न सुणर आप भगवांन सेवाकें कांममें उद्यम
८ करो। क्योंस डीलकें उद्यम मेलकी थोडो फायदो देवें
छै पण संसार वा परलोककी वातवेलोमें करारकें योगी
ऊपर भगवांनकी सेवा सगलीतरेंसूं फायदावालीछै
प्रतीतकरणकी वा सगलीतरेंसूं धारै करणलायक कथा
९ वाछै। औरपिण म्हे इंकेंवेई देणगी करांछां वा गोदई
१० करोडा कांगां क्योंस म्हे जीवता भगवांनकें ऊपर भरोसो
राखांछां कें अको सगला लोगांको तारणवालोछै विशेष
११ रतुवारांका वें सगली आग्या दे वा भणाव। कांई थारी

१२ जवांनी निकमी करर न जांबें बेर कथा वा रीत वा
प्यार वा आत्मा वा प्रतीत वा निर्मलपणांसूं एवजारांका
१३ बांनगी हो। म्हारें आवणतांई भणणमें वर मन सोमा
१४ वणकरणमें वा सीषमें उद्यमी रहो। जका पेंच थारें
बीचमें छें उंमें गाफली मती करजें कं जको बोदांके पांचाय
तकें हाथ देंणकें भेलो निर्मलियाकी कथासूं दोनो गयोछें।
१५ यां सगलांमें चिंता कर वा सगलीतरेंसूं लेंलीन हो कं
थारो फायदो सगलांकनें चोडें दें आपकें उपर वा आप
१६ की सीषमें मन लगाय उंमें रोजीना लेंलीन रहो क्यांक
उ करणसूं आपनें वा आपका सुणणवालांनें उद्धार
करसो।

५ पांचमो पांनो।—बोदोडा आदम्यानें बोहीवे मती
लेर बाभाकनें जिसा ठीक तिसी उंकेंकनें वीनती करें
२ नवमोट्यारांकनें भायां इसे। वा डोकरी लुगायांकनें माउ
कनें जिसो ठीक तिसो वा सगलीतरेंसूं सुद्धरीत करर
जिसी बेंनकनें ठीक तिसी मोट्यार लुगायांकनें रीत करे।
३ जका लुगाई ठीक लुगाईछें वांकी आदर करें। पण कोणी
४ रांड कें जर डावडा वा भतिजा रें तो वें पेंलडा आपकें
भूंपामें चोषाकामकरणसूं वा आपका माउबाभाको उलटो
उपगार करणमें तालीम दें क्योंक भगवांनकें परवा यो
५ कांम चोखोछें वा भलो लागेंछें। जको लोग ठीक रांड वा
विधवा वा भगवांनको आसरो करेंछें वा रातदिन याचना
६ वा वीनती करणमें रोजीना लेंलीन रेंछें। बेर जवे
चेंन भोगमें दिनखोडेंछें वें जीवतथकी बेलामेंमिश मर्‍यो छें
७ वांकें बिगरणांमी होणवेई आ कथा आग्या कर। बेर
८ जर कोई आपका गोतीयांवेई विसेष आपका भूंपाका
लोगांवेई उद्यम न करें तो उं लोग भक्तीनें निकमि करर

९ आंखोछै ओर बिगरइतबारसूंपिण नीदछै। किसी रांड
नें बोल्योमें मती लिखजे कें जका साठां बरसां उमर
सूं ओछीछै एक मोट्यारकी लुगाई जका अहै ग्री चोखा
कांमसूं मोटी चोखाईछै कें डावडानें पाल्योछै वा अतिथी
१० नें आगा दोनोछै वा संमेग्यांका पग धुवायाछै वा दीनांका
उपगार कर्योछै वा यावेंसा चोखाकांम यतनसूं कर्या छै।
११ ओर मोट्यार लुगायांनें आरे करज्यो मती क्योंस जद वीष्ट
१२ का वेंरमें मोट्यारकी संगत चावण लागसी तद वें यांमी
१३ दार ऊपर आपकी पेंलडीप्रतीत छोडर परणसी। वेंपिण
ऊंपेंर भटकतांर आलस ज्यां सीखेंछै ओर खाली आलसु
सो नहो पण न केंणको कथा केंतीर मोटी बकवड वा
१४ मकारण चर्चाकरणवालीपिण होणनें सीखें छै। इंवेंई
ऊं चाउंछु कें मोट्यार लुगायां परणें वा डावडा जणें वा
१५ घूंपणांको धंधो करें वा वेंरीलोगांकी नंधा करणनें कारण
न देवें क्योंस अबें कोईर मोडाकें पिछाडीर आंखनें भटको
१६ छं। किसी प्रतीतकरणवालामें मोट्यारको अथवा लुगाईको
घर रांडरें तो वें वांनें पालें वा टोलीको खरच करणो
१७ भार नहें कें उ ठीकरांडांको उपरसरो करें जको बोदोडा
चोखी तरें आसन करेंछै वे दूनीमर्यादालायक गुमार चें
१८ विशेष जके कथामें वा सीखणमें देंनगी करेंछै। क्योंस
धर्मग्रंथमें यो केंछै धांन खुंदणवाला बलदको मुंडो मती
१९ बांधो ओर मजूर लोग आपकी मजूरी लायकछै। दोय
तीन सायदयांकें मुंडाबिगर बोदोडाउपर टंटो मारें
२० मती करो। पाप करणवालानें सगलांकें सांमां धीदाय
२१ कें दूसार लोगपिण बीहें। भगवान वा प्रभुयिसुख्रीष्ट
वा सरावर्णां हलकारांकें सांमो थारा रायणसूं कुंछि
नकरर वा आनाकांनी कुंछि नकरर आ कथा पालणनें
२२ कं थांनें आग्या देउंछुं। रकोवार कीकेंई उपर हाथ

Digitized by Google

मत्ति फेंको ओर लोगांके पापका सिरस्लीपिया मती वं
२३ जियो आपनें साफ राख। पाणीयांसी ओर मती पि
वेर थारा पेटवेई वा थारी बार२ मांदगीवेई थोडोर
२४ दारूको भोव पी। कोंईं२ पाप विचारवेंवेई वांकें
आगाऊ जानवाला ऊपर पेडे वेंछें ओर कोंवेंईर
पिछाडी जानवाला वेंछें उंईतरें कोंवेंईर आछाकाम
पैलडा पेडे वेंछें वा अके दूजीतरें वेंछें वें लुकायोडा रह
न सकसी।

६ छठो पाँबो।—जित्ता पडदा ज्यादावें आधीन वें
छें वें आपकें२ धणीनें समली मर्यादाजायक संख्या करो
कें भगवानकें नांवको वा सीखावणकी गोई मदें आकें
२ पिण प्रतीत करणवाला धणीछें। वें वांवें भाई होणसूं
वांनें नाकारा कर न जांसें पण वांनें मालमद वा भला
वा फलका सरीको होणसूं पण वांकी कर्त्तसेवा करें
३ आ कथा भणाय ओर सोधावण कर। जर कोईंपिण
दूजीतरें भणें वा परेज कथा अथवा म्हांवें प्रभुयिशु
खीष्टकी कथा वर भगवानकी सेवाका कांममाफक तालीम
४ आरे न करें तो उ लोग गुमानीछें। वा कुंछि यांवें
नहीं लेर पूछणें वा कथाकी बासवेजीमें कजियासूं मत्सरने
ऊपर गुमानीछें जींसूं दुसमनी वा भागडो वा दूजाको
५ टंटो वें वेरता वा भिअट मन। वा साचताबिगर
लोगांकें बदलेंबदलें उपज्या छें कें अके लोभनें भगवानकी
६ सेवा मानेंछें इसा लोगांसूं न्यारो राख। लेर अवसी
७ कें भेला भगवानकी पूजा मोटको फ़ायदो छें। क्योंस
इं संसारमें म्हे कुंछि लारें ल्याया नहीं ओर आ ठीक
८ छें कें उंसूं कुंछ लारें लेजाया सकसी नहीं। इंईं
९ म्हानें खाणोपेंरणो भवांसूं म्हे अघामी वां। लेर जको

मायापाच्च होबको उधम करेंछे वें कोमतमें वा कायदामें
वा दीवांनीसरोके वा हिंसाकरबवाला मोकला कमि
नाथमें पडेंछे कें जको बोजआंणमें वा बलाकोमें लोगांनें
१० डुबावेंछे । कीयुं धनलोभ सगला खोटाकांमको जड
छे कें जींको लोभ किथी करर प्रतीतको मारग भुल्या
११ छे और आपनें मोकला कष्टसुं बींध नांख्याछें । और हे
भगवांनका लोग तुं यां सगलांसुं भाग और सिधाई वा
भगवांनकी पुजा वा प्रतीत वा प्यार वा धारे वा नरमोके
१२ पिछाडी जावबाला हो । प्रतीतसरिसो चोखोराड कर
अनंत आउखो कपड कें जींनें भोग करबनें तुं बुलायोडोछे
और मोकलासाखवांकें सामा चोखोकरार धारे करयो छें ।
१३ सगलांनें प्रांणदाता भगवान और यिसुखोष्टकें पिछ
१४ सांमो कें जो पंतियस्पीलातकें सांमो चोखे साखतो दीनो
तनें ऊं आग्या देवुंछे कें तुं म्हांकें प्रभुयिसुखीष्टकें पोडें
१५ होखतोडी कें आग्या बिनदोख वा निखुंतीसुं पालो जींनें
आपकीबेलामें उ पोडें करसी कें जको धन्य वा अदुजो
धणी राजाधिराज वा प्रभुवांका प्रभु जींकेबिगर अमर
१६ पणो और कींकोई नहीं । कें जको नजीक सककके पांन
खामें रेंबवालो छे जींनें कोयो देख्यो नही वा देखब सकें
पिण नही कें जींकेनें मर्यादा वा अनंतबलकी प्रसंसा
१७ हो । आमिन् ।
ई संसारमें मायापाचनें आग्या दे कें वे अहंकारी नहें
और नटेकनवाला मायाउपर प्रतीतपिण नकरें और
१८ जीवता भगवानउपर प्रतीत करें कें जका म्हांका भोगबेई
सगली वस्त मोकलीतरेंसुं देवेंछे कें वें चोखाकांम करें
१९ और चोखाकांमतरें मायासुं धनवांन हों और दानदेंण
लें त्यार हों वा दांनकरबनें चावबाला हों । और अनंत
आउखो आसाकरबनें होबहार पुतबेई आपकेंवई

२० उत्तम नीव देवें । हे तिमोतियस् धर्म छोडोडा वा निकमी
बधा वा भूठी विवासरोक्ष विख्यातविद्या कें जोनें कोईर
प्रतीत करर भक्तिको पासपेलीमें भूल्योठें यां सगवावें
२१ छेडर अको थारेंकनें भवायोठें सो पाव । अनुग्रह
थारें उपर दें । आमिन् ।

Digitized by Google

पाउल् अको दूजो कागद तिमोतियस्कनें लिख्योछे।

१ पैलको मांबो।

१ अको जीवतयको करार लीष्टयिसुमेंछे उं माफक
भगवांनकी इचसूं यिसुलीष्टको हलकारो पाउल् वाको
२ डावडो तिमोतियस्कनें कागद लिख्योंछे। भगवान बाभो
वा म्हाका प्रभुयिसुलीष्टसूं अनुग्रह वा दया वा शांति हो।
३ भगवांनकनें अं स्तुती करंछुं कें जीनें म्हारें पैलका पुरष
सूं निर्मल मनसूं अं सेवा करंछुं थारा आंसूं चिता
रर वा आनंदसूं भरणापूरणा होवबेई तनें देषणनें मोकलो
४ चायर था अको निकपटीप्रतीत पैलका थारें नांना लोईस्
में छे वा थारी माउ इउनिकोमें छे वा इंमें अं बिगर
५ प्रतीतपिण छुं कें उ तेंमेंपिण छे कें चितारर अं रातीना
६ रातदिन आपकी याचनाकी वेला तनें चिताछुं। इंबेई
भगवांनको दीनोडो वा पोंच बोटणनें अं तनें चितरा
७ उंछुं कें अको म्हारें हाथ देंणसूं थारें बिचमें छे। क्योंक
भगवान म्हानें डरबको आत्मा न दीनोछे पण बल वा प्यार
८ वा चोषोब्योंतको आत्मा दीनोछे। ईंसूं म्हांकें प्रभुकें
साषदीकी बधामें वा उंको बंधुवान कें अं छुं म्हारेबेई
पिण लाजां मती मरजे लेर भगवांनकें पोंचकें माफक तूं
९ मंगलिककथानें सामल कष्टभागी हो। कें बीं म्हानें
उद्धार कर्‍योछे और संमेर्‍यांका बुलावासूं म्हानें बुलायोछे
म्हांकें कांमकें माफक तो नही पण आपको अको करार

वा अनुयह संसारवें पैंवडा खीस्टयिसुमें म्हारें दीनोगयो
१० छे वाकें माफक। बेर म्हांकें तारक यिसुखीस्ट उंवो
दिखालो देंखसूं पोडेंछे कें औं मोव गुम करोछे वा मंग
लीकवथासूं पांनखो वा अमरपखो पोडें बखोछें।
११ औं मंगलीक कथांवो ढंढेरो करखवालो वा हुकका
रो वा दूआदेंमवाल्यांवो भखावखवालो मैं निमें छुं।
१२ इंवेई अंपिस वें सगला भोग ब्रहंछु बेर मं वखवावो
नछुं क्यांकि मं जाखुंछुं कें जोंवी बात कपडीछें बोर मं
ठाक जाखुंछुं कें में उंवें हाथे अवो भखायेछें उ उं दिन
१३ तोड़ी उ रखाली कर सवेंछें। बवा परेअवी कथा मेंसूं
तें सूंवीछें उंवी रोत खीस्टयिसुमें अवा मवोंव वा प्यार
१४ उंसूं उ वाठो करर रुपड। अवा बोखीवस थारेंवनें
भखायोडी छी उ म्हावें बिचावें रेंखवालो धर्मआसूं
१५ रखाली कर। तूं जांखेंछे कें आसिआवा ब्रिता लोग
वें सगला मेंसूं मुखाछे कें ज्यांवें बिचमें फुगेल्लस् वा
१६ हरमेगेनिस् छे। आनेसीफोरस्वें भूंयावें लोगांउपर
प्रभु दया करो क्यांक उं मनें बारर आराम दखो गे
१७ वा म्हारो सांकलसूं खलमरतो न छे। बेर हंम्में रेंर
उखमसूं म्हासी खबरदारी करी गे वा मनें बाखोगे।
१८ बोर प्रभु अनुयह करें कें उ उं दीन प्रभुसूं दया बावे
इफीससमेंयिव उं जोता कांममें म्हारी सेवा करी वा
तूं प्राषीलरें जांखेंछें।

२ दूजो पांनो।—इंवेई हे म्हारा छावरा तूं खीस्ट
यिसुवें अनुयहमें बलियो हो वा अवा कथा मोकखा
१ साख्यांवें बिचावें म्हारो जीभसूं तें सुखीछें वा इतबारी
लोगांवनें भखाय कें अवो दूजाइ लोगांवें सिखाव
३ खसखां। इंवेई तूं यिसुखीस्टका खोधा सरू डीस्वांश्वां

४ इसो तीमोस सें । राड करणवालो कोई लोग है संसार
का काममें आपनें अटकावें नही कें उंकी राजीपणो करें
५ कें जों डोकराख्यांमीरीकें सेवामे उनें कराये। कोई
पिण फर जोतनवेई उधम करें तोपिण अवस्था इसो
उधम नकरर मुगट पेरवनें अभिषेक करयो जाय नही।
६ हेंनती करणवालो खेतधड अको लोग उंनें सगळांकें
७ पेंबडा फल भोगी होवको ठीक छे। के अको कडंग
को विचार राख अेर प्रभु सगळो बातवेंळीसें तनें ग्यांन
८ देवें। दाउदकें कुळको उपजोडो मेंसूं धाडें करोडो
मंगळीक कथाकें माफक मोतसूं उठजोडो यिसुनें चिता
९ र। जोंकेंवेई के बोदाकांमकरणवाळाइंयो बंधणवेंछो
१० कष्ट वाधुंछु लेर भगवांनकी कथा बंधी नछे। इंसूं
के सरसवण्योंकेई सगळो सउंछु के वे खोटयिसुमें अको
११ उधार अनंतसुखी समेत वांधें। आ मतीत करवकी
कथा छे के अर म्हे उंके भेळा मरें तो उंकें भेळा
१२ जीवतथ भोग करस्यां। अर कष्ट सेंय सकें तो उंकें
भेळा राजपिण करसी अर उंनें फिटकार करें तद उ
१३ म्हानें फिटकार करसी। अर म्हे मतीत न करां तो
पिण आ मतीत करणलायक छे वा आपकी कथा गट
१४ सकें नही। सुणणवाळांको उंधावणबिगर निकमो अका
कथा वांकी बातचेंळीमें वजियो नकरणनें प्रभुकें सांमो
१५ आ आग्या वांनें देर आ कथा वांनें चितरावें। सराक्षार
वा निसरडोकाम करणवाळा कें नबे साचकें उखिडारें
कथाको राकविरोढ करेंछे तूं आपनें भगवांनकें सांमो
१६ देखवको उधम कर। लेर धर्मरहित वा निकमी कथां
सूं अळगो रें क्योंकें वें भगवांनकी सेवा ओर न करया
१७ तोही वधसी। अेर वांकी कथापिण काटसरीषी बाय
को म्हांके बिचमें हमेनाइस वा फलीतस छे के वांको केई

Digitized by Google

१८ उपडगिा अबें बह गयोछै आ कथा केंर साचकी बाबतेसोमें
१९ भुल्यागा वा कोंकोर प्रतीत उंधाईछै। लेर भगवांनकी
करोडी नीव निसलछै वें जींकें उपर आ छापसूं चेप्यो
वें प्रभु आपकें लोगांनें पीछांनेंछै ओर जके पांवेंसो नांम
२० खोरको नांव लेंछै उ लोग अयथार्थपणो छोडें। लेर मोटा
झुंपामें घाली सोनो अथवा रुपो ठांव जके छैंछै सो नही
लेर काठका वा माटीकापिण छैं ओर कितांक मर्यादा
२१ केंबेई वा कितांक अमर्यादाबेई पिण। ईबेई कोई आप
नें यांसूं साफ कररे निर्मळ वा प्रभुका कांमआवण वा
पावेंगो चोखाकाममें त्यार मर्यादाबेई एक ठांव बणसी।
२२ मोल्यारोबेलाको उपज्योडो संगलसूं भाग लेर जके साफ
मनसूं प्रभुबेंकनें वीनती करेंछै वांकें भेळा यथार्थपणो वा
प्रतीत वा प्यार वा बिगरदुसमणी उद्यम करो।
२३ पण अग्यांन वा अविद्या पूछणो कजियावें उपजावेंछै आ
२४ जांणर ओ छोडो। लेर प्रभुकें सेवकको बैरकरणो
ठीक नही पण सगलांकनें गीलो छेणो भणावणमें त्यार
२५ छेणो सैंणवाळो छेणो ओर गीलासरीखो बैरीकाराबें
भणावणवाळो छेणोपिण ठीकछै कें साच जाणकरबालोडो
२६ किसोतरें वांनें भगवांन पछतावो देवें। वा मोडाका दावसूं
बीचता कपडा गयांसूं जकें वें उंकी मरजी करणनें छोम
वाळा छें।

३ तीजो पांनो।—ओरपिण आ जांणो कें छेवडा
२ दुनको काळ करडो आसी आदमी सागोप्यारकरणवाळा
लोभी सेखीकरणवाळा गुमांनकरणवाळा भगवांन निंदा
३ करणवाळो मांउबाभांनें न मांनणवाळो नई किरियावर
वंत अधर्मी गोवीप्याररहित सरतंतमेटणवाळा कूडो
दोषोदेंणवाळा जितन्द्रियरहित पारडो हंमेसी लोगांनें

Digitized by Google

४ निकमो कर नांखणवाला। विश्वासघाती एक गूर्यो अहंकार
सूं उपयोड़ा भगवानसूं बत्तो सुखनें प्यारकरणवाला भग
५ वांनकें सेवाको डोल राखणवाला और उंकी पोंच निकमी
६ कर नांखणवाला इसा आदम्यांसूं मुडो। क्योंस वें इसी
तरेंका छै कें जके भूंपामें आयर पापसूं बोझोडी वा
तरेंरकी संगतसूं बिगरयोस रांडीना सीखावण करता।
७ लेर साचको पासवेलोमें ग्यांननेंपिण लेणसकें नहीं इसी
८ लका डोफाई लुगाईनें भुलावेंछै। जिसो यम्रेस् वा
यांब्रस्‌नें मोसहकी दुसमणी करीछै तिसा वें खोटेंसुभाव
वा भक्तिकी बासमेंलोमें बगावणलायक साचवाकी बेरता
९ करेंछै। लेर वें ओरआगें बधणपासी नहीं क्योंस
जिसी यांकी तिसी यांकी मखी सगलांकनें चोडें हुसी।
१० लेर म्हारी सीखावण वा रीत वा ठेरांणो वा भक्ति वा
११ मोकलादिनांतांडो सेंवो वा प्यार वा धारे करवो। लेर
आंटियोखमें वा इकोनियमें वा लस्त्रामें में जका दुख
मखी वा कष्ट पयो सें सगलो तूं चोखीतरें जांणेंछै लेर वां
१२ सगलांसूं प्रभु मनें छुडायो। लेरपिण जित्ता लोग खीष्ट
यिसूमें भगवानकी सेवा करणमें दिन काढणों चावेंछै वें तो
१३ सीस् पासी। लेर दुष्टलोग वा लालबाज लोग करतार वा
१४ लोतमें पडतार प्रगर बींठा हुसी। लेर तें जको सीख्योछै
१५ वा जके बारेंकनें भलाया गयाछै वांनें तें सगलांकनें सीख्योछै।
आजांघर लेर कें तूं डावडोपणको वेलासूं धर्म्मशास्त्रको
जांणवेंवालो हवोछै आपिण जांणर वांनें रें कें जको धर्म्म
शास्त्र खीष्टयिसुकी बासवेलोमें प्रतीतसूं तनें उद्धारको जांण
१६ णवालो कर सकें। समलो धर्म्मशास्त्र भगवांनकें लेखिन करणें
दीनो गयोछै लेर सीखावण वा अनुयोग वा शासन वा यथार्थ
कांमका उपदेशवेई फलदेंणवालोछै कें भगवानका आदमी
भलापूरा हें वा सगलीतरेंसूं चोखाकांममें सजा रें।

Digitized by Google

४ चौथो पानो।—इसूं भगवान्‌कें सांमा और प्रभु
यिसुखीष्टकेंपिण सांमा जं वनें या आग्या देवूं छुं कें
अबे आपकें चौडाकीवेळा वा आपका राजमें जीववा वा
२ मुडदाळोगांको विचार करसी। बचां छंटेरो फेरो
वेळा अवेळा त्यार रहो मोकळा दिन सेंघो वा सीषावणी
३ भेळो अनुयोग कर वा डटक वा उपदेश कर। क्योंके
जींवेळा वां साचसीषावण सें नसकसी लेर कान खुज
ळांखवाळो ऊपर आपकें मनमाफक आपकेंवेई सीषावण
४ वाळांनें भेळा करसी ड बळा आसी। वें साचसूं कांन
५ मुडायर गपकें कथाऊपर मुडसी। लेर तूं सगळी
बातबेळांमें धीरो दे कष्ट आरे कर मंगळीककथा
करणवाळांको कांम कर आपको सेवाको पूरोसाबतो दे।
६ क्योंके जं मनें उपसर्गी कयो होबनें त्यार छूं म्हारें
७ सदणकीवेळा नेडी आईछें। में उत्तमराड करीछें में
८ दौटमें दोडणा परवायोछें में भगत पाळीछें। अबाईसूं
यथार्थपणें उजियारे मुगट म्हारेंवेई राख्यो गयो छें के
जीनें ठीकन्यांवकरणवाळो प्रभु उं दिन मनें देसी वा
म्हाळी मनें सोपिण नही लेर जितना लोग उंको पाछें होबो
९ करावेछें वानेंपिण देसी। म्हारें कनें बेगो आवणकी
१० जुगत कर क्योंके देमस् इं अबारका संसारसूं प्यारकरर
मनें छोड्योछें वा थेस्‌लोनीकामें गयोछें वा क्रेसेंस् गलाति
११ तियामें वा तीतस्‌दाल्‌मातीयामें गयोछें। एकली लूक म्हारें
कनेंछें मार्कनें आपकें भेळो लियाजे क्योंके सेवामें उ म्हारो
१२ म्हारें चोखोउपगारीछें। तिखिकस्‌नें में इफीसस्‌में मेल्यो
छें अबे थेंरआ गामा में त्रोयास्‌में कार्पस्‌कनें राख्याछें
वा और जका पोथी उठेंछें लेर सगळांसूं बत्तो वा चाम
१३ कीपोथी थारें आंवणकीवेळा लारें लीयाजे। आलेक्सांडर
ठंठारें मनें मोटी तोसीस दीनीछें प्रभु उंका कांममाफक

१४ उंनें फल देसी। तूंपिण उंसूं निर्वेवांन रहजे क्योंक
१५ उं म्हाकें कथाकी मोकली बेंरता करोछें। म्हारें पेंहला
१६ उथलोदेंणकीवेला कोई म्हारें साथे न रयो पण सगला
१७ लोग मनें छोड गया वांकें हिसाबमें लिख्यो न जाय। लेर
प्रभु म्हारें भेलो छे वा मनें बलियो करियो कें म्हारो
बांहसूं मंगलीककथां बोलेंआंनां छेंहडो हो वा दूजा
देसवाली सगला सुणें लेर उं मारका मुंडासूं छूटोछे।
१८ लेरपिण प्रभु मनें चावेंसो घाटाकांमसूंपिण छूटकारो
करसी वा आपका सर्गका राजतोडी रुखालो करसी
१९ रांओनाचावें जों वेला उंकी खुसी हें। आमिन्।
२० प्रसकानें वा आकलानें लेर ओनेंसिफोरस्कें गोतों
लोगानें वंदना करें एरास्तस् करंतियामें रयो लेर त्रोफी
२१ मस् मांदो ह्वांसूं में उंनें मिलेतस्में छोड्यो। सीयालाकी
रुतमें पेंहला आंवणको जुगत करजे। इउबुलस् वा पुदेन्
स वा लीनस् वा क्लदिया वा सगला भाई थांनें वंदना
२२ करेंछें। प्रभुयिशुखोष्ट थारें आत्माकें भेलाफो हे। अनु
ग्रह थांकें उपर हे। आमिन्।

पाउल् हलकारैं अठो कागद तीतस्कनैं लिख्योड़ो।

१ पैलड़ो पानो।

१ भगवानका सरावण्यां लोगांकैं भगतमाफक और अनंत
आउखाकैं भरोसाको चालचेलीमें भगवानको सेवा माफक
साचता आरे करणकैं माफक भगवानको सेवक वा
यिसुखोस्टको हलकारो पाउल् भगतसूं आपका डावड़ा
२ तीतस्कनैं कागद लिखेंछैं। कूड कैण न सकणवाळो
भगवान अठो अनंतआउखो संसारकैं ठेटकैं पैलड़ा
३ करार कर्‌यो। लेर भगवान म्हांकैं तारककी आग्या
माफक अठो छेहरो ओधो म्हारैकनैं भळायोड़ोछैं उंसूं
४ आपकी कथा ठीकबेळा कनैं चोड़ैं कर्‌योछैं। भगवान
बाभो वा म्हांकैं तारक प्रभुयिसुखोस्टसूं अनुग्रह वा कृपा
५ वा शांति घें। मैं अेतमें तनैं इणिहे राख्यो कैं असम्पूर्ण
अकेरछैं उ ठीक करैं जिसो मैं तनैं कैर निमण कर्‌योछो।
६ तिसो अठो कोई बिगरखोट एक लुगाईको घणी वा जींकैं
डावड़ा बिश्वासी वा बेंधाकरणसूं वा धीठासूं अपवादीन
नछैं इसा लोगानैं चावैंजीं नगरमें बीदोड़ा थोपनैं
७ निमण करैं। क्योंस भगवानकैं दीवानसरीखो बिगर
खोटो वा साटीभरांवणी नहीं एकीवार रीसो नहीं
दारुकीपियण सुभाव नहीं मारणवाळो नहीं भिसटलाभमें
८ लोभी नहीं। लेर संबोभागकरणवाळो वा संमेग्यांनैं प्यार
करणवाळा वा संयमी वा साचो वा साधु वा ठीक

Digitized by Google

९ माफक चालणवाला। और औसो सीपायोड़ोछै तिणेर प्रतीतयोग कथानें काठोराखणवालो कें बिगरखेंच सीखावण सूं बैरता करणवालांनें सीखावण और रद्दकरणने सके
१० इसावें भडारक होणको लिखेंछे। क्योंकि बेवमलोग वा निकमी कथा केंणवाला वा भरम न्हाखणवाला मोकला लोग
११ छै बिसैंच सुनतीलोगांकें बीचालें कें ज्यांको मुंडो मुकर मुंदणो पड़सी जको भिसटलोभवेई सीखणकी न लायक कथां
१२ सीखातार समला कबीलावें उंधाय नाखेंछे। वांकें एक लोग अथवा वांकेंपिण आपणो भडारक एकलोग कयो कें क्रेती रोजीला कूड़ो केंणवालाछें दुष्ट चोपद होलेंर चालण
१३ वाला पेट छे। औ साखवो साचछै इवेई वांनें करड़ा भांडर कें वें थिऊदी असलेदो वा साचला उथांवणवाला
१४ आदमीकी आग्या नमांनर बीष्टका मतमें काठा वें।
१५ पविब्रलोगांकनें सगलो पविब्रछें। पण भिसट वा बिगर इतबारीकेंकनें कुंछियण पविब्रनछै लेर वांकी मन वा जीव
१६ भिसट छे। वें आरि करेंछै कें भगवानकें जांणांछां पण गोईलायक वा नमांनणवाला वा पावेंजी चोखाकामकें फायदामें निकमो कर जांणणलायक जयर कामनें फिट कार करेंछै।

२ दूजी पांनो।—लेर तूं अखोसीखालायक प्रकार
२ कथाछे वा कें। कें डोकरा मोट्यार विवेकी वा ऊंडा वा पटकलामाफक चालणवाला वा भगतसूं वा प्यारसूं वा
३ सेंसूं काठा वें। डोकरी लुगायां पिण कें वा वारें कें जका धर्मसूं यवहार लाभा बाधें कुड़ीअपवादी न कें वा घणो दारुषोर नकें चोखीवासवेलोमें भणणवाली
४ कें। कें मोट्यार लुगाईनें विवेकउलिहारें होणनें वा

आपकार धणीनें वा डावडानें प्यार करणनें वा ध्यांन
५ करणवाळी वा सती वा आपकें भूंपेरेंणवाळी वा चोखी
वा आपका धणीकी आग्याकारी होणनें भणाय कें
६ भगवांनकी कथाकी वदनामी न हों। मोट्यार लोगांनेंपिण
विवेकसूभाव होणनें सीखावण कर सगळा कामसूं आप
७ नें चोखाकामको नांनगी दिखायर सीखावणसूं बिगर
लोभ उंडापणो वा साचता और बिगरखेव परेजकी
कथापिण दिखाय कें दुसमनलोग थांकी वदनामो करणको
८ कुंहि न लाधर लज्जित हों। चाकरांनें सीखावण
करियें कें वें आपकेंर धणीकें आज्ञाकारी वा सगळीवात
मेंलोमें राजीकरणवाळा हों उथलो नदेता और चोरी न
९ करता। और चोखीतरेंसूं विश्वासकी रीत करता, वें
म्हांको उद्धारकरणवालो भगवांनकी सीखावण सगळा
१० कामसूं सोभा देवें। क्योंक भगवांननें नमांनणो वा
११ संसारको संगतनें अलगो राखर म्हे उंचेन देखणवाळा भरोसा
को और भगवांनकें अथवा म्हांको तारणवालो यिसुखीष्ट
कें मानणाकें चोडाका वाडजोयर हूंहवालका संसारमें
१२ विवेकीसरीखो वा सिधाईसरीखो वा भगवांनको सेवा
१३ करणकीसरीखो रीत करें म्हांको को भणाणवालो उद्धार
उपगांणवालो भगवांनको अनुग्रह उ अवग्रह सगळां
१४ आदम्यांकनें चोडेंडे कें जीं म्हांकेंवेई आपनें दीनो कें म्हांनें
सगळा अयथार्थपणासूं छुडावें वा आपकेंवेई चोखाकांम
१५ करणनें त्यार विशेष एक गोती निर्मल करें। आ कथा
कें वा सीखावण कर वा सगळा हेकेदारीसूं फजिहत कर
कोई थांनें निकमा करर नजांणें।

३ तीजो पांनो।—राजाधिराजांकें वा बळियांकें आग्या
२ कारी होणनें वा धण्यांनें मांनणनें चावें जीं चोखाकांम

सूं प्यार होयनें वा कोंकोई सोठी नकरणनें वा झगडालु
न होयनें ओर सीधो होयनें वा सगला लोगांकनें भोलाई
३ दिखावणवाला होयनें वांकें मनमें दे । क्योंस न्हे आपपिण
पेलडा दिनांमें असमझ वा नमानणवाला भुल्योडा वा
तरेंतरेंकी संगतकें वा सुखका सेवक वा खोटाकार वा
दुसमणीकरणवाला वा गोईलायक वा आपसमें गोई
४ करणवाला छा । ओर आदम्यांकनें म्हांकें तारणवालो
५ भगवानको नेह वा प्यार चोडें हवापिछें उं म्हांका कर्‍यो
डा सिखाईका कांमसूं नहीं पण फेरजणमें उजिआलाका
धुवावणसूं ओर धर्मात्माका करणसूं दूजीवार नवो
६ करणसूंपिण म्हांको उद्धार कर्‍योछें धर्मात्मा कें जीनें म्हांका
तारणवाला यिसुखोष्टकी वांहसूं म्हांकें उपर भोकला
७ कुठीयोछें। कें न्हे उंका अनुग्रहसूं सिद्ध कयां आयर
अनंत आउषाकें भरोसाकेंमाफक कोठारी हों आ कथा
८ इतबारकरणकी छें। ओर ऊं चांउंछुं के तूं ईंजोना
कोठाईसूं आ कॅर कें ज्यां भगवांनमें प्रतीत करीछें वें
चोखाकांम पालणनें उद्यमी हों आदम्यांकेंवेई चोखो वा
९ फायदावंत ओर छें। ओर दीवांनपणेंको मुलगो वा कुलको
वखांन वा झगडो वा तोरेतकी बासबिजोमें झगडो छोड
१० क्योंस वें निकमा वा बिगरगरजछें। जको लोग देरेतिक्
छें उ लोग उंधो वा आपसूं दोषीहुयर पाप करेंछें
११ आ जांणर इसा आदम्यांनें एकवार वा दूजीवार भांडकरण
पछें छोड ।

१२ जद ऊं आर्तेमास्नें वा तिखीकस्नें थारेंकनें भेजूं तद
१३ निकपलिस्में म्हारेंकनें आवणकी जुगत कर्‍ये। क्योंस
सीयालाका दिनमें उठें रेंणको म्हारो मनसोबो छें जेनस्
व्यवलेफकीह वा आपल्लस्नें वांकें डेरोखदनमें कमाकीसूं
१४ यारी करजे कें वांकें किणीफायदामें कसुर न पें। म्हांकें
१५ लोगपिण बेगाकांमवेई उद्यमसूं भलाकांम करणनें

Digitized by Google

भक्तावें दें वें निकमां न चें म्हारें भेजा जिता खोगळें वें दंग ब्रा धावें वंदवा करळें। जको कोई खोटका धर्ममें म्हावें प्यार करेंळें वांनें वंदवा करो। थां सगळांउंपर अनुग्रह हो। आमिन्।

Digitized by Google

पाउल् जके दागद फिलिमोन्केकनें लिख्या सो छै।

१ पैलड़ो पानो।

१ यिसुखीष्टको बंदीवान पाउल् वा तिमोतियस् भाई
२ म्हांकें बाल्हो वा साथी फिलिमोन् वा प्यारो आफ्फी अथवा
म्हांकें साथीलश्कर आर्खिपस् वा थारे झूंपामें जका टोळोछै
३ वां सगळांकनें कागद लिखेंछै। भगवान म्हांको बाभा
सूं वा प्रभुयिसुखीष्टसूं अनुग्रह वा स्थिरता थांकें उपर्
४ हो। प्रभुयिसुको वा सगळा पुण्यवानांउपर थारो जको
५ प्यार वा प्रतीतकी कथा सुणर जं आपकी याचनाकी
वेळा थारो नांव सदाई लेर म्हारा भगवानकी स्तुती करूं
६ छुं। ओर जं याचना करंछुं कें खीष्टयिसुका एलावेमें
जके सगळा गुण तेंमें छे वें उंको आरे करणसूं थारी प्रतीत
७ को प्रवेश काढो हो। क्योंस हे भायाँ थारा प्यारसूं म्हानें
मोटो आनंद वा धातरी छें क्योंस समेगी लोगांको मन
८ थारें करणसूं चैन करयो जायछें। अकेर ठीकछें वें तनें
९ आग्या देणनें जं खीष्टमें हिमती जय सकूंछुं तोपिण जं
पाउल् डोकरो ओर अबेंपिण यिसुखीष्टको एक बंदीवान
१० जयर प्यारसूं पण तनें वीनती करूंछुं। मैं आपका ओं
डावड़ानें अटकाबेका जणायोछें अथवा ओनिसीमस्नें
११ उंकेंवेईं जं तनें वीनती करंछुं। कें जके पैंलड़ा थारो
निकमोकारछें लेर अबें थारो वा म्हारो फायदाकार
१२ जवोछें। उं मनें फेर मेल्योछें इंवेईं उंनें वें तुं जके म्हारे

Digitized by Google

१३ आपकें आतांसरोबे छ्ं। उंनें में आपकेंकनें राखणें
चायो कें उ थारें नारबसरोबे मंगलीक कथांवेई बंध
१४ हांसूं म्हारी सेवा करें। पण थारी मरजीबिना उं
कुंहि करणों चांउं नही कें थारो उपगार करबो निबें
१५ जबो उपगार इसो नहीं पण मनसूं हें। क्योंके जय
सकेंछे कें उ तनें छोडर कुंहि दिन गया कें तूं उंनें
१६ रोजीनावेई लेसी। अबें घडयांइसो आरे करसी सो
नही लेर घडयासूं बत्ताबाला भाई इसो विशेष म्हारें
उपर पण डोलकी बासपेजोमें वा प्रभुकें कायदमें उंसूं
१७ किता बत्ता थारेंकनेंछे। इवेई तूं अर मनें सहभागी
१८ कर जांणेंछे तो उंसूं म्हारें आपकें इसा आरे कर। अर
उं कुंहि थारो बिगाड करयो हें अथवा थारो कुंहि
१९ देंणो धरातो हें तो उ म्हारा लेणामें लिख। में पाउल्
आपका हाथसूं ओ लिख्योछें कें उं उ चुकाब देसूं लेर उं
तनें कउंछुं नही कें तूं म्हारेंकनें आपका आबको
२० लेंणायतछे। हे भाई प्रभुमें तेंसूं म्हारो आनंद हें
२१ प्रभुमें म्हारा मननें आराम कराय। थारो आग्या
कारी होणसूं प्रतीती जयर वा तूं जको म्हारें केंणसूं
बत्तोपिण करसी आ जांणर में थारेंकनें लिख्योछें।
२२ लेर म्हारेंवेई ठिकाणोपिण त्यार करजे क्योंके मनें ओ
भरोसोछें कें थांको यापनासूं उं थांकेंकनें दीनो जासुं।
२३ ख्रीष्टयिशुमें म्हारो संगीबंदीवान एपाफ्रास् वा म्हारो
२४ संगीत्यो मार्कस् वा अरिस्टार्कस् वा देमास् वा लूक् तनें
२५ बंनणा करेंछे। म्हाकें प्रभुयिशुख्रीष्टको अनुग्रह थारें
आत्माकें भेलो हें। आमिन्।

Digitized by Google

पाउल् अको कागद एब्रियांकनें लिख्योछो सो यो।

१ पेंहलो पांनो।

१ भगवान कें अीं नाना युगमें वा नाना प्रकारसूं निबि
२ तीयांकी वांहसूं पेंलडाकीवेलामें वडेरांनें कयो उं इंछेवडा
की वेलामें आपकें डावडांकी वांहसूं म्हांनें कयोछें कें जीनें उं
सगळांको कोठारी कयोछें कें जीकें करबसूं पिण संसार
३ नें उपजायो। अीं उंकें माहात्मको प्रताप वा उंकें
डोलकें ठीक मूरत जयर ओर आपकें पेंचकी कंयां
४ सूं सगळा राषतां आपकी वांहसूं म्हांको पाप छुडायर
उपरला ऐश्वर्य्यकें जीवणे वेंठो उं कोठारीपणांसूं हल
कारांका नांवसूं अको बडो नांव लाधोछो उंमाफक वांसूं
उत्तम कयो गयो छो।
५ कोंस उं हलकारांकें वीचमें कोंकेंइकनें किणीवेला
कयोछें कें तूं म्हारो डावडो आज तनें जणायोछें ओर
पिण जं उंको बाभो जसुं वा उ म्हारो डावडो जसी।
६ ओरपिण जद पेंलडाउपज्योडानें संसारमें ल्यावेंछें तद
कहेंछें कें भगवांनका सगळा हलकारा उंको भजन करें।
७ हलकाराका फायदामें उ कहेंछें कें जको आपका हलकारा
नें आत्मा वा आपका सेवकानें वासदेको झाल करेंछें।
८ ओर डावडानें उ कहेंछें हे भगवान थारो तखत रेंजोना
थावेंजद वेळा रेंछें थारा राजको राजदंड यथार्थवर्ं
९ राजदंड छें तें यथार्थपणो सरायोछें ओर अयथार्थ

Digitized by Google

नें मोई करोगें ईंबेई भगवांन मथवा थारें भगवांन थारा
२० जंगोल्यांसूं वनें आनंदकेंतरें तेल चोपड़ोागें। ओार
पिण हे पिजड़ तें पेंलड़ा संसारको नीव देवीगें ओार
२१ सर्ग थारें हाथको कांमगें वांको बिगाड़ो जसी लेर तूं
ओार रेगें, उ सगला कपड़ांहसो बोदा ज गासी।
२२ ओार तूं गाभाहसो उ लांबल्यांसूं उ दूजोतरें जसी
लेर तूं एकउणिहारेंगें वा थारो बेलाको पोज जसी
२३ नहो। लेर उं हलकारांकें बीचमें किनेई किणीवेला
कयोगें कें मठातोड़ो थारा बेरयांनें थारें पगां जं न लागाउं
मठातोड़ो म्हारें जीवणो बेंठ वें कांई खादम आत्मा नहो
वांको सेवा करणवोई हलकारा कें जके उद्धारका वोठ.री
जसो।

२ दूजो पांनो।—ईंबेई म्हे जकीर सुणीगें उंकेंउपर
बत्तो मन देनो ठीकगें क्याजांयां उ किणीवेला चूकणें देवें।
२ क्योंस जका कथा हलकारासूं कही गईगें वा मर निस्चल
३ जई वा पावेंसो वांघ्रणो वा नमांननो ठीकफल लाधो। वो
इसो मोकलोमोटो उद्धार मर म्हे गाफल हां वो किणि
४ तरें बचस्यां कें जके पेंलड़ा प्रभुको वांहसूं कही गई होणसूं
भगवांन लछण वा अचेरोकांम वा आपको रूचसरीखो
मोकला अचेराकांम वा धर्मात्मासूं दोनोंड़ो वल देर उंबो
सावतो कियां पछें ज्यां वांकी कथां सुणी वांसूंपिण म्हांनें
५ कनें आकथा कयोड़ीगी। क्योंस जको होणहार संसार
की कथा म्हे करांगां उसंसार उं हलकारांकें आधीन करर
६ वांकेंकनें भलायो नहो। पण किणीजागा एक जाग को
सावतो देवो कें आदमी कांई कें तूं उंकें फायदामें चिता
रसो ओार आदमीको डावड़ो कुणगें कें तूं उंवेंकनें
७ दिपालो देवेंगें। उनें तें हलकारांसूं कांईक नीचो कयोगें

तैं उंनें बडाई वा मर्यादासरीखो मुगटसूं सोभा दीनेछै
ओर आपकें हाथके करोडा जिता वें उंकेंउपर सिरदार
करयोछै तें उंकें पगांकें नीचे सगलांनें आग्याकारी करया
८ छैं। क्योंस सगला उंकें आग्याकारी करबसूं उं उंकें
कांइ बिगरआग्याकारी राख्यो नहीं लेर अबैं ई सगला
९ उंकें आग्याकारी देखता नहीं। पण ऐं यिसुनें देषांछां कें
अको भगवांनका अनुग्रहसूं पावैंओं लोगबेई मौतको स्वाद
भोग करणकें कारण थोडा दिन स्वरगदूतांसूं नीचे करयो
गयोछै मोतभोग करणसूं स्तुती वा मर्यादासरीखो मुगट
१० सूं सोभितछै। क्योंस जीकेबेई सगला वा जीकें करणसूं
सगला उंनें ठीक छा कें मोकला डीकरांनें महमें ल्यावण
११ सूं वांकें उद्धारकें सेनापतीनें कष्ट देर परवारें। क्योंस
अको सुद्ध करैंछै वा अकें सुद्ध करया जायछै वें सगला एक
कें ईवेई वा आ केर वांनें भाई केर बुलावणमें लजयांवो
१२ नछै कें जं आपकें भाईकेंकनें थारो नांव चोडें करसुं
१३ टोलीकें बीचमें थारी स्तुतीकी गीत जं गासुं। फेरपिण
जं उंको सरणो लेसुं ओरपिण मनें वा भगवानसूं दीना
१४ डा म्हारा डावडानें देष। ईवेई डावडा मास लोईको
मिलाव छवांसूं उपिण उंको मिलाव छे कें मोतका उकरा
ससूं मोतका प्रभावका कोठाळोनें अथवा सेडानें व्यर्थ करें।
१५ वा अकें मोतका डरसूं आपकेंर सगलो जीवतव्यके बेला
१६ ताडी गोलाईके आग्याकरी छा वानें तारें। क्योंस उं निश्चि
करेंसूं स्वरगदूतांको सुभाव न आंघर आबरहामका डाव
१७ डांको सुभाव कयो। ईसूं सगलीबरैंसूं आपकें भायां
ईसो करणोजांयो उंनें ठीकछै कें लोगांकें पापकेंबेई
प्रायश्चितकरणमें भगवानकनें जिको कामछै वां सगलांमें उ
१८ क्रपालु वा विश्वस्थ प्रधानपौहित वें। क्योंस उं आप

परच कसोडी जयर कष्ट बाधो उंसूं सबें परच कणेडा चेंछे यांको उपगार करबनें पोंपवान छें।

३ तीजो पांनो।—इंबेई छे संमेगी भायां खर्गके बुबा पाकीसरोबी गाकें मतको छबकारो वा बडोडाप्रोहिब
२ बीतविसुमें पिवारो। कें जिसो मोमह् आपका सगवा भूंपामें विषस्थ छे तिसो उंकें निसव करबवालांकेंबें
३ विषस्थ छे। कोंब भो आदमी मोमहसूं मर्यादाकेवावब सुमार कयो मयोछे जींकारब जको भूंपो उपाडेछे उंको
४ मर्यादा भूंपासूं वत्तीछे। चावेसो भूंपो किंकेई करबसूं उपायो मयोछे बेर भीं सगवो बच्च निर्माब कयोछे उ
५ भगवांन। बोरपिब मवेर कवा जासी उंके सावूतवे बेई मोमह् आपके भूंपाकी सगको आगामें चावरहस्रो
६ विषस्य छे सबो। बेर डावडा जिस्रा आपका सामी वा भूंपामें तिसो बोल्छे जींको भूंयो मे छे पर उं
७ थ्यावच वा भरोसाकी बाबवेसोमें गुमान छेवडातोडो काठाई
८ सूं कपडे। इंबेई जिसो धर्मात्मा कहेंछें कें आज जब उंको कथा सुखोछे नद थांको मन करडो मतो करो तिसो जोडमें परचकी बेवा रीस मकाम होबसूं कयो मयोछे।
९ कें जठें थांका बडेरा चालीस बरसांवोडी म्हारो कोमव
१० करी बेर म्हारी ब्योंत करी वा म्हारा काम देख्या। उं बेई जं उं बेबाकें वोमांकें फायदामें कडवेंमन छे वा कयो कें वें रोजीना मनमें भुलेंछें वा म्हारो मारग
११ जांखवें वाधो नहीं। इंबेई में आपकी रीसमें सूंसकाछो
१२ कें वें म्हारें चेनमें जांब न पासी। छे भायां चोकस वो थ्याजोंबा जींसूं जीवता भगवांन छुटें इसो बिमरइब
१३ वारो मन थांकें किंकेंई वोचमें वें। बेर अदतोडो बाज कयो जायछें तबतोडो रोजीना आपसमें सोचावब करो

ब्याजांबी अपका कपटसूं थांके बीकोई मन करडो न करो
१४ जाय। क्योंस अर म्हें आपके प्रतीतसरोखो नीवको
सरु करयो छेवडातोडी करडो कदर करसां तो म्हे
१५ कीरस्टासरोकी करोडा हांगा। ई कथांसूं जिसो
जांणो जायछे के आज जद उंकी कथा सुणसो तद रीस
प्रगट होवामें जीसो छो तिसो आपको मन करडो मती
१६ करो। क्योंस किसीर सुणर रीस उपजाई सही केर
मोसहके करयासूं जिता लोग मिसरसूं बारये आया
१७ वें सगला नही। केर उ चालीस बरसांतोडी कीकेंई
पापपेलीमें बिहाणी छे ज्यां पाप करो छे वा ज्यांका
मुडदा जेंडमें पड्याछा वें कांई बांको पापपेलीमें गछें।
१८ केर ज्यां इसवार न करो उं आदमीबिगर उ कांई
१९ ओरकींकेंईकनें सूंसखाछीछे के वें उंबे चेंनमें बडबें पासी
नही इंवेई म्हे जांणनें पावांछां के वां बिगरइसवासीसूं
बडणो सायो नही।

४ चोथो पानो।—इंवेई उंका चेंनमें जाबको करार
म्हांकेंकनें निस्चल जवांसूं म्हें की डरां ब्याजांबा थांकें
२ कीकेंई उ जायसूं कसर करंवाके इसो नें। क्योंस म्हांकें
कनें मंगळीककथां छंडेरो करो जायछे जिसा वांकें
कनें छंडेरो करो गयोछे केर छंडेरो कसोडीकथां
सुणवावाळाकें विचाळें प्रतीतसूं मिळायोडी न होवासूं वांके
३ कुंहि फायदो न छे। क्योंस उं कयो के म्हे प्रतीत
करणवाळा उंका चेंनमें बडछें केर संसारकी नीव करण
सूं कांम पूरो हो सही तोपिण जिसो कयो के में
बिराजी ऊयर आ सूंसखाछी के अर वें म्हारें चेंनमें
४ बडें। क्योंस अमुकी जागा उं सातमें दिनका फायदामें
आकयां कई छे कें भगवांन सातमें दिन आपका सगळा

म्हांसूं चैन करणा जोरपिण ई जागा कें वें मर म्हारा
५ चैनमें बडसी । जेर दाउदमें उ आकथा केर हकवेला
६ को निश्चय करेंगे । वें आज इत्तादिनां पछें लिखो
कयोडोछें कें आज जर थे उंकी कथा सूणसो तो थाय
७ केरा मन करडो करज्योमती । क्योंस जर यिहोसुवा वानें
चैन देतो तो उंकें पछें ओर एक दिनकी कथा उ कैंतें
८ नही । इसूं भगवांनका लोगांबेई रोखवार एक चैनछें ।
९ क्योंस जको लोग उंका चैनमें बड्योछें उं लोग भगवांन
१० इसो आपको कांम करयोपिण गेड्योछें । कोठीर
लोगांनें उंमें बडणो पडसी वा यांकेंकवें कथा पेंलडी
छंढेरा करीगई वें बिगरहतबारीकें कारण बडें नही ।
११ ईवेइ म्हे उं चैनमें॰बडणबेई उद्यमसूं देंनगी करां क्या
जांणी उं बिगरहतबारीको बांनगीमाफक कोइ पडें ।
१२ क्योंस भगवांनकी कथा जीवती वा मोटोतेज वा दोधारा
पालोसूंपिण चोखी जाबो वा मनवें वा गांठ वा मगज
कैं दोयबटका करणतोडी बडणवालो वा मन जीव
१३ बको वा चित्ताको विचार करणवालो । उंकी दृष्ठ
सूं कोइ चलोपिण गेरहाजर नही लेर जींकेंकनें
म्हांको कथा केणो पडें उंकें आंखकें सांमा सगलो उघडो
१४ वा खुलोछें । ईवेई स्वर्गमें बड्योडा भगवांनको डावडो
यिसु म्हांको मोटो प्रधांनप्रोहित ज्यांसूं म्हे आपको
१५ धर्म काठो करर कपडां । क्योंस म्हांकें इसो बडो
प्रोहित नही कें जको म्हांकी दुबलाईसूं दर्दवंत हुय
सकें नही लेर जको म्हांकेंइसो परख कयोडोगो लेर
१६ बिगरपांपो छे । ईवेई म्हे प्रसाद तखतकें नेडा निडर
सूं जांवां कें दया लेर जरूरीकोवेलामें उपमार करण
कें अनुग्रह पावां ।

५ पांचमो पानो।—आदम्यांसूं लीयेडो छै कै जके
चावेंसो बडा प्रोहित वें आदम्यां कांनी भगवांनकी खास
सेवामें कामके कारण दांन वा पापमोचनमाणवाळो बळदांन
२ उपसर्ग करणनें निमेंछै। उ आपपिण दुबळाईसूं घेर्यो
थकोसूं डोफानें वा मारगसूं निकळ्योडानें दया करण सकै
३ छै। इवेई जिण्यो लोगांवेई तिण्यो आपकेवेई पापमोचण
४ माणवाळो बळदांन उपसर्ग करणको उनें निमेंछै। ओर
आ इर्दोबइस्यो जको भगवांनसूं निमें कर्योडोछै उविगर
५ कोइपिण आपकेवेई आ मर्यादा लेछै नथी। इतरें ख्रीष्ट
पिण बडाप्रोहित होनवेई आप आपनें मोटो कर्यो नथी
ओर जीं उनें कयो कें तूं म्हारो डावडोछै आज मैं तनें उप
६ जावो उ उनें मोटो कर्यो। जिण्यो उ दूजीएक जागा कैछै
७ कें तूं मेलकीसेदेकके रीत इसी होजीना चारण छै। उं आप
का डील कपडणकोबेळा उंकेकनें मोतसूं रीवणो वा आंसूं
भरी आंख्यांसूं याचना वा बीनती उपसर्ग कर्यो छो कें जीं
उनें मोतसूं बचावण सक्यो ओर डरपणदमासूं छूटो छो।
८ उ डावडोछै तोपिण जको कष्ट वाधो उं कष्टसूं
९ आग्याकारोपणो सीख्यो। ओर परवाण्यो कर्यो गयो
ऊपर मेलकीसेदेकके रिविसरीखो भगवांनसूं निमें कर्यो
१० डोबडाप्रोहित ऊपर जित्ता लोग उंके आग्यावरदारछै वां
११ सगळांको अनंत उद्धारको उपजाणवाळो ऊवो। उंकें
कायदामें म्हांनें मोकळी कथा केणीछै ओर वें कथां समझ
१२ णो करडीछै क्योंस थे सुणनें भारीछो। क्योंस इतीवेळा
सूं थांको भणणवाळो होणो ठीकछै यण तोपिण जिमेंछै
कें दूजोकोई थांनें दूजीवेळा सीखावें कें भगवांनकी कथाको
पेंलडो सूत्र काईर छै ओर थांनें दूध पीवणो जिमेंछै
वा करडोजीमण जीमणो ठीक नहीं थे इसा छो।

Digitized by Google

१३ जको चावेंसो लोग दूध पिवेंछै उलोम यथार्थउविहारेवे
१४ कथाकें फायदामें डोफाछै क्योंस उ लोग डावडेछै। लेर
करडोभोमल वांकेंवेईछै कें ज्यांकी मोव्यारी उमरछै जको
ग्यानइंद्रीयांका यवहारसूं चोखोबोठो ओलखवेंकें मुंडे
हावेंछै।

६ छठो पानो।—इंवेई मरयेडोकामसूं घोमवा करबो
वा भगवांनकें उपर प्रतीत वा डुबोको वासवेबोमें सीखावण
२ वा हाथ देंणो वा मरयालोगांको फेरउपडलो वा अनंत
विचार इं सगलाको नीवसरोखो सीखावण फेर नहीं बरर
खोष्टकें सोखावणको पेंलडो सूत्र छोडर न्हे भरयापूरणावांनो
३ जावां वा भगवांन आग्या देंवसूं न्हे आपिण करस्यां।
४ क्योंस जको एकवार रोसन कर्या गयाछा वा स्वर्गका
५ दानलें चाख्योछै वा धर्म्मात्माका सरीको ज्ञवाछा वा भग
वांनकी उत्तम कथा वा होणहार संसारकें बलनें चाख्यो
६ छो वें अर खोष्टका धर्मसूं पडतल ज्ञवा रहें वो वांकें
वीचलें फेर घोमणा उपजांणो विगरमुंडोछै क्योंस वें
आपकेंकनें भगवानकें डावडानें फेर हलवांलीउपर मारें
७ छें वा उनें चोडें लाज देंवकी वस्त करेंछें। क्योंम जका
धरती आपकें उपर वारर आयेंछी मेहवें पीवेंछै
वा आपका हलघडांवेई ठीक तरकारी जणावेंछै वा भग
८ वांनसूं आसीष लावेंछै। लेर जके कांट वा छोडावेर
जणेछै वा निकमी जाण्योडी वा सरापोईसी छै जींको
९ छेवडें बलणो ज्ञसी। लेर हे वालां न्हे इस्यो केंवांगा
सही तोपिण थांकी वासवेलोमें इंसूं चोखोकाम वा उबार
१० कें वर्षोकेर कांम मनमें कायम बुमोंछें। क्योंस भगवांन
अयथार्थ नछै कें जका पुन्यवांनांको पूजा थे करोछो लेर
अबेंपिण करोछो उमें थांकें प्यारका जको कांम वा देंवगी

११ थे उंका नांवउपर चोडें करीछें वा भुला। ओर म्हांकी
इच्छे कें थांकें बीचमें चावेंसो लोग छेवडातोडी भरोसा
की पूरी निस्चय करणवेंई उं तरेंका कारगुजारी देखा
१२ वें कें थे आलसूं न को पण अका प्रतीत वा लांबी
सेंणसूं करारको कोठार भोग करांगा वांको उपरसरा
१३ वाको कें। क्योंस अद भगवांन आवराहामकेकनें करार
करयो तद आपसूं मोटा नांवलेर सूंसकाढणनें नसकर
१४ उं या कयो कैर आपको नांव लेर सूंस काढी कें
मुकर आसीष देंणसूं ऊं तनें आसीष देंसु ओर मोटो कर
१५ णसूं तनें मोटो करसूं। ओर इंसूं उ मोकला दिन सेंर
१६ उ करार करयोडी वस्त लाधो । अको सगलांसूं मोटो
उंको नांव लेर आदमी सूंस काढेछें सही ओर निस्चय
करणवेंई सूंस सगला टंटाको छेवडो करणवालोछें ।
१७ इंसूं भगवांन करारकें हक्कोनें ओर२ चोखीवरें
आपकें करारको मुडोडो न जणो चोडें करणनें चाहर
१८ सूंसूं उंनें निस्चल करयो कें जींसूं भगवांनको कुडीकथा
कैंणी बिगरमुंडेछें इसा मुडोडा न जणवालो दोय
विषयसूं म्हे मोटोधातरी लाधां कें अको भरोसानें कय
डणनें आसरो करणवेंई भागेछें कें अको म्हांकें सांमो
१९ करयोडो छें। कें अको भरोसो काठो वा कायमसरीखो
आत्माका लंगर इसो म्हांकोछें ओर अकें घोपला परदामें
२० बध्याछें कें अठें अगाडीजाणवालो अथवा यिसु बध्योछें
कें अको मेलकीसेदेककें रीतमाफक रोजीना बडाप्रोहित
करयो गयाछा ।

७ सातमो पांनो ।—क्योंस यत्तोवडो भगवांनको पारस
आत्मिको ओ मेलकीसेदेक राजा राजांका मारणसूं मुडता
थाका आवरहामकें भेलो मेलायो वा उंनें आसीष करी

Digitized by Google

२ आबरहाम् ऑनें सगळांको दसमो विराडपिण दीनोछै।
मर्यदासूं पैलडो उंको नांव धरमको राजा दूजो सालेम्को
अथवा सलामतीका राजा उंको बाभो नही उंकी माउ नही
३ पढावली नही आउयाको पैंलडो वा जीवतयकोवेलाको
छेवडोनछै और भगवांनकें डावडाकें बरोबर करोडो
४ ऊपर रोजीना पारखसरीषो रेंछै। अबें वो आदमी
किस्सो मोटो छवेछै कें ऑनें बडेरांका आबरहाम् सागो
५ लूटको दसमो विराड दीनो। और आ ठीकछै कें लेवको
कुल जको प्रोहितांको कांम लेवें छै वांको लोगांकनें अथवा
आबरहांमको कडसूं निकल्योडा आपका भायांकनें तोरेत
६ इस्यो दसमो विराड लेंणको आग्याछै। लेर ऑको कुल वांसूं
गिण्यो नजाय उ आबराहांम्कनें दसमो विराड लिवो और
७ बरारके हकदारनें आसीष दीनी। और वो निषडक छै कें
८ नांनालोग उत्तम पुरषांकनें आसीष लावें छै। अठेपिण मरण
वालो आदमी दसमो विराड लेवेंछै लेर उठें ऑको जीवतो
९ होणको साबतोछै उ लेवेंछै। जिस्सो कैंछोपिण सकुं कें
जको लेव दसमो विराड लेवेंछै उंपिण आबरहाम्को बाट
१० सूं दसमो विराड दीनो। क्योंस ऑवेला मेलकीसेदेक्
उंकें भेलो मिल्यो उंबेलार उ आपका बडेरांकी कडमें छो।
११ इंवेंई अर लेवका दफामें पारखपणांसूं भलोपूरो छ
तो क्योंस उ पुत लोगां तोरेंत लाधोछैं तो कांई निस्वेंछै
कें मेलकोसिदेक्कें रीत इस्यो लेर आहरोन्कें रीत
१२ इस्यो विख्यात नही और एक प्रोहितकी पेंदास हुं। क्योंस
लेवकें पारखपणांकोवेला लोगां तोरेंत लाधी पारखपणा
औरउथिछारें कस्यो गयापछें तोरेंतको दूजोउथिछारो
१३ करणो जोगको गरजछै। क्योंस ऑको बाबतवालोमें वो
सगलो कयो गयोछै उ दूजोएक गोतोछै कें ऑ गोतकें
१४ किणी हेमवोदरीको पूजा करी नही। क्योंस वें छोछै

Digitized by Google

वें यिऊदाइका गोतसूं म्हांको प्रभु उपज्योछे पारख
पणो करबकें कायदामें मोसह ईंको बाबतमें कुंछि
१५ कयो नही उ ओरपिण मोकलो चोडेछे क्योंस मेल्की
सेदेक्कें अरिवासूं दूजो एक प्रोहित उपज्योछे कें अको
१६ संसारको आग्यावें उबिहारें सोरेंतबेमाफक कयो
गयो नही बेर अक्षय आउखावें पोंचमाफक कयो
१७ गयोछें। क्योंस उ ओ साखतो देवेंछे कें तूं मेल्की
१८ सेदेक्कें रीतमाफक सदा प्रोहितछें। उं आगली आग्या
की दुबलाई वा बिगरफायदावंतीसूं उ गुम क्यो बही।
१९ क्योंस तोरेंत कुंछिपिण पूरो कयो नही बेर उ
दूजाएक चोखाभरोसाको बडाव छे कें जींसूं म्हे भग
२० वानकें नेडा आवांछां। ओरपिण ओंमें उ सूंसबिगर
२१ पारखकें सेवामें निर्म्यो क्यो न छे। क्योंस वें प्रोहित सूंस
बिगर निर्म्यां कया गयाछा बेर ओ लोग सूंससूं प्रोहित
कयो गयोछे उंकें करबसूं कें जीं उनें कयो कें यिहव
सूंस खाछोछें वा पांमणा करसी नही तूं मेल्कीसेदेक्कें
२२ रीतमाफक रेजीना एक प्रोहितछें। उंसूं यिसु ओरे
२३ चोखासरततको आमन कयो गयोछे। सदपिण मोकला
प्रोहित छा क्योंस मरबकें कारब निस्चल जय न सक्या।
२४ बेर ओ लोग रेजीना निस्चल होबसूं उंबें मुओडा न
२५ होबको पारखपणो छें। उंसूं अबो उंकें बांहसूं भगवान
कें नेडा आवेछें वांनें उ सगळीतरेंसूं उबार दे सकें
छें क्योंस उ वांकेंवई अरज करबनें रेजीना जीवतोछें।
२६ क्योंस इसा बडाप्रोहित म्हांकी बाबतेंकोमें सोभा वावेंछे
कें अकें पुन्यवान वा बिगरखोंच वा सुध वा पापीलोगां
२७ सूं न्यारा वा सर्गसूं उंचा कयोंछा। वा वां बडाबडाप्रोहि
तांकें इसा पेंहला आपकें पापकेंवई वा जंपछें लोगांकेंवई

Digitized by Google

उपसर्ग करवनें भीतो रोगीवा मरजतें वो बहो कोंव
२८ वायनें उपसर्ग करदू उं हवोवार उ बणो। कोंव वोरेंव
की दुबवाईमेवो वोगावें वडामोचित करेंगे वेर वोहेंव
कें पिगडोरेंबवाखो सूंसको बया रोगोवा बभिवेष
बखोवा डावडामें पारख करेंगे।

८ आठमो पांती।—बवें अवौर वे बवातें उंको वंव
बो कें हवो एक वडोमोचित भांवातें कें जबो वगेवी
२ वडाईकें तवतवें बीववेंकांनी वेठो वा निर्मल वस्त्र अथवा
अके साचो पवित्र डेरा भगवांन निस्वव बणा वेर
३ आदमो नहो उंबो सेवक। कोंव पावेंसो वडोवामोचित
दांन वा बलिदांन उपसर्ग करवनें निस्वव बणा गयातें
इवेई निस्वतें वें इं वोगको उपसर्ग करवको कुंछि रवें।
४ कोंव उ घर घरवीमें रेंतो तो पारख जय नसवतो
कोंस तोरेंतमाफक दांन उपसर्ग करववाला याजकतें।
५ वोर वें सर्गवें वस्वको बांनगी वा गया हवो सेवाकरेंगे
मोसव जिवो निर्मल डेरोत्यार करवनें त्यार जबर
भगवांनका करवसूं उपदेश बणो गयोगो कोंव उं बवो
कें परवतमें अवा बांनगी तनें दियाखो गईगी उंकें हवो
६ समली बखां कर। वेर उं उंसूं ओर उपमसेवा वाघी
गें कोंव उ वोर पोवोवरतंतको बीवन्नांनतें कें जबो
७ उंसूं उत्तम करारवे उपर निस्वव बणो गयोतें। कोंव
उ पेंवडोसरवंत विगरबेंव घर जवो तो दूजावेंवेई
८ आगावी वोभना नवतो। वेर उंको बेंन बावर उ
केंतें कें पिजह केंतें कें देवो वा वेवा वावेंगे वें जद ऊं
यिसरायल् वा यिवदाहकें कुलकें मेवो एक बवोवरतंव
९ करसुं। पिजह केंतें कें जद पांकें मिसरसूं काढवेई में
वांक बडेरांकें हाथे पकड़ो तद अवो करवंव मैं बांकें भेवा

कस्रो छे उं मापक नही जीस वां म्हारो उ सरतंत
१० पाल्यो नही जोर में वांको आदर कस्रो नही। जेर किजदके
ठे के उवेवापीयठे अं बिजरायलकी कुलके भेलो कबो सर
तंत करसुं उ जो अं आपकी आग्या वांके दिलमें बडमेला
सीं करसुं वा वांके मनमें लिखसुं अं वांको भगवांन
११ रसुं जोर वें म्हारा आदमी असी। जोर वें पाबेंसो
सीम आमका पाडोसी लोगांनें वा पाबेंसो सीम आप
का भाईनें वा कया वेर भगवांकी नहीं वें पिजवनें मांव
१२ जोस हालो वा मुहाली सगला मने मांवसी। क्योंव
वांके पवधार्यंके उपर अं कराणु रसुं जोर वांका
१३ पाप वा पवधार्य जाम जोर मनमें राखसुं नही।। नवेर
सरपंव केवहूं उं पेंबडानें बोदो कस्रोठे पर्वे जबो डोकरेर
वा बोदोडा अवाठे उ लोप होवनें व्याठे।

९ नवमो पांनो।—पेंबडा निर्मल डेराके भगवांन
सेवाविधी अवस्था वा संसारकी निर्मलजागा पिछ छे।
२ क्योंव एक निर्मल डेरो कस्रो नवोछे उं पेंबडो बार जीको
नाम निर्मल जागा केंठे जींके बिचाबें दवबत्र वांठ वा वां
३ जेठ वा दिखावबकी बाठी जार दूजापडदाउपर निर्मल
४ डेरा अथवा जींनें मोठी निर्मलजागा केंठे जींमें सोनाको
धूपेडो वा सोना जडो सरतंतकी पेटी जींके बिचाबें मांना
की सोनाकी हांडीमा आहरोंवकी कुंपकी फूंटोडी बावडी
५ वा सरतंतके बाजोट रैंताछा। जोर उंके उपर हपायें
आसबको छाया करववाको प्रकापकें करबी जींकी हमी
६ मत कया वे सवें केंबसकां नही। यें सगला इंवरें
निरमलजवासुं जोहित भगवांनकी पूजा परवारखनें पेंबडा
७ निर्मल डेरामें रोजीना जाताछा। पंव दूजामें सवें जी
८ बरस हबबार जबी महोतजोजित आवताछा बेंबिम

लोईकें बिगर नही उ लोई आपकेंवेई वा लोगांकें भूलकें
८ वेई उपसर्ग करतो छो। धर्मात्मा यो अर्थ करेंछे कें
उ पेंलड़ा निर्मलडेरो रेंतां मोटा निर्मल डेरामें वड़ब
९ रो मारग उंवेलामें चोड़े नही औं डेराको काम उंइवाल
कें समेंको एक वानगी छो जीमें दांन वा बलिदांन उप
सर्ग करीजें छा कें अबे मनकी पालवेलीमें सेवाकरब
१० वालांनें परवारवानें न सक्यो। उ वोको सुभावकें वेवा
तोंडी निर्लं फिताक खांको वा पीको वा न्हांको वा डीलका
११ थवस्थासूं छे। लेर खीष्ट होबहार मंगलीक बात
बेलीको बड़ोप्रोहित पोंचर मोकलोमोटो वा मोटो
भरयोपूरो वा हातकें बिगरबणेल्हो अथवा ईं जुडाई
१२ का नही कें एक निर्मल डेरासूं। लेर बाकड़ वा केर
डाका लोईसूं नही लेर ग्हांकेंवेई चलतो मुक्त लाधर
१३ आपको लोई देर निर्मल जागामें एकवार वड्यो। क्योंस
बलद वा बाकड़को लोई वा दुजतीगायांको राख भिसटां
उपर छिड़कता वेंरो साफ करवसूं अर निर्मल करेंछे
१४ तो थांकें जीवता भगवानकी सेवा करवकेई उंसूं बत्तो
खीष्टका लोई कांई थांको मन मुरदाकांमसूं साफ करसी
कें जो अनंती आत्मासूं आपनें बिगरखोबडनिहारे भगवान
१५ कनें उपसर्ग करयोछे। लेर इंवेई नवासरतंतको बीच
वांनछे कें पेंलड़ासरतंतकीबेला जके अलंघनछा वें बंधन
छुडावबवेई मरवसूं बुलायोडा लोग अनंताकोठारको
१६ करार लाधब सकें। क्योंस उठें करारपत्रछे उंही
१७ जागा लिखदेंवावालाको मरबो चिकेछे। क्योंस आदमी
मरयांपछे करारपत्र करडो कोंछे लेर करारपत्र करब
१८ वालाको जीवतथरेंतां उ कुंइ करडो नही। ईसूं
उ पेंलड़ा करारपत्र लोईबिगर निर्मल करयोडो न छो।
१९ क्योंक मोसह तोरेंतमाफक थांवेंजी अमरलोगांकें

Digitized by Google

केर बेरडाको वा बाजडको लोह वा पांणी वा गाड
रांको लालपशम वा आईजब हंग लेर आकाग केर पोथी
२० उपर वा सगला लोगां उपर छिडको के अको सरतंक
भगवांन थांकें भेजो कयोगो उ निस्चल करणको लोई
२१ छो। उ निर्मल डेरो वा पूजाका सगला ठांवांउपर
२२ पिण लोह छिडकायो। छोरपिण तोरेंतमाफक प्राय
सगली वस्त लोहसूं निर्मल करी जायछे छोर लोह
२३ पटकणेंबिगर कोई पापछुटणो नही। इवेई स्वर्ग
के वस्तकी बांनगी जिणोंगी सही के यां सगलासूं
निर्मल कयोडी के लेर स्वर्गकी वस्त आपी यांसूं चोखा
२४ बलियांसूं। क्योंस साच निर्मल जागाको बांनगी अथवा
हाथसूं बणायोडी जागामें ख्रीष्ट वड्यो नही लेर म्हांकें
वेई भगवांनकें परवा त्यार होणवेई सांगो स्वर्गमें वड्या
२५ छें। छोर बडोडायोहित जिणो दूजाको लोह लेर
निर्मल जागामें घावें छीं साल जावो उंकें इसो बारंबार
२६ आपनें उपसर्ग अको करसी सो नही। वा होणसूं संसार
की नोवदेंणसूं उंकें मोकलीबार मरणको निस्चें हतो
लेर अबें संसारकें छेवडाकीवेला आपका बलदानसूं पाप
२७ छुडावणवेई उ एकबार परगट हवोछें। छोर जिणा
आदम्यांको एकबार मरणो वा उंकेंपछें बिचार निस्चल
२८ कयोडो कें छें तिणा मोकलांकें पापभोग करणवेई ख्रीष्ट
एकबार उपसर्ग कयो गयोछो छोर अको उंको बाट
जोवेंछें वांकेंकनें उ पापबिगर उद्धारवेई दूजीवेला दिखा
लो देसी ।

१० दसमो पांनो ।—क्योंस तोरेंत होणहार मंगलीक
की बाबी साया अयर वा आपी उंकें उणिहारें न अयर
अको बरसदांव वें लागतीलाग दोणीणा उपसर्ग करतांग

२ उंसूं उंनें आजरावाळांनें परकारनें न सक्या। क्योंक
उ जनांसूं उ उपसर्गकरबो कांई मादा नहोतें क्योंक
पूजा करबवाळा एकवार निर्मळ जनांसूं शांय दूजो पाप
३ ग्यांन न जलो। कैर उ बळदांनसूं बरसोबरस पाप
४ चितासा आवतें। क्योंक बळदांरा वा बाकरांरा लोई पाप
छुडावण सकें नही इंवेई वे संसारमें बडतां करसकेतें के
५ बळिदांन वा उपसर्ग तें इचवरी नही कैर म्हारेंवेई
६ एक डील थारे करोतें। होम वा पाप बेजमभाखवाळा
७ उपसर्गमें थारी खुशि राजीपण नगी। तद में कयो
कें पोथीरा एक प्रकरणमें म्हारें फायदामें लिख्योतें के
देख हे भगवान थारा इचबो कांम करबनें जं आंउं हुं।
८ अगाडी उपरमें जद उं कयो कें बैरेतसूं उपकर्म करो
उपसर्ग वा होम वा पापखोजजाबवाळो उपसर्ग वें चावो
९ नही कैर उंसूं राजी नगो तब उं कयो कें हे भग
वांन देख थारा इचबो कांम करबनें जं आवुंहुं उ
दूजो सरतंत निश्चळ करबवेई पेंलडानें मिटावेंतें।
१० उं इचवा वांमसूं ययवा यिशुक्रीष्टको डील एकवार
११ बळदांन देंबसूं ने निर्मळ कयाडा जांगा। चावेंलो
मोहित पूजा करतार वा पाप छुडावण लिख न करब
वाळा उही एकतरेंवो बळदांन वार२ उपसर्ग करतार
१२ रोजीनार२ उभादेतें। कैर ई पादरीनें पाप छुडावबा
१३ एक बलि एकवार दियांपछें तदसूं उंका वैरी उंनें पगां
तल मठातेडी न वें वठ्तोडी बाडजोतार भगवांनके
१४ जीमणे हाथ कांनी बेंठो। क्योंक अबे निर्मळ करया गया
जें वांनें उ एक उपसर्गसूं वेवाकवरें परवायोतें।
१५ क्योंक यिजड बेंठे कें धर्मात्मा आकथा कैर म्हांकबनें इंवा
१६ सायदीतें। क्योंक कयो सरतंत जं उंनीका वांसें भेला
करसुं उ जो वांसें मनतें जं आपको कवका रासुं

Digitized by Google

१७ ओर वांकें मनमें ना लिखसुं। ओर वांको पाप ना
अधधार्मं कां ओर मनमें ल्यासुं नही आमर: पैंखडा
१८ बयांपठे अनें यांको छुटकारो जठेठे उठें पापनाअंनवाला
१९ उपसर्गमें ओर कांम नही। इंवेई भायां यिसुका लोई
२० सुं मोटो निर्मल जागामें जांबनें म्हांको डोफाई ज्यर ओर
विचाले पडदो अथवा आपका डीलसुं अठो एक नवो
२१ वा जीवतो मारग उं म्हांकिवेई निर्मल करोठे उपिय ज्यर
ओर भगवांनके भूंपाके नही म्हाके एक बडोप्रोहित
२२ पिछ ज्यर वा म्हांको मन भींठाविवेकसूं छिटकोडो
ज्यर वा म्हांको डील लापयांवोसूं धोयो आयरयिस
म्हांकें प्रतीतको पूरो विस्वास करर योजामका ज्यर बैठा
२३ आवां। मे चंचल न ज्यर आपका भरोसाको करार
करडो करर रूपडे कोंस जों करार करोठे उ विस्वास
२४ ठे। विचार लोगांकेंयर ग्रार इस्रो भेलो आंबको गेहर
२५ सो नही पण एकलोगमें दूजाएक लोग सीघावस करता
प्यार वा योगोवाम करवनें एकलोम दूजाएक लोगमें
प्यार करवनें कोंव करें ओर दिन नके वेडा आवेंठे
२६ आगांवर ठंसूं वतोषिय करें। कोंस लाचको याच
वेवीमें म्हांन बाववयठे पर मे आपको राजोसूं याप
करो वो पाप भिजममांववालो दूजोकोई, वलदोन
२७ नरेंठे। बेर पोच उपजाववाला दंडकी ओर वैरी
भेअममाववाला वास्ते भरो रोसकें बालबको बाजो
२८ बाडजोवेंठे। जो लोग मोमसको यवस्था निकमो करर
मांको उ बैगकें दोयतिन साबदोका साक्वांसूं निर्दय
२९ मरवो जवो। इवेई उंहिलोगनें ठंसूं बनी कित्तो भाय
विसवेलायक मिलो मानो कें जो भगवानके डावडानें
पगांनिचें कुचोठे ओर सरवंतको लोई के जीसूं आप
निर्मल करोंलो गे. उ लिखत बर माल्योठे ओर अनु

Digitized by Google

२० यह करणवालाकें आत्माको उंधो कलोहें । क्योंस मे
उंनें आंखांलां कें औं कयोहें कें यिजह कहेंहें कें प्रतिफल
देवो म्हारो कांमहें जं कामको फल देसु ओर दूजो
२१ वेलापिय यिजह आपकें लोगांको न्याव करसी । जोवता
२२ भगवानकें हाथमें पडबो मोटो डराव विषेंहें । वेर
पेहलादीन चितारो कें औंमें थें चांनणो जवांउपर हव
विराडसूं जित्ता दिन थे नंघर वा कष्टसूं व्यावकी वरें
२३ ऊगाड वा दूआविराडसूं बांको इसो हावाव थे जिता
दिन वांकें संगोच्या जयर मोकला मोटा दष्टको राड
२४ सधी । क्योंस म्हारा बंधवामें थे मेंसूं दया करी ओर
स्वर्गमें थांको ओर उत्तम वा अदय बस्तहें थे आपकें
आठोक करर राजीसूं आपको माया बिगाडबो आरे
२५ करी । इंसूं थांकें जो जका हिम्मतमें मोकलो मोटो
२६ फायदो हेंहें उ वगाय दे मती । क्योंस थांको आरे
करबको मिलहें कें भगवांनकी राजोपण परवाणांकहें
२७ थे आरे करणोडी बलत लाधो । क्योंस ओर थोडा दिनां
२८ पहें आवणवालो आसी वा ढोल न करसी । यथार्थिक वीस
प्रतीतसूं दिन तोडसी वेर अर कोई हटे तो उंनें
२९ उपर म्हारो मन कांइ राजी असी नहो । वांनें
विचमें न्ह नहो कें जके बिगाडहोणवोडी हटे पण जों
आत्माको उधार लाधणवेई प्रतीत करेंहें वांनें विच
मेंहें ।

११ इग्यारमो पांनो ।—इतवारी उम्मेद कलोडा वस्तां
२ कें उखिहारें ओर बिगरनामूद वस्तांकी नामंदोहें क्योंस
३ उंसूं बोदा लोगांनें नेकनामी लाधी । म्हे इतवारसूं आंखां
लां कें भगवांनकी कथांसूं संसार इसा बणाबोडा गवें
४ नांवीकवस्त बिगरनाथोकवस्तांसूं कलोहोगे । इतवारसूं

हाबेल् काथिनसूं चोखोबलि भगवानकनें उपसर्गे परतो
उंसूं भगवान उंका दानका फायदामें साखतो देंणसूं उ कें
सिद्ध हवो साखतो उं लाधो उंसूं उ मुडदो फयरपिण
५ अबारतांडी कयांया केंछें। इतबारसूं खनोक् मोतनें नदे
खबेई डोलकें बारें खगे गयो भोर न छो क्योंस भग
वांन उंनें डोलकें बारें खगमें खोनो क्योंस उंकें डोलभेलार
खगमें आंवणेकें पेंलडा उंको भो साखतो छो कें उं भगवान
६ नें राजी कयो छो। लेर बिगरपतोत भगवाननें राजी
करबो असाध्यछें क्योंस भको लोग भगवानकनें आवेंछें
उंको इमें इतबार करणो निस्चेंछें कें उ छें वा भके उंनें
७ ढूंढसूं आमेंछें उ बांको फायदोदेंणवालोछें। इत
वारसूं नूह उंबेलाका बिगरभावीक कामकी साखवेलोमें
भगवानसूं उपदेस पाधर बोहसूं चालोडो फयर आप
का कुल बचावणेबेई ज्याज कयो भींकें करबसूं उं आलमनें
दोषदोनो भोर इतबारसूं भको यथार्थ उंको कोठारी
८ हवो। इबरहाम् भींजागामें कोठार उंकेंपछें लाध
सी उं जागा आंणनें बुलायो गयोडो फयर इतबारसूं
९ मांन्यो भोर कठें जायछें भा नजांणर बारवें गयो। उ
परदेसमें रेंणकें सरीषो आपकें भेलो उ बारे कयोडा
को कोठारी यिसहाक् वा यप्राकूबकें भेलो डेरामें रेंर
१० करार कयोडा देसमें इतबारसूं रयो। क्योंस भीं
नगरकी नींवछें भींको बणाणो वा आंठकरणवाला भग
११ वांन उं नगरको बाटभोळो उं करी। इतबारसूं आराह
आप पेटसूं होणको मुंडो बाभोछें भोर बिसूपका ज
गयांपछें डावडो जणी क्योंस भीं करार कयोछो उ
१२ भको इतबारी भा ठीक करी। उंमें मुडदासरीषा एक
लोगसूं आकासका यहांसरीषा मेकला वा दरियावकें

Digitized by Google

किराडेकें बेकलू इसा बिसम्संख्या लोगांको ओपत
१३ हुई । यां सगळा लोगां आरे कसोडो बचन न पावर
इतवारमें मरया क्योंस वां उ बचनांसूं देखर ओर उंसूं
निसंक हुयर ओर वा केपकर आरे कयो कें आप धरती
१४ उपर परदेसी वा मारगुहें । क्योंस जको इंतरेकी
कथा केहें वें दोडें बातेहें वें आप एक देसकी सोधना
१५ करेंहें । वें जिस घर आपका छोडोडा देसका याद
बेओमें मुत फकर केंहें तो उ देसमें वांकें आवको सुभीतो
१६ हुय सकतो । पण अबें वें उंसूं चोखो अथवा सरगको
एक देस चावेहें इंसूं भगवांन वांकें भगवांन नामीक होवा
सूं लजयांणो नहें क्योंस उं उंवेहें एक नगर त्यारकरयो
१७ हें । इतवारसूं आबरहाम् जद कोसत करयोडो हो
तद यिसाक्नें उपसर्ग करयो ओर वीं कट्टार बाधोहो
१८ उ आपका एकला डावडानें बलदान दीनो कें जींकी बाबत
बेओमें कही गईही कें यिसाक्का नांवसूं थारा डवडा
१९ प्रतापीक हुसी । क्योंस उं विचार करयो कें भगवांन
उंनें मोतसूं जिवा उपजाय सकसी उंसूं जिवा उं एक
२० परमासूं उंनें लाधो । इतवारसूं यिसाक् होवा
वाली बातनके बाबतबेओमें यकाकूब् वा एसावनें आसीस
२१ दीनो । इतवारसूं यकाकूब् आपकी मरणकीवेला यूसफ्
का दोय डावडांनें आसीस दीनो वा आपकी लाकडीकें
२२ मंगराउपर भारदेर भजन करये । इतवारसूं यूसफ्
आपकी मरणकी वेला यिस्रायल्कें डावडांनें उ जागासूं
जांणको कथन कहो ओर आपकें हडांकें कायदामें आग्या
२३ दोनी । इतवारसूं मोसह् आपका जन्मकोवेला बाद
का माउबाभासूं तीनमास लुकोडो हो क्योंस वां देख्यो
कें उ फूटरो डावडो ओर पातस्याईकी आग्यासूं बीहो
२४ नही । प्रतीतसूं जद मोसह् मोटो हुवो तद पाप करणसूं

Digitized by Google

२५ अको सुख उ थोड़ाइ दिन भोगवासूं भगवानके लोगाके
भेलो कष्ट भोगवानें सरायर मिसरकी सगली मायासूं
२६ खीष्टकी वासथेजोमें गथा मोटोमाया मानर फरोवाह
की डावडीको डावडो मवायोक होणो आरे नकरयो क्योंस
२७ उ वामका फायदाकांनो देख्यो। उ इतवारसूं पातसाः
की रोससूं नडररमिसर छोड्यो क्योंस अके बिगरपता
२८ पीक है उने उ जिणो देषावेहै तिसो सेर ठेयो। इतवार
सूं उ पेसाच वा लोइ छिडकबको आग्या पाली क्याजांको
२९ मों पेलडा जणोडानें बिगाड करणो उ वांमें भींटे। जिणो
सूको धरतीउपर जावहै तिसा वे इतवारसूं घरबोदरियाव
के बिचमें गया मिसरीयांकें उ करबानें त्यार ऊपर डुब
३० मया। इतवारसूं यिरीखुकी भींत साव दिन फिरयापछै
३१ पडी इतवारसूं राखाव् भगतण सेसुवानें सलामतीसूं संघ
३२ भाग कररबिगर इतवारणां भेलो मारी न गई। अं ओर
काई केसुं क्योंस गिदिओन् वा बाराक् वा शिमशोन् वा
यिफ्तख् वा दाउद वा शामुएल् का निमितियांके वासथेलो
की कथाकेबको वेला नही के ज्यां इतवारसूं राज पते
३३ करयो यथार्थ करयो करार करणोडानें बाधा नाराका मुंडा
३४ मुंधा वासदेको बलणो बुझायो पातीकी धारसूं उबरया
निबलाईसूं बलिया करया गया राडमें पगर जेठो ऊमा
दूजादेसवाल्याके फोजनें भगाई लुगायां आपका डावडांनें
३५ फेर जिवता लाधा वा दूजालोगा फेर उपडबा लाधकें
३६ बेई यातना छुडावणा आरे नकरर यातना भोगवरी ओर र
कीको गोई वा मारपीटघणी वा बंधणी वा झटकमें रेवणी
३७ तरे कोमत लाधाछा। वे भाठावगावबसूं मारयो गयाछा
वे करोतसूं दोयबिराड करयागयाछा वे कोमत करयागया
छा वें पातीसूं बालागयाछा वें गाडरा वा बाकरकी
खाल पेयोडा ऊपर दलद्रि वा दुखी वा क्लेस खायर

३८ मुआ। संसार ज्यांकें रेंहवा लायक नहो वें ओड़में वा परबतऊपर वा धरतीका खाडामें वा गुफा
३९ में मुआ। वें सगळा लोग ज्यांकें विसा परवाणा न वे
४० इंवेंहं भगवांन म्हंकें कारण उंसूं कोई चोखीचीज त्यार
करोसूं वां इकरारसूं सुख्याती लायक करार करोडो
लाधो नहो।

१२ बारमो पांनो।—इंसूं म्हे इता मोटा सावदीतरें
ओसूं घेरया जायर म्हांकी परतीतको उपजावो वा परवारण
२ वाळो यिसु कें जको आपकें अगाडी रयोडा आनंदकेई काम
मांन निकमो जांणर छळवाळीको तोसीस सही ओर भग
वानकें तखतके डावा बेंठोछे उंवेंकानी देखर पावेंसो आर
वा जका पाप म्हांकें मोकळा सोरासूं घेरे उ छोडर आरे
३ करर म्हांकें आगलो दौड भरदोडा। क्योंस जो आपकें बेंर
तामें पापीलोगांकी इतो बेंरता सही उंनें मनमें गौर करो
४ कें थे कायला ओर मनमें थाडो हिमतो नहो। थे पापका
५ बेंरमें उधम करर लोई पडवतोडो बाटक्यो नहो। ओर
थे वा सीखावण भूल्यागा कें जको थानें डावडाइसो केंछे
कें हे म्हारा डावडा यिसुहकी प्रायछितनें निकमी जर
मती मांनजे वा उंसूं भांड कयोडो जयर घबोडो मती
६ हो। क्योंस यिसुह जीनें प्यार देवेंछे उंनें प्यार करेंछे
ओर जीं पावेंजीं डावडानें आरे करेंछें उंनें मारेंछें।
७ जर थे प्रायछित आरे करो तो भगवांन थांनें डावडाकें
इसा करेंछे क्योंस बाप जीनें डंड नदेवेंछे इसा कुण
८ डावडो छें। लेर जर थे डंडविगर हो कें जींका
भोगी सगळा कोई होंछें तो थे कमसल डावडा छो
९ वा सुभका उपज्या डावडा नछो। ओरचिय म्हांकें
डीलका बापोछा कें ज्यां म्हांनें डंड दोवो उंसूं म्हे

वांकी मरयादा करीजैं तो उंसूं घणा नै कांई आत्मायांकैं
१० बाभाकैं माफक न जीसी वा बचसी। क्योंस वां किताक दिन
आपकां मनमाफक म्हांनैं प्रायश्चित दीनो लेर उ म्हांकैं
भलाईवेई करैंजै कें म्हे उंके निर्मलपणांका सरीका व्हां।
११ अबें कोई प्रायश्चित आनंद देंणवाळो देखणमें आवेंजै नही·
पण कष्ट देंणवाळो लेर उंकें पछैं जके वें भोगवेंजै वांकैं
उपर उ सिझाईकें सरीषो शांत करणवाळो फळ उप
१२ जावेंजै इंवेई टूंटा हाथ वा निबळा गोडा उपाड।
१३ ओर आपकें पगांमेंई पाधरो मारग करो कें जको लोडो
१४ जै उ नमुडर लेर पण ताजा बणर जाय। सगळां
लोगां भेळो मिळाय वा संमेगोपणाको सोभागा करो कें
जींकैं विगर भगवांनको देषाळो कोई लाधबो सकें नही।
१५ मोकळा निर्वांन को क्याजांणां भगवांनकें अनुग्रह लाधण
की पासवेलोमें.कींकोयिण कसर कें क्याजांणां मारा
पणीको कांईजड बधर कष्ट देवें वा उंसूं मोकळा आदमी
१६ भिसटव्हें। क्याजांणां कोई लुचो अथवा इसाव् सरीषो
धर्मरहित कोई लोगपिणव्हें कें जको एक बटको खुराक
१७ वेई आपका मोटाभाइपणको कोठार वेच्यो। क्योंस
थे जांणोजो कें उंकेंपछैं जद उ आसीष भोग करणो चायो
तद तिगरवारे कणो मयो जै ओर उद्यम करर आंख
का आंसूं पटकणसूं पांमणाकी जागा लोगरपिण उ लाधो
१८ नही। क्योंस भींटणको परबत वा बळतीबासदे वा मोटा
१९ मे वा अंधारो वा आंधी वा बाजोवजाळो ओर कथा
की सादकें नेडा थे न आया कें जीं कथाका सुणवाळा
सुवर याचना करी कें वा कथा ओर वांकेकणैं कई न
२० जाय। क्योंस जका आग्या दीनी गई वा वें सेय सक्या
नही कोई पशुपदपिण अर परबत वाळो भींटें तो भाटा
२१ सूं हणाक अथवा सरसूं वींध्योडो व्हें। ओर इसो मोटो

Digitized by Google

भीछणवो उ देखावो छो कें मोसेष् कयो कें ऊं मोकळो
२२ डरूं वा धूजूं। लेर थे सीओन् परबत वा
जीवता भगवानका नगरमें अथवा स्वर्गवें यिरूसालममें
२३ लेर किरोडां स्वर्गदूतांकनें वा स्वर्गमें लिख्योडा पेलडा
उपज्याकनें वा सबको पांचिया वा टाबरांकनें वा सगळांको
बिचारकरणवाळा भगवानकनें वा संपुरण लोगांका पर
२४ मात्माकनें वा नवा सरतंतको बीचवान यिसुकें
कनें लेर हाबेलकें लोईसूं चोखीकथा केंणवाळा छिडकवा
२५ वाळा लोईकनें थे पोंचग्या छो। चिंतवांन रहो कें कथा
केंणवाळानें निकमा मती समझो क्योंके संसारमें कैंण
वाळानें ज्यां निकमा कर जाण्यां वें बच न उबरें तो म्हे स्वर्गमें
कथा केंणवाळासूं मुंडो फेरर बचां नहीं कें जींको कथा बद
२६ धरती हिलाई। लेर अबें करार कर्योछे कें हुंवेपछे
दूजीएकवार ऊं खाली धरती हिलाणुं नहीं पण स्वरगयिव
२७ हिलाणुं। अबें लेर एकबार उंको अर्थ या बणायोडी वस्तु
सरीसी हिलायोडी वस्तनें दूजीजागा करणी कें न हिला
२८ वणकी वस्तु निस्चल रें इंवेई म्हे बिगरहिलावणको एक
राज पावर अनुग्रह कपडें कें जींसूं आगतसूं वा परेजसूं
२९ चोखर राजीपासूं भगवानकी सेवा करसकां। क्योंके
म्हांको भगवान नास करणवाळो बासदे छे।

१३ तेरमो पानो।—भायांकें प्यार रहें। पर
२ देसीलोगांनें संवीभाग करणनें बीसरो मती क्योंके ऊंमें
कोईकोई बिगरज्याण्यां स्वर्गदूतांनें संवीभाग कर्योछे।
३ जिसतरां थांकें भेळा बंदीमेंछे तिसा बंदीवांनने चीतरें और
जिस्या आपकें डीलमें दुःख तिस्या दुःख पावणवाळांनें चेतें
४ चितारो। सगळा आदम्यांकें बिचाबें ब्यादी मरयादाको
कांम था उंको बिछवनो सुध लेर लोभा वा ज्यारीवाळांनें

५ भगवान डंड देसी। यां वो थवहार कोभ विगर
में ओर थांको मको कुंदिमें उंसूं आसुदा में कोस उं
कमोछे मैं जं तमें कदेईपिन न छेडसूं ओर कदेईपिन
६ न छेडदेसूं। इंवेई आकया न्हे लिखर कर सबांगां के
यिकन न्हारो उपगारीछें जं गडरसूं आदमी न्हारो कांई
७ कर सकेछे। वो थांकें उपर अविश्वास दरजे बावर भम
वाकी कया थांनें कहेछे वांवें रोवको छेको थ्रोत करर
थांवें मवीवकें पिछाडीआनवाला ऊपर वांनें मिलारो।
८ विमुखोक अविवकालमें वा आज वा होओबा थावें
९ अद एकी मरेछे। बंवार वा विगरढंग सीखावखसूं
भूंडो मती कोस पे थोछे कें मन अनुयहसूं मिस्मल कें ओर
थांवसूं मवी वें ज्यां वा रीत करोछें व को फायदो नकरो।
१० एक होमपोवरी म्हांकीछे वें जीका बल निमकडेरावें
११ सेवकांकी सुराक बछे। पाप बाहमवेई ज्यां जीवांको कोई
१२ वडोबापोहित निर्मवमगामें लेआवेछे वांको डोल डेरई
के मूरख वाल्यो जायछे इंवेई आपका कोईसूं वोमांनें
निर्मल करबवेई यिमृपिय आरयाकें बाहेर मसा इंवेई
१३ उंकें अपमानका सेववाला ऊपर न्हे गवलीवें थारखें उंकें
१४ कनें जावां। कोंस न्हांकें रेंबको नगर अठे नछे ओर
१५ थोवचार एकको सोभना करांगां। इंवेई उंका नांव
को स्तुती करर स्तुतीकें उपसर्ग करबको बल अथवा न्हांकें
होठांको फल न्हे उंका उपरासूं भगवानकनें रोजीना
१६ उपसर्ग करां। ओर पारकांको उपगार करबनें वा
१७ दान करबनें बीसरो मती। कोंस इंतरेंका उपसर्ग
सूंभगवान राजी होछे अवो थांकें उपर सिवेदारी करें
छे वांनें मानो ओर वांकें आग्याकारी हो कोस ज्यांनें
आपकें कामको चोखोबीठो केखो पडेछे वे तिस्या थांकें
आत्माको पेरो देवेछे कें वें राजी ऊपर ओर दुषी न

Digitized by Google

१८ ऊपर वें करें क्योंस उ थांकेंकनें निकमो चोंछें। म्हांकिंवेंहें
याचना करो क्योंस म्हे ठीक जांणां कें यथार्थ रीत कर
१९ चालनें चावणवाला ऊपर म्हांको घोषोविवेकछें। एक लेर
उ करो कें ऊं घोर वेगो थांकेकनें दोनो जांउ का ऊं
२० वीनती करडुं। अबें सांतकरणवालोभगवांन कें जी
विगरअंत सरतंतको लोहंसूं गाडरांको उ घेणे रखवालो
२१ म्हांको प्रभु यिसुनें मोतसूं द्रुजीवेला ल्यायोछें। उं थापवें
सांमो मोटोरागोकरणवालोकांम थांकें विपमें करर आप
कें राजीको कांम करणनें थांनें चावेंजी चोखा कांममें यिसु
ख्रीष्टकी वांहसूं सिद्ध करो। कें जीनें रागोना चावेंजी वेबा
बडाई हो। आमिन्।
२२ हे भायां ऊं वीनती करडुं कें थे उपदेशकी कथां
२३ सहो क्योंस में थोडी कथांसूं थांनें कागद लिख्योछें। म्हांको
भाई तिमोतियस् छुटोछें वा जांणज्यो. कर उ थोडा दोना
२४ पछें आवें तो उंकें भेलो ऊं थांनें देखसुं। अबे थांकें
उपर सीरदारो करेंछें वांनें वा सगला पुन्यवंतांनें
वंदना करो इटालीमें अकेछें वें थांनें वंदना करेंछें।
२५ थां सगलां उपर अनुग्रह हो। आमिन्।

Digitized by Google

यआकुब्को समजानें कागद ।

१ पेंलडो पांनो ।

भगवांनको वा प्रभु यिसुक्रीष्टको सेवग यआकुब् विक
१ रयाविघरया बारें गोतांनें बंदगा करेंछै । हे म्हारा भायां
थांकी प्रतीतको कीमतसूं के सैयो उपजावेंछै या जांणर
२ थे जद नांनां कीमतमें पडो तद उ सगलोतरेंसूं आनंद
३ इंयो गिणो । लेर सैयको काम परवारया देवो के थे भला
पूरया वा सगलांमें संपूरण हो और किसूंई थांकी कसर
४ न रवें । पर थांवें तिपमें किंकेंइयिक ग्यानकी कसर
५ रवें तो उ लोग भगवांनकनें मांगे कें जको राजीपणसूं
सगलांनें देवेंछै वा भांड न करेंछै उसूं उकेंनें देयो पड
६ सी । लेर उ लोग कुंहि चंपल नकरयर प्रतीत करर
यांचना करें क्योंक जको लोग चंपल हेंछै उ लोग दरिया
वकें किलोलसरीषो बायरासूं [illegible]ायो वा टलमलावें
७ छै । पण उ लोग बाड न. जावें के उ भगवांनसूं
८ कुंहि लाधसी । दोवडो मन आदमी आपकी समली
९ चालसूं न कायम छै म्हाराभाई आपकी उमंगोसूं
और मायापात्र आपकें नोचें करयोडा होयासूं राजी
१० करो । क्योंक घासका फूलसरीषो उ बीत जासी ।
११ क्योंक सूर्य मेंटोवेंत्र देर उगताही घासनें सुकावेंछै
वा उंका फूल भडपडेंछै वा उंकें रूपको सुंदरपणो
बिगडेंछै उंहीतरें मायापात्र लोग आपंका पथ्थ

१२ सूं सूख जासी। अको लोग कीमत लेंठे उणि वय
कोंस प्रभु अको जीवतथसरीपो मुगट आपकें प्यारकरब
वाळानें करार करोठें उणी लोग कीमत कायेडो ज्यर
१३ उ पासी। कोईपिण कीमत करोडो ज्यर नहं कहें कें
जं भगवानकें करबसूं कीमत करोडोलूं कोंस भगवान
बीठो करबसूं कीमतकरोडो नहें उ-बीकोई कीमत करें
१४ नहो लेर चावेंसो लोग आपका कामसूं वांकोडो ज्यर
१५ वा भरममें पडर कीमत करोडो फेंठें। उपठें लोभ पेटमें
कपडर पाप अवावेंठें वा पाप भरोपूरो ज्यर मोव
१६ अवावेंठें। हे म्हारा बला भाया बीसरो मतो चावेंसो
१७ उत्तम वा संपूरणदीन उपरसूं आवेंठें लेर तेजवांव बाभा
कें कनासूं उतरेंठें कें बीको मुखोडो वा दूजीतरें होव
१८ की गयापिण नहीं। उ आपकी इछासूं सांचवाडीव
हारे कथासूं म्हांनें जनम दीनो कें म्हे उकें बणका एक डाव
१९ का पेंलडा फलं वां। इंवेंई म्हारा बाला भायां चावेंसो लोग
२० सुणबनें वेगो केंबनें धीरज वा रीससूं धीमा हें कोंस आद
२१ मीकी रीस भगवानको यथार्थ उपजावें नहो। इंसूं
सगळा मेंल वा खोटासुभावको वताई छोड देवो लेर
गोलो ज्यर अका बारीकथा थांकी आत्मा उद्धार कर
२२ सकेंठें वा कथा धारे करो। लेर कथाकें रखा करब
वाळा हो वा आपनें ठेंत करता थाको सुणबवाळा मतो
२३ हो। कोंस कोई लोग थर कथा सुणबवालोठें वा उं
बो करबवालो नठें तो अको लोग आपको सुभावो मुंडो
२४ गहामें देखें उ जं लोग इसोठें। कोंस उ लोग आपनें
देखर जायठें वा आप कीतरेंको लोग था भूल भुलेंठें।
२५ लेर अको लोग मुगतकें पूरा कानुनउपर दिसट करेंठें
वा उंमें रोगोना लेलीन रहेंठें उ लोग भुलबवाळो सुणब
वाळो नहो ज्यर पण काम करबवाळो ज्यर आपका

Digitized by Google

२६ आपमनूं धर्म्म जसी। थांमें बिचमें अको कोई धर्मी इसा
देखणमें आवें वा आपकी जीभ ने खांवरें पण आपको मन
२७ भुलावें उणी लोगको धर्म्म निकमो छै। भगवांन वा
बाबाकें सांमी अबो धर्म पाक वा साफ छै उई जो बाबा
रहित वा बेवांनें वांकें कष्टोमेंजा देखणजावें और संसार
सूं आपनें बिगरदागें राखणो।

२ दूजो पांनो।—हे म्हारा भायां थे म्हांकी माहाजस
वाळो प्रभुयिसुख्रीष्टकें धरमबोळो प्रतीत आदम्यांकी
२ बाडभांतार मतिराखो। क्योंक अर सोनाकी वींटी
और चीलागाभा पैरयोडो एक लोग थांकी पंचायत
ईमें आवें और मैलागाभा पैरयोडो एक म्यारो पर उं
३ आंगा आवें उंसूं अर थे चोखागाभा पैरयोडा लोगनें मर्यादा
करर कहो कें आप अठे इंचाचीजागा बैठो और म्यारणांनें
अर कहो कें तूं उठै उभो रहें अथवा अठे म्हारें पगां
४ नीचें बैठ तो कांई थे आपमें भीर भीर एकनाकको फिकरको
५ न्याव करबवाळा छो। हे म्हारा बाळाभायां थे सुणो
मतोवसूं मायापात्र और अकां राज भगवांन आपकें
प्यारकरबवाळांनें देबको करार कर्योछै उंई राजका
बेठारो अर्के इंसंसारका म्यारा उं कांई वांनें सराया
६ नहीं। पण थे म्यारणांनें निकमा कर जांण्याछै मायापात्र
कांई थांकें उपर बिगरन्याव न करैंछै वा कचेडीमें कांई
७ थांकी गिरफ्तारी न करैंछै। जीं मर्यादाका नांवसूं थे बिख्यात
हो छो कांई उं नांवउपर निन्दा कथा कैछै नहीं।
८ धर्मग्रंथमें लिख्यो छो लिख्योछै कें थारें पेंडावाळांनें
आपकें बरोबर प्यार कर उंमाफक अर थे ई राज
९ को फलको पाळो छो तो चोखो करोछो। फिर अर
थे लोगांको माळ्क्योको तो थे पाप करबवाळा छो

छे इसूं तेरीतसूं सावतो कसोटा ऊपर पाप करोछो।
१० क्योंक जको कोई सगळी रीतरीत मांनेंछे पण,एक बातपणी
११ में दोष करेंछे उ सगळांमें सांमीदार छे। क्योंक जीं
कयो के आरो मती करो उंही कयो के मारवाळि मती
इवेह अर तूं आरो न करें पण खून करें तो तूं रीत
१२ रीत उलंघनवाळो हवेछे। मुगत आज्ञासूं विचारणेकी
१३ लोगांकें इसा थे कथायां करो वा कांम करो। क्योंक
जीं लोग क्यूंहि दया न करीछे उंको विचार दयाबिगर
१४ हसी ओर उंडकेंउपर दया सेपी करेंछे। हे भायां,
अर कोई कहें जका मनें प्रतीतछे उ आदमीको अर कांम
न हें तो कांई फायदो प्रतीत कांई उनें तारनें सकेंछे।
१५ अर कोई भाई अथवा बेंन नागा वा रोजीनाखावारहित
हवा रहें ओर थांको एक लोग कहे कें भलीतरें जा तूं
१६ तावडें वा धाप्योडोहें तोपिण डीलकी जका वस्तुकी जरुर
१७ उ वांनें अर न देवें तो उंको कांई फायदो उंईतरें प्रतीत
अर कांमसूं भेल्योडो नहें तो एकलो ऊपर मुडदो
१८ छे सची कोई आ कें सकेंछे कें थारी प्रतीतछे वा म्हारो
कांमछे थारें कांमबिगर थारी प्रतीत देखाव ओर मं
१९ आपका कांमसूं आपकी प्रतीत थनें देखावसूं। तूं
इतबार करेंछे कें एक भगवान छे तूं चोखो करेंछे भोडा
२० पिण इतबार करेंछे वा धूजेंछे। लेर हे अकलदारोका
गुमानी आदमी तूं कांई आ व्याख्या चावेंछे कें कांम
२१ बिगर प्रतीत मरीछे। म्हांका बडेरा आबराहाम् जद
आपका डावडा यिसहाकनें होमचोतरोउपर उपसर्ग करो
२२ तद कांई उ कांमसूं सिद्ध कणेगयो नही। तूं देखेंछे कें उंकें
कांममें इतबार उपरसरो करो ओर कांमसूं इतबार
परवाणो गयो छे ओर उ धर्मग्रंथ परवाणो छे कें जको
कहेंछे कें आबरहाम् भगवानसूं प्रतीत करी ओर उ यथार्थ

Digitized by Google

उणिवारें उणेंकने संच्या करी गइगी ओर उ भगवानको
२४ संगाल्यो विख्यात छो। इंवेंई आदमी कांमसूं सिद्ध
कर्यो जायछे ओर खालो इतवारसूं नहीं आ थे देखोछो।
२५ राहाब् पातर जद हलकारांनें संथभाग करर दूजामारग
सूं लदाय दीना तब कांई वा कांमसूं सिद्ध कर्योडी गयी
२६ नहीं। क्योंस जिणो जीवबिगर डील मुडदो छे तिंयोंई
कांमबिगर प्रतीत मुडदीछे।

३ तीजो पांनो।—हे म्हारा भायां म्हे घणो तोसीख
पाखां आ जांणर भोकला भणावणवाला मती बण्यो।
२ क्योंस मोकलो बातवेकोंमें म्हे सगळा चूक करांछां अर
कोई कथांसूं चांमी न करें तो उ लोग संपूरणछे वा सगळा
३ डील बस कर सकेंछे। देखो म्हे घोडाका मुंडामें लगाम
देवांछां कें वें म्हानें मानें ओर वांका सगळा पेरो मुडा
४ वांछां। ज्याजबा देखो वें कित्ता मोटाछे ओर वायरांसूं
अठीउठी हलायोडा फिरेंछे पण तोपिण ओ जागा खवीको
५ मन उं आगा बांनीपतवालसूं मुडाया जायछे इंतरें
जीभ नांनो एक अंगछे ओर मोटाकांमकी बडा सेखी
करेंछे देखो चिनसी आगदेसूं कित्तो मोटोबकां बळें
६ छे। जीभ एक आगदे वा खोटाकांमको एक संसार
म्हांकें अंगामें जीभ इंतरेंकीछे कें वें सगळा अंग भिसट
करेंछे वा जगकी सगळी रीत बाळेछे ओर आपपिण
७ नरक आगदेसूं बाळेंछे। क्योंस सगळीतरेंका ढांढा
वा पंखी वा साप वा दरियवका रेंखवाळा पोस मानें
छे वा आदमीका करणसूं पोस मांनणवाळा करया गया
८ छे। पण जीभने कोई पोस मनावण सकें नहीं वा धीठ वा
९ मोत देंणवाळा जैरसूं भोडोडी एक खोटोबळ छे। उंसूं
म्हे भगवान बाभाकी प्रसंसा करांछां वा उंसूं म्हे भगवान

Digitized by Google

१० सरीखो कयोडो आदमीनें धिक्कार देवांगा यक मुडासूं आसीस वा धिक्कार निकळेंछै हे म्हारा भाया इसो
११ होवो ठीक नही। वा काई एक आगासूं मीठो वा खारो पांणी कढेछै हे म्हारा भायां अंगूरको रूंख कांई
१२ जैतूनका फल फळवें सकेंछै। अथवा अंगूरकी बेल कांई अंजीरका फल फळवें सकेंछै जिसो कोई भीर खारो वा मीठो पांणी काढ्यों सकेंछै नही।

१३ थांकें वीचमें ग्यांनवंत वा विद्यावांन कुणछै उ वोरा चोख्याचलणसूं ग्यांनकी नीलाईकैभेळा आपका कांम
१४ दिखें करें। वेर जर थांकी मारी हिंसा वा दुसमणी मंत
१५ रंगमें रहे तो सेखी मतो करज्यो। वा सांचीकथावें बेरमें कुडीकथा केज्यो मती या विद्या उपरसूं नछे वेर
१६ संसारी वा सरीरवाळो वा भीडाई छै। जीव जठें हिंसा वा दुसमणी उठें उंधोसूंधोपण वा सगळा
१७ खोटाकांमछै। वेर उपरसूं अवी विद्या वा पेंखडा पणउंपछै सांतकरणवाळी वा मोळी वा वोरपणसूं याचवा जोगीछी वा दया वा उत्तम फळांसूं भीभेडी बेर पखरो
१८ वा कपटसूं खालीछै वा सलाळीत बोल्यांसूं वधार्थवें सरां वो फल सांन्तवामें अयो जावछै।

४ चोथो पांनो।—थांकें वीचमें जका राड वा झगडो केंठें सु कठासूं छै थांका अंगमें भगर काम राड करेछै
२ वा कांई यासूं नछै। थे इछ करोछो पण पावो नही थे मारनाखो छो भीर इछ करोछो पण लाधवें सको छो नही थे राड झेडो करोछो पण थे पावो नही कोंस
३ याचना करो नही। थे याचना करोछो पण पावो नही कोंस आपका हारद भोगकरणनें खरचकर सकेंई से उपर
४ ठीकनुंभिहारें याचना करोछो। हे परस्त्रीगामणवाळा

था आदरी थे कांई जांणो नहीं के ई संसारको मीत भग
वानको वैरता छै इवेई जको कोई संसारको संगोत्यो जवो
५ चावे छै उ भगवानको वैरी छै। थे कांई ध्यान करो छो
के धर्मशास्त्र निकमो केवे छै म्हांके विचमें रैवावाळो आत्मा
६ आत्मा उ कांई ईर्षा करवामें लागवार छै पण उ बत्ता
दया करे छै जीं वेई उं कयो छै के भगवान गुमांन्यांने
अलगो करे छै ओर नवनवाळा लोगांने अनुग्रह करे छै।
७ इवेई भगवानके आग्याकारी हो मोडाके वैरमें रोक करो
८ तद उ थांसूं भागसी। भगवानके नेडा आवो तद उ थांके
कने आसी ओ पापी थांको हात साफ करो ओर हे दोमना
९ थांको मनसाफ करो। दुखी हो वा शोक करो वा रोवो
थांको हसबो शोगमें वा थांकी खुस दलगीर में प्रभुके दिष्ट
१० आपने नवावो तो उ थांने उठासी। हे भाई कोई कोईके
बोठो न कवे जको कोई आपका भाईने बोठो केवे वा उंको
दोष काढे छै तो उ तोरेतने बोठी केवे वा तोरेतको दोष
११ केवे ओर तोरेतको दोष थर तूं काढे तो तोरेतको कयोडो
१२ कामकरवावाळो नछै ओर न्यांव करवावाळो छै। एक आग्या
देवावाळो छै वो अबो तारण सके छै वा मारण सके छै थे
१३ दूजाको न्यांव करवावाळा तूं कुण छै। हे थे के अबो कहो
छो के आज अथवा काल म्हे एक नगरमें जास्यां वा उठै
साल भर रैस्यां ओर मोललेबोबेचबो करर नफो करस्यां।
१४ ओर काल कांई व्हेसी थे जांणो नहीं क्योंके थांको आउ
खो कांई उ धुंवो एक गयो छै के अबो थोडा दिन मालोम
१५ वा माछ बिगरजावे छै। क्योंके थांने आ केणी ठीक के अर
१६ प्रभुकी मरजी हो तो म्हे जस्यां ओर वो वे करसी। ओर अवे
थांकी सेखीसूं थांको आनन्द छै के अस्यो आनन्द बेठ छै।
१७ इवेई जको जोग भलोकाम कर जांणे छै ओर करे छै नही
उठी उंको पाप छै।

Digitized by Google

५ पांचमो पांनो।—हे मायापात आदम्यां आवो
थांका ऊपर आवणवाळा दुखकी बाबतेजीमें रोवो वा बोबरीर
२ करो। थांकी माया बिगडी वा थांका गाभा जेवो काट गयो।
३ थांको सोनो वा रूपो अंगाळ काट गईछे। ओर वांको
अंगाळ थांकी बेरमें एक मायदी असी वा बासदे इसो थांका
डोल खाजनांवली थे छेवडाकी बेळांवेई माया जोडीछे।
४ देखो ज्यां मजूरलोगां थांका खेत काट्याछे वांकी मजा मजू
राई थेवसूं थंद रे वा मजूराईं पुकार करेछे वा काटणवाळां
५ कां हेला सबकरके यजहवके कानमें पूग्याछे। थे सुखभोगसूं
संसारमें दिन काट्याछे वा रांमतमें वेळा गमायो थे मार
६ वाके दिनके छ्या आपको मन मोटो कर्योछे। थे सिर्दांनें
खोवदार वा मारनाख्याछे पण उ थांकि कुंहि दुसमणी करें
७ छे नही। इंवेई हे भायां प्रभुके आवणतांडी सेंवणवाळा
होवो देखो करसण धरतीकी चोखोकीमतका फळांकी
बाट जोवेछे ओर अगाडी वा छेवडेमें पावसतांडी उंवे
८ वेई मोले धावच रावेछे। थे पण सेंवणवाळा हो वा
थांको मनपिण निस्चल करो क्योंक प्रभुको आवणो नेडो
९ आवेछे। हे भायां कोई कोईंऊपर थेठोगुमान
करज्यो मती के थे दोषदार न हो देखो न्याय करवणवाळो
१० बारणाकनें ऊभोछे। हे म्हारा भायां ज्यां निमतीयां प्रभु
के नावसें कह्याछे वांनें मोकणी कष्ट खामणो वा सेंवणे
११ थानमोइया करजाज्यो। देखो जको कष्ट सेंछे वांनें
म्हे सुखीकर गिणांछां थे आयोबके सेंवणकी कथा सुणीछे
ओर भगवानको अंत देख्योछे के प्रभु मोटो कृपालु वा मेर
१२ वांनछे। ओर हे म्हारा भायां सा सगळांसूं अहर के थे
कोई सूंसमवो काढो सर्गका नांव लेर अथवा धरतीको नांव
लेर अथवा दूजीकाई सूंसकाढरपिण लेर थे दोषमें
१३ नपडणवेई थांकी हांरहें वा थांकी नईरहें। थांकेबीचमें

Digitized by Google

अर कोई दुखी अवे रहें तो उ याचना करें कोई अर रसी
१४ तो अवे रहें तो उ लोग धर्मगीत गावें थांकें बिचमें अर
कोई मांदो अवे रहें तो उ टोळीका बोदोडालोमांनें बुला
वें ओर वें प्रभुरा नांवसूं उंनें तेल चोपडर उंकेवानें रेंर
१५ याचना करें । ओर प्रतीतसूं उपज्योडी याचना मांदानें
तारसी ओर भगवान उंनें आरम करसी उं अर पापकरा
१६ दें तो वांकापिण माफ करसी । थांको एक लोग ओर एक
लोगकनें आपको पांमी आरे करे ओर घे आपकें आराम
होवकेई एक लोग दूजाएक लोगकेवेई याचना करो यथा
धेकरअवाळा आदमीको सफल एकाग्र याचनासूं मोटो
१७ फायदोहें । एलीयाह् म्हांके हसो ओाखअवाळो आदमो हो
ओर उं मेहकी याचना करी कें मे नर्पे ओर लोनसाल
१८ वा छमास तोडी उं देशमें मे न बरस्यो । उं दूजीवार
पिण याचना करी ओर आकाश बरस्यो ओर धरती
१९ आपका फल उपजाया । हे भायां अर थांकें बिचमें कोई
२० साचीकथासूं भरम न करें वा कोई उंनें मुडावें तो जांणो
लोग किसी पापीलोमांनें उंकें कामका भरमसूं मुडावें उ
आंकें वें उ लोग मोतसूं एक आत्मानें बचासी करसी अर
मोकळा पाप ढकसी ।

पितरको सगळांनें पैलड़ो कागद।

१ पैलड़ो मांझो।

१ पितर के जको यिसुखीष्टको एक हलकारो है उ पारख
पावणवेई आत्माके निर्मल करणसूं वा यिसुखीष्टको लोह
२ छिड़कणसूं भगवान बापरें मैलड़ा ग्यांनमाफक छांटियोड़ा
पंतस् वा गलातिया वा कप्पदोकिया वा आसिया वा
बोथुनिया देसमें बिखराबिखरा परदेसी लोगांकने आस
द लिखूं हूँ थांकें उपर अनुग्रह वा सांत हमेसा बधो हैं।
३ म्हांकें प्रभुयिसुखीष्टकें भगवान वा बापनें धन्य हो के जी जेण
म्हांरपी भरोसा लाधणवेई आपरें मोकली मोटोपणांसें
४ अब यिसुखीष्टनें मौतसूं फेर उपाड़णसूं सरगमें राख्योड़ो
अविनासी वा निर्मल वा थिर कमलामा लोठार लावण
५ वेई म्हानें फेर उपजाया है, के जको भगवानकी पोषणसूं उ
धार लावणवेई राख्योडा हो बखत छेहलोलेणा पोरें होवणकेई
६ त्यार है। जीमें अदर रैणसूं थे मोकली कोमलसूं थोड़ा दिन
कष्टसूं गदगदा जयर मोकली मोटीरस्मी करो हो थांकें
७ प्रतीतकी कोमल बाणदेसूं कोमल करणोडो नासहोवणवालो
सोना, कोमलसूंपिण उत्तम जयर यिसुखीष्टकें पाछें होवण
की बखतासुती वा मर्यादा वा बड़ाई देणवालो लाधो जाय।
८ कें जीनें न देखरपिण थे प्यार करोहो फिर जीनें अबार
९ अर न दिखो तोपिण प्रतीत करर थे आपरें प्रतीतका फल
अथवा आपरें आत्माको उद्धार लावतो थकां नसकणवाळा वा

Digitized by Google

१० सुतीसूं वोत्ता आनंदसूं आनन्द करोलो। औं उद्धारकी
बाबमेंजीमें थांकें उपर जको अनुग्रह होववालो छे उंकें
११ फायदामें जो विनिविवा कयो वें, जद आपकें मनमें रेंवता
था खीष्टको आत्मावें खीष्टकी तोत्तीस वा उंकें फायदा सरी
वो ईश्वार बतावेंकी सावबो पैंसा दीलो तद उ कांई
वा कीतरेंको समय मुदरावे था सोभना करता२ पूछ्यो
१२ वा मोटी यतनसुं सोजो। ज्यांकेंकनें चोडेंगो कें वा आप
की बाबमेंबीमें नधी पण थांकें बाबमेंबीमें उ कथाकी पूजा
करीगें कें ज्यां-सर्गसूं हलकारा धर्मोआत्मा उपरासूं संग
सोवचपा थांकेंकनें ढंढेरा कयोगें वांसूं आकथा थांकेंकनें
कई आयगें वाकें उपर हलकारा चैघोतरें देकवनें मोववा
१३ चावेंगे इंवेई विमुबीकवें पोडें होववोवेवा जको अनुग्रह
थांकेंकनें ल्यावो आसी उ अनुग्रहवेई थे मनकी कमरबंदी
१४ करर होसवाला अयर छेवडातांई भरोस करो। आज्ञा
कारी छावडांहला अयर पैंलडा अवा थांकी बणगी उमर
१५ फक आपकें न रपर होर जी थांकें सिखाव कया छ जिसो
१६ निर्मलगें तिसा थे सबकी होतमें निर्मल को। कोस कैर
१७ लिख्योगें कें थे निर्मल हो क्योंस अं निर्मल छूं। अर थे
बाभावें कनें वापना करो कें जको बाबरी न राखर थांकें
जी लोग कें आपकेंर कामकेंमाफक विचारेंगे तो योहता थे
१८ इंआगा रेंवनें दिन तोडो। क्योंस थे जांवोगे कें थांका बडे
रासूं लिख्योडी निकमी रीतसूं थे सोनाहप्या इत्यादि विनासी
१९ वस्तसूं मोल कोया नगा। होर खीष्टका मोलकोमोलका
लोईसूं मोल कोया गा कें जको निगरखोंब वा दागानिगर
२० माडराका बचाइसा गे। कें जको संसारकी नीव देंवकें
पैंलडा निर्सें बसोडो गे सही पण थांकेंवेई छेगेडकी वेवा
२१ में चोडें गे। कें जको उंसूं भगवान उपर भरोस करोगे कें
जी उंनें मोतसूं उपायो वा मोटाई दीनी कें थांको भरोस

२२ वा भरोसो भगवानमें रें। इंसूं भायांमें निकपटी प्यार
करबबेई थे साचोकथा मानबसूं आत्माका उकरासूं आप
को मन निर्मल करर विनाओ मुक्तसूं नही। लेर पवित्र
२३ जीसूं अथवा रेजोना वपबवाला वा निश्चल भगवानकी
कथासूं फेर उपजर साफमनसूं उत्तापसूं आपसमें प्यार
२४ करो। कोस सगला जीवदार घासकें बरोबर वा आदमी
२५ का सगला प्रताप घासका फुल ज्योंछें। घास सुक जाय
छें वा उंकाफुल गिरपडेंछें और प्रभुकी कथा रेबोका रेंछें
और अबा कथा मंगलीकबथामें थांकेंकनें ढंढेरो दीनोगई
छें सो था।

२ दूजो पानो।—इंबेई सगली हिंसा वा कपट वा लबर
चटपको वा खोटोहिमाव वा सगली खोटीकथा केंबो छे
२ हर पैदाहुयाका उपज्योडा टाबडाइसा थांको उंसूं बधब
३ बेई कथासरीखो यथार्थदुध मांगे। कोस थे चाख्योछें के
प्रभु कृपालु छें जींकेंकनें थे आदमीसूं विगरबारे बेर भग
४ वांनसूं सरावयो वा चोखोकीमत जीवताभाठाइसा आवर
जीवताभाठासरीखा परमार्थ एक घर सरीखो जोड दीना
५ गयाछे और यिसुखीष्टको बांइसूं भगवानकें बारेआव
क परमार्थका उपसर्ग करबकें सुद एक पादरीसरीखो निर्मे
६ पिछे। इंसूं धर्मग्रंथमें ओ लिख्योछें के देखो मूबाबेई सरा
वया वा चोखोकीमत एक सिरेदारभाठा में सीओनमें राखूं
छूं और जके लोग उंकें उपर प्रतीत करेंछें उंनें लाज आसी
७ नही। इंबेबेई थांकेंकनें के जको इतबार करोछो उ चोखो
कीमत छें बेर जके नमानबवालाछें लोबावटी जके भाठा
८ नियमा करया उ वांकेंकनें मूणाको सीबेदार व्योछें वा था
बडघाबको भाठो वा ठिकरबको परबत कयो गयोछें न
मानबवाला कथासूं आखड पावछें जींबेईपिब वें निसेंग।

Digitized by Google

९ लेर थे सरावणा एक जात वा राजको एक धारणपणो श्रोर
निर्मल एक गोतो श्रोर विशेष एक लोग छो कें उंका गुण
प्रगट करें कें जीं श्रंधारासूं श्रापका श्रचेरा चानणामें थांकें
बुलायाछें कें श्रवें पेंलड़ीपुरणमें लोग नछा पण श्रवें भगवांन
१० का लोग श्रवाछो श्रोर दया नही लाधीछी पण श्रवें दया
११ लाधीछे। हे श्रोटावाला म्हं थांसूं वीनती करंछुं कें थे
दूजादेसवाळा लोगांकें थोथमें यथार्थ रीत करर परदेसी
वा मारगुहस्था मनकें बेरता राडकरणवाळा डीलका काम
१२ सूं श्रापमांदा रहो कें जींसूं लोग खोटाकामकरणवालाहस्या
थांकें निंदा करेछें उंसूं वें थांका भलाकाम देखणसूं दिसक
१३ करणका दिन भगवांनकी खुसी करें। श्रादमीका कसोड़ा
चावें जीं फलवाळा श्राग्याकारी प्रभुकेंवेई चो उ सगळांउपर
१४ रेंणवालो राजाधें श्रथवा खोटाकें डराखा वा भलाकाम
करणवाळाकें सारीमकेंवेई उंसूं चलकारा साधन करणवा
१५ ला चो। क्योंस श्रा भगवांनकी राजीपणछें कें थे जुठासरो
चा ऊपर श्रोर श्रापकी छुटो खोटाकाम लुकाणवेई रीव
१६ कसोड़ो न करर लेर भगवांनकें सेवकांकें हस्या ऊपर चोखा
कांम करणसूं थे श्रग्यांनी लोगांकी डोफाईकें निकतर
१७ करो। सगळा लोगांनें मर्यादा करो भाईपणामें प्यार
१८ करो भगवांनसूं वोहो राजाकी मर्यादा करो। हे घरूस्या
सगलोतरें थोहर श्रापकेंर धणीकें श्राग्याकारी चो चोखा
वा कोमल धणीमासूं वाळी श्राग्याकारी सो नही पण डरा
१९ णवाळाकें पिण। क्योंस श्वर जके भगवांन ऊपर मन लगा
वणवेई कोई श्रादमी कष्ट लाधर कष्ट सहें ई प्रसंसा
२० लायकछें। क्योंस थे जके श्रापका दोषसूं कूट खावर वा
श्रारे करों तो वा काई बडाईछें लेर चोखाकाम करर वा
उंकेंवेई कष्ट लाधर श्वर छा सहो तो श्रा भगवांनकें श्रारे
२१ लायक छें। श्रा करणसूं पिणपे निर्भें छा क्योंस थांका उंका

पगल्या पिछाड़ीआववाळा होवावेई म्हांकेंवेई एक बोलबो
देर खींच म्हांकेंउदले तीसोस लाधी कें जीं कुछि पाप करो
२२ नहो वा जींके फायदामें भुलावो लाधो गयो नहो। जीं
२३ गोइ बाधरपिछ फेर गोइं न करो जीं तोसीत बाबरपिछ
बगराय करो नहो पण वको ठीकतरें विचार करेंछें उंकेंक
कें आपनें मलायो कें जीं हंब उपर आपका डोलमें लागो
२४ म्हांको पाप भोगलो कें मे पापका फायदामें मुडदासरीषा
ज्यर सीतरका फायदामें रीत करें जींकें मारबसूं थे ताजा
२५ जावांगा। क्योंस थे गमीयोड़ा गाडराइसा गा बेर अबें आप
की आत्मांकी रुखाळो वा आचार्यकें नेंडा दुजीवेवा आया
गो।

३ तीजो पांनो।—हे बउवां थे इसीतरें आपका धणी
२ का वसमें रहो कें अर कोई लोग कथा न सुणें तो वें थांकें
बोहकें भेलो ओजअतप्रवाको ववहार देखबसूं वउवांके
३ ववहारसूं कथाविना ताण्यो जावां। थांको सिणगार केवी
डंड वा सोनाका गेंणा वा गाभापेंरणां सरीषो बारलोमें सिण
४ गार न वें। बेर अंतरंगमें लुकोड़ा आदमी गीबा वा
सांत आत्मासरीषा अविनाशीगेंणासूं उ सिणगार वें वें
५ जको भगवांनकी निजरमें घणोकिमत छें। क्योंस ज्यां
पुन्यवंत लुगायां भगवांनमें प्रतीत करी वें आपकेंर धणीकी
आग्यामें ज्यर आपनें ठेठमें इसो सिणगारी जिसो सारा
६ ह् आमरहामनें प्रभुकर मांन्यो थे जठातेकी चोखोकाम
करो वा कोईभी बीहसूं डरषवाला न वो तठातेकी जींकी
७ डावड्यांछो। हे धण्यां थेभिस वांनें निबळा ठांवइसा जांगर
उंमाफक मर्यादा करर् बोर जीवतबसरीषो अनुग्रहको
आयतमें भागी ज्यर ज्ञानकें माफक थांकें भेळा रहो कें
८ थांको याचना अटको न जाव। छेटो थे आमीयको बोठार

साथबधेई के इमें निश्चल छे था आंबर समझा बकमना
की एक लोग दूजा एक लोगउपर क्षपाछु छो भाईपारो
९ पालो गीतमय छो पोमिकेंबवाळा छो हिंसाके बदलें हिंसा
अथवा गोईके बदलें गोईकरबवाळा मतो छो पण उंकें बेर
१० में आलोच करबवाळा छो। क्योंके अको लोग आउमामें
भागण्यां पावेंगे वा सुखसूं दिन तोख्यां पावेंगे उ लोग आप
की भीभनें बीठासूं वा आपका होठमें तोतकोकथां कैबी
११ बरजे। उ लोग मोटो काम छोडे वा भलोकाम करे उ लोग
१२ सांबका लोभों वा उंको पिछाडी चें। क्योंके पुण्यवंता
उपर पिताको हक वा प्रांको वापनाउपर उंको कान
सुणोगे बेर अबें मोटाकाम करेंगे यांके बेरमें पिछको
१३ मुडेगें। ये बर पोमाकाममें पिछाडीआनवाला छे वा
१४ यांको बिगडो कुब करसो। बेर बर ये यथार्थनेई कष्ट
लाधो तो ये भाग्यवांन छे भोर प्रांका डरसूं मती बीहो
१५ भोर चिंतावांनयिक मती ऋषो। बेर आपका अंतरंगमें
पिछत भगवांनर्ने निर्मल परमांनो भोर चोखेंमन ऊपर
अबो यांके जिबवाके भरोसाके कारब पूछे उं यावें गौं
लोगांमेंयिक गीताईकें भेबो वा बीइके भेबो जबाब ऊपर
१६ उथलो देबमें रीमोनां त्यार रहो। बे बोटमें यांकें चोखी
रीतका बूडो टंटो अबें देवेंगे वें औंमें यांके मोटाकाम करब
१७ वाळांहस्या मानेंगे उंमें लजयाबा चें। क्योंके भगवांनको रूप
कर हतो चें तो चोखोकाम करबसूं कष्टपावबो वा मोठा
१८ काम करबसूं कष्ट पावबसूं चोखोड़ें। क्योंके योष्ठ डीवमेंमासी
आधर लोर आमासूं भीतलाधर म्हांनें भगवांनकनें ल्यावब
बेई एकीवार यथार्थ अयर अयथार्थीयांकें बदलें कष्ट लाधो।
१९ औंज्याजकें चिपाकें छिनसा अथवा आठ प्राणिबा पाणीमें
उद्धार लावा सुखकी बेळामें बद उ ब्याज त्यार करबकीबेला
में भगवांनको लांबो सेबने बाकुभोमको करीगे उं काय

Digitized by Google

अबा आत्मा गमावनवाळी छी उ घटका आत्माऊनें उं मावर
२० आत्मासूं कवोडी कथा घोड़ें करी। वर्गे पोंवाडो भगवांन
कें जीवबा हाथमें वेंठोडो ओर जींवो आचीन हवकारा
२१ ओर सामनकरयवाळा वा बवठें ईसो विशुवोक वें उंबो
२२ फेर उपडबकें वांहसूं तिछोई परया विनेय दुवीदिरावकी
वर्वे गानि उद्धार करें डोबको भकवा निमेव करवो चु बली
ओर भगवांनके सामो वोवा. मनको उपको क्यो।

४ चोथो पांनो।—बीक म्हाकेंवेई डीवमें वक आवेंछें
इंसूं घे आपमें उंहि मनसूं समो कोंस वीं वोम डीवमें
२ मोत भोम करीछें उं पाप गेबीछें। कें डोवको रोवसूं
आदमीको मनसा परवारवनें वाकी दिन न वोडें पव भग
३ वांनकें रूपकें मायक दिन तोडें। कोंस न्हे लोधाई वा संमत
वा मोकजो दाकपिवो वा मदापेव वा. तिंवारकरवो वा मोई
सायव देवतानें पूजवां ज्यां दिवांमें कवो मवो म्हांको
उमरको वा पांती पूजा देमवाळ्यांवें रावोपवके कांम परवा
४ रवनें बसछें। वीठो बेर इंमें वें घछेरा हेवेंछें कें चेवांवें
५ हवा भटकबवा कादामें न देवो। ज्यां कांमांकी चासवेवीमें
वें जीवता वा मुडदांवो विपार करवनें बार भगवांनवनें
६ ज्यांनें आपवें कांमवो कारव वेंवो पडसी। कोंस इंवेई
मुडदावनें मंगवोव वयां छंठेरा कवो मवो कें वें डीवमें
रेंवताळा आदम्यांकें इसा ज्योत कवोवा कें वेर आत्मामें
७ वोगांवें इवा भगवांनकें मायक रोव वरें। वेर समवां
वो ठेवडो वेंडोछें इंवेई चोसवाळो वो वा मायवा करवसूं
८ घोरो देवो। समजासूं मोटो आपवें वीचमें मोटी मोवकें
९ भेवा वो कोंस पारसूं मोवबा पाप छवा मायछें। मद
गद्दाविगर एक वोम दूजा एक वोगवनें संयभाग रोत वरो।
१० थांकें वीचमें चावेंजीं वोम जिवो मुडो कावेछें उंवीतरें भग
वांनकें मोवकोतरें मनुयहकें उत्तम दिवांवांहया घे आपवमें

Digitized by Google

११ दीज्यो । अर कोई कथा कहें तो वें भगवांनका प्रत्यादेशी
कथाकें इस्या कहो कोई अर दांन करें तो भगवांन अंको मुंडो
उंनें दीनोछै जंचि मुंडामाफक उ देवें के यिजुखोष्टका उक
रासमूं घणका कांमसूं भगवांन महात्मा वांधें वें जीनें खुलो
वा राज रोमीन चावें भीबेला दीना जाय । आमिन् ।
१२ हे बाबा श्री बासदेकी परपसूं थांकी परपकरबो करो
थांको कोई अठेरो ख्याल जिस्यो जतो तिसी वा अठेरी
१३ ध्यांन मती करो । केर खीष्टकें गोबावेंसरीचे दोखसूं पख
राजी बरो वें उंकी बडाई चोडें बोखकी वेला चे मोकला
१४ आंनंदसूं राजीपणें को । अर खीष्ट का नांवबेई थे नंघा
करमा आवो तो थे धन्य कीस बडाई का वा भगवांनकी
आत्मा थांवें भेको रेंछै वांकें फावदामें उ बोठीतरेंसूं कयो
१५ जायछै बेर थांकें फायदामें उ मोठोतरें मान्यो गयोछै । पण
थांको कोईपिण मारखवाला अथवा चोर अथवा कुमारगी
१६ अथवा पारकी पचंखवाला इस्या तो सिम मनाधें । केर अर
कोई खीष्टियान्को तरें तोसिम खावे तो उ लोग लजवी
बो नवें पण इंसूं भगवांनकी स्तुती करें क्योंस भगवांनकें
१७ देवरामें डंड देंणकी सरूकोवेला आईछै ओर म्हांकनें अर
उ पेंलाडा वें तो अंको भगवांनकी मंगलोक कथा मांनें नहीं
१८ वांको छेवडें कांई जसी । ओरपिण यथार्थियांको उद्धार
अर कठाईसूं व्हें तो अलेवक वा पापी लोग कठें देख्या
१९ जासी । इंवेंई अंको भगवांनकी रूचमाफक तोसिम खावेंछै वें
उंनें विश्वस्य सिरजणवालो जांणर भलाकांम करणसूं आप
को आत्मावो रुखालो उंकेंकनें भलावो ।

५ पांचमो पांनो ।—जके बोदोडा लोग थांकें बीचमें
छै वांनें जांपिण बोदोडा लोग वा खीष्टकें तोसीसको एक

सायदी वा आवा जुती चोडें करवाको उंको यम सरीखो
२ ऊपर आ सीघावय वानें कहूं कें भगवानकी अवां टोळी
थांकें वीचमेंछें उनें रुखाळो बदलकी सेवा बलसूं नही वेर
आपका सुभावसूं मेंलाबोभसूं नही लेर राजीमनसूं लेर।
३ ओर कोठारके प्रभुवांकें उखिद्यारें नही वेर टोळाकें
४ वांनमी इसो ऊपर उंटाळानें बरावो। ओर खिवेंदार
रुखाळो जद आसी तद थे अविनासी बडाईको मुगट पासो।
५ हे मोट्यारां थे बोदोडांकें आग्याकारी वो ओर आपवमें
सगळाकोईपिण आग्याकारी वो ओर दीनाईसूं पेंखोडा
वो क्योंस भगवान गुमानांको वेरवा करेछे वेर सैनवाळा
६ लोगानें अनुग्रह करेंछे। इंवेई भगवानके मोभवाळके हाथ
कें नीचें आपनें भुकावो ओर उ ठीक वेळामें थानें उधाड
७ सो। इंवेइ थांको सगळो फिकर भगवानकें उपर नांखो
८ क्योंस उ थांकेवेई चिंता करेंछें। चोसवाळा वो चोरीदेख
वो सुभाव कपडो क्योंस थांनें मावमायव सकसो आ सोभ
ना करता करता थांको वेरी मोडो गाजबवाळो नाहरसरी
९ वो फिरेछें। थांके अके भाई संसारमेंछें वांकें वीचमें बेंउई
तोसिम परवारेछें या जांवर प्रतीतमें निस्चल ऊपर उंको
१० वेरता करो। ओर सगळा अनुग्रह देवसाळो भगवान वें
अवां ठीक यिसुकी वाहसूं म्हांनें आपकें अनंती बडाईमें
बुलायाछें उ थांकें थोडादिन तासिम पावखपछे थांनें भला
११ पूरा वा कायम वा बळिया वा करडा करें। उंकें उपर
महात्मा वा धखियाय वा जुती राजीना वो। आमिन्।
१२ म्हारो ध्येतमें विस्वस भाई सलुवानस्की वाहसूं मं
सीघावय करता वा जीं अनुग्रहमें थे उभा छवोछो उ वे
भगवानके साच अनुग्रहछें वो, साबतो देवो। संषेपमें थांनें
१३ लिख्योछें। थारें भेळा सरावण्या बाबेलकी टोळी थनें
१४ वंदना करेंछें लिखे इ म्हारो डावडा मार्क करेंछें। प्यारका

बाप्बासूं एक लोग दूजा एक लोगसूं बांटगोरी को थांके जिंता लोग प्रभुयिसुख्रीष्टमें छै उं वां लोगांकी शांतवा छै।
आमिन्।

भगतांकेवेई पितर अपो दूजोकागद लिख्यो सो यो ।

१ पैंल्डो पांनो ।

ज्यां भगवानको वा म्हांकें तारणवाला यिसुखीष्टका धर्म
थंसूं म्हांकें इस्यो पोषीकोमत प्रतीत लाधीछै वांकेंकनें यिसु
खीष्टको सेवक वा हलकारो सीमोन् पितर कागद लिखें
२ छै। भगवान वा म्हांकें प्रभु यिसुकें ग्यांनसूं थांकें उपर
३ अनुग्रह वा सांत घणर वधे कें जों बडाई पावणनें वा
प्रभावभेला होयवेई म्हांनें बुलायाछै कें उंको पावसेकोका
ग्यांनसूं जिस्यो उंको भगवानको पराक्रम आउघे वा भग
वान सेवावेई सगली वस्त म्हांनें दीनीछै कें जींसूं म्हांकें
४ मोकली होवेतरें वा पोषीकोमत करार दीना आयछै कें थे
खोटासुभावसूं उपज्या संसारका खोटा चलणसूं छुडायर
५ भगवानकें सुभावकें सरीका हो। इंवेई इंकेंसिवायपिण थे
उधम करर आपकें प्रतीतकें भेला प्रभाव वा प्रभावभेला
६ ग्यांन वा ग्यांनकेंभेला जितेन्द्रियपणो वा जितेन्द्रियपणाकेंभे
७ ला संतोष वा संतोषकेंभेलो भगवानसेवा वा भगवानसेवाकेंभेला
८ भाईचारो वा भाईचारोभेला प्यारनें भेलोकरो। कोंक
पर कें सगला थांमें हे ओर वत्ता हे तो वें थांनें करसी
कें म्हांकें प्रभु यिसुखीष्टका पासवेळोकें ग्यांनसूं थे आलस्यो
९ वा निकमा न हो। लेर जींनें यें न हेछें उई आंम
आंधो वा आपकी आगली मोषोडाछें वा उंसूं भूल्याछे थे

Digitized by Google

आप आपका बोदोडायापसूं निर्मल ड्वो इंवेई हे भायो
थ आपकें बुलावणो वा सरावणो उंकें उपर देवलो
१० थांनें चोखो । क्योंस पेलडा होवनें कायम करवेई
प्रच बत्ती यतन करो क्येंस आर थे ओ कांम करो तो
११ कदेई पड़ओ नही । और इलिवरें म्हांकें प्रभु वा तारक
यिसुखोष्टके अविनाशी राजमें मोकलो पसारोतरें थांनें
१२ बड़ण देंणो पड़सो। इंवेई थे आकथा जानकाए ड्वा
छो और इं हालकी सांचतामें कायमपिण ड्वा छो तोही
तोपिण थांनें आ कथा रोजीना चितारावणनें ऊं गाफली
१३ ड्सुं नहो । म्हांकें प्रभुयिसुखोष्ट जिसो मनें देखाल्योछे
केमनें थोड़ा दिनांपछें आ म्हारो डेरो चोलणो इसो ऊं
१४ आपिण जांणकार ड्वरू जठातोडी हं डेरामें रवंलु
तदतोडी थांनें चितरावणसूं थांनें सोभणो ठीक ऊं
१५ विचारंछु । औरपिण ऊं उद्यम करसुं के म्हारें मरण
१६ कें पछें आ कथा थांकें मनमें रोजीना रहें। क्योंस म्हांकें
प्रभुयिसुखोष्टको पराक्रम वा आवणो जद म्हे थांकेकनें चोडें
कयो तद म्हे कपटसूं रच्योडी कथाओकें पिछाडीजानवाला
१७ न छा बेर उंकें महिमाकें चोडेंसायदी छा । क्योंस जद
आ कथा समभाखवाली शब्द उंकेकनें उ उत्तम तेजसूं
नीकल्यो कें तूं म्हारो वालो डावडो जीकेंउपर म्हारी मोटी
राजीछे तद भगवान बाभेंसूं उं मर्यादा वा बडाई लाधी ।
१८ म्हे जींवेला निर्मल परवतउपर उंकें भेला छा उंवेला म्हे
१९ सर्गेसुं आयोडो ओ साद सुण्यो। म्हाकें इंसुंपिण
कायम आचार्य्यकी कथाछें और धर्मग्रंथकी काई आचार
य्यकी कथा वें आदमीकें आपका मनकी उपज्योडी न छे
आ पेंलडा जांणर जठातोडी थांकें मनमें रात प्रभात न
२० हें। वा प्रभातको तारो जठातोडी उगें नही तदतोडी
जिसी अंधाराकी जागा चानणो करणवाला मांनणो

सहकौक करर देख्यो आव तिसीनेंका आदमीवी ढंगसूं
आचारच्यकी कथा चोड्ने नई ग्यो खेर धर्ममामें चाल्योडा
ऊपर भगवांनकें पुन्यवंत लोगां कयो।

२ दूजोपांनो।—खेर लोगांकें बीचावें कूडानिमि
विश्वपिण ग्या वें जिस्या जको प्रभु वांनें मोल लोना उंकी
मालकेलीमें फिटकार करणवाळा ओर आपकें ऊपर
वेगो मोतगमावणवाळा बिगाडकरणवाळा ऐसो लुचोडा
मतावणवाळा कूडासिखावणपिण यांकें बीचमें असी।
२ ओर वांकें बीठाकांमका पिछाडीआवणवाळा मोकळा असी
ओ कारण साचीकथाकी मारगकी बदनांवी असी।
३ ओर वें लोभसूं तोतकी कथा केर यांमें मोल लेणकी बात
करसी वें ज्यांकै प्रायचित अबें मोकळादिनांसूं ढील
४ करैं नहीं वा वांको मोत उंघावें नहीं। क्योंक जद
भगवांन पापकरणवाळा दूतकारानें दया न करी खेर
विचारवेई राखा जांवणवेई वांनें नारकीमें नगाय देर
५ अंधारासरिखी सांकळमें भजाया। ओर बेटोडाजगत
नेंपिण दया नकरी खेर भगवानको सेवा न करणवाळा
६ संसारऊपर पांणी उमटणो ल्यायर यथार्थको ढंढेरो
करणवाळो आठमें आदमी नूहनें उबार दीनो ओर
सदोम् वा अमराह् नगर धूळधांणी करर उंपछें भगवांन
७ सेवा न करणवाळा ववहारी जिस्या लोग वांको वांकगी
८ करर विनाससूं वांको दंड कयो। ओर डरानवाळो लोगां
९ वें भिसटआचारसूं लेंलीन यथार्थलोटनें बिरायो। क्योंक
उ यथार्थ मोट्यार वांको भेळो रेंर वांकें अन्यायका कांम
सूं वा उंकें देखणसुणणसूं आपका यथार्थमननें रोजोनार
१० तोसोस दीनी। भगवांनसेवकांनें कीमतसूं उबार कर
बनें ओर अयथार्थांनें दंड लावणवेई बिचारवें छिनवांदी

कथाळी करबनें भगवान आवेंगे लेर अबे डीलका सुभाव
माफक बीठोसंगत रीत करेंगे वा राजाको सासन निकमो
करर जांणेंगे सगळांसूं बत्तो वांनें वें निडर वा सागीसरी
बण्या वा भारीओधाकी बदनामी करबनें बीहंता नयी।
११ लेर वांसूं पोसवान वा बळवान हलकारा प्रभुकें सांमा गोई
१२ करबवाळा टंटो वांवें बेंरतामें करेंगें नयी। लेर यें
कपड्या आंखा वा हलाक कण्या जांबवेई प्रकतसूं हिंडोळो
१३ ढांडा इसा कयर अकेन समझेंगें उंवेंा टंटो देवेंगें। वा
अधार्थका फळ लावर आपकी भिसटतासूं सोवेंआनी
बोज जसी आ दिनका बीठांथबहारीनें सुव केंगे वें दागा
वा खोंबदार केंगे वें यांवेंमेंळा ओंकाल बायगें उंवेंका आप
१४ का बोलपवांसूं मलरवा करेंगें। वांको आंख्यां रंडि
बाजीमें पूरीगें वा पाप गेडस सकें नयी वें चंचळमनवाळां
का भुलावबवाळा केंगें वें लोभी अंतरंगवाळा केंगें वें दाव
१५ पायोडा डावडापिया केंगें। ठीकमारग गेडर वां बोसर
का डावडा बळ्आमकें मारग पावर भरमं कयोंगें कें जी
१६ अधार्थकी मजराईमें प्यार कयोगें। लेर आपकें अधाइ
वेंई भांडकयोडो गूंगागधा आदमीकी कयांकेंर उं निमित
१७ या दीवानगी बरजी। यें पांणीबिगर कूवा वा भक्कडमें
डाक्योडामेगें कें ज्यांकेंवेंई रोजीना पावें जीं बेंळा अंधारा
१८ को अंधारो राख्योडोगें। ज्यां भरमो लोगांनें गेडर बचा
गा वांवेंडीलको संगत वा मोटीलुचाईसूं मोटीउपसती
१९ जुई बोठीकथा केंर भुलावेंगें। जद वें वांकेंवनें मुगतको
करार करेंगें उंवेंलापिया वें आपकी भिसटताकें सेवगें
क्योंक जींसूं कोई गमे उंसूं उ सेवाकें तायें कयो आयगें।
२० ज्यांकें प्रभु वा तारबवाळा यिसुखीस्टको यासपेजांमें ग्यांनसूं
संसारकी भिसटता गेडर बचांपछे बार ये फटक रहें वा
२१ गमे हो वांको गेडो पेंलडासूं पिछ होटा। क्योंक बघार्थे

सरीषो मारग जोण्यां पछे अणां निर्मल आग्या बांने दीवी
गई वा आग्या छोडणसूं पण यथार्थतरें मारग न जांणवो
२२ वोषेछें। और वांके उपर वा साची कांहाणोंइसो पडोछे
वें अपणा आपकी उलटी पांधनें वा षोयोसूवर कादाईं
लोटपोट करबनें मुडोछे ।

३ तीजो पानो।—हे वाला जो दूजोकागद हूं अबें थांवें
कनें लिखुं ज्यांमें हूं चितरावणवेई थांको सुद्धमन चोकस
२ करूं वें थे पेंलडा जणां कथा पुन्यवंत भिर्मितवांवें ओभ
सूं कथोंडीछें वा कथा और प्रभु वा तारणवाळाका हल
३ कारा म्हांकों आग्या चितार राषो। थे पेंलडा जांणर वें
छेडलीवेलामें आपकें रागीका मतका चालणवाळा गोईकरण
वाळा और उंकें आवणको करार कठें जोंस बडेराकी सोंह
४ गयांपछे सबकी वेलावें पेंलडासूं जिसो छे तिसो समवें
५ बणा रेंगी वा कथा पिण केंणवाळा हुसी। जीस वें आप
की राजीसूं ई वासवेलोमें डीपाछे वें सर्ग वा पांणीसूं
निकली वा पांणीमें रोणहारी धरती पेंलडा भगवांनको
कथासुं छी जींसूं पिण उं काळको संसार पांणीसूं डुबर
६ बिगाडछो। पण विचारकें दिन वा भगवांनके सेवा न करणी
७ लोगांकें बिगाड कें दिनतांडी वासदेवेई राष्योडो वा व्यार
८ सर्ग वा धरती उंही कथासूं रुघालीछें। और हे वाला
थे ई एक वासवेळोमें डोका मती भूलो कें एक दिन प्रभुवें
मेळा हजारवरसां इसो वा हजार बरस एक दिनइसोछे।
९ जीसा आदमी ढीलो समभेछें तिसो आपकें करारको
वासवेळोमे भगवान ढीलो नछे लेर कीसी लोगको बिनास
न चांवणवाळोछे लेर सगला लोग के पांमणा करे उंको
चांवणवाळो पिण ऊपर म्हांके उपर मोकला दिन सेवणवाळो
छे। पण जिसो रातनें चोर आवेंछे तिसो भगवांनका

१० दिन आसी जींमें मोटा सादसूं आकास भिसब जासी
ओर मोटीगरमीसूं बळोडी बसत गळ जासी ओर धरती
११ उंको सगळां कांमां सुधो बळ जासी। इंवेई ये सगळा
चर गळ जासी तो भगवानकें जीं दिनमें स्वर्ग बळ जासी
१२ वा बळायोडी बसत मोटीगरमीसूं गळ जासी उं दिनके
बाटजोवणी वा वेगोचालणवाळा ऊपर सगळी तरें पुन्य चाल
चार वा भगवानकी सेवा करणसूं थांको कीसरेंको आदमी
१३ होणो ठीक। पण म्हें उंकें करारमाफक बाटजोवांगां कें
जींकें विचमें यथार्थपणो रेंगो इसो नवोस्वर्ग वा नवी
१४ धरती जासी। इंवेई हे वाला थे इंतरेंकी बसतकी बाट
जोवो उंवेई उद्यम करो कें थे वेंनसूं बिगरदागें वा बिमर
१५ सेंव उंसूं लाधा जाओ। ओर गिणो कें प्रभुको सांबो
धारे उबारवेई छें जिसे म्हांको वालो भाई पाउल् जको
ग्यांन उंनें दीनो गयोछें उंमाफक थांकेकनें लिखोछें।
१६ ओर उंकें सगळा कागदमें ई बातचेतोकी कथा लिखोछें कें
ज्यांमें करडीसूं-समझणकी कथांछें कें ज्यांकें अग्यांन वा चं
चल लोग जिसो धर्म्मशास्त्रको ओरर कथांका दूजो अरथ
करेंछे तिसो आपकें विनासवेई ओरसूं दूजो अरथ करेंछे।
१७ इंवेई हे वाला थे आ पेंलडा जांणर निर्धर्म्मीं रहो आंगां
थां बीठाकें भरमसूं भरमोजा ऊपर थे आपको निसचता
१८ सूं मुकोडा हो। लेर मनुष्यमें वा म्हांकें प्रभु वा तारण
वाळा यिसु ख्रीष्टको दासवेलोमें ग्यांनमें बधो उंको महामा
अबें वा रोजीना सदें जों वेवा छे। आमिन्।

सगलांवई योहनरो पैलड़ो कागद।

१ पैलड़ो पानो।

१ जकोर पैलडासूं हो जीवतर्थदेंणवाला कथायांको
जकोर म्हे सुण्योहे वा आपणी आंख्यांसूं जकोर देख्योहे
वा जीकें उपर म्हे दृष्ट नांखीहे वा आपणा हाथसूंपिण
२ जकोर चोडें करीहें उ म्हे चोडें करांगा। क्योंस जीवतव्य
चोडें करीगयो और म्हे उ देख्योहे वा उंसूं साखती देवांगा
और अबो अनंत आउखो बभाकेंकने हो और म्हांकेंकने
३ चोड़ें हो उ थांकेंकनें म्हे देखावांगा। म्हे जकोर देख्योहे वा
सुण्योहे उ थांकेंकनें म्हे चोडें करांगा कें म्हांकें भेलो थांको
एक सुभाव हैं और आ ठावोहे कें म्हांको एक सुभाव बाभा
४ वा उंको डावडो यिशुखीष्टकें भेलोहे। म्हे थांकेंकनें आ
५ कथा लिखांगा कें थांको आनंद भर्योपूर्यो हैं। अबो संदे
सो म्हे उंकेंकनें सुणर थांकेंकनें चोडें करांगा उ संदेसो यो
६ कें भगवान चानणो वा उंमें क्युंहि अंधारो नहीं। जरे म्हे
केवां कें उंकें भेला म्हांको एक सुभावहें और अंधारामें मुहें
७ तो म्हे कूडोकथा कांगां वा साचकाम करता नहीं। हार
जिसो उ चानणामें हें उंहीतरें जर म्हे चानणामें बवहार
करां तो म्हांकें आपसमें एक सुभाव हेंहें और उंको डावडो
८ यिशुखीष्टको लोई म्हांनें सगला पापसूं निर्मल करेंहें।
जर म्हे केवां कें म्हांको पाप नहीं तो म्हे आप आपको भरम
९ उपजावांगा वा साचता म्हांमें नहें। जर म्हे आपको

Digitized by Google

पाप आरे करां तो म्हांको पाप माफ करबनें वा म्हांनें सगळा अयथार्थसूं पाक करबनें उ विश्वस्य वा सिद्ध छै।
१० अर म्हे कैवां कें म्हे पाप कयो नहीं तो उंनूं कूड बोलब वालो करावें वा उंको कथा म्हांमें नहीं ।

२ दूजो पांनो ।—हे म्हारा नांना टाबरा थांनैंबनें अं वातां कथन लिखुं छूं कें थे पाप मती करो अर कोई पाप करयो तो बापकनें म्हांको एक उंकील छै उही यिशु ख्रिष्ट धर्मी
२ छै और उ म्हांका पाप छुडाबबनेई प्रायश्चित्त छै वा म्हांको
३ वांकि तो नहीं पर सगळा जगतको भि । अर म्हे उंकी आग्या पाळां तो म्हे उंनूं जांणां छां ऐसे म्हे उंनें जांणछे ।
४ अर कोई कहें कें मैं उंनें जांणूं छूं वा उंकी आग्या पाळन न करें उही कूड बोलछै वा सांचता उंमें नहीं ।
५ तोर अर कोई उंकी कथा पाळैछै भगवानको प्यार उंमें सच सत पूरो छै म्हे इंसूं जांणांछां कें म्हे उंमें विचमें छां जको
६ कोइ कहछै के मैं उंकै विचमें रैंबवालो हूं उ सागे जिसो
७ रीत चली उ लोगको तिको रीत करबो चिछै । हे भायां थांनैंकनें अं कोई नवी आग्या लिखुं नहीं तोर अका बोल्दी आग्या पैंहलासूं थांनैंकनें गी वाई लिखुंछूं अका कथा थे
८ पैंहलासूं सुणीछै वा बोल्दी कथा वाईछै । फेरभि अं नवो एक आग्या थांनैंकनें लिखुंछूं वा कथा उंकै विचमें वा थांकै विचमेंभि साचिछै क्योंके अंधारो गयोछै वा सांचोचांनणो
९ प्रकास करे देवैछै । अको लोग आपका भाईनें गोई करछै वें अं चांनणमें रहछुं उ लोग अवार तोडी अंधारामें छै ।
१० अको लोग आपका भाईनें प्यार करैछै उही चांनणामें रैंछै
११ वा उंकै विचमें ठोकरखावणको कुंछि नहींछै । तोर अको लोग आपका भाईको गोई करैछै उही अंधारमें रैंछै वा अंधारा में चालैंछालैछै वा कठैर जायछै उई जांणें नहीं क्योंके अं

१२ थारें उंकी आंख्यां पांधी करीछें। हे बांना डावडा ऊं थांकें
कनें लिखुंछु क्योंस उंका नांवबेई थांको पाप माफ हवोछें।
१३ हे बाभा ऊं थांकेकनें लिखुंछु क्योंस जको पेंबडासूं छै उंनें
थे ओल्योछें हे मोट्यारां थांकेंकनें ऊं लिखुंछु क्योंस थे दुष्ट
नें हरायोछें हे नांनाडावडा थांकेंकनें ऊं लिखुंछु क्योंस थे
१४ बाभानें जाण्योछें। हे बाभा थांकेंकनें में लिख्योछें क्योंस जको
पेंबडासूं छै उंनें थे ओल्योछें हे मोट्यारां में थांकेंकनें लि
ख्योछें क्योंस थे बलियाछो वा भगवांनको कथा थांकें विचमें
१५ रेंछें वा थे दुष्टनें हरायोछें। संसारनें वा संसारकी वस्तुनें
प्यार मती करज्यो अर कोई संसारनें प्यार करेंछें तो बाभा
१६ को प्यार उंमें नहीं। क्योंस संसारकें विचमें जितोछें अथवा
डीलकी चांछा ॰ आंखकी चांछा वा विषयबेई गुमान उ
१७ बाभासूं नहीं लेर संसारसूं छें। और संसार वा उंकी
चांछा जायछें पण जको लोग भगवांनकें राजीपणको कांम
१८ करेंछें उ रेंजीना रेंसी हे नांना डावडा आ छेहली वेळाछें
और जिसो थे सुण्योछें के उंधो खीष्ट आसी तिसो आवई
पिण मोकला उंधा खीष्टछें इंसूं म्हे जांणांछां के आ छेहली
१९ वेळाछें। वें म्हांकें कनासूं गयाछें सही लेर वें म्हांकेंकानो
ना नछा क्योंस जो निसरेंछें के वें अर म्हांकें कांनीका हता
तो म्हांकें भेला रेंता और वें समझावें म्हांका लोग नहीं आ
२० खोडें होणबेई वें गया। लेर धर्मात्मांकनासूं थांको एक
२१ अभिषेकछें और थे समळां जांणोछो। थांकी साचता न
जांणवसूं ऊं थांकेंकनें जको लोखुंछु सो नहीं लेर थांकें
उंनें जांणवसूं और साचतासूं कोई कूडाकथापीय नहीं
२२ आपीय जांणवसूं लिख्योछें। फिर जको उ खीष्ट नंको
लोग इं यासपेकीमें फिटकार करेंछें उही लोगविगर
कूड केंणवालो कुणछें उही लोग उंधो खीष्टछें के जको
२३ बाभाकें वा डावडाकें मानबेकीमें फिटकार करेंछें। जको

Digitized by Google

कोई डावडावें फायदामें धिटकार करेंछे बाभोपिता उंको
नही पण जको डावडानें स्वारे करेंछे दाभोपिता उंकोछे ।
२४ इंवेइ थे जको पैलडासूं सुणोछे उ थांके विचमें रें पेलडाता
२५ जको थे सुणोछे उ अर थांके विचमें रे तो थे बाभो वा
२६ डावडाके विचामें रैसो । जको साचोपटवो उ म्हांकेवनें
कयोछें सो छो अनंत आउयो । जको थानें भुलावेंछे थांके
फायदामें में थांकैकनें आ कथा लियोछें । फेर जको अभि
२७ षेख थे उंकेकनें लायोछें उ थांके विचमें रेंछे वा थांके लिखे
नही कें कोई लोग थानें सिखावें फेर जिसा उ अभिषेख
थानें समझाकोई भणावेंछे वा साचछे वा कूड नही फेर
जिसो उ थांने सोषायोछे तिसाई थे उंके विच रेंसो ।
२८ हे नानाडावडा अबे उंके विचमे रहो कें जद उ योडे ऊसी
उंवेला म्हांने हिम्मत व्हें वा उंके आवणकी वेला उंके सांमा
२९ लजपांखो न व्हें । थे जर घा जाणो छो के उ यथार्थ सो
थे जाणोछो के जको फावे सो लोग यथार्थ करेवें उही उंसूं
जवोछें ।

३ तीजो पनो ।—देखो बाभे कीतरेको प्यार म्हांने
दीनोछें के म्हें भगवानका डावडा विख्यात व्हां इंसूं संसार
२ म्हांनें जांणेंछें नही क्योंस उंनें जांण्यो नही । हे वाला अबे
म्हे भगवानका डावडा छां फेर कोई जसा सो अबे जांणा
जायछें नही पण म्हे जांणां छां कें जद उ योडे ऊसी तद
उंके इस्या ऊसी क्योंस उ जिसोछें तिसाई म्हे उंनें देषस्यां ।
३ फेर जो यावें जो लोगके विचालें यो भरोसोछें उही यावें
४ जो लोगहसो उ पाकछे तिसो आपने पाक करेंछें । जको
लोग पाप करेंछें उही तौरेतपिय सांयेछें क्योंस तैरेत
५ सांयवो जको उही पापछें । फेर थे जांणो छो कें उ
म्हांके पाप दुवावणनेंई योइंछे वा उंके विचामें पाप नही ।

Digitized by Google

६ जको लोग उंमें रेंहेंगे उको लोग पाप करेंहे नही जको
लोग पाप करेंहें उं लोग उंनें देख्यो नही वा जाण्यो नही।
७ हे नानाडावडा कोई थांनें न भुलावें जको लोग यथार्थ
काम करेंहें उ जिसो यथार्थी उजिस इसोई यथार्थीहें।
८ जको लोग पाप करेंहें उही मोडासूं जवोहें क्योंस मोडो
पेलडसूं पाप करेंहें इंवास्ते मोडाको कांम नास करब
९ वेई भगवांनको डावडो पेडें हो। भगवांनसूं उपज्यो
जको लोग उ पाप करेंहें नही क्योंस उंके विचार्वें उंको
बीज रेंहें ओर उंकें भगवांनसूं उपजबनें उ पाप करेंहें
१० नही। इंसूं भगवांनका डावडा वा मोडाका डावडा पेडें
हें जको लोग यथार्थकांम करेंहें नही वा जको लोग आप
का भाईनें प्यार करेंहें नही उंई लोग भगवांनको नही।
११ क्योंस जको संदेसो थे पेलडाता सुण्योहें उ यो हें के म्हे आपस
१२ में प्यार करां। कीनइसो नही हें जको उ दुष्टसूं
जवो ओर आपके भाईनें मारनांख्यो उं उंनें कींवास्ते
मार्यो उंको कांम बोंडो हो वा उंका भाइको कांम सांतर
१३ हो इवेई। हे म्हारा भायां अर संसारका लोग थांनें
१४ बैर करें तो विसमें मतो हो। म्हे जाणांहां के म्हे मोत
छोडर जीवतबमें आयाहां क्योंस म्हांकें भाई लोगांनें प्यार
करेंहें जको लोग भाईनें प्यार नकरेंहें उ मोतमेंरेंहें।
१५ जको आपका भाईनें बैर करेंहें उई हत्या करबवालोहें
ओर थे जांणो हो के हत्या करबवालाकें विचमें अनंत
१६ आउखो रेंहें नही। म्हें भगवांनको प्यार इंसूं देखबों
पावांहां के उं आपको जीव म्हांकेंवेई दीनो ओर म्हांनें
१७ वेंवेई म्हांवेंथिस आपकोर जीव देंणो जिम्होंहें। पेर जो
लोगको ई संसारको धनहें ओर आपके भाईको म्हारापणो
देखर आपकी दया उंकें उपर रोकर उंको कोमके विच
१८ में भगवांनको प्यार कींतरें रेंहें। हे म्हारा नानाडावडा

Digitized by Google

म्हे बातां कथा अथवा जीभसूं प्यार न करां बेर कामसूं
१९ वा सांचतासुं किया । म्हे उंमें जांणांगां के म्हे सांचवाका
टकाया लोग छां वा उंके सांमे आपको मन निडर करख
२० सकांगा । क्यांस जर म्हांका मन म्हांको खेंबसाबती देवें
तोपिण भगवान म्हांकें मनसूं मोटोछें वा सगला जांणेछें ।
२१ हे बाला जदी म्हांको मन म्हांके दोषको सावनो देवें नही
२२ तो भगवांनकनें म्हांकी हिम्मतछें । ओर म्हें जकार याचना
करांगां वाई पावांगा क्यांस म्हे उंकी आग्या मानांगां
वा जको उंकें परवां राजी करखवालो उ कांम करांगा ।
२३ वा उंकी आग्याछें के म्हे उंका डावडा यिसुखीष्टका नांवमें
प्रतीत करां वा उं जिसी म्हांनें आग्या दीनी तिसीई आपस
२४ में प्यार करां । ओर जको लोग उंकी आग्या पालेछें उही
लोग उंकेंविचमें रेंछें वा उ उंमें रेंछें ओर उं आपकी जका
आत्मा म्हानें दीनीछें उंसूं म्हे जांणां छां के उ म्हांके बिचमें
रेंछें ।

४ चोथो पांनो ।—हे बाला सारेंई जीं आत्मामें प्रतीत
मतो करो पण आत्मांकों विचार करो के भगवांनसूं छें
अथवा नही क्यांस मेकला कुडानिमित्तिया संसारमें बारखें
२ गयाछें । इंसूं थे भगवांनकी आत्माने जांणो जके जावेंसो
आत्मा डीलमें उपज्या यिसुखीष्टनें आरे करेंछें उही भग
३ वांनसूं जवेंछें । ओर जके जावेंसो आत्मा देहीमें उप
ज्या यिसुखीष्टनें आरे करे नही उ भगवांनसूं नही यीं
उंधो खीष्टके वेरकी कथा थे सुणीछें उह उंकी आत्मा उ
४ अबारंपिण संसारमेंछें । हे नांनाडावडा थे भगवान्
सूं जवारो वा वांने हरायाछें क्यांस थांके बिचमे जको
५ लोगछें उ उं लोगसूं मोटो के जको संसारमेंछें । वे संसारीछें
इंवेंई संसारकी कथा केंछें वा संसारका लोग वांकी कथा

Digitized by Google

६ सुणेंछैं। म्हे भगवांनसूं ऊवांछां अको लोग भगवांननें जांणें
छैं उ लोग म्हांकी कथा सुणेंछैं अको लोग भगवांनको नही
उही लोग म्हांकी कथा सुणेंछैं नही इंसूं म्हे साचवाली
७ आत्मा वा भरमकी आत्मा एकेंन कर जांणां छां। हे
वाला म्हे आपसमें प्यार करां क्योंस प्रेम भगवांनसूं ऊवो
छैं अको लोग प्यार करेछैं उ भगवांनसूं ऊवोछैं वा
८ भगवांननें जांणेंछैं। अको लोग प्यार करेंछैं नही उ भग
९ वांनने जांणेंछैं नही क्योंस भगवांन प्रेमछैं। म्हांकें उपर
भगवांनको प्यार इंसूं चोडें ऊवोछै कें भगवांन आपकें
अदूजो जनम डावडानें संसारमें मेल्यो कें म्हे उंसूं ज्यां।
१० अंमें प्यारछैं कें म्हे भगवांननें प्यार कर्यो छो सो नही पण
कें उ म्हांसूं प्यार कर्योछैं ओर म्हांको पाप छुडावणबेई
११ प्रायश्चित होवणकें कारण आपकें डावडानें मेल्योछैं। हे
वाला जर म्हांकें उपर भगवांन इतरें प्यार कर्यो
१२ रवें तो म्हांकें आपसमें प्रेम करणको निखेंछैं। कोयी
कोयीआज भगवांननें देख्यो नही जर म्हे आपसमें प्यार
करां तो भगवांन म्हांमें रेंछैं वा उंको प्यार म्हामें पूरो वें
१३ छैं। इंसूं म्हे जांणांछां कें म्हे उंके विचमें रेवांछां वा उ
म्हांकें विचमें रेंछैं क्योंस उं आपकी आत्मा म्हानें दीनी
१४ छै। आ अवें म्हे देखीछैं वा साखभरियां देवांछां कें
बाभे संसारको तारणवालो होवणबेई डावडाने मेल्योछैं।
१५ अको स्वारे करेछैं कें यिशु भगवानको डावडोछैं भगवांन
१६ उंकें विचमें रेंछैं वा उ लोग भगवांनमें रेंछैं। भगवांनको
अको प्यार म्हांकें उपरछैं म्हे जांण्योछैं वा उंकें उपर प्रतीत
करीछैं भगवांन प्रेमछैं वा अको लोग प्रेममें रेंछैं उही लोग
१७ भगवांनमें रेंछैं ओर भगवांन उंके विचमें रेंछैं। इंसूं
म्हांकें विचमें प्रेम भर्योपूरो होंछैं कें म्हे मंडीकें दिन बिडर
रावां क्योंस उ जिस्यो छै म्हे इसंसारमें तिस्याई छांगां।

Digitized by Google

१८ प्यारमें कुंइ डर नहीं बेर पहवाळोडो प्यार डरनें काढ
नांखेहै क्योंके डरमें दंडको भय रहेहै अर जो डरेहै उ
१९ लोग प्यारसूं पोषो नहीं। उ पैलड़ा म्हांनें प्यार करयो
२० इणेई म्हे उंसूं प्यार करांगा। जर कोई आपका भाईनें
खोई बरर कहे कें मैं भगवांनसूं प्यार करूं तो उ लोग
कूडोहै क्योंके जर कोई आपका भाईनें प्यार न करेहै
के जोनें देख्योहै तो भगवांननें किसतरें प्यार करसी कें जोनें
२१ देख्यो नहीं। आ आग्या म्हे उंसूं पावांहै के जको लोग
भगवांननें प्यार करेहै उ लोग आपकें भाईनेंपिण प्यार
करें।

५ पांचमो पांनो।—जको कोई प्रतीत करेहै के जको
यिशु वह मसीहहै उ भगवांनसूं जल्योहै अर जणमदेण
वाळानें जको लोग प्यार करेहै उ लोग उंसूं उपज्योडानें
२ पिण प्यार करेहै। म्हे उंसूं जाणांगा के भगवांनका डावडां
नें प्रेम करांगा जद म्हे भगवांनसूं प्यार करांगा वा उंकी
३ आग्या पालन करांगा। क्योंके भगवांनको प्रेम ये है के
उंकी आग्या पाळांगा अर उंकी आग्या मोसोत देणवाळी
४ नहीं। क्योंके भगवांनसूं जल्यो जको लोग उ संसारनें जीते
है अर संसारनें फते करणवाळोको फते आ म्हांको प्रतीत।
५ जको लोग प्रतीत करेहै के यिशु भगवांनको डावडोहै उ
६ लोगबिगर संसारको फतेपानवाळा कुण। यो उ है जको
लोई वा पांणीनें भेळो जबर आयो अथवा यिशुखीष्ट पांणी
पांणीनें भेळो नहीं पण पांणी वा लोईनें भेळो जबर और
७ आत्मा साबुत देवेहै क्योंके आत्मा साचवाहै। क्योंके
सरगमें साचो देणवाळा तीनहै बाप वा कथा वा धर्मात्मा
८ अर ये तीन एक। अर धरतीमें साचो देणवाळा तीन

[illegible] [illegible] या [illegible] या कोई कोर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।
९ [illegible] [illegible] [illegible] सायवी [illegible] [illegible] भगवांनको सायवी
उंसूं मेठेठें [illegible] [illegible] सायवो भगवांन [illegible] [illegible]
१० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सायवी [illegible]। [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] करेंठें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भगवांनमें [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] करेंठें [illegible] भगवांन [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] दीनोठें उंकी [illegible] उ [illegible] [illegible]
११ करेंठें [illegible]। कोर यो [illegible] उ ठें कें भगवांन [illegible]
[illegible] आउखो दीनोठें कोर उ आउखो उंका [illegible]।
१२ [illegible] [illegible] आउखो उंकोहीठें कोर भगवांनको [illegible]
१३ [illegible] नही आउखो उंको [illegible]। भगवांनकें [illegible]
[illegible] उपर [illegible] [illegible] [illegible] में यो [illegible]
कें थे [illegible] कें थे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कोर
१४ भगवांनकें [illegible] कें [illegible] [illegible] करो। [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कें गे [illegible] उंकें [illegible]
१५ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ [illegible] [illegible] सुणेंठें। [illegible]
ये [illegible] कें उ [illegible] [illegible] सुणेंठें [illegible] ये [illegible]
१६ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ [illegible]। [illegible] कोई [illegible]
भायानें [illegible] [illegible] [illegible] देखें कें [illegible] [illegible] [illegible]
नही [illegible] [illegible] [illegible] करें कोर [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] पाप करे नही [illegible] उ आउखो उंने देखी [illegible]
[illegible] पापठें [illegible] [illegible] [illegible] कें उंके [illegible] उ
१७ [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] पापठें कोर [illegible]
१८ पापठें कें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible]
कें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ [illegible] पाप करेंठें
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उ [illegible] [illegible]
१९ [illegible] करेंठें या उ दुख उंने भीठि नही। कें [illegible]

कं म्हे भगवांनसूं ठां वा सगळो संसार पापमें सूतो रेंठै।
२० ओर पिण म्हें जांणांठां कै भगवांनको डावडो आयोठै वा म्हांनें समझ दीनीठै कै सचो साच उंनें जांणें ओर पिण सचो सायोठै उंसूं मैंपिण ठां अथवा उंका डावडा यिशु
२१ खीष्टमें ओ साच भगवांन ओर अमर आउखोठै। हे बालाडावडा देवतासूं आपनें राखो। आमिन्।

पीतरसूँ समझावें दूजी कागद।

अं औं मनमाफक पीवी वा उंबा डावडांमें सावचार्चु प्यार
करंतु पोर मावी अं सो मग़ी खेर जिता आदमी साच्चा
२ आँखेंगे वे पिव मया सापता च्यांवें विपमेंगे वा न्हावें
भेवो रोगीना पावें औं वेखा रेंगे उं सापक्षासूं प्यार करां
२ गां वांमें वेदोड़ो जवी खोव उ कामद विचेंगे। भगवान
बाभासूं वा बाभावो डावडो वें अवो प्रभु विमुखोक उंबूं
सावचांमें वा प्यारसुआ अनुयार वा कृपा वा बांबि वांवें
४ उपर पे। में अद आंखो वें न्हे बाभासूं जिवी आग्या वाली
गो उंमाफक थारे डावडांवें विपमें कोईर सावरीव करें
५ गें वा आंखयायर मोकवो हाजो मन गे। पोर वे
वीवी अं वेंसूं वोनवी करंतु वें न्हे आपवमें प्यार करां वे
जिवो वोई नवी आग्या वांवेंकमें विचेंतु सो मग़ी वेर
६ न्हे जवा आग्या पेंवडासूं पाईगी वाई। पोर प्यार चोगे
वें न्हे उंवी आग्यामाफक चालां थे पेंवडावा जिवो सुवो
७ गें जिवी वा आग्यागें वें थे उंमाफक चालो। बोव
मोवका भुवावववाका संसारमें मड़ावि वें अके डीवमें उव
च्वा विमुखोकवें आरे करें मग़ी भुवावववाका वा उंवा
८ वोव उचोगें। जिचेवाग़ वो वें न्हे अवी अखेगें उ न मगां
९ वा वेर पुरोमाव वार्वें। अवो वोव आग्या वांविगें
वा वीवकी सीमावकसें रेंगे मग़ी उ भगवीतको वोठाएी

जसो फेर भयो लोग बीतको सीषावबमें रेंवे ऊ लोग
१० बाभेर वा डावडा यां दोवांको वोडिरोछे। पर कोई ई
सीषावबनें बार न लेर थांकनें आवें तो उंनें आपका
भूंयामें संविभाग मती करो और भगवांन थारो मंगलीक
११ करें का कथायिव उंनें मती कहो। क्योंक उंनें जको लोग
कहेछे वें भगवांन थारो मंगल करें ऊ लोग उंवें खोटा
१२ कामको सरीको छे। वनें म्हारें मोबका विषय लिखवा
जवानूं वेपिब में कागद वा स्याईसूं लिख्यां चायो नहीं
पण थारेकनें आवनें वा सांमी देखनें मनें भरोसोछे कें
१३ म्हांका आनंद परवारें। थारें मनमानूक वेंनका डावडा
थनें मंगल करेंछे। आमिन्

योहनकी [illegible]

१ मैं पीढ़ी सीवकीवाकी नायकमें वामद लियुंछु जैं नींवे
२ मैं सायतनाकी वासपेकीमें प्यार करुंछु। जै बाबा मैं
समकासूं वतो चाउंछुं कै मींवरे थारे मनकी वतो रैवो
नाय के उंवरें सगली पासपेकीमें थारी पवतोमें वा ठीव
३ आराम दें। क्योंक मनें मोवकी राखि वरई के जद भावो
आयर मींवरें तूं साचीरीत वरेंछै उंवूं थारें लियको साथ
४ तावो सापवो दियो। थारें ठावको वयो साचोरीत वरे
५ इंसूं थारें पोर मोटी राखी वयो। जे बाबा तूं भावविं
या सच्चिभागी लोगावें वयो करेंछै ज मयोवबेंवायक वरें
६ छै। वा टोवोवें मवववपिव थारा प्यारको सावतो दीवो
छै वांवें थर तूं भगवांव लेवावें ठीवमावक वांवें मांवयीमें
७ उपमार वरें तो चोखोकाम वरसी। क्योंक उंवा नांमसूं
८ वां दूजादेसवाल्यांसूं कुछि व लेता गया। इवेई इसा
आदम्यानें आदरसूं थारे वरवो म्हावें ठीवछै कै मे साय
९ वाभेवा उपमारी थां। मैं टोवोवें लियो पव दियत्रिफीस
कें जको व वें वियमें सिरेंदारी पायो चावेंछै ज म्हानें
१० थारें वरेंछै नहीं। इंसूं जं जद आउं तद म्हांकी दुसमवी
में दुसमनकी वयांसूं मोवको ववर ज जको कांम वरेंछै ज
वांम जं वितारसूं उं ज वररपिव आपोडो व जवर
आपी भावानें थारेंवरें नहीं वोर अवे आपरै थारेंछै

Digitized by Google

११ बांवेपिय बर्जेंठे वा टेवीसूं बारबें काठ देवेठे। वे बाबा
भबो बींठाठे उंवें पिठाठी मती वो बेर भबो बोबोठे उंवें
पिठाठी जमियो भबो बोम भबोबाम करेंठे उं भगवानवूं
ठें भबो बोम बींठोबाम करेंठे उं भगवानें देख्यो नही।
१२ सगबा बोगांवें जिभवूं वा साचवासूं देमेत्रियसको बुजमा
मठें न्हेपिय उंवो सावतो देवांठा और म्हांको सामवो साचो
१३ बो थे जांबो ठो। मनें मोबबो बिखबोठें बेर पबें म्याहे
१४ वा बेखबसूं थांमें उं बिखबुं नही। बेर बोडा दिवां पठें
मनें देखबवें वा मबबब कथा केमनें मनें भरोसोठें थारी
बीत बेर म्हांवें बंगाय्या थवें बंबबा करेंठे नाव बेर बंगाय्यां
वें बंबबा कर।

Digitized by Google

समाजोंकेवेई यिहूदाकी कागद ।

१ यिहूदाह् के जको यिसुखीस्टको सेवक वा याकुबको भाई
वांवेकनें कागद लिखेहें के जको भगवान बाबासूं निर्मल
कीयोडा थाँ वा यिसुखीस्टमें राख्योडा वा निमंत्र्या ।
२ थांपा वां शांति वा प्यार थांके उपर वत्ती हो । हे भावां
३ जदे सोधारण उद्धारकी कथा थाँनें लिखवनें में उद्यम करतो
तद सीवाचव करता थांनें लिखवनें में जिर्के समझो के जका
प्रतीतको रीत पैंवडा संतेरयांकनें भलायोडी जो उंड
४ प्रतीवकेवेई थे जीव वा मनसूं उद्यम करो । कोस कोईर
कीम लुकायोडासूं मायवडेहें वे जको प्रमाडीसूं ई वोसीव
वेई लिख्या गयाहैं अथवा भगवानको सेवा न करववाला
होवाइसूं म्हांके भगवानको अनुग्रहको वैर करववाला
केर जको भगवानबिगर कोई कोईपिव नही उही प्रभु
भगवान वा म्हांके प्रभु यिसुखीस्टको फिटकार करववाला
५ हैं । इंवेई थे पैंवडा को जाण्यो सही केर जं थांवें चित
रायां चांउं के यिजह लोगांनें मिसर देससूं छुडायर
पिव उके पछे ज्यां प्रतीव न करी वांको योस गमायोहें ।
६ कोर ज्यां स्वर्गदूतां आपको पैंवडी रुमायाखी नही पव
आपको घराख छोड्यो वांनें उ मोठा दिनका विचारतोडी
७ उ अनयसांकलसूं बांधर अंधारेके नीचे राख्योहें । कोर
सदोम् वा अमराह् वा थांके चोहंबांनीका नगर उंईतरे
होभाईमे वेवीव जवर वा बिमरठोवके भेडो जवर चलव

Digitized by Google

वासदैसरीषा प्रष नाषकसूं वांनमीसरीषा बोडै क्या
८ गयाछै। उसी वै सुपनौ देषणवाळा डीलनैं भिसटपण करै
छै सासन निकमो करै अनैछै अेर मोटोकांवाकी भांड
करैछै।
९ लेरे सिरदार हलकारो मिखाइलनें जद मोसासूं बदवै
बदवै करर सैतानकै डीलकी बाबतमें वादवाद कर्यो
उंडवेळा उवैं वैरमें गाळीको दोस देवनैं लागो नही अेर कयो
१० कै मिजाज तनैं डरावै। अेर अै वै बातनैं ही भांड
करैछै अेर वेसूरछाछा ईसी अवै सुभावसूं जाणैछै उंसूं
११ वै आपनैं भिसट करैछै। यांनै संताप ज्यों कांईक वै
काइनकी हमराही जवाछै अेर लोभमें बेलांम क्यरै वन्
छामका भरममें भटकैछै वा कोराहकी वैरवा करबसूं बोज
१२ गयाछै। अै जद थांकै भेळा ईसाई जीमें तद निडरसूं
थांकै प्यारसूं षोवको बोटोदागो छैछै वै बायरासूं चाल्यो
डा निजेलम्मै अेर सूकाफळांवाळा वा फळहीन वा दोय
१३ वार मर्यां वा जड़ांसूधा उपाड़्या रूषछै। आपकी लाज
ईरीषा भागकाढणवाळा गाजणवाळा दरियावका किलोल
फिरवावाळा तारासरीषा छैछै कै ज्यांकैवेई अंधारैकी
१४ अंधारो अनंतकैवासतै डौ राषोडोछै। अेरपिण आदमसूं
सातमी पीढी ज्वानोक् निमित्तियाकी कथा अेर वांकै
वासवे ।में आ कथा कही कै देषो सगळांनैं ठीक तोलोक
देवनें वा वांकै विचमें भगवांनकी सेवा न करणवाळा जिता
लोग भगवांनकी न सेवाको काम भगवांनकै न सेवाहस्यो
१५ करोछै। अेर भगवान सेवा न करणवाळा पापीलोगां
जिती करड़ीबात्यां उंकी वेरवामें कहीछै वांकि अेर दोष
देवणनैं भगवांन आपकै हजारर पुन्यवंत सारै आवैछै।
१६ आ सगळा बकर करणवाळा आपकै हालसूं बेजार आपकै

Digitized by Google

हाथोंके मांहे [illegible] वेरह वेसमूं [illegible]
मुखसे [illegible] [illegible] मुंडा [illegible] कोडे उपकारमाबो
१७ [illegible]। वेह थे कहता छा कि [illegible] वे मने
१८ मांयें अभुगीयनका [illegible] वेसोसूं चवोडो छें। वे
[illegible] भगवानकी सेवा व [illegible] वे थाप
की [illegible] कोई करयवाळा जासी।
१९ ये वे छे जो आपने [illegible] डीचवला वा [illegible]
२० [illegible]। पिण हे प्यारा थे आपने आपके मोटाविश्वास प्रतीत
२१ [illegible] मांडउपर [illegible] करता [illegible] प्रार्थना करता
[illegible] म्हांकें प्रभु यिसुखीष्टकें [illegible] बाटजोवतो
२२ थका आपने भगवानका प्यारमें निभाव करो। और
२३ [illegible] विचारसूं न्यारा करर कृपा करो। वा और
[illegible] दगासूं [illegible] मांहे करर
२४ [illegible] ऊपर [illegible] उबार करो। अबे
पड़बासूं थांने बचावी करब सकेछे और मोटीराजीसूं
थांने बिगर [illegible] आपकी महिमाकनें [illegible] कराय
सकेछे अथवा भगवानके ओळेबिगर [illegible] दूजो कोई
२५ नहीं। [illegible] अपना म्हांके [illegible] बड़ाई वा [illegible]
वा पराक्रम वा शासन हं [illegible] वा [illegible] हो। आमिन।

[illegible] पोथी।

१ पेंहलो पांनो।

१ श्रीईसु [illegible] चोखो दिखावणो [illegible] उ आपका सेव
गांने जतावणेनें [illegible] भगवांन उनें
२ दीनें कयो उ वेगें होवणी कथा था। और आपनें दूत
भेजनें [illegible] उ आपका सेवक [illegible] जतावो
३ दे भी भगवांनकी कथा वा [illegible] साखकी
वाजांम [illegible] सगळी साखदी दीनी। उ
बांचे [illegible] या [illegible] निश्चितमांकी कथा
सुणें वा उनें [illegible] लिख्योडो उ वातें [illegible]
[illegible]।
४ [illegible] सात [illegible] आसीयामेंहें [illegible]
[illegible] अतीत वा अनागत वा वर्तमान उनूं वा उनें
५ तख्तकें [illegible] सात आत्मा वांसूं वा [illegible]
साखदी वा [illegible] उपजो वा धरतीकें राजांका
६ राजवें [illegible] वा [illegible] उपर दे। जी म्हांसूं
प्यार [illegible] वा आपका [illegible] म्हांका पाप [illegible]
वा भगवांन वा आपकें बाभावेंकनें [illegible] राजा वा [illegible]
[illegible] उंकी बडाई वा [illegible] [illegible]
दे। आमिन्।
७ [illegible] वा [illegible] उनें देखसी
[illegible] उनें देखसी [illegible] धरतीका [illegible]

Digitized by Google

युब वें उंकी घासबेबोमें मूरया करसी वेई वें। कामिब।
८ प्रभु वेंठे वें ऊं वर्तमान बा पीवो बा वोवबार योर
९ सबबांको पोंपवान व बा द्य। ऊं योहन वें अको घां
वी भ्राई योर कष्ट बा क्रिस्तुकेटको राज बा वैंबमें बारें
भोगवबवाबो ुं ऊं भगवानकी कथा बा यिसुबीकवें साव
१० बासूं पातमस् दावेंबा साकमें ेगे। प्रभुके दिबमें ऊं
बाबामें ेगे बा म्हारें पिछाड़ीसूं बांबो बाबबहबो मोटो
११ साद में सुब्यो वें उं कयो वें तूं जबो देवेंठे उ एव पोयडी
में लिखो योर एफीसस बा स्मर्ना बा पर्गामस बा थिया
तिरा बा सार्दिस बा फिलादेल्फिया बा लाओदिकिया
इ सात टेसलोकवें भेव दीं। साद मबें कथा कही उ कांई
बो देयबवें में मुंडो मुंडायो बा मुडर सात सोनैकी दीवट
१२ देख्या। बा आदमीके डावड़ावें इस्या एक मोब्यसवें सं
सात दीवटांके बिचावें में देख्या उ पगांतीकी अभाडू
१३ पेहेरोडो बा छातीऊपर सोनाको पटुको बांध्योडो छो उंको
१४ माथो बा वेस मावरकी रूंवाली इस्या घोबो-पाबबसरीपो
१५ धोवो रंग बा पांख्यां बासदेबा भाड इसी। बा उंका पग
भिगडीवें वेबीडा प्रायःपीतब इसो बा उंकी कथा मोंकयो
१६ पांबीका साद इसी। बा उंडें जींवबा बाथमें सात तारा
बा मुंडासूं दुधारो तेजवांडो निकल्योडो बा उंको मुंडो सूरज
१७ सरीसो मोटो तेबबीं। उंनें देखर ऊं मुरदाकी तरें उंवें
पगां ऊपर पड्यो उं वेबा उं आपको जीवबो हाव म्हारें
ऊपर मेलर कयो वें मती बीई ऊं आदी बा अंत वें अबी
जीवबो ुं बा ऊं मर्यो ेगे बा देख रोबीबा बावें जींवबा
जीवबो रबंुं। आमिन्।
१८ योर मारबी बा मेतकी कुंचां म्हारें बवेठे। वें अबी
१९ देखीठे बा अबो पबारुं ठे बा इंपठे अबो बबी वें सबबा
लिख म्हारें डाथमें मबे सात तारा वें दिख्याठें उंको भारव

२० या उं सात सोनाका दीवट अंतेगियः रहस्य लेश छे।
के वे सात तारा सात टोळोंका हलकाराछे ओर अबे सात
दीवट वे देख्याछें वे सात टोळोछें।

२ दूसरो पानो।—इफिससूमें अबा टोळी उंका हलका
रावेंकनें या कथा लिख अबो जीवनदाताने उं सात तारा
रावेंने वेहां सोनाका सात दीवटामें मुवेंछे व येंछें वे धारे
२ काम घरा धारी देंनसो या धारे वा येंधू डीला काल्ह्यांवें
सें सर्वे नहीं ओर अं जाकुं हुं ओर अबे आपनें हलकारा
करर कैंछे ओर साचीवरें व नहीं तेंकें दाबो झीप करर
३ जांच्या वेंवें झूठाछें। ओर तें वे सहोछे ओर घेवली बोल
करेंछे वा धारे नांवकेई काम कयोछे ओर आपको कवे।
४ नहीं। वेर धारे वेरमें कहोंशो कुंधि छे अबोह धारेर पेंव
५ डेर प्यार तें छोडोछे। इवेरई अतासुं तूं पडोछे छ चितार,
ओर तूका कर ओर धारेंवैवडाकाम हुयो, होस कर छ म
अवासूं अं वेगो धारेंवनें आयर तें कनथा नुं धारासूं धारा
६ दीवट उं जागांसूं सरकांसु। वेर धारो एक वातोछें
वें उंरे निकलाइयांकी काम सूं गोर करेंछे कें अबो अं
७ पिय गोर करंछुं। जींकें कान छे व सुवे कें टळोनें आत्मा
अबो कथा केंछे अबो लोग फते करेंछें उंनें म्हारे भगवान
कें फारदोसमें वो वचो जीवतरु रुंखरज्जा रंगरा फल अं
वांमनें देसुं।
८ अबोनें अबा टोळी उंका हलकारावनें या कथा लिख
९ अबो केट वा छेहलो अबेर मुडदोछो ओर जीवताछें उ कहें
छे वें धारो काम वा कष्ट वहज्यारापणो अं जांकुं वा
पिय तूं धनवंतछे ओर पिय अबो आपनें पिजादी करर
वेंछें साच यिजादी न छें वेर सेतानकें सिनगगरा छे वाको
१० गोरधिस अं जांकुं। अबो कष्ट तूं कावलो उंसूं कुंधि

भीतरे मती देवो थांको परख करबोंते थांने बिताक बोम
दी भोडो केत घरमें बगसी ओर थांने दसदिन कष्ट अबी
पम तूं मरबतोडी प्रतीत में ओर जीवतयसरोयो मुगट
११ थांनें देसु । आत्मा टोळीनें जको कहेंछे जीको कान रहे
छ वोग छ सुबे जको जीत पावे वरेंछे दूजीमौतसूं उंको
कुंछि हिंसा कामी मवी ।
१२ पिरगमसमें जका टोळी उंका दूतपासोकने या कथा
१३ लिम मुवारो माछि । कपडवाको जको छ कहेछे ये बं
मारेत कोम जाणुंछुं क प्राहै हैठके आंगा थयका थी
प्राणा मोतमी बकतें ओरयिब तूं म्हारो नाव करबो
करव थपरते कीर यहें मेरहावा बसे छठें थावें निवमें
ध्रामें नियक वायदो आंतिपास जीवका मायो मदोगे
उवेतांपिया म्हारें बासबोमी परनबार वें पिठकार कबी
१४ नवी । पीर थारे केरमें म्हारो कछुक रछें बोछ बलआम्
को सीखिया मानवभयाका जिसाक बोग थोवें जिवमेंठे दे
जी देवताको परसाद खाबोंहे वा यासरवासी करबवेई चिल
हाइलों सामडाले अगाडी फायवमीके ठुंठो बमावनो
१५ बालाकने सिखायो ने जिसएयिब निकोलाईतियाकें सीख बाप
१६ करबवाका बोमपिव थांने छें। पोमयाचार छ न पीरभूं वं
थारेकने बेगो मावर आपका मुंडाकी तरवारसूं वांबें भेळो
१७ रब करसु । टोळीनें आत्मा जकोम कहेछे जीवे कान हेव
छ सुबे फतेवंत भयो वोग उनें मं छ पावोडके मानां बांब
में देसुं ओरर यक बोवो मांडेरियब मद उंनें देसुं ओर रब
मोलाति छं भाठाउपर लिखोछे वे मवा जेम छ वाकेंछे
उंकें सिगर कोई मानें नाही।
१८ थीआतीरामें जका टोळीछे उंका दूतपासोकने या कथा
लिखो ईशवरको डावडो कें जींको आंख्यां आगदेका वीरा
१९ [illegible] ओर [illegible] [illegible] बतेंछे वे [illegible]

Digitized by Google

पार या मसीह मा सेवा मा रहेबो मा वें पारें सेवा
२० काम ठेवको थोरमधूं वला भी लगड़ा नं शाबुंनु। भेर
म्हारा पंरमें म्हारो मुंखिने पोल पूं नं लुगाई थिवे
भैलूवें से सबोंने नें भलो भायमें सिमिसिया वरर वेवें भोर
या भवलेवें भोर पापरधमी मा देवबोवा मसाद्द थांव
२१ में म्हारा सेवानें भुळवेंले। भेर पांमवा करवानें में
उनें संस्कोरेवा सोपीने भोर नं पापवा करविका कांम
२२ की पालमेवोनें पांमवा करवानें न पावे। देव उनें नं एक
[illegible] उपर नांखु भेर भां वांवें भेवी पापरधाजी
करोनें वें सरू पापवा कांमवो फलवेवें में पांमवा न करें
२३ तो पांवेंथिव उनें भेवा भोरा कष्टमें पवायु। भेर मोतधूं
उनां डावरीं नं पवळ पाडु भेर सवकी ठेवो पांव
ली वें वं मनवो पुमोडो विसयवा या पांवरंमवो विचार
करवावोडु भीरथिव पांवें पावेंगी भेगवेंथिव पांवेर
२४ कामभावक मान नं देवु। मन थांमें विश्वासरावें विच
में जिसा कुमार वेलमेवे भा वोभावय कवें वांवें वा पांवें
२५ कथवें मानव मेवावी उंकार न कांचीनें पांवेंथिव नं भा
वधा वजंबु वें पांवेंउपर नं भीर भार न देवु।
२६ भेर मवें पारा ठें वे म्हारा भावबोडो काठारेबुं
[illegible] मोवेंवें पा ठेवलोवोडो म्हारो कांम मालेंनें पांवें
२७ मेवांउपर सासन करवानें नं देवु। में भापका भाभा
बूं जिसो उ वासेनें जिसो उ सेवकी कामवोबुं पांवें उपर
सासन करसी या वें मजापत्वीं ढांमें हया भूषा जब्बी।
२८ भेरथिव नं प्रभावी तारेथिव उनें देवु। [illegible]
२९ पाला कबो वधेंने भोरें पांव वें वें उ सुवें।

२ पोलो पत्री।—भादिसमें बबा टीकोनें पंईं सुव
१ पारा पसेंमे थिव। भगवानको साव आला पा वें थाव

मारा जीव कलेठे उ वरेठे वें थारा काम ऊं जाणुं
और जिव जाणुं के तूं जीवतासरीखो विख्यातठे पण मुं
२ देहठे । घोरो ईश्वरका सुभाव कमठ और मरणसरीखे
अकोरठें उ काठो कर क्यें स भगवानकें सामो थारो
३ काम में पूरनारो देख्या नही । इसवास्ते चितो वाधेठे
वा सुणे ठे उने चितार ऊ काठो कर कमठ वा बामण
कर तू अर चोकी नही देवे तो चितो चोर आवेठे जिवो ऊं
थारे उपर आणुं और जे भी घडी थारे उपर आणुं वा
तूं जाणसी नही । सार्दिसमें थारे चिनसो आपठे कें ज्यां
आपका गाभा भ्रिष्ट न कराठे इसवास्ते वें चोखा गाभा पैरो
५ डा ऊजर म्हारे लारे फिरसी क्यों स वें लायकठें । जवो फते
वाठे उ धोला गाभा पैरोंडा अवो और जीवनयको चोपडी
सूं उंको नांव ऊं काडणु नही । पण म्हारा बापाकें सामा वा
६ उंके दूतवारें के सामा उंको नांव ऊं थारे करणुं । जींवो
कान पे टोल्याकें आत्मा अवोर कहेठे उ सुनी ।
७ फिलदेलफियामें जका टोलेठे उंके दूतवारानें या
कथा लिख अवो पवित्ररूपी अवो साचो अवो दाऊदकी कुंजी
को जोवणेरो अवो थोड़ण सूं कोई बंद नही वा जवांसूं कोई
खोले नही उसी या कथ दवेठे के थारा काम ऊं जाणुं
८ देख थारे सामो में एक खुल्या बारणो राखेठें जिवे अवो
कोई बंद सके नही क्यों स थारो थोडो बलठे और म्हारी
कथा तें पालीठे वा म्हारा नांव चिको बरह ऊंखो
९ नही । देख अवे जो शैतानकी सिनगागा ठेठें वें अवे आपने
यिहूदी कहेठें और यिहूदी नही पण झूठीकथा वे
ठें देख ऊं या आदम्यांनें थारे पगाके अगाडी पगावण
करुआ करास्य और वें जाणसी के में तेंसूं प्यार करयोठे ।
१० म्हारे सेवाकी कथा तें पालीठे इसवास्ते परतीवा देखवाका
कोलमें धरपकरणनें जका पराषवीमेसा सगोंवा आवण

[illegible]
५१ [illegible]
५२ [illegible]
[illegible]
भासी नवी [illegible] भगवानवो [illegible] भगवान
[illegible] भगवानवो नगर [illegible]
[illegible]
५३ [illegible]
[illegible]

५४ [illegible]
[illegible]
५५ [illegible]
[illegible]
५६ [illegible]
[illegible]
५७ [illegible]
[illegible]
५८ [illegible]
[illegible]
[illegible]
५९ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
६० [illegible]
[illegible]
[illegible]

२१ उ जीतवाळा म्हारे भेळा आसी । जु जिसी म्हने फतेवान होर म्हारे बाप भेळा उंके तखतऊपर बेठुंहुं फते करेगो जो जीत
उंने मुं आपका तखतऊपर जु म्हारे भेळो बिठाऊँगो जीसो मेंहुं
२२ हुं । जीं कान वे वाणी होवो आत्मा मंडलीयांनें कहा करे हे
उ सुण लेवो ।

४ चौथो पर्ब ।—इं पछें में देख्यो ओर देख स्वर्गमें एक खुल्यो बारणो वा पहलो साद पैलडा में सुण्यो उ साद आपको बाजा बजवा म्हारें भेळो बात कहबा लाग्यो उ साद वा थो के
२ अठे ऊपर आ होवाहार बातां जु थनें देखावसुं । उं वेळा जु आत्मामें हो ओर देख स्वर्गमें एक तखत राख्योडो हो वा
३ तखतऊपर एक पुरुष बेठोडो हे । उंके ऊपर बेठोडो जको पुरुष उ हीरो वा माणिक सरीखो दीखतो ओर पन्नासरी
४ सो देखतो एक धनुष तखतके चारोंकांनी हे । वा तखत के चारोंकांनी चोइस थंडला हा ओर में थंडलांऊपर बेठाडा चोइसगाभा पेर्योडा वा माथाऊपर सोनेका मुगट
५ पेर्‍ह्यां बडेरांका वीसाने देख्या । उ तखतसूं बीजळी वा मेघ गरजवा साद नीकळ्यो ओर तखतके सांमे आग का सात दीवा अथवा भगवानका सात आत्मा हे ।
६ तखतके सांमे फिटकसरीखो कांचको एक दरियाव हे ओर तखतके बिचमें वा तखतके चारोंकांनी अगाडीपिछाडी
७ आंख्यांसूं भरीयोडा च्यार जिनावर हे । पेलडो जिनावर नाहर सरीखो दूजो जिनावर टाबरांसरीखो तीजो जिनावर को मुंडो मनुष्यका मुंडाहसो ओर चोथो जिनावर उडता
८ गरुड सरीखो हे । वी च्यार जिनावरांके पांखें मी जिनावरका घेरामें छ पांखां हे वा मांय वें आंख्यांसूं भरीयोडा ओर वर्णा धर्मे धर्मे धर्मी सर्वशक्तिवान भगवान जु थो जु हे जु आवेगो यो कहतां रातदिन मांदा

९ न छै। वा तखतऊपर बैठोडेने देसोला पासैंजीवेला
जीवतापुरषकी बडाई वा मर्यादा वा भलाईंकी प्रसंसा जीवे
१० वा वें जबावर करताज उंईवेला जतामें उपर पुरषके
सामा चौईस बेठोडा लोग भुकर देसीला, पासेंजीवेला
जीवताकी पूजा करला वा वां पापको मुगट तखतके सामी
११ नाखिया बोलर कयो के हे प्रभु तूं मालमलक वा मर्यादा वा
बलकी प्रसंसापायवक छे क्योंके तें सबका उपजाया छे ओर
थारा मनसूं वे हुवा वा उपज्या छा।

५ पांचमो पानो।—में तखतके उपर बैठोडा पुरषके
जीवणें हाथमें मांय वा बारलें लिख्या सात मिडल करयोडी
२ एक पोथी देखी। वोईपिण मोटा सादसूं ढंढेरो करवा
वाला एक बलिया फरसताने पिण में देख्यो वे जो कयो
के पोथी खोलबनें वा उंकी मोहर खोलवावायक कुण छे।
३ ओर सर्गमें अथवा धरतीमें अथवा धरतीके नीचे पोथी
खोलबनें वा उंके उपर दिसट करबनें जोगवंत कोईपिण
४ न छे। ओर जं मोकलो रोयो क्योंके पोथी खोलबनें
अथवा उंके उपर दिसठ करयनें कोई लाधो गयो नही।
५ ओर वां बोदोडा लोगांके विचमें एक लोग मनें कयो के
रोवें मती देख यिहूदाहके कबीलाको सिंह दाउदको जड
जकाछै उ पोथी खोलबनें वा उंका सात मोहर खोलबनें
६ जोगवंत हुवो छै। उपछै में देख्यो ओर देख तखत वा च्यार
जिनावरके विचमें ओर वां बोदोडांके विचमें मारया
जायसूं जिसो हुवै तिसा सात सींग वा सात आंख्यावें
मिल्योडा एक गाडरोको बच्चो उभो हुवो। वे ई सात आंख्या
७ सगली धरतीमें मेल्योडी भगवानकी सात आ आतै। उं
आयर तखतऊपर बेठोडा उं पुरषके जीवणे हाथसूं वा
८ पोथी लीनी। जद उं वा पोथी लीनी जी जद च्यार

Digitized by Google

सिंघासन वा चौहूँ मेंढोड़ा चौबीसों पर्व भी बीच बीच
वा पोतंना अंकालूं बरोबा धुम्बांध लोगोंवें बरबासूं
भरीपूरी सोनावां ठांव इरं गौडराको बगारौं लांगा
९ पया । और एक नवी गीत गावर बोल्यौ वे तूं पोथको
लेवने वा उंकी मोहरां खोलवने लायक छै क्यों तूं मारियो
गे और थारा लोहू वा वे जनवारौं वा तीन वा मेंको
सूं पापका जोईसूं भगवानवेसी महाने मोल लीनाछे ।
१० और महाने भगवानवासें म्हांगे राजा वा प्रोहित बणाछे
११ और मे धरतीउपर राजपाट करसां । उपरें में देख्यो
और तखत वा वे जिनावरें वा मेंढोड़ां लोगांके चारूं
दिसामें मैं भोरवां सरबारांको साद सुण्यो वा वांकी संख्या
दसहजार गुणी दसहजार वा हजार गुणा हजार छै ।
१२ वां मोटासूं कयो के बल वा धन वा ग्यांन वा जोर वा मरजादा
वा महिमा वा सुती मारियोड़ोवायक मारियोड़ा गाडरांका
१३ बणाछे । सरग वा धरती वा धरतीके नीचला वा दरियाव
के मांयलो जीव वा उंके भितला रैवावांका जिता वा समसा
नें में बोलता सुण्यो के तखतउपर बैठोड़ापुरुष वा
गाडरांके बणाकी सुती वा मर्यादा वा बडाई वा बल रातो
१४ ना पावें नीरवा रें । उपरे वां चार जिनावरां कयो के
आमिन् और वी मेंढोड़ा झुकर भजन कर्‍यो ।

६ छठो पाठो ।—जद गाडरांको बच्चा उंकी एक
मोहर खोली छे तद में देख्यो और मैंने गाजवकों स्यो
वी चारां जिनावरांवें एक जिनावरको साद सुण्यो के भी
२ कयो के आव देख । मैं देख्यो और देख एक धोलोघोड़ो वा
उंके उपर असवार एक लोग उंको हे दयो छे और उंने
एक मुगटपिण दीनो गयो और वे जीतंतव जीतेवा वा
करे बारवेई गयो ।

Digitized by Google

३ उपडे उ दूजा चौडव चाल्यांपछे चूआजिनावरकी थी
४ कथा में सुणी वे पांच देव और रातो एक घोडो नीकल्यो
और उवे असवार पुरषने धरतीसूं शांत लेवाको मुटी दीनी
मनी वे लोग अपशोम दूजा एक लोयमें मारनाव और
एक भाटीपातीपिय उवें दीनी गई।
५ उ तीजो चौम चाल्यांपछे तीजे जिनावरकी या कथा
में सुणी वे पांच देव उपडे में देख्यो और ईव एक काळो
घोडो और उवेउपर असवार एक पुरषवें हाथमें एक
६ ताकडो छे। वोच्यारां जिनावरांके विचमासूं एक सादपिय
में सुण्यो उ कवो के दोय कोमांसू एक पायलो गोऊं वा दोय
कोनामें तीन पायलो जव और निवेवान को तेल वा दाखका
रसको बिगाडो मती करो।
७ उ चोथो चौडव चाल्यांपछे चोथा जिनावरकी या कथा
८ में सुणी वे पांच देव उमें में देख्यो और देवो भुरा रंग
को एक घोडो में देख्यो उंके उपरला असवारको नांव मोत
वा उंके पिछाडी नारको और वांने पातो वा भूख वा मोत
वा धरतीका जिनावरसूं मारनांवबनें धरतीका चोथाई
९ हिराडी लोगांउपर बल उनें दीनो गयो। उ पांचमी
चौडव चाल्यांपछे भगवानकी कथा कपडलसूं वा आप जी
साबताको आसरो कपडोडोछे उ सामतसूं जके मास्या
१० छाछा वांकी आत्मा में होमचोंतरोकें निचे देखी। और
वां मोटासादसूं कयो के हे समर्थ सवचो साचप्रभु विचार
करवानें वा धरतीकें रैंववावांउपर म्हाकें मारवाको न्याव
११ देखनें तूं कितरा दिन ढिलाय करेछे। वांवें चावेगी
लोगनें धोळाझाभा दीवा गया और वांनें कयोगयोडे के वे
आपके साथीचाकर वा वांकें भाई वें जको वाकेंहस्यो मास्या
जासी वांकी गिणति भरतीको परमारी न जाव जठालगी
थोडा दिन धावच करडा।

Digitized by Google

१२ उं छठो चौप्प खोल्यापछे में देख्यो के मोटो धरतीकम्पन
हुवो ओर सूरज केसांकें टिबपडीसरीको कालो वा चंद्रमा
१३ लोई रंगो हुवो। ओर मोटा वायरासूं हिलवाथी अंजीर
को रुंख जिसो कुरिवको फल पटके छे तिसे आकाशका तारा
१४ धरतीउपर पड्या। वा जिसो कागद पुलेचो जावे छे तिसो
आकाश पुलेचो गयो ओर सगळा परवत वा टापू आप
१५ आपरा ठांवांसूं दूजीजागा चलाया गया। ओर संसा
रीक राजा वा मोटा आदमी वा मालदार लोग वा हजार
फोजका धणी वा बळियालोग वा सगळा लोग गोला
वा छूटा यां परवतकी गुफामें वा भाडांका परवतमें आप
१६ लुकायो। ओर वां परवतांनें वा भाडांका पत्थरांनें
कयो के म्हांके उपर पडो ओर तखतउपर बैठोडा पुरुष
वा मुंडासूं वा गाडरांका बचाका रोससूं म्हांने लुकावो।
१७ क्योंके उंके रोसको मोटो दिन आयोछे ओर कुण ठैर सकसी
कुण।

७ सातमो पांनो।—इंपछे धरतीका च्यारुं खूंटेमें ऊभो
च्यार वायरो पकडवावाला च्यार दूतकारांनें में देख्या के
धरती अथवा दरियाव अथवा कोई रुंखउपर वायरो
२ न बाजे। ओर जीवता भगवानके छापदार दूजो एक दूत
कारांनें पूरबसूं उपडतो में देख्यो ओर जके च्यार दूतका
रा धरती वा दरियावकी हिंसा करवानें दीना गयाछे वांनें
३ उं मोटासूं कयो के जदतोडी म्हे आपणा भगवानके सेवगां
के वांके निलाडउपर छाप नही करांछां तदतोडा धरती
अथवा दरियाव अथवा रुंखांकी हिंसा मती करो। जके
छाप देदी गई वांकी एकजाई में सुणी यिसराईलके सग
ळा गोत्रांकें एकसो चिमालीस हजार आदमी देवाणा।
५ यिहूदाके गोत्रांकें बारें हजार देवाया गया। रऊबेनके

५ भिहूदाकें गोत्र्यावें बारें हजार वेप्या गया गादकेगोत्र्यांवें बारें हजार
वेप्या गया आसेर्का गोत्र्यावें बारें हजार वेप्या गया।
६ नपतालिकें गोत्र्यावें बारें हाजार वेप्या गया। मनश्शेहका गो
७ त्र्यावें बारें हजार वेप्या गया। शिमियोनवें गोत्र्यावें बारें
हजार वेप्या गया लेवीवें गोत्र्यावें बारें हजार वेप्या गया।
८ यिस्साकरवें गोत्र्यावें बारें हजार वेप्या गया। जिबुलून
वें गोत्र्यावें बारें हजार वेप्या गया। युसफवें गोत्र्यावें
बारें हजार वेप्या गया बेन्यामिनकें गोत्र्यावें बारें हजार
९ वेप्या गया। इंकें पछे मे देखो ओर देखो सगळा देसवें
वा सगळा कुळवें वा सगळा लोगवें वा सगळा बोलीकी
हसी भोकळीमिटी एक जमात जहें के जको कोई उंको
संख्या कर सको नहीं वें धोळाधाभासू पेरोडा ओ ताड
का पान हाथमें लीयरा तखत वा गाडराका थवावें सामा
१० उभा सवा। ओर मोटासादसूं जाकथा बोल्या तखतउपर
बेठोडो वोकी भगवान वा गाडराको वचावकनें उद्धारको
११ सारोमके। ओरपिछ सगळा चककारा तखतकें वा वादा
डा लेमाकें वा चार जिनावरांकें चारोंवानी उभा अपर
तखतकें सामा उंधा अपर पेड़्या ओर भगवानको पूजा
१२ करर वे स्या। के आमिन् स्तुती वा महिमा वा ग्यांव
वा ग्यान वा मर्यादाको वा धांयकी वा बळकी प्रसंसा रेलो
१३ वा पाविंजीवका म्हांके भगवानकेकनें वें। तदउ वादे
डा आदम्यांवें विचमें एक लोग उंथलो दोना वा मनें कयो
कें धोळाजामासूं वजाय कयोडा कें दुग्नडें वा कठासूं आया
१४ हैं। उनें में कयो कें वें म्हारा प्रभु तूं आयजा फेर
उं मनें कयो वे वें कें जके मोटोकेदसूं आय हैं ओर भाव
राका मरवाका लोईसूं आपका गाभा धुपायर धोळाकर्या
१५ हैं। इं कारण वें भगवानकें तखतके सामा रहे ओर
उंकें देवरामेंरातर दिन उंको सेवा करेंगे ओर जके तखत

१६ ऊपर बैठे हैं उ [illegible] रोंकीन [illegible] और [illegible]
न [illegible] और [illegible] कोई [illegible] ऊपर
१७ और [illegible] । [illegible] और [illegible] और [illegible] ।

८ [illegible] —

१ [illegible] और [illegible] देखी
२ और [illegible] ।
[illegible]
[illegible]
[illegible]
४ [illegible] । और [illegible]
[illegible]
५ [illegible] ।
[illegible]
६ [illegible] ।
[illegible] ।
७ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।
८ [illegible]
[illegible]
९ [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] ।

१० तीजें दूतकारें बजायो उंसूं दीयाइसो प्रकाश एक
मोटो तारो आगेसूं पड गयो वा नदो वा पांणीका सीरका
११ तीजा हिस्सा उपर पडयो उं तारकीो नांव नगदो हवेहै
पांणीको तीजो हिस्सो नगदो होर उ पांणी खारो हवो
उ जेवसूं मोकला आदमी उ पीर मर्या।
१२ चोथें दूतकारें बजायो उंसूं सूरजको वा चंद्रमाको वा
ताराको तीजो हिस्सो मार्यो गयो उंसूं वांको तीजो हिस्सो
अंधारो हयो गयो होर दिनको तीजा हिस्सामें चांनणो
१३ नहो नहो होर रातनेंभिव उईतरें हवो। उंपछें मैं देख्यो
होर आगेड़ें विचमें उडवावाला मोटा दूतकारानें मोटासूं
आकाश कैता सुण्या कै बजावणका मने होर तीन दूतकारा
ठे वांकें बाजवाका नादसूं धरतीकें रैवावालांको संताप वे
ताप संताप हवो।

९ नवमो पांनो।—पांचमें दूतकारें बजायो उंसूं स्वर्ग
सूं धरतीउपर एक तारो पडतो मैं देख्यो वा उंनें अथाह
२ उंडाकी कुंचा दीनी गई। उं अथाग उंडो खोल्यो उंसूं
मोटा भाठदेका ढांकासूं जिसो धूंवो उपरेठे हयो धूंवो उं
उंडासूं उपडयो उं उंडाका धूंवासूं सूरज वा आकाश अंधा
३ रासूं भर गयो। उं धूंवांसूं टिडीयां धरतीउपर नीक
ली होर वांनें धरतीका बीछुवांकें मुडाइसो मुंडो दीनो
४ गयो। होर आं लोगांकें नलाडउपर भगवांनको छाप
नहो उं आदमीविगर संसारको घास अथवा कांई हरी
वस्तु अथवा किसी रूंखको हिंसा न करवानें वांनें आज्ञा
५ दीनी गईठे। वा वां लोगांकी मार न नांखवकी आज्ञा
६ वांनें दीनी गईठे। होर जाकी कें वें पांच मासतांई
दोसीस पावें आ आज्ञा वांनें दीनी गई किन्तु आदम्यांनें

काटबसूं जिसी वेदोना हुवे उसी वेदोना देवणावाळी
७ छ। उं काळ मांग मौत सोधसी पण वे न पावसी वे
मरणचित्त चासी पण मौत वांसूं भागसी। टाड करबने
त्यार घोडांको जिसो पैरो तिसो वैरो वे टीडोवां छई वा
वांकें माथाऊपर सोनाका मुगट वा वांका मुंडा आदम्यां
८ का मुंडा इसा छा। वा वांका केस लुगायांका केसांसरीखा
९ और वांका दांत नाहरका दांता इसा। और वांकाका बख
तर इसी वांको छातीको बखतर छो और टाडकरबने दोड
बावांका रथ वा बोतसा घोडांकें सादसरीखो वांकी पांखां
१० का सादछो। और बिछुवें पुंछ इसी वांकी पुंछ छई वा
वांकी पुंछ डंकवाली छई और आदम्यांने पांचमासतांई
११ हिंसाकरबने वांको पौंचछो। और पिण वांका राजा छे
वै अथाग ऊंडाको दूतकारो छे इब्री बोलीमें उंको
नांव अबद्दन पण यूनानी बोलीमें उंको नांव आपल्ल्यन् छे
१२ एक संताप गयो देखो दूजादोय संताप होबवाराछे।
१२ छठें दूतकारें बजायो उंसूं भगवानके सामाका सोनाकी
१३ वेदीका च्यार ढुणांसूं एक साद में सुण्यो। और वांका
१४ वाळा उं छठें दूतकारने उं साद कयो कें फरातनदीमें
बंधे च्यार दूतकारां छुटकाडो वां दूतकारांने छुडायो।
१५ उंसूं आदम्यांके तीजो हिस्सा मारबने बंधे च्यार दूतकारां
एक घडी वा एक दिन वा एक मास वा एक सालवेंतांई
१६ त्यार करया गयाछा वे दूतकारा छोड्या गया। उं घोडा
असवारांको लसकर बीस क्रोड छो मैं वांकी संख्या सुणी।
१७ उं दर्शनमें मैं घोडांने वा वांपें असवारांनें इसा देख्या वे
वांकें बखतर आगदे वा नीलम वा गंधकका छा वां घोडा
की माथा नाहरका माथा इसा वा वांकें मुंडासूं आगदे वा
१८ धूंवो वा गंधक नीकळ्यो। और वांतीनां आफतांसूं यानवां
वांका मुंडासूं नीकळवाका आगदे वा धूंवे वा गंधकसूं आदमी

Digitized by Google

१९ को बोजो बिराड मारयो पड्यो। क्योंस बांकि मुंडामें वा
पुंगमें बांकि मुंडो ग बोर नागरश्या माथावाळा बांको पुंग
२० दे ग बोर उंसूं वे हिंसा करें ग। बोर उबरया लोग वे
जवे यां सगळां डंडामें मरया न छी वां आपका हाथका
करयोडा कामकी बासचेलीमें बांमबो परया नहीं के वे देवा
की वा सोनो रुपो पीतळ भाठा लकडीका करयोडा पूतळां
की पूजा न करें के जके देखें नही सुणें नहो चालब सकें
२१ नहीं। बोर वां आपका खुन वा बीरणाट्यापणांका कांम
में वा कुचील वा चोरीकी बासचेलीमें पिण बांमबा करया
नहीं।

१० दसमो पांनो।—बोर सर्गसूं उतरबवाळो बोर
एक बळिया हलकारानें में देख्यो उ मेहसूं पेरयोडो बोर उंको
माथे आकाशकें धनुकसूं सोभा लावता वा सूरज इस्यो उंको
२ मुंडो वा बासदेके थांभा इस्या उंका पग ग। उंका हाथमें
एक खुली नानो चोपडी ग बोर उं दरियाव उपर जीव
को पग वा धरतीउपर डावो पग राखर नारके गाजब
३ के इसी मोठा सादसूं कयो। बोर उंके साद करया पछे
४ जीको सात गाजब आपको साद चोडें करयो। उंमे सात
गाजबा आपको साद चोडें करयां पछे ग जं लिखबनें त्यार जवेर
उंसूं जं आकया बोलबवाळो आकाशवांणी सुणी के मोकें
सात गाजब जकेर कयां चोडें करो ग वे बीडन करर छु
५ दर वा मती लिखें। उं पछे दरियाव वा धरतीमें उभा
रेबवाळा जों हलकारानें में देख्यो उं हलकारें सर्गकांनी
६ हात उपाडर रायांना त्यार वा सर्ग वा उंके बिचाळे वा
धरती वा उंके बिचाळा वा दरियाव उंके बिचाळा बस्तकें
बणायबवाळाकिर नांव लेर सूंस काढी के दूजीकांल नहीं
७ रहो। बोर आपका निमितियां सेवकनें भगवान जियो

चोरें कयोठें तिसोई उं सावनें दवबाराकीमेवा अथवा
उ बद बजावनें मांडसी वद भगवांनको गुपार्थ परवारे
८ सी। जको आकाशको सादमें सुण्यो उं साद फेर मनें
कयो कें दरियाव वा धरतीउपर उभारेंववाळा दूतका
९ हाथें हाथमें जका नांनो खुलो चोपडो ठें वा ले। उंसूं उं
दूतकाराकें नेंडा जायर में उंनें कयो कें वा नांनो चोपडी
मनें दे उं कयो कें था ले वा वा उंपठें वा थारा पेटनें खारो
१० करसी फेर थारो मुंडो सैंतसरीषो मींठो हुसी। वद
वा नांनी चोपडी में उं दूतकाराका हाथसूं लेर खावनांखी
वा म्हारा मुंड में सैंत सरीषी मीठी लागी फेर वा खावतांई
११ म्हारो पेट खारो हुवो। उंपठें उं मनें कयो कें मोकळा
लोग वा देशां वा बोली बोलववाळा वर राजावें परवी
तनें भिविषतयांकी कथा फेर कैंणी पडसी।

११ इग्यारमो पांनो।—उंपठें लाकडी सरीषो एक नल
मनें दीयो गयोठें बोर उं दूतकारे कयोकें उठ
भगवानको देवरो वा होमचोतरो था उंमें विचवावें पूजा
२ करववाळांवें माप। पेर देवरावें बारको आंगणो छेड़दे
वा मती मापे कोस दूसाडीमवाळ्यांनें उ दीवो गयोठें बोर
वें क्यालीस महीनांतोड़ी पवित्रनगरवें पगांसीचें खुंद
३ सी। उं आपकें दोय साक्षयांनें बळ देस बोर वें
टाटपटीसूं बणाव करर एक हजार दोयसें साठ दिनां
४ तोडी भिविषतयांकी कथा केंसी। समळी धरतीकें प्रभु
कें सांमें जके दोय जैतूनका रूंष वा दोय दीवा राख्या
५ ठें वेहे वें दे हुंठें। अर कोई वांकी हिंसा करणी चावे
तो वांका मुंडासूं बासदे कढर वांका बैरयांनें खावजावसी
बोर अर कोई वांनें हिंसा करणी चावें तो इणीतरें उंनें
६ मारनांखणो पडसी। वांमें अकासनें थांमी मुंडोठें के वांनें

Digitized by Google

निमिनियांकें कथा केंणकीवला म्हे नवंवें ओर पांणीनें लोहू
करबनें ओर जीसो वार वांकी इच सीजी वेळा धरतीनें
७ समझे. घाव देंबनेंपिछ वांको मुंडोठें। ओर जद वांको
साबतो देंबो परवाणो आसी तब अथाग उंडासूं उपडण
वाळो जिनावर वांकें भेळी राड करसी वा हरासी वा मार
८ नांखसी। उं मोटा नगरका मारगमें वांका मुडदा पडसी
वें जीनें परचा देर सदोम् वा मिसूर केठें जीं जामा म्हांको
९ प्रभुपिण इणवांकोऊपर मारयो गयो। वा लोग वा कुळ
वा भाषा जीवणवाळा वा देसवाळो जिता भी साढा तीन
दिनालोको वांकी लोथ देखसी ओर वांकी लोथ वेरमें
१० गाडण देसी नहीं। ओर धरतीका रेंणवाळा लोग वांकें
उपर आनंद करसो वा राजी वाजी ईत्यादी रीव करसी
वा आपसमें बीनडी भेजसो क्योंक अके धरतीउपर रेंठें
११ वांनें यां दोन्यां निंमतियां तासीव दीनीठें। साढा तीन
दिन गयांपठें भगवानसूं जीवात्मा वांमें बड्यो ओर वें आप
का पगांसूं उभा ऊवा उंसूं ज्यां वांनें देख्यो वांकेंउपर मोटो
१२ बीह पड्यो। वांनें आकाश केंणवाळी आवाजको मोटोसाद
वां सुण्यो कें अठी आव उंपठें वें म्हेंनें वडर सर्गमें गया
१३ वांका वेंरयांपिण वांनें देख्या। उं घडी मोटो धरती धूजबो
ठे उंसूं नगरको दसमो हिस्साड पडगयो उं धरती धूजण
सूं सात हजार आदम्यांको नांव गुम नांव ऊवो ओर अकें
लोग वाकोरया वा बीह खायर सर्गकें भगवानको प्रशंसा
१४ करी। दूजो संताप गयो देखो तीजो संताप वेगा घोडें
असी।

१५ सातमें दूतकाई वजायो उं पठें घा कथा केंणवाळी
मोटको साद सर्गमें ऊवो कें ई जगतको राज म्हांका प्रभु
को वा उंका बीष्टको राज ऊवो वा उ रोजीना पावें जीं
१६ नेका भविस्य करसो। उंपठें भगवानकें सांमाका आसन

उपर बैंठोडा वा चोवीस बेंदोडा लोगां उंधा ऊयर पड
१७ आ कया केंवार भगवांनवो भजन कलो के थें वर्तमान
वा वोध्या समवो धोंववान भगवान प्रभु मे धारेंकनें जुतो
बरांले वोल वें आपनो मोटो पोच लेर अधिकाय करी
१८ लें। देसवा आदमो विराजो ज़वो वोर थारो रोस आई
वा जींवेवा मुडदांवा कांमाकी ध्योत वेंले वा तूं आपवा
नबिविधां सेवगांनें वा पुव्यवांनवें वा नांना मोटा जिता लोग
धारा नावसूं योवेंलें यां सगवांनें अद फल देसो ओर
धरतीको धोज गमावववाळां जींविवा धोज ममासो वा
१९ वेला सांमो ऊईलें। उंपलें सर्गवें विचमें भगवांनको
देवरो पोल्यो गयो उंमें उंका देवरामें धिलववा सरतंवको
पेई देचवमें आई उंसूं बीजको वा सादां वा मेंको गाजवो
वा धरतीधूजयो ज़वो वा मोकवा भाठा वरष्या।

१२ बारमो पानो। उंपलें सर्गमें मोटो एक अचंभो
देख्यो गयो सूर्यसूं पगाव कमोडी वा पगवें नोचें चंद्रमा वा
२ बारे तारांकी पागसूं सोभित माथो एक लुगाई ले। उं
लुगाई पेटसूं ऊयर वा जणावणीवेवा सांमो होवसूं
३ जणववें दर्दमें होरी ऊयर वाभी। सर्गमें एक दूजो अचं
भोपिण देख्यो गयो देखो सात माथा वा दस सींग वा सात
मुगटसूं सोभित माथा रावारंगवो मोटा डीकवो एक नाग
४ ले। उंकी पुंछ सर्गवें तारांको तीजो हिस्सो वांचर
संसारमें वगायो जणवर्के व्यार उं लुगाईके डावडानें जव
५ वाई पोववेई उ साप उंकें सांमो उभो ज़वो। वा एक
डावडानें जणी के जको सगवा देसवांव्यानें लोहको डांमकी
सूं सासन करसो उंपलें भगवांन वा उंकें तखतकेंकनें उ डावडो
६ तांण्यो गयो। वा लुगाई ओडमें भागी के जठें भगवांनसूं
उंकेंवेई एक जागा त्यार करी मई ले के वें बारें से साठ

७ दिनांधीडी उनें पावों । उंपठें सगेमें राड अई मीखायल् आपका हलकारानें लेर उं नागकें भेळी राड करी ओर
८ नागपिन आपका हलकारानें लेर राड करी । पण हराव न सक्या ओर सगेमें वांनें दूजोभागापिन मीली नही ।
९ ओर उ मोटोडो नाग काळोगयो अथवा उ डोकरो नाग जींको नांव प्राणा वा मेगोठें कें अको समळा संसारको भुळावणवाळोठें उ धरतीउपर नगायो गयो ओर उंको
१० हलकारोपिन उंकें सारें नगायो गयो ओरपिन में सगेमें या कथा केंवतो सोठो साद सुण्यो कें अबें उद्धार वा सांमरथ वा म्हांकें भगवानको राज वा उंकें खीरतको वळ सामो अवोठें क्योंस म्हांकें भायांकें ठंटो देवावाळा कर्यं पट को गयोठें कें जीं रातदिन म्हांकें भगवानकें सांमी वांको
११ ठंटो दोतो । ओर वां भाडराका खनाकें लोईसूं वा आपकें सायदोनरें कथासूं उंनें हरायो ओर उं मरवताडी आपका
१२ जीवनेंपिन प्यार कर्यो नही । इवेंई हे सगे वा उंकें विच में रेंवावाळा थे राजी करो हे संसार वा दरियाव थांको संताप अती क्योंस मेंडो मोडलो रोस करर थांकें विचमें उतर्योठें क्योंस उ जांणेंठें कें आपको थाळी ओर थोडा दिन
१३ ठें । ओर उं नाग जद देख्यो कें आप संसारउपर तळें पटक्यो गयो तद उं लुगाईका दुसमणी करी कें जका डाव
१४ डानें जणी । ओर मोठा कबळकें डबका लुगांगा डोय दई कें उं लुगाई दोना मवा कें वा ओठमें आपको उं जागा जावें कें अठेंनागका मूंडासूं एकवेळा वा दोयवेळा वा आधी
१५ वेळालोडी पाळी जाव । ओर उं लुगाईकें पिठाडी उं नाग आपका मूंडासूं वेळसरीको पांणी उगाव्यो कें उंनें वेळसूं
१६ वुवावें । पण धरती उं लुगाईको उपगार कर्यो ओर धरती आपको मूंडो खोलर नागका मूंडासूं अको वेळ उगळो अई
१७ गा उं वेळनें गटकायो । उंपठें उं लुगाई उपर नाग रोस

करर उंकें बाकी डावडांसें भेळी राड करब गयो जें जो भगवानकी आग्या पाळबवाळा वा यिशुकें साखवाळा होठा होवें।

१३ तेरमो पांनो।—अंर दरियावकें रेतुउपर उभो ह्वो और दरियावसूं उपडबवाळा एक जिनावरनें में देख्यो जींकें सात माथा वा दस सींगड़ा वा सींगकेंउपर दस मुगट
२ वा उंकें माथें उपर भगवानको निंदासरीखो नांव हो। जी जिनावरनें में देख्यो उ जिनावर चीताहुसो उंका पग रींछ कें पगांकें हुंता वा उंको मुडो नाहरका मुंडा हुसो और नाग को बळ वा आपको तखत वा मोटो हाकम नाम उंन दीनो।
३ उंको एक माथो मरबासरीखो मारेडो में देख्यो उंपछें उंको मोत देंबावाळो घावो चोखो ह्वे उं जिनावरउपर संसार
४ का सगळा लोगांनें चमतकार ह्वो। और वां उं नागकी पूजा करी क्योंक उं जिनावरनें बळ दीनो और आ कया कें उं जिनावरकी पूजा करी कें जिनावरकें बरोबर कुण
५ उंनें भेळी राड कर सकेंगे। और पिण मोटी बातां वा भगवानकी निंदा करबवाळो एक मूंडो उंनें दीनो गयो और बेयाळीस महीनांलगी रेंबकें पिण बळ उंने दियो गयो।
६ भगवानका नांव वा डेरा वा सरगमें रेंबवाळांउपर निंदा करबकेई उं जिनावर भगवानकें बेंरमें निंदाकी बातां बोलबें
७ मूंडो उघाड्यो। पुन्यवंतां भेळा राड करबनें वा वांनें हरा बानें उंनें बळ दीनो गयो सगळा कुळ वा बोली वा देस
८ वाळां लोगां उपरपिण उंनें बळ दीनो गयो। और संसारकें रचबावाळांकें दिनसें जिन्हां लोगांका नांव जगतकी बीज देंबसूं मारदियोडो मारेडो बच्चाकें जीवनकसरीखो
९ चोपडामें लिख्या नहीं वें सगळा उंनें पूजा करसो। जी कोई सूंबानें कांन अर रहें सो उ सुणें जबो लोग पकडर

१० पारका देसमें लेजायछै उ दूजादेसमें लेगयो जासी जको
लोग पातीसूं मारैछै उ लोग पातीसूं मार्‍यो पडसी इमें
११ पुण्यवंत लोगांको सेंबो वा भगतछै। उपछै धरतीसूं
नीकलतो दूजाश्व जिनावरनें मे देख्यो और गाडरांवे सवा
वे इशा दोय सींग उंका छा वा उ नागनरोसी कथा कही।
१२ उवें अगाडी जको पैलडो जिनावर उंको जितो हाकम उ
सगला हाकमसूं यो जिनावर करैछै वा यो पैलडा जिना
वरको मोतदेणवाळो घाव्दी चोखी वाडे धरती वा उंका
१३ रैंणवाळा लोगांनें उ जिनावरकी पूजा करावैछे। और
जिस उ मोटा अचंभा करैछे वा आदमीवे देखणमें आभसूं
१४ आसमउपर वासदे बरसावैछे। और इ जिनावरके सामी
जको अचंभा करणनें उंको मुंडोछै वासूं पातीसूं भोळेछै
वा कथा छाछावो वैरो करणनें धरतीका रैणवाळांनें केर
१५ उ अछेरा कामसूं संसारके रैणवाळांनें भुलावैछे। वा उ
जिनावरकी प्रतमानें जीव देवनें उंको मुंडोछे वे जिनावरके
प्रतमा कथा बोलावें वा जितां लोग उ जिनावरके प्रतमाकी
१६ पूजा नकरें वानें मारनखावें। और उ नांनेमोटा वा
मायापात वा म्यारणो टुटा वा भयो समला लोगांनें वांके
जीवणा हाथमें अथवा निलाडउपर सेंनाव लिवावैछे।
१७ और वे उ सेंनाव अथवा उ जिनावरको नांव अथवा उंके
नांवकी संख्या लीनोडा लोगांबिना कोई मोललेवो वेचवो
१८ न करें। विद्या आ छै विद्यावंत जको लोग उ इ जिनावर
की संख्या गिणें कीस उंकी संख्या आदमीकी संख्याछै और
उंकी संख्या छसें ग्यासठछै।

१४ चवदमो पाँनो।—मैं देख्यो और देख सीयोन् पर
बतउपर इक गाडरांको बचो उभो जको ओर उंको नांव

वा उंका बाबाको नांव निलाडमें लिख्यो हुवो चौमालीस
२ हजार आदमी उंकें लारें उभा हवा। या मोकळा पांणी
का सादसरीसो वा मेघकें गाजबकें हुवो साद में आकास
में सुण्यो और वीणा बजावता थका बाजावालांको साद
३ पिण में सुण्यो। तखतकें वा च्यार जिनावरकें वा बोदोडा
लोगांकें सांमा वी नवोगीत हुयो हक गीत गायो ओर सं
सारसूं मोल लीना वें हकसो चौमालीस हजार लोग बिगर
४ कोईपिण उ गीत सीख न सक्या। ये वें वें ज्यां रांडां
भेळा आपनें भिसट कर्या नही क्योंस वे कारा ओर गाड
राका वचा भी वोवी जागा जावछे उं आगा उंका पिछा
डीजावबाळा छे वे ईश्वर वा गाडराकें वास्तेकर्नें पेहला
५ फळजेवर आदम्यांवें बिचमांसूं मोल लीना गयाछे। वांका
मुंडामें कांई कुडीकथा लाधी गई नई क्योंस वें बिगर
६ दागछे। ओरपिण धरतीका रेंबवाळा वा यांचें भी देस
वा लोग वा कुळ वा बोलीवाळा वा लोगांकनें अनंत मंग
लीक कथाको ढंढेरावाळा सर्गकें बिचमें उडबवाळा ओर
७ हक हलकारावें में देख्यो। उं मोटासूं कहेछे कें भगवांनसूं
बीहो वा उंनें मरयादा करो क्योंस उंका बिचारसूं हंडको
वेळा आमीछे ओर जी सर्ग वा धरती वा दरियाव वा
८ पांणीका सोत बणायो उंको भजन करो। उंपछे वा कथा
केंता ओर हक हलकारें उंकेकनें पिछाडी ऊपर कयो कें
पडगोछे मोटो बाबेल पड्योछे क्योंस उं आपकेंमोटा वणका
९ पावरपणांको दारूसूं सगला देसवाळ्यांनें पायाछे। ओर
पिण मोटासूं या कथा केंता तीजो हलकारो उंकें पिछाडी
गयो कें उं जिनावरनें वा उंकी मूरतकी पूजा कर कोई करें
वा निलाडऊपर अथवा हाथकें ऊपर कर उंको दागो
१० लेवें। वो भगवांनकी जका रीस बिगरमिलायोडो दारू
उंनें रीस वा कबरापनरें बाटकीमें कुड्यो जावछे उं लोगमें

Digitized by Google

उही दारु पीवबो पड़सी वा पुन्यवंत हलकारांकें वा गाड़
राका बचाकें सांमा वासदे वा गंधकसूं उवें तासीस दैबी
११ पड़सी । वांकें तासीसको धूंवो हंमेसा , चावेंजीं वेळा
उपड़ेछै और जका उ जिनावरकी अथवा उवें मूरतकी
पूजा करेंछै वा जको लोग उवें नांवको सैनाण लेवेंछै वांनें
१२ रातदिनमें कदेई चैन नही । पुन्यवंत लोगांकी सैंसी
आ देवो भगवांनकी आग्या वा योसूमें प्रतीत पालबा
१३ वालांमें आ देवो । म्हारें कनें आ कथाकें तो आकासमूं
एक साद मैं सुण्यो कें लिख, प्रभुमें जके लोग अबाहसूं मरेंछै
वें धन्यछै आत्मायिब केंछै कें उ सही कें वें आपका
कांमसूं चैन लाधा औरयिब वांका कांम वांकें पिछाड़ी
१४ होछै । उंपछै मैं देख्यो वा देख धोळो एक मेघ छै उं मेघमें
बेठोडो आदमीका डावडाकें हस्या एक मे.च्यारनें मैं देख्यो
कें जींकें माथाउपर सोनाको एक मुगट छै वा हाथमे
१५ एक धारवाळो कतरणी छै उंपछै देवरांसूं दूजोएक हलका
रो नीकल्यो कें जीं मेघउपर बेंगोडा मेच्यारनें मोटासूं कयो
कें थारी कतरणीसूं खेत लूण क्योंस खेत लूणनें थारो वेळा
१६ सांमी आई क्योंस संसारको खेत पाकोछै । उसूं मीमें टि
कणवाळा मेच्यार संसारउपर आपकी तिजकतरणी लगाई
१७ और संसारको खेत वाढ्यो गयो । उंपछै तेजकतरणीवाळो
१८ और एक हलकारो सर्गका देवरांसूं कढ्यो औरयिब दूजो
एक हलकारो होमवेदीरोसूं कढ्यो कें जींको पेंच वासदे
उपरछै और मोटासूं उं हलकारें तेज कतरणीवाळें मेच्या
रनें कयो कें थारी कतरणी लगायर संसारकेंदाखको भूमको
१९ भेळो कर क्योंस संसारका दाख पाकाछै । उंसूं उ हलकारें
धार कतरणी संसारमें लगायर संसारकी अंगोर भेळीकरी
और भगवांनकें बमरावतरें मोटी दाखकी घरकोमें उ बगा
२० यो । उंपछै नगरकें बारळें उं अंगोरकी घरखो खूंदीगई वा

Digitized by Google

उं दाखके पटकीवूं एक कोसकोसो उंचवामें घोडाको लगा
मठिइको बोई चालो।

१५ पनरमो पाठो।—मोटो वा चमत्कार घोर एक
चमत्कारिक में सर्गमें देख्यो उेवडे मवा अंजका सो वें साव
अंचकावाला सात दुसकारावें में देख्या कोध वांमें भगवांव
२ को कमटाव भकीयपूणो देंठे। घोर कावदेसूं मिलायोसी
कावका इक दरियावकरीयो एक कसपिव में देखी घोर उं
जिनावर वा उंकी मूरत का उंको दागो वा उंके नांवका संवाव
वो जेवदववाला सबै देंठे वें भगवांवको मीवा सेर कावका
दरियावउपर उभावेंठे घोर वा कपा वेंवा वां भगवांवका
सेवक मे।सहूको गीव वा आवदावा कवावो गीव गावे के
३ हे प्रभु सगलो पोफवाल भगवांव थारा काम मोटा वा चटे
रावें हे पुन्यवंतका राजा थारी रीव सचाई वा साचोठें हे
४ प्रभु के कुवठें वें मवे तेंसूं व डरें वा थारें नांवको महाबा
व करें जोव थारें सिवाय तावन दूजो बोईपिव वधी।
सोल सगसा देसवासी घोस प्रायर थारें सांमा भजव
करसी तेंसूं इवदेंको चोठेंठे। उंपठें वें देखो घोर सर्गमें
५ सावद्योकर्डे डेरो लिलोम मसे। घोर साम वा प्रांवा
६ कपडा पैरयाँ गलीउपर सोवाको पटको पवेंडो उ सात
अंजका देवका कोठारी सात दुसकारा देवरांसूं नीकल्या।
७ उंपठें वां च्यार जिनावरांमें एक जिनावर दीनोया पवें
वीकेवा जीवतो भगवांवकी रीससूं भरेमपूरी सात सोवा
८ का ठांव वां सात दुसकारांवें दीना। घोर भगवांवको
महावव वा वळसूं देवरो धूवसूं बोठो घोर वां सात दुस
कारांकी सात तोवोस सावोवको पटवारो तवी बडवोवी
कोई देवरामें वड व सक्यो।

१६ सोळमो पर्नो।—औैरपिछ वां सात हलकारांनें
केता हुआ मोटा साद में देवरासूं सुण्यो कं थे जावो भग-
२ वानकें कराधवरें ठांव संसारमें कूळदे। उंसूं पैलकें लोग
जाकर उंका ठांव संसारमें कूळ्यो उंपछें उं जिनावरका दाग-
दार लोग वा ज्यां उंकी सूरत पूजा करी वां लोगांउपर
३ मोकळो दर्द वा तोळीस देंबवाळो चांदो पडी। दूजे हल-
कारें दरियावउपर आपको ठांव कूळ्यो उंसूं दरियाव
मुड्दा आदम्यांके लोईसरीखो हुयो वा दरियावका रैव-
४ वाळा चावेंसो जीव मया। तीजें हलकारें पांणीकी नदी
वा झीरउपर आपको ठांव कूळ्यो उंसूं वे लोई हुया।
५ उंपछें पांणीका हलकारांको आ कथा में सुणी कं थें वर्त-
मान वा अतीत प्रभु तूं यथार्थछें क्योंक वें इस्यो विचास्यो
६ छैं। क्योंक वां पुन्यवंत लोगां वा नबियांको लोई पटक्यो
७ छै औैर वांनें वें लोई पायोछें क्योंक वें लायकछें। उंपछें
हामवेदीसूं दूजा एक मोट्यारकी आ कथा में सुणी कं
हे प्रभु भगवांन सगळासूं मोटवांन आ सची थारो विचार
८ सांचो वा यथार्थ। उंपछें चोथें हलकारें आपको ठांव
सूरजउपर कूळ्यो उंसूं आदम्यांनें तावदेसूं बाळबको बळ
९ उंनें दीयो गयो। उंसूं मोटा तावसूं आदमी बाळ्या गया
औैर भगवानकें नांवकी बुराभाई करी कं यां सगळां घाव-
उपर जीको वसछें वा उंको महातम मानें बरदाबें वां पास-
वा कर्या नही।
१० उंपछें पांचवें हलकारें उंका ठांव उ जिनावरकें तखतउपर
कूळ्यो उंसूं उंको राज अंधारासूं मोळोग्यो औैर आदम्यां
११ पिराणी ऊपर आपकी जीभ काटी। औैर वांकें पीडकें
वा चांदोकें कारण स्वर्गके भगवानकी बुराभाई करी वा
वांकें कांमकी पास्तावोसें कांमता कर्या नहो।
१२ उंपछें छठें हलकारें उंका ठांव मोटी नदी फोरातउपर

कुओ उंसूं उंको पांणो सूक गयो कें पूरबकें कांनीका राजा
१२ को मारग त्यार वें। नागका मुंडासूं वा जिनावरका मुंडा
सूं वा कूडानिमित्तियाका मुंडासूं फखोडो मीडका हसा
१३ तीन भष्ट आत्मानें में देख्या। वें मोडाका अचेरा कांम
करबवाला आत्माहे कें जके सगळांसूं पोंचदांन भगवानकें
उ मोटी राडकें दिनबेबेई राजानें भेळा करबबेई संसार
१५ वा सगळा संसारका राजांकनें जायहे। देखो हूं चोरहसो
आवुं उ धन्यहे कें जको पोरो देवेहे वा आपका गाभा
राखहे कें नागडो न फरे वा आदमी उंको अपमान न देखें।
१६ और उ वांनें एक जागामें भेळा कर्या कें जींको नांव इब्री
बोलीमें हारमिगीदोन हे।
१७ उंपछे सातमें हलकारें उंका ठांव आकाशमें कूआ उंसूं
घरवाळाहे आकथा केंखवालो एक मोटो साद सर्गका देवरा
१८ सूं तखतसूं नीकल्यो। उंपछे साद वा मेंबो गाजबो वा बीज
ळी वा इसो मोटो धरती धूजी कें संसारपें उपर आदमकें
१९ होवासूं अंतरेंको मोटो वा बळियो धरती धूजन नहीं और
उ मोटो नगर तीन विराड जबर व्यारोर अबी और गोत्यां
का नगर पड्या और भगवानकें रीसकी बलतीतरें दारूका
बाटकानें मोटो बाबेलनें देवबेई उ नगर भगवानको
२० चितायो। उंपछे चावेंसो बेट भाग्या वा परबतपिण जावा
२१ नहीं। और आदम्यांकें उपर आकाशसूं एकर मणको
अटकलां मोकळा मोटा भाठा बरख्या और पिण भाठां
सूं लोग नें भगवानउपर कुफाआई करी क्योंक वें भाठा
बरखबसूं मोकळी मोटी तोसोस उपजी।

१७ सतरमो पांनो।—जो सावहलकारांका वें सात
ठांव हा वांकें विषयेम एक हलकारो आयर म्हारें भेळो वा
बयां करी कें अठी आ उं मोटी पातरकी तीजोब हूं थनें

Digitized by Google

२ देखासुं, वे जका मोकला पांणीउपर बेठेंछे। वे जींका भेला
संसारका राजा छीठाकांम करयाछे छे र जींका पातर
३ पणो दारुसूं संसारका रेंबवाला मन्खांनां छकाछें। उंसूं
उं आत्मासूं उंनें मनें ओडमें लेगया छोर कूपाचाईका
नांवसूं सगला छंगपूरा सात माथा वा दस सींगवाला
सींदूरी रंगका एक जिनावरउपर बेठोडी एक लुगाईनें में
४ देखी। वा लुगाई वेंगणी वा सींदूरी रंगका गाभासूं
बणाव करयोडो छी वा सोनो वा मांणक वा मोतीयांसूं सजी
जइ छी वा उंकें हाथमें छाछका पातरपणाका वा गोई
५ तरें एक मेलसूं भरयो एक सोनाको बाटको छी। वा
को नांव उंका लिलाडमें लिख्योछे के गूडार्थ मोटो बाबेल
६ पातरां वा संसारका गेलई करयोडी कांमकी मा। उंपछें
पुन्यवंत लोगांकें वा यिसुकें साखयांका लोईसूं मन्खांनो उं
लुगाईनें में देखी छोर उंनें देखर मोटा अचंभासूं विसमय
७ हवो। उं दूतबारें मनें कयो क्यों विसमय हवोछे उं लुगाई
को वा वें सात माथा वा दस सींगवालो उंको वेंबवालो
८ उं जिनावरको वारद जं तनें केंसुं। जको जिनावर तें
देख्योछे उ छो वा अबें नछें वा अथाह खंडासूं उपडसी वा
सगलाघेडमें जासी छोर संसारका रेंबवाला जिंका
लोगांको नांव संसारकी नीव देंबसूं जीवतयको पोथडीमें
लिख्यो नहीं गयोछे वें लोग जीवा वा विगरज्यार वा ज्यार
९ जिनावरनें देखर विसमय जासी। विधा भेळो जको मन
उ मन जो देव वें सात माथा सात परवतछे के ज्यांकें
१० उपर वा लुगाई बेठेंछे। छोरपिण सात राजाछे यांकें
विचमें पांच पड्याछे एक वर्तमानछें वा दूजो एक लाम
११ अबारंनछे पण जवासूं उंनें कुंचि दिन रेंबो पडसी। जको
जिनावर छो उ अबें नहीं उही आठमो वा वां सातांसूं
१२ उपज्यो वा सगलाघेडमें जासी। अके दस सींग वें देख्याछें

Digitized by Google

वेंई दस राजाछें कें ज्यो अबार राज लाधो नही वेर
उं जिनावरकें भेलो एक घडी राजा ज्यो मुंडो लाधसी।
१३ यांको एक मनछें वा आपको मुंडो वा जोर उं जिनावरकें
१४ देसी। वें सगला गाडराका बचाकें भेला राड करसी
वा गाडराका बचा उंनें जरासी क्योंक उ प्रभुवांको प्रभु वा
राजावांका राजा वा उंकें भेलो अबोछे वें निमंत्रण करयोडा
१५ वा सरावण्यां वा विश्वासछें। उं मनें कयो कें अबो पाणी तें
देख्योछें जठें पातर बैठेछे उवो लोग वा जमातां वा गोतां
१६ वा बोलीवालाछें। जिनावरकें उपरला अबे दस सींग तें
देख्याछें वें पातरनें गोई करसी वा उंनें अनाथ वा नागी
करसी वा उंको मांस खासी वा उंनें बालदेकूं बालसी।
१७ क्योंस आपको इच्छ परवारनें वा भगवानको कयां परे
वारवतोको एको करवानें वा आपको राज उं जिनावरकें
१८ देवानें भगवान यांकें अंतरंगमें दीनोछें। जो लुगाईनें तें
देखोछें वाई संसारकें राजायांकें उपर अधिकार करवावाली
उ मोटो नगरछें।

१८ अठारमो पानो।—ईसमबापछें बरंगसूं उतरतो
मोटो अधिकारवालो दूजा एक फरिस्तानें में देख्यो उंका
१ तेजसूं संसारमें चानणो जवो। उ फरिस्तो मोटा साद
करर कयो कें मोटो बाबेल् पडोछेर जोर भूतांको वासो
वा सारें जी भिसट आतमाको आसरो वा सारेंजी भिसट
२ वा गोई लायक पंख्यांको पींजरो अबोछें। क्योंस उंका
बलतो पातरवाझीपणाकोतरें दारु सगला देसवाल्या पीयो
छें वा संसारका राजा उंकें भेला संगत करीछें वा उंकें
चोखीपूराकके मोकलाईसूं संसारीका बांण्या मायायाम जया
४ छें। जोरपिछ आ कथा केतो दूजो एक साद में सरगसूं सुण्यो
कें हे म्हारा लोगां थें उंसूं कढो कें उंका पापका सिराकी

५ मती को वा उंकी तोसीस नखाखे । क्योंक उंको पाप
६ सर्गे औंठतें का भगवान उंको अपराध मनमें राखेंगें । उं
तिम्हो दोनोंतें उंसारक फल उंने दे उंवें कामवेमापक
उं दूणा दे उं अके ठांव वोभातें उंकेवनें वें ठांव दूणा
७ बोठो । उं कितनी आपकी गिरवाई करीतें वा राबो करी
कित्तो तोसीस वा कष्ट उंने दे क्योंक उ आपका मनमें
कैठे पे उं राणीक्षी बैठुं वा बेबा नथी वा कबुहि कष्ट
८ वदेखगु इंवेई मोत वा शोक वा भुगाई फेर काबी
९ एक दिनमें उंवें उपर पड़सी फेर वें तोरवेंआंको कसदेवू
बालोपिय जासी क्योंक उंवें इंडको देणवाको प्रभुभगवान
९ परक्रमगें । धरतीका राजा उंवें भेलो पापरपाजी
करीतें वा भोगविलास करतें वें अब उंवें बालवेको
धूवो देखसी तद वें उंको तोसीसका डरसु आगा ऊभा
१० उपर उंवें बाहेवोमें भूरणा करसी फेर हाय हाय बड़
सी वा वेसो वें बाबहाय उ मोटा नगर बाबिल उ बसी
११ नगर क्योंक एक घड़ीमें थारो दंड आवो । संसारीको
वाणोविय उंवें ऊपर रोसी वा भूरणा करसी क्योंक कोई
१२ वांको वणज मोल लेवें नथी । अथवा सोनो रूपो माणक
मोती मींणाभ केंसर्यां वा रेशमी वा गारम्या रंगका
गाभा वा संगकी सुगंधवकत्यां वा दांतकी समकीतरेंकी
वस्तु वा मोलकी थांबीवोमरकी वस्त्रोंका वा पीतलका
वा लोहेका वा मकरानका सगकीतरेंकी वस्तु वा
१३ दालचिनी वा सुगंध वा लेप वा लोबान वा दारू वा तेल
वा मैंदो वा गोहुं वा ढांडा वा भेडरा वा घोड़ा वा रथ
१४ वा गोला वा आदमीकी आत्मा । तेरे मन धारे मन
भोगवणा चाहणा वें थारा तेसुं जावे वा अबेर नहीं वाहो
वा चोखी चीजें वें सबसो बालोपिय तेसुं जाते वा थुं

१५ [illegible]
[illegible]
१६ [illegible]
[illegible]
[illegible]
१७ [illegible]
[illegible]
[illegible]
१८ [illegible]
[illegible]
१९ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
२० [illegible]
[illegible]
[illegible]
२१ [illegible]
[illegible]
[illegible]
२२ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
२३ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

Digitized by Google

११ [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] उमें [illegible] ।

२८. [illegible] ।—[illegible]
[illegible]
२ [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
३ [illegible] । [illegible]
४ [illegible] । [illegible]
[illegible]
५ [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible]
६ [illegible]
[illegible]
७ [illegible] । [illegible] भगवान
[illegible]
[illegible]
८ [illegible] । [illegible]
[illegible]
९ [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible]
१० [illegible] । [illegible]
[illegible]

Digitized by Google

वा मती कर्यों कं थारो सामीपाकर गुं और थिमुके
सावताको कोठारी थारा भायामें एक कोग गुं भगवान
को भजन कर क्योंके यिमुको बासपेखीको सावतो निमि
११ तियाको कथाको मोवगें। उंपगें में सर्गको बारबो पुल्यो
देख्यो ओर देख धोको एक घोडो वा उंके असवारको नांव
बिसवस वा साच वा यथार्थ करर उ सिवैदारी वा राड
१२ करेगें। उंकी आंख्यां बासदेका बोर्रा इसी उंके माथा
उपर मोकला मुगटगें थां उंको एक नांवो लिख्यो गे वे
१३ उंको आपबिगर कोई बांचे नहीं। और उ लोईमें डूबा
धोडो एक गाभासूं पैरोडोडो वा उंको नांव भगवानको
१४ कथा कैर बिख्यातगें। और मीं धोळा बिमेळ गाभासूं
पैरोडो धोळा घोडाउपर असवार सर्गको लसकर उंके पि
१५ गडो गे। वा उंका मुंडासूं तेजमी एक पाती कडी के उंसूं
देसवाळ्यांनें मारें और उ वांकें उपर लोहाको डांगडोसूं
सिवैदारी करसी और समर्थासूं पोपवान भगवानको
१६ मोटो बजराव वा कोपतरें दाखको यंत्र उ मुंदेगें। वा
उंका गाभाउपर वा उंकी साथळउपर यो नांवो लिख्यो
१७ गे के पातस्यांको पातस्या वा प्रभुवांको प्रभु। उंपगें सूरज
में उभो रैबवाळो एक दूतबारांनें में देख्यो वा सर्गके वा
दर्गके बिचमें उडबवाळा सगळा पंखेरुंनें उ मोटासूं बुका
यर कयो के आवो परमेश्वरको रातका मोटा जीमणवेईं
१८ भेळा वो। के थे राजावांको मांस वा लसकरके सिवैदार
को मांस वा बळियांको मांस वा घोडावां वा उंके असवारां
को मांस वा छुटा वा गोला नानामोटा बिना आदम्यां
१९ कोपिब मांस खावो। उंपगें उ जिनावरनें वा धरतीका
राजानें वा वांको लसकरांनें उ घोडस्वार मोळारबे वा
उंके फोजके भेळा राड करबवेईं भेळाकतो मैं देख्यो।
२० वा वें जिनावर कपवाराया वा उंके सामी करेरा दाम

वरखवाचो बूडा निर्मित्तियायित उमें भेवा कपड़ा गया वे ज्योसूं उ ऊंभिनावरकें सिंगाव रावयायाला लोगानें वा ऊंकी सूरत पूजणवालांनें भुलावें छे वे दोवु जीववारैता गंधवसूं
२१ कलक वामदेवा हरियावमें बनाया गया । और उरस्या मकि वें घोडांवा अवतार मोव्यारमा मुंडासूं वीयक्योडी पानीसूं माया पथ्या वा सगवा पंपी पांखा मांससूं धाप्तिरा ख़ार ।

२० दीवळेव पर्वो ।— उंठऊें पयोग ऊंडावी कुंवा रा पवनावा एक हजवारमें सर्वसूं उत्तवोमें देवीर उंके हाथ
२ में मोटो सांवळी । उं बामनें कपवा उं होवरा होय वें उं कायदोम कें मनो आगम्यो का मोछि छे और हजार बरसां
३ होवी उमें वेकाररमें राखो । वा उमें पयोग उंडामें बनावेर वा उमें मंदर रच्यो वा उकें ऊपर ओपचेपी वें वें हजार बरस पूरा थाकियाए मोयांवें ओर मनी मुकावें
४ उमें पछें पोतां दिमावेंई उ गुफायें माली । उंठऊें में रथावें देवी वा फोग वावें ऊपर बैठा था वामें विचार वृद्धको मुंडो दीनो गयो और पिव चिमुको सावतों देव सूं वा भगवानवी कथा पोतें वरवसूं ज्योको मायो काढेर ख़ोगा था ज्यां उं जिनावरवी वा उंकी मूरतवी पूजा करी मनो वा ज्यां कायदेर जिनाडऊपर वांचवा होवऊपर हाथि हाथो वीवो मनी वावी जाजामें में देव्यो ओर वा हजार वरसांताही कोठडें भेवा दिन काव्या वा राव
५ कयो । ओर उ हजार बरसां परवारणोंविना वाकी मुकदा
६ जीववय काढ्यो मनी पेंवडो पेरउपवसो थो । पेंवडा
७ पेरउपवकमें भेवि वीमारछें उ लोग वव्य वा संभिमोर्गे उंवरेवा वेवाउवर दूधीमावकी वांधि पोव मनो वेर वें भवानावा वा वीवका पारय असो वा उवें भेवा एक

७ हजार वरसलोकी राज करसी। ७ हजार वरस गया
८ पछे सेतान [illegible] [illegible] छुटायेलो जासी। ओर
धरतीका च्यार किनारांका लोकांनें वो वांनें सुमार
दरियावकी रेत जीतें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मुका
९ [illegible] वा [illegible] भेला करवानें नें जासी। ओर वे धरती
का पसरावमें गया वा संतांकी [illegible] [illegible] वा वाला
नगरनें च्यारांकानी घेरो वा [illegible] [illegible] वाबदे
१० मकर वानें पावनीख्या। वा मोडा वें जोनें वां भुकाया व
वासदे वा गंधका दरियावमें वगायो [illegible] वें मठे वें [illegible]
वर वा [illegible] [illegible] [illegible] ओर वें रातदिन होसीसा
११ [illegible] [illegible] [illegible] पाको। [illegible] [illegible] [illegible] मोटा
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] धरती वा [illegible] मागें वा
[illegible] [illegible] ठेठ ओर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] वडे
रानें में देख्या। ओर [illegible] [illegible] [illegible] मुडदा
१२ में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में देख्या ओर [illegible] [illegible]
गई उंपछें ओर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] वा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आपकेर [illegible]
१३ साफक मुडदांको विचार कवो। [illegible] दरियावकें आपका
[illegible] मुडदांनें [illegible] दीना वा मोत वा [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] मुडदांनें [illegible] दीना वा आपकेर [illegible] [illegible] [illegible]
१४ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] गया। उंपछें [illegible] दरियावमें
१५ मोत वा [illegible] [illegible] [illegible] दूजी मोत [illegible]। वा [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] दरियावमें [illegible] गयो।

२१ [illegible] पाँचि।—उंपछें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
२ वा दूजो दरियाव न छे। उंपछें [illegible] [illegible] [illegible]

सवोड़ी बैठे [illegible] ठ निर्मल नगर अथवा नवो यिरुसालम्
ने भगवानके परवासूं अथवा सर्गसूं उतरतो मैं [illegible]
३ देखी। सर्गसूं आ [illegible] मोटा साद मैं सुणी
के देखो भगवानको डेरो आदम्यांके भेळो है वा वांकै भेळो
ठ रैसी वै उंका आदमी ह्वसी वा भगवान आप वांके बिच
४ मैं रैर वांको भगवान ह्वसी। और वांकी आंख्यांसूं
भगवान सगळा आंसूवांको पांणी पूंछसी वा और मौत
अथवा शोक अथवा रोवो अथवा और पीड ह्वसी नही
५ क्योंके पैलड़ाळा विषय बै गया है। उंपछे ठ सिंहासनउपर
बैठ्यो आदमी बोल्यो के देख हूं सगळी वस्त नवी करूं
ठ मनैं [illegible] के लिख क्योंके आ बचन प्रतीत करणी
६ जोग साचा है। और ठ मनैं कियो के पूरा होगया हूं अ वा
ज आदि वा अंत हूं जको तिसायो है उंनें हूं जीवतव-
७ ळरै जोरका पांणी मुफत देसूं। जको जीत जावै
है ठ जोग सगळी वस्तको हकदार ह्वसी वा हूं उंको भग
८ वान ह्वसूं वा ठ म्हारो बेटो ह्वसी। और डरपोक वा
[illegible] वा पापी वा खूनी वा [illegible] वा टोना वा
[illegible] वा देवपूजा [illegible] वा सगळा झूठ बोलवावाळांका
[illegible] [illegible] वा [illegible] [illegible] दरियावमें है दूजी
९ मौत वा। और जे सात छेल्ली मरीसूं भरेड़ी सात
[illegible] सात [illegible] जिणमें एक दूतबारे म्हारे
१० [illegible] [illegible] म्हारे [illegible] [illegible] [illegible] बोल्यो। के [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] अथवा [illegible] हूं [illegible]
दिखाऊंगो। जद आत्मामें ठ मनैं एक मोटो वा ऊंचा पर
[illegible] ऊपर लेजायर सर्गसूं अथवा भगवानसूं उतरतो ठ
निर्मल नगरमें [illegible] निर्मल यिरुसालम् ठ मनैं देखायो।
११ [illegible] भगवानको [illegible] भेळी वा [illegible] [illegible] साथ [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

१२ ओर मोटो वा उंची बार देवारोसुं वेकोडा वा बारे
बारवाबाओगे वा बारवाउपर बारे फरकारा सिर्भे
कयोडाछा उंके उपर नांवो लिख्यो वे बाबा सिमराइलवें
१३ डावडांका बारें गोत्रांका नांव। पुरबकांनी तीन बारखा वा
उत्तरकांनी तीन बारखा वा दखिनकांनी तीन बारखा वा
१४ पश्चिमकांनी तीन बारखा गा। उं नगरकें भींतको बारें
नींव वा उंकें सिवलें गाडराका चेलांका बारें सरकारां
१५ का नांव। ओ म्हारें भेली कथा करी उंके एक सोना
की भुंगली उं नगर वा बारखा वा भींत मापवाने गे।
१६ उ नगर चोखुंटो बांधियोडो बरोबर लंबाई उं भुंगलीसुं
उं नगर माप्यो साडे सात सें कोस लांबो वा चोडाई वा
१७ उंचाई बरोबर गे। उंपछे आदमीका हाथका प्रमाणसुं
अथवा उं फरकाराका हाथका प्रमाणसूं उं भींत माप्यो एकसो
१८ चालीस हाथ छहे। भींतको साठ जवाहरकी वा नगर
१९ साफ काचसरीसो चोखो सोनाको। वा नगरकें भींतकी
नींव सगळीतरेंको जवाहरात सुंवारसुं सजोडी वेवडी
२० तींव जवाहरकी दुजी नीलमकी तीजी वारांकी चोथी पन्ना
की पांचमो वैडुर्यको छठो माणेकको सातमो पुखराजको
आठमो वैडुर्यको नवमो पीरोजाको दसमो गोमेदको
२१ इग्यारमो फीरोजाको बारमो मरकतको। वे बारें फि
वाड बारें मोतीयांका एकएक फाटक एकएक मोतीयुं बणायोडो
गे ओर उं नगरको सडक चोखा कांचसरीसा सोनासुं
२२ बणायोडो गे। उंमें मिंदरनें कोइ देवस्थल नहीं वा
कोस प्रभु भगवान सगळांसें सर्वशक्तिमान वा गाडराका बचा
२३ वेई उंका देवरा छे। उं नगरमें आंजवाळो करवाने सुर्य
वा चंद्रमाको कांम नहीं क्योंके भगवानको तेज उं नगरको
२४ करेंगे वा गाडराको बचा उंको दीवो छे। ओर उं नांव
बांमें लोको चालसी वा धरतीका राजा आपको महिमा वा

Digitized by Google

२५ मरयादा उंमें ल्यावा। दिनका उंका पिंडाड कदेई नही
२६ खसी नही वा उं आगा रात असी नही। वा गोत्रांको
२७ महातम वा मर्यादा उंमें ले आसी। वा अठा कोई वस्तु
भिसट करेंछे अथवा घीडो काम करेंछे अथवा कूडी बर्ता
छेंछे वें सगली बर्ता कोओवरें उंमें बडसी नही ओर अके
गाडरांकें बच्चा कें जीवतव्यसरीको पोथीमें लिख्योडो नाव
छे वें बडसी।

२२ बाईसमो पांनो।—ओरपिछ भगवांन वा गाडरा
का बच्चाका तखतसूं निकल्योडी फिटकडसी निर्मल अमत
२ पांणीकी नदी उं मनें देखाई। उं नगरकें मारगमें वा
नद्यांकें दोन्युं छेपडा पावेंओं मछिनामें एकर तरें इंवरें
बारें मछीनामें बारेंतरांका फलदेंखवाला जीवतव्य देख
वाला रूंख रेंछे उं रूंखका पान लोगांकें चंग करखवेई अवा
३ छें। ओर फिटकार रेंसी नही ओर भगवांनको वा गाड
राका बाचाका तखत उंकें बिचमें रेंसी वा उंका सेवक उंकी
४ सेवा करसी। वें उंको मुंडो देखसी वा वांको माथो
५ वांका नांवसूं सज्योडो असी। उठें ओर रात असी नही
ओर वांनें बाटकी अथवा सूर्यकें चानणाकी ओर गरजपिछ
नही क्योंकि प्रभु भगवांन वांनें चानणो देवेंछे ओर वें
७ रोजीना राज करसी। उंपछें उं मनें कयो कें वें बर्ता
इतबार करखकी वा साचछें ओर निमितियांकें आत्माको
प्रभु भगवांन थोडा दिनकें बिचमें होवणहार अबें बिषय वें
विषय आपका दासांनें देखाववनेई आपका चाकारानें
६ मेल्योछें। देख उं वेगो आवडूं अथो लोग ई पोथीकी
८ निमितियाकी कथा पालेंछे उ धन्य। उं योहन् ओ विषय
को देखणवालो वा सुणवालो हुं वा देख्यां वा सुण्यां पछें जी

हलकारें मनें ओ विषय दिखाल्यो उंकें पगांवें सांमो भजन
९ करबवेई जं पड्यो। तद मनें उं कयो कें भिवेंवाव का मच
करज्ये, जं थारो संगवे सेवक हुं ओर थारा भिमिविया
भाई वा अके इं चोपडीकी कथा पावेंगे वांका एक लोग जं
१० भगवानको भजन कर। उंपछे उं मनें कयो कें इं चोपडीकी
११ कथा गोडव करर मुंदजे मती समय नेडो आयोछे। अबो
लोग अयथार्थीछे उ अयथार्थी जयर रहे वा अबो लोग भि
सटछे उ भिसट जयर रहे वा अबो लोग साचेछे उ साचो
जयर रहे वा अबो लोग संमेगोछे उ संमेगो जयर रहे।
१२ देखो जं वेगो आवुं हुं ओर जिसो काम जसो उंमाफक
फल पावेंगीं लोगनें देंबवेई म्हारें देंबवाळो फल म्हारें
१३ भेळो छे। जं क वा ख। आदि वा अंत वा ठेट वा छेडबो।
१४ अबो उंकी आग्या मानेंछे वें धन्यछे के वें जीवतव देबवाळा
रूंखका फल खांबको वोठार आवें ओर बारबासूं नगर
१५ में वड़े। क्योंस कचरा वा विटोळा वा पाखरवाज वा खूनी
वा देवताका पूजबवाळा वा अको कोई कूड़कथा सरावेंछे
अथवा केंछे वें बारबें रेंछे।
१६ इं कथाको साखतो थांनें टोळीमें देंबनें जं यिसुनें आप
का हलकारानें मेल्योहुं जं दाऊदको जड वा उंसूं उपज्यो
१७ वा वांसको वा प्रभातो तारोहुं। परमात्मा ओर विंदणी
कोंछेकें आवो अबो लोग सुनेंछे उ लोग कहे कें आवो
अबो लोग तिसायो उ लोग आवें जींकें इच्छा छे उ सुफत
१८ अम्रत पांणी लेवे। क्योंस अबो लोग इं चोपडीकें लिमि
तियाकी कथा सुनेंछे उं आमेंगीं लोगकनें जं ओ साखदेर
केउंहुं कें अर कोई इं कथावें भेळो ओर कुछि भेळें तो भग
१९ वांसोस इं चोपडीमें लिखीगईछे भगवांन उंनें वा वांसोस
कत्तो करर उंनें देसी। वा इं चोपडीकें निमितियाकी कथा
को अर कोईपिण मिटावें तो जीवतवसरीमो रूंख वा पुव

नगर वा इं पोथडोमें मंडो लिख्यो गयोहें इं समचारूं ऊंदो
२० पोठार भगवान उपावसी। मंडो या घाँको सावतो देवें
हे उडै वेंहे वें निश्चें ज बेगो बरर चाऊंगु आमिन् हे
२१ प्रभु यिशु आव। प्रभु यिशुखीष्टको अनुग्रह सबका पुंथ
बंधाउयर वें। आमिन्।

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google

Digitized by Google